

شروح میں ایک جامع مقدمہ قوانین کی نہایت آسان انداز میں وضاحت ، بناءِ ابواب کے رہنما اُصول ،غیر ضروری طوالت سے اجتناب ،قواعد میں استعال شدہ مشکل اصطلاحات بچھنے کیلئے اور مزیدا ہم معلوماتی مواد کی غرض سے جابجا فوائد و تنبیبات کا دلچسپ سلسلہ ،تمام مشکل ابواب کی مکمل گردان اور تعلیلات پر مشمل ایک بہترین اور ممتاز شرح۔

أستاد الصرفع والنحو

مولانارشيش ياخرسواتي

جامعه بنوريه سائك كراچى

والمنتخلال المنتخلط



الحمد للدوالصلوة والسلام على ني لا ني بعده اما بعد

علمی حلقوں میں خواہ علاء ہوں یا طلبہ ہوں یہ بات کی سے تفی نہیں کہ عربی زبان میں مہارت حاصل کرنے کیلے علم صرف ریٹر ھی ہڈی کی حیثیت رکھتا ہے خواہ بول عیال کے اعتبار سے ہو، تحریر وقتریر کے اعتبار سے ہو یا درس وقد ریس کے اعتبار سے ہواس فن کی اشد مغرورت ہے۔ ای سلسلہ کے ایک کٹری تنویر الصرف شرح ارشاد الصرف ہے یہ کتاب تقریباً درس نظامی کے تمام مدارس میں داخل نصاب ہے کتاب فاری زبان میں ہونے کیساتھ ساتھ نہایت مغلق ہے علمی انحطاط کے اس دور میں حصول علم کا شوق اور ذوق نہ ہونے کی وجہ سے طلب اردوشر وحات کی طرف متوجہ ہوتے ہیں اور اسکی جبتو کرتے ہیں، چنا نچ بعض اہل علم نے اپنی بساط اور ذوق کے مطابق ارشاد الصرف کی شرح کھی لیکن ان میں ہے بعض بہت زیادہ طویل اور بعض بہت زیادہ مختصر ہیں جبکی وجہ سے ایک الی شرح کی ضرورت محسوس کی جاربی تھی میں ہیدونوں پہلومت نظر رکھتے ہوتے اعتمال کیساتھ صرف تو انین اور مطالب کی وضاحت ہو۔ شویر القر ف کے نام سے میرے خلص دوست مولانا رشید احمد سواتی صاحب نے اس کتاب کی ایک جامع شرح تحریر کر کے اس اہم ضرورت کی تحمیل کی ہے ارشاد القر ف بارہ سال سے موصوف کے زیر قد رہیں ہم مولانا موصوف کو مختلف فنون میں استعداد وصلاحیت ضرورت کی تحمیل کی ہے ارشاد القرف میں مہارت حاصل ہے یہی وجہ ہے کہ جامعہ بنوریہ عالمیہ کے طلبہ اور اساتذہ صرف کے مسائل پر موصوف ہی کی طرف رجوع کرتے ہیں۔

اس سے قبل موصوف کی ایک کتاب ای فن میں ارشاد الصیغہ کے نام پر آپکی جسے علاء اور طلباء کے حلقہ میں نہایت مقبولیت حاصل ہوئی ، تنویر الصرف کا انداز بیان انتہائی سہل اور عام فہم ہے ہر بحث کو وضاحت کیساتھ ذکر کیا ہے خصوصاً قوانین اور مشکل ابواب کی گردان اور تعلیلات حل کرنے میں کوئی کسرنہیں چھوڑی گئی۔

مكتبددارالقلم كيلئ يدبات باعث فخرومسرت بے كفن صرف كى بيدوسرى كتاب شائع كرنے كى سعادت أسے حاصل ہوئى۔

عبدالغفور مکتبددارالقلم سائٹ کراچی besturdubooks.wordpress.com

فهرست مضاعن تؤير الصرف شرح ارشادالعرف

| منۍ | عنوان | منح | عنوان |
|------------|------------------------------|-----|-----------------------|
| ·ři | وزن نكالنے كاطريقه | 9 | انتباب |
| ۲۲ | مش اقسام کی بحث | 1• | آغا زمخن |
| PP | تعريفات شش اقسام | 11" | چنداہم چیزوں کی وضاحت |
| ۲۳ | بغت اقسام | ir- | مباديات علم صرف |
| ۲۳ | تعريفات | 14 | چندفوائد |
| 74 | اهتقاق کی آمریف | 11 | كلسك تشيم |
| . ۲4 | اسم کی ایک اورتقسیم | 14 | اسم بعل جرف کی تعریف |
| 24 | اسم جامد بمصدر بشتق | 14 | حروف جاره |
| 14 | اوزان اسم جامد | 14 | 7وف نداء |
| rΛ | دواز دواتهام | ا ا | حروف ناصبه |
| 14 | اسم ميالغه كي تعريف اوراوزان | 14 | حروف جازمه |
| 19. | استفضيل اورمبالغه مين فرق | 14 | چنداصطاا حات كاتعارف |
| 19 | اسم فاعل اورصفت مشبه ميس فرق | IA | علامات اسم |
| 1"• | ابواب کی بحث | 19 | علامات فعل |
| P • | باب کی تعریف | 19 | علامات حرف |
| rr | ابواب کی علامات | 19 | اس کھیم |
| 44 | صرف مغير | 14 | فعل تقيم به |
| poter | گردان بح ترجمه | ۲. | حرف کی تقتیم |
| rα | يناء کى بحث | r• | میزان کی بحث |

| | S | com | | |
|--------------|----------|--|-----------|--|
| pestudubooks | Moldbies | r . | • | |
| turdubook | ΝĄ | جنع أنطى بنائے كأظر يقد اور اوزان | ۵۳ | پناء کے چنداصول |
| pes. | 79 | صدوار بالده زاكده والاقانون | ۵Y | فغل مامنی معلوم کی بناء |
| | . 19 | اسم فاعل کی بناء | | قوانين |
| | 41 | اسم مفعول کی بناء | ۵۸ | قوانین سے پہلے چندفائدے |
| | 24 | اسم مفعول والاقانون | ۵۸ | علامات تاميث |
| | 28 | نون تنوین نون تشنید جمع والا قانون | ۵۸ | قانون کی تعریف |
| | ۷۳ | نون تنوين اورنون خفيفه والاقانون | ۵۹ | صدربن كاپہلاقانون |
| | 20 | نون اعرابی کی تعریف | ٧٠ | کار مقیقی سکنی |
| | ۷۵ | نون اعرابی والا قانون | ٧٠ | ضوبن كادومرا قانون |
| | 20 | نون تا کید کی بحث | YI . | انتم اورضر بتموالا قانون |
| | 20 | نون تاكيد كي تعريف | 41 | على الى لدى والاقانون |
| | 20 | مفارع كيماتجو لمان كاطريقه | 71 - | ماضى مجبول والاقانون |
| | 21 | نون تقیله وخفیفه میں فرق | 48 | مضارع معلوم کی بناء |
| | 24 | نون تا كيد كاعمل | 41" | مضارع مجبول کی بناء |
| | 44 | فعل مستقتبل کی بناء | ۲۳' | مضارع مجبول والا قانون |
| · | ۷۸ | فعل جحد کی بناء | 10 | اسم فاعل والا قانون |
| | ۷۸ | لم جازمه کاثمل | ٠. ۵۲ | رون علت من المبادر |
| | 2.9 | فعل نفی کی بناء | 40 | مده اور کین کی تعریف |
| | ۷9 | لا ئے نفی کائمل | 44 | مفرومكير |
| | ۸٠ | ^ا ن ناصبہ کا ^{عم} ل | YY | مفردمکم تصغیر کاطریقہ تصغیر کے چند ضابطے جمع آتصٰی کی تعریف |
| | ۸٠ | غنه اظهار ، ادغام ، اخفاء اقلاب كي تعريفات | YY | تقنيركے چند ضابطے |
| | . Al . | يرملون والاقانون | N.F. | جع آهنی کی تعریف |

| | | s.com | | |
|------------|------------|--|-------------|--------------------------------|
| bestudiboc | ks.wordpre | ۵ | | |
| besturdube | 1+1= | تانون علم وشهد | ۸۲ | اظبار، اقلاب، اخفاه والاقانون |
| | 1+0 | اعلم تعلم والاقانون | ۸۳ | امرحاضروالا قانون |
| | 1.2 | صفت مشبه کی گردان اور بناء | ۸۳ | امرحاضرمعلوم کی بناء |
| i | 1+9 | اتسام وزن | ۸۳ | وتف اورج من من فرق |
| | 11- | الف مفاعل | ۸۵ | الف فاصلها احسربنان والاقانون |
| 1 | 11+ | شرانف والاقانون | YA | امر حاضر مجبول کی بناء |
| | J | ابواب ثلاثی مزید فیه | ۸۷ | امرغائب کی بناء |
| | 111 | غيرثلاثى مجرد ساسم آلداوراسم تفضيل كاطريقه | ۸۷ | لام امر کاممل |
| | Hr. | يناءمضارع ازباب افعال | ۸۹ | لائے نمی کاعمل |
| | 111" | بناءامر حاضراز بإب افعال | · A9 | نی حاضر کی بناء |
| | · | اقسام ہمزہ | 9+ | نى نائب كى بناء |
| | 111" | ېمزه املى تېغىيى وملى كى تعريف | 91 | اسم ظرف والاقانون |
| | 1111 | ا تسام ہمز قطعی | 91" | شاذ کی تعریف اورا تسام |
| | 111 | بهمزه وصلى اورقطعى والاقانون | 91" | اسم ظرف کی بناء |
| | | مضارع معلوم کے قوانین | 91 | اسم آله کی بناء |
| | 1114 | مضارع معلوم كاپهلاقانون | 4 Y. | الم تفضيل كي بناء |
| | . 110 | مضارع معلوم كاووسرا قانون | 94 | مصاريب اور ضور بوالاقانون |
| | 110 | مضارع معلوم كاتيسرا قانون | 94 | الف متصوره اورا کی قشمیں |
| ; | | بابافتعال كيقوانين | 44 | الف ممدوده كالعريف اوراقسام |
| | IIA - | كانون انقد واتسر | 49 | امالیک تعریف |
| · | 110 | كالون اسمع وانشبه | 1++ | الف متصوره ادرممدوده والآقانون |
| | ir• | قانون اظلم واطلم | • | فعل تعجب کی بناء |
| | | | 101" | وزن فعل كاشين |

| | | com | | • |
|--------------|----------|--|--|--|
| | ordpress | | | |
| besindipooks | 5.77 | مثال کابواب | . 171 | قانون اذكر وادكر |
| bestull | 10+ | مثال واوی | irr | قانون اثبت واتبت - الله الله الله عالم الله الله الله الله الله الله الله ا |
| | 14. | مثاليان | (PP | قانون خصم و كظم |
| | | اجوف کے قوانین | Iro | حروف شمسيه دقمرية كي تعريف اور قانون |
| | 172 | ناقص حکمی کا مطلب | IFA | روف هيدورين ريب رون ون سنت کي تعريف |
| | 142 | قال باع والاقانون | IPP | تانون لم يحسر لم يمد |
| | 144 | التقائے ساکنین کی بحث | | الاابرياع |
| | 141 | انتقائے ساکنین والا قانون انتقائے ساکنین والا قانون | 112 | |
| | | | | ریا می مجرد |
| | 1214 | قلن والاقانون | IPA | رہا می مزید فیہ قبی شد عدا |
| | 120 | خفن بعن والاقانون | ······································ | قوانین مثال |
| | 140 | قيل بيع والاقانون | 177 | تعلیل کی تعریف |
| | 120 | اشام کی تعریف | Irr | عدة والاقانون |
| | 127 | يقول يبيع والآقالون | شائما | التلائي سأكنين تنويل وفيرتنويل |
| · | 141 | يقال يباع واارقانون | سائها | اقامة اسدتنامة والإقانون |
| | 14+ | قانل بانع والاقانون | 144 | ميعادوالاقاؤن |
| | iA• | قيال ورياض والاقانون | Ira | م عدت والاقانون |
| | IAI | معيدوااا قانون | ורא | اعد اشاح والاقا ون |
| | IAF | قولمن والاقانون | iry | يعد واازقانون |
| | | اجوف کے ابواب | 162 | اه اعدواا قانون |
| | 14.5 | اجوف واوي | IM | ياحل واالآقانون |
| | 140 | طاح يطيح من انتااف | IMA . | افعل فعلى فعالاً، كَاتَّمين |
| | rir | اجوف يا ل | 164 | يوسرواا قاتون |
| | | قوانين ناقص | | |

| c ^c | 5.com | | |
|------------------|--|---|--|
| Moldbies | | | |
| · | ۷ | | |
| 19 2 | لغيف مقرون ثلاثى مجرد | 779 | طرف كله سيمراد |
| P. F | لغيف مقرون ثلاثي مزيد نيه | 779 | دعاء والاقانون |
| | مهموز کے قوانین | 78% | دعى والا قانون |
| r. 9 | راس ،بوس، ذيب والاقانون | rr• | دعبي كادوسرا قانون |
| 1"10 | ا من ايماناوالاقانون | rrı | يدعو يرمى واالقانون |
| . 1111 | جون ميروالاقانون | rrr | يدعى والاقانون |
| 1"11 | جاء اوادم واالقانون | rrr | دعاة والاقانون |
| rir | يسل والاقانون | rrr | دعى كاپبااقانون |
| p=1p= | افيس خطية والاقانون | *** | دعمى كادوسرا قانون |
| rir | قمرءى والاقانون | rra | لم يدع ادعوا الأثون |
| ۳۱۳ | سدال والاقانون | rry | لتدعون لتدعين والاقانون |
| ۳۱۳ - | سول مستهزيون والاقانون | 112 | شعبي نقوى والاقانون |
| 710 | المنفن والاقائون | PPA | ر خاياه ۱۱۱ قانون |
| r16 | اويبي وااإقانون | rrq | رخاى رخية واالآاتون |
| | ابوابمهموز | rr. | قوية اور رخوت واادقانون |
| PIY | مبموزااناه کے ابوا ب | 441 | ر مو ننهو واالآلاً وان |
| rrr | | | ابوابناقص |
| PP. | | | ابواب باقص دادی ابواب ناقص یا کی |
| PP4 | | [4d | اباب اعراق لفیف کابواب الفیف کابواب |
| rr <u>z</u> | | M | النيف مغروق الأفي ميرو النيف مغروق الأفي ميرو |
| r _t y | | r4. | يف مراق المانية الفيف منروق ثلاثي مزيد فيه |
| P"("+ | متجانسين كا پوتق قانون | | ابواب لغيف مقرون |
| | #* ## ## ## ## ## ## ## ## ## ## ## ## # | النيف مقرون الما في مزيد في المحمود كو المين المحمود كو المين المحمود كو المين المحمود كو المين المساد الما قانون المساد المسا | ا المن المن المن المن المن المن المن الم |

| | | | oks.wordpress.com | O. |
|----------------|-------|------------|-------------------|-------------|
| ابوابمضاعف | ۳۳۹ | مغاعف دباى | rra | besturdubou |
| الله في مجرد | r-pr- | مركبات | ma | İ |
| ثلاثی مزید فیه | rrr | | | |

بية رمضان، ١٨ كتوبر ٢٠٠٥ كي ايك أفسره وادرأ داس من تقى دن كرة غاز كم ساته زندگي معمول كرمطابق روال در وال بوگني، كس كومعلوم تها كرة ع كا سورج این دامن میں مصائب وآلام ، جابی و بربادی لیکر طلوع مور ہا ہے۔ جو س بی وقت کی رفتار ۸ بجکر ۵۰ منٹ کی حد عبور کرنے گئی تو ۱ جا کے زمین لرزائعي ، پها ز بلنے ملك - ، برطرف ذعوال بي دُعوال جها كيا ، جي ويكاري صدائي كو نيخ لكيس ، ايك شد يد جيك نے صوب سرحد، آزاد كشميراور شالي علاقه جات کے بہت سے بنتے بستے شہر، گاؤں کے گاؤں ہزاروں اسکول، بہتال ، دفاتر، محراور بازار، اور اَن مِحدت آباد یاں صفیہ سی سے مناویں۔ اور معصوم بجول ميت بزاودل انساني زندگيال موت كي نذر موكني ، مظفرة باد، باغ ، بالاكوث ، الائي ، شانگله ، ادر متعدد ديكر مقامات برر بائش علاقة قبرستانون كا منظر پیش کرنے لگے، ایک لا کھے نے اکدانسانی جانیں ملبے تلے دب گئیں جبکہ ۳۵ لا کھے نے اکدافراد زخی اور بے گھر ہو گئے جن میں متعدد زخی ہروقت مجتی امداد ند طنے کے باعث زندگی بحر کیلئے ایا ج اورمعذور ہو محے ، ہزاروں نیچے اسکول کی عمارتوں کے ملبے تلے کرا ہے ، چینے ، چاتے اور مدد کیلئے بگار تے رے، اکی چیں منکریٹ کی ان وزنی ٹوٹی بھوٹی دیواروں اور چھتوں کو چیرتی ، ہوا کے دوش پر تیرتی با ہرتک آتی رہیں کیلن کوئی ادارہ ، کوئی این جی او، کوئی سیجا اکل دادری نبیس کرسکا" زندگی شم کی صورت موحدایا میری" کی دعائیں بڑھنے والے گہری تاریکیوں کی نذر ہو مجے۔اکلی مدد مدد کی التجائیں اورصدائیں ایک ایک کرے خاموش ہوگئیں،ایے بہت سے درداک مناظر، دکھی ایس بہت ی المناک داستانیں ماسمرہ سے بالاکوٹ تک بمظفرآ بادے راولاکوٹ تك قدم بقيم بمرك يوني بيں يكل جهال انساني آبادي كي چهل پهل تقي جيج اور تعقيم تتح آج وہال كھنڈرات بيں ويرانے بيں ايك مجيب ي وهنتاك خاموثی ہے، زلزلہ گزر گیالیکن یہال کر بنے والے ابھی تک قیامت ہے گزررہے ہیں ان پرمصائب کے پہاڑٹو نے ، حالات نے اکی غیرت وخود داری کا گانگونٹ دیا، دربدر کی ٹھوکریں اور اذیتیں اٹکا مقدر بی، وہ سبک سبک کر اورگفٹ گفٹ کر جینے پر مجبور ہو گئے وہ جی ہے جوکل مسرتوں کے عموارے تھاب جزن وملال کی تصویر ہے ہوئے ہیں۔اس اندوہناک سانھے نے پوری یا کتانی قوم کوایک اجتماعی غم ہے دوچار کیا ہے، ہرآ کھے پرنم، ہر دل مغموم، ہر مخص غرزہ اور دل گرفتہ ہے، جنکے استے قریب نہ تھے تب بھی یہ کیک ہے جنکے قریب تھے ان پر کیا گزری ہوگ ۔ عالمی برادری اور بالخصوص پاکستانی بوام نے بیے بناہ ہمت وایٹار،خلوص اور ہمدروی کے ساتھ متأثرین زلزلہ کی برممکن مدداورتعاون کر کے انسانی رشتوں اوراخوت و پیجیتی کے ایمانی جذبوں کی ایک نی تاریخ رقم کی ہے۔

سی تھیری کاوش ، زمین ہوں ہوجانے والے ان گنت مکانات کے ان ہزاروں بدنھیب مکینوں کے نام جو تجھیز وقد فین کی رسوم سے بے نیاز ہوکراس جہاں سے دخصت ہو گئے۔

چول <u>ان بچوں کے نام، جو ہنتے مسکراتے ہٹرارٹس کرتے اسکول پنچے تھ</u>اورا بھی انکادوسرا پیریڈ شروع ہی تھا کہا چا بک موت کی بےرحم لہروں نے انہیں خاک وخون کے لباس میں ابدی نیندسلادیا

ان بوڑھے والدین کے نام جن سے اس قیامت نے بڑھا پے کے سبار سے چین لئے ، ان عفت مآب بہوں کے نام جنگے سہاگ اجڑ مکے ، الکے حسین خواب وقت سے پہلے ٹوٹ کر بھر گئے

بسم الله الرحمن الرحيم

آغازتن

حَمُداً لِمَسَنَ زَيْنَ قُلُوبَنَا بِكَلِمَاتِهِ الْعُلْيَا وَعَلَّمَنَا دُعَاقَهُ بِاَسْمَائِهِ الْعُسُنَى وَمَنَّ عَلَيْنَا بِرَفِيعِ السَسَمَاءِ وَدَحْسِي الْأَرْضِ وَوَخْسِعِ السَمِيْسِزَانِ بِيسَدِهِ تَحْسرِيُفُ الْاَحْوَالِ وَفَتْحُ اَبُوَابِ السَّمَاءِ وَدَحْسِي الْأَثْوَالِ وَالْاَفْعَالِ وَمَيْزَ النَّاقِصَ مِنَ السَّعُ فُرَانِ وَالسَّمَاءُ وَالسَّمَاءِ وَمَعَلِيهِ النَّذِينَ هُمْ مَصَادِرُ السَّمَاءِ وَمَعَلِيهِ النَّذِينَ هُمْ مَصَادِرُ السَّمَاءِ وَالسَّمَاءِ وَالسَّمَاءِ وَالسَّمَاءِ وَالسَّمَاءِ وَالْعَرَانِ وَالسَّمَاءِ وَمَعَالِيهِ وَالسَّمَاءِ وَالسَّمَاءِ وَالسَّمَ وَالسَّمَ وَالسَّمَاءِ وَالسَّمَاءِ وَالسَّمَاءِ وَالسَّمَاءِ وَالسَّمَاءِ وَالسَّمَاءِ وَالسَّمَاءُ وَالسَّمَاءِ وَالسَّمَاءِ وَالسَّمَاءِ وَالسَّمَاءِ وَالسَّمَاءِ وَالسَّمَاءِ وَالسَّمَاءِ وَالسَّمَاءِ وَالسَّمَاءُ وَالسَّمَاءُ وَالسَّمَاءُ وَالسَّمَاءُ وَالسَّمَاءُ وَالسَّمَاءِ وَالسَّمَاءُ وَالسَّمَاءُ وَالسَّمَاءُ وَالسَّمَاءُ وَالسَّمَاءُ وَالسَّمَاءِ وَالسَّمَاءِ وَالسَّمَاءُ وَالسَّمَةُ وَالْمَاءُ وَالسَّمَاءُ وَالسَّمَاءُ وَالسَّمَاءُ وَالسَامِ وَالْمَاءُ وَالسَّمَاءُ وَالسَّمَاءُ وَالسَّمَاءُ وَالسَّمَاءُ وَالسَامُ وَالسَّمَاءُ وَالسَامُ وَالسَّمَاءُ وَالسَامُ وَالْمَاءُ وَالْمَاءُ وَالْمَاءُ وَالْمَاءُ وَالْمَاءُ وَالسَامُ وَالْمَاءُ وَالسَامِ وَالْمَاءُ وَا

یہ آئے سے تقریباً کیس سال پہلے کی بات ہے کہ ہمارے شہر کی جامع مجد میں واقع مدرسہ کا ایک طالب علم اکثر و بیشتر انتہا کی انتہاک اور توجہ کیساتھ دھی دھیں تھیں تا واز میں کچھ مخصوص کلمات بار بار دُھراتے ہوئے کھی مجد کے حسی میں اور کبھی مدرسہ کی راہدار یوں میں ٹبلتا ہوا نظر آتا، اسکی اس قدر محویہ اور شخولیت و کھر کر پر بجسیس نگا واور بے قر ارطبعیت سے مزیدر ہانہ گیا ایک دن پوچھنائی پڑا، ہم عمری اور تا بچھی کی بنا، پر اس طالب علم کی بتلائی ہوئی پوری تفسیل تو سمجھ میں نہ آئی البته آئی بات و بہن میں فوب تقش ہوئی کہ وہ بنا ہیں اس من میر "نامی کتا بیا دکرر ہا ہے اور یہ بھی بتلادیا کہ اس علم کے بنیا دی طور پر تو چالیس ابوا بیر اور آئی بلگر ان سے پھر سینکر وں ابواب بن جاتے ہیں، نی سال بعد اکل کہی ہوئی یہ بات اچھی طرح اُس وقت بجھ میں آئی جس دن عملہ السطان ہوں اور گشدہ وہ وہ پر انی بات کھر سے تازہ ہوگئی۔ ملح قات ہیں۔ تو اس وقت ذبن کے بوسیدہ اور اُق کی وہر میں مدفون اور گشدہ وہ وہ پر انی بات کھر سے تازہ ہوگئی۔ بیب میں بری کہ بی بات کو بار بار دُھرا تا تو بیب میں بری گر مرمیر چھوڑ دو" گویا لفظ سر میر می اورہ میں کہا ہے کہ بریا کہ سیار اس کر سرمیر چھوڑ دو" گویا لفظ سرمیر می اورہ میں کنا یہ تھا زیادہ طوالت اور تکر ارسے (جیسا کہ کا ورہ میں بڑی کمی چیز ، یا طویل قصہ کہانی کو "شیطان کی آئیت" سے تعبیر کرتے ہیں) اور اس طوالت اور تکر ارسے (جیسا کہ کا ورہ میں بڑی کمی چیز ، یا طویل قصہ کہانی کو "شیطان کی آئیت" سے تعبیر کرتے ہیں) اور اس

محاوره كا استعال مردول مع ورتول ميں زياده تھا۔ جس دن صرف مير نامى كتاب كاپية چلا تو اندازه ہوا كەمحاورة استعال ہونے والالفظ سرميراى "صرف مير" كالمستحقف بجس نے اپی شہرت اور مقبوليت كى بناء پرعواى استعال اور محاورات ميں بھى مبكہ بنالى ہے۔

بہر حال! علم صرف ہے اس مطحی اور سرسری تعارف کے بعد اس لا شعوری کے دور ہے ہی ایک طرف اس فن کے مشکل اور دشوار ہونے کا خوف ورعب ذبن پر سوار ، تو دوسری طرف اے حاصل کرنے کی بُستجو اور شوق دل کے نہاں خانہ میں جاگزیں ہوا۔ بقول شاعر!

اس وقت سے میں تیرا پرستار حسن ہول ۔ ول کومیر اشعور محبت بھی جب نہ تھا۔

سیمیل حفظ قرآن کے بعد درش نظامی کے با قاعدہ آغاز پرمیرے خالق وہالک نے علم صرف کی چند کتابیں اپنی بساط کے مطابق محت كيساتهم يره صنى توفيق مرحمت فرمائي ليكن ذوق خاطرى تسكيين ند بونى اورمخلف طالب علم سأتهيول كيساتهم صرفی مباحث ومسائل پر گفتگو کرنے کے بعد اندازہ ہوا کہ ابھی منزل بہت دور ہے اور اس سفر شوق وتمنا کے کئی دشوار گزار مراصل ابھی <u>ط</u>ے کرنا ہاقی ہے خاص طور مرارشاد الصرف نہ پڑھنے کا قلق اورا حساس زیاں کچھ زیاد و ہی ستانے لگا کہ *اسوقت* بہت سارے مدارس میں بیاکتاب داخل نصاب نکھی جبداس کی افادیت اور جامعیت کی بڑی شہرت تھی ۔ بس پھر کیا تھا فورا رنعت سفر باندھابااوران سرچشموں کی طرف چل پڑا جہاں ہے شنگان مسمصرف کے قافلے خوب سیراک وفیضیاب ہوکرلوٹا كرتے تھے اللہ تعالی كے فضل وكرم اوراسا تذوكرام كى محبت وشفقت كى بدوات ان فيض رسال اور ملمي تربيت كا ہوا ہے ۔ ا ٹی حشیت واستعداد ہے بھی بڑ ھاکر حصہ ملااورآئ میں جو کچھ بھی ہوں بدآئ فیف تربیت کا متحداورثمر و ہے۔ یہ بات روزِ روشن کی طرح عیاں ہے کہ مقصود بالذات تو علوم شرعیہ کی تعلیم وتعکم ،انہی کے نشرواشاعت ،اوران ہے ماخوذ اسلامی تعلیمات اورا حکامات کانتمیل ہے دیگر ملوم کی حیثیت بٹانوی اور وسائل کی ہے لیکن جن وسائل کے بغیر مقاصد کاحصول ممکن ندہو،وووسائل بھی مقاصد کیطرے اہمیت اختیار کرجاتے ہیں۔اوراشمیں شک نہیں کہ ع ٹی ملوم کے بغیر ملوم شرعیہ کاسمجسنا محال ہے اور عنی علوم میں علم صرف کو جوکلیدی حیثیت حاصل ہے وہتا تی بیان نہیں ، اس کئے کہا گیا ہے کہ المسسب ف ام المعلوم كيصرف تمام علوم كى بديا داور جراس فراغت کے بعد حنب ذوق ہرسال فن صرف کامضمون پڑھانے کا موقعہ میسرآ تار ہا ہےاور بحد القدتا حال پیسلسلہ جاری ہے اس طویل تدریجی وابستگی کی بناء پر جب بعض اهل علم دوستوں نے بند ہے۔ اس موضوع پر کچھ کھنے کی خواہش فر مائش کاا ظہار

کیاتواللہ عزوج کانام لیکر ارشاد المصیع مشرح علم الصیغه کی تالیف سے اس سلسلہ کا آغاز کردیا۔ اور جب علاء وطلباء نے تعنیف و تالیف کے میدان میں ایک نو وارد اور اجنبی مؤلف کی اس حقیر کاوش کا بھر پور خیر مقدم کیا اور توقع سے زیادہ اسکو شرف قبولیت بخشا اور نہایت قلیل مدت میں اسکے کی ایڈیشن شائع ہو کر ہاتھوں ہاتھ تقتیم ہوئے تو اس حوصلہ افزائی نے ایک دفعہ پھر میرے خوابیدہ جذبات کو جگادیا۔ تنویر الصرف شرح ارشاد الصرف کے نام سے جوایک سعی ناتمام آپ کے سامنے ہے یہ انہیں علم دوست ، علم پرور حضرات کی قدردانی ، ہمت افزائی ، اکمی بے لوث اور پر خلوص محبتوں اور شفقتوں کے لہلہاتے گلتان کا ایک پھول ہے۔

میں ہرگزینہیں کہتا کہ اس کے بغیر شروحات علم صرف کی فہرست نامکمل تھی یا بیان پرایک منفر داضا فہ ہے کین اتناضرور ہے کہ

کسی علم فن سے زیادہ ربط و تعلق، کشرت ممارست و تمرین، اسمیں دلچپی اور شوق و شغف، بیکوامل متعلقہ فن کے درس و قدریس

اور اس پر تصنیف و تالیف کے وقت مشکلم کے انداز تفہیم کی انفرادیت وافادیت، اور مشکل مباحث کی تسمیل و توضیح میں بردا عمل

وظل رکھتے ہیں لے لفذا اپنی قدریسی زندگی میں ابتک اس فن کے متعلق مجھ بے مابیا و مطلم سے تبی دامن کو جو پچھ بھی حاصل ہوا ہے

میں آسمین کُٹل سے کا منہیں لینا چاہتا بلکہ اس سے پہلے ارشاد المصدیف اور اب تسنویر المصدوف کی شکل میں اپنایہ
عزیز سرمایہ طالب علم ساتھیوں کیلئے چھوڑ کر جانا چاہتا ہوں، اللہ کرے یہی میرے لئے ذخیرہ آخرت اور ذریعہ نجات بن

اپناقص تجربات اوراهل علم احباب کے برخلوص مشوروں اور قیمی تجاویز کی روشن میں اپی بساط کے مطابق حتی الا مکان قواعد ومسائل کی ضبط وترتیب، اوراسلوب تحریر کوآسان ہے آسان تربنانے کی بھر پورسعی اور کوشش کی گئی ہے تا کہ مبتدی طلباء کرام کو سیجھنے میں وقت اور دشواری نہ ہو۔ میری میسعی کس حد تک کامیاب رہی؟ یہ فیصلہ قارئین پر چھوڑ کرمیں اس پر اپنی بات ختم کررہا

آخر میں اپنے استاد محتر م شیخ الحدیث حضرت مولانا عبد الحمید صاحب دامت برکاتھم العالیہ (ناظم تعلیمات جامعہ بنوریہ) کا شکر یہ اداکرنا ضروری سمجھتا ہوں جو صرف میرے استاد ہی نہیں بلکہ اس فن میں میرے رہبر ورہنما بھی ہیں خصوصا ارشاد الصرف حضرت ہی ہے پڑھانے کا موقعہ میسر آیا اس الصرف حضرت ہی ہے پڑھانے کا موقعہ میسر آیا اس لحاظ سے اگر میں اس شرح کو حضرت ناظم صاحب کے افادات سے تعبیر کروں تو بے جانہ ہوگا ، انہی کی محبت وشفقت سے بندہ لحاظ سے اگر میں اس شرح کو حضرت ناظم صاحب کے افادات سے تعبیر کروں تو بے جانہ ہوگا ، انہی کی محبت وشفقت سے بندہ لیا خودونوں جہانوں کی خوشیاں نصیب فرمائیں (المدین)

احسان فراموثی ہوگی اگر میں اس موقع پر استاد محتر م، مدیراعلی جامعہ بنورید العالمیہ حفزت اقد س شخ الحدیث مفتی محد تیم صاحب مظلدالعالی کا ذکر نہ کروں کہ اس مقام تک چینجے میں حضرت کے زیرا ہتمام مادرعلمی جامعہ بنورید کی آغوش تربیت اور سایہ عاطفت کا ممل دخل تو ہے ہی خود حضرت کے ذاتی تعاون و توجہ ، خصوصی عنایات و نواز شات کا بھی آئیس بہت ہی گہرادخل ہے۔اللہ تعالیٰ اکی خد مات جلیلہ اور مسامی جیلہ کو اپنی بارگاہ میں قبول فرما نمیں (المدین) محربیکا تقییل مِستارات کے انت المستوریع المقلیدم شدہ تحالیک لا عِلْمَ لَمَا اللَّهُ مَا عَلَّمُ لَدُمَا إِنَّ

رُبِنَ نَقَبِلَ مِمْنَا رَبِيْكُ النِّتُ الْسَمِيعُ الْغَلِيمُ شَبْحَانَكُ لَا عِلْمَ لَنَا إِلَا مُا عَلَمُتَنَا إِ اَنْتَ الْعَلِيمُ الْحَكِيمُ.

از بنده رشیداحد سواتی عفاالله عنه ۲۰ زوالحجه ۲۱ ۱۲۲ برطابق ۲۱ جنوری کو ۲۰

چندامم چیزول کی وضاحت

(۱) لغت (۲) اصطلاح (۳) کلمه (۴) صيغه (۵) تعريف (۱) موضوع (۷) غرض وغايت

🏠 لغت: _لغت كالفظى معنى يزبان لفظ اور بولى _

اصطلاحی تعریف به برقوم کا وه کلام جس ہے وہ اپنی اغراض ومقاصد کا اظہار کریں

اصطلاح : اصطلاح كالغوى معنى بي تمع مونا،

اصطلاحی تعریف کیسی ملمی یا فنی کر دو کا ایک اغظ کے عام معنی کے علاوہ اس کیلئے وَ فَی خاص مفہوم مقرر کر لینا۔

﴿ كُلُّمه إِلَى الْعُوى مَعْنَ إِلَى الْمُؤْلِقَ الْمُؤْلِقَ الصطلاحي تعالى إلى الله والفظ جوصر ف الكيم عني أبيك وضع كيا "ميا هو ـ

الله صيغه المعين عنى المعنى بنانا، سونا اور جاندى كوساني مين وحالنا،

اصطلاحی تعریف نه وه شکل جوکلمه کو حاصل وقی ہے مختلف حروف اور حرکات وسکنات کی تقدیم و تاخیر ہے۔

الله تعريف: تعريف كالغوى معنى المتعارف كرانا، آكاه كردينا،

اصطلاحی تعریف به جوایک چیز کودوسری چیز وال مے متاز کریں۔

🛠 موضوع . لغوي معني عنوان ،ومضمون ،

اوراصطلاح میں موضوع اس شکی کو کہتے ہیں جس کےعوارض ذا جیہ سے علم کے اندر بحث ہوتی ہے۔

🖈 غرض و غایت: لغوی معنی مقصد ،اور هدف ،

اصطلاحی تعریف وہ فائدہ جوکی شک کے بنانے اوراس کے حاصل کرنے کا سبب ہو۔

☆ مباديات علم صرف ☆

برعلم ۔ بشروع کرنے سے پہلے چند چیز وں کا جانا ضروری ہے۔ (۱) تعریف (۲) موضوع (۳) غرض وغایت

(٨)مرتبه ونعنيلت (٥)واضع (١) تدوين

سوال . _ مندرجه بالا چيزول كاجانا كيول ضروري يج؟

جواب: _ تعریف کاجانااس لئے ضروری ہے تاکہ بالکل ایک نامعلوم چیزی طلب لازم ندآئے۔

موضوع کا جا ننااسلئے ضروری ہے تا کہ یام دوسر علوم سے متاز ہوجائے۔ کیونکہ ایک علم دوسر علم سے متاز ہو جاتا ہے ا

غرض و غایت کا جاناا کے ضروری ہے کہ طالب العلم کی محنت بے فائدہ نہ ہو۔مقصد سامنے ہو۔

مرتبه وفضیلت کا جانا اسلیے ضروری ہے تا کہ اس علم کی اہمیت اوراس کے حاصل کرنے کا شوق دل میں بیدا ہو۔

واضع كاجا ننااسكئ ضروري بهتا كدواضع كمرتب يداقف موكرطالب العلم كاشوق اورزياده بوجائ أبذوين كا

جاراا سلئے ضروری ہے: ۔ تاکہ مدون کا بدچل جائے اوراس علم کی تاریخی حیثیت معلوم ہوجائے۔

(۱) علم الصرف كى تعريف يسرف كالغوى معنى بي پھيرنا در بنانا،

اصطلاحی تعریف بلم الصرف چندایے تو اعد کا نام ہے جن کے ذریعے ہے عربی کلمات کے صینوں اور اوز ان کی معرفت حاصل ہوتی ہیں اور کلموں کو ایک دوسرے نے بنانے اور ان میں ردوبدل کے طریقے معلوم ہوتے ہیں۔

- (۲) علم الصرف كاموضوع : علم الصرف كاموضوع كلمه ب صيف، اصل اور بناء كاعتبار ي (يعنى العلم مين عربي كله يد كم العرف ، اوزان ، اوراصل ي بحث بوتى ب)
 - (٣) غرض وغايت . . عربي كلمات كالنيح تلفظ سيكصناء
- (س) مرتبه وفضیلت امام رازی فرباتے بیں که صرف اور تحوکا حاصل کرنا بیفرض کفایہ ہے علامه ابن فارس فرماتے بیں کہ جوفخص علم العرف ہے محروم بوادہ بہت کچھ سے محروم بوا مشہور مقولہ ہے کہ المصد ف ام المعلوم که صرف تمام علوم کی بنیاد ہے۔
 - (۵) واضع ما يك قول يدي كما العرف كاواضع حضرت على بيدومرا قول بدي كداس كاواضع معاذا بن مسلم بيد

(۲) تدوین: علم الصرف کوعلم النو سے الگ کر کے مستقل علم کی حیثیت سے مدون کرنے والے پہلے محض ابوعثان المازنی ہے اس سے پہلے بیعلم علم نحویس وافل تھا اور دوسرا قول بیہ ہے کہ علامہ فراء نے اس فن کو باضا بطر مرتب کیا اور تیسرا قول بیہ ہے کہ اس فن کامدون اول امام اعظم ابوصنیفہ ہے۔

چندفوائد

فائده نمبرا: ـز مانے کل تین ہیں: ـ (۱) ماضی (۲) حال (۳) استقبال

(۱) ماضی: گزشته زمانے کو کہتے ہیں۔

(٢) حال: موجوده زمانے کو کہتے ہیں۔

(m) مستنقبل _آنے والے زمانے کو کہتے ہیں۔

فا كده نمبر ٢: _ جوفعل زمانه حال اورمستقبل دونوں پر دلالت كرتا ہواس كوفعل مضارع كها جاتا ہے جيسے يَضُعرِ بُ

(مارتام يامار علاوه ايك مرد)

كلمه كي تقسيم

كلمه كي تين قسميس بين _(١) اسم (٢) فعل (٣) حرف الكوسر في اصطلاح مين سدا قسام كيت بين _

(۱) اسم كالغوى معنى بيزام،

(۲) فعل کالغوی معنی: ہے کام۔

اصطلاحی تغریف ۔ وہ کلمہ جودوسرے کلمہ کے ملائے بغیر مستقل معنی پر دلالت کریں اور تین زمانوں میں سے کوئی بھی زمانداس میں پایاجائے جیسے صدرب (مارااس ایک مرد نے زماند گذشته میں) بین صدر بُ (مارتا ہے یاماریکا وہ ایک خص زماند حال یا استقبال میں)

(m) حرف حرف كالفوى معنى مطرف اوركناره

اصطلاحی تعریف : وہ کلمہ جود وسر کے کلمہ کے طائے بغیر متعل معنی پر دلالت نہ کریں اوراس میں کوئی بھی زمانہ نہ پایا جائے جیسے من (سے) المہی (سک) هل (کیا) وغیرہ۔

حرکات: زبر، زیراور پیش کوع بی میں حرکات کہتے ہیں۔ اور جس حرف پرحرکت ہواس کو تحرک کہتے ہیں۔ پھران میں سے ہرایک کے دودونام ہیں: زبر کو تحق اور نصب کہتے ہیں۔ جس حرف پرزبرہو اسے منق حیامنصوب کہتے ہیں۔ زیر کو جراور کرتے ہیں۔ اور پیش کو ضمہ اور رقع کہتے ہیں اور جس حرف پر پیش ہو اسے مرفق عیامضموم کہتے ہیں اور جس حرف پر پیش ہو اسے مرفق عیامضموم کہتے ہیں

فائدہ نمبر اللہ حروف جارہ کی تعریف :۔ جوحرف کسی کلمہ پر داخل ہوکر اس کے آخری حرف کو جر دے اعوحروف جارہ کہتے ہیں۔اور پیکل سترہ ہیں۔جواس شعر میں جمع ہیں۔

> ﴿ بَا، و تَا، و كَافَ، و لَامُ، و وَاو، مُنذ، مُذَ، خُلا ﴾ ﴿ وُبَ، حَاشًا، مِنَ، عَدَا، فِيْ عَن، عَلي، حَتَّى، اللي ﴾

حروف ندا: ہن حروف کے ذریعے سے کسی کوآ واز دی جاتی ہیں ان کوحروف ندا کہتے ہیں۔اور پیکل پانچ ہیں۔ بنا، آیدا، هیدا ، آی اور ہمز ومفتو حد (أ)

حروف ناصبہ ان حروف کو کہتے ہیں جو کسی کلمہ پرداخل ہوکراس کے آخر کونصب دے اور بیکل چارہیں اُن ، لمن ، کی ، اذن ۔

حروف جازمہ: ان حروف کو کہتے ہیں جو کی کلمہ پرداخل ہوکراس کے آخرکو جزم دےادر یکل پانچ ہیں۔ لم ، لَمَا الام امر، لائے نبی، اِن شرطیہ

فاكده: نمبر ١٠) منداليه (٢) مضاف (٣) ضمير (٢) منسوب (٥) موصوف (٢) معنو (١) ذكر

(٨) مئونث (٩) معرفه (١٠) نكره (١١) تثنيه (١٢) جمع ،ان اصطلاحات كاتعارف

(۱) منداليه جمل طرف كى كنست كى كنست كى كى بوجيد زيد عالم أيمس زيدمنداليد بـ اس كى طرف علم كى نسبت كى

عنی ہے (۲) مفاق بہت کی شک کی طرف کی گی ہوجیے غلام زید اسمیں غلام مفاف ہے کہ اک نبت زید گئی ہے (۲) مفاف ہے کہ اک نبت کی گئی ہوجیے غلام زید اسمیں غلام مفاف ہے کہ اگل نبت کی گئی ہوجی کی طرف نبت ظاہر کرنے کی غرض ہے اس کے آخر میں یائے ، مشد وہ کمی اووں (۳) مسلوب دوہ اسم ہوتا ہے جو کسی شکی کی طرف نبت ظاہر کرنے کی غرض ہے اس کے آخر میں یائے ، مشد وہ کمی ہوجی ہوجی ہے اسک کستانی (پاکتان والا) (۵) موسوف بہتے بعد صفت آئی ہوجی ر بھل عالم عمیں ر بھل موسوف ہے ہوجی ہا کستانی (پاکتان والا) (۵) موسوف بہتے کہ اسکی ہوجہ وہ شفقت ، قلت ، مقارت ، عظمت ، میں ہے کی معنی پردلالت کرے شفقت کی مثال جیسے بیٹ آخمی (اے میرے بیارے بھائی) قلت کی مثال جیسے کئے آئی ہوجی ر بھل اس آدی) عظمت کی مثال جیسے دُورُ ہو گئی موسوف میں سا آدی) عظمت کی مثال جیسے دُورُ ہو گئی مصیبت) (۷) موسوف عُرُ وَدُ مُن اللہ مت نہ ہوجیے رَ جُسلُ اللہ تا نیٹ کی علامات آگ آرہی ہیں) (۸) موسوف ۔ مسمیں تانیٹ کی کوئی علامت نہ دوجی عُرُ وَدُ آئیس تا کے دورہ علامت تا نیٹ ہے۔

(٩) مَعْرَفَةَ نَهِ جُوكُنِي مَعْيِن شَنَى پِر والأَت كرے جِيے زَيْدٌ ، خَسَالِمَدُ، بِسَاكِسَتُسَانُ لَهِ (١٠) عَكَرَهَ ، جُوغِير مَعْيَن شَنَى بِر ولالت كرے جِيے رَجُلُ (كُولَ آوى)(١١) تَنْمَيْدَ له جودو پرولالت كرے جِيے رَجُلَانِ (دومرد) كِتَابَانِ (دوكتابين)(١٢) جَعَ ، جودو ہے زیادہ برولائت كرے جيے إِجَالَ وَكُنْ آدى)

فَائْدُهُ مُبِرِهِ ۚ فَعَلِ مِضَارَعَ كَيْرٌ وَعَ مِينَ حِيارِ حِروف مِينَ ﴾ وَفَي الكِيرِف لا زي : وتا ہے، وہ چار حروف يه بين

(۱) هَمْ مَرَه (۲) نَنَا، (۳) بِيَا، (۴) مُون - انكامجموعه أَنَيْنَ بِ اللَّهُ الكوروف اللَّين ياحروف مضارع كميّ

علامات اسم - اسم كى پيچان كى كل انيس علامات بير -

علامت اس میں نہ ہو۔

جيے انسان (١٨) وه تنيه وجيے رجالن (١٩) وه جع موجيے رجال -

علامات فعل فعل کے بیجانے کی کل پندرہ (۱۵)علامات ہیں

(۱) اس کثروع میں حرف ناصب ہوجیے آسن بیسٹ بن (۲) اسکیٹروع میں حرف اتین ہوجیے آفسوب، تضویف، تضویف، یک شخصوب، منظرب، منظرب، منظرب، منظرب، منظرب، منظرب، (۳) اس کٹروع میں حرف الدہ وجیے قد مسجع الله (۳) اس کٹروع میں حرف جازم ہوجیے آسف فی ز ۲) اس کٹروع میں سوف ہوجیے سید فی شخصون (۲) اس کٹروع میں سوف ہوجیے سیوف تنفل موف ز (۷) اس کے آخر میں تائید ساکنہ ہوجیے حسّر بن (۸) اس کے آخر میں تائید می تعظیم محترکہ ہوجیے حسّر بن (۹) اس کے آخر میں نون تاکید تعلیم اختیاد یا فقیفہ ہوجیے احسوبین ، احسوبین (۱۰) اس کے آخر میں نون تاکید تعلیم ہوجیے احسوبین ، احسوبین ، احسوبین (۱۰) اس کے آخر میں نون تاکید تعلیم ہوجیے حسّر بن (۱۱) وہ ماضی ہوجیے حسّر بن (۱۲) وہ مضارع ہوجیے یحسوبین ۔ (۱۳) وہ ام ہوجیے احسوبین نون تاکید وجیے تحسوبین کے اسکوبی تحسیر بیدی ۔ اسم اور نعل کی علامات سے خال ہونا یعنی اسم اور نعل کی علامات میں ہے کوئی علامات میں مے کوئی

اسم كى تقسيم

حروف اصلی کی تعداد کے اعتبار سے اسم میمکن کی تین قسمیں ہیں۔(۱) ثلاثی (۲)ر باعی (۳) خماسی)

ثلاثی تین حروف والے اسم کوثلاثی کہتے میں جیسے زید ۔

رباعی عوار وف والے اسم كورباعى كتب بي جي جعفرد

خماس ـ پانچ حروف والے اسم كوخماى كتم بين جيسے شفر جن -

كوئى الم ممكن تين حروف سے كم اور پانچ سے زيادہ نيس موسكتا۔ باقى مستى ، مسا ، ذا ، وغيروا ساءتو بيں كيكن بيا ساءغير مدمكند بيں

> فعل ئىقسىم .ت

حروف اصلی کی تعداد کے اعتبار سے فعل کی صرف دوستمیں ہیں ملاقی ،رباعی

ثلاثى: ينن حروف والاجيے ضورب.

رباعى: ـ جارحروف والاجيس دُهْرَج .

سميمي بعي فعل ميں حروف اصلى تين ہے كم اور چارے زيادہ نہيں ہو سكتے

خلاصہ یہ ہوا کفعل صرف الل فی ارباعی ہوتا ہے کوئی فعل نمای یاسدای (یعنی چیر فی) نہیں ہوسکتا۔ اور اسم الل فی رباعی یا نماس ہوتا ہے نماس سے زیادہ کوئی اسم نہیں ہوسکتا یعنی چیر فی یاسات حرفی۔

اعتراض نعل توخای بھی ہوتا ہے جیسے یہ کتئیس فی یہ پانچ حرفی ہے،ای طرح اسم توسدای بھی ہوتا ہے جیسے مستخرج کیدچھ حن ہے

جواب حروف اصليه كالمتبار موتا به اور حروف اصليه يكتئيسب اور مُسْتَخْرِجُ مِين صرف تين بين باقى ذاكده بين حرف كي تقسيم

حروف کی د وقتمیں ہیں (۱)حروف اصلیہ (۲)حروف زائدہ

حروف اصلیہ کلمہ کے ان بنیادی حروف کو کہتے ہیں جو ہر باب کی تمام گردانوں اور صینوں میں موجود ہوں جیسے صنہ سر ب کے تینوں حروف اصلیہ ہیں کیونکہ یک شریف ، صنار ب ، متضر و ب ، احضر ب وغیرہ میں بیتیوں موجود ہیں۔ حروف زائدہ ۔وہ حروف کہلاتے ہیں جو ہرگردان اور ہر صینہ میں موجود ند ہوں جیسے یہ تضمیر ب میں یاءزا کہ مے کیونکہ سیاء ضنہ ر ب صنار ب و فغیرہ میں موجود نہیں ہے۔ حرف زائد ہمیشدان دس حروف میں سے ہوتا ہے جنکا میں میں موجود نہیں۔ محمومہ سنگ نیٹ میں میں حروف میں سے ہوتا ہے جنکا مجمومہ سنگ نیٹ میں ہے دس حروف زیادہ کہلاتے ہیں۔

میزان کی بحث

جس طرح چیزوں کے وزن اور کی زیادتی معلوم کرنے کیلئے ایک میزان اور تر از و ہے تو اس طرح عربی کلمات کے وزن اور ان کے بنیادی حروف اور ذاکد حروف معلوم کرنے کیلئے ایک میزان ہے۔ وہ میزان ہے گاء ، عَدِیْ اور الام م ۔ موزون : ہس کلے کاوزن اور اس کے حروف اصلی اور زاکد حروف کومعلوم کرنا ہوتا ہے اس کلے کوموزون کہتے ہیں۔

وزن نكالنے كاطريقه

وزن نکالنے کاطریقہ بیہ کہ موزون کلمے کے حروف اصلی کے مقابلے میں فاء، مین ،اورلام کولا یا جائے حرف اول کی جگہ فاء کو، حرف ثانی کی جگہ میں اور حرف ثالث کی جگہ لام کو۔اور حروف زائدہ کوویے ہی بعیند اپنی جگہ پر لایا جائے۔اوروزن میں حرکات وسکنات کی ترتیب باقی رکھی جائے جیسے ضرح بت بروزن فیعنل اور ضمار بٹیروزن فیا جی ک

حروف اصلی میں سے حرف اول کو فاء کلمہ حرف ٹانی کوئین کلمہ اور حرف ٹالٹ کولام کلمہ کہتے ہیں جیسے حسّر ب بروزن فسعل ۔ اسمیں ضاد فاء کلمہ ہے۔ راء میں کلمہ ہے۔ باءلام کلمہ ہے

تنبیہ: - وزن نکالے وقت اس بات کا خاص خیال رکھا جائے کہ حروف اصلیہ کے بالقابل ہاء ۔ عین ۔ لام کولانا ہے اور حرف زائدہ کو بعین اس کے مقام پر لانا ہے ۔ لیکن اگر حرف زائد حرف اصلی کی جنس سے ہوتو اس صورت میں حرف زائد کے بالقابل بھی وہی حرف آئی گا جواس کے ہم جنس حرف اصلی کے مقابلہ میں آیا ہے جیسے صَدَّ فَ بروزن فَعَل آئیس ایک راء زائد ہے لیکن حرف اصلی کے جنس سے ہے کہ حرف اصلی یعنی عین کلہ بھی راء ہے کھذا جسطر حراء اصلی کے مقابلہ میں حرف عین آیا گاس کا وزن فَعْن کی نہیں ہوگا

سوال ۔ میزان میں تو کل تین حرف ہیں جبکہ رہائی میں حرف اصلی چار ہوتے ہیں اور خماسی میں پانچے ہوتے ہیں۔ تواس تین حرفی میزان کے ساتھ رہائی اور خماس کاوزن کس طرح نکالا جائے گا؟

جواب ،۔رباعی کاوزن نکالتے وقت اس میزان میں لام ٹانی کا اضافہ کردیا جائے گا اور خماس کاوزن نکالتے وقت لام ٹالٹ کا اضافہ کردیا جائے گا اور خماس کا وزن نکالتے وقت لام ٹالٹ کا اضافہ کردیا جائے گا اس کے کہا جاتا ہے کہ حروف اصلی ٹلا ٹی میں تین ہوتے ہیں فاء، میں اور خوف اصلی ہوتے ہیں فاء، میں اور دولام جیسے جَعْفَرَ بروزن فَعْلَلُ اور خماس میں پانچ حروف اصلی ہوتے ہیں فاء، میں اور خون فَعْلَلُ اور خماس میں سفر جن مروزن فَعْلَلُ ہے۔

فاكدہ:فعل ماضى اور فعل مضارع میں سے ہرایک کے کل چودہ چودہ صیغے ہیں

نعل ماضى كى گردان: حضوت ، حَسوَبَا، حَسوَبُهُ ، حَسوَبُنَا، حَسوَبُتُ ، حَسوَبُتَا ، حَسوَبُنَ ، حَسوَبُتَ، حَسَرَبْتُمَا ، حَسَرَبُتُهُ ، حَسَرَبُتِ، حَسَرَبُتُمَا ، حَسَرَبُتُنَّ ، حَسَرَبُتُ ، حَسَرَبُنَا قعل مضارع كى كروان . يَضُرِبُ ، يَضُرِبُ إِن يَضُرِبُ إِن يَضُرِبُ ، تَضُرِبُ ، تَضُرِبُ ، يَضُرِبُن ، تَضُرِبُ ، تَضُرِبُ ، نَضُرِبُ ،

ششاقسام کی بحث

علاقی، رباعی، اورخهای میں سے ہرایک کی دوروقتمیں ہیں(۱) مجرد(۲) مزید فیہ تو یکل چیفتمیں بنتی ہیں(۱) علاقی مجرد(۲) علاقی مزید فیہ(۳) رباعی مجرد(۴) رباعی مزید فیہ(۵) خمای مجرد(۲) خماعی مزید فیہ ،انکوشش اقسام کہتے ہیں۔

تعريفات ششاقسام

- (۱) ثلاثی مجرد : _ وہ کلہ ہوتا ہے جس میں صرف تین حروف اصلی ہوں کوئی زائد حرف نہ ہو **فعل کی مثال جیسے صنب** تب ہر وزن فیعل ،اسم کی مثال _ جیسے رّ **جُن**ام بروزن فیعنام ^م
- (۲) ثلاثی مزید فید وه کلمه ہوتا ہے جس میں تین حروف اصلی کے علاوہ کوئی زائد حرف بھی ہو یعل کی مثال جیسے اکستر م بروزن آفی قال آئیس ہمزہ زائد ہے، اسم کی مثال جیسے چیمار میروزن فیعان آئیس الف زائد ہے۔
- (٣) رباعی مجرد : و و کلمه بوتا ہے جس میں صرف چار حروف اصلی ہوں کوئی حرف زائد ند ہو فعل کی مثال جیسے ذھے تے جت بروزن فَعْلَلَ اسم کی مثال جیسے جَعَفَر بروزن فَعْلَلُ •
- (٣) رباعی مزید فید وه کلمه موتا ہے جس میں جارحروف اسلی کے علاوه کوئی زائد حرف بھی ہو فعل کی مثال جیسے تدخر ج بروزن قفعلُلُ آئیس تاءزائد ہے۔ اسم کی مثال جیسے قرطاس بروزن فیعلان آئیس الف زائد ہے۔
- (۵) خماس مجرد : وه کلمه بوتا ہے جسمیں صرف پانچ حروف اسلی ہوں کوئی زائد حرف نه ہوجیسے متسفّ رَجَ لَ مِروزن فَعَلْلُوعَ
- (۲) خماس مزید فیدنده کلمه بوتا بجسمیل پانچ حروف اصلی کے علاوہ زائد حرف بھی ہوجیے خسن دریسس بروزن فَعُلَلِيْلُ اَسِيس ياءزائد ب

اعتراض دينضرب من وتين حروف اصليه علاده زائد حفيه عليه العني المهدا الوياتويه التي كريد الله مريد فيد الموال مريد فيد الوعال أن مريد فيد الموال مرد بيديد؟

جواب : مجرداور مزید فیہ ہونے کا دارو مدارفعل ماضی کے واحد فدکر خائب کے صیغہ پر ہے اگر ماضی کے واحد فدکر خائب ک صیغہ میں کوئی زائد حرف نہ ہوتو اسکی تمام گردا نیں مجرد میں داخل ہیں اور اگر کوئی زائد حرف ہوتو پھر مزید فیہ میں ۔اور یضیر ب می کفعل ماضی کا صیغہ واحد فدکر خائب ضرّ ب ہے جسمیں تین حروف اصلیہ کے علاوہ کوئی زائد حرف نہیں ہے احد ایسضسر ب مان فی مجرد ہم مید فینیں ہے۔ یہ بات ایک مرتبہ پھر خوب اچھی طرح ذہب نظین سیجے کہ جب کی لفظ کے متعلق میں معلوم کرنا ہو کہ یہ جو ہے یا مزید فیہ اسکی ماضی کے صیغہ واجد فدکر خائب کی طرف رجوع کیا جائے گا اگر معلق میں معلوم کرنا ہو کہ یہ پہونے کا پہنیں چانا ،اکٹر میں کوئی زائد حرف نہیں ہے تو پہلفظ مجرد ہے ورن مزید فیہ نے ودا کی لفظ کے دیکھنے سے مجرداور مزید ہونے کا پہنیں چانا ،اکٹر طلب اسمیں غلطی کرتے ہیں۔

بفت اقسام کی بحث

علم صرف كي اصطلاح مين الكومفت اقسام كيت بين

فاكده: حروف علت كل تين ميں واو،الف، يا ،جن كامجمور واى بـــ

حروف علت کی وجد سمید - انکوحروف علت کنے کیوجہ یہ ہے کہ علت کا معنی ہے بیاری ۔اور مریض کی زبان سے بیاری کے وقت اکثر و بیشتر تکلیف کیوجہ سے واک وال کا لفظ نکاتا رہتا ہے اور یہ وائی واو، الف، یاء کا مجموعہ ہے اسلنے انکا نام حروف علت بڑا بینی بیاری کے حروف ۔ای وجہ سمید کی طرف شاعر نے اس شعر میں اشارہ کیا ہے

حرف علت نام كردم واد ،الف ويائرا بركدراورد برسدنا جارگويدوائررا (۲) مثال: مثال وه کلمه موتا ہے جس کے حروف اصلی میں سے فاء کلمہ کی جگہ حرف علت ہو۔ اگر حرف علت واؤ ہوتو اسکو مثال واوی کہتے ہیں جیسے وَ عَدَّ و وَ عُدَّ بروزن فَ عَلْ وَ فَعُلْ داورا گرحرف علت یاء ہوتو اسکومثال یا کی کہتے ہیں جیسے یکسکر و یکسٹو بروزن فَعَل و فُعُلُ مثال کو متل الفاء بھی کہتے ہیں

(۳) اجوف - اجوف وه کله موتا ہے جس کے عین کلمہ کی جگہ حرف علت مور اگر حرف علت واؤ موتو اس کواجوف واوی کہتے ہیں جیسے قبَل و فَعْل اور اگر حرف علت یا ، موتو اس کواجوف یا کی کہتے ہیں جیسے بَیدَعَ و بَدُیعٌ بر وزن فَعَل اور اگر حرف علت یا ، موتو اس کواجوف یا کی کہتے ہیں جیسے بَیدَعَ و بَدُیعٌ بر وزن فَعَل و فَعْلُ اجوف کا دوسرانا معتل العین ہے۔

(۴) ناقص : لنقص وه کلمه موتا ہے جس کے حروف اصلی میں سے لام کلمه کی جگه حرف علت ہو۔ اگر حرف علت واؤ ہوتو ناقص واوی کہتے ہیں جیسے دَعَوَ و دَعُوةً بروزن فَعَلَ و فَعُلَةً اور اگر حرف علت یاء ہوتو اس کوناقص یائی کہتے ہیں جیسے دَمَی و دَهْی بروزن فَعَلَ و فَعُلُ : ناقص کا دوسرانا م متل اللام ہے۔

سوال _مثال الفي ،اجوف الفي اورناقص الفي كيون نبيس ہوتا جبكه الف بھي تو حرف علت ہے؟

جواب مثال الفی تو اسلئے نہیں ہوتا کہ مثال میں حرف علت شروع میں ہوتا ہے اور الف ہمیشہ ساکن ہوتا ہے اور ساکن سے
ابتداء محال ہے اور اجوف الفی اور ناقص الفی اسلئے نہیں ہوتا کہ اجوف میں حرف علت عین کلمہ کی جگہ اور ناقص میں حرف علت
لام کلمہ کی جگہ ہوتا ہے اور عین اور لام کلمہ کی جگہ جو الف ہوتا ہے وہ اصل کے اعتبار سے الف نہیں ہوتا بلکہ واؤیا یاء سے تبدیل
شدہ ہوتا ہے جیسے قبال میں الف واو سے مبدل ہے اور بناع میں الف یاء سے مبدل ہے ای طرح دیا عین الف واو سے
مبدل ہے اور رہ سے میں یاء سے ۔ تو بظاہر اجوف الفی یا ناقص الفی نظر آنے والا کلمہ اصل کے اعتبار سے اجوف واوی یا اجوف
یانی ، ناقص واوی یا ناقص یائی ہوتا ہے

(۵) مهموز مهموز وه کلمه بوتا ہے جس کے حروف اصلی میں سے کوئی حرف بمزه بو ۔ اگر بمزه فا ، کلمه کی جگه بوتواسکومهوز الفاء کہتے ہیں جیسے الفرا و الفرائر بمزه لام کلمه کہ جگه بوتواسکومهوز اللام کہتے ہیں جیسے قرة و قرم فر بروزن فعل و وسندن بروزن فعل و فعن فی بروزن فعل و فعن فی بروزن فعن و فعن فی بروزن فعن و فعن فی بروزن
(۲) مضاعف: _مضاعف وہ کلمہ ہوتا ہے جس کے حروف اصلی میں سے کوئی دوحرف ایک جنس کے ہوں _ پھرمضاعف کی دوحرف ایک جنس کے ہوں _ پھرمضاعف کی دوخرف ایک جنس کے ہوں _ پھرمضاعف رہائی _

مضاعف ثلاثی : مضاعف الاثی و والاثی کلمه دوتا ہے جس کے مین اور لام کلمه کی جگدا یک جنس کے دوحرف ہوں جیسے مَدَدَ و مَدُدُ بروزن فَعَن و فَعَن بمی ایک جنس کے دوحرف فا ،اور عین کلمه کی جگہ ہوتے ہیں جیسے دَدَن کیکن ایبا بہت کم ہوتا ہے۔

مضاعف رباعی: وه کلمه بوتا ہے جس کے فاءاور لام اول کی جگہ عین اور لام ثانی کی جگدا کی جنس کے دوحرف ہوں جیسے زَلْزُلُ و زِلْزَالاً بروزن فَعْلُلُ و فِعْلَالاً ۔

(2) لفیف : _ لفیف وہ کلمہ ہوتا ہے جس کے حروف اصلی میں سے کوئی دو حروف علت ہوں پھر لفیف کی دو تسمیں ہیں (۱) لفیف مقرون (۲) لغیف مفروق

لفیف مقرون : وه کلمه موتا بجس کے مین اور لام کی جگه حرف علت ہوجیے طّوی و طَبیقی بروزن فَعَل و فَعُلُ، تَعِم بعی بحق بروزن فَعُل و فَعُلْ، تَعِم بعی بحق بحق بدون علت فاءاور مین کلمه کی جگه بھی ہوتے ہیں جیسے بیو میکن ایبابہت کم ہے۔

لفیف مفروق ۔ وہ کلمہ ہوتا ہے جس کے فاءاور لام کلے کی جگہ حرف علت ہوجینے وَشَسَیّ ووَشُسی بروزن فَعَسَلَ و فَعَلَ و فَعَلَ اللهِ عَلَى اللهِ عَل

سوال: صحیح، مثال، اجوف، ناقص، لفیف مهموز، مضاعف دان میں سے ہرایک کی وجہ سمید کیا ہے؟ یعنی اسکے بینام کیوں رکھے گئے؟

جواب بر ایک کیوبسمیدمندرجه ذیل ہے۔

(۱) صحیح کالفظی معنی ہے: ۔ تندرست اور بعیب جمیح کلمات چونکد تغیر و تبدل مے محفوظ رر ہے ہیں تعلیل اور ردوبدل کی بیار ک سے سالم ہوتے ہیں اسلئے بینام پڑگیا۔

(۲) اجوف کا لغوی معنی ہے: ۔ کھوکھلا ، خالی پیٹ والا۔ اجوف کلہ میں حرف علت وسط میں ہوتا ہے اور جس کلمہ کے وسط مین درمیان میں حرف علت میں تعلیل اور ردوبدل مین درمیان میں حرف علت میں تعلیل اور ردوبدل

ہونے کی وجہ سے بین ہونے کے برابر ہوتا ہے اسلئے ایسے کلمہ کوا جوف کہتے ہیں

- " (٣) مثال كالغوى معنى: ماند، مثابه، قلت تغيروتبدل مين سيح كي مانند بوتا إسلام بينام دياميا-
- (م) ناقص کا لغوی معنی ۔ ناممل معیوب پونکه ناقص کے لام کلمہ میں جرف علت ہوتا ہے اور آخر میں جرف علت اکثر تو حذف ہوجا تا ہے و آخر میں جرف علت آنے کیوجہ سے گویا پیکلم معیوب اور نامکمل ہے
- (۵) کفیف کا لغوی معنی ۔ مخلوط، لپٹاہوا۔ چونکہ لفیف میں حروف علت اور حرف محکوط ہوتے ہیں اور حروف علت حرف صحیح سے زیادہ ہوتے ہیں گویا کلمہ حروف علت میں لپٹاہوا ہے پھر مقرون کامعنی ہے ملاہوا، چونکہ لفیف مقرون میں حروف علت ایک دوسرے سے علت ایک ساتھ ہوتے ہیں اسلئے بینام دیا گیا۔ اور مفروق کامعنی ہے جدا، الگ، آئیس چونکہ حروف علت ایک دوسرے سے جدا ہوتے ہیں اسلئے بینام پڑا۔
- (۲) مہموز کا لغوی معنی ہے:۔ کوزیشت (بعنی گرا۔جسکی کمرجھی ہوئی ہو) ہمزہ اپنی صورت کے اعتبار سے پچھاسطر ح ہے کہ اسپر مشتل کلمہ بھی اس کی دجہ سے خمد اراور گرد اسانظر آتا ہے اسلئے مہموزنام رکھا۔
 - (2) مضاعف كالغوى معنى : ووكنا وونكه الميس ايك جنس كردوحرف موت بي اسلئريه نام يؤكيا .

اشتقاق كى تعريف

ایک لفظ کودوسر ے ایسے لفظ سے بنانا کدان دونوں میں لفظ اور معنی کے اعتبار سے مناسبت اور اتحاد ہو جس کو بنایا گیا ہے اس کو مشتق کے مشتق کے میں اور جس سے بنایا گیا ہے اس کو شتق منہ کتے ہیں جیسے ضروب ضوب شدوب سے بنا ہے توضوب میں لفظ کے اعتبار سے بھی اتحاد ہے اور معنی کے اعتبار سے بھی۔ اور ضوب میں انداز کے اعتبار سے بھی۔

اسم کی ایک اور تقسیم

اشتقاق اورعدم اشتقاق کے اعتبار سے اسم کی تین قسمیں ہیں (۱) جامد (۲) مصدر (۳) مشتق

- (۱) جامد راس اسم کو کہتے ہیں جونہ کسی ہے مشتق ہواور نداس سے کوئی مشتق ہواور صرف ذات پر دلالت کریں جیسے رّ جن ک (مرد)
- ۴۶) مصدر: ۔ اس اسم کو کہتے ہیں جوصرف وصف پر دلالت کریں اور اس کے فارس معنی کے آخر میں وَن یا تُن ہواور اردو

معنى كَ آخر من نا موجي الصَّرْب، رون يعنى مارنا 'الْقَدَّن، الشَّرِيعي قَدَل كرنا_

(٣) مشتق: -اس اسم كوكت بين جوفعل سے بنا مووصف اور ذات دونوں پر دلالت كرين جيے ضمارِ ب مارنے والا،

تنبیہ - اسم جامد کے بحر داور مزید ہونے کا دارو مدارا پنے مفرد پر ہوتا ہے جیسے رہے۔ ان میشا فی مجرد ہا گرچہ آسمیں تین حرف اصلیہ کے علاوہ زا کد حرف بعنی الف بھی ہے لیکن مفرد (یعنی رہوئی) کود کیھو گے تو اسمیں کوئی زا کد حرف نبیں اور مصدر و مشتق یہ دونوں مجر داور اگر فعل مزید فید تو یہ بھی مجر داور اگر فعل مزید فید تو یہ بھی مجر داور اگر فعل مزید فید تو یہ بھی مزد ور بائی ہوتے ہیں اگر ان کا فعل مجر دیوتو یہ بھی مجر داور اگر فعل مزید فید تو یہ بھی مزد ور بائی اور ربائی ہوتا ہے تمائی نبیں ہوتا تو اس طرح مصدر اور مشتق بھی فقط ثلاثی اور ربائی ہوتے ہی خمائی نبیں ہو کے تاب منہیں ہو کے تاب میں موسلے تاب موسلے تاب میں موسلے تاب میں موسلے تاب میں موسلے تاب موسلے تاب میں موسلے تاب میں موسلے تاب موسلے تاب موسلے تاب میں موسلے تاب میں موسلے تاب میں موسلے تاب میں موسلے تاب موسلے تاب میں موسلے تاب موسلے تاب موسلے تاب موسلے تاب موسلے تاب میں موسلے تاب میں موسلے تاب موسلے تاب موسلے تاب موسلے تاب موسلے تاب میں موسلے تاب موسلے تاب موسلے تاب میں موسلے تاب موسلے ت

☆ اوزان اسم جامد ۞

اسم جامد ثلاثي مجرد كيلئے كل دس اوز ان مقرر بيں

(۱) فَعُلُ مِي فَلُسُ (۲) فَعُلُ مِي قُفُلُ (تالا) (۳) فِعُلُ مِي حِبْرُ بِرَاعالَم (۳) فَعَلَ مِي فَرَسُ (۱) فَعُلُ مِي فَرَسُ (۱) فَعُلُ مِي عَنُقُ لَرُون (۲) فِعِل مِي إِلِى اون (۵) فَعُلُ مِي عَنُقُ لَرُون (۱) فَعِل مِي إِلِى اون (۵) فَعُلُ مِي عَنُفُ لَ بِازو (۸) فَعِل مِي كَيْفُ لَ مِي عَنْكُ (الّور) كَيْفَ لَ مِي مُسْرَدً الورا (ايك بِنده كان م) (۱۰) فِعَل مِي عِنْكِ (اللّور)

اسم جامد ثلاثې مزيد فيه ڪاوزان مقررنهيس بيں

اسم جامدر ہائی مجرد کے پانچے اوز ان ہیں

(۱) فَعُلُلُ مِن جَعُفَرُ - نام (۲) فَعُلُلُ مِن جُونُ وَاللهِ (٣) فِعُلِلُ مِن إِبْرِجُ - زينت (٣) فِعُلُلُ مِن دِرْهَمْ - عَالِدِي كَاسَد (۵) فِعَلُلُ مِن قِصَطْرُ مِمون الناسا

اسم جامدر باعی مزید فیہ کے اوز ان مقرر نہیں ہیں۔

اسم جامدخماس مجرد کے کل چاراوزان میں

(۱) فَعَلْلَنَ صِي سَفَرُ جَلَ بَي الكِتْم كَامَوْه (۲) فَعَلْلِنَ صِي قَدْعُمِلَ مُونا ون (٣) فَعَلْلِنَ جِي جَحْمَرِ شَدْ (بهت بورُهي مورَت) (٣) فِعَلْلُنَ جِي قِرْطَعُتِ (تَعورُى ي جِيز) ☆اسم جامدخمای مزید فید کے کل پانچ اوزان ہیں ☆

(۱) فَ عُلَلُون عَبَ غَضَرَ فُوط مَ جَهِكُل (۲) فِ عُلَلُون عِن قَرَطَبُوسٌ مَعِيت (٣) فَ عُلَلِين عِيك خَنْدُرِيس مَعِيت (٣) فَعَلَلِين عَبِين فَي اللهُ عَلَيْد اللهُ عَلِيْد اللهُ عَلَيْد اللّهُ عَلَيْدُ اللّهُ عَلَيْدُ عَلَيْدُ عَلَيْدُ عَلِيْدُ اللّهُ عَلَيْدَ اللّهُ عَلَيْدُ عَلَيْدُ عَلَيْدُ اللّهُ عَلَيْدُ اللّهُ عَلَيْدُ اللّهُ عَلَيْدُ عَلِيْدُ اللّهُ عَلَيْدُ اللّهُ عَلَيْدُ عَلَيْدُ اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْدُ اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُولُولُولُكُ عَلَيْكُولُولُ عَلَيْكُولُولُ عَلِيْكُ عَلَيْكُولُولُ عَلَيْكُ عَلَيْكُولُولُ عَلَيْكُولُولُ عَلْمُ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمُ عَلَيْكُولُولُ عَلَيْكُمُ عَلَيْكُمُ عَلِيْكُولُولُولُ عَلَيْكُمُ عَلِيْكُولُولُ عَلَيْكُولُولُ عَلَيْكُولُولُ عَلَيْكُمُ عَلَيْكُمُ عَلَيْكُولُولُ عَلَيْكُمُ عَلَيْكُولُولُ عَلَيْكُمُ عَلِي اللّهُ عَلَيْكُولُولُ عَلَيْكُمُ عَلِي عَلَيْكُولُولُ عَلَيْكُولُولُ عَلَيْكُمُ عَلِي عَلَيْكُمُ عَلَيْك

☆ دواز ده اقسام کی بحث 🌣

ثلاثی مجرد کے مصدر سے بارہ چیزیں شتق ہوتی ہیں ان میں سے چیفعل ہیں اور چھاسم شتق کی قسمیں ہیں۔ صرفی انکودوازوہ اقسام کہتے ہیں(۱) نعل ماضی(۲) فعل مضارع (۳) نعل امر (۴) فعل نہی (۵) فعل جحد (۲) فعل نفی (۷) اسم فاعل (۸) اسم مفعول (۹) اسم ظرف(۱۰) اسم آلہ(۱۱) اسم تفضیل (۱۲) صفت مشہد

☆تعريفات☆

(۱) فعل ماضی : و و فعل ہوتا ہے جوز مانہ گذشتہ میں کی کام کے ہونے پر دلالت کریں جیسے منسر ب

(۴) فعل مضارع ۔ وہ فعل ہوتا ہے جوز مانہ حال یا استقبال میں کسی کام کے ہونے پر دلالت کریں جیسے بیسٹ ہے۔ ،(مارتا ہے یا مارے گاوہ ایک مرد)

(س) تعل امر ۔ وفعل ہوتا ہے جس کے ذریعے سے سی کو تھم دیا جائے جیسے احضر ب ۔ مار

(سم) فعل نہی : ۔ وفعل ہوتا ہے جس کے ذریعے کی کوکام کرنے سے روکا جائے جیسے لا تنصر ب امت مار)

(۵) فعل جحد: و وفعل ہوتا ہے جوز مانہ ماضی میں کسی کام کے نہ ہونے پر ولالت کریں لمع جاز مدکے ذریعہ سے جیسے لَمْ يَتَضُيرِ بِ عَنْ رَبْيِسِ مارا اُس ايک شخص نے زمانہ ماضی میں)

(۲) فعل نفی رو فعل ہوتا ہے جو کس کام کے نہ ہونے پرلالت کریں جیسے آئن یک طبیر ب (برگزنییں ماریکاوہ ایک مخص) مَاضَرَبَ زَیْدُوْزید نے نہیں مارا

() اسم فاعل . ـ وه اسم مشتق بوتا ب جوكام كرنے والى ذات پردلالت كريں جيسے منسار ب (مارنے والا)

(٨) اسم مفعول _ وه اسم مشتق ہے جوالی ذات پر دلالت کریں جس پڑھل واقع ہوا ہو جیسے مضرو و ب (مارا ہوا)

(9) اسم ظرف ف وہ اسم مشتق ہے جو تعل کے صادر ہونے کے وقت یا جگہ پردلالت کریں اگر تعل کے صادر ہونے کے وقت پردلالت کریں آگر تعل کے صادر ہونے کی جگہ پر وقت پردلالت کریں تو اس کوظرف زمان کہتے ہیں جیسے مشتن (الم کارنے کا وقت) اور اگر نعل کے صادر ہونے کی جگہ پر دلالت کریں تو اسکوظرف مکان کہتے ہیں جیسے مُقْتُن (اللّ کرنے کی جگہ)

(١٠) اسم آله: وه اسم شتق ہے جوفعل کے صادر ہونے کے آلہ پردلالت کریں جیسے مضرّ بھر مارنے کا آله)

(۱۱) اسم تفضیل ۔وہ اسم شتق ہے جود لالت کرے ایس ڈات پر جسمیں معنی مصدری دوسروں کی بنسبت زیادتی کے ساتھ پایا جائے جیسے اَخْسَرَ بِکُر زیادہ مارنے والا)

(۱۲) صفت مشبہ : وہ اسم مشتق ہے جود لالت کرے ایسی ذات پر کہوہ ذات کسی صفت کے ساتھ دائی طور پر متصف ہو جیسے شکر یف (شریف آدی)

اسم مشتق کی ایک اور قسم اسم مبالغہ ہے بید در حقیقت اسم فاعل ہی کی قسم ہے

اسم مبالغہ کی تعریف ۔ اسم مبالغہ وہ اسم شتق ہے جود لالت کریں ایس ذات پرجسمیں معنی مصدری زیادتی کیساتھ پایا جائے جیسے عَلاَّ مَن اُلْ بہت بڑاعالم)

سوال: _اسم تفضيل اوراسم مبالغه مين كيافرق مين؟

جواب: فرق یہ ہے کہ اسم تفضیل میں زیادتی مقصود ہوتی ہے دوسرے کے مقابلے میں اور اسم مبالغہ میں زیادتی ہوتی ہے۔ اپنی ذات کے اعتبار سے آسمیں غیر کا اعتبار نہیں ہوتا۔

🖈 اسم مبالغه کے مشہور اوز ان دس ہیں 🏠 "

(١) فَعْلَانَ مِنْ مِنْ مُمَانُ (٢) فَعِيْلُ مِنْ رَجِيْمُ (٣) فَعُولُ فِي عَفُورُ (٣) فَعُولُ فِي قَدُّوسَ وَ

(٥) فَعَالَةٌ صِي عَلَّامَةٌ (٢) فَعَالِ صِي غَفًا رُ (٤) فُعَالَ صِي طُوَّالُ (٨) فَاعُولُ صِي فَارُونٌ (٩)

وَغَعِيْنُ مِنْ صِدِيْقُ (١٠) مِنْعِيْنُ فَيْ مِنْظِيْق

سوال ۔اسم فاعل اور صفت مشہ میں کیا فرق ہے؟

جواب ۔ان دونوں میں افظی فرق توبہ ہے کہ اسم فاعل کے اوز ان تقریبا قیاسی میں یعنی تعین میں جبکہ صفت مصبہ کے اوز ان

سائی ہیں تعین نہیں اور معنوی فرق ۔ دونوں میں یہ ہے کہ صفت مدید دائی وصف پر دلالے کرتی ہے جبکہ اسم فاعل عارضی وصف پر مثلا کی کوضارب اس وقت تک کہا جائے گا جب تک وہ مارر ہا ہو جب ضرب ختم تو اسکو صف سار ب کہنا بھی ختم لمعذا صف ہے جبکہ شریف جوصفت مدید ہاں شخص کو کہا جاتا ہے جودائی شرافت کے ساتھ متصف ہو۔

ابواب کی بحث ا

باب کی تعریف: فعل ماضی اور مضارع کے پہلے دونوں صیفی پس میں ملاکراس مجموعدکو باب کہتے ہیں جیسے منسستو ب یضر ب باب ہے غیر ملا ٹی مجرومیں مصدر کے ساتھ باب کانام رکھا جاتا ہے جیسے باب افتقال باب تنفیدین موغیرہ۔ عندابعض: ایک ہی مادہ، ومعنی پرشتمل تمام تصریفات (گردان) کو باب کتے ہیں۔

كل ابواب بأئيس بين الله

چھ باب ٹلا ٹی مجرد کے ، بارہ ٹلا ٹی مزید فید کے ، ایک ربائی مجرد ، کا اور تمین ربائی مزید فید کے ہیں۔

ٹا ٹی مجرد کے چھ باب سے ہیں ہے

باب اول: حَسَرَب يَضُرِب مُرون فَعَلَ يَنْعِل ، وب روم نَصَرَ يَنْعَلُ بروزن فَعَلَ يَنْعُلُ ، وب روم نَصَرَ يَنْعُلُ ، وب وم نَصَرَ يَنْعُلُ بروزن فَعَلَ يَنْعُلُ ، وب يَعْمَ حَسِب يَحْسِب يَحْسِب بر سَمِعَ يَسْمَعُ بروزن فَعِل يَنْعُلُ ، وب چهارم فَتَحَ بَثُنْتُ مُ بروزن فَعَلْ يَنْعُلُ ، وب يَجْم حَسِب يَحْسِب برو وزن فَعِل يَنْعِلْ باب عُشْم شَهُ فَ يَسْمُ فَ مُروزن فَعُن يَنْعُونُ .

الله ثلاثی مزید فیہ کے وروا بواب میہ میں اللہ

- (۱) بَابِ إِفْعَالَ مِي آكُرُم يُكْرِم إِكْرُاماً بِهِ زن افْعَلَ يُنْعِلُ إِفْعَالًا ماض مضارع مصدر، تمون كل مثال عال المنايل عالى مثال عالى مثاليل عالى مثاليل
 - (r) باب تَفَعِيَل بي صَرَّف يُصَرِّف تُصْرِف تَصْرِينا بروزن فَقِل يُغَفِّل تَنْعِيلا
 - (٣) باب مناعلة ي ضارب يُضارب مُضارب مُضاربة برون فاعن يُفاعِن مُفاعلة
 - (٣)باب تَنْعَلَ مِي تُصَرِّف يَتَصَرِّف يَتَصَرِّف تَصَرُّف تَصَرُّف يَنْعَل يَتَنْعُل تَنْعُلاً

(٥) بَابَ تَفَاعُلَ مِن تَضَارَبَ يَتَضَارَبُ تَضَارُبُ تَضَارُبُ آبروزن تَفَاعَل يَتَفَاعَلُ تَفَاعُلاً

(٢)باب إِفْتِعَالَ مِن إِكْتَسَب يَكْتَسِب إِكْتِسَابا أَرُون إِفْتَعَل يَفْتَعِل إِفْتِعَالاً

(٤) باب إِنْفِعَال في إنْصَرَف يَنْصَرِفُ إِنْصِرَافاً رُوزن إِنْفَعَلَ يَنْفَعِلُ إِنْفِعَالاً

ا(٨) باب اِسْتِفْعَالَ سِي اِسْتَخْرَج يَسْتَخْرِج إِسْتِخْرَاجاً بروزن اِسْتَفْعَل يَسْتَفْعِن اِسْتِفْعَالاً

(٩) باب اِفْعِلَالَ مِن إِحْمَرُ يَحْمَرُ الحَمِرُ اللَّهِ وَن اِفْعَلَ يُفْعَلُ افْعِلَالاً

ا(١٠) بَابِ افْعِيْلَالَ عِي إِحْمَارُ يَحْمَارُ احْمِيْرَاراً بروزن إفْعَالٌ يَفْعَالُ افْعِيْلاَلا

١(١١) باب إفْعِوَّالَ عِي إِجْلَوَّذَ يَجْلَوْدُ إِجْلِوَّادَ أَرُورَ نِ افْعَوَّلَ يَفْعَوِّلُ إِفْعِوَّالاً

(١٢) باب إفعيتمال جي إحدودب يحدودب إحديد ابابروزن افعوعل يفعوع وفعيمالاً

ایکبابیہے کہ دکاایک باب یہے کہ

(١) إب فَعَلَلَةً عِيد دَحْرَج يُدُحْرِجُ دَحْرَجَةً بُروزن فَعُلَلَ يُفَعُلِن فَعُلَلَةً

☆رباعی مزید فیہ کے تین ابواب یہ ہیں ☆

(١) باب تَفَعَلُن عِي تَدَخْرُجَ يَتَدَخْرُجُ تَدَخْرُجا بُروزن تَفَعْكُن يَتَفَعْلُنُ تَفَعُلُلا أُ

(٢) باب إِفْعِنْلَالَ جِي إِخْرَنْجَمَ يَحْرَنْجِمُ إِخْرِنْجَاماً بروزن إِفْعَنْلُلَ يَفْعَنْلِلْ إِفْعِنْلالْ

١(٣) بإب أَيْعِلَّالُ يَهِ وَقُشَعَرٌ يَقُشَعِرُ إقْشِعْرَ ارأَ بروزن افْعَلَلُ يَفْعَلِنُ افْعِلَالاً

فاكده: فعل كي دوشمين بين (١)معروف (٢) مجهول

معروف ــاسفعل كوكت بيجس كافاعل معلوم بوجيے ضرب زيد (زيدن مارا)

مجهول: _اس فعل كوكمت بين جس كافاعل معلوم نه بوجي صبر ب زيد (زيد ماراكيا) .

پر فعل کی دوشمیں ہیں(۱) مثبت(۲)منفی

منبت: اس فعل کو کہتے ہیں جو کسی کام کے ہونے پردالات کریں جیسے صفر بالاس نے ماراً)

منقی ۔ وہ ہوتا ہے جو کسی کام کے نہ ہونے پر دلالت کریں جیسے منا ضور ب (اس نے ہیں مارا)

ابواب پہچاننے کی لفظی علامات

ابواب ثلاثی مجرد کے بیجاننے کیلئے کوئی خاص نفظی علامت مقرر نہیں بلکہ اسکا دارو مدار ساع پر ہے بینی عربی لغت میں جو لفظ جس باب ہے ستعمل ہے اس کے مطابق عمل کیا جائے گا۔البتدا گرمشق وتمرین اور عقل سلیم ہوتو پید چلانا کوئی مشکل نہیں۔ ﷺ غیر ثلاثی مجرد کے ابواب کی بیجیان کی خلا ہری علامات مقرر ہیں ہے

- (۱) باب افعال کی علامت ماضی اور امر حاضر معلوم میں ہمز قطعی کا ہونا اور مضارع معلوم میں حرف اتین کا مضموم ہونا جیسے آگر م آگر م آفر م کثر م و
- (۲) باب تفعیل کی علامت ماضی اور مضارع بین عین کلمه کامشدد ہونااس طور پر کہ فاء کلے سے پہلے تاءزا کدہ نہ ہواور مضارع معلوم میں حرف اتین کامضموم ہونا جیسے ضدی ف میصر ف
- (س) باب مفاعله کی علامت فی ایم کمدے بعدالف کازائد ہونااس طور پر کہ فا کم کمدے پہلے تا ءزائدہ نہ ہواور بین من من این معلوم کامضموم ہونا جیسے ضارب یضکار ب
- (٣) باب تفعل كى علامت عين كلي كامشدد بونااورفا عِلى يبلينا عكارًا كد بوناهي تصدر في يا على الكروناهي تصدر في يتصر ف
- (۵) باب تفاعل کی علامت فا علمہ ہے پہلے تا وکازائد ہونا۔ اور بعد میں الف کازائد ہونا جیسے تنصّار ب
 - (٢) باب افتعال كاعلامت فاعلم كابعدتاء كازائد بوناجي إكتسب يكتسب
 - (2) باب انفعال كى علامت ـ فا عِلمه عدى بلغون كازا كدموناجيم إنفَ مَن فَصَر ف يَنْصَرِفُ
 - (٨) باب استفعال كاعلامت فا وكلمت بهاسين اورتاء كازائد اجي إشتُخْرَج يَسْتَخْرِج
- (9) باب افعلال کی علامت الم کلمه کا مکرر ہونا اور ماضی کے پہلے صیفہ میں ہمزہ وصلی کے بعد عپار حروف کا ہونا جسے الحصر یہ میں ہمزہ وصلی کے جسے الحصر یہ میں ہمزہ وصلی کے جسے الحصر یہ میں ہمزہ وصلی کے بعد عپار حروف ہیں (۱) جاء (۲) میم (۳) راءاول (۴) راءاول

- (١٠) باب افعيلال كى علامت لام كلم كاكر بونا اور لام اول سے پہلے الف كاز ائد بونا جيسے إختار يَحْمَارُ الله الكاده بمى حمر براء لام كلم بي وكر كرر باور راء اول لام اول برس سے پہلے الف زائد برا الله الله الله الله الله كى علامت عين كلم كے بعد واؤكامشد د بونا جيسے إِجْلُةَ ذَيْجُلُةٍ دُ.
- (۱۲) بابافعیعال کی علامت عین کلمه کا مرر مونا اور در میان میں واؤ کا زائد مونا جیے احد و دب یت حدودب احدودب میں دال عین کلمه ہے جو کہ مرر ہے اور در میان میں واوز ائد ہے۔
- (۱) باب فعلله کی علامت ماضی کے پہلے صیغہ میں صرف چار حروف اصلی کا ہونا اور مضارع معلوم میں حرف اتین کا مضموم ہونا جیسے ذخر ہے و
 - (۱) باب تفعلل کی علامت ماضی میں جارحروف اصلی سے پہلے تا عکاز اکد ہونا جیسے تُدَخّر ج
 - (٢) باب افعنلال كاعلامت عين كلمك بعدنون كازائد موناجي إخر نُجم بروزن إفْعَنْلُلَ
- (٣) باب افعلال کی علامت الم دوم کامشدد بونا اوران میں سے ایک لام کاز ائد بونا جیسے اقت عَر یروزن افعلال آمیں راءلام ثانی ہے جو کہ مشدد ہے اور ایک راءز ائد ہے ایک اصلی ۔

﴿ ﴿ تمت مقدمة الصرف بفضل الله تعالى و تبارك ﴾ ﴾

باباول صرف مغرثا في محروم حكم ازباب فعل يَفْعِل مِن المَشَوْب المَشَوْب المَشَوْب المُعَن ارنا ضرب يَضُرب مَسُوباً فذاك مَضُرُوب لَمْ يَضُرب مَسُوباً فذاك مَضُرُوب لَمْ يَضُرب لَمْ يَضُرب الامر منه إضرب لِمُعُسر بُ لَا يَضُرب لَن يَضُرب الامر منه إضرب لِمُعُسر بُ لِمَعْسر بُ لا يَضُرب الامر منه إضرب لِمُعُسر بُ لا يَضُرب لا يَضُرب الظرف منه لِمَنْسر بُ لِيعُسُر بُ لا يَضُرب الظرف منه مَضُرب والنهى عنه لا تَضُرب لا تضرب لا يَضُرب لا يَضُرب الظرف منه مَضُرب والانة منه مِضْرب ، و مِضْربة ومِضْراب و افعل التفضيل المذكر منه اَضُرب والمؤنث منه ضُرْبى و فعل التعجب منه مَا أَضُربه و أَصُرب به وضَرب

مارا أس ايك مردنے زمانه گزشته میں ،صیغه واحد مذکر غائب فعل ماضی معلوم ثلاثی مجرد صحیح ازباب فعل یفعل مارا اُن دومردوں نے زمانہ گزشتہ میں میغہ شنیہ مذکر غائب فعل ماضی معلوم ثلاثی مجرد صحیح ازباب فعل یفعل ماراان سب مردوں نے زمانہ گزشتہ میں صیغہ جمع نہ کرغائب فعل ماضی معلوم ثلاثی مجر دمیج ازباب فعل یفعل مارااس ایک عورت نے زمانہ گزشتہ میں صیغہ واحد مؤنث غائب نعل ماضی معلوم ثلاثی مجر وصحح ازباب نعل یفعل اراان دوعورتوں نے زیانہ گزشتہ میں صیغہ تثنیہ مئونث غائب فعل ماضی معلوم ہلا ثی مجرد صحیح از باب فعل یفعل ماراان سب عورتوں نے زمانہ گزشتہ میں صیغہ جمع مئونٹ غائب فعل ماضی معلوم ثلاثی مجر صحیح ازباب فعل یفعل ماراتوایک مرد نے زمانہ گزشتہ میں صیغہ واحد مذکر حاضر فعل ماضی معلوم ثلاثی مجر دھیج از باب فعل یفعل ماراتم دومردوں نے زمانہ گزشتہ میں صیغہ تثنیہ ند کرحاض فعل ماضی معلوم ثلاثی مجر دصیح از باب فعل یفعل ماراتم سب مردوں نے زمانہ گزشتہ میں صیغہ جمع نہ کر حاضر فعل ماضی معلوم ثلاثی مجروضیح از باب فعل یفعل ماراتوایک عورت نے زمانہ گزشتہ میں صیغہ وا حدم مونث جائے فعل ماضی معلوم ثلاثی مجروضیح ازباب فعل یفعل ضَمَرَ بُشِّمًا ماراتم دوعورتوں نے زمانہ گزشتہ میں صیغہ تثنیہ مؤنث حاضر فعل ماضی معلوم ثلاثی مجروضیح ازباب فعل یفعل سَرَ بُنَيْنَ المَاراتم سبعورتوں نے زمانہ گزشتہ میں صیغہ جمع مئونث حاضر فعل ماضی معلوم ثلاثی مجروضیح ازباب فعل مارامیں ایک مردیا ایک عورت نے زمانہ گزشتہ میں صیغہ واحد یتکلم فعل ماضی معلوم ثلاثی مجروضیح از باب فعل یفعل

ضَرَبُنا ارابم دومردول يابم دومورتول في ابم سبمردول ياسب ورقول في زماند كرشته بي ميد بح مسلم مشترك مع الغير

☆ باباد اول مرف كبير فعل ماضى مجهول ثلاثى مجرد صحيح از باب فعل يفعل ☆

| مارا گیاد وایک مردز مانه گزشته مین میغه واحد نه کرغائب فعل ماضی مجهول ثلاثی مجرد صحیح از باب فعل یفعل | ضُرِبَ |
|--|-------------|
| مارے گئے وہ دومر دز مانہ گزشتہ میں صیغہ تثنیہ فذکر غائب فعل ماضی مجہول ثلاثی مجر دھیجے از باب فعل یفعل | ضُرِبَا |
| مارے گئے وہ سب مروز ماند گزشتہ میں صیغہ جمع مذکر غائب فعل ماضی مجہول ثلاثی مجر دیجے از باب فعل یفعل | خُبرِبُوُا |
| مارى گئى و دا يك عورت ز مانه گزشته مين صيغه واحد مؤنث غائب فعل ماضى مجهول هلا ثى مجر وصحح از باب فعل يفعل | ضُرِبَتُ |
| مارى تكئيں وہ دوعور تنیں زیانہ گزشتہ میں صیغہ تثنیہ مؤنث غائب فعل ماضی مجہول ثلاثی مجر دصیح از باب فعل یفعل | ضُرِبَتَا |
| مارى گئيں وہ سب عورتيں ز مانه گزشته ميں صيغه جمع مؤنث غائب فعل ماضى مجہول ثلاثى مجرد يحيح از باب فعل يفعل | ضُرِبُنَ |
| مارا گیا تو ایک مرد زمانه گزشته میں صیغه واحد مذکر حاضر فعل ماضی مجہول ثلاثی مجر دسیح از باب فعل یفعل | |
| مارے گئے تم دومرد زمانہ گزشتہ میں صیغہ تشنیہ ذکر حاضر فعل ماضی مجہول ثلاثی مجرد صحیح ازباب فعل یفعل | 1 |
| مارے گئے تم سب مرد زمانہ گزشتہ میں صیغہ جمع ند کرحاضر فعل ماضی مجہول ثلاثی مجرد حجے ازباب فعل یفعل | ضُرِبُتُمُ |
| مارى گئي توايك عورت زمانه گزشته مين صيغه واحد مئونث حاضر فعل ماضي مجهول ثلاثي مجر وسيح از باب فعل يفعل | ضُرِبُتِ |
| مارى گئين تم دوعورتيں زمانه گزشته ميں صيغه تثنيه مئونث حاضرفعل ماضى مجہول ثلاثى مجرد تيح از باب فعل يفعل | ضُرِبُتُمَا |
| ماری گئیںتم سب عورتیں ز مانہ گزشتہ میں صیغہ جمع مئونث حاضرفعل ماضی مجہول ثلاثی مجر دصیح از باب فعل یفعل | |
| مارا گيا ميں ايک مرديا ميں ايک عورت زمانه گزشته ميں صيغه واحد مشكل نعل ماضي مجبول علاقي مجروضيح ازباب نعل يفعل | |
| مارے گئے ہم دومردیا ہم دوعورتیں یا ہم سب مردیا ہم سب عورتیں زمانہ گزشتہ میں صیغہ جمع مشترک مع اخیر ازباب | 1 |

🖈 باب اول صرف كبير فعل مضارع معلوم ثلاثى مجر وضح از باب فعَلَ يَفْعِل 🏠

| مارتا ہے یا ماریگاوہ ایک مروز ماندحال یا مستقبل میں صیغہ واحد فد کر غائب فعل مضارع معلوم طاثی مجروسی از باب فعل | يَضُرِبُ |
|--|-------------|
| مارتے ہیں یا مارینگے وہ دومرد زمانہ حال یا متنقبل میں صیغہ تثنیہ فد کر عائب فعل مضارع معلوم ثلاثی مجروم از باب فعل یفعل | يَضُرِبَانِ |
| مارتے ہیں یا مارینگے وہ سب مروز مانہ حال یا مستقبل میں صیغہ جمع ند کرعا ئب فعل مضارع معلوم ثلاثی مجرومیح از باب فعل | يَضُرِبُونَ |
| مارتی ہے یا ماریکی وہ ایک مورت زیانہ حال یا مستقبل میں میند واحد مؤنث غائب فعل مضارع معلوم طاقی مجر دمیج از باب فعل یفعل | تَضْرِبُ |

|)` | |
|---|-------------|
| مارتی بین یامارینکی وه دوعورتین ز مانه حال پاستفتبل مین صیغة تثنیه مؤنث غائب فعل مضارع معلوم علاقی مجرو پیچ از باب فعل یفعل | تَضُرِبَانِ |
| مارتی بین یامارینکی وه سب عورتین زمانه حال یاستقبل مین صیغه جمع مئونث غائب فعل مضارع معلوم ثلاثی مجروضیح از باب فعل یفعل | يَضُرِبُنَ |
| مارتا ہے یا ماریگا تو ایک مرد زمانہ حال یا مستقبل میں صیغہ واحد مذکر حاضر نعل مضارع معلوم ثلاثی مجروضیح از باب نعل یفعل | تَضْرِبُ |
| مارتے ہو یا مارو گےتم دومرد زمانہ حال یا مستقبل میں صیغہ تثنیہ مذکر حاضر نعل مضارع معلوم ثلاثی مجرد صحح از باب نعل یفعل | تَضُرِبَانِ |
| مارتے ہویا مارو گےتم سب مرد زمانہ حال یا مستقبل میں صیغہ جمع ند کرحاضر نعل مضارع معلوم ثلاثی مجرد بھی از باب نعل | تَصْرِيُونَ |
| مارتی ہے یامار کی توالک عورت زمانہ حال یا مستقبل میں صیغہ واحد مؤنث حاضر فعل مضارع معلوم عملا ٹی مجرو سیح از باب فعل | تَصُرِيعُنَ |
| مارتی ہو یامار؛ گی تم دومور تیں زمانہ حال یاستقبل میں صیغة تثنیہ مؤنث حاضر فعل مضارع معلوم ثلاثی مجروضیح از باب فعل یفعل | تَضْرِبَانِ |
| مارتی ہو یاماروگی تم سب عورتیں زمانہ حال یا مستقبل میں صیغہ جمع مؤنث حاضر فعل مضارع معلوم عملا فی مجر وضح از باب فعل یفعل | تَضُرِبَنَ |
| مارتا ،ون يامار وزگامين ايک مرديا مين ايک عورت زمانه حال يامتقبل مين صيغه دا حد يتكلم غل مضارع معلوم ثلاثي مجرد حيح از باب فعل يفعل | أضرب |
| مارتے ہیں یامارینگےہم دومردیا ہم دوعورتیں یا ہم سب مردیا ہم سب عورتیں زمانہ حال یا مستقبل میں صیغہ جمع میں کلم مشترک مع الغیر فعل مَضارع معلوم ثلاثی مجروحیح از باب فعل یفعل ۔ | نضرب |
| صيغه جمع يمتككم مشترك مع الغير فعل مضارع معلوم ثلاثى مجردهيج از باب فعل _ | |

باب اول صرف كبيرنعل مضارع مجهول ثلاثى مجرد حجح ازباب نعل يفعل

| مارا جاتا ہے یا مارا جائے گاوہ ایک مروز مانہ حال یا استقبال میں صیغہ واحد مذکر غائب فعل مضارع مجہول الخ | يُضُرُبُ |
|---|--------------|
| مارے جاتے ہیں یا مارے جا نمینگے وہ دومر دز مانہ حال یا استقبال میں صیغہ تشنیہ مذکر غائب فعل مضارع مجہول الخ | يُضُرَبَانِ |
| مارے جاتے ہیں یامارے جا کینگے وہ سب مروز مانہ حال یا استقبال میں صیغہ جمع مذکر غائب فعل مضارع مجہول الخ | يُضْرَبُونَ |
| ماری جاتی ہے یاماری جائے گی وہ ایک عورت زمانہ حال یا استقبال میں صیغہ واحد مئونٹ غائب فعل مضارع مجہول الخ | و د تصرّب |
| مارى جاتى بين يامارى جائينگى وه دوغورتين زمانه حال يااستقبال مين صيغة تشنيه مؤنث غائب فعل مضارع مجهول الخ | تُضْرَبُانِ |
| مارى جاتى بين يامارى جائينگى دەسب عورتنس زمانە حال يااستقبال مين صيغه جمع مئونث غائب فعل مضارع مجهول الخ | يُضْرَبْنَ |
| ماراجا تاہے یا مارا جائےگا تو ایک مروز مانہ حال یا استقبال میں صیغہ واحد مذکر حاضر فعل مضارع مجہول الخ | تُضْرَبُ |
| مارے جاتے ہو یا مارے جاؤ گےتم دومر در مانہ حال یا استقبال میں صیغہ شنیہ مذکر حاضر فعل مضارع مجہول الخ | تُضُرَبَانِ |
| مارے جاتے ہویا مارے جاؤ گئے تم سب مردز مانہ حال یا ستقبال میں صیغہ جمع ند کر حاضر فعل مضارع مجبول الخ | يُضِرَبُونَ |
| ماری جاتی ہے یاماری جائے گی تو ایک عورت زمانہ حال یا ستقبال میں صیغہ واحد مئونث حاضر فعل مضارع مجہول الخ | تُضرَبِيُنَ |

| ماری جاتی ہویا ماری جاؤگئم دومورتیں زمانہ حال یا سنقبال میں صیغہ تثنیہ مئونث حاضر فعل مضارع مجبول الخ | تُضُرَبَانِ |
|---|--------------|
| ماری جاتی ہو یا ماری جاؤگئم سب عورتیں زیانہ حال یا ستقبال میں صیغہ جمع مئونث حاضر نعل مضارع مجبول الخ | و د تصرکن |
| ماراجا تابول ياماراجاؤ نكامي ايك مرديامي ايك عورت زمانه حال يااستقبال مين صيغه واحد متكلم فعل مفارع مجهول الخ | أضرب |
| مارے جاتے ہیں یا مارے جا کینگے ہم دومرد یا ہم دوعورتیں یا ہم سب مرد یا ہم سب عورتیں زمانہ حال یا استقبال | و در نضرب |
| ميں صيغه جمع متكلم مشترك مع الغير فعل مضارع مجهول ثلاثى مجر دصيح از باب فعل يفعل _ | |

باب اول صرف كبيراسم فاعل ثلاثى مجر دحيح ازباب فعل يفعل

| مارنے والا ایک مرد صیغہ واحد مذکراسم فاعل ثلاثی مجر دلیج از باب فعل یفعل | ضارِب |
|--|----------------------|
| مارنے والے دومرد صیغة تثنیه مذکراسم فاعل ثلاثی مجردتیجا زباب فعل یفعل | ضَارِبُانِ |
| مارنے والےسب مردصیغه جمع مذکر سالم اسم فاعل شلا ثی مجر دسیح از باب فعل | ضَارِ بُونَ |
| ضُرَّابٌ ، ضُرَّبٌ ضُرُبٌ ، ضُرَبًاء ، ضُرَبًان ، ضِرَابٌ ، ضُرُوبٌ ، اَضُرَابُ | ضَرُبَة |
| مارنے والے سب مردصیغے جمع مذکر مکسراسم فاعل ثلاثی مجرد سیح از باب فعل یفعل۔ | |
| مارنے والی ایک عورت ،صیغہ وا حدم مونث اسم فاعل شلا ثی مجر دھیج از باب فعل یفعل | ضَارِبَةً |
| مارنے والی دوعور تیں صیغہ تثنیہ مئونث اسم فاعل الله تی مجر دلیج از باب فعل یفعل | ضَارِبُتَانٍ |
| مارنے والی سب عورتیں صیغہ جمع مئونٹ سالم اسم فاعل شلاثی مجر دیجے از باب فعل یفعل | ضَارِبَاتُ |
| صنتر ي مارن والى سب عورتين صيغ جمع مئونث مكسراتم فاعل ثلاثى مجر وسيح از باب فعل يفعل | ضُوَارِبُ |
| تھوڑ اسامار نے والا ایک مردصیغہ واحد مذکر مصغر اسم فاعل شلا ٹی مجر دلیجے ازباب فعل یفعل | صُويْرِبُ |
| تھوڑ اسامار نے والی ایک عورت صیغہ واحد مئونث مصغراتم فاعل ثلاثی مجر دیجے از باب فعل یفعل | مُورِبَة صُورِبَة |

باب اول صرف كبيراسم مفعول ثلاثي مجرد صحيح ازباب فعل يفعل

| ثلاثى مجردتيح ازباب فعل | صيغه واحد مذكراتهم مفعول | مارا ہواایک مرد | مُضْرُوبٌ |
|------------------------------|--------------------------|-----------------|---------------|
| علاثى مجردتيح ازباب نعل يفعل | صيغة تثنيه فدكراهم مفعول | مارے ہوے دوم د | مَضْرُوْبُانِ |

| · | <u> </u> | | | |
|--------------------------------------|--------------------|-----------------------|---|--------------------|
| ثلاثى مجردتيح ازباب فعل يفعل | سممفعول | ميغة جع ذكرسالم ا | مارے ہوئے سب مرد | مَضْرُوبُونَ |
| هلاثی مجردتیج از باب فعل یفعل | يم مفتول | ميغه واحدمئونث أ | ماری ہوئی ایک عورت | مَضُرُوبَةً |
| هلاثى مجردتيح ازباب فعل يفعل | مفعول | ميغه تثنيه مؤنث اسم | ماری ہوئی دوعور تیں | مَضُرُوبُتَانِ |
| هلاثی مجردتیج از باب فعل یفعل | ماسم مفعول | ميغهجع مؤنث سالم | ماری ہوئی سب عور تیں | مَضُوُّوبُاتُ |
| هلاثى مجردتيح ازباب فعل يفعل | اسم ملعول | صيغه جع مكرمشترك | مارئے ہوئے سب مردیاعور تیں | مَضَارِيْبُ |
| هلاثی مجردتیج از باب فعل یفعل | اسم مفعول | ميغه واحد مذكرٍ مصغرِ | تموز اسامارا ہواایک مرد | مضيريث |
| ثلاثى مجردتيح ازباب فعل يفعل | فراسم مفعول | صيغه واحدمئونث مصغ | تموژی ماری موئی ایک عورت | و کردرو مضیریبة |
| صحيح ازباب فعل يفعل | كيد تقيله ثلاثى | بلام تا كيد ونون تأ | كبير فعل متنقبل معلوم مؤكد | باب اول صرف |
| بغل سنقبل معلوم توكد بلام تاكيدالخ | | زمانه تنقبل میں | نرور بضر ورمارے گاوہ ایک مرد | لَيَضُرِبَنَّ |
| ب فعل متعبّل معلوم مؤكد بلام الخ | صيغه تثنيه ذكرعائر | زمانه تنقبل میں | مرور بضر ور مارینگےوہ دومر د | لَيَضُرِبَانَّ |
| فعل ستقبل معلوم مؤكد بلام الخ | | | نر ور بصر ور ماری <u>نگ</u> وه سب مر د | لَيَضْرِبُنَّ ﴿ |
| غائب فعل ستقبل بروكد بلام الخ | صيغه واحدمئونث | زمانه ستقبل میں | نمر وربضر وربار گی وه ایک عورت | لَتَضُرِبُنَ ﴿ |
| غائب فعل ستقبل مرثيؤ كد بلام الخ | صيغة تثنيه مئونث | زمانه تتعبل میں | نمرور بصر ورمارينكي وه دوعورتيس | لَتَضْرِبَانَ ﴿ |
| ب فعل متنقبل معلوم مؤكد بلام الخ | ميغجمع مؤنث غا | زمانه تتقبل میں | نىرورىفىر در مارينكى وەسب عورتيں | الَيَضُرِبُنَانِ |
| ضر فعل متقبل مؤكد بلام الخ | صيغه واحد مذكرحا | زمانه متنقبل میں | نىرور بىنىر ور مازى <mark>گا</mark> توا يىك مرد | لَتَضُرِبَنَ ﴿ |
| غرفعل ستغتبل معلوم مؤكد بلام الخ | صيغه نثنيه مذكرحا | زمانه ستغبل میں | نمرور بعنر ور مارو گےتم دومرد | لَتَضْرِبَانً ' |
| فعل متنقبل معلوم مؤكد إلام تاكيدالخ | | زمانه ستغبل میں | نمرور بعنر ور مارو گ <u>ے</u> تم سب مرد | لَتَضْرِبُنَّ ا |
| وحاضرفعل متعقبل برمؤ كدبلام تاكيدالخ | | زمانه متنقبل میں | نمرور بضر وريار گی توايک مورت | لَتَضْرِبِنَّ ا |
| فرنعل متقبل معلوم مؤكد بلام تاكيدالخ | | زمانه متعتل میں | نغرور بصر ورياروگئ تم دوعور تيں | لَتَضُرِبَانِ ۗ |
| نرفعل معتبل معلوم مؤكد بلام تاكيدالخ | ميغه جع مئونث عام | زمانه متعتبل میں | نسرور بصر ورماروگیتم سب عورتیں | لَتَضْرِبُنَانِّ |

| صيغه واحدمتكم فخل متنقبل معلوم مؤكد بلام تاكيد ونون | زمانه ستنقبل میں | ضرور بضر ور مارونگاش ایک مردیا | لَاَحْسِرِبَنَّ |
|---|------------------|---------------------------------------|-----------------|
| ناكيدالخ_ | • | مين ايك عورت م | • |
| صيغه جع متكلم مشترك مع الغير فعل متنقبل معلوم مؤكد | زمانه متنقبل میں | مغرور بفنر ور مارينگه بهم دومرديا بهم | لَنَضْرِبَنَّ |
| بلام تاكيدون تاكيد تقيله ثلاثي مجروجيح ازباب فعل يفعل | | دوعورتيل ياجم سب مردياجم سب | |
| | | عورتيل | |

باب اول صرف بيرفعل مستقبل مجهول مؤكد بلام تاكيدونون تاكيد تقيله ثلاثى مجرد حيح ازباب فعل يفعل

| | <u> </u> | |
|--|---|-----------------|
| مانەستىنىل مىن صيغەدا حدىذكرغائب فعلى مىقتىل مجبول مۇ كدېلام تاكىدالخ | ضرور بضر ور ماراجائيگاوه ايک مرد | لَيْصَرَبَنَ |
| زمانه مبتقبل مين صيغة تثنيه ذكرغائب فعل متلقبل مجبول بلام تاكيدالخ | ضرور بضرور مارے جائمنگے وہ دومرد | لَيضُرُبَانِ |
| رمانه ستقبل مين صيغه جمع مذكر غائب فعل مستقبل مجهول بلام تاكيدالخ | ضرور بضر ور مارے جائمینگے وہ سب مرد | لَيْضُرَبُنَ |
| ر مانه متقبل میں صیغه واحد مئونث غائب فعل متعقبل مجبول بلام تاکیدالخ | ضرور بضر ور ماری جائیگی و ۱۵ کیک عورت | لَتْضُرَبُنَّ |
| ماند متقبل مين صيغة تثنيه مؤنث غائب فعل متقبل مجهول بلام تاكيداك | ضرور بضر ور ماری جائینگی وه دوعورتیں | لَتُضْرَبَانِ |
| مانه ستقبل میں صیغہ جمع مئونث عائب فعل مستقبل مجبول بلام تاکیدالخ | ضرور بضر ور ماری جائینگی وه سب عورتیں | لَيُضْرَبُنَارِ |
| . مانه ستعقبل میں صیغه واحد مذکر حاضر فعل مستعقبل مجهول مؤکد بلام تاکیدالخ | ضرور بضر ور مارا جائيگا توايک مرد | لَتُضْرَبُنَّ |
| مانه ستقبل مين صيغة شنيه فدكر حاضر فعل مستقبل مجهول بلام تاكيدائ | عنرور بصر ور مارے جاؤ گئے م دومرد | لَتُصُرَبَانِ |
| مانه ستقبل مين صيغه جمع مذكر حاضر فعل مستقبل مجبول الخوام تاكيدالخ | ضرور بضر ور مارے جاؤگےتم سب مرد | لَتُصْرَبُنَ |
| مانه ستقبل مين ميغدوا حدمكونث حاضر فعل مستقبل مجبول بلام تاكيدالخ | ضرور بضر ور ماري جائيگي توايک عورت | لَتُضْرَبِنَّ |
| مانه ستقبل مين صيغة تثنيه مؤنث حاضر فعل متقبل مجهول بلام تاكيدالخ | ضرور بضر در ماری جاؤگی تم دوعورتیں | لَتُضُرَّبَانِ |
| ماند متعتل مين صيغه جمع مئونث حاضر فعل ستقبل مجبول بلام تاكيداري | ضرور بضر ور ماری جاؤگی تم سب عورتیں | لَتُضْرَبُنَانِ |
| يك عورت _ زمانه ستقبل مين صيغه واحد يتكلم نعل ستقبل مجبول الح | ضرور بضر ور مارا جاؤ نگامیں ایک مردیا میں | لأَصْرَبُنَ |
| مانه ستقبل مين هيغه جمع متكلم مشترك مع الغير فعل مستقبل مجبول مؤكد | ضرور بضر ور مارے جائے ہم دومرد ماہم | لَنُضْرُبُنَّ |
| لام تا كيدونون تا كيد تقبيله علا في مجرّ وسي معمل من قبيل كيفي في الله الله الله على الله الله الله الله الله الله الله ال | دوعورتی یا ہم سب مردیا ہم سب عورتیں | |
| | | |

باب اول صرف ببیر فعل مستقبل معلوم مو كد بلام تا كيد ونون تا كيد خفيفة ثلاثى مجر وسيح از باب فعل يفعل المستقبل بن ضرور بعثر ورماريكا وه ايك مرد زمانه ستقبل مين صيند واحد فدكر غائب فعل ستقبل معلوم مؤكد بلام تاكيد ونون تاكيد خفيفه ثلاثى مجروا في المستقبل مين صيند تن فركز غائب فعل ستقبل معلوم مؤكد بلام تاكيد ونون تاكيد خفيفه ثلاثى مجروا في المستقبل مين صيند واحد مؤنث غائب فعل ستقبل معلوم مؤكد بلام تاكيد ونون تاكيد خفيفه ثلاثى مجروا في موجود واحد مؤنث غائب فعل ستقبل معلوم مؤكد بلام تاكيد ونون تاكيد خفيفه ثلاثى مجروا في موجود واحد مؤنث غائب فعل ستقبل معلوم مؤكد بلام تاكيد ونون تاكيد خفيفه ثلاثى مجروا في المستقبل مين صيند واحد فرا ما مناسب موجود واحد مؤنث عاصر معلوم مؤكد بلام تاكيد ونون تاكيد خفيفه ثلاثى مجروا في المتقبل معلوم مؤكد بلام تاكيد ونون تاكيد خفيفه ثلاثى مجروا في المتقبل معلوم مؤكد بلام تاكيد ونون تاكيد خفيفه ثلاثى مجروا في المتقبل معلوم مؤكد بلام تاكيد ونون تاكيد خفيفه ثلاثى مجروا في المتقبل معلوم مؤكد بلام تاكيد ونون تاكيد خفيفه ثلاثى مجروا في المتقبل معلوم مؤكد بلام تاكيد ونون تاكيد خفيفه ثلاثى مجروا في المتقبل مين صيند واحد شكل فل مستقبل مين صيند بحق منظم مشترك معلوم مؤكد بلام تاكيد ونون تاكيد خفيفه ثلاثى مجروسي المتحد بين من من مناسب مورتي والماستقبل مين صيند بحق منظم مشترك معلوم مؤكد بلام تاكيد ونون تاكيد خفيفه ثلاثى معلوم مؤكد بلام تاكيد ونون تاكيد خفيفه ثلاثى محروسي المتحد بين من مناسب مورتي والمتستقبل مين صيند بحق منظم مشترك معلوم مؤكد بلام تاكيد ونون تاكيد خفيفه ثلاثى محروسي المتحد بين مناسب مورتي والمتفقيل مين صيند بحق منظم مشترك معلوم مؤكد بلام تاكيد ونون تاكيد خفيفه ثلاثى موروسي المتحد والمستقبل مين صيند بحق منظم مشترك معلوم مؤكد بلام تاكيد ونون تاكيد خفيفه ثلاثى موروسي المتحد والمستقبل مين صيند بحق منظم مشترك مثال المتحد والمستقبل مين معلوم مؤكد بلام تاكيد ونون تاكيد خفيفه ثلاث من مناسب مورتي والمتحد والمتحد المتحد ال

باب اول صرف كبيرفعل مستقبل مجهول مؤكد بلام تاكيدونون تاكيد خفيفه ثلاثى مجرد صحيح ازباب فعل يفعل

| ضرور بضر ور ماراجائيگاده ايک مردز مانه ستقتل مين، ميغه واحد مذكر غائب فعل ستقتل مجهول موَ كد بلام تا كيدونون تا كيدخفيفه ثلاثي مجرد الخ | لَيْضُرَبَنْ |
|---|---------------|
| ضرور بفنر وريارے جائمينگے وہ سب مرد ، زیانہ ستقبل میں ،صیغہ جمع ند کرغائب فعل مستقبل مجبول مؤکد بلام تاکیدونون تاکید خفیفد الخ | لَيْضُرَبُنْ |
| ضرور بضر ور ماری جائی وه ایک عورت ، ز مانه ستقتل میں ،صیغه واحد مئونث غائب فعل مستقتل مجبول مؤکد بلام تا کیدونون تا کیدخفیفه الخ | لَتُضْرَبَنْ |
| ضرور بضرور ماراجائيگا توايك مردز مانه ستقبل مين صيغه واحد مذكر حاضرفعل مستقبل مجبول مؤكد بلام تاكيد ونون تاكيد خفيفه ثلاثى مجردالخ | |
| ضرور بضر ور مارے جاؤ گےتم سب مروز ماند متفقل میں صیغہ جمع ند کر حاضر فعل متفقبل مجہول مؤ کد بلام تا کیرونون تا کید خفیفه الخ | لَتُضَرَّبُنُ |
| ضرور بضر ور ماری جائیگی تو ایک عورت زمانه مستقتل میں صیغه واحد مئونث حاضر فعل مستقتبل مجبول مؤ کد بلام تا کیدونون تا کید خفیفه الخ | لَتُضْرَبِنُ |
| ضرور بضر ور مارا جاؤ نگامیں ایک مردیا میں ایک عورت زیانہ مشقتبل میں صیغہ دا حد مشکل فعل مشقتبل مجبول مؤ کد بلام تا کیدونون تا کیدالخ | |
| ضرور بضر ور مارے جائمینگے ہم دومر دیا ہم دوعورتن یا ہم سب مردیا ہم سب عورتنی ، ز مانستقتبل میں صیغہ جمع متکلم مشترک مع الغیر | لَنْضُرَبُنْ |

باب اول صرف بمير فعل جحد معلوم ثلاثي مجر دحيح از باب فعل يفعل

| يه دا حد مذكر غائب بغل ججد معلوم ثلاثى مجر دحيح از باب فعل يفعل | نہیں مارااس ایک مرد نے ، زمانہ گذشتہ میں صیغ | لَمُ يَضْرِبُ |
|---|---|------------------|
| تثنيه ذكرغا ئب فعل جحد معلوم ثلاثى مجرو صحيح ازباب فعل يفعل | نہیں ماران دومر دوں نے زمانہ گذشتہ میں صیغہ | لُمْ يَضْرِبَا |
| ميغه جمع مذكر غائب فعل جحد معلوم ثلاثى مجر دحيح از باب فعل يفعل | نہیں ماراان سب مردوں نے زمانہ گذشتہ می <i>ں ہ</i> | لَمْ يَضْرِبُوْا |
| يغه دا حدمونث غائب فعل جحدمعلوم ثلاثى مجردتيج ازباب فعل يفعل | نہیں مارااس ایک عورت نے زمانہ گذشتہ میں | لُمْ تَضْرِبُ |
| ية تثنيه موَّنث عَا سُب نعل جحد معلوم ثلاثى مجر دحيح ازباب نعل يفعل | نہیں ماراان دوعورتوں نے زمانہ گذشتہ میں صیغ | لَمُ تُضُوِبًا |
| ميغه جمع مئونث غائب فعل جحد معلوم ثلاثى مجر دحيح ازباب فعل يفعل | نہیں ماراان سب عورتوں نے زمانہ گذشتہ میں | لَمْ يَضُرِبُنَ |
| حد مذكر حاضر بعل جحد معلوم ثلاثى مجر دفيح از باب فعل يفعل | نہیں ماراتوایک مرد نے زمانہ گذشتہ میں صیغہ وا | لُمُ تُضْرِبُ |
| نثنيه ذكرحاضر فغل جحدمعلوم ثلاثى مجردتيج ازباب فعل يفعل | نہیں ماراتم دومر دول نے زمانہ گذشتہ میں صیغہ | لُمْ تُضْرِبَا |
| بغه جمع مذكر حاضر أنعل جحد معلوم ثلاثى مجر دصيح ازباب فعل يفعل | نہیں ماراتم سب مردوں نے زمانہ گذشتہ میں ص | لَمُ تَضُرِبُوْا |
| به واحدمئونث حاضر ، فعل جحد معلوم ثلاثي مجروضيح از باب فعل يفعل | نہیں مارا توایک عورت نے زمانہ گذشتہ میں صیغ | لُهُ تُصْرِبِيُ |
| نثنيهمؤنث حاضر فغل جحدمعلوم ثلاثى مجردتيح ازباب فغل يفعل | نہیں ماراتم دوعورتو ںنے ز مانہ گذشتہ میں صیغہ | لَمُ تَضْرِبُا |
| بغه جمع مؤنث حاضر ، فعل جحد معلوم ثلاثى مجر دصيح ازباب فعل يفعل | نہیں ماراتم سب عورتوں نے زمانہ گذشتہ میں صب | لَهُ تَضُرِبُنَ |
| انه گذشته میں صیغه دا حدمتکلم بنعل جحد معلوم ثلاثی مجرد صیح از باب نعل یفعل | نبیں مارامیں ایک مردیامیں ایک عورت نے زما | لَمُ أَضُرِبُ |
| سب مردول یا ہم سب عورتوں نے زمانہ گذشتہ میں صیغہ جمع متکلم | | |
| يفعل | مشترك فعل جحدمعلوم ثلاثى مجر فتحيح ازباب فعل | |

باب اول صرف كبير فعل جحد مجهول ثلاثى مجر دسيح ازباب فعل يفعل

| نهیں مارا گیاوہ ایک مرد ، زمانه گذشته میں صیغه واحد مذکر غائب بغل جحد مجہول ، ثلاثی مجر دیجے از باب فعل یفعل | لَمُ يُضْرَبُ |
|---|-----------------|
| نہیں مارے گئے وہ دومر د، زمانہ گذشتہ میں صیغہ تثنیہ مذکر غائب فعل جحد مجہول ثلاثی مجر دسجے از باب فعل یفعل | لَمْ يُضْرَبُا |
| نہیں مارے گئے وہ سب مردز مانہ گذشتہ میں صیغہ جمع نہ کر غائب فعل جحد مجبول ثلاثی مجر دلیج از باب فعل یفعل | لَمُ يُضْرَبُوا |
| نېيى مارى گئى و دا يك عورت ، ز مانه گذشته ميس ، صيغه وا حد مئونث غا ئب بغتل جحد مجمهول ، ثلاثى مجر دميح از باب فعل يفعل | لَمُ تُضْرُبُ |

| نهیں ماری گئیں وہ دوعورتیں زیانہ گذشتہ میں ،میغة تشنیه مؤنث غائب بعل جحد مجبول ،ثلاثی مجرومیح ازباب فعل یفعل | |
|--|-----------------|
| نهیں ماری گئیں وہ سب عورتیں ، ز ماند گذشتہ میں ، میبغہ جمع مئونٹ غائب بعل جحد مجبول ، ثلاثی مجرومجع از باب فعل یفعل | لَمْ يُضْرَبُنَ |
| نهیں مارا گیا توایک مرد زمانه گذشته میں، صیغه داحد مذکر حاضر، فعل جحد مجہول، فلا فی مجروضیح ازباب فعل ما | لَمْ تُضْرَبُ |
| نہیں مارے گئےتم دومروز ماند گذشتہ میں میغہ تشنیہ ذکر حاضر انعل جحد مجہول، ثلاثی مجر دیجے از باب فعل یفعل | لَمُ تُضْرَبَا |
| نہیں مارے گئےتم سب مرد زمانہ گذشتہ میں، صیغہ جمع ند کرحاضر، فعل جحد مجبول، علاقی مجرد حجے از باب فعل یفعل | لَمُ تَضُرُبُوا |
| نهیں ماری گئی توایک عورت ، زمانه گذشته میں ،صیغه واحد مؤنث حاضر بفعل جحد مجمول ، طاقی مجرد حج از باب فعل یفعل | لَمُ تُضْرَبِي |
| نهیں ماری گئیںتم دوعورتیں ، ز مانہ گذشتہ میں ،صیغہ تثنیہ مؤنث حاضر ،فعل جحد مجہول ،طلا ٹی مجرد میج از باب فعل یفعل | لُمْ تُضْرَبَا |
| نہیں ماری گئیںتم سب عورتیں ، زمانہ گذشتہ میں،صیغہ جمع مؤنث حاضر بغل جحد مجبول، ملا فی مجر دیجے از باب نعل | لَمْ تُضْرُبُنَ |
| نهین مارا گیامیں ایک مرویا میں ایک عورت زمانه گذشته میں ،صیغه واحد پیکلم بعل جحد مجهول ، ها فی مجروحیح از باب فعل یفعل | لُمْ أَصْرَبُ |
| نہیں مارے گئے ہم دومر دیا ہم دوعورتیں یا ہم سب مردیا ہم سب عورتیں، زبانہ گذشتہ میں صیفہ جم منتظم شترک مع المنظم مح | لَمْ نَضْرَبُ |

باب اول صرف كبير فعل نفي معلوم ثلاثي مجر دحيح از باب فعل يفعل

| نہیں مارتا ہے بانہیں ماریگاوہ ایک مرد، زمانہ حال یا استقبال میں صیغہ دا حد مذکر غائب فعل نفی معلوم ثلاثی مجردالخ | لاً يَضْرِبُ |
|--|-----------------|
| نہیں مارتے ہیں یانہیں مارینگےوہ دومر دز مانہ حال یااستقبال میں صیغہ تشنیہ مذکر غائب فعل فی معلوم محلاقی مجردالخ۔ | لَا يَضُرِبَانِ |
| نہیں مارتے ہیں یانہیں مارینگے وہ سب مرد، زمانہ حال یا استقبال میں صیغہ جمع مذکر غائب فعل نفی معلوم ثلاثی مجردالخ | لَا يُضِرِبُونَ |
| نہیں مارتی ہے یانہیں ماریکی وہ ایک عورت ، ز مانہ حال یا استقبال میں ،صیغہ واحد مؤنث عائب فعل نفی معلوم ملاثی مجردالخ | لَاتَضُرِبُ |
| نهیں مارتی ہیں یانہیں مارینگی وہ دوعورتیں ، زمانہ حال مااستقبال میں صینہ تشنیہ مؤنث عائب فعل نفی معلوم ثلاثی مجردالخ | لَا تَضُرِبَانِ |
| نہیں مارتی ہیں یانہیں مارینگی وہ سب عورتیں ، زیانہ حال یا استقبال میں ،صیغہ جمع مؤنث غائب ،فعل نفی معلوم الخ | لَايَضُرِبُنَ |
| نہیں مارتاہے یانہیں مار کیکا تو ایک مرد، زمانہ حال بااستقبال میں،صیغہ واحد مذکر حاضر، فعل نفی معلوم علاثی مجروالخ | لَا تَضُرِبُ |
| نہیں مارتے ہویانہیں مارو گےتم دومرد، زمانہ حال یااستقبال میں،صیغہ شنیہ مذکر حاضر بعل نفی معلوم ٹلا ٹی مجردالح | لَاتَضْرِبَانِ |
| نہیں مارتے ہویانہیں مارد گےتم مب مرد، زمانہ حال یا استقبال میں، صیغہ جمع بذکر حاضر فعل نفی معلوم هلا ثی الخ | لَاتَضْرِبُوْنَ |
| نهيں بارتی ہے پنييں مار کی توايک عورت ، مرمانہ حالي استقبال ميں ، صيف واحد مؤنث جاضر بعل نفي معلوم الخ | لَاتَضِ بِينَ |

لاَ تَضْيِرِ بُنِينِ مَارِقَ ہُو يَانِينِ مَارِدَى تَمْ دَو وَرَتِينَ ، زَمَانَ حَالَ يَا اسْتَبَالَ مِن ، مِيغَة تَنْيَمُ وَ نَصْحَامُ الْمَانَ فَى معلوم الله قُلِي لَا تَصْيُرِ بُنِينَ مَارِقَ ہُو يَانِينِ مَارِدَى تَمْ سِبِ وَرَتِين ، زَمَانَ حَالَ يَا اسْتَقَبَالَ مِن ، مِيغَة رَبِعَ مَوَ نَصْحَامُ الله تُعْمِدُ الله تَعْمِدُ الله تَعْمُ مُنْ الله تَعْمُ الله تَعْمِدُ الله تَعْمُ الله تَعْمِدُ الله تَعْمُ الله تَعْمِدُ الله تَعْمِدُ الله تَعْمُ مُنْ الله تَعْمِدُ الله تَعْمُ الله تَعْمُ الله تَعْمِدُ الله تَعْمُ الله تَعْمُ مُنْ الله تَعْمُ الله تَعْمِينَ الله تَعْمُ الله تُعْمُ الله تَعْمُ الله تُعْمُ اللّهُ اللّهُ عَلَى الله تَعْمُ الله تَعْمُ اللّهُ الله تُعْمُ اللّهُ الله تُعْمُ اللّهُ الله تُعْمُ اللّهُ اللّهُ اللّه تُعْمُ اللّهُ الله تُعْمُ اللّه الله تُعْمُ اللّه تُعْمُ اللّهُ اللّه تُعْمُ اللّهُ اللّهُ اللّه تُعْمُ اللّه اللّه تُعْمُ
بأب اول صرف كبير فعل نفي مجهول ثلاثي مجرد صحيح ازباب فعل يفعل

| نہیں ماراجا تا ہے پانہیں ماراجا ئےگاوہ ایک مرد، زیانہ حال یا استقبال میں صیغہ واحد مذکر غائب فعل نفی مجہول ثلاثی مجرد صحیح از باب الخ | لَا يَضُرُبُ |
|---|-----------------|
| نہیں مارے جاتے ہیں یانہیں مارے جا کینگے وہ دومر دز مانہ حال یا استقبال میں صیغہ تثنیہ مذکر غائب بغل نفی مجہول ثلاثی مجرو حجح الخ | لَا يُضْرَبَانِ |
| نہیں مارے جاتے ہیں پانہیں مارے جا نمینکے وہ سب مرد، ز مانہ حال یا استقبال میں ،صیغہ جمع مذکر غائب بغل نفی مجبول ثلاثی مجردالخ | لَا يُضْرَبُونَ |
| نہیں ماری جاتی ہے پانہیں ماری جائیگی وہ ایک عورت ، زیانہ حال یا سقبال میں ،صیغہ داحد مؤنث غائب بعل فی مجبول علاقی مجر دالخ | لاَ تَضْرَبُ |
| نهیں ماری جاتی ہیں یانہیں ماری جائینگی و و دوعورتیں ، زیانہ صال یا استقبال میں ،صیغة تثنیه مؤنث غائب بغل نفی مجہول ثلاثی مجرد الخ | لَا تُضْرَبَانِ |
| نهیں ماری جاتی ہیں پانہیں ماری جائینگی وہ سب عورتمیں ، ز مانہ حال یا استقبال میں ،صیغہ جمع مؤنث غائب بغول نفی مجمول ثلاثی مجر دالخ | لَا يُضْرَبْنَ |
| نہیں ماراجا تا ہے پانہیں مارا جائیگا توالک مرد، زبانہ حال یا استقبال میں صیغہ واحد مذکر حاضر بنعل نفی مجہول ثلاثی مجروالخ | لاً تُضْرَبُ |
| نہیں مارے جاتے ہو پانہیں مارے جاؤگے تم دومر در مانہ حال یا استقبال میں ،صیغہ شنیہ ند کر حاضر ،نعل نفی مجہول ثلاثی مجر دالخ | لَا تُضُرَبَانِ |
| نہیں مارے جاتے ہویانہیں مارے جاؤگےتم سب مرد، زیانہ حال یا استقبال میں ،صیغہ جن مذکر حاضر بغول نفی مجبول ثلاثی مجردالخ | لاً تُضْرَبُونَ |
| نہیں ماری جاتی ہے، پانہیں ماری جائیگی تو ایک عورت ، زیانہ حال یا شقبال میں ،صیغہ واحد مؤنث حاضر بغل نفی مجہول ،هما ثی الخ | لَا تُضُرّبِينَ |
| نهیں ماری جاتی ہو یانہیں ماری جاؤگی تم دوعورتیں ، زمانہ حال یا ستقبال میں ،صیغہ تثنیہ مؤنث حاضر بغل نفی مجبول علا ثی مجردالخ | لَا تُصْرَبَانِ |
| نېيى مارى جاتى بويانېيى مارى جاؤگىتم سب عورتيى، ز مانەحال يااستقبال ميں، صيغة جمع مؤنث حاضر بغل نفى مجبول ثلاثى مجردالخ | لاَ تُضُرَبْنَ |
| نبيں ماراجا تا ہوں پانہیں ماراجا وَ نَگامِیں ایک مردیا میں ایک عورت ، زیانہ حال یا استقبال میں ،صیغہ واحد متکلم فعل نفی مجہول ثلاثی الخ۔ | لاً أَضْرَبُ |
| نہیں مارے جاتے ہیں یانہیں مارے جا کینگے ہم دومر دیا ہم دوعورتیں یا ہم سب مردیا ہم سب عورتیں ، زبانہ حال یا استقبال میں ،صیغہ جمع ﷺ مشترک مع الغیر فعل نفی مجہول ثلاثی مجروضح از باب فعل یفعل ۔ | لاَ نُضْرَبُ |
| جمع يتكلم مشترك مع الغير فغل أفي مجبول ثلاثي مجر حصيح از بالب فعل يفعل _ | |

باب اول صرف كبير فعل في معلوم مؤكد بلن ناصبه ثلاثي مجر ديج از باب فعل يفعل

| ېرگزنېين ماري ڳاو وايک مرد ، زمانه مشقتل مين ،صيغه واحد مذكر غائب فعل نفي معلوم مو كدبلن ناصبه ثلاثى مجروميح از باب فعل الخ | لَن يَّضُرِبَ |
|--|-------------------|
| برگزنبین مارینگه وه دومرد، زمانه مستقبل مین، صیغه تثنیه فد کرغائب بفعل نفی معلوم مؤکدبلن ناصه علاقی مجرد حج از باب فعل یفعل | لَن يَّضْرِبَا |
| ېرگرنېي <u>ں مارينگ</u> ه ده سب مرد ، زمانه متنقبل ميں ،صيغه جمع ند کرغا ئب فعل نفی معلوم مؤ کد بلن ناصه څلا ثی مجرد محج از باب فعل يفعل | لَن يَّضُرِبُوْا |
| هرگزنبین ماریگی وه ایک عورت زمانه ستقتبل مین ،صیغه واحدموَنث غائب بعل نفی مو کربلن ناصبه ثلاثی مجروضیح از باب نعل یفعل | لَنْ تُضْرِبَ |
| بر گذمین مارینگی وه دوغورتین زمانه مستقتل مین ،صیغه تثنیه مؤنث غائب بغل نفی معلوم مؤ کدبلن ناصبه مجرد حیح از باب فعل یفعل | لَنُ تَضْرِبَا |
| ېرگزنېي <u>ں</u> مارينگى وەسب عورتيں ، ز مانەستىقىل مىں ،صيغەجىع مۇنث غائب فعل نفى معلوم مئوكدېلن ئاصبە الخ | لَن يَّضْرِبْنَ |
| برگزنهیں ماریگا توایک مرد، زمانه ستقبل میں،صیغه واحد مذکر حاضر، فعل نفی معلوم مؤ کدبلن ناصبه الخ_ | لَنُ تَضْرِبَ |
| برگزمین مارو گئےتم دومر د، زمانه ستفتل میں ،صیغه تثنیه مذکر حاضر ^{فعل ن} فی معلوم مئوکد بلن ناصبه الخ_ | كَنْ تَضْرِبًا |
| برگزنهیں مارو گئے مسب مردز مانه متنقبل میں،صیغہ جمع مذکر حاضر بغل نقی معلوم مؤ کدبلن ناصبه الخ_ | لَنْ تَضْرِبُوْا |
| برگزنهین ماریگی توایک عورت ، زمانه مشقتل مین ،صیغه واحد مئونث حاضر ^{فعل} نفی معلوم مؤ کدبلن ناصبه الخ_ | كَنْ تَضْرِبِيْ |
| برگزنبی <u>ں ماروگی تم دوعور تیں ، ز</u> مانہ سنقبل میں ،صیغه تثنیه مئونث حاضر فعل نفی معلوم مؤ کدبلن ناصبه الخ_ | لَنْ تَضْرِبَا |
| ہرگزنہیں ماروگی تم سب پیونیں ، زمانہ ستقبل میں ،صیغہ جمع مئونٹ حاضر ^{فعل} نفی معلوم مؤ کدبلن ناصبہ الخ۔ | لَنْ تَضْرِبُنَ |
| برگزنبیں مارونگا میں ایک مردیا میں ایک عورت ، زمانه مستقبل میں ،صیغه واحد متکلم بغل نفی معلوم مؤ کدبلن ناصبه الخ | لَنْ أَضْرِبَ |
| هرگزنهیں مارینگے ہم دومردیا ہم دوعورتیں یا ہم سب مردیا ہم سب عورتیں ،ز مان <mark>مستقبل می</mark> ں،صیغہ جمع متکلم الخ | لَنْ تَتَضَرُّوبَ |

باب اول صرف كبير فعل نفي مجهول مؤكد بلن ناصبه ثلاثي مجرد حجيح ازباب فعل يفعل

| ہرگزنہیں ماراجائیگاوہ ایک مرد، زمانہ مستقبل میں، صیغہ واحد مذکر غائب بغل نفی مجہول مؤ کدبلن ناصبہ الخ۔ | لَن يُضْرَبَ |
|---|-----------------|
| ہر گرنہیں مارے جا کینگے وہ دومر دز مانہ ستقتل میں،صیغہ تثنیہ مذکر غائب بغل نفی مجمہول مؤکد بلن ناصبہ الخ | لَن يَّضُرَبَا |
| ہرگر نبیں مارے جا کینگے وہ سب مرد ، زمانہ ستقبل میں ،صیغہ جمع مٰہ کرغا ئب ،فعل نفی مجہول مؤ کدبلن ناصبہ | لَن يَّضْرُبُوا |
| هر گزنهیں ماری جائیگی د دا کیے عورت ، زیانہ ستقبل میں ،عیغہ واحدمؤنث غائب بغل نفی مجبول مؤ کدبلن ناصبہ | لَىٰ تُضْرَبَ |
| هر گرنهیں ماری جائینگی وہ دوعورتیں ، زمانہ ستقبل میں ،صیغه تثنیه مؤنث غائب ب غل نفی مجہول مو کدبلن ناصبه | لَنْ تُضْرَبَا |

لَنْ يَضْرَبُنَ عَرَضِيس مارى جائيكَا وه سبعورتيس، زمانه متقبل ميس، صيغة بتع مئونث غائب فعل نفى مجهول مؤكد بلن ناصه الن تحضّر بك الرئيس مارا جائيكا توايد مرد، زمانه متقبل ميس، صيغة تثنيه فد كرحا ضر فعل نفى مجهول مؤكد بلن ناصه الخرد تحضّر بك المرتبيس مارا جاؤكة تم دومرد، زمانه متقبل ميس، صيغة تثنيه فد كرحا ضر فعل نفى مجهول مؤكد بلن ناصه الخرد تحقّ تحضّر بيون المرتبيس ماري جاؤكة مس مرد، زمانه متقبل ميس، جمع فد كرحا ضر فعل نفى مجهول مؤكد بلن ناصه الخرد تحقّ تحصّر بيون المرتبيس مارى جاؤكة والي عورت، زمانه متقبل ميس، صيغة واحد مؤنث حاضر فعل نفى مجهول مؤكد بلن ناصه الخرد تحقّ تحصّر بيون المرتبيس مارى جاؤكة من دومورتيس، زمانه متقبل ميس، صيغة تثنيه مؤنث حاضر فعل نفى مجهول مؤكد بلن ناصه الخرد تحقّ مؤنث ما ضر فعل نفى مجهول مؤكد بلن ناصه الخرد تحقير بكن تأصيد الخرد تحقير بكن برگرنبيس مارى جاؤگا من مسبعورتيس، زمانه متقبل ميس، صيغة واحد مثل في مجهول مؤكد بلن ناصه علاقی مجرول مؤكد بلن ناصه علاقی محرورت و مانه مسبعورتی من میغة واحد مثلم بعل في مجبول مؤكد بلن ناصه علاقی محرورت و مناسبه عورتی و مناسبه مورتی و مانه مناسبه مورتی و مانه مسبعورتی و مناسبه
باب اول صرف كبيرفعل امر حاضرمعلوم بلاتا كيد ثلاثى مجر دحيح از باب فعل يفعل

| مارتوا يك مردز مانه ستقبل مين صيغه واحد مذكر حاضر بغعل امر حاضر معلوم ثلاثى مجر دحيح ازباب فعل يفعل | إضرب |
|--|----------|
| ماردتم دومر د، ز مانه ستقبل میں،صیغة تثنیه مذکر حاضر، نعل امر حاضر معلوم ثلاثی مجر دصیح از باب فعل یفعل | إضُرِبَا |
| ماروتم سب مر دز مانه متنقبل میں ،صیغه جمع ند کرحاضر ،فعل امر حاضر معلوم ثلاثی مجر دصحیح از باب فعل یفعل | i i |
| مارتوا يك عورت زمانه منتقبل مين ،صيغه واحدموُنث حاضر ،فعل امر حاضر معلوم ثلاثي صحيح مجر داز باب فعل يفعل | |
| ماروتم دوعورتين ز مانه متنقبل مين ،صيغة تثنيه مؤنث حاضر فعل امر حاضر معلوم ثلاثي مجر دفيح از باب فعل يفعل | إضربًا |
| ماروتم سب عورتيں ز مانىستىقىل مىں ،صيغەجىع مۇنث حاضر ،فعل امر حاضرمعلوم ثلا ثى مجرد صحيح از باب فعل يفعل _ | 1 |

باب اول صرف كبير فعل امر حاضر معلوم مؤكد بنون تاكيد ثقيله ثلاثى مجر دهيم ازباب فعل يفعل

| [| ضرور مارتوا یک مرد، زمانه مستقبل میں صیغه واحد مذکر حاضر ،فعل امر حاضر معلوم مؤ کد بنون تا کید ثقیله ثلاثی مجرد صحح ال | إضربن |
|---|--|-------------|
| | ضرور ماروتم دومر دز مانىستىقىل مىں صيغة تثنيه مذكر حاضر فعل امر حاضر معلوم مؤكد بنون تاكيد ثقيله ثلاثي مجر دالخ | إضْرِبَانِ" |
| | ضرور ماردتم سب مردز مانه متنقبل مين صيغة جمع مذكر حاضر فعل امر حاضر معلوم مؤكد بنون تاكيد ثقيله ثلاثي مجر دالخ- | إضربن |
| | ضرور مارتوا یک عورت زمانه متنقبل میں صیغه واحدمؤنث حاضر فعل امر حاضر معلوم مؤ کد بنون تا کید ثقیله ثلاثی نجر دار | |

| | ress.com | |
|------------|---|-------------------|
| | المستراد العرف المسترق المستر | تنور الصرف |
| e sturdubo | ضرور ماروتم دومورتين زمانه ستقبل مين صيغة شنيه مؤنث حاضر بعل امرحاضر معلوم مؤكد بنون تاكيد تقيله اللاثي مجرد الخ | إِضْرِبَانِ |
| 00 | ضرور ماروتم سب عورتين ز ماند متنقبل مين صيغه جمع مؤنث حاضر بقتل امر حاضر معلوم مؤكد بنون تاكيد ثقيلية ثلاثى الخ | إضربنان |
| | ول صرف كبير فعل امر حاضر معلوم مؤكد بنون تاكيد خفيفه ثلاثى مجر دحيح ازباب فعل يفعل | باباد |
| | مرور مارتوا كيب مروز مانه متنتبل مين، صيغه واحد مذكر حاضر فعل امر حاضر معلوم مؤكد بنون تأكيد خفيفه ثلاثي مجر دالخ | اِضْرِبُنْ ا |
| | مرور ماروتم سب مروز مانه متنقبل مين صيغه جمع ندكر حاضر فعل امر حاضر معلوم مؤكد بنون تاكيد خفيفه ثلاثي مجروالخ | اِضْرِبُنْ ﴿ |
| | نرور مارتوایک عورت زمانه متقبل میں صیغه واحد مونث حاضر بغل امر حاضر معلوم مؤ کد بنون تا کید خفیفه ثلاثی مجروالخ | اِضْرِبِنْ اَ |
| | باب اول صرف كبير فعل امر حاضر مجهول بلاتا كيدثلاثي مجر دصيح از باب فعل يفعل | |
| | عِاہِے كه مارا جائے تواكب مرد، ذمانه سنعتبل ميں، صيغه واحد مذكر حاضر بغل امر حاضر مجہول بلاتا كيد ثلاثي مجردالخ_ | |
| | عا ہے کہ مارے جاؤتم دومرو، زمانہ مستقبل میں ،صیغہ شنیہ مذکر حاضر بعلی امر حاضر مجہول بلاتا کید ثلاثی مجردالخ | لِتَضْرَبًا |
| | عا ہے کہ مارے جاؤتم سب مرد ، زمانہ سنتنبل میں، صیغہ جمع مذکر حاضر بعل امر حاضر مجہول بلاتا کید ثلاثی مجردالخ۔ | لِتضرُبُوا ا |
| | عِلِيِّ عَلَى مارى جائے توا يک عورت ، زمانه منتقبل ميں ، صيغه واحد مؤنث حاضر نعل امر حاضر مجبول بلاتا كيد ثلاثي الخ_ | لِتَضْرُبِيُ ا |
| | عِاہیۓ کہ ماری جاؤتم دوعور تیں ، ز مانہ سنقبل میں ،صیغہ تثنیہ مؤنث حاضر ^{فعل} امر حاضر مجبول بلا تا کید ثلاثی مجرد الخ۔ | لِتُضْرَبًا. |
| ٠ | عِيا ہے کہ ماری جاؤئم سب عورتیں ز مانہ ستقبل میں ،صیغہ جمع مؤنث حاضر ،فعل امر حاضر مجہول بلا تا کید ثلاثی الخ | لِتُضْرَبُنَ |
| | ل صرف كبير فعل امر حاضر مجهول مؤكد بنون تاكيد ثقيله ثلاثي مجر دهيج ازباب فعل يفعل | باب او |
| | حابيئ كه خرور مارا جائة وايك مرد، زمانه ستقبل مين صيغه واحد مذكر حاضر فعل امر حاضر مجهول مؤكد بنون تاكية تقيله الخ | لِتُضْرَبَنَ الله |
| | ع بیئے کہ ضرور مارے جاؤتم دومر دز مانہ ستقبل میں صیغہ تثنیہ مذکر حاضر فعل امر حاضر مجبول مؤکد بنون تا کید تقیلہ الخ | |
| | ع بینے کہ ضرور مارے جاؤتم سب مردز مانہ ستعقبل میں صیغہ جمع مذکر حاضر فعل امر حاضر مجبول مؤکد بنون تا کیر تعیله الخ | لِتُضْرَبُنَ |
| | عابيئ كهضرور ماري جائة وايك عورت زمانه متنقبل مين صيغه واحدمؤنث حاضرفعل امر حاضر مجهول مؤكد بنون تاكيد ثقيله الخ | لِتُضْرَبِّنَ |
| | عابية كه ضرور مارى جاؤتم دوعورتين زمانه مستقبل مين صيغة تثنيه مؤنث حاضر فعل امرحاضر مجهول مؤكد بنون تاكي ثقيله الخ | لِتُضْرَبَانَ |

. وور ماری جاؤتم سب عورتیں زیانه مستقبل میں صیغہ جمع مؤنث حاضرفعل امر حاضر مجہول مؤکد بنون تا کید **تقیل**ہ الخ

باب اول صرف كبير فعل امرحاضر مجهول مؤكد بنون تاكيد خفيفه ثلاثي مجردتي ازباب فعل يفعل

| جاهيئ كيضرور مارا جائة وايك مرد ، زمانه متنقبل مين صيغه واحد فدكر حاضر ، نعل امر حاضر مجبول مؤكد بنون تاكيد نفيفه الخ | لِتُصْرَبَنُ |
|--|--------------|
| عامية كم خرور مارے جاؤتم سب مردز مانه منتقبل ميں ، صيفه جمع ندكر حاضر بعل امر حاضر جمہول مؤكد بنون تاكيد خفيف الخ | |
| چابیئے کہ ضرور ماری مائے تو ایک عورت ، زمانہ ستعبل میں ،صیغدداحد مؤنث حاضر بعل امر حاضر جہول مؤ کد بنون تا کید خفیفد الخ | |

باب اول صرف كبير فعل امر غائب معلوم بلاتا كيدثلاثي مجر فتحيح ازباب فعل يفعل

| چاہیئے کہ مارے وہ ایک مرد ، زیانہ منتقبل میں ،صیغہ واحد مذکر غائب بغل امر غائب معلوم بلاتا کید ثلاثی مجروضیح از باب الخ | لِيَضْرِبُ |
|--|---------------|
| چاہیئے کہ ماریں وہ دومر دز مانہ منتقبل میں ،صیغہ تثنیہ فد کرغائب فعل امرغائب معلوم بلاتا کید ثلاثی مجرد صیح از باب فعل الخ | لِيَضُوِبَا |
| چاہیے کہ ماریں وہ سب مردز مانہ متقبل میں ،صیغہ جمع مذکر غائب فعل امر غائب معلوم بلاتا کید ثلاثی مجرد سیح الخ | لِيُصْرِبُوْا |
| چاہیئے کہ مارے وہ ایک عورت ، زمانہ متقبل میں ،صیغہ وا حد مؤنث غائب فعل امر غائب معلوم بلاتا کید ثلاثی الخ | F - |
| چاپىئے كەمارىي ۋە دوغورتىن زمانەستىقىل مىن، مىيغەتىنىيەمۇنىڭ غائبىنىل امرغائب معلوم بلاتا كىدىلا تى مجروتىج ازباب الخ | لِتَضْرِبَا |
| چاہیئے کہ ماریں وہ سب عورتیں زمانہ ستفتل میں صیغہ جمع مؤنث غائب فعل امر غائب معلوم بلاتا کید ٹلا ٹی مجرد حجے الخ | |
| چاہیئے کہ ماروں میں ایک مردیا میں ایک عورت زبانہ ستقبل میں صیغہ داحد شکلم بعل امر غائب معلوم بلاتا کید ثلاثی مجرد صحح الخ | لِأَضْرِبُ |
| عابیئ که ماری بهم دومردیا بهم دوعورتین یا بهم سب مردیا بهم سب عورتین زمانه مشتقبل میں ،صیغه جمع مشترک مع الغیر فعل امر غائب معلوم بلاتا کید ثلاثی مجرد حیح از باب فعل یفعل به | لِنَصْرِبُ |
| معلوم بلاتا كيه ثلاثى مجر فتح از باب فعل يفعل _ | |

باب اول صرف كبير فعل امر غائب معلوم مؤكد بنون تاكيد ثقيله ثلاثى مجر دحيح ازباب فعل يفعل

| چاہیئے کہ ضرور مارے وہ ایک مرد، زمانہ مستقبل میں صیغہ واحد مذکر غائب فعل امر غائب معلوم ،مؤ کد بنون الخ | لِيَضُرِبَنَّ |
|---|-----------------|
| چاہیئے کی ضرور ماریں وہ دومر دز مانہ ستقبل میں، تثنیہ ذکر غائب فعل امر غائب معلوم مؤکد بنون تا کیڈ نقیلہ الخ | لِيَضُرِبَانِ |
| چاہیے کے ضرور ماریں وہ سب مردز مانہ متعقبل میں صیغہ جمع مذکر غائب فعل امر غائب معلوم مؤکد بنون تا کید ثقیلہ ثلاثی الخ | لِيَضُرِبُنَّ |
| چاہیئے کی ضرور مارے وہ ایک عورت زبانہ ستقبل میں صیغہ دا حد مؤنث نائب فعل امر غائب معلوم مؤکد بنون تاکید تقیلہ ثلاثی الخ | لِتَضْرِبَنَّ |
| چاہیے کے ضرور ماریں وہ دوعور تیں ، زمانہ ستقبل میں ، صیغة شنیه مؤنث غائب نعل امر غائب معلوم مؤ کد بنون تا کید ثقیلہ ثلاثی الخ | لِتَضْرِبَانِ |
| چاہیئ کی ضرور ماریں وہ سب عورتیں ، زمانہ سنقتل میں ، صیغہ جمع مؤنث غائب نعل امر غائب معلوم مؤکد بنون تا کیڈ تقلیہ ثلاثی الخ | لِيَضْرِبُنَانِ |

شرح ارشادالصرف

| چاہیے کہ ضرور ماروں میں ایک مردیا میں ایک عورت ، زمانہ ستنتل میں ، مینندو احد متکلم فعل امر غائب معلوم مؤکد بنون تاکیدالخ | لِأَضْرِبُنَ |
|---|--------------|
| عايية كمضرور ماري بهم دومرد يابهم دومورتين، يابهم سبسرديا بهمس عورتين زمانه متنقبل مين مصيفة جمع متكلم مشترك مع الغير الخ | لِنضُرِبُنَّ |

باب اول صرف كبير فعل امر غائب معلوم مؤكد بنون تاكيد خفيفه ثلاثي مجر دفيح ازباب فعل يفعل

| چا بینے کہ ضرور مارے وہ ایک مرد، زمانہ ستعقبل میں، صیغہ واحد ند کرغائب بغل امرغائب معلوم مؤکد بنون تاکید خفیفه الخ | لِيَضْرِبَنُ |
|--|--------------|
| چاہیئے کیضرور ماریں وہ سب مرو، زمانہ ستنقبل میں ،صیغہ جمع ند کرعائب بغل امرعائب معلوم مؤکد بنون تاکید خفیفه الخ | لِيَضُرِبُنُ |
| حاليئ كيضرور مارے وه ايك تورت ، زمانه ستعتبل ميں ، صيغه واحد مؤنث غائب نعل امرغائب معلوم مؤكد بنون تاكيد خفيفه الخ | لِتَضْرِبَنْ |
| جابيئ كيضرور مارول مين ايك مرديا مين ايك عورت ، زمانه متقتل مين ، صيغه واحد يتكلم ، فعل امرغائب معلوم مؤكد بنون تاكيد خفيفه الخ | |
| چاہیئے کی خرور ماریں ہم دومردیا ہم دوعورتیں یا ہم سب مردیا ہم سب عورتیں، زمانہ سنتقبل میں صیغہ جمع متکلم مشترک مع الغیر فبعل امر غائب معلوم مؤکد بنون تاکید خفیفہ ثلاثی مجروضح ازباب فعل یفعل ۔ | لِنَصْرِبَنْ |

باب اول صرف كبير فعل امر غائب مجهول بلاتا كيد ثلاثي مجر فتحيح ازباب فعل يفعل

لِيْضَرَبُ عِابِيَ كَماراجا عِوه ايك مرد، زمانه متنقبل مين صيغة واحد فدكر غائب فعل امر غائب مجهول بلاتا كيد ثلاثى مجردالخير ليهضر بنا عابيت كمار عائب مجهول بلاتا كيد ثلاثى مجردالخير ليهضر بنا عابيت كمار عائب مجهول بلاتا كيد ثلاثى مجردالخير ليهضر بنو العبيض كمار عائب مجهول بلاتا كيد ثلاثى مجردالخير ليهضر بنو العبيض كمارى جائين وه سب مردز مانه متنقبل مين صيغة واحدمون غائب فعل امر غائب مجهول بلاتا كيد ثلاثى الخير ليه تعلق المرغائب مجهول بلاتا كيد ثلاثى الخير ليه التحقير بنا عائم بنا المعرف المرغائب مجهول بلاتا كيد ثلاثى الخير المنهضر بنا عابي كمارى جائين وه دو ورتين زمانه متنقبل مين صيغة تثنية مؤنث غائب فعل امرغائب مجهول بلاتا كيد ثلاثى الخير المنهضر بنا عابي كمارى جائين وه سب عورتين ، زمانه متنقبل مين صيغة بحمول موائب مجهول بلاتا كيد ثلاثى الخير المنهضر بنا عابي كمارى جائين مهرديا بمن ايك عورت زمانه متنقبل مين ميغة واحد تنظم بغل امرغائب مجهول بلاتا كيد ثلاثى بجروال للاتا كيد ثلاثى بجروال بلاتا كيد ثلاثى بجروال للاتا كيد ثلاثى بحروالخير في على المنائب مجهول بلاتا كيد ثلاثى بحروالخير في عائب على مورديا بم وعورت زمانه مسبس مرديا بم سعورتين ، زمانه متنقبل مين صيغة بمنائل مين صيغة بمنائل مين صيغة بمنائل مين مينورت بالله كيد ثلاثى بحروالخير به من منائد من منائد منتقبل مين منائد منائل مين مينورت كيد تنائل في منائل مين منائد منائل مين منائد منائل مين منائل مين منائل مين منائد منتقبل مين منائد منتقبل مين منائد منتقبل مين منائد منتون منائل المنائل منائل المنائل المنائل المنائل منائل منائل منائل منائل منائل منائل المنائل منائل المنائل منائل
باب اول صرف كبير فعل امر غائب مجهول مؤكد بلام تاكيد ونون تاكيد ثقيله ثلاثى مجرد صحيح ازباب فعل يفعل

| ا بینے کہ ضرور ماراجائے وہ ایک مرد ، زمانہ متعقبل میں ، صیغہ واحد مذکر غائب فعل امر غائب مجہول مؤکد بنون تاکیر ثقیلہ الخ | لِيُضْرَبُنَّ ا |
|--|-----------------|
| بيئ كضرور مارے جائيں وہ دومرد زمانه ستقبل ميں، صيغة شنيه فدكر غائب فعل امر غائب مجهول مؤكد بنون تاكيد ثقيله الخ | |

| شرح ارشادالصرف |
|----------------|
|----------------|

| عايية كيفرور مارے جائيں وه سب مرد ، زمانه ستعقبل ميں ، صيفه جمع فدكر غائب بغل امر غائب مجهول مؤكد بنون تاكيد ثقيله الخ | لِيُضْرَبُنَ |
|--|-----------------|
| عابیت کرضرور ماری جائے وہ ایک مورت ، زمانہ ستقبل میں ،صیغہ واحد مؤنث غائب بغل امر غائب جمہول مؤکد بنون تا کید ثقیلہ | لِتَصْرَبُنَّ |
| عابيءُ | لِتُضْرَبَانِ |
| چاہیے کے ضرور ماری جائیں وہ سب عورتیں ، زمانہ منتقبل میں ،صیغہ جع مؤنث غائب ، بعل امر غائب جمہول مؤکد بنون تاکید تقیله الخ | لِيُضْرَبْنَانِ |
| چاہیئ کے ضرور ماراجاؤں میں ایک مردیا میں ایک مورت ، زمانہ مستقبل میں ،صیغہ واحد متکلم بغل امر غائب مجبول مؤکد بنون تا کیدالخ | لأضربن |
| چاہیئے کے ضرور مارے جا کیں ہم دومر دیا ہم دومورتیں یا ہم سب مردیا ہم سب مورتیں ، زمانہ متقتل میں بصیغہ جمع متعکم مشترک الخ | لِنضْرَبَنَ |

باب اول صرف كبير فعل امر عائب مجهول مئوكد بنون تاكيد خفيفه ثلاثي مجر وسيح ازباب فعل يفعل

| چا بینے کہ ضرور ماراجائے وہ ایک مرد، زمانہ ستقبل میں ،صیغہ واحد مذکر غائب بعل امر غائب مجبول مؤ کد بنون تا کیدخفیفہ ثلاثی مجروالخ | لِيُضْرَبَنُ |
|---|--------------|
| عابیت کی ضرور مارے جا کیں وہ سب مرد ، زمانہ سنتنل میں ،صیغہ تق ذکر غائب بغل امر غائب مجہول مؤکد بنون تاکید خفیفہ ثلاثی الخ | لِيُضْرَبُنُ |
| عالینے کے ضرور ماری جائے وہ ایک عورت ، زیانہ سنقبل میں ،صیغہ واحد مؤنث غائب ، فعل امر غائب جمہول مؤکد بنون تا کید خفیفہ الخ | لِتُضْرَبَنْ |
| چاہیے کی ضرور ماراجاؤں میں ایک مردیا میں ایک عورت ، زمانہ ستقبل میں ،صیغہ داحد متکلم، فعل امر غائب مجبول مؤکد بنون تاکیدالخ | لِأُضْرَبَنُ |
| علیہ کے صفرور مارے جا کیں ہم دومردیا ہم دوعورتیں یا ہم سب مردیا ہم سب عورتیں زمانہ مستقبل میں ،صیغہ جمع متکلم مشترک الخ | لِنْضُرَبَنُ |

باب اول صرف بمير فعل نهي حاضر معلوم بلاتا كيد ثلاثي مجر دحيح ازباب فعل يفعل

| نه مارتوا يک مرد، زمانه متنقبل ميں، صيغه واحد حاضر بغل نهي حاضر معلوم بلاتا کيد ثلاثي مجر ديج از باب فعل يفعل _ | لَا تَضْرِبُ |
|---|--------------|
| نه ماروتم دومر د، زمانه مشقبل میں ، صیغه تثنیه مذکر حاضر ، فعل نبی حاضر معلوم بلاتا کید ثلاثی مجر دسیحی ، از باب فعل یفعل | |
| نه ماروتم سب مرد، زمانه مستقبل میں صیغه جمع ند کر حاضر ، فعل نهی حاضر معلوم بلاتا کید ثلاثی مجر دمیچ ، از باب فعل یفعل | |
| نه مارتوا یک عورت زمانه مستقبل میں ،صیغه واحد مئونث حاضر ، فعل نبی حاضر معلوم بلاتا کید ثلاثی مجر دھیجے ، از باب الخ | |
| نەماردتم دوغورتىن ، زمانەستىقتىل مىں ، صيغة تثنيە مۇنث حاضر بىغلىنى حاضرمعلوم بلاتا كىد ثلاثى مجرد تىچى از باب فعل يفعل _ | I I |
| نه ماروتم سب عورتيس، ز مانه مستقبل ميس، صيغه جن مو نث حاضر بغل نهي حاضر معلوم بلاتا كيد ثلاثي مجروضيح از باب نعل يفعل _ | |

باب اول صرف كبير فعل نهى حاضر معلوم مؤكد بنون تاكيد ثقيله ثلاثى مجر دفيح ازباب فعل يفعل

لاَ نَصْبِرِ بَنَ اللَّهُ مِلْ مَه مارة الله معرد، زمانه متقبل مين، صيغه واحد فدكر حاضر فعل نبي حاضر معلوم، مؤكد بنون تاكيد ثقيله ثلاثى مجرو يحجاز باب فعل الخ

| \d | | | _/ |
|----|--|-------------|------------------|
| 70 | ز نه ماروتم دومر دز مانه ستنقبل میں ،صیغه تثنیه مذکر حاضر بغل نبی حاضر معلوم ،مو کد بنون تا کید ثقیله ثلاثی مجرد مج | برگر | لاً تَضْرِبَانِ |
| | ر نه ماردتم سب مرد ، ز ماند متعتبل میں بصیغه جمع ند کرحاضر بغل نبی حاضر معلوم ، مؤ کد بنون تا کید تقبیله ثلاثی مجر دیج از باب الخ | · . I | لاَ تَضْرِبُنَ |
| | نه مارتوا یک عورت ، زیانه سنتقبل میں ،صیغه واحد مؤنث حاضر بعل نبی حاضر معلوم ،مؤ کد بنون تا کید ثقیله ثلاثی مجر دیج از الخ | بركز | لاَ تَضْرِبِنَّ |
| | نه ماروتم دو گورتیس ، زمانه سنتقبل میس ، صیغه تثنیم و نث حاضر ، فعل نهی حاضر معلوم ، مو کد بنون تا کید تقیله ثلاثی مجر دمیح از باب الخ | برگز | لَا تَضُرِبَارِ |
| | نه ماروتم سب عورتيس ، زمانه متنقبل ميس ،صيغه جمع مؤنث حاضر بغل نهي حاضر معلوم ،مؤكد بنون تاكير ثقيله ثلاثي مجر دميح الخ | ہرگز | لا تَصْرِبُنَانِ |
| • | رف كبيرفعل نهى حاضرمعلوم مؤكد بنون تاكيد خفيفه ثلاثى مجرد صحيح ازباب فعل يفعل | | بابا |
| | زنه مارتوا يك مرد، زمانه ستقتل ميس، صيغه واحد مذكر حاضر فعل نهي حاضر معلوم مؤكد بنون تاكيد خفيفه ثلاثي مجرد هيج از باب فعل الخ | | لاَ تَضْرِبَنْ |
| | نه ماروتم سب مردز مانه ستقبل میں ،صیغه جمع ند کرحاضر بغل نبی حاضر معلوم مؤ کد بنون تاکید خفیفه ثلاثی مجرد حج از باب فعل الخ | <i>برگز</i> | لاَ تَضْرِبُنُ |
| | نه مارتوا یک عورت زمانه ستقبل میں ،صیغه واحدمؤنث حاضر بغل نبی حاضرمعلوم مؤکد بنون تا کیدخفیفه ثلاثی مجرو محج از باب الخ | برگز | لاَ تَضُرِبِنُ |
| | اول صرف كبيرنعل نهى حاضر مجهول بلاتا كيدثلاثى مجر دفيح ازباب فعل يفعل | باب | |
| | اجائة ايك مرد، زمانه متقتل ميں،صيغه واحد مذكر حاضر، فعل نهي حاضر مجبول بلاتا كيد ثلاثي مجر دفيح از باب فعل يفعل | نهمار | لاَ تُضْرَبُ |
| | ے جاؤتم دومرد، زمانه متقبل میں ،صیغه تثنیه ند کرحاضر ،فعل نبی حاضر مجبول بلاتا کیدثلاثی مجرد سیح از باب فعل یفعل | نهار | لاَ تُضُرَّبَا |
| | یے جاؤتم سب مرد، زمانه مستقبل میں، صیغه جمع ند کرحاضر بعل نبی حاضر مجبول بلاتا کید ثلاثی مجرد صحیح از باب فعل یفعل | ا نه مار | لاَ تُضْرَبُو |
| | رى جائے توا يک عورت ، ز مانىم تنقبل ميں ،صيغه واحدمؤنث حاضرفعل نہی حاضر مجہول بلاتا كيد ثلاثی مجرد يحيح الخ | ندماء | لاَ تُضْرَبِي |
| | رى جاوَتم دوعورتيں ، ز مانەستىقىل مىںصىغەتىنىيەمۇنث حاضر بغل نهى حاضر مجہول بلاتا كىيد ثلاثى مجرد صحيح از الخ | ندماء | لاَ تُضْرَبَا |
| | رى جاوَتم سب عورتيں ، ز مانه ستفتل مين صيغه جمع موَنث حاضر بعل نهى حاضر مجهول بلا تا كيد ثلاثي مجر دهيج از الخ | ندما | لاَ تُضْرَبْنَ |
| | مرف كبيرفعل نهى حاضر مجهول مؤكد بنون تاكيد ثقليه ثلاثى مجرد صحيح ازباب فعل يفعل | اول ص | باب |
| | گزنه ما را جائے توایک مردز مانه سنقبل میں ،صیغه واحد مذکر حاضر ،فعل نہی حاضر مجہول مؤکد بنون تاکید ثقیله الخ | , ,, | لاَ تُضْرَبَنَّ |
| | رُّز نه مارے جاؤتم دومر د، زمانه ستقبل میں ،صیغه تثنیه مذکر حاضر ، نعل نبی حاضر مجہول مؤکد بنون تا کید ثقیله الخ | ر ار | لاَتُضْرَبَارِنَ |
| | رُّز نه مارے جاؤتم سب مرد ، زمانه متقبل میں صیغہ جمع ند کر حاضر فعل نبی حاضر مجہول مؤکد بنون تا کید ثقیلہ الخ | | لاَ تُضْرَبُنَّ |
| | رگز نه ماری جائے تو ایک عورت ز مانه ستعقبل میں صیغه داحد مؤنث حاضر فعل نہی حاضر مجبول مؤ کد بنون تا کیدالخ | , ,, | لاَ تُضْرَبِنَّ |
| | • | | |

| برگز نه ماری جاؤتم دوعورتیں ، زمانه سنعتل میں ، صیغه تثنیه مئونث حاضر بفعل نبی حاضر مجهول مؤکد بنون تا کید تغییر <u>الغ</u> | لاَ تُضْرَبَانٍ |
|---|-------------------|
| ہرگز نه ماری جاؤتم سب عورتیں ، ز مانه متنقبل میں ،صیغه جمع مئونث حاضر بعل نبی حاضر جمپول مؤ کد بنون تاکیدا لخ | لاَ تُضْرَبُنَانٍ |

باب اول صرف كبير فعل نهى حاضر مجهول مؤكد بنون تاكيد خفيفه ثلاثى مجردتي از باب فعل يفعل

| برگزند مارا جائے تو ایک مرد، زماند مستقبل میں، صیغه واحد فد کر حاضر بعل نبی حاضر جہول مؤکد بنون تاکید خفیفدالخ | لأ تُضرَبَنْ |
|---|--------------|
| برگز ندارے جاؤتم سب مرد، زمانه ستقبل میں، صیغہ جمع ند کرحاضر، فعل نبی حاضر مجبول مؤکد بنون تاکید خفیفدالخ | لأتضربن |
| برگز نه ماری جائے تو ایک عورت ، زمانی ^{مستقب} ل میں ،صیغه واحد مئونث حاضر بعل نبی حاضر مجہول مؤ کد بنون تاکیدالخ | |

باب اول صرف كبير فعل نهى غائب معلوم بلاتا كيد ثلاثى مجر ديج از باب فعل يفعل

| نه مارے دہ ایک مرد ، زمانه متنقبل میں ،صیغه واحد مذکر غائب ،فعل نبی غائب معلوم بلا تا کید ثلاثی مجر دھیج الخ۔ | لاً يَضْرِبُ |
|--|----------------|
| نه مارین وه دومر دز مانه منتقبل مین صیغه تثنیه مذکر غائب فعل نهی غائب معلوم بلاتا کید ثلاثی مجرد سیح الخ | لاَ يَضُرِبَا |
| نه مارین وه سب مرد، زمانه متنقبل مین ،صیغه جمع ند کرغائب ،فعل نهی غائب معلوم بلاتا کید ثلاثی مجرد صحیحالخ- | لأيضربوا |
| نه مارے دہ ایک عورت ، زمانه مستقبل میں ،صیغه واحد مؤنث غائب ،فعل نہی غائب معلوم بلاتا کید ثلاثی مجر دیجے الخ | لاً تَضْرِبُ |
| نه مارین و ه دوعور نیس ز ماند مشقبل میں صیغه تشنیه مؤنث غائب فعل نهی غائب معلوم بلا تا کید ثلاثی مجرد صیح از باب فعل یفعل | لأتضربا |
| نه مارین ده سب عورتین زیانه متنقبل مین صیغه جمع مؤنث غائب فعل نهی غائب معلوم بلا تا کید ثلا ثی مجرد حج از باب فعل یفعل | لاَ يَضُرِبُنَ |
| نه ماروں میں ایک مردیا میں ایک عورت زبانہ ستقتل میں صیغہ واحدیثکلم فعل نبی غائب معلوم بلاتا کید ثلاثی مجرد تیج از باب فعل یفعل | لا أضرب |
| نه ماري جم دومرديا بم دوعورتين يا بم سب مرديا بم سب عورتين ، زمانه متقتل مين ، صيغه جمع متكلم مشترك مع الغير الخ- | لاَ نَضْرِبُ |

فعل نهى غائب معلوم مئو كدبنون تاكيد ثقيله ثلاثى مجرضيح ازباب فعل يفعل

| برگزندارے وہ ایک مرد، زمانہ متقبل میں، صیغه واحد مذکر غائب، فعل نبی غائب معلوم مؤکد بنون تاکیدالخ | لاً يَضُّرِبُنَّ |
|---|------------------|
| برگز نه مارین وه دومر د، زمانه ستقبل مین، صیغه تثنیه مذکر غائب بفعل نبی غائب معلوم مؤکد بنون تا کیدالخ | لاً يَضُوبَانَّ |
| برگزنه مارین وه سب مرد، زمانه منتقبل میں ،صیغه جمع مذکر غائب فعل نہی غائب معلوم مؤکد بنون تا کیدالخ | لأ يَضْرِبُنَ |
| برگز نه مارے وہ ایک عورت ، زمانہ متنقبل میں ، صیغہ واحد مؤنث غائب فعل نبی غائب معلوم مؤکد بنون تاکیدالخ | لاَ تَضُرِبَنَّ |
| برگزنه مارین وه دو مورتین ، زمانه مستقبل مین ، صیغه تثنیه مؤنث غائب بغل نبی غائب معلوم مؤ کد بنون تا کیدالخ | لاَ تَضُرِبَانِ |

| برگزنه مارین وه سب عورتین ، زمانه ستنتبل مین ، صیغه جمع مؤنث غائب بغل نبی غائب معلوم مؤ کد بنون الخ | لاَ يَضْرِبُنَانِ |
|--|-------------------|
| برگز نه مارول میں ایک مردیا میں ایک مورت ، زمانه منتقبل میں ، صیغه واحد منتکلم بغل نبی غائب معلوم مؤکد الخ | لاَ أَضْرِبُنَّ |
| هرگز نه مارین بهم دومر دیا بهم دومورتین یا بهم سب مردیا بهم سب عورتین ، نهانه مشتقبل مین ، صیفه جمع مشکلم مشترک مع | لاَ نَضْرِبُنَّ |
| الغير مشترك فعل نبى غائب معلوم مؤكد بنون تاكيد ثقيله ثلاثى مجر دحيح ازباب فعل يفعل | · |

فعل نهى غائب معلوم مؤكد بنون تاكيد خفيفه ثلاثى مجر دحيح ازباب فعل يفعل

| برگزنه مارے ده ایک مرد ، زمانه منتقبل میں ، صیغه دا حد مذکر غائب بعل نهی غائب معلوم مؤکد بنون تا کید خفیفه الخ | لاً يُضْرِبَنُ |
|--|----------------|
| هرگزینه مارین وه سب مرد ، زمانه منتقبل مین صیغه جمع نه کرمائب فعل نهی عائب معلوم مو کد بنون تا کید خفیفه الخ- | لاً يَضُرِبُنُ |
| برگزنه مارے وہ ایک عورت ، زبانه سنعتبل میں صیغه واحد مؤنث غائب بغل نبی غائب معلوم تو کد بنون تا کید خفیفدالخ۔ | لاَ تَضُرِبَنُ |
| هرگز نه مارون میں ایک مردیا میں ایک عورت ، زمانه سنتقبل میں ،صیغه واحد مشکلم بنعل نبی غائب معلوم مؤ کد بنون تا کید خفیفه الخ | لاَ اَصْرِبَنْ |
| برگزنه مارین جم دومردیا جم دوعورتین یا جم سب مردیا جم سب عورتین ، زمانه مستقبل میں ، صیغه جمع متکلم مشترک مع | لأنضربن |
| الغير فعل نهى غائب معلوم مؤكد بنون تاكيد خفيفه ثلاثى مجر فتيح ازباب فعل يفعل | |

فعل نهى غائب مجهول بلاتا كيد ثلاثى مجرضيح از باب فعل يفعل

| نه مارا جائے وہ ایک مرد، زمانه متقبل میں، صیغه واحد مذکر غائب ، فعل نبی غائب مجہول بلاتا کید ملاثی مجر دالخ۔ | لأيضرك |
|--|-----------------|
| نه مارے جائیں وہ دومرد زمانه متنقبل میں ،صیغة شنیه مذکرغائب ،فعل نبی غائب مجبول بلاتا کید ثلاثی مجردالخ | لاَ يُضْرَبُا |
| نه مارے جائیں وہ سب مرد، زمانہ ستقبل میں، صیغہ جع مذکر غائب ، فعل نبی غائب مجبول بلاتا کید ثلاثی مجروالخ | لاً يُضْرَبُوْا |
| نہ ماری جائے وہ ایک عورت ، زمانہ ستقتل میں ، صیغہ واحد مؤنث غائب ، بعل نبی غائب مجہول بلاتا کید هلا فی الخ | لاَ تُضْرَبُ |
| نه ماری جائیں وہ دوعورتیں ، زمانه مستقبل میں ، صیغه تثنیه مؤنث غائب ، بفعل نبی غائب مجہول بلاتا کید ثلاثی مجر دالخ | لأتُضْرَبًا |
| نه ماری جائیں وہ سب عورتیں ، زمانہ ستقتل میں ،صیغہ جمع مؤنث غائب ، بغل نبی غائب مجبول بلاتا کید ثلاثی الخ | لاً يُضْرُبُنَ |
| نه ما را جاؤں میں ایک مردیا میں ایک عورت ، زمانه ستقبل میں ،صیغه واحد مشکلم بغل نبی غائب مجہول بلاتا کید الخ | لاَ أُضْرَبُ |
| نه مارے جائیں ہم دومر دیا ہم دوعورتیں یا ہم سب مردیا ہم سب عورتیں ، زمانہ ستقبل میں ،صیغہ جمع متکلم مشترک مع | لاَ نُضْرَبُ |
| الغير فعل نهى عائب مجبول بلاتا كيدثلاثى مجر دصحح از باب فعل يفعل | |

فعل نهی غائب مجہول مؤ کد بنون تا کید ثقیلہ ثلاثی مجرد صحیح از باب فعل یفعل

| مركز نه مارا جائے وہ ايك مردز ماند ستقبل ميں ميغدوا حد فركرغائب بغل نبي غائب مجبول مؤكد بنون تاكيد تقيله الخ | لاً يُضْرَبَنَ |
|---|-----------------|
| مرگز نه مارے جا کیں وہ دومر د، زمانه متنقبل میں ،صیغہ تثنیہ فدکر غائب بھل نبی غائب مجبول مؤکد بنون تاکید ثقیله الخ | لاَ يُضْرَبُانِ |
| ہرگز نہ مارے جا کیں وہ سب مرد، زمانہ متعقبل میں ،صیغہ جع ند کر غائب بغل نبی غائب جمہول مؤ کد بنون تا کید گفتیلہ الخ | لاَ يُضْرَبُنَ |
| ارگزنه ماری جائے وہ ایک عورت ، زمانه مستقبل میں ، صیغه واحد مؤنث غائب بغل نبی غائب مجبول مؤکد بنون تاکید تقیله الخ | لاَ تُضْرَبُنَّ |
| ا المركز نه مارى جائيس وه دوعورتيس ، ز مانه متعقبل ميس ، صيغة تثنيه مؤنث غائب , فعل نهى غائب مجهول ، مؤكد بنون تا كيدثقيله الخ | لاَ تُصْرَبَانِ |
| مرگز نه ماری جائیں وہ سب عور تیں ، زمانہ ستعقبل میں ،صیغہ جع مؤنث غائب بغل نہی غائب مجبول مؤکد بنون تا کید ثقیلہ الخ | لأيضربنان |
| ہرگز نہ مارا جاؤں میں ایک مردیا میں ایک عورت ، زمانہ ستفتل میں صیغہ واحد مشکلم فعل نہی غائب مجہول مؤ کد بنون تا کید تقیلہ ا لخ | لاَ أُصْرَبَنَّ |
| ہرگز نہ مارے جائیں ہم دومردیا ہم دومورتیں یا ہم سب مردیا ہم سب مورتیں ، زمانہ ستعقبل میں ، صیغہ جمع مشکل مشترک مع | لأنْضُرَبُنَّ |
| الغير فعل نهى غائب مجهول مؤكد بنون تاكيد ثقيله ثلاثى مجر دحيح ازباب فعل | |

فعل نهى غائب مجهول مؤكد بنون تاكيد خفيفه ثلاثى مجردتيج ازباب فعل يفعل

| برگزنه مارا جائے وہ ایک مرد ، زمانه ستعبل میں ،صیغه واحد مذکر غائب بغل نبی غائب مجہول مؤکد بنون تاکید خفیفه الخ | لاً يُضْرَبَنُ |
|--|----------------|
| ہرگز نہ مارے جائیں وہ سب مرد، زمانہ متعقبل میں صیغہ جع مذکر غائب، فعل نہی غائب مجہول مؤکد بنون تا کیدخفیفہ الخ | لأيضرَبُنْ |
| ہر گزنہ ماری جائے وہ ایک عورت ، زبانہ ستقبل میں ، صغه واحد مؤنث عائب فعل نبی عائب مجبول مؤ کد بنون تا کید خفیفه الخ | لاَ تُضْرَبَنُ |
| مرگز نه مارا جاؤل میں ایک مردیا میں ایک عورت ، زیانہ منتقبل میں ،صیغہ دا حد پینکل فعل نبی عائب مجبول مؤ کد بنون تا کید خفیغه الخ | لأَاصْرَبُنُ |
| برگز نه مارے جائیں ہم دومرد یا ہم دومور تیں یا ہم سب مرد یا ہم سب مور تیں زمانہ سنقبل میں صیغہ جمع مشکل مشترک مع الغیر الخ | لأنضركن |

باب اول صرف كبيراسم ظرف ثلاثى مجرد صحيح ازباب فعل يفعل

| مارنے کی ایک جگہ یا ایک وقت ،صیغہ وا حداسم ظرف ، ثلاثی مجر دصیح از باب فعل یفعل ۔ | مَضْرِبُ |
|--|-------------|
| مارنے کی دوجگہیں یا دووقت،صیغة تثنیاتهم ظرف، ثلاثی مجر دیجے از باب فعل یفعل ۔ | مَضُرِبَانِ |
| مارنے کی بہت جگہیں یا بہت وقت ،صیغہ جمع مکسراسم ظرف، ثلاثی مجر دصیح از باب فعل یفعل ۔ | مَضَارِبُ |
| تعورُ اسامارنے کی ایک جگہ یا ایک وقت، صیغہ واحد مصغر اسم ظرف، ثلاثی مجرو سیح از بااب فعل یفعل۔ | |

| | ress com | |
|------------|---|---------------|
| OK | ۵۵ شرح ارشادالعرف | تنويرالصرف |
| besturdube | باب اول صرف كبيراسم آله مغرى ثلاثى مجردتي ازباب فعل | |
| , | كا ايك چھوٹا آله ،صيغه داحداسم آله صغری ثلاثی مجردت <mark>ح</mark> از باب فعل يفعل _ | مِضْرَبُ ادنَ |
| | کے دوچھوٹے آلے مینغہ شنیاسم آلہ مغری ثلاثی مجردتی از باب نعل یفعل۔ | |
| | كىب چھوٹے آئے، صيغہ جمع مكسراسم آلە صغرى ثلاثى مجر ديج ازباب فعل يفعل _ | |
| , | ما مارنے كاايك چھوٹا آلد، صيغه واحد مصغراسم آلەصغرى ثلاثى مجرد حجح ازباب فعل يفعل - | |
| | باب اول صرف كبيراسم آله وسطى ثلاثى مجر دصيح ازباب فعل يفعل | |
| | مارنے کاایک درمیانیآ له ،صیغه واحداسم آله وسطی ثلاثی مجر دسچے از باب فعل یفعل ۔ | مِضْرُبَة |
| | مارنے کے دودرمیانے آلے ، صیغہ تثنیہ اسم آلہ وسطی ثلاثی مجرد صحیح ازباب فعل یفعل۔ | مِضْرَبَتَانِ |
| | مارنے کے سب درمیانے آلے، صیغہ جمع مکسراسم آلہ وسطی ثلاثی مجر دسچے از باب فعل یفعل۔ | مَضَارِبُ |
| | تھوڑ ا سامار نے کا ایک درمیانہ آلہ، صیغہ واحد مصغر اسم آلہ وسطی ثلاثی مجر دھیج ازباب فعل ۔ | مُضَيْرِبَة |
| | باب اول صرف بيراسم آله كبرى ثلاثى مجرد صحح ازباب فعل يفعل | |
| | مار نے کاایک بڑا آلہ،صیغہ واحدا ہم آلہ کبڑی، ثلاثی مجروضیح از باب فعل یفعل ۔ | مِضْرَابٌ |
| | ، رئے کے دوبڑے آلے،صیغہ تثنیاسم آلہ کبرای، ثلاثی مجرد حجح ازباب فعل یفعل۔ | مِضْرَابُانِ |
| · . | مارنے کے سب بڑے آلے، صیغہ جمع مکسراسم آلہ کبری، ثلاثی مجرد صحیح ازباب فعل یفعل۔ | مَضَارِيُبُ |
| | تھوڑ اسامارنے کاایک بڑا آلہ، صیغہ واحد مصغراسم آلہ کہ ای مثلاثی مجرد صیح ازباب فعل یفعل۔ | مضيريب |
| · , | باب اول صرف كبيراسم تفضيل المذكر ثلاثي مجر دصحح ازباب فعل يفعل | |
| | زیاده مارنے والا ایک مرد،صیغه واحد مذکراستفضیل ، ثلاثی مجروضیح از باب فعل یفعل ۔ | اَصْرَبُ |
| | زیاده مارنے والے دومر د،صیغهٔ تثنیه مذکراسم قفضیل ، ثلاثی مجرد حیح از باب فعل یفعل - | اَضُرَبَانِ |
| | زياده مارنے والےسب مرد،صیغه جمع مذکر سالم استمفضیل ، طلا فی مجرد حجے ازباب فعل یفعل - | أَضْرَبُوْنَ |
| . [| زیاده مارنے والےسب مرد،صیغه جمع مذکر مکسراستفضیل ، ثلاثی مجردیج از باب فعل یفعل ۔ | اَضَارِبُ |
| . [| تھوڑ اسازیادہ مارنے والا ایک مرد، صیغہ واحد مذکر مصغر استم فضیل ، علا ٹی مجر دسیح از باب فعل یفعل ۔ | أضيرب |

| اب فعل يفعل | ، ثلاثی مجردتیج از ، | ستفضيل المؤنث | باب اول صرف كبيرا |
|-------------|----------------------|---------------|-------------------|
| | | | |

| زیادہ مارنے والی ایک عورت ،صیغہ واحد مؤنث اسم نفضیل ثلاثی مجرد حجے از باب فعل ۔ | و د صىرىبى |
|--|---------------|
| زياده مارنے والی دوعورتیں ،صیغه تثنیہ مؤنث استفضیل ثلاثی مجردیج ازباب فعل یفعل _ | م. منربيان |
| زیادہ مارنے والی سب عورتیں ،صیغہ جمع مؤنث سالم اسم تفضیل ثلاثی مجرد صیح از باب فعل یفعل۔ | ضُرْبَيَاتُ |
| زیادہ مارنے والی سب عورتیں ،صیغہ جمع مؤنث مکسرا سم تفضیل ثلاثی مجرد حجے ازباب فعل یفعل ۔ | ضرب |
| تھوڑ اسازیادہ مارنے والی ایک عورت ،صیغہ واحد مؤنث مصغر اسم تفضیل ثلاثی مجر دھیجے ازباب فعل ۔ | م. صريبي |

باب اول صرف كبير فعل النعجب ثلاثى مجرد صحيح ازباب فعل يفعل

| کیا بی اچھا مارااس ایک مرد نے ، زماندگزشته میں، صیغه واحد مذکر غائب فعل العجب ثلاثی مجردتی از باب فعل یفعل | مًا أَصْرَبَهُ |
|--|--------------------|
| کیا ہی اچھا مارااس ایک مرد نے ، زمانہ گزشتہ میں ،صیغہ واحد مذکر غائب فعل العجب ثلاثی مجروضح ازباب فعل یفعل | وَ اَصْرِبْ بِيْهِ |
| کیا بی اچھاماراس ایک مرد نے ، زمانہ گزشتہ میں ،صیغہ واحد مذکر عائب نعل انعجب علما ٹی مجروضیح از باب نعل یفعل | وَضُرُبَ |

تمت التصاريف مع ترجمتها

بناء کی بحث ۔ یعنی گردان اور صیغوں کے بنانے کے طریقے

بناء کے چنداصول

(۱) ماضی معلوم کا پہلاصیغہ صدر سے بنا ہے اور مندرجہ ذیل صیف فعل ماضی کے پہلے صیغہ سے بنتے ہیں

پانچ صیف فعل ماضی کے (۱) صَمَرَ بُا (تثنیه فرکائب) (۲) صَمَرَ بُولا (جَعَ فرکائب) (۳) صَمَرَ بُتُ (واحد مؤنث عائب) (۴) صَمَرَ بُتُ (واحد مؤنث عائب) (۴) صَمَرَ بُتُ (واحد مُنْکلم)

اور پانچ فعل مضارع کے(۱) یک نیوب (واحد فد کر غائب)(۲) تک بوب (واحد منون غائب)(۳) تک برب واحد فد کر ماض کے پہلے صیف ہے بنتے (واحد فد کر ماض) کو کل بدی صیفے ماضی کے پہلے صیفہ ہے بنتے ہیں

(۲) اسم فاعل صفت مشبہ ،اسم ظرف ،اسم آلہ اور اسم تفضیل بیہ پانچ اسائے مشقہ فعل مضارع معلوم کے پہلے صیغہ سے بنتے ہیں۔اور اسم مفعول مضارع مجبول سے بنتا ہے۔

(٣) فعل جحد ، فعل نفى ، فعل امر ، فعل نهى بيه چارگر دا نيس مضارع يے بنتي ہيں

(۲) ہرگردان میں تثنیہ جمع ،اورتفغیر کے صیغے اپنے واحد کے صیغے سے بنتے ہیں اور معتونث کا پہلاصیغہ مذکر کے صیغہ سے بنتا ہے۔

(۵) مجہول کی ہرگردان معلوم کی گردان سے بنتی ہے سوائے امر حاضر مجہول کے کدوہ مضارع مجہول سے بنتا ہے نہ کہ امر حاضر معروف سے۔

فعل ماضی معلوم کی بناء

- (۱) صَدرَبَ کو صَدرُباً مصدرے اس طرح بنایا کر عین کلمہ کوفتہ دیا اور آخرے تنوین تمکن علامت اسم کوحذف کر کے اس کو بنی بر فتح بنادیا۔
 - (٢) ضَرَبًا -كوضَوب ساس طرح بنايا كه خريس الف علامت تثنيه اوضير فاعل لكاويا-
- (٣) ضَمرَ بُوا : كوضَرَب عاس طرح بنايا كرة خريس واؤساكن علامت جمع فدكراور ضمير فاعل ماقبل كضمد كساته

لگادیا۔

- (٣) ضَرَبَتُ : كُوضَرَبَ سے اسطرح بنایا كه آخریں تائے ساكن علامت تا نبیث لگادی
- (۵) ضَسرَ بَتَا : كوضَسرَ بَتْ عاسطر ح بنايا كه آخرين الف علامت تثنيه اور خمير فاعل ماقبل كفته كيساته لكاديا تو ضربة ابن كيا-
- (۲) ضَرَبْنَ ۔ کوضَرَبَتْ ہے اسطرح بنایا کہ آخر میں نون مفتو حامات جمع مع نث اور خمیر فاعل لگادیا توضّر بَدُّن بن گیا تائے ساکنہ بھی تا نیدہ کی علامت ہے اور نون مفتو حد بھی تا نیدہ کی علامت ہے اور ایک بی کلمہ میں دوعلامت تا نیدہ کا جمع ہونا مناسب اور پندیدہ نہیں ہے اسلئے تائے واحدہ کوحذف کیا پس ضَدرَ بُنَ بن گیا اب چار حرکتیں مسلسل ایک کلمہ میں جمع ہوگئیں اور یہ پندیدہ اور مناسب نہیں ہے اس لئے ماقبل آخر کوساکن کردیا پس ضَدَر بْنَ بن گیا
- (2) ضَدَ بْتَ كُوضَدَ بَ سے اسطرح بنایا كه آخرین تائے مفتو حد علامت واحد مذكر حاضر اور ضمير فاعل ماقبل كے سكون كيما تحد لگادى -
- (۸) خَسَرَ بْتُمُا: کوخسَرَ بْسَتَ سے اسطرح بنایا که آخر میں الف علامت تثنیه اور ضمیر فاعل لگادیایا پھر تاءاور الف کے درمیان میم مفتوحہ ماقبل کے ضمہ کیساتھ لگادیا۔
- (۹) ضَسرَ بُنَتُمْ: کوضَسرَ بُنتَ سے اس طرح بنایا که آخر میں واؤساکن علامت جمع ندکراور ضمیر فاعل ماقبل کے ضمہ کیساتھ لگادیا توضّیرَ بُنتُوْا بن گیا پھرتاءاورواؤ کے درمیان میم ضموم لگادیا توضّیرَ بُنتُمُوابن گیا، اب واؤاسم غیر شمکن کے آخر میں واقع ہے اوراس کے بعد کوئی ضمیر نہیں ہے، تواس واؤ کوحذف کر کے میم کوساکن کردیا توضّیرَ بُنتُم میں گیا
 - (١٠) ضَمَرَ بْتِ : كوضَرَ بْتَ سے اسطرح بنایا كه تاء كے فتح كوكسره سے تبديل كيا ضمر بنت بن گيا
- (۱۱) ضَسرَ بُنْهُمَا ، کوضَسرَ بُنتِ سے اسطرح بنایا که آخر میں الف علامت تثنیه اور ضمیر فاعل ماقبل کے فتہ کیساتھ لگا دیا پھر الف اور تاء کے درمیان میم مفتوحہ ماقبل کے ضمہ کیساتھ لے آیا
- (۱۲) ضَعرَبْتُهُ بَّنَ وَضَعرَ بُتِ سے اس طرح بنایا کہ آخر میں نون مفتوحہ علامت جمع مونث اور خمیر فاعل لگادیا تو ضعر بنتن بن گیا چرنون اور تاء کے درمیان میم ساکنہ ماقبل کے ضمہ کیساتھ لگادیا تو ضعر بُنتُمْنَ بن گیا۔میم اورنون قریب المحرج بیں تو م میم کونون سے بدل کرنون کونون میں مذم کیا ضعر بُنتُر جا بنا۔
- (١٣) صندر بنت : كوضدرب ساسطرح بناياكة خرمين تائيم ضمومه علامت واحد متكلم اوضمير فاعل ماقبل كسكون

كيهاتحونگادي

(۱۴) ضَسرَبُنَا : كوضَرَبُتُ سے اسطرح بنایا كه تائے مضمومه كو بناكراس كى جگه پرناعلامت جمع بتكلم اور خمير فاعل لگاديا توضّر بُنا بن گيا۔

ماضی مجہول کی بناء

ماضی مجہول بنانے کا طریقتہ میہ ہے کہ مجہول کے ہر ہرصیغہ کواپنے معلوم کےصیغہ سے اسطرح بنایا جائے کہ حرف اول کوضمہ اور ماقبل آخرکو کسرہ دیا جائے تو بناءاس طرح ہوگی

> ضرب ـ کو ضرب ساس طرح بنایا که رف اول کو ضمداور ماقبل آخرکو کسره ویا ضیر با: ـ کو منسر با ساس طرح بنایا که حرف اول کو ضمداور ماقبل آخرکو کسره دیا

صبر بنوا ، کو صَدر بنوا سے اس طرح بنایا کہ حرف اول کو ضمداور ماقبل آخر کو کسرہ دیا اس طرح آخر تک میمل کیا۔

قوانین شروع کرنے سے پہلے چندفا کدے

فاكده نمبرا: علاء صرف كنزديك علامات تانيث كل آثه بير - جارفعل كيهاته خاص بين اور جاراسم كه ماته خاص بين فعل كي جارية بين (۱) تائي ساكنه جيسے فعل كي جارية بين (۱) تائي ساكنه جيسے فعل كي جارية بين (۳) يائي ساكنه جيسے فعل بيئ (۳) نون خمير مفتوحه جيسے فعل بيئ .

اوراسم كساته جوخاص بين وه يه بين (۱) تائ مدوّره خواه لفظون مين بوجي حسّارِ بَهُ يَامقدر بوجي اَرْضُ جو المُصْر اصل مين اَرْضَهُ تقا(۲) تائج مع مؤنث سالم جيه خسارِ بَاتُ (۳) الف مقصوره جيه حُبْللي (۴) الف محدوده جيه حَمْراه

فائدہ نمبر؟ قانون کی تعریف ،قانون بیعر بی لفظ نہیں ہے بلکہ یونائی یاسریائی زبان کالفظ ہے تغوی معنی ہے مسلط قرق لینی لکیریں کھینچنے کارولراور پیانہ ، اصطلاح میں قانون ایسے قاعدہ کلید کو کہتے ہیں جواپی تمام جزئیات پر منطبق ہولیتی ہرجزئی کوشامل ہو۔

قا کدہ نمبر ۳: ۔ ہرقانون کیلئے کچھٹراکط ہوتی ہیں چھرشرط کی دوشمیں ہیں (۱) شرط وجودی (۲) شرط عدمی ۔ شرط وجود تی اس شرط کو کہتے ہیں کہ جب وہ شرط پائی جائی تب قانون جاری ہو۔ شرط عدتی وہ ہوتی ہے کہ جب وہ نہ پائی جائی تب قانون جاری ہوگا، قانون کی وضاحت کیلئے جومثال دی جاتی ہے اس کی بھی دوستمیں ہیں (۱) مثال اتفاقی (۲) مثال احتراز آتی، مثال اتفاقی اس مثال کو کہتے ہیں جسمیں قانون جاری ہوا ہو۔اوراحترازی اس مثال کو کہتے ہیں جسمیں کسی شرط کے نہ ہونے کیوجہ سے قانون جاری نہ ہوا ہو۔

قانون _اجتماع دوعلامت تانيث درفعل مطلقاممنوع است ددراسم وقنتيكه ازيك جنس باشد

قانون مُبراز ضدر بن كايبلا قانون

اس قانون کا خلاصہ یہ ہے کہ اسم یافعل میں جب دوعلامت تانیٹ جمع ہوں تو ان میں سے ایک کو صذف کرنا واجب ہے۔ فعل سے تو ہر حالت میں صدف کرنا واجب ہے خواہ وہ دونوں ایک جنس کی ہوں یا الگ الگ جنس کی اور اسم میں اس وقت صذف کرنا واجب ہے جب کہ دونوں ایک جنس کی ہوں۔

ا تفاقی مثالیں: فعل میں ایک ہی جنس کی دوعلامت تا نیٹ کی مثال تو نہیں ملتی الگ الگ جنس کی مثال جیسے خسر رہنے جو اصل میں خسر رہنٹ نھا اس میں تائے ساکنہ بھی تا نیٹ کی علامت ہے اور نون مفتوحہ بھی تو اس قانون سے تائے واحدہ کو حذف کیا۔ اسم کی مثال جیسے خسارِ ہائے جواصل میں خسارِ بَدُناتُ تھا ، اس میں تاءواحدہ بھی تا نیٹ کی علامت ہے اور تائے جمع مئونٹ سالم بھی ، اس قانون سے تائے واحدہ کو حذف کیا۔

احتر ازی مثالیں:۔(۱) ضَرَبَتْ یہاں دوعلامت تانیٹ نہیں ہیں صرف ایک علامت ہے(۲) حَمْرًاءَ اَتُّ اس میں الف معرودہ بھی علامت تانیٹ ہے اور اسم میں الف معرودہ بھی علامت تانیٹ ہے اور اسم میں اس قانون کے جاری ہونے کیلئے بیشرط ہے کہ دونوں علامت تانیٹ ایک جنس کی ہوں۔

به قانون بمیشد مندرجه زیل صیغول میں جاری ہوتا ہے(۱) صیغہ جمع مئونٹ غائب فعل ماضی ۔ خواہ کسی بھی باب سے ہو بھیے فَتَحَنْ ، اَکُرَ مُنَ ، دَحْرَ جُنَ ، وغیرہ جو بالتر تیب اصل میں فَتَحَنْنَ ، اَکَرَ مَتْنَ دَحَرَ جَتُنَ سے(۲) صیغه جمع مؤنث سالم اسم فاعل واسم مفعول ہے فَاتِحَاتٌ ، مُکُرِ مَناتٌ ، مَفْتُوحَاتٌ ، مُکُرَ مَاتٌ جُواصل میں فَاتِحَتَاتٌ ، مُکْرِ مَتَات ، مَفْتُوحَتَات ، مُکْرَ مَتَات سے (۳) صیغہ جمع می فنٹ مخاطبات فعل مضارع ۔ خواہ کسی بھی باب سے ہوجیے تنظیر بن ، تُکُر مُن وغیرہ کہ بیا ہے واحد (تنظیر بین ، تُکُر مِیْن) سے بن میں کما سیناتی ۔ آخر ہون اعرائی کوحذف کر کے اسکی جگہ پرنون مفتوحہ علامت جمع مؤنث وضمیر فاعل لگادیا۔ اب دوعلامت تا نید کا اجتماع ہوا کیونکہ یائے ساکنہ بھی تا نید کی علامت ہاورنون مفتوحہ بھی کیسا مُرتَّ ، تو اس قانون سے یائے واحدہ کو حذف کر دیا۔

فائده: ـکلمه کی دونشمیں ہیں(۱)کلمحقیق(۲)کلم حکمی

کلمہ قیقی ۔ وہ ہوتا ہے جوحقیقت میں ایک ہی کلمہ ہولینی شروع سے ایک ہی معنی کیلئے وضع کیا گیا ہو، ایک ہی لفظ ہوجیے یَضْرِبُ، تَضْرِبُ ، وغیرہ ۔

کلمہ حکمی ۔ وہ ہوتا ہے جوحقیقت میں تو دو کلے ہوں الیکن شدت اتصال کیوجہ سے ان دونوں کلموں کو ایک کلمہ ثار کیا جاتا ہو جیسے ضّسر بْنُ ، ضَمَر بْتُ ، وغیرہ کدان میں ضَمرَ بُ الگ کلمہ ہے اوٹرمیر فاعل الگ کلمہ ہے کین فعل اور فاعل میں شدت اتصال کیوجہ سے بیا کی کلم سمجھا جاتا ہے۔

قانون: اجتماع اربع حركات متواليات دريك كلمه وحكم و مے منوع است

قانون نمبرا: في مرَّد بن كادوسرا قانون:

جب جازاصلی حرکات مسلسل ایک کلمه میں جمع ہوجا ئیں تو ان میں سے ایک کوحذف کرنا واجب ہے کلم حقیق ہویا تھی۔ اتفاقی مثالیں۔جیسے یہ خشیر مب اور نتخسر بے جواصل میں یہ خشیر بے اور نتخسر بے تصریکلم حقیقی ہے ،کلم حکی مثال جیسے خسر ثبت جواصل میں حضر بنی تھا اور حضر بٹت جواصل میں حضر بنت تھا۔

اعتراض: مَن رَبَّة ، غَلَبَة فين تو عار حركات مسلسل جمع مين بيقانون كيون جاري نهيس موتا؟

جواب ان میں تاءی حرکت اصلی نہیں ہے کیونکہ خودتاء ہی عارضی ہے، تو اسکی حرکت بطریقہ اولی عارضی ہوگی۔ دوسری بات یہ ہے کہ حالت وقف میں یہ تاء، ھاء بن جاتی ہے اور حرکت حذف ہوجاتی ہے، تویہ حرکت عکم للی شکر فِ المشَّفُوطُ ہے گویا یہ ابھی سے کالمعدوم ہے۔

قانون: _ ہرواد یکہ داقع شود درآ خراسم غیرمتمکن ، مقبلش مضموم آں واورا حذف کنند و جوباً مگر واوھو_

قانون منبرسار أنتنه أور صنر بنته والاقانون

جب اسم غیر متمکن کے آخر میں واؤ ساکن ماقبل مضموم ہوکر واقع ہو،اوراس کے بعد کوئی ضمیر نہ ہو،تو اس واؤ کوحذ ف کرنا اور اسکے ماقبل کوساکن کرنا واجب ہے،

الفاقي مثاليل جيس أنْتُهُمْ جواصل مين أنْتُهُوْ قااور ضَرَبْتُهُمْ جواصل مين ضَرَبْتُهُمُ وْقار

احر ازی مثالیں :۔(۱)یکڈٹٹو بیاسم نہیں ہے(۲) کُٹٹو اُ بیاسم غیر ممکن نہیں ہے(۳) ڈون یہاں واؤ آخر میں نہیں ہے(۷) ہُوم اسمیں واؤساکن نہیں ہے(۵) اُنڈز لُڈٹٹوؤ ہُ، اسمیں واؤ کے بعد ضمیر ہے

ھُوَ کے آخرے واو کوحذف نہ کرنے کی وجہ یہ بیان کیجاتی ہے کہ کلمہ کی صالح یعنی اصل بناء تین حرفی ہے اور ھُو میں توپہلے سے ہی دوحرف ہیں پس اگراس قانون سے واؤ کو بھی حذف کر دیا توا کی حرف رہ جائے گا یعنی ھے۔ ا ، اب پیٹہیں چلیے گا کہ یہ حرف ھجاء ہے یاضمیر؟

قانون نمبر ا: عَلَي ، اللَّي اور لَد لي والا قانون (بيقانون كتاب مين بين بي)

عملی اللی اور لکدی میں سے جب کوئی ایک ضمیر پر داخل ہو، تو ان کے آخر میں جوالف ہے اسکویاء سے تبدیل کرنا واجب

اتفاقى مثال جيع عَلَيْكَ ، إلكيتكاور لَدَيْهِ

احر ازی مثال جیسے عکلی اللّه، اللّه النّاس، اور لَدی الْباب یہاں ان تیوں میں ہے کوئی خمیر پرداخل نہیں ہے بلکاس ظاہر پرداخل ہے۔

فائدہ ۔ کل باکیس ابواب ہیں ۔ چھٹلا ٹی مجرد کے، بارہ ٹلا ٹی مزید فید کے، ایک ربائی مجرد کا، اور تین ربائی مزید فید کے۔ ان میں سے دس باب وہ ہیں جن کے ماضی کی ابتداء میں نہ تاء ذائد ہے، اور نہ ہمزہ وصلی ہے وہ دس باب یہ ہیں چھٹلا ٹی مجرد کے، تین ثلاثی مزید فید کے، یعنی افسعا آل ، تفعیل ، مفاعلة اور ایک ربائی مجرد کا یعنی فعلله ، اور تین باب ایسے میں جن کے ماضی کی ابتداء میں تاء زائدہ ہوتی ہے(۱) تنفعل (۲) تنفاع آل (۳) تنفعل آل اور نوباب ایسے میں جن کی ماضی کی ابتداء میں ہمزہ وصلی ہوتا ہے وہ یہ ہیں سات ثلاثی مزید فید کے، یعنی باب افتحال سے کیکر آخر تک اوردور باعی مزید فید

كيعن افعنلال اورافعلال

قانون: در برماضی مجهول ثلاثی مجردور باعی مجردودر باب افسعات ، تفعیق ، مفاعلة حرف اول را ضمه و ما قانون: در برماضی مجهول ثلاثی مجردور باعی مجردور باب افسعات ، تفعیق ، مفاعلة حرف اول مطرده ضمه و ما قبل آخر را کسره ی د مهند وجو با ، و بر باب که در اول ماضی او باشد ، در ماضی مجهول او حرف اول و ثانی راضمه و ما قبل آخر را کسره ی د مهند وجو با ، و بر باب که در اول ماضی او بهنره و صلی باشد ، در ماضی مجهول او ، حرف اول و ثالث راضمه و ما قبل آخر را کسره ی د مهند وجو با

قانون نمبر۵ _ ماضي مجهول والا قانون

اس قانون کی تین صورتیں ہیں:۔

(۱) پہلی صورت ۔ یہ ہے کہ جس باب کی ماضی کی ابتداء میں نہ تاء زائدہ ہواور نہ ہمزہ وصلی ہو، تو اس سے ماضی مجہول بناتے وقت حرف اول کو ضمہ اور ماقبل آخر کو کسرہ دینا واجب ہے۔ اتفاقی مثال جیسے ضبر ب سے ضبر ب اور اکٹر م کے سر من اور صبر ف سے صبر ف ضمار کب سے ضبور ب اور دکٹر بج سے دکٹر بج ۔ اگر ماقبل آخر پہلے سے مکسور ہوتو پھر صرف حرف اول کو ضمہ دیا جائے گا جیسے علیم سے علیم سے مسیب سے حسیب سے حسیب ۔

احر ازی مثال _(۱) تصنیح ف بیان ابواب میں سے ہے جن کے شروع میں تاءزائدہ ہے(۲) اِکْتَسَبُ نیہ ہمزہ وصلی والا باب ہے۔

(۲) دوسری صورت بیہ کہ جس باب کی ماضی کی ابتداء میں تاءزا کدہ ہوتواس سے ماضی مجہول بناتے وقت پہلے دونوں حرفوں کو ضمہ اور ماقبل آخرکو کسرہ دینا واجب ہے اتفاقی مثال جیسے تنصیر ف سے تنصیر ف اور تنصیل کرب سے موجود کے احرازی مثال جیسے ضرک بیتاء زائدہ والا باب نہیں۔

(٣) تیسری صورت بیہ کہ جس باب کی ماضی کی ابتداء میں ہمزہ وصلی ہوتو اس سے ماضی مجہول بناتے وقت پہلے اور تیسرے حف کوشمہ اور ماقبل آخرکو کسرہ دیناوا جب ہے اتفاقی مثال جیسے اِکُنتسب سے آکُنتسب اور اِلسُتَخْرُجُ سے آگُنتسب اور اِلسُتَخْرُجُ سے آگُنتسب اور اِلْسَتَخْرُجُ سے آگُنتسب اور اِلْسَتَخْرُجُ سے آستُخُرِج اور اِلْسَتَخْرُ سے اُلْسَانِ مِی میں اور اِلْسَتَخْرُ کے اور اِلْسَتَخْرُ کے اُلْسَانِ کے اس قانون کوخفر انداز میں یوں بھی بیان کیا جاسکتا ہے کہ ماضی مجہول بناتے وقت تمام تحرک حروف کو ضمہ دینا

اور ماقبل آخرکو کسر ہ دینا، ساکن حروف اور آخر کواپنے حال پرچھوڑ ناواجب ہے۔

تنبید: ماحب ارشاد الصرف نے ماضی مجبول کے لئے کل تین قانون ذکر کئے ہیں ایک ای موقع پر بذکور ہے اور باقی دو مزید فیہ کے قوانین میں آ گے ذکر کئے ہیں۔ اختصار کے پیش نظر ہم نے ان تینوں کو ملاکرایک قانون اور آ کی تین صورتوں کی شکل میں بہال بیان کیا ہے اور مینوں کی فاری عبارت ایک ساتھ یہاں تحریری ہے۔ آگر آپ چاہتو انکوالگ الگ بھی بیان کر سکتے ہیں تین قانون بناکر کما فعل المصدف، وللناس فیسا یعشقون مذاهب.

مضارع معلوم کی بناء

(۱) يَتَضُوبِ (۲) تَتَضُوب (۳) تَضُوب (۳) اَتَضُوب (۵) اَضُوب (۵) اورنَضُوب وَضَرَب ساسطر ح بنايا كه شروع مي حرف اتين مفتوحه فا علمه كساكن بون كيناته لكاديا اور ماقبل آخر كوكره ديا اور آخر مين ضمه اعرابي لے آئے (۲) يَتَضُوبَان كو يَتَضُوب سياسطر ح بنايا كه آخر مين الف علامت تثنيه اور ضمير فاعل ماقبل كفته كيناته لكاديا اسكے بعد نون مكسوره مفرد كي ضمه اعرابي كوش لے آئے۔

(2) بیت روون کو بیت بین سے اسطر تربنایا که آخر میں واؤساکن علامت جمع مذکر اور شمیر فاعل ماقبل کے ضمہ کیساتھ لگادیا اس کے بعدنون مفتوحہ مفرد کے ضمه اعرالی کے عوض لے آئے۔

(٨) تَضْرِبَانِ كويَضْرِبَانِ كَاطْ نَ بنايا ـ

(9) یک سی بین کو نکشیر بع سے اس طرح بنایا کہ اس کے آخر میں نون مفتوحہ علامت جمع مؤنث اور ضمیر فاعل ماقبل کے سکون کیساتھ لگا دیا اور تا یکویا ، سے بدل دیا۔

(١٠) تَضْرِبَانِ اور (١١) تَضْرِبُونَ كُوتَضْرِبُ عَيضْرِبَانِ اور يَضْرِبُونَ كَاطرح بنايا

(۱۲) تَضْرِ بِيثِنَ كُو تَضْرِ بِ عاسطر جناياكمآخر مين يائ ساكنه مت تانيث اور ضمير فاعل ماقبل كرسره كيماتهم لگادياس كے بعدنون مفتوحه مفرد كے ضمه اعراني كيوض لے آئے

(۱۳) تَضْدِ بَانِ کو تَضْدِ بِیْنَ ہے اسطر ح بنایا کہ یائے ساکندکو ہٹا کراس کی جگہ پرالف علامت تثنیہ اور ضمیر فاعل ماقبل کے فتح کیساتھ لگادیا اور نون کے فتحہ کو کسرہ سے بدل دیا۔

(۱۴) تَضْدِبْنَ كُوتَضْدِبِين عاسطر تناياكه يائے ساكنداورنون اعرابي و مثاكران كى جلد برنون مفتوحه علامت جمع

مؤنث اور ضمير فاعل ماقبل كے سكون كيساتھ لگاديا۔

مضارع مجہول کی بناء

مضارع مجہول مضارع معلوم سے اسطرح بنتا ہے کہ حرف اول کو ضمہ اور ماقبل آخر کوفتہ دیا جاتا ہے۔ مثلاً کی ضبر بنا ک یَضْدر ب قسے اسطرح بنایا کہ حرف اول کو ضمہ اور ماقبل آخر کوفتہ دیا۔

يْتُصْرَبَان كويكُوبَان سے اسطرح بنايا كرف اول كومماور ماقبل آخر كوفته ديا۔ يُمضُرَبُون كويكُون كويكُون سے اسطرح بنايا كرف اول كوضماور ماقبل آخر كوفته ديا۔ اس طرح آخرتك، بيمل كيا۔

قانون _ در هرمضارع مجهول حرف اول راضمه و ماقبل آنر رانته می دهند وجو بابشر طیکه درمضارع معلوم ضمه وفتحه نباشد _

قانون نمبر ٢: مضارع مجهول والاقانون

جب بائیس ابواب میں ہے کسی بھی باب سے مضارع مجہول بنانا ہو، تو مضارع معلوم میں حرف اول کوضمہ اور ماقبل آخر کوفتہ دیناواجب ہے۔

مثال الفاقي: هي يَضْرِب م يُضْرَبُ وريكنتسِب يَكُنسَب

مثال احر ازی : بیے یکٹوب بیمضارع مجهول نہیں ہے۔

اگر حرف اول پہلے سے مضموم ہو، تو پھر صرف ما قبل آخر کوفتہ دیاجائے گاجیے فیکٹر م سے فیکٹر م اور اگر ماقبل آخر پہلے سے مفتوح ہو، تو پھر صرف حرف اول کوضمہ دیاجائے گاجیے یک فیت مستمن میں "بشر طیکہ در مضارع معلوم ضمہ وفتہ نباشد" سے اسی بات کی طرف اشارہ ہے

قانون: - هراسم فاعل ثلاثی مجرد غالباً بروزن فَ اعِلَی می آید دازغیر ثلاثی مجرد بروزن فعل مضارع معلوم آل باب می آید: میم مضمومه بجائے حرف اتین در آرند و کسره دادن ماقبل آخر را اگر نباشد و تنوین تمکن علامت اسمیت در آخرش در آرند

قانون نمبر ٤ _ اسم فاعل والا قانون

اس قانون کی دوصورتیں ہیں

اور صَينِفُ.

(۱) بہلی صورت یہ ہے کہ ثلاثی محرد کے ابواب سے اسم فاعل کو فاعِل کے وزن پر پڑھناواجب ہے۔

الفَاقَ مَالَ مِي يَضْرِبُ عضارِبٌ يَفْتَحُ عَفَاتِحٌ _

احر ازی مثال : بیے مکرم یوثلاثی مجرد کے ابواب سے نہیں ہے۔

چندفا ئدے

فائده مُبرا: _حروف علت كااطلاق مطلق واو،الف ياء پر موتا ہے خواہ بيساكن موں يامتحرك _ انكاما قبل ساكن مويامتحرك _ ماقبل كى حركت موافق مويا مخالف _ پھر حرف علت كى دوشميس ميں (۱) حرف علت مده (۲) حرف علت لين _ مده كى تعريف : _حرف علت ساكن مواور ماقبل كى حركت اسكاموافق مو، يعنى واؤ ماقبل مضموم مو،الف ماقبل مفتوح ، بو،اور يا ماقبل مكسور موجيسے مسوق محكي واؤمدہ ہے مساء بياف مدہ ہے سيدي ميں ہے ہے ہو، اور الله كا محرك موخواہ ماقبل كى حركت موافق مو يا مخالف جيسے خوف في سيائے ميں كى تعريف نے دوف مساء ميں كى تعریف خوف الله ماقبل كى حركت موافق مو يا مخالف جيسے خوف في سيائے كين كى تعریف خوف الله الله كى حركت موافق مو يا مخالف جيسے خوف في سيائے الله كى حركت موافق مو يا مخالف جيسے خوف في سيائے الله كى حركت موافق مو يا مخالف جيسے خوف في سيائے الله كى حركت موافق مو يا مخالف جيسے خوف في سيائے الله كى حركت موافق مو يا مخالف جيسے خوف في سيائے الله كى حركت موافق مو يا مخالف جيسے خوف في سيائے الله كى حركت موافق مو يا مخالف جيسے خوف في سيائے كيا مائل كى حركت موافق مو يا مخالف جيسے خوف في سيائے كيا كى حركت موافق مول يا مخالف جيسے خوف في سيائے كيا كى حركت موافق مول يا مخالف جيسے خوف في سيائے كان كى حركت موافق مول يا مخالف جيسے خوف في سيائے كيا كى حركت موافق مول يا مخالف جيسے خوف في سيائے كيا كى حركت موافق مول كے خوف كے

الف ہمیشہ ایک ساتھ مدہ اور لین ہوتا ہے صرف لین نہیں ہوتا۔ جبکہ واواور یا ء دونوں مدہ بھی ہوتے ہیں اور لین بھی۔

تنبیبہ ۔ ان تعریفات ہے معلوم ہوا کہ حرف لین عام ہے مدہ ہے۔ مدہ لین کے بغیر بیایا جا تالیکن لین مدہ کے بغیر پایا جا تا

ہمیسے خود ف کے صدیف میں واواور یا ملین ہیں لیکن مدہ نہیں اور حرف علت عام ہے مدہ اور لین دونوں سے مثلا کبکہ ان میں یاءاور و عصد تو بیل کیکن ندمہ ہیں اور نہ لین ۔ کیونکہ مدہ اور لین ہونے کے لئے ساکن ہونا شرط ہے جبکہ مہتحرک ہیں۔

فائدہ نمبر آ: تصغیری تعریف پہلے گزری ہے کہ اسم کے اندر کوئی ایس تبدیلی کیجائے جس کی وجہ سے وہ محبت، قلت، حقارت یاعظمت پر دلالت کریں۔

فائدہ نمبر ۲۰۰۰ ۔ تفغیر بنانے کا طریقہ یہ ہے کہ مفر دمگیر میں حرف اول وضمہ اور دوسرے کوفتے دیا جائے تیسری جگہ پریائے ساکنہ علامت تفغیر کا دی جائے اس کے بعدا گرمفر دمگیر میں ایک حرف باتی ہوتو آئ پراعراب جاری کیا جائے جیسے رَجوف کا سے مجید سے وہ بیٹ کے اس کے بعدا گرمفر دمگیر میں ایک حرف باتی ہوں تو پہلے کو کسرہ اور دوسرے پراعراب جاری کیا جائے جیسے مستریریل کیا جائے ، اور مسلے کو اور اگر تین حرف باتی ہوں تو ان میں سے پہلے کو کسرہ دیا جائے ، دوسرے کو یائے ساکنہ سے تیمریل کیا جائے ، اور تیسرے براعراب جاری کیا جائے جیسے مضرو و بیٹ سے مضرور شدید کیا۔

تنبيهات:____

شنبیه(۲) آگریائے تفیر کے بعد کوئی ایساالف ہو جو واویا آءے مبدل ہویا مبدل تو نہ ہوئیکن زائدہ ہوتو ایسے الف کویاء سے تبدیل کیاجائے گاجیسے فتنی کی تفیر فتنی اور عصا کی تفیر عصنی ہوگ کہ فتنی میں الف آء سے اور عصامیں واو سے مبدل ہے۔ الف زائدہ کی مثال جیسے رِ سَمالَۃ اسکی تفیر رُسُنیٹِلَۃ ہوگ۔

تنبینبر۵: جموع کی تصغیر جمع سالم میں یائے تصغیرالانے کے بعد مزید تصرف نہیں ہوتا جیسے حسسار بہون اور حسان کا تقیر اللہ اللہ کی تعلیم کی کی تعلیم کی کی تعلیم کی کی تعلیم کی کی تعلیم کی کی تعلیم کی تعلیم کی کی تعلیم کی کی تعلیم کی

جمع کثرة کے لفظ سے اگر جمع قلت بھی آتی ہو، تو اس صورت میں یہ بھی جائز ہے کہ جمع کثرة کو جمع قلت کی طرف لوٹا کر پھر اسکی تفغیرلائی جائے جینے کیلا ہے جمع کثرة کی تفغیر اکی تشغیرلائی جائے جینے کیلائی جمع کثرة کی تفغیر اکی تفغیر اکی تفغیر اکی جمع لائی جائے جینے غیار اس الفظ ہے جمع کثرة کی تفغیر کا کہ جمع کثرة کی تفغیر کا کہ جمع لانا۔ اور اگر اس لفظ ہے جمع قلت نہ آتی ہو جینے دِ جال جم در آاہم قواس صورت میں جمع کثرة کی تفغیر کا گھٹے میں جمع کثرة کی تفغیر کا کہ جمع لانا۔ اور اگر اس لفظ ہے جمع قلت نہ آتی ہو جینے دِ جال جم در آاہم قواس صورت میں جمع کثرة کی تفغیر کا گھٹے ہوئے کہ پہلے جمع کثرة کو اپنے واحد کی طرف لوٹا کر اسکی تفغیر لائی جائے پھر اس تفغیر کی جمع لائی جائے اگر وہ مفرد، نذکر اور عاقل ہوتو جمع الف اور تاء کے ساتھ آگی جینے در جائے کی تفغیر کی جمید کر ایک تفغیر کی تریش میں ہوتا جمع الف اور تاء کے ساتھ قائدہ فری جمع میں کہتے جمی کہتے جس کی تعریف کی تعریف : وہ جمع مکسر جوآخری جمع ہو، اسکے بعد اسکی کوئی اور جمع مکسر نہ آتی ہواس کو جمع منتھی الجموع بھی کہتے جس

جمع اقصی بنانے کا طریقہ یہ ہے کہ مفرد میں پہلے دونوں حرفوں کوفتہ دیا جائے تیسری جگہ پرالف علامت جمع اقصی لایا جائے اسکے بعد مفرد میں ایک حرف تو نہیں ہوسکتا اگر دوحرف باقی ہوں تو پہلے کو کسرہ اور دوسرے پراعراب جاری کیا جائ جیسے مستنسرِ ب مستنسکارِ ب اور اگر تین حرف باقی ہوں تو پہلے کو کسرہ دیا جائے دوسرے کویائے ساکنہ سے تبدیل کیا جائے اور تیسری جگہ پراعراب جاری کیا جائے جیسے منت و ب سے منتشاری بٹ ۔

جَعَ أَصَى كَاوزان: _اسكَ متعدداوزان بين مشهور پانچ بين (۱) فَ وَاعِل حِيد ضَدوَارِبُ (۲) مَ فَاعِدُل حِيد مَضَارِين مُ اللهُ عَائِل مَ مَضَارِبُ (۳) أَفَاعِل حِيد أَضَارِبُ ، أَفَا خِل (۵) فَعَائِل مَ مَضَارِبُ (۵) فَعَائِل مِي شَرَانِفُ ، صَدحَانِف .

تنبية - جمع أصى غير مصرف بلهذا اسكة خريس توين بين آنى اگراسكة خريس تاءزائده بوتو پھرية مصرف بوقى بلاذا اسكة تنوين آنى اگراسكة خريس تاءزائده بوقو پھرية مصرف بوقى جللذا اس وقت تنوين آتى بير جي مَلاَئِكَة أَسَاتِذَه فَعَ

قانون - برمده زائده كهواقع شود درمفر دمكير بدوم جا وقت بناكردن جمع اقصى وتصغير،آل رابواو مفتوحه بدل كنندوجو با

قانون نمبر ٨: مصوارب والايامه ه زائده والا قانون: _

جومدہ ذاکدہ مفردمکیر میں دو مری جگد پرواقع ہو، تو تصغیراور جمع اقصی ناتے وقت اسکوواؤ مفتوحہ سے بدلنا واجب ہے،

اتفاقی مثال جیسے ضار ب سے ضویر باور ضار بئت سے ضویر بی تصغیری مثالیں ہیں اور ضار بئت سے ضوار ب ہے۔
ضوار ب یہ جمع اقصی کی مثال ہے۔ احتر ازی مثالیں (ا) خُوف ، صَدِف ۔ اسمیں واواور یاء مدہ نہیں بلکہ لین ہیں

(۳) شوء اسمیں واؤز اکدہ نہیں اصلی ہے (۳) ضار بکان یہ تثنیہ ہم فر دنیں ہے (۴) ضار بہ عمر دمکم نہیں ہے کیونکہ مفردمکم راسم ہوتا ہے اور یفعل ہے (۵) مَضْرو و بائمیں ہے، ذاکدہ دوسری جگد پرنہیں ہے۔

اسم فاعل کی بناء

ثلاثی مجرد سے اسم فاعل بنانے کاطریقہ یہ ہے کہ فعل مضارع کے پہلے صیغہ سے حرف مضارع کو حذف کر کے فاء کلمہ کوفتہ ویا جائے اسکے بعد الف علامت اسم فاعل لا کرعین کلمہ کوکسرہ دیا جائے اگر پہلے سے کسرہ نہ ہواور لام کلمہ پرتنوین علامت اسم جاری کردی جائے

(۱) ضَلَّرِ بِهُ كُو يَكْشِرِبُ سے اسطرح بنايا كەحرف تىن كوحذف كيافا ءكلمە كوفتى ديا سے بعدالف اسم فاعل لگاديا اورآخر ميں تنوين تمكن علامت اسم كوجارى كرديا۔

(۲) صَلَمَا رَبَانِ كُو صَلَابِ فَ سے اسطرح بنایا كه آخر میں الف علامت تثنیه ما قبل کے فتحہ كیما تھ لگا دیا اسكے بعد نون مکسورہ مفرد کے ضمہ کے عوض یا تنوین کے عوض یا دونوں کے عوض لگایا۔

تشنیاورج مذکرسالم اسم فاعل واسم فقط و الرجیے صندار بکان صندار بھون کے مضرفر و بکان مضرفر و بھون) کے نون میں اختلاف ہے کہ یہ کسی کے عوض میں آیا ہے؟ عسد المبعض یدونوں نون مفرد کے ضمہ کے عوض میں آیا ہیں جبکہ بعض کے زدیک میضمہ اور تنوین دونوں کے عوض میں آئے ہیں اسلے عبارت میں ان متنوں اقوال کی طرف اشارہ کیا گیا

(٣) صَلَقَ مِونَ كُوصَارِ بِ مُصَارِب الشَّاسِ مِن اللَّهِ مَن واؤساكن علامت جمع ذكر ماقبل كي ضمه كيما تحد لكا ويا سك بعد

نون مفتوحه مفرد کے ضمہ یا تنوین یا دونوں کے عوض لے آیا

(٣) ضَدرَ بَة كُوضَارِ بُ سے اسطر ح بنایا كمالف اسم فاعل كوحذف كر كيس اور لام كلم كوفته ديا اور آخريس تائے متحركه علامت جمع نذكر مكسر لگادى اور كلمه كة خريس واقع مونے كيوجه سے اس تاء پر اعراب جارى كيا گيا - كيونكه كل اعراب آخرى حرف موتا ہے

(۵) ضبيرًا بي كو خيسار ب صحاطر ح بنايا كه ترف اول كوخمه ديكرالف اسم فاعل كوحذف كريم عين كلمه كومشد ده مفتوحه بناديا اسكے بعد الف علامت جمع مذكر مكسر لگاديا

(۲) صُبِیرَّ بِیُ کو صَبِیارِ بِی سے اسطرح بنایا کہ ترف اول کوخمہ دیکر الف اسم فاعل کوحذف کر کے عین کلمہ کومشد دومفتوحہ بنادیا۔

(2) من والمار بع سے اسطرح بنایا کہ حرف اول کوخمدد یکر الف اسم فاعل کوحذف کر کے عین کلمہ کوساکن کرویا

(۸) صنت بسام کو صنار بی سے اسطر تربنایا کہ ترف اول کو ضمہ دیکر الف اسم فاعل کو حذف کر کے عین اور لام کلمہ کوفتہ دیا، اسکے بعد الف ممدود و علامت جمع ند کر مکسر لگا دیا اور تنوین غیر منصرف ہونے کیوجہ سے حذف ہوگئ

(۹) ضیر بکائ کو ضیار ب سے اسطر تبنایا کر ف اول کو ضمد دیکر الف علامت اسم فاعل کوحذف کر کے عین کلمہ کوساکن کر دیا اور آخر میں الف نون زائد تان علامت جمع فد کر مکسر ماقبل کے فتح کیساتھ لگا کرکلمہ کے آخر میں واقع ہونے کی وجہ نے نون پراع راپ جاری کردیا

(۱۰) بضر الله الله المسلوبية سے اسطرح بنایا كەترف اول كوكسر ه دیگر الف اسم فاعل كوحذف كرے تيسری جگه پرالف علامت جمع خدكر مكسر ماقبل كے فتحة كيساتھ لگاديا

(۱۱) خید و بی کوخک ربای سے اسطرح بنایا کہ حرف اول کوخمہ دیکر الف اسم فاعل کوحذف کردیا تیسری جگہ پرواؤساکن علامت جمع مذکر مکسر ماقبل کے ضمہ کیساتھ لگادیا

(۱۲) آخشتُ الله کوخسارِ بع سے اسطرح بنایا که شروع میں ہمز ہمفقوحہ فا چکمہ کے سکون کیساتھ لگادیا ،الف اسم فاعل کو حذف کیا اور عین کلمہ کے بعد الف علامت جمع ند کر مکسر ماقبل نے فتح کیساتھ لگادیا

(۱۳) صَلَّ إِبَةً كُو صَلَادِ بِ عَالِم الطرح بناياكة فريس تائيم محركه علامت تا نيف اقبل كفتر كيما تحد لكادى اوركلمه ك آخريس واقع بونے كى وجہ سے تاء پراعراب جارى كيا گيا (۱۴) ضَمَّارِ بُقُانِ كُوضَارِ بَة كَاسطر تمنايا كمَا خرين الفعلامت تثنيه اقبل كَفْتَه كيما تحدلگاديا، اسكے بعدنون كموره مفرد كے ضمه يا تنوين كے عوض، يا دونوں كے عوض لگاديا

- (۱۵) ضَارِبُاتُ كُوضَارِبَة على اسطرح بناياكة خرم الف اورتاء علامت جمع مؤنث مالم ماقبل كفتح كيساته لكاديا اورتاء پراعراب جارى كرديا توضّارِ بُتُاتُ بن كيا، تائِم تحركه بهى تانيث كى علامت ب، اورتائ جمع مؤنث مالم بهى، اورايك بى جنس كى دوعلامت تانيث كا جمع بونااسم ميس مناسب نهيس بي قصد بين كے پہلے قانون سے تائے واحدہ كوحذ ف كيا۔
- (۱۲) ضَوَارِبِ کو ضَارِبَة سے اسطرح بنایا کہ حرف اول کواپنے حال پرچھوڑ دیادوسراحرف الف مدہ زائدہ ہے جومفرد
 مکمر میں دوسری جگہ پرواقع ہے توضی وارب والا قانون سے اس کوواؤ مفتوحہ سے بدل دیا، تیسری جگہ پرالف علامت جمح
 اقصی لگادیا آخر سے تائے واحد کوحذف کیا کیونکہ واحد اور جمع میں تضاد ہے، جمع کثرت پر دال ہے جبکہ تاء قلت (لینی
 وحدت) پراورقلت وکثر قابا بم متضاد ہیں، اور توین غیر منصرف ہونے کی وجہ سے حذف ہوگئ توضیو ارب بن گیا
- (۱۷) ضبر می کو صکار به هست اسطرح بنایا که حرف اول کوخمد دیکرالف اسم فاعل کوحذف کر کے عین کلمه کومشد و مفتوحه بنا دیا آخر سے تائے واحد ہ کوحذف کیا کیونکہ واحدا ورجع ایک دوسری کی ضد ہے
- (۱۸) خَسوَيْرِبُ وَضَدارِبُ سے اسطرح بنايا كرف اول كوخمدديا دوسراح ف الف مده زائده ہے جومفر دمكم ميں دوسرى جگه پرواقع ہے توضعت وارب والا قانون سے اس كوواؤمفتو حدسے بدل ديا تيسرى جگه پريائے ساكنه علامت تفغيرا گاوى توضع يُربُ بن گيا
 - (١٩) صُويُرِبَةً كوضَارِبَةً عاسطرت بنايا جس طرح صُويُرِبُ كو بنايا-

اسم مفعول کی بناء

الله مجرد سے اسم مفعول بنانے کاطریقہ بہ ہے کفعل مضارع مجبول کے پہلے صیغہ سے حرف مضارع کوحذف کر کے اسکی جگہ میم میم مفتوحہ علامت اسم مفعول لا کرعین کلمہ کوضمہ دیا جائے پھرعین اور لام کلمہ کے درمیان واوسا کندلاکر آخر پر تنوین جاری کردی جائے اور غیر قل فی مجرد سے اسم مفعول بنانے کاطریقہ قانون اسم مفعول میں آرہا ہے

(۱) منت و و الله و المسترك الله المستام المعلامة مضارع كوحذف كركاس كى جگهيم مفتوحه علامت اسم مفعول الكاكريين كلمه كوضمه ديا اور آخر مين تنوين تمكن علامت اسم كوجارى كرديا تو متضوع بن گيااب بيد منفعل كاكرون يرب

اوراس وزن پرکلام عرب میں کوئی کلم نہیں پایاجا تا سوائے معنون اور مَکُرُمُ ان دوکلموں کے اور یہ می شافید اتو عین کلمہ کے ضمہ میں اشباع کیا گیا یعنی کلمی خصر میں اشباع کیا گیا یعنی کھینچ کر پڑھا گیا جس سے واؤ پیدا ہوا تو مَسْضَدُ وُبِ بُن گیا (۲) مَسْضَدُ وُبُ وَ کی بناء ضار بُنان کی مناء ضار بُنان کی مناء ضار بُنان کی مناء ضار بُنان کی طرح (۱) مَضْدُ وُبُ اَتْ کو مَضْدُ وُبُ اَتْ کے منایا ضار بُنان کی طرح (۱) مَضْدُ وُبُ اَتْ کو مَضْدُ وُبُ اَتْ کی بناء ضار بُنان کی طرح (۱) مَضْدُ وُبُ اَتْ کو مَضْدُ وُبُ اَتْ کی بنایا ضار بُنان جاری ہوا ہے

() امست ار بیت کومت و بی امت و بی ایمت و بی ایمت و بی اسطرح بنایا کرف اول کواین حال پرچھوڑ دیا دوسرے رف کوئتہ دیر تیسری جگہ پرالف علامت جمع اقصی لے آئے اور مست و بیتی خرست تائے واحدہ کوحذف کیا کیونکہ واحد اور جی بین تضاوے واحد قلت پر اور جمع کثرت پر دلالت کرتی ہے اور قلت و کثرت میں باہم منافات ہے، اس کے بعد مفرد مکبر میں تین حرف باتی ہے کو کسرہ دیا جمع اقصی بنانے کے قاعدہ کے مطابق۔ دوسرے حرف یعنی واوکو یائے ساکنہ سے بدل دیا ور تنوین غیر منصرف ہونے کی وجہ سے حذف ہوگئ تو منصار بیٹ من گیا۔

اکی بناء میں جو بیکہا کہ مَضْرُ و بُ یامضْرُ و بُدہ ہے بنایا، بیاسلے کہ مَضْدار یُب شترک صیغہ ہے بی تح فر کر مکسر کے لئے بھی استعال ہوتا ہے اور جمع مؤنث مکسر کیلئے بھی اگریہ جمع فر کر مکسر کیلئے مستعمل ہوتو اس مقدم و بند گا۔ اور اگر جمع مؤنث مکسر کیلئے مستعمل ہو، تو اس صورت میں یہ مَضْمُ وُ بُدہ کے ہے بے گا۔

(۸) مُتَضَيِّرِيْتِ كومَضُو وَبِهُ اس طرح بنايا كَتَفْغِر بنانے كَ طريقة كے مطابق حرف اول كوخم اور دوسر كوفته ديكر تيسرى جگه پريائے ساكنه علامت تفغيرلگادى اس كے بعد مفر دمكر ميں تين حرف باقی تھے پہلے كوكسره ديا دوسر كويائے ساكنه ہے تبدیل كيا اور تيسرى جگه پراعراب جارى كيا۔

(۹) مصطنیریب و مک مصر و به سال می اسطرت بنایا کرف اول کوخمد اور دوسرے کوفتہ دیکر تیسری جگہ پریائے ساکنہ علامت تصغیرلگادی اسکے بعد مفرد مکمر میں تائے مدورہ کے بواتین حرف باقی نے پہلے کوکسرہ دیکر دوسرے کو یائے ساکنہ سے بدل دیا، تائے مدورہ کا ماقبل حسب سابق مفتوح رہا جیسا کہ پہلے گذراہے کہ مفرد مکمر کے آخر میں تائے مدورہ ہونے کی صورت میں اسکاماقبل حسب سابق مفتوح رہتا ہے۔

قانون: براسم مفعول از ثلاثی مجرد بروزن که فیصو ای می آید دازغیر ثلاثی مجرد بروزن فعل مضارع مجهول آن باب می آید بآوردن میم مضمومه بجائے حرف اتین و تنوین تمکن در آخرش وجو با۔

قانون نمبر ٩: ١ اسم مفعول والأقانون

اس قانون کی دوصورتس ہیں۔

(۱) بہلی صورت بیے کے ثلاثی محرد کے ابواب سے اسم مفعول کو مفع واقع کے وزن پر پڑھناواجب ہے۔

القاتى مثال جيم يضرب عمضروب ينصرت منصور

احر ازى مثال جيے محكر م ية لاقى محرد نيس ب

(۲) دوسری صورت بیے کہ غیر الل مجرد سے اسم مفعول کو اس باب کے مضارع مجھول کے وزن پر پڑھنا واجب ہے اس فرق کیساتھ کہ حرف اتین کی جگہ میم مضمومہ لگا کر آخر پر تنوین جاری کردی جائے اتفاقی مثال جیسے میسکٹر کم وسے مشکر کم و اور یُتَصَدِّ ف مے مُتَصَدِّف کی ۔ احر ازی مثال جیسے مُفَنْدُوح می پیٹلاٹی مجرد ہے

قانون به مرنون تنوین وقت دخول الف ولام واضافت حذف کرده شود به ونون تثنیه وجع دروقت اضافت حذف کرده شود وجو پا

قانون نمبر ١٠ ـ نون تنوين ،نون تثنيه اورنون جمع والا قانون

اس قانون کا خلاصہ بیے کہ تو ین کودوصورتوں میں حذف کرنا واجب ہے

نمبرا: يتوين والحاسم برالف المراخل مونے كوفت جيسے رجن اس الركي في

نمرا: يتوين والا الم كمضاف مون كوقت بي عُلام كا عُلام زيد

اورنون تثنيدونون جمع كومرف اضافت كوقت حذف كرتاواجب ب، اتفاقی مثال جي حسّبار بان عضسار با زيدٍ اور ضار بهون به حسّار بو زيدٍ .

احر ازى مثال جي الصنار بان اور الصنار بون، يهال اضافت نيس ب

قانون _ ہرنون تنوین ونون خفیفه راموافق حرکت ماقبل بحرف علت بدل می کنند جوازا، در حالت وقف

قانون نمبراا: _نون تنوين ،اورنون خفيفه ، والا قانون

اس قانون کا خلاصہ ہے کہ حالت وقف میں نوآن توین اور نوآن خفیفہ کو اپنے ماقبل کی حرکت کے موافق حرف علت سے تبدیل کرنا جائز ہے یعنی ماقبل ضمہ ہوتو واقعہ ۔ فتح ہوتو الف سے۔اور کسرہ ہوتو یاء سے ،نون توین کی مثال جیسے رُحید ہے سے کریٹم کے دیگھوں کا معاملہ کا دور کو دیگھوں کے دیگھوں کے دیگھوں کا معاملہ کو دیگھوں کے دیگھوں کے دیگھوں کے دیگھوں کا معاملہ کا دور کو دیگھوں کے دیگھوں کا معاملہ کی دیگھوں کے دیگھوں کا معاملہ کی دیگھوں کے دیگھوں کے دیگھوں کا معاملہ کی دیگھوں کے دیگھوں کے دیگھوں کے دیگھوں کے دیگھوں کے دیگھوں کے دیگھوں کو دیگھوں کے دیگھوں کا دیگھوں کے دیگھوں کے دیگھوں کی دیگھوں کو دیگھوں کے دیگھوں کے دیگھوں کی دیگھوں کے دیگھوں کے دیگھوں کیلی کے دیگھوں کے دیگھوں کے دیگھوں کے دیگھوں کے دیگھوں کے دیگھوں کی دیگھوں کے دیگھوں کے دیگھوں کی دیگھوں کے دیگھ

اورنون خفیفه کی مثال جیسے اِحْسُر بَنْ سے اِحْسُر بِنَا ، اِحْسُر بِنُنْ سے اِحْسُر بِنُو اور اِحْسُر بِنْ سے اِحْسَر بِنِی اُکْسُر بِنُ سے اِحْسَر بِنْ سے اِحْسَر بِنْ سے اِحْسَر بِنَ سے اِحْسَدُ اُکْرِتُوین تائے مدورہ پر ہوتو بیتا ، حالت وقف میں ہا ، بن جاتی ہے اور تنوین حذف ہوجاتی ہے جیسے رکھ مَنْ اُکْسُر بَنَ کَا بِنُون خفیفہ نہیں ہے۔ احْر ازی مثال جیسے اِحْسِر بَنَ یون خفیفہ نہیں ہے۔

تنبید - جب تنوین کا ماقبل مفتوح ہوتو اس صورت میں تنوین کو حالت وقف میں حرف علت (یعنی الف) ہے بدلنا کثیر ہے اور حذف قلیل ہے جیسے کے کیڈ ماگو حالت وقف میں کے کیڈ ماگو پڑھنا کثیر ہے اور کے کیڈم گوپڑھنا قلیل ہے لیکن جب نون تنوین کا ماقبل مضموم یا مکسور ہوتو اسوقت معاملہ برعکس ہے یعنی تنوین کو حرف علت سے بدلنا قلیل ، اور حذف کرنا کثیر ہے جیسے غفو دو اور کو چیم کے موالت وقف میں غفو کو ماور کر چینے ہو پڑھنا کثیر ہے اور غفو دو گو اور کر چینے می پڑھنا قلیل ہے۔

فاکدہ : بعض حضرات نے ارشاد الصرف کے متن میں فدکوراس قانون کی تغلیط کی ہے کہ بیاس طرح درست نہیں ہے اور پھراس قانون کو دوسر سے الفاظ میں ذکر کر کے بتلایا کہ تیجے یوں ہے ، لیکن حاصل دونوں کا ایک ہی ہے کھذا تغلیط کی ضرورت نہیں۔

نون اعرابی کی تعریف ۔۔وہنون جونعل مضارع کے آخر میں مفرد کے ضمہ اعرابیہ کے عوض آیا ہو، جیسے یک نون ایمیں نون یکٹیر ب کے ضمہ اعرابی کے عوض آیا ہے یعنی یکٹیر ب کا اعراب ضمہ ہے اور یکٹیر بکان کا اعراب یہی نون ہے

قانون به برنون اعرابی دفت دخول جوازم ونواصب ولحوق نون ثقیله وخفیفه و بنا کردن امر حاضر معلوم حذف کرده شود وجو با

قانون نمبر١٢: ينون اعرابي والاقانون: _

نون اعرابی کو پانچ صورتول میں حذف کرنا واجب ہے۔

أبرة امرحاضرمعلوم بنات وقت، جي تضربان سراضير بااور تضير بون سرافون سرافير بون المربود
نون تا کید کی بحث

نمبر(۱) نون تا کید کی تعریف : به نون تا کیداس نون کو کہتے ہیں جوفعل کے معنی میں تا کید پیدا کرنے کیلئے اس کے آخر میں آتا ہے،نون تا کید کی دونشمیں میں نون ثقیلہ اورنون خفیفہ۔

نون تا كيد جب مشدد موتواين فيله كهتي بين اور جب ساكن موتواسكوخفيفه كهتي بين

نمبر ۲: _ نون تا كيد فعل كيساته خاص ہے اسم ميں نہيں آتا اور افعال ميں سے فعل ماضى ميں بھی نہيں آت مضارع منفی اور مضارع بمعنی حال ميں بھی کم آتا ہے زيادہ تر امر اور نہی اور اس مضارع ميں آتا ہے جوطلب کے معنی پر مشتمل ہوجيسے تمنی، عرض ، دعاوغيره _

نمبر النون تاکید کا مضارع کیساتھ ملانے کا طریقہ سے کون تاکید مضارع کے آخریں لایاجا تا ہے اور شروع میں اکثر لام تاکید مفتوحہ یا استا وغیرہ لگادیا جاتا ہے۔ نون تاکید کے آنے سے فعل مضارع کے سامت صیغوں سے نون اعرابی گرجاتا ہے

عار تثنیہ کے (انے تثنیہ مذکر غائب ۲۰ یے تثنیہ غائب ۳۰ یہ تثنیہ مذکر حاضر ۴۰ یہ تثنیہ مئونٹ حاضر) دوجمع مذکر (حاضر ، م غائب) کے اور ایک واحد مئونٹ حاضر کا ، اور جمع مذکر کے صیغوں سے واؤ ، اور واحد مسؤنٹ حاضر کے صیغے سے یا ، جمکی

گرجاتی ہے۔

نون تقیلہ مضارع کے تمام صیغوں میں آتا ہے اور نون خفیفہ صرف آٹھ صیغوں میں آتا ہے۔ چھ صیغوں میں نون خفیفہ نہیں آتا (جار تشنیہ کے اور دوجمع موٹ نش کے)

جع مؤنث كے صيغوں ميں نون تقيله لكتے وقت درميان ميں الف لايا جاتا ہے جيئے لَيكَ فُسِرِ بُنَانِ ، لَتَ خُسْرِ بُنَانِ م مُسِر ۲۰ ـ نون تاكيد تقليه اور خفيفه ميں فرق: - إن ميں ايك فرق توبه ہے كەنون تقيله مشدد ہوتا ہے اور نون خفيفه ساكن ہوتا ہے۔

دوسرا فرق بیہ ہے : کرنون تقیلہ تمام صیغوں میں آتا ہے اورنون خفیفہ صرف آٹھ صیغوں میں آتا ہے باقی چھ صیغوں میں نہیں آتا،

تيسرافرق سيه المائية من تاكيدزياده موتى المادنفيفه مين كم (عندالعض)

تمبر ۵: _ نون تا کید کالفظی اور معنوی عمل : ان کالفظی عمل سیہ ہے کہ مضارع سے نون اعرابی گراتے ہیں اور اسکو معرب سے منی بناتے ہیں۔

اورمعنوی ممل بیہے کمعنی میں تاکید پیدا کرتے ہیں اور مضارع کوز ماندا شقبال کیساتھ خاص کردیتے ہیں۔

تنبید بعض علاء (صاحب نحویر وغیرہ) کے نزدیک نون تاکید کوئ عمل نہیں کرتا، بیصرف تاکید فعل کیلئے آتا ہے حروف غیر عالمہ میں سے ہاورا سکے آنے سے جومضارع مبنی بنتا ہے وہ اسلئے کہ فعل مضارع میں آخری حرف جوگل اعراب تھا وہ نون تاکید گئنے کے بعد درمیان میں واقع ہوا کیونکہ نون تاکید شدت اتصال کی وجہ سے کلمہ کے جزء کیطرح ہے۔ اب درمیان میں تو اعراب جاری نہیں ہوتا، آخر میں ہوتا ہے۔ اور خود نون تاکید پر اعراب اسلئے جاری نہیں ہوتا کہ بیحرف ہے اور حروف مین ہوتا کہ بیحرف ہو ایل معرب کی ہوتے ہیں، اور نون اعرابی اسلئے گر جاتا ہے کہ نون تاکید گئنے کے بعد فعل مضارع مبنی بن گیا اور نون اعرابی معرب کی علامت ہے۔

منتوں ہونا ہے (واحد مذکر غائب، واحد مؤنث غائب، واحد مذکر حاضر، واحد منتکلم، جمع منتکلم) اور چیصینوں میں نون تقیلہ خود

کسور ہوتا ہے اور اسکاما قبل الف ہوتا ہے (چار تثنیہ کے اور دوجمع مسؤ نث کے صیغے) اور جمع نہ کر کے دونوں صیغوں میں نون تقیلہ خود مفتوح ہوتا ہے اور اسکا ماقبل مضموم ہوتا ہے اور واحد منونث حاضر کے صیغے میں نون تا کیدخود مفتوح ہوتا ہے اور اسکا ماقبل کمسور ہوتا ہے۔

نون خفیفہ خودتو ساکن ہوتا ہے اور تثنیہ اور جمع مسؤنٹ کے صیغوں میں تو آتا ہی نہیں باتی صیغوں میں اسکے ماقبل کی حرکت نون ثقیلہ کے ماقبل کی طرح ہوتی ہے یعنی نون ثقیلہ کے ماقبل جس صیغہ میں جوحرکت ہوتی ہے تو نون خفیفہ کے ماقبل بھی اس صیغہ میں وہی حرکت ہوتی ہے۔ امرادر نہی وغیرہ میں نون تاکیدلانے کا بھی یہی طریقہ ہے

فعل متنقبل معلوم مؤكد بلام تاكيدونون تاكيد ثقيله كي بناء

لَي مَسْوِبْنَانِ کو يكُسُوبُنَ ساور لَنَكُسُوبْنَانِ كوتكُسُوبْنَ ساسطر حبنايا كمشروع ميل لام تاكيد مفتوحه اور آخر ميل نون تاكيد تقيله لكاديا تولَيكُ في بنت أور لَتكُسُوبُنَ بن كي ، اب تين نون ايك ساتھ جمع موسم اور مينع جتو درميان ميں الف فاصله لكاديا اور نون تشنيه كي مشابهت كي وجه سانون تقيله كوكسره ديا

لَـتَضْرِبِنَ كُونَضْرِبِينَ سے اسطر ح بنايا كه شروع ميں لام تاكيد مفتوحه لكاديا اور آخر ميں نون تاكيد ثقيله لكاديا جس كى وجه سے نون اعرابی حذف ہواتو كَـنَـنْ بها ساكن مدہ ہاس كو حذف ہونے ہوئيا ، التقائے ساكنين ہوايا ، اورنون كے درميان ، پہلاساكن مدہ ہاس كو حذف كيا اور كسر و باقى ركھا تاكه ياء كے حذف ہونے پردلالت كريں۔

فعل ستقبل مجهول مؤكد بلام تاكيدونون تاكيد ثقيله كى بناء

لَيْضُرُبَنَ كُو لَيَضُرِبَنَ عاسطر جنايا كرف اول كوخم اور ماقبل آخر كوفته ويا ـ لَيْضُرَبَانِ كُو لَيَضُر بَانِ عا اسطر جنايا كرف اول كوخم اور ماقبل آخر كوفته ديا ، اى طرح آخرتك _

فعل متقبل معلوم مؤكد بلام تاكيدونون تاكيد خفيفه كي بناء

لَيَضُرِ بَنْ كُو يَضُرِ بُوْنَ سے لَتَضُرِ بُنْ كُو نَضُرِ بُوُنَ سے اسطر ح بنایا كمثر و عمل الام تاكيد مفتو حداگاد يا اور آخر عي نون تاكيد خفيفه لگاديا جس كى وجه سے نون اعرائي حذف بواتو لَمين ضرِ بُون أَ اور لَمَتَضُرِ بُون ثَبن گئالتا كساكنين بواواؤ ،اورنون كه درميان پهلاساكن مده ہے اسكو حذف كيا اورضمه باقى ركھا تاكه واؤكه حذف بونے پردلالت كريں۔ لَتَصَدرِينَ كُو تَصَدرِ بِينَ سے اسطر ح بنايا كمثر و عيس لام تاكيد مفتوحه لگاديا اور آخر ميں نون تاكيد خفيفه لانے كى وجه سے نون اعرائي حذف بواتو لَمَتَضُر بِينَ بُن كيا القائے ساكنين بوا، نون اور ياء كورميان پهلاساكن مده ہے اسكو حذف كيا اور كسر و باتى ركھا تاكہ ياء كے حذف بونے بردلالت كريں۔

فعل مستقبل مجهول مؤكد بلام تاكيدونون تاكيد خفيفه كي بناء

لَيْضْرَبَنْ كُو لَيضْرِبَنْ سے اسطرح بنایا كدرف اول كوضمه اور ماقبل آخر كوفته دیا

لَيْضُوبُونُ كُو لَيَضْمِوبُونْ عاسطر ح بنايا كحرف اول كوضمه اور ماقبل آخركونته ويا،اسطرح آخرتك ميمل كيا-

فعل جحد معلوم کی بناء

فعل جحد بنانے کاطریقہ یہ ہے کہ مضارع کے شروع میں لم جازمہ لگادیا جائے

لم جازمه كالفظى عمل بيرے: - كەمفارى كة خركوجزم ديتا ب

جزم کی علامت پانچ صیغوں کے آخر سے حرکت کا گرنا ہے اور سات صیغوں کے آخر سے نون اعرابی کا گرنا ہے (چار تثنیه، دو جمع ندکر، اورا یک واحد مؤنث حاضر) باقی دوصیغے (جمع مؤنث) مبنی ہیں ان میں الم کوئی لفظی عمل نہیں کرتا۔ لم جازمه كامعنوى عمل يدب - كمفارع مبتكواض فى كمعنى مين كرديا ب-

لَمْ يَضْيرِبْنَ كويضَيرِبْنَ سے لَمْ تَضُيرِبْنَ كو تَضُيرِبْنَ سے اسطر حبنايا كم شروع ميں لمم جازم دلگاديا يوصيفى في بين ان ميں كوئى لفظى تبديلى نبين آئى۔

فعل جحد مجہول کی بناء

لَمْ يُضْرَبُ كُولَمْ يَضْرِبُ عَ لَمْ يُضْرِبُاكُولَمْ يَضْرِبَا اور لَمْ يُضْرَبُو اَو لَمْ يَضْرِبُو السارح بنايا كرف اول ضماور ماقبل آخر كوفته ديا اور آخرتك يمل كيا-

اور یہ بھی درست ہے کہ فعل جحد مجہول کومضارع مجہول سے بنایا جائے جحد معلوم کے طرز پر۔

فعل نفى بلا معلوم كى بناء

فعل نفی بلامضارع سے اسطرح بنما ہے کہ شروع میں لائے نفی لگادیا جاتا ہے

لائے نفی کالفظی عمل، یافظوں میں کھے ہی علی نہیں کرتا معنوی عمل اسکا معنوی عمل یہ ہے کہ مضارع شبت کو نفی بنادیتا ہے، بناءاس طرح ہوگی کہ لایک تشیر بھی دیکھ یک سے اسطرح بنایا کہ شروع میں لائے نفی لگادیا، لاکیت شیر بہان کو یک سے نسٹیر بہان کو یک سے اسطرح بنایا کہ شروع میں لائے نفی لگادیا، اور آخرتک میکل کیا

فغل نفي مجہول کی بناء

لاً يُصْنَعَر بُ كو لاَ يتضير ب سے اسطرح بنايا كه حرف اول كوضم اور ماقبل آخر كوفته ديا۔ لاَ يضير بَان كو لاَ يضير بَان با اسطرح بنايا كه حرف اول كوضم اور ماقبل آخر كوفته ديا ، اور آخر تك يم عمل كيا اور نفى مجهول كومضارع مجهول سے بھى بنايا جاسكتا

فعل نفى معلوم مؤكدبلن ناصبه كى بناء

فعل نفی کی سیر دان مضارع ما اسطرح بنتی ہے کہ شروع میں لن خاصد به لگادیا جاتا ہے۔

لن كالفظى عمل اسكالفظى عمل بير ب - كه مضارع ئے آخر كونصب ديتا ہے، نصب كى علامت پانچ صيغوں كے آخر ميں فتحة كا آنا ہے سات صيغوں كے آخر سے نون اعرابي كا گرنا ہے اور دوصيغ عنى بين ان ميں كوئي لفظى عمل نہيں كرتا۔

معنوی عمل کن ناصبہ کا معنوی عمل میہ ہے ۔ کہ مضارع شبت کو نفی بنا تا ہے اس کو زمانہ ستقبل کے ساتھ خاص کر دیتا ہے اور معنی میں تاکید پیدا کرتا ہے۔

فعل نفی معلوم مؤکد بلن نام صبه کی بناءاس طرح ہے کہ ۔ اَن یَضیر ب کو یَضیر ب ساسطرح بنایا کی شروع میں ان نام بدلگانے کی وجہ سے آخر کونصب دیا تو اَسْتُر ب بن یَا بنون اور یا قریب المسخوج ہیں تو نون کو یاء سے بدل کریاء کو یاء میں مغم کردیا۔ اَس یَنْ شیر بنا کو یہ سے آخر ہے ہیں تو نون کو یاء سے بدل وجہ سے آخر سے نون اور یاء قریب انحر ج ہیں تو نون کو یاء سے بدل وجہ سے آخر سے نون اور یاء قریب انحر ج ہیں تو نون کو یاء سے بدل کریاء کو یاء میں مغم کردیا، اور اس طرح آخر تک میل کیا۔

فعل نفى مجهول مؤكّر بكن ئاديميية كي بناء

لَن يُضْرَب كولَن يَضْرِب ساس طرح بنايا كرف اول كوض ماور ماقبل آخر كوفته ديا، اس طرح آخرتك ميمل كيا-

چندفوائد

فائدہ نمبراً: ۔غند کی تعریف بھی جون کی ادائیگی کے وقت آواز کوناک کے بانسہ میں پیجا کرایک الف کے بقدر تھینچ کراوا کرنا۔

فائده نمبرس الطهار كي تعريف كسي حرف كواي مخرج سے بغير غنداور بغير كى تبديلى كے خوب طاہر كر كے اداكرنا۔

فائدہ نمبرہ : اخفاء کی تعریف کی حرف کواپی مخرج سے اظہار اور ادغام کی درمیانی حالت سے غذیباتھ اواکرنا۔ فائدہ نمبر ۵: اقلاب کی تعریف نون ساکن اور توین کوئیم سے بدل کر غنداور اخفاء کیاتھ پڑھنا۔ قانون : ہرنون ساکن و تنوین را در حروف برملون ادغام میکنند و : و با ونون متحرک را جواز ابشر طیکہ در یک کلمہ نباشد۔ در حروف یکھون بغنہ ودر کم بغیر غنہ

قانون نمبرساني برملون والاقانون

جب نون ساکن اور تنوین کے بعد ریملون کے چیحروف میں ہے کوئی ایک حرف اڑ کلمہ میں واقع ہوتو نون ساکن اور تنوین کا

حرف برملون میں ادغام واجب ہے میکمون (یعنی ان چارحروف میں) میں ادغام نع الغنه ہوگا اور کمر حمیں ادغام بلاغنه ہوگا

ا تفاقی مثال جیے لئن تک میرب یاصل میں لئن یکٹیوب تھا یہاں نون سائن کے بعد حروف ریطون کی یاءواقع ہے۔ اور غَفُورُ وَ رَجِيْمٌ طاصل میں غَفُورُ وَ رَجِيْمٌ طراحا۔ یہاں توین کے بعد حروف ریطون میں سے راءواقع ہے۔

احر ازى مثال جيے قدنوان اور بننياج يهان حف رماون الك كلمه مين بيس بـ

اگرنون متحرک کے بعد برملون کا کوئی حرف الگ کلمہ میں واقع ہوجائے تواس صورت میں ندن متحرک کا حرف برملون میں ادعام جائز ہے واجب نہیں ہے جیسے المترج کیبید جواصل میں المئ کیدیدہ تھا۔

فائدہ:۔حروف بچی کل انتیس ہیں ان بیس سے الف تو نون ساکن اور تنوین کے بعد نہیں آسکتا (التقاء ساکنین کیوجہ سے) باقی اٹھائیس رہ گئے۔ان ۲۸ میں سے چھتو حروف برملون ہیں کہ ان میں نون ساکن اور تنوین کا اوغام ہوتا ہے جینے کہ برملون کے قانون میں گذرا۔اور چھروف حلقیہ ہیں جواس شعر میں فذکور ہیں۔

حروف حلقيه چيه تجهاب نورعين مهمزه هاءوحاءوخاء وعين وغين _

نون ساکن اور تنوین کے بعد حرف طقی واقع ہونے کی صورت میں ان میں اظہار ہوتا ہے۔اب باقی سولہ حروف هجاءرہ گئے ،تو ان مین سے پندرہ تو حروف اخفاء ہیں جواس شعر میں مذکور ہیں۔

۔ تاء و ثاء و جیم و دال و ذال و زاء و سین و شین صاد و ضاد و طاء و ظاء و فاء و قاف و کاف بین (لیخی دیم) نون ساکن وتنوین کے بعد حرف انتفاء آنے کی صورت میں یہاں اختفاء ہوتا ہے۔ اب باتی ایک حرف رہ گیا۔ لینی باء۔ تو نون ساکن وتنوین کے بعد باء واقع ہونے کی صورت میں اقلاب ہوتا ہے، لیعنی نون ساکن وتنوین کومیم سے بدل دیتے ہیں

قانون نه برنون ساکن وتنوین که واقع شود قبل باء مطلقاً آن را بمیم بدل میکنند وجو با قبل از حرف حلقی ظاہر خوانده می شوند وجو باقبل از الف نمی آیند، ودر باقی حروف اخفاء کرده آید

قانون نمبرهما: _اظهار_اقلاب _اوراخفاء والاقانون

اس قانون کی تین شقیس ہیں (۱) اظہار ہے متعلق (۲) اقلاب ہے متعلق (۳) اخفاء کیلئے

(۱) جبنون ساکن اور تنوین کے بعد چیروف صلقیہ میں سے کوئی حرف واقع ہوتو نون ساکن اور تنوین میں اظہار کرنا واجب ہوتو نون ساکن اور علیہ کے بعد حرف صلقی ہوتا میں اندیت آسمیں نون ساکن کے بعد حرف صلقی مثال جیسے آندیت آسمیں نون ساکن کے بعد حرف صلقی نہیں

(۲) جب نون ساکن اور تنوین کے بعد باءواقع ہو، تو نون ساکن اور تنوین کو پیم سے بدلناوا جب ہے اسکوا قلاب کہتے ہیں۔ اتفاقی مثال جیسے یکنڈ کینچے اور بسیسیڈ کی کالمعبداد احتر ازی مثال جیسے اکنڈے، آسمیں نون ساکن کے بعد بانہیں ہے (۳) جب نون ساکن اور تنوین کے بعد پندرہ حروف اخفاء میں سے کوئی حرف واقع ہوتو نون ساکن اور تنوین میں اخفاء کرنا واجب ہے،

ا تفاقی مثال جیے کُننتَاور عُلُفُورٌ شَکُورٌ ط^{ا اجر} ازی مثال جیے اَنعَهٔ مُنتَ یہاں نون ساکن کے بعد حرف اخفاء نہیں ہے۔

تعنبیہ: ۔ برملون والا قانون میں تو بیشرط ہے کہ نون ساکن اور تنوین الگ کلمہ میں ہوں اور حرف برملون الگ کلمہ میں لیکن اس قانون میں الگ الگ کلمہ کی شرط نہیں ہے بلکہ صرف بیشرط ہے کہ نون ساکن و تنوین کے بعد حروف طلقی ،حروف اخفاء،اور باء ، میں سے کوئی واقع ہو، ایک کلمہ میں ہو، یا الگ کلمہ میں ،متن میں مطلقا سے مصنف کی مراد بھی یہی ہے لیکن یہ بھی ملحوظ خاطر رہے کہ نون ساکن تو ان فہ کورہ حروف کے ساتھ ایک کلمہ میں بھی آسکتا ہے اور الگ کلمہ میں بھی ، مگر تنوین کے بعد ان حروف کا اسی ایک کلمہ میں آناممکن ،ی نہیں بلکہ الگ کلمہ میں آنامتعین اور لازی ہے کیونکہ تنوین بمیثہ کلمہ کے آخر میں آتی ہے درمیان میں

نہیں آسکتی۔

قانون: بهرامر حاضر معلوم رااز نعل مضارع مخاطب معلوم باین طور بنامیکنند که اگر بعد از حذف کردن حرف مضارعة مابعدش ساکن ماند بهمزه وصلی مضموم در اولش در آور دند و جوبا، بشرطیکه مضارع نیزمضموم العین باشد و گرنه کمسوره و اگر مابعدش متحرک ماندامز بمول شد بوقف آخر .

قانون نمبر ١٥: امرحاضروالا قانون

اسکی کل تین صورتیں ہیں۔

(۱) پہلی صورت: ۔ یہ ہے کدامر حاضر معلوم بناتے وقت اگر حق اتین کا بابعد ساکن ہواور میں کلم مضموم ہو، تو حق اتین کی جگہ ہمزہ وصلی مضموم ان اور آخر میں وقف کرنا واجب ہے جیسے تنگ شرق سے اُنگٹ اور تنگر ف سے اُنگر ف این کا مابعد ساکن ہواور میں کلم مضموم نہ ہو (یعنی کرو میری صورت: ۔ یہ ہے کہ امر حاضر معلوم بناتے وقت اگر حق اتین کا مابعد ساکن ہواور مین کلم مضموم نہ ہو (یعنی کمور یا مفتوح ہو) تو حق اتین کی جگہ ہمزہ وصلی کمور لا نا اور آخر میں وقف کرنا واجب ہے جیسے تنصند ب مے اِنگر ب اور تنقیق کے اور تنگ تسید ہے ایک تسید ہے۔ اِنگر ب اور تنقیق کے اور تنگ تسید ہے ایک تسید ہے۔ ایک ہے۔ ایک تسید ہے۔ ایک تسید ہے۔ ایک ہے۔ ا

(۳) تیسری صورت یہ ہے کہ امر حاضر معلوم بناتے وقت اگر حرف اتین کا مابعد متحرک ہوق حرف اتین کو حذف کر کے صرف حرف آخر میں وقف کر اور تُتَدَخّرَجُ صرف حرف آخر میں وقف کر ناواجب ہے جیسے تُصَوِّفُ سے صَوِّفُ ، تَلَاَصَرُّفُ ہے تَصَرُّفُ اور تُتَدَخّرَجُ سے تَدَخْرَجُ *

امرحاضرمعلوم کی بناء

امر حاضر معلوم فعل مضارع معلوم کے حاضر کے صینوں سے بنتا ہے واحد واحد کے صینہ سے شنیہ اور جمع کے صینے ، تشنیہ اور جمع سے مذکر مذکر سے اور مؤنث ، مؤنث سے ، اسطرح کہ جرف اتین کو حذف کیا جاتا ہے لیں اگر اس کا مابعد متحرک ہوتو فقط آخر میں وقف کر دیا جاتا ہے اور اگر جرف اتین کا مابعد ساکن ہوتو ابتداء بالساکن محال ہونے کی وجہ سے شروع میں ہمزہ وصلی لایا جاتا ہے اور آخر میں وقف کیا جاتا ہے اور آخر میں وقف کیا جاتا ہے اگر میں کلمہ ضموم ہوتو ہمزہ وصلی مضموم لایا جاتا ہے اور اگر مضموم نہ ہوتو ہمزہ وصلی مکسور لایا جاتا ہے اور آخر میں وقف کی علامت ایک صینے کے آخر سے حرکت کا گرنا ہے اور چارصینوں سے نون اعرائی کا گرنا ہے اور ایک صینے ہی ک

ہاں میں کوئی تبدیلی نہیں آئی ، یعنی وقف کیوجہ سے ایک صیغہ مکے آخر سے حرکت گر جاتی ہے اور چارصیغوں سے نون اعرابی۔ اور ایک صیغہ بنی ہے اور بیان میں وقف کیوجہ سے کوئی تبدیلی نہیں آتی

سوال: _وقف اورجزم میں کیا فرق ہے؟

جواب: فرق بدہ کہ جزم عامل جازم کا اثر ہوتا ہے اور وقف کی عامل کا اثر نہیں ہوتا۔

بناء اسطرح ہوگی: _ اِحْسرِ بْ كُوتَ حْسرِ بِ اسطرح بنایا كه حرف اتین كوحذف كيا اسكاما بعد ساكن ہے اور ساكن سے ابتداء عال ہے ہی عین كلمه كود يكھاوہ عنموم نہيں ہے تو شروع میں ہمزہ وصلی مکسورلگا دیا اور وقف كرنے كی وجہ سے آخر كی حركت حذف ہوگئ _

اخسرتها کو تنصفر بیان سے اسطرح بنایا کہ رف اتین کو حذف کیا اسکا مابعد ساکن ہے اور ابتداء بالساکن محال ہے ہیں عین کلمہ کود یکھاوہ ضموم نہیں ہے قوشروع میں ہمزہ وصلی کمورلگا دیا اور آخر میں وقف کرنے کی وجہ ہے نون اعرائی حذف ہوا احضیر بیون کو تنصفیر بیون سے اسطرح بنایا کہ حرف اتین کو حذف کیا اسکا مابعد ساکن ہے اور ساکن سے ابتداء محال ہے ہیں عین کلمہ کود یکھاوہ ضموم نہیں ہے قوشر وع میں ہمزہ وصلی کمورلگا دیا اور آخر میں وقف کرنے سے نون اعرائی حذف ہوا احضیر بین کے وقت کو تنصفیر بین سے اور احضیر بیاکو، تنصفیر بیان سے اسطرح بنایا کہ حرف اتین کو حذف کیا اسکا مابعد ساکن ہے اور اجترائی کو دیکھاوہ صموم نہیں ہے قوشر وع میں ہمزہ وصلی کمورلگا دیا اور آخر میں وقف کرنے کی وجہ سے نون اعرائی حذف ہوا .

ا خسر بن کو تخسیر بن سے اسطرح بنایا کہ حرف اتین کوحذف کیااس کا مابعد ساکن ہے اور ابتداء بالساکن محال ہے پس عین کلے کودیکھاوہ مضموم نہیں ہے تو شروع میں ہمزہ وصلی مکسور لگا دیا، اور آخر میں وقف کردیالیکن ہی ہونے کی وجہ سے اس صیغہ میں کوئی لفظی تبد لی نہیں آئی۔

امرحاضرمعلوم مؤكد بنون تاكيد تقيله كي بناء

اِ الله وَ الله وَ الله وَ الله وَ مَن الله وَ مَن الله وَ مَن الله وَ الله وَ الله وَ الله وَ الله وَ الله و الل

نون تقیله کوبھی کسرہ دیا۔

اضربین کو اضربین کو اضربی اسطرح بنایا که خری نون تا کید تقیله لگادیا تو اضربی بی گیا، التقاع ساکنین بوادادادر
نون کے درمیان پہلاساکن مدہ ہاس کو حذف کیاادر ضمہ کو باقی رکھا تا کدواؤ کے حذف بونے پردلالت کریں۔
اضیر بین کو اِضیر بی سے اسطرح بنایا که آخریس نون تا کید تقیله لگادیا تو التقائے ساکنین بوا یا ءاور نون کے درمیان پہلا
ساکن مدہ ہا سکو حذف کیااور کر ہ کو باقی رکھا تا کہ یا ء کے حذف ہونے پردلالت کریں۔ اِضیر بان کو اِضیر بالے سے بنایا
تفصیل گذر بھی۔

اخْسِ بِنْنَاتِ کو اِخْسِ بْنَ سے اسطرح بنایا کہ آخریس نون تاکید تقیلہ لگادیا تو اِخْسِ بْنُدُیّ بن گیا، اب تین نون ایک ساتھ جمع ہو گئے اور کلام عرب میں یہ بات پسندیدہ نہیں ہے کھذا درمیان میں الف فاصلہ لگادیا پھرنون تثنیہ کے مشابہ ہونے کی بناء پر نون تقیلہ کو کسرہ دیا

امرحاضرمعلوم مؤكد بنون تاكيد خفيفه كي بناء

اِخْسِرِبَنْ کو اِخْسِرِبُوْ سے اسطر تبنایا کہ آخر میں نون تاکید خفیفہ لگا کراس کے ماقبل کوئی برفتے بنادیا
اخشر بین کو اِخْسِرِبُوْ اسے اسطر تبنایا کہ آخر میں نون تاکید خفیفہ لگا دیا تواخشر بُوْنْ بن گیا، التقائے ساکنین ہواواؤاور
نون کے درمیان پہلاساکن مدہ ہے اسکو حذف کیا اور ضمہ کو باقی رکھا تاکہ واؤکے حذف ہونے پر دلالت کریں۔
اخشسر بین کو اِخْسِر بین سے اسطر تبنایا کہ آخر میں نون تاکید خفیفہ لگا دیا تواخشر بیٹن بن گیا، التقائے ساکنین ہوایاء
اور نون کے درمیان پہلاساکن مدہ ہے اسکو حذف کیا اوکرہ کو باقی رکھا تاکہ یاء کے حذف ہونے پر دلالت کریں۔
قانون نے چول نون تاکید فقیلہ بانون ضمیری متصل شود، الف فاصلہ میان ایشاں در آر رندوجو با

قانون تمبر ١٦٠٠ واضر بعنان والاياالف فاصلدوالا قانون

امرحاضر مجہول کی بناء

امر حاضر مجہول مضارع مجہول کے حاضر کے صیفوں سے اسطر نہ بنتا ہے کہ شروع میں لام امر مکسور جاز مدلگادیا جاتا ہے۔جس کی وجہ سے آخر بجز وم ہوجاتا ہے اسمیں جزم کی علامت ایک صیغہ کے آخر سے حرکت کا گرنا ہے اور چارصیغوں کے آخر سے نون اعرابی کا حذف ہونا اور ایک صیغ بی ہے اسمیں کوئی تبدیلی نہیں آتی

بناءاس طرح ہوگی ۔ لِتُصْمَر بُ كوتُصَمَّر بُ سے اسطرح بنایا كمثروع میں لام امر جازمه كمورلگادیا جس كى وجہ سے آخر سے حركت گرگئ ۔

لِتُضْرَبَا كُوتُضُرَبَان سے لِتُضْرَبُوا كُوتُضُرَبُون سے اور لِتُضُرَبِيْ كُوتُضُرَبِيْنَ سے اسطرح بنايا كه شروع ميں لام امر كمور جازمدلگانے كى وجہ سے آخر سے نون اعرائي حذف ہوا۔

لِتُصَّرَبُنَ كُوتُ صُرِبِّنَ سے اسطر جبنایا كم شروع میں لام امر كمسور جازمدلگادیا اور بیصیغه مبنی ہے آمیں كوئى تبدیلی نہیں آئی

امرحاضرمجهول مؤكد بنون تاكيد تقيله كى بناء

لِتُضْرَبَنَ كُولِتُضُرَبْ ساسطر حبناياكة خريس نون تاكيد تقيله لكاكرا سكي مقبل كو منى برفتح بنايا:

لِتُصْرَبَانَ كولِتُصَرِّبًا ساسطر جناياكة خرين نون تاكيد تقيله لكاديا اورنون تقيله كانون تثنيه كيساته مشابه وني كي وجها الماسكوكسره ديا-

لِتُضَرِّبُنَ کولِنَصْرَبُونَ سے اسطر نایا کہ آخر میں نون تاکید تقیلہ لگادیا تولیت صُنر بُون کی بالتقائے ساکنین ہوا واواور نون کے درمیان پہلاساکن مدہ ہے اس کو حذف کیا اور ضمہ کو باقی رکھا تاکہ واؤکے حذف ہونے پر دلالت کریں لِتُضْرَبِنَ کولِیتُضَرِیدِی سے اسطر ح بنایا کہ آخر میں نون تاکید تقیلہ لگادیا تولید تخصُر بیدی بن گیا ، التقائے ساکنین ہوا یا واور نون کے درمیان پہلاساکن مدہ ہے اس کو حذف کیا اور کسرہ باقی رکھا تاکہ یا و کے حذف ہونے پر دلالت کریں لِتُضَمِّرَبَانِ کولِیتُضَمِّر بَاسے بنایا جسکی بنا واو پر فدکور ہے۔

لِتُصْرَبْنَاتِ کولِلْتُضُرَبُنَ سے اسطرح بنایا کہ آخر میں نون تاکیر تقیلہ لگادیا تو لِلَّهُ خُسَرَبُنَیَّ بن گیا، اب تین نونات ایک ساتھ جمع ہوئے اور تین نونات کا ایک ساتھ جمع ہونا کلام عرب میں مناسب نہیں ہے تو اِحْسے بِیُسنَاتِی والا قانون کے مطابق درمیان میں الف فاصله لگادیا اورنون تثنیه کیساتھ مشابہ ونے کی بناء پرنون تقیلہ کو کسرہ دیا۔

امرحاضر مجهول مؤكد بنون تاكيد خفيفه كي بناء

لِتُصْرَبَنُ كُولِتُضُرَبُ سے اس طرح بنایا كة خریم نون تاكید خفیفه لگا كراس كے اقبل كو مبنی برفتے بنادیا۔
لِتُصُرَبُنُ كُولِیتُضُر بُوْ اسے اس طرح بنایا كة خریم نون تاكید خفیفه لگادیا تولیتُضُر بُوْنُ بن گیا، التقائے ساكنین بواداؤادرنون كے درمیان، پہلاساكن مدہ ہے اسكومذف كیا اورضم كوباقی رکھا تاكہ واؤكے مذف بونے پردلالت كریں۔
لِتُضَرِینُ كُولِیتُضُر بِیْ سے اسطرح بنایا كة خریم نون تاكید خفیفه لگادیا تولیت شریبی بی گیا، التقائے ساكنین بوا یا دورنون كورمیان پہلاساكن مدہ ہے اس كومذف كیا اوركسرہ كوباقی ركھا تاكه یاء كے حذف بونے پردلالت كریں۔

امرغا ئب معلوم كى بناء

فائدہ ۔امرغائب مضارع کے غائب اور شکلم کے صیغوں سے بنتا ہے اس طرح کہ شروع میں لام امر جازمہ کمسور لگا دیا جاتا ہے جس کی وجہ سے آخر مجزوم ہوجاتا ہے یہاں جزم کی علامت چارصیغوں کے آخر سے حرکت کا گرنا ہے اور تین صیغوں کے آخر سے نون اعرابی کا گرنا ہے اورا یک صیغی ہی ہے انہیں کوئی تبدیلی نہیں آتی

لام امر کاعمل: ـ لام امر کا لفظی عمل آخرکو جزم دینا ہے۔

معنوی عمل: معنوی عمل بیہ کے مضارع میں طلب کامعنی پیدا کرتا ہے اور اس کوز مانی ستقبل کیسا تھ خاص کردیتا ہے بناء یول ہوگی

لِيَضْرِبُ كويَضْرِبِ سے لِتَضُوبُ وَتَضُوبُ عَالِاَضُوبِ اَضُوبِ اَضُوبِ مَاور لِينَضُوبِ اَو نَضُوبِ اَلْعَ سے اسطرح بنایا کہ تروع میں لام امرجازمہ کمودلگانے کی جہسے آخرے حرکت گرگی۔

لِيَضْرِبَا كُويَضْرِبَان سے لِيَضُرِبُوْ الويَضْرِبُوْن سے لِتَضْرِبَا كُوتَضْرِبَا ن سے اسطرح بنايا كر شروع مل الم المرجازم كمورلگانے سے آخر ہے نون اعرائي حذف ہوا۔

لِيتَضْوِبْنَ كويضُوبْنَ ساس طرح بنايا كمشروع من الم امرجازمه كمور لكاديا، اوريصيغه منى ب، أيمس كوئى تبديلى نبيس آئى -

امرغائب معلوم مؤكد بنون تاكيد تقيله كى بناء

لِيَضْرِبَانِ كُولِيَضُرِبَا عَلِتَضُرِبَانَ كُولِتَضُرِبَا عاسطر تبنايا كَا تَرْمِينُ وَنَ الكَرْقَيلِدلاً ويااورنون تشيكياته مشابهون كي بناء يرنون تقيله كوكره ديا-

لِيَضْرِبُنَ كُولِيَضْرِبُونَ كَ السَّالَ مَن مَن اللَّهُ مَن لُون تاكيدُ تقيله لكاديا تولِيضْرِبُونَ بَن كياالقائے ساكنين ہوا واؤ اور نون كے درميان ، پہلا ساكن مدہ ہے اسكو حذف كيا اور ضمه كو باقى ركھا تاكہ واؤكے حذف ہونے پر دلالت كريں لِين خَسْرِ بُنانَ كَ مَن الله عَلَى الله عَن الله عَلَى الله عَن الله عَن الله عَلَى الله عَن الله عَن الله عَن الله عَن الله عَن الله عَن الله عَن الله عَنْ الله عَن الله عَنْ الله عَنْ الله عَنْ الله عَن الله عَلْ الله عَنْ الله عَنْ الله

امرغا ئب معلوم مؤكد بنون تا كيد خفيفه كي بناء

لِيكُسْرِبَنْ كولِيكُسْرِبُ سے لِتَصْرِبَنْ كولِتَصْرِبْ سے لِاَصْرِبَنْ كولِاَصْرِبِنْ كولاَصْرِبِنْ كولاَصْرِبُنْ كولاَصْرِبِنْ كولاَصْرِبِنْ كولاَصْرِبِنْ كولاَصْرِبِنْ كولاَصْرِبِنْ كولاَصْرِبِنْ كولاَصْرِبِنْ كولاَصْرِبِنْ كولاَصْرِبِنْ كولاَصْرِبِاللَّهِ مِنْ يُرفَحَ بناويا، الكاطر حباقي صِيغنون تقيله رِقياس كرليس

· امرغائب مجہول کی بناء

لِيُضْرَبُ لِيُصْنَرَبُ الْخُ كولِيكُ ولِيكُ لِيكُ لِيكَ لِيكُ ولِيكَ لِيكُ الْخُ (معلوم) الطرح بنايا كر ف اول كوضمه اور ماقبل آخر لعنى عين كلمه كو فتح ديا ـ اورمضارع مجهول سے بھی بن سكتا ہے

امرغائب مجهول مؤكد بنون تاكيد تقيله كى بناء الميشر بن الخير الخيد بنايا جرف اول كوضم اور ماقبل آخر كوفته وير

امرغائب مجهول مؤكد بنون تاكيد خفيفه كى بناء

لِيهُضَّرَ بَنَ لِيَعِضْرَ بَنَ الْخُ كُولِيهَضَّرِ بَنَ لِيكَضُرِ بَنْ الْحُرَّ الْحُرِّ الْحَرِّ ال

فعل نبی حاضر کی بناء

فائدہ لائے نبی کاعمل: لائے نبی کالفظی عمل جزم دیناہے، معنوی عمل داورمعنوی عمل یہ ہے کہ مضارع کو زمانہ استقبال کیساتھ خاص کرنااوراس میں ترک طلب کامعنی بیدا کرنا۔

نعل نہی حاضر ،مضارع کے حاضر کے صیغوں سے اس طرح بنتا ہے کہ شروع میں لائے نہی جازمہ لگا دیا جاتا ہے جسکی وجہ سے آخر مجروم ہوجاتا ہے یہاں جزم کی علامت ایک صیغہ کے آخر سے حرکت کا گرنا ہے اور حپار صیغوں کے آخر سے نون اعرابی کا حذف ہونا ہے اورا کی صیغہ بی ہے اسمیں کوئی تبدیلی نہیں آتی۔

فعل نهى حاضر معلوم بلاتا كيدكى بناء

لاً تَضْبِرِبُ كُو تَضْبِرِ بِ مِن الطرح بنايا كمثروع مين لائني جازمدلگانے كى وجه ا خرے حركت كرگئ ـ لاَ تَضْبُرِ بَا كُو تَصْبُرِ بَانِ سے اس طرح بنايا كمثروع مين لائے نبى جازمدلگانے كى وجه سے آخر سے نون اعرا بي حذف ہوا، اسطرح آخرتك ـ

فعل نهى حاضر معلوم مؤكد بنون تا كيد ثقيله كي بناء

لاَ تَضْوِبَنَ ۚ کو لاَ تَضْوِبُ سے اسطرح بنایا کہ آخر میں نون تاکید ثقیلہ لگا کراس کے ماقبل کو مبنی برفتے بنادیا۔ لا تَضْوِ بَانِ ؓ کولاَ تَضُوبَا سے اسطرح بنایا کہ آخر میں نون تاکید ثقیلہ لگادیا اور نون تثنیہ کی مشابہت کیوجہ سے نون ثقیلہ کو تحسرہ دیا۔ای طرح آخر تک امرعا ضرمعلوم مؤکد بنون تاکید ثقیلہ کے طرز پر

نی حاضر معلوم مؤکد بنون تاکید خفیفه کی بناء - لا تنصیر بنن کو لا تنصیر بن سے اسطرح بنایا که آخریس نون تاکید خفیفه لگا کراس کے ماقبل کو مبنی برفتح بنادیا،ای طرح باقی صیفے مجھ لیں۔

فعل نبى حاضر مجهول بلاتا كيد

لاً تضرب الخ كولاً تضريب الخساس طرح بنايا كرف اول كوضم اور ماقبل آخر كفحة ويار

فعل نبی حاضر مجہول مؤکد بنون تا کید ثقیلہ کی بناء

لاَ تُصْرَبَنَ لاَتَصْرَبَانِ المن كو لاَتَصْرِبَنَ لاَتَصْرِبَانِ المن عنايا، وفاول وضم اور ما قبل آخر وفق و كراوري من المراوري ال

نهى حاضر مجهول ھۇكد بنون تاكيد خفيفەكى بناء

لَاتُصْرَبَنُ لَاتُصُرَبُنُ المن كو لَاتَصْرِبَنْ لَاتَصْرِبَنْ الْمَتَصْرِبُنْ المن سے بنایا حف اول کوضم اور ماقبل آخر کوفتہ دیکر ۔ اور یہ جی جائزے کہ لَا تُصْرَبُنُ لَا تُصُرَبُنْ اَلِلَا تُصْرَبُنُ اللَّهُ اللَّهُ مِنْ اللَّهِ مِنَا مَيْ معلوم كَ طرز پر۔

فعل نهی غائب بلاتا کیدمعلوم کی بناء

فائدہ: فعل نبی غائب مضارع کے غائب اور منظم کے صینوں سے اسطرح بنتا ہے کہ شروع میں لائے نبی جازمہ لگا دیا جاتا ہے جس کی وجہ ہے آخر مجزوم ہو جاتا ہے یہاں جزم کی علامت جارصیغوں کے آخر سے حرکت کا گرنا ہے اور تین صیغوں کے آخر ہے نون اعرابی کا گرنا ہے اور ایک صیغین ہے ، آئیس کوئی تبدیلی نہیں آتی۔

بناءا سطرح ہوگی کہ لایک سُرب کو یک سُرب سے لا تصنیب کو تک سُرب کو تک سے لا اُکٹیوب کو اکٹیوب سے اور لانکٹیوب کو نکٹیوب کے اس طرح بنایا کہ شروع میں لائے نمی جازم دلگانے کی جہ سے آخری حرکت گرگئ ۔ لایکٹیوبا کو یکٹیوبکان سے لایکٹیوبو اکویکٹیوبوئن سے لا تکٹیوبا کو تکٹیوبکان سے اسطرح بنایا کہ شروع میں لائے نہی جازم دلگانے کی جہ سے آخر کا نون اعرائی حذف ہوا۔

لاً يَضْدِبْنَ كُويَضْدِبْنَ سے بنايا شروع ميں لا ناهيه لگاكر، اور مبني مونے كوجه سے اس صيغه ميں كوئى لفظى تبديلى نكى آئى

فعل نهى غائب معلوم مؤكد بنون تاكيد ثقيله كى بناء

لاَیکَشْرِبُنَ کو لاَیکَشْرِبُ ہے لاَتُضْرِبَنَ کُولاَتَضْرِبُ ہے لَااَصْرِبُنَ کُولاَاَضُرِبُ ہے لاَنکُمْرِبُن لاَنسَضْرِبُ ہے اسطرح بنایا کہ آخریمی نون تاکید تقیلہ لگا کراسکے ماقبل کو جنی برفتے بنادیا۔ ای طرح باقی صیغ بھے لیجئے امر غائب معلوم مؤکد بنون تاکید ثقیلہ کے طرز پر۔

فعلنهى غائب معلوم مؤكد بنون تاكيد خفيفه كي بناء

لَّايتَضْسِرِبَنُ كُولاً يَضْسِرِبُ عَلَا تَضْسِرِبَنْ كُولاً تَضْسِرِبُ عَ لَااَضُسِرِبَنْ كُولاً اَضُسِرِبُ عادر لَانَضْرِبَنْ كُولاً نَضُرِبِ عَاسَ طرح بنايا كَدَّ خَرِي نُون تاكيد خفيفه لكاكراس كَما قبل كو بنى برفته بناديا-اور لاَ يَضْرِبُنُ كُولاَ يَضْرِبُواْ سَاسِطرح بنايا كَدَّ خَرِي نُون تاكيد خفيفه لكاديا تو لاَيَضُرِبُونُ بن كيا-التقاسَ سائنین ہواواؤاورنون کے درمیان پہلاسا کن مدہ ہےاسکوحذف کیااورضمہ باقی رکھا تا کہواؤمحذوفہ پردلالت کرے۔ فعل نہی غائب مجہول بلاتا کید کی بناء

لاً يُضْرَبُ كو لاَيضُرِبُ علايضُرَبَا كولاَيضُرِبَا علاَيضُربَا علاَيضُرَبُوْاكو لاَ يَضُرِبُوْاع لاَ تُضُرَبُ لاَتُضُرَبَا لاَيُضُرَبُنَ المنح كو لاَتَضُرِبُ لاَ تَضُرِبَا المن عاس طرح بنايا كرف اول كوضم اور ما قبل آخر كوفته ديا ، اى طرح آخرتك

فعل نهى غائب مجهول مؤكد بنون تاكيد ثقيله كى بناء

لاَ يُضَرِّبَنَ ، لاَ يُضُرِّبَانِ ، لاَ يُضُرِّبُنَ ، الن كو لاَ يَضُرِبَنَ لاَ يَضُرِبَانِ الن سَاسِ الله كرف اول كوخم اور ماقبل آخر كوفته ديا ـ اوريكى درست بكلاً يُضُرِّبَنَ لاَ يُضُرِّبَانِ الن كو لاَ يُضُرَّبُ لاَ يُضُرِّبُ الله الله عن معلوم كرزير ـ الله عن معلوم كرزير ـ

فعل نهى غائب مجهول مؤكد بنون تاكيد خفيفه كي بناء

لاً يضربن لايضربن لايضربن النح كولايضربن لا يضربن لا تضربن لاتضربن النح ساسطرح بناياكه حف اول كوشمه اورما قبل آخر كوفته ديا اوريكى جائز ہے كه لايضربن كولا يضرب سے لايضربن كولايضربوا سے لا تضربن كولا تضرب سے لا اُضربن كولا اُضرب سے اور لائضربن كولا نُضرب سے بنادے معلوم كے طرزير۔

قانون نظرف مجموز ، اجوف ، كه مضارع او بروزن يَهِ فَي عِلَى باشد ومثال مطلقا بروزن مَهُ فِي فَي الله ومثال مطلقا بروزن مَهُ فِي فَي آيد و وَجِي مهموز ، اجوف كه مضارع او بروزن غير كه في وناقص ، لفيف ، مضاعف ، مطلقا بروزن مَهُ في حَلَى مَه يدو ما سوائے ايثال شاذ است واز غير ثلاثى مجر د بروزن اسم مفعول آل باب مي آيد و جو بأ

قانون نمبر ۱۵: _اسم ظرف والا قانون اس قانون کی کل تین صورتیں ہیں دو ثلاثی مجرد کی اورایک غیر ثلاثی مجرد کی (۱) پہلی صورت سے ہے: ۔ کہ ال فی مجرد سے اسم ظرف کو مک فی میں مثال ہوا ورعین کلہ پرکوئی بھی حرکت ہو اقسام میں مثال ہوا ورعین کلہ پرکوئی بھی حرکت ہو سے اسم میں مثال ہوا ورعین کلہ پرکوئی بھی حرکت ہو سے کہ مثال جسے یکٹوئیو سے مکٹوئیو اور اجوف کی مثال جسے یکٹوئیو سے مکٹوئیو سے م

(س) تیسری صورت میہ ہے۔ کہ غیر ثلاثی مجرد سے اسم ظرف کواسی باب کے اسم مفعول کے وزن پر پڑھنا واجب ہے جیسے یکٹر م^وسے مٹکر م⁶اور یصر بڑف سے مصر کھنے

فائدہ:۔ بقول صاحب علم الصیغہ: مضاعف کا اسم ظرف صحیح مہموز اوراجوف کی طرح استعال ہوتا ہے بعنی مضارع مکسور العین ہوتو مَفْعِیل کے وزن پر آتا ہےاورغیر کمسورالعین ہوتو مَفْعَیٰ کے وزن پر۔

فائدہ نمبر ۲ یہ می اسم ظرف مُسفَّعُلَة کے وزن پھی آتا ہے جیسے مُسکُحُلَة (سرمدد النے کی جگدینی سرمددانی) اور بھی مَفْعَلَة کے وزن پر بھی آتا ہے جیسے مُقْبَرَة (بہت ی قبروں کی جگد)

اعتراض : يستجد ، يكشّر ف ، اور يَغُر ب منت اقسام من مح ، اورغير كسورالعين مضارع بـ لهذا قانون كمطابق انكاسم ظرف مَنفَعَل كورُن برآنا چابيئ ، كيكن ان كاسم ظرف قو مَنفَعِل كوزن برآتا بجيد مستجد ، منشرِق مَنفُوب كيدول؟ مَغُوب كيديول؟

جواب: _ بيمثاليس شاذ بين اى كئے مصنف منے فرمايا "وماسوائے ايشان شاذ است" _

سوال: شاذ کے کہتے ہیں؟

جواب: _ جومثالیں قاعدہ اور قانون یاعام استعال کے خلاف ہوں اکوشاذ کہتے ہیں

شاذ کی تین قشمیں ہیں نمبرا: شاذاحس، نمبرا: شاذحس، نمبرات شاوقتیج

نمبر(۱) شاذ احسن ۔وہ ہوتا ہے جوقانون کے مخالف ہولیکن عام استعال کے موافق ہوجیے مکشیجے گئ ، مَشْرِق اور مَسِغُسِرِ بِ عُسَرِ بِ کُرِقانون کے مطابق ان سب میں عین کلمہ مفتوح ہونا جا بیئے الیکن یہاں مکسور ہے لھذا بیقانون اور قیاس کے تو مخالف ہیں لیکن عام استعال کے موافق ہیں

نمبر (۲) شاذحسن ۔ شاذحسن وہ ہوتا ہے جوقانون کے مطابق ہولیکن عام استعال کے خلاف ہو جیسے مستسبع کے ، مَشْرَقُ اور مَغْرَبُ الكاعام استعال بكسر العين ہے

نمبر (س) شافتیج: مینادفتیج وه ہوتا ہے جوقانون اور عام استعال دونوں کے خلاف ہوجیسے میں سیسے سی میں میں میں میں مینی میں استعال بکسر العین ہے اور قانون کے مطابق ان میں عین کلمہ مفتوح ہونا چاہیئے ، شاذکی پہلی دونوں قسمیں مقبول میں اور تیسری قسم مردود ہے۔

اسم ظرف کی بناء

فائدہ:۔اسم ظرف مضارع معلوم سے اسطرح بنتا ہے کہ حرف اتین کوحذف کر کے اس کی جگہ میم مفتوحہ علامت اسم ظرف لگادی جاق ہے اور آخر میں تنوین کلمہ کو اسم طرف والا قانون کے مطابق حرکت دی جاتی ہے۔اور آخر میں تنوین کلمہ کو اسم جاری کر دی جاتی ہے تو بناء اسطرح ہوگی کہ منظور بنگ کو یک مفتوحہ مفتوحہ علامت اسم ظرف لگا کر آخر میں تنوین تمکن علامت اسم کو جاری کردیا۔

مَضْيرِ بَانِ کو مَضْيرِ بِ^{مِع} ہے اسطرح بنایا که آخر میں الف علامت تثنیہ اقبل کے فتحہ کیساتھ لگا دیا اورا سکے بعد نون مکسورہ مفرد کے ضمہ کے عوض یا تنوین کے عوض یا دونوں کے عوض لگا دیا۔

مَسْضَعادِ ب م کو مسَشْیرِ ب می سے اسطرح بنایا کدوسرے حرف کوفتہ دیا تیسری جگہ پرالف علامت جمع اقصی لگادیا۔ اور تنوین غیر منصرف ہونے کیوجہ سے حذف ہوگئ

مُضَيْدِ بِ كُو مُضْرِب على الطرح بنايا كررف اول كوخمدا وردوس كوفته ديكرتيسرى جكه بريائ ساكنه علامت تفغير

لگادي

اسم آله کی بناء

فائدہ:۔اسم آلہ مضارع معلوم سے اسطرح بنتا ہے کہ حرف اتین کو حذف کر کے اس کی جگہ میم مکسورہ علامت اسم آلہ لگادی جاتی ہے اور عین کلمہ کوفتہ دیا جاتا ہے اگر پہلے سے فتحہ نہ ہو۔اور آخر میں تنوین تمکن علامت اسم جاری کر دی جاتی ہے اور اسم آلہ وسطی بناتے وقت آخر میں تائے متحرکہ ماقبل کے فتحہ کیساتھ لگادی جاتی ہے۔اور کلمہ کے آخر میں واقع ہونے کی وجہ سے اس تاء پراعرب جاری کردیا جاتا ہے اور اسم آلہ کبری بناتے وقت چوتھی جگہ پرالف لایا جاتا ہے۔

پس اسم آلہ صغری کی بناء اسطرح ہوگی کہ مصنو بھی کو یک میں بیٹ سے اس طرح بنایا کہ حرف اتین کی جگہ میم مکسور علامت اسم آلہ لگا کر عین کلمہ کوفتہ دیا اور آخر پر تنوین تمکن جاری کر دیامیں مصنور کے سے اس طرح بنایا کہ آخر میں الف علامت تثنیہ ماقبل کے فتح کیساتھ لگا دیا اور اس کے بعد نون کمسور و مفرد کے ضمہ یا تنوین یا دونوں کے وض لگا دیا۔

متضارب کو منظر ب سندر ب سے اسطرح بنایا کہ پہلے دونوں حرفوں کوفتہ دیا تیسری جگہ پرالف علامت جمع اقصی لگادیا، اسکے بعد مفردمکبر میں دوحرف باتی تھے پہلے کوکسرہ دیا اور تنوین غیر منصرف ہونے کیوجہ سے حذف ہوگئ۔

مُتَصَدِّرِ بِ کو مِتْ سَرِ بِ سَاسِ بنایا که حرف اول کوخمه اور دوس کوفته دیکرتیسری جگه پریاء ساکنه علامت تفغیرلگا دی اس کے بعد مفرد مکمر میں دوحرف باقی تھے پہلے کو کسرہ دیا اور دوسرے پراعراب جاری کردیا۔

اسم آلدوسطی کی بناء

مضّر بقائم کو یضیر ب سے اسطرح بنایا کہ حرف اتین کو حذف کر کے اس کی جگہ یم مکسورہ علامت اسم آلدلگا کر عین کلمہ کوفتہ دیا اور آخر میں تائے متحرکہ علامت اسم آلہ وسطی ماقبل کے فتح کیساتھ لگا کر کلمہ کے آخر میں واقع ہونے کیوجہ سے اس پراعراب جاری کیا

مِصْنَدَ بَنَانِ کو مِصْدَرَبَة ﷺ سےاسطرح بنایا کہ آخر میں الف تثنیہ ماقبل کے فتہ کیساتھ لگادیا، اس کے بعدنون مکسورہ کومفرد کے ضمہ یا تنوین ، یادونوں کے عوض لگادیا۔

متضارب کو مضر بنه سے اسطرح بنایا کہ پہلے دونوں حرفوں کوفتہ دیکر تیسری جگہ پرالف جمع اقصی لگادیا اور تائے واحدہ کوحذف کیا اس کے بعد مفرد مکمر میں دوحرف باقی سے پہلے کو کسرہ دیا اور تنوین غیر مصرف ہونے کیوجہ سے حذف ہوگئ۔ مُضَدِيْرِ بَنَّ كُومِضْنَرَ بَنَّ الطرح بنايا كدرف اول كوخمه اوردوسر كوفته ديا تيسرى جگه پريائے ساكنه علامت تصغيرنگا دى اس كے بعد مفرد مكبر ميں تين حرف باقی تھے پہلے كوكسره ديا اور تائے مدوره كا ما قبل حسب سابق مفتوح رہنے ديا اسم آله كيم كى بناء

میت و ایک کو یک میر ب سے اسطر ح بنایا کر وف اتین کوحذف کرے اس کی جگدیم مکسورہ علامت اسم آلدلگا کر مین کلمہ کو فتحہ دیا اور چوتھی جگد پر الف اسم آلد کبری لگا کرآخر پر تنوین تمکن علامت اسم کوجاری کردیا۔

مِضْرَ ابَانِ كو مِضْرَ ابِ عَينايامِضْرَبَانِ كَاطرح.

مَسْضَدارِ یَبْجُ کومِسْشَوَ ایک سے اسطر آبنایا کہ پہلے دونوں حرفوں کوفتہ دیا تیسری جگہ پرالف جمع اقصی لگا دیااس کے بعد مفر دمنبر میں تین حرف باقی تھے پہلے کو کسرہ دیا اور الف کا ماقبل مکسور ہونے کیوجہ سے اس کویاء سے تبدیل کیا اور تنوین غیر منصرف ہونے کیوجہ سے حذف ہوئی۔

مصنی یک کو مصنی ایک سے اس طرح بنایا کہ حرف اول کو ضمہ اور دوسرے کوفتہ دیکر تیسری جگہ پریائے ساکن علامت تصفیر لگادی اس کے بعد مفرد ملم میں تین حرف باقی تھے پہلے کو کسرہ دیا اور الف ماقبل مکسور ہونے کیوجہ سے یا ، سے بدل گیا،

جنبید - اسم آلدی بنا ، اسطرح بھی بوعتی ہے کہ اسم آلد صغری کوتو مضارع معلوم سے بنایا جائے اور اسم آلدوسطی اور کہری کواسم آلد مذی سے بنایا جائے (کسمت فی قبل اُلہ محصد یف) اور بقول صاحب عم الصیغہ میضئر ایک اسم آلداصل ہے اور میضئر بھی میضئر بھی اس سے بنتے ہیں میضئر بھی تو اسطرح کہ میضئر ایک سے الف کوحذف کر دیا جائے اور میضئر بھی اسطرح کہ میضئر ایک سے الف کوحذف کرک آخر میں تا متح کہ ماتبل مفتوح کا اضافہ کر دیا جائے۔

صاحب ارثاد السرف في تقريباً الماكه ميضتر بك ميضتربت ان الخاسم آله عنرى كالردان باور ميضتر بكا ميضتر بكا ميضتر بكا المائم المائم المعنى المعنى المائم المائم المعنى
استم تفضيل مذكركي بناء

اکشٹر ب کو یکشیر ب سے اسطرح بنایا کہ حرف اتین کوحذف کر کے اس کی جگہ ہمزہ مفتوحہ علامت اسم تفضیل مذکر لگادیا۔ عین کلمہ کوفتہ دیااور آخر میں تنوین تمکن علامت اسم غیر منصرف ہونے کیوجہ سے مقدر ہوگئ

اَصْسَرَ بَانِ کو اَصْسَرَ بُ سسے اسطرح بنایا کہ آخر میں الف شنیہ ماقبل کے فتہ کیساتھ لگادیا اس کے بعدنون مکسورہ مفرد کے ضمہ کے بدلہ یا تنوین مقدرہ یا دونوں کے عوض لگادیا۔

اصربون كواصرب عنايضاربون كيطرح

اَصَدَادِ بُ کو اَصَدَ بِصِی اس طرح بنایا کدوس حرف کوفته دیکرتیسری جگه برالف جمع اقصی لگادیا سکے بعد مفرد مکبر میں دوحرف باقی تھے پہلے کو کسر ددیا اور تنوین غیر منصرف ہونے کی وجہ سے مقدر رہی

اصدیرِب کو اَصدرِب سے اسطرح بنایا کہ حرف اول کو ضمہ، دوسرے کوفتہ دیکر تیسری جگہ پریائے ساکنہ علامت تصغیرلگادی اس کے بعد مفردمکم میں دوحرف باتی تھے پہلے کو کسرہ دیا اور تنوین مقدرہ ظاہر ہوگئ کیونکہ یے کلمہ غیر منصر ف نہیں منصر ف ہے۔

استمفضيل مؤنث كى بناء

ضُدُر بلی کو آضُور ب سے اسطرح بنایا کہ شروع سے ہمزہ مفتو حد کوحذف کرے قاع کم کہ کو ضمہ دیکر عین کلمہ کوساکن کر دیا آخر میں الف مقصورہ علامت اسم تفضیل حوزث ماقبل کے فتح کیساتھ لگا دیا اور تنوین غیر منصرف ہونے کی وجہ سے مقدر رہی حُسْرُ بکیاین کو حُسْرُ بہای سے اسطرح بنایا کہ الف مقصورہ کو یائے مفتو حہ سے تبدیل کیا اس کے بعد الف تثنیدلگا دیا آخر میں نون مکسورہ مفرد کے ضمہ مقدرہ یا تنوین مقدرہ یا دونوں کے عوض میں لے آئے

ضُرِّ بَیانَ کو حُسْر بنی سے اسطرح بنایا کہ القب مقصورہ کو یائے مفتو حہے تبدیل کیااس کے بعد القب اور آنا علامت جمع مؤنث سالم لگادی ، کلمہ کے آخر میں واقع ہونے کیوجہ سے تاء پراعراب جاری کردیا اور تنوین مقدرہ ظاہر ہوگئ حسر بٹ کو حسر بہا ہے اس طرح بنایا کمین کلمہ کوفتہ دیا اور آخر سے الف مقصورہ کوحذف کر کے لام کلمہ پراعراب جاری کیا اور تنوین غیر منصرف ہونے کیوجہ سے مقدر رہی کیونکہ اس صیغہ میں ایک سبب عد آل ہے اور ایک وصف۔ بعض حضرات اس صیغہ کوتنوین کے ساتھ (منصرف) پڑھتے ہیں لیکن صحح یہ ہے کہ یہ غیر منصرف ہے صنر یدلی کو صنر بلی سے اسطرح بنایا کدوسرے حرف کوفتہ دیکر تیسری جگہ یائے ساکنه علامت تفغیرنگادی۔ آخر میں الف مقصورہ ہونے کی وجہ سے اسکاما قبل حسب سابق مفتوح رہنے دیا

قانون ـ برالف كهركت ماقبلش مخالفش شود، آل را بوفق حركت ماقبل بحرف علت بدل كنندوجو با

قانون نمبر ۱۸: مضاريب اورضورب والا قانون

اس کا خلاصہ یہ ہے کہ جب الف ماقبل مضموم ہوجائے تو اس کو داؤ سے تبدیل کرنا داجب ہے اور جب الف ماقبل کمسور ہوجائے تو اس کو یاء سے تبدیل کرنا داجب ہے۔

اور خیسٹور ب جواصل میں خیسار کب تھا ماضی مجہول بناتے وقت جب حرف اول کوضمہ دیا تو الف ماقبل مضموم ہوالھذا اس قانون سے اسکوواو سے تبدیل کیا۔ احتر ازی مثال :۔ خیسار کب آسمیس الف ماقبل مفتوح ہے

قانون سے پہلے چندفائدے

فائدہ نمبر(۱) الف مقصورہ کی تعریف :۔ وہ الف لازمہ، جواہم میں دوسری جگہ سے زائد پر واقع ہو،اوراس کے بعد ہمزہ نہ ہو،اصلی ہویازائد جیسے اللی (جب بیک کانام ہو)ای طرح چیٹسلی وغیرہ ۔

الف لازمه كہنے سے تحليشماً ، كاالف نكل كيا كه بدلاز منہيں ہے عارضى ہے، وقف كى وجہ سے بيدا ہوا ہے۔

اسم كى قىدلگا كرر ملى اور إستندعلى كالف نكال دياكه بيافعال بين ـ

دوسری جگہ سے زائد پر واقع ہونے کی قید سے ماکا الف خارج ہوا کہ بید دوسری جگہ پر ہے اور اس کے بعد ہمزہ نہ ہونے کی قید سے حَمْرٌ الْجَسِی مثالوں کا الف خارج ہوا کہ اس کے بعد ہمزہ ہے

الف مقصوره کی جا رقشمیں ہیں

(۱)اصلی(۲) تانیش (۳)مبدل (۴)الحاقی

نمبر(۱)الف مقصورہ اصلی وہ ہوتا ہے جولام کلمہ کے مقابلہ میں ہوادر کسی سے تبدیل شدہ نہ ہوجیسے اِلملی (جب پیلم ہو) نمبر(۲)الف مقصورہ تانیثی وہ ہوتا ہے ۔ جوتا نیٹ کی علامت ہوجیسے خشر دہلی۔

نمبر (٣) الف مقصوره مبدل وه ہوتا ہے: -جوداؤیایاء سے تبدیل شده ہوجیے عصّب جواصل میں عصَدوُقا عَصَامِی الفَ وَاوَسے مبدل ہے اور فَدی جواصل میں فدّی تھا آئیں الف یاء سے مبدل ہے۔

تنبید - اسم غیر متمکن کے آخر میں جوالف ہوتا ہے اسکواز روئے اصطلاح الف مدودہ یا الف مقصورہ نہیں کہتے کیونکہ اصطلاحا اسم معروداوراتم مقصور اسم متمکن کی تشمیں ہیں لھذا ہے کہنا درست نہیں ہے کہ اِذا اسم مقصور ہے کہ اس کے آخر میں الف مقصورہ ہے اور حقو لا یہ اسم معرود ہے کہ اسکے آخر میں الف معرودہ ہے کیونکہ بیدونوں اسم غیر متمکن ہیں ان کے آخر میں جوالف ہے یہ الف مقصورہ اور معرودہ وہ نہیں ہے بلکہ محض الف ہے الف مقصورہ اور معرودہ وہ نہیں ہے بلکہ محض الف ہے

نمبر (سم) الف مقصور ہ الحاقی وہ ہوتا ہے۔ جو کسی چھوٹے کلمہ کو بڑے کلمہ کے ہم وزن بنانے کیلئے بڑھادیا گیا ہوجیے اَرْ طَلٰی جواصل میں اَرْ طَفْحاجَ عْفَرہ کے ہم وزن بنانے کیلئے انمیں الف مقصورہ کا اضافہ کیا گیا۔

فائدہ نمبر (۲) الف ممدودہ کی تعریف ۔ وہ الف زائدہ جواسم کے آخر میں واقع ہواوراس کے بعد ہمزہ ہوخواہ وہ ہمزہ زائد ہویا اصلی جیسے حَسْر اَجْ سمیں ہمزہ زائد ہے اور رِ دَاء میں ہمزہ اصلی ہے۔

الف مروده كى تعريف ميں زائد كى قيدلگاكر جَسَاءَ اور شَساءَ اور صَاء جَسِيالفاظ كاالف خارج كميا كدان ميں الف زائد نہيں اصلى ہے اور جَاءَ ، شَمَاءَ ، تو اساء بھى نہيں ہيں بلكه افعال بيں جبكه الف مروده اسم كى علامت ہے۔

فا کدہ: الف ممدودہ اصل میں دوالف تھےدوسرے کوہمزہ سے تبدیل کیااب احکام کے اعتبار سے فی الحقیقة الف ممدودہ یہی ہمزہ ہے جو الف کے بعد ہوتا ہے ردو بدل وغیرہ کے احکام اسی ہمزہ پر جاری ہوتے ہیں اس ہمزہ کوالف کہنا ماکان لینی اصل کے اعتبار سے ہے (جیسا کدا گلے قانون میں آرہا ہے) جب ہم کہتے ہیں کدالف ممدودہ کوواؤ سے تبدیل کر ناواجب ہے اسل کے اعتبار سے ہوزہ اردکھنا واجب ہے تو یہاں الف ممدودہ سے مرادالف ممدودہ کا ہمزہ ہوتا ہے ور ندالف تو برقرار ہی رہتا ہے کسی سے نہیں بدلتا چونکہ آمیں آواز کی درازی ماقبل کے الف سے پیدا ہوتی ہے اس لحاظ سے اس ماقبل والا الف کوالف ممدودہ ہے ہیں اور بعض علماء فرماتے ہیں کدالف اور ہمزہ دونوں کا مجموع الف ممدودہ ہے۔

الف مروده كى بھى جا تشميں ہيں

(۱)اصلی(۲) تا نیٹی (۳) مبدل (۴) الحاقی۔انگی تعریفات بھی وہی ہیں، جوالف مقصورہ کی چارقسموں کی ہیں۔ (۱)اصلی جیسے قُریاً آگر ۲)الف ممدودہ تا نیٹی جیسے کے شرکا آڈس)الف ممدودہ مبدل جیسے کیسما ججو جواصل میں کیسماؤ تھا اور رِ دَاء بجواصل میں رِ دَائ تھا (۴)الف ممدودہ الحاقی جیسے عِلْبَاء کیاصل میں عِلْبُ تھا قِرْطَاس کے ہم وزن بنانے کیلئے انمیں الف ممدودہ کا اضافہ کیا گیا۔

فائده نمبر (٣) اماله كي تعريف

لغوى معنى: مأل كرنا، جھانا، اصطلاح تعریف : قراءی اصطلاح میں امالہ کہتے ہیں بغتہ كوكر و كی طرف اور ما بعد كالف كوياءى طرف ماكل كر كاس طرح پڑھنا كہ نہ تو فتہ خالص فتہ اور الف خالص الف ہى رہاور نہ بى فتہ بالكل كر واور الف خالص ياء بن جائے بلکہ فتہ اور كر و كى ، اور الف و ياءى در ميانى حالت ہو جھے متہ جہر ھئا يا اسكى راءكواسطرح پڑھيں گے جسطرح اردو ميں ستارے، اور سويے ، كى راء، اوا كجاتى ہے يعنى مَجْرِيْها ميں خالص فتہ اور خالص الف نہيں پڑھا جائے گا جسطرح اردو ميں ستارے، اور سويے ، كى راء، اوا كجاتى ہے يعنى مَجْرِيْها) بلكہ فتہ كوكر و كيطرف اور الف كوياء كى جسلے مَجْرَاها) اور نہ خالص كر واور خالص ياء پڑھى جائے گی (جھے مَجْرِیْها) بلكہ فتہ كوكر و كيطرف اور الف كوياء كی طرف ماكل كر كے پڑھا جائے گا جھے قطرے ، سويرے ، وغير ہى كى راء، تھے اور كيا ماہم قارى قرآن سے سنے اور تي جھنے پر موقوف ہے امالہ فتل اور اسم شمكن كے ساتھ خاص ہے حرف ميں اور اسم غير شمكن ميں عام طور پر امالہ نہيں ہوتا ، سوائے چند كلمات كے جھے امالہ فتل اور اسم شمكن كے ساتھ خاص ہے حرف ميں اور اسم غير شمكن ميں عام طور پر امالہ نہيں ہوتا ہوائے چند كلمات كے جھے ادر يَا دار خون بيں كين ان ميں امالہ ہوتا ہے اور بَالنى، مَا، لاً اور اسم نمالہ کی منالہ ہوتا ہے اور بَالى ، مَا، لاً اور اسم نمالہ کی منالہ کی منال

منبید - روایت حفص عجسکے موافق ہم لوگ قرآن مجید پڑھتے ہیں جو تمام روایات اور قراتوں میں سے سب سے زیادہ مشہور ہے ہے اور ساری دنیا میں زیادہ تر یبی روایت پڑھی اور پڑھائی جاتی ہے اس روایت حفص ؒ کے مطابق تمام قرآن مجید میں صرف ایک لفظ (مَسَجْسَرِهِسَا) میں امالہ ہے اس کے علاوہ کہیں بھی امالہٰ ہیں ہے، جبکہ دوسری روایات اور قراآت میں امالہ بکثرت پایاجاتا ہے قانون به برالف مقصوره سیوم جابدل از واؤ ، پااصلی که اماله کرده نشود ، وقت بناء کردن تثنیه وجمع سالم آل را بواو سالم آل را بوادمفتوحه بدل کنند وجو با وغیرش را بیاء به ومدوده اصلی را ثابت دارند و تا نیثی را بواو بدل کنند و جو با در غیرایشال هر د و وجه خواندن جائز است

قانون نمبر ١٩: _الف مقصوره اورالف ممروده والاقانون

اس قانون کی کل پانچ صورتیں ہیں دوصورتیں الف مقصورہ کیلئے اور تین صورتیں الف ممرودہ کیلئے ہیں

(۱) پہلی صورت بیہ کہ جب الف مقصورہ مفرد میں تیسری جگہ پرواقع ہواور واوے تبدیل شدہ ہویا الف مقصورہ اصلی ہو کرمفرد میں تیسری جگہ پرواقع ہواوراس میں امالہ جائز نہ ہو۔

تو ان دونوں حالتوں میں الف مقصورہ کو تثنیہ اور جمع مؤنث سالم بناتے وقت واومفتوحہ سے تبدیل کرنا واجب ہے، جیسے عصا سے عصا سے اللہ عصا سے اللہ عصا سے اللہ عصا میں الف مقصورہ تیسری جگہ پر ہے اور واوسے مبدل ہے) اور اللہ سے المو ان اور اللو التی اللہ میں الف مقصورہ اصلی ہو کرتیسری جگہ پر واقع ہے اور آسیس امالہ جائز نہیں ہے) احرّ ازی مثال جیسے فَدًا ہے سیس الف مقصورہ فدکورہ دونوں حالتوں میں سے کسی حالت میں نہیں۔

(۲) دوسری صورت بیہ بے کہ جب الف مقصورہ ندکورہ دونوں حالتوں میں نہ ہو (یعنی یا تو تیسری جگہ سے زا کد پر واقع ہو، یا تیسری جگہ پر ہولیکن یا ہو بیا اصلی ہولیکن آسمیں امالہ جائز ہو) توا پے الف مقصورہ کو تثنیہ اور جع مؤنٹ سالم بناتے وقت یائے مفتوحہ سے تبدیل کرناوا جب جیسے ضربی سے ضربی سے ضربیان اور ضربیات آسمیں الف مقصورہ تیسری جگہ پر واقع ہے کیکن واو سے مبدل نہیں جگہ سے زاکد پر ہے اور فقتی سے فتی آن اور بسکیات جبکہ علم ہو) آسمیں الف مقصورہ تیسری جگہ پر ہے اور اصلی ہے بلکہ یاء سے مبدل ہے اور بسکی سے بسکیان اور بسکیات جبکہ علم ہو) آسمیں الف مقصورہ تیسری جگہ پر ہے اور اصلی ہے لیکن آسمیں امالہ جائز ہے۔

(۳) تیسری صورت میہ بے کہ الف محدودہ اصلّی کو تثنیہ اور جمع موئٹ سالم بناتے وقت اپنے حال پر برقر ارد کھنا واجب ہے مریب جیے قراً ایک بھے گوڑاء کان اور قراء ات

احرّ ازی مثال۔ کِنسگانا سیس الف مرودہ اصلی نہیں ہے۔

(٣) چوتھی صورت ہے۔ کالف مدودہ تانیثی کو تثنیہ اور جمع مؤنث سالم بناتے وقت واؤمفقو حدسے تبدیل کرناواجب

بي حَمْرًاوًا عَمْرًا وَإِن اور حَمْرًا وَاتْ-

احر اني مثال عِلْمَاء أيس الف مدوده تا نيتى نبير ب

(۵) پانچویں صورت بیہ ہے ۔ کیالف ممدودہ مبدل اورالف ممدودہ الحاتی کو تثنیا ورجع مؤنث سالم بناتے وقت اپنے حال پر برقر اررکھنا بھی جائز ہےاورواؤ سے تبدیل کرنا بھی جائز ہے۔

مبل كى مثال جي كساءً عن كساءً إن اور كساءً انتاور كستاوً إن ، كستاوً انتاور دِ دَاءً عن دِ دَاءً إن ، رِ دَاءً ان ، رِ دَاوً ان مَ لَا اللهُ اور رِ دَاوَ ان ، رَ دَاوَ ان ، رَ دَاوَ ان ، رِ دَاوَ ان ، رَ وِ ان ، رَ دَاوَ ان ، رَاوِ ان ، رَاوِ ان ، رَاوِ ان ، رَاوِ ان ، رَاوَ ان ، رَاوِ ان ، رَاوِ ان ، رَاوِ ان ، رَاوَ ان ، رَاوَ ان ، رَاوَ ان ، رَاوَ ان ، رَاوِ ان ، رَاوَ ان ، رَاوَ ان ، رَاوَ ان ، رَاوَ ان ، رَاوِ ان ، رَاوَ ان ، رَاوَ ان ، رَاوَ ان ، رَاوِ ان ، رَاوِ ان ، رَاوَ ان ، رَاوَ ان ، رَاوِ ان ، رَاوِ ان ، رَاوَ ان ، رَاوَ ان ، رَاوَ ان ، رَاوَ ان ان ، رَاوَ ان ان ، رَاوِ ان ان ، رَاوِ ان ان ، رَاوِ ان ان ، رَاوِ ان ، رَاوِ ان ان ان ، رَاوْ ان ، رَاوِ ان ، رَاوْ ان ،

الحاقى كمثال بي عِلْبَاءً علْبَاء أن عِلْبَاء الله المَّاور عِلْبَاؤان ، عِلْبَاوَات ،

احر ازى مثال فراء، الميس الف مدوده ندميدل إن الحاقي

فعل تعجب کی بناء

مّا أَضْرَبُهُ كُو ضَرْباً مصدم ساسطر تبنايا كدشروع مين بمزه مفتوحه فاء كلمه كساكن بونے كيساتھ لگاديا عين كلمه كو فتد ديا، اور آخر سے تنوين تمكن علامت اسم كوحذف كركاس كو جنى برفتح بناديا، اس كے بعد شروع ميں مَسَا تَسَعَ بَخْرِيتُكُهُ أور آخر ميں ضمير منصوب لگاديا۔

آخسوب بنه کوخش به مصدر اس طرح بنایا که شروع میں به مره مفتوحه فا عکمه کے سائن ہونے کے ساتھ لگادیا عین کلمہ کوکسرہ دیا اور آخر سے توین تمکن علامت اسم کوحذف کر کے اس کوساکن کردیا ، اسکے بعد باء حرف برخمیر مجر ورسمیت آخر میں لگادیا تو ایک جنس کے دوحرف جع ہو گئے اور ان میں سے پہلاساکن ہے تو اس کو دوسر سے میں مرخم کیا۔
میں لگادیا تو ایک جنس کے دوحرف جع ہو گئے اور ان میں سے پہلاساکن ہے تو اس کو دوسر سے میں مرخم کیا۔
میں رفتہ بنا دیا۔
میں برفتہ بنا دیا۔

﴿ باب اول كى بناء تم موكى ۞ علاية تم موكي على المنتَّفَة وَ المُنتَّفِي مُعَلَى الْمَالِيَّةِ الْمُنتَّفِي الْمُنتَّفِي الْمُنتَّةِ اللَّهِ الْمُنتَّةِ الْمُنتَّةِ الْمُنتَّةِ الْمُنتَّةِ الْمُنتَّةِ اللَّهِ الللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللِّهُ اللَّهُ اللِّهُ اللَّهُ اللَّ

نَصَرَ يَنُصُرُ نَصُراً ونَصُرَة فهو نَاصِرٌ و نُصِرَ يُنُصَرُ نَصُراً ونَصُرَة فذاك مَنُصُورٌ لَمُ يَنْصُرُ لَمْ بُهُنْصَرُ لَا يَنْصُرُ لَا يُنْصَرُ لَن يَّنْصُرُ لَن يَّنْصُرَ لَن يُنْصَرَ الامر منه أُنْصُرُ لِتَنْصُرُ لِيَنْصُرُ لِيُسْصَرُوالنهى عنه لا تَنْصُرُ ، لاتُنْصَرُ ، لا يَنْصُرُ ، لا يَنْصُرُ ، لا يَنْصُرُ الظرف منه مَنْصَرُ ، والآلة منه مِنْصَرُ والمؤنث منه مِنْصَرُ والمؤنث منه نُصُرُ و مِنْصَرُ والمؤنث منه نُصُرى و فعل التعجب منه مَا انْصَرَ ، وانْصِرْ بِم ونَصْرَ

تنبیہ -باب اول کے بعد باتی تمام ابواب میں فقط صرف مغیر لکھنے پراکتفا کیا جاتا ہے کیونکہ تمام گردان باب اول کی طرح بی ہیں معمولی فرق کے ساتھ ۔طلباء کرام کو چاہیئے کہ ہر باب میں صرف صغیر سے کیرفعل تعجب تک کی تمام گردانیں وہرائیں اور صیغوں کو پیچانیں ۔

بناء میں بھی باتی ابواب پہلے باب کی طرح ہیں معمولی سافرق ہے مثلا بابدوم کا مضارع چونکہ مضموم العین ہے اور باب سوم کا ماضی کمور العین اور مضارع منتوح العین ہے باب چہارم میں ماضی اور مضارع دونوں منتوح العین ہیں باب پنجم میں دونوں مضموم العین ہیں لھذا بوقت بناء ماضی اور مضارع کے عین کلمہ کی حرکت مدنظر رکھی جائے اوراس اعتبارے صفح بنائے جا کیں مثال کے طور پریکند صفور ، انتصر ، انتصر ، انتصر ، انتصر ، کو متصر کے بنائے وقت مشروع میں حرف اتین مفتوحہ فاعلہ کے سکون کے ساتھ لگانے کے بعد۔ یہاں یہ کہا جائیگا کہ ما قبل آخر کو ضمہ دیا (کہونکہ اس باب کا مضارع مضموم العین ہے) کیسٹر ب ایک سور کے باء کی طرح یہاں یہ کہا جائیگا کہ ما قبل آخر کو کر وویا۔ باب کا مضارع مضموم العین ہے) کیسٹر بو میں میں کومذ ف کر کے فاع کو گئے کہ کوئے دیکراس کے بعدالف اسم فاعل کو یہ نہ کہا جائیگا کہ ما گئے گئے میں کہا جائیگا کہ ما گئے گئے میں کہا جائیگا کہ ما گئے کہ جد یہاں یہ کہا جائیگا کہ ما گئے کہ منظر ہوگا ہوگا کہ کوئے دیکراس کے بعدالف اسم فاعل لانے کے بعد یہاں یہ کہا جائیگا کہ ما گئے گئے میں کہا جائیگا کہ ما گئے کہ جد یہاں یہ کہا جائیگا کہ جائیگا کہ باب کہ جائیگا کہ باب کہ جائے کہ کہنے میں معروف ناوراس خلرف کی بناء میں باب اول کی بناء میں عمول سافرق ہوگا جو کہ فاج ہر ہو ایواب کی بناء دہرائی جائیس تا کہ انجی ماضی معلوم کے پہلے صغد کی بناء دہرائی جائیس تا کہ انجی ماضی معلوم کے پہلے صغد کی بنا اسطرح ہوگی کہ علیم تو کے تمام ابواب کی بناء دہرائی جائیس تا کہ انچی میں مورف نکرے اسکو جن بن فرفتے بنادیا، اس معمولی فرق کو مدنظر رکھتے ہوئے تمام ابواب کی بناء دہرائی جائیس تا کہ انجی طرح ذہرن شین ہو جائیں۔

بابسوم صرف صغيرثلاثى مجرد حجيج ازباب فعل يفعل: چون الْعِلْمُ بمتى جانا عَـلِـمَ يَـعُـلَـمُ عِـلْماً فهو عَالِمٌ و عُلِمَ يُعُلَمُ عِلْماً فذاك مَعْلُومٌ لَمُ يَعْلَمُ لَمُ يُعْلَمُ لاَ يُعْلَمُ لَن يَعْلَمُ لَن يُعْلَمَ الامر منه اعْلَمْ لِتُعْلَمْ لِيَعْلَمْ لِيُعْلَمْ والنهى عنه لا تَعْلَمْ لا تُعْلَمْ لا تُعْلَمْ لا يُعْلَمُ لا يُعْلَمُ الظرف منه مَعْلَمٌ والآلة منه مِعْلَمٌ و مِعْلَمَةٌ و مِعْلَمٌ و افعل التفضيل المذكر منه اَعْلَمُ والمؤنث منه عُلْملى و فعل التعجب منه مَا اَعْلَمَهُ واَعْلِمْ بِه و عَلْمَ فاكده: فعل حين منه مَا اَعْلَمَهُ واَعْلِمْ بِه و عَلْمَ فاكده: فعل حين منه مَا اَعْلَمَهُ واَعْلِمْ بِه و عَلْمَ فاكده: فعل حين منه مَا اَعْلَمَهُ واَعْلِمْ بِه و عَلْمَ

منبرا: فعیل حقیقی وه موتا ہے کہ کلمہ صرف تین حروف اصلی پر شتل ہواوراس کا وزن فیعیل ہوجیسے شدّید کہ اور فیخیذ (وزن میں لام کلمہ کی حرکت کا اعتبار نہیں ہوتا۔)

تمبر 7: - فَعِلَ حَكَى وہ ہوتا ہے كہ ايك كلمه كے چند حروف آپس ميں ملانے سے يادو مختلف كلموں كے حروف آپس ميں ملانے سے فعون كاوزن بن جائے خواہ وہ حروف اصلى ہول يازائد يا كچھ حروف اصلى اور پھے ذائدہ ہول جيسے يك شُتَهِرُ ميں تَهِرُ فعيل كاوزن ہے۔ فعيل كاوزن ہے۔

اگلا قانون فعام حقیقی اور حکمی دونوں میں جاری ہوتا ہے۔

قانون: - بركلم على العين كه بروزن فيل باشد، سوائ اصل درآن سه وجه خواندن جائزاند و يناني در تشبهد . تشبهد . يشهد ويشهد ودر فيخد في خدد في خدد في خدد فو خدد فواندن جائز است واگر حلق العين نباشد در فعل سوائ اصل يك وجه ودراسم سوائ اصل دو وجه خواندن جائز اند چناني در عليم . علم ودر كتف ، كتف ، كتف ، جائز است ، ودروزن فعل فعل ودر فعل وعلى فعل ودر فعل وعلى فعل ودر فعلى وعلى فعل ودر فعلى فعل ودر فعل و محمد ودروزن فعل ودر فعلى ودر فعلى ودر فعلى و محمد و در فعلى و محمد و محمد و در فعلى ودر فعلى ودر فعلى ودر فعلى و محمد و در فعلى ودر فعلى ودر فعلى و محمد و در فعلى و در فعلى و در فعلى و محمد و در فعلى و در فعلى و در فعلى و در فعلى و محمد و در فعلى و

قانون مبر٢٠ ـ عَلْمَ اور مشيهد والاياطلق العين والاقانون

اس قانون کی کل تین صورتیں ہیں

⁽۱) پہلی صورت سے ہے: ۔ کہ ہروہ کلمہ جو ف عین حے وزن پر ہواور طلق العین ہو،خواہ اسم ہو یافعل ،فعل حقیقی ہو یا تھی۔ اسمیں اصل کے علاوہ تین صورتیں پڑھنا جائز ہیں ۔

[.] فَعِلْ حَقَقَ كَمْ ال جِي شَهِدَ ، أَمَيس شَهْدَ ، شِهْدَ، اور شِهدَ، برِ هناجائز ہاور فَخِذٌ مِن فَخُذُ ، فِخذُ، أور

فِخِذْ پُرْهنا جائزے

فَعِل صَمى كَامَالَ حِيدِيشُتَهِرْ ،آكيس يَشُتَهُرُ ، يَشُتِهُرُ ، اور يَشْتِهِرُ جائِز بِين اور مُشْتَهِرُ م مُشْتِهُرُ ، اور مُشْتِهِرٌ ، پُرهنا جائز ہے۔

احرر ازی مثال جیے سَدَّلَ یغیل کاوز نہیں ہےاور عَلیمَ بیطقی العین نہیں ہے

(۲) دوسری صورت میہ ہے ۔ کہ ہروہ کلمہ جو فعیل حقیقی یا تھمی کے وزن پر ہو،اور طلقی العین نہ ہو، تو فعل میں اصل کے علاوہ اور اسم میں اصل کے علاوہ دوصور تیں جائزیں

فعور حقیقی کی مثال: بھیے علم میں علْم پر صناجائز ہے (بیعل کی مثال ہے جو طقی العین نہیں ہے)

اسم كى مثال : جي كتف ميس كتف اوركتف پر هناجائن

فَعْلَ عَمَى كَ مِثَال: مِنْ يَكْتُسِبُ مِن يَكْتُسُبُ بِرْهَا مِائْز بِ (فَعَل كَ مِثَال بِ)

اسم كى مثال : جيد مُكتسب مُكتسب مُكتسب اور مُكتيسب يومنا جائز م

احر ازى مثال : - بي شيهد، يطقى العين ب

(۳) تیسری صورت میہ ہے : کہ ہروہ کلمہ جو اِن جاراوزان میں ہے کی ایک وزن پر ہو، تو اس میں اصل کے علاوہ

ایک صورت اور پر هناجائز ہے اور وہ اوز ان یہ ہیں۔

نمرا ۔ فَعُلَّ مِن فَعُلَّ رُحنا جائز ہے جیسے عَضُدُ مِن عَضْدُ رُحنا جائز ہے نمرا ۔ فُعُلُّ مِن فُعُلُّ رُحنا جائز ہے جیسے عُنْقَ مِن عُنْقَ رُحنا جائز ہے نمرا ۔ فِعِل مِن فِعُل رُحنا جائز ہے جیسے اِبل مِن اِبْلُ رُحنا جائز ہے نمرا ۔ فُعُل مِن فُعُل رُحنا جائز ہے جیسے قُفْل مِن قُفْل مِرْ منا جائز ہے

احر ازى مثال : جي فَرس يان چاراوزان من ينس ب

قانون: برباب كه ماضى اومكسور العين ومضارع اومفتوح العين يا در اول ماضى او بهمزه وصلى ، يا تآء زائده مطرده باشد ، درمضارع معلوم اوغير اهل حجاز حرف اتين را بغيرياء ، حركت كسره مى د بهند جواز ا ودرمضارع معلوم أكبلي كياتم لي ما نيز

قانون نبرا ٢ - إعْلَمُ اور يَعْلَمُ والا قانون

قانون کا خلاصہ یہ ہے کہ عَدِلَم ، تا عزائدہ والے ابواب، اور ہمزہ وصلی والے ابواب کے مضارع معلوم میں یاء کے علاوہ باتی حرف اتین کوکسرہ وینا جائز ہے غیرا الی جازے کرزویک

جِي تَعْلَمُ يَ عَلَمُ ، أَعْلَمُ سِ إِعْلَمُ أُور نَعْلَمُ سَ يَعْلَمُ بِي عَلِمَ يَعْلَمُ كَاباب ب

تَاءزاكدهواليابكَ مثال جي تَتَضَارَبُ ع يتَضَارَبُ م يَتَضَدارَبُ ، تَتَصَرَّفُ عيتَصَرَّفُ اورتَتَدَخُرَجُ عي يتَدُدُرَجُ .

ہمزہ وصلی والے ابواب کی مثال: جیے تک تئیسب سے تک تئیسب اور تقشیعر سے بقشیعر سے بقشیعر پر صناجائنہ اور یہ پہلے گذرا ہے کہ تاءزاکدہ والے ابواب کل تین ہیں یعنی جنگی ، غنی کی ابتداء میں تائے زاکدہ ہوا ہے باب تین ہیں (۱) باب تفعیل (۲) تفاعیل (۳) تفعیل آور ہمزہ وصلی والے ابواب کل نوییں۔سات ملاثی مزید فیہ کے اور دور بائی مزید فیہ کے اور دور بائی مزید فیہ کے اور دور بائی مزید فیہ کے)

احر ازى مثال نبر (۱) ـ تَفْتَح يه عَلْمَ يَعْلَمُ كابابنيس به نبر (۲) ـ تُعْلَمُ يه مضارع معلوم نيس بهجول ب، نبر (۳) ـ يَعْلَمُ أَكِيس حف تين ياء بـ

ظاف قانون اَسلی یا اُبلی کمضارع معلوم میں بھی جاروں حف اتین کو کر ودیاجاتا ہے جیے یا اُبلی سے یستبلی اور تَأبلی اور تَأبلی سے یستبلی اور تَأبلی سے اینبلی اور تَأبلی سے ینتُبلی تویت اور تَأبلی سے اِینبلی اور تَابلی سے اِینبلی سے اِینبلی اور تَابلی سے اِینبلی اور تَابلی سے اِینبلی اور تَابلی سے اِینبلی سے اِینبلی سے اِینبلی اور تَابلی سے اِینبلی اور تَابلی سے اِینبلی سے اِ

یہاں دوشاذ ہیں،ایک شاذ تواس طرح کہ علیم یعلم می تآءزا کدہ والے اور ہمز ہوستی والے ابواب میں سے نہ ہونے کے باوجود قانون جاری ہوتا ہے۔

دوسراشاذاس طرح که یاء میں بھی جاری ہوتا ہے جبکہ یاء میں تو فدکورہ ابواب کے اندر بھی جاری نہیں ہوتا۔

باب چهارم صرف صغير ثلاثى مجرد حي ازباب فعل يفعل چون الفت محمى في كرنا، كولنا فتخ ، يفتح ، فتح فق فق فاتح ، وفتح ، يفتح ، فتحاً ، فذاك مفتوح ، لم يفتح ، لم يفتح ، لا يفتح ، لا يفتح الأيفتح ، لا يفتح ، للنفتح ، لا يفتح ، والمنهى عنه ، لا تنفتح ، لا يفتح ، لا يفتح ، الاطرف منه ، مفتح ، والآلة منه ، مفتح ، ومفتح ، ومفتح ، ومفتح ، ومفتح ، ومفتح ، ومفتح ، والمؤنث منه فتح ، وافعل التعجب منه ، ما افتح ، وافتح ، وفعل التعجب منه ، ما افتح ، وافتح ، وفتح ،

باب بنجم صرف مغر ثلاثى مجر وسي النباب فعل يفعل يفعل بحن المحسب بمعى كمان كرنا حسب يخسب حسباً فهو حاسب وحسب يحسب حسباً فذاك محسوب لم يخسب لم يحسب لا يحسب لا يحسب لا يحسب لن يحسب لن يحسب الامر منه إحسب لتحسب ليخسب ليحسب والمنهى عنه لاتحسب لاتحسب لا يحسب لا يحسب لا يحسب الظرف منه محسب والآلة منه محسب و محسبة و محسبة و محساب وافعل التفضيل المذكر منه احسب و المؤنث منه حسبى و فعل التعجب منه مَا اَحسبه و اَحسِب به ، و حسب

باب ششم صرف صغير ثلاثى مجر وحي الباب فعل يفعل بين على المشرف والشيرافة (شريف مونا) شرف يشرف شرف شرف أو شرافة فهو شريف لم يشرف لا يشرف لن يشرف لن يشرف الامر منه اشرف ليشرف والسنهى عنه لا تشرف لا يشرف المطرف منه مشرف والآلة منه مشرف و مشرفة ومشرفة ومشراف وافعل التفضيل المذكر منه آشرف والمؤنث منه شرفى وفعل التعجب منه مااشرفة وأشرف به وشرف

فائد نمبر(۱): مشرف یکشر مف کاباب ہمیشدلازم استعال ہوتا ہے متعدی استعال نہیں ہوتا۔ اوراسم فاعل کی جگہ پراس سے صفت مشبہ استعال ہوتی ہے۔ اس کے علاوہ ثلاثی مجرد کے باقی پانچ باب لازم اور متعدی دونوں طرح استعال ہوتے ہیں۔

فاكده (٢): فعل لازم سے اسم مفعول اور مجبول كى كردان نبيل آتى، اسم مفعول تو اليے نبيل آتا كفعل لازم كومفعول كى

ضرورت نہیں ہوتی وہ فاعل کیساتھ تام ہوجا تاہے

اور مجهول کی گردان اسلے نہیں آتی کفعل مجہول کی نسبت مفعول کی طرف ہوتی ہے اور نعل لازم سے مفعول آتا ہی نہیں۔ اگر فعل لازم کو حرف جروغیرہ کے ذریعہ سے متعدی بنادیا جائے تو پھراس سے اسم مفعول اور نعل مجہول دونوں آتے ہیں جیسے شُرِف بِله ۔ شُرِوف بِهِ مِمَا ۔ شُرِف بِهِمْ شُرِف بِهِمْ شُرِف بِهَا الشُرِف بِهِنَّ الْحَ

اور اسم مفعول بيه مشروف بيه. مَشْرُوف بيهما، مَشُرُوف بيهم الخ

لینی نعل مجہول اور مفعول کے صیغے ہر حالت میں واحد مذکر کی شکل میں مستعمل ہونگے اور حرف جر کے بعد جو شمیر ہے وہ تذکیرو تا نبیث اورا فراد و تثنیہ وجمع کے اعتبار ہے بدلتی رہ کی ۔

باب ششم صرف كبير صفت مشبه ثلاثي مجر دحيح ازباب فَعَلَ يَفْعُلُ عَلَيْ

| ا يك شريف مرد، صيغه واحد مذكر، صفت مشبه ثلاثى مجر دصيح ازباب فعل | ۺۘڔؽڣ |
|--|--------------------|
| دوشریف مرد،صیغه تثنیه مذکر،صفت مشبه ثلاثی مجرد حیح از باب فعل یفعل | شَرِيْفَانِ |
| سب شريف مرد، صيغه جمع ندكرسالم، صفت مشبه ثلاثي مجرد ، صحح ازباب فعل ، | شَرِيْفُونَ |
| شُرْفَانُ ، شِرْفَانُ ، شِرَافُ ، شُرُوفُ ، شُرُوفُ ، أَشُرَافُ ، أَشُرِافُ ، أَشْرِفَا ، اَشْرِفَةً ، | شُركَفَاءُ، |
| سب شريف مرد، صيغے جمع مذكر مكسر صفت مشبه ثلاثی مجرد الله على يفعل | } |
| ایک نثریف عورت ،صیغه واحد مه ؤنث صفت مشبه ثلاثی مجرد صحح از باب فعل یفعل | شَرِيفَة |
| دوشريف مورتيں، صيغه تثنيه ھوئٹ ،صفت مشبه ثلاثی مجردتيح ازباب فعل يفعل | شَرِيُفَتَانِ |
| سب شريف عورتين ،صيغه جمع مؤنث سالم صفت مشبه ثلاثي مجر دفيح از باب فعل | شِرِيفَاتُ |
| سب شريف عورتيل ،صيغه جمع هـوْ نث مكسرصفت مشبه ثلاثي مجر دصيح ازباب فعل يفعل | شَرَائِفُ |
| تھوڑ اساشریف ایک مرد،صیغہ واحد مذکر مصغر صفت مشبہ، ثلاثی مجر دلیجے از باب فعل یفعل | مريف شريف |
| تھوڑی ی شریف ایک عورت ، میغہ واحد مونث مصغر صفت مشبہ ثلاثی مجر دسیجے از باب فعل | م رير بود شريفة |

صفت مشبه کی بناء

شریف کویشرف سے اس طرح بنایا کہ حرف اتین کو حذف کر کے فاع کلمہ کوفتہ اور عین کلمہ کو کسرہ دیا، تیسری جگہ پریائے

ساكنه علامت صفت مشبه لكادى اورآ خرمين تنوين تمكن علامت اسم كوجاري كرديا

شَرِيْفَانِ كُو شَرِيُفُ ہے ضَمارِ بَانِ كَى طرح اور شَرِيْفُونَ كُو شَرِيْفُ ہے ضَمَارِ بُونَ كَى طرح بنايا شُرَفَاءُ كُو شَرِيْفُ ہے اس طرح بنايا كہ حرف اول كوخم، عين كلم كوفتة ويكريائ ساكنة كوحذف كرويا، اور آخر ميں الف

مدوده علامت جمع مذكر مكسر ماقبل كے فتحہ كيساتھ لگاديااور تنوين غيرمصرف ہونے كى وجہ سے حذف ہوگئ

شُرِ فَانَ کو شَرِیْف سے اس طرح بنایا کہ فائلمہ کو ضمہ دیر عین کلمہ کوساکن کیا ، یائے ساکنہ کو صدف کیا اور آخر میں الف نون زائد تان علامت جمع مذکر مکسر ماقبل کے فتحہ نے ساتھ لگادیا ، اور کلمہ کے آخر میں واقع ہونے کیوجہ سے نون پراعراب جاری کردیا۔

یشت فیاری کو منتسر ثیف سے اس طرح بنایا کہ فاع کلمہ کو کسرہ دیم عین کلمہ کوسا کن کردیااوریائے ساکنہ کوحذف کیااور آخر میں الف نون زائد تان علامت جمع ند کر مکسر ماقبل کے فتہ کے ساتھ لگادیا،اور کلمہ کے آخر میں واقع ہونے کیوجہ سے نون پراعراب جاری کیا۔

یشتراف کو مشریف سے اسطرح بنایا کرنا ، کلمه کوئسره اور مین کلمه کو فتح دیا ، یائے ساکنه کوحذف کر کے اسکی جگه پرالف علامت جمع نه کرمکسر نگادیا

شروف کو شروی کو شروی کا سال کرنایا کدفاء اور مین کلمه کوشمد دیایائے ساکند کوحذف کر کے اس کی جگدواؤ ساکن علامت جمع مذکر مکسر لگادیا۔

شوف کو شکر یف سے اس طرح بنایا کہ فاءاور عین کلمہ کوضمہ دیکریائے ساکنہ کوحذف کیا

اً الشّر افع کو منتبر ثیف سے اس طرن بنایا که شروع میں ہمز ہ مفتوحہ فا علمہ کے ساکن ہونے کے ساتھ لگا دیا عین کلمہ کوفتہ دیا اور باء ساکنہ کوحذف کر کے اس کی جگہ الف علامت جمع مذکر مکسر لگا دیا۔

آشر فیام کو شریف ہے اس طرح بنایا کہ شروع میں ہمزہ مفتوحہ فاعکمہ کے ساکن ہونے کیساتھ لگادیا اور یاء ساکنہ کو حذف کر کے آخر میں الف ممدودہ علامت جمع فد کر کمسر ماقبل کے فتہ کے ساتھ لگا دیا اور تنوین غیر منصرف ہونے کیوجہ سے حذف ہوگئی

آئٹ فی و شریف سے اس طرح بنایا کہ شروع میں ہمزہ مفتوحہ فاء کلمہ کے ساکن ہونے کیساتھ لگادیا اور بائے ساکنہ کو حذ ساکنہ کو حذف کر کے آخر میں تائے متحرکہ علامت جمع مذکر مکسر ماقبل کے فتحہ کیساتھ لگادیا اور کلمہ کے آخر میں واقع ہونے کی وجہ

ے اس پراعراب جاری کردیا۔

شَرِيفَة ، شَرِيفَة أِن ، شَرِيفَات كى بناء حَمارِبَة ، ضَارِ بَتَانِ ، ضَارِ بَات كى بناء كى طرح ب شَرَ انِف كو شَرِيفَة فَ اس طرح بنايا كه جمع اتصى بنانے كے طريقة كے مطابق ، حرف اول كواپ حال پر چھوڑ كردوسر ب كوفته ديا ، تيسرى جگه پرالف بحع اتصىٰ لگا ديا ، آخر سے تائے واحدہ كوحذف كيا كيونكہ واحد اور جمع ميں تعناو ہے ،اس كے بعد مفردمكم ميں دوحرف باقی تصافح پہلے كوكسرہ ديا اور تنوين غير منصرف ہونے كى وجہ سے حذف ہوگى ، توشق ايف بن گيا ، اب ياء الف مفاعل كے بعد واقع ہے تو اسكو بمزہ سے تبديل كيا ، پس شرًا يف بن گيا ۔

شُرِیّف می شکریف سے اس طرح بنایا کہ حرف اول کو ضمہ اور دوسرے کوفتہ دیر تیسری جگہ پریائے ساکنه علامت تعنیرلگادی اس کے بعد مفرد مکمر میں دوحرف باقی سے پہلے کو کسرہ دیا تو شکستریٹیفٹ بن گیا اب ایک جنس کے دوحرف ایک ساتھ جمع ہیں اور ان میں سے پہلا ساکن ہے اس کو دوسرے میں مرغم کیا تو شکتریتات بن گیا

شُرَيِّفَة م و سَنَرِيفَة الصلى المرح بنايا كه حرف اول كوخمه اوردوس كوفته ديكرتيسرى جله پريائے ساكنه علامت تفغيرلگادى، اس كے بعد مفرد مكبر ميں تين حرف اول كوكسره ديكر باقى كو اس كے بعد مفرد مكبر ميں تين حرف اول كوكسره ديكر باقى كو اسكو اپنج حال پر چھوڑ ديا توسنگ أييفة مين كيا، اب ايك جنس كه دوحرف ايك ساتھ جن تيں اوران ميں سے پہلاساكن ہے تو اسكو دوسرے ميں مدغم كرديا۔

قانون سے پہلے ایک فائدہ:۔وزن کی تین قسمیں ہیں(۱)وزن صرنی ،(۲)وزن صوری (۳)وزن عروضی ۔

نمبرا : _وزن صرفی : _وه ہوتا ہے جسمیں موزون کلمہ کی حرکات وسکنات اور حروف اسلی وزائدہ کالحاظ رکھا گیا ہو یعنی حروف اصلی کے مقابلے میں فاء، عین اور لام کولایا گیا ہواور حروف زائدہ حسب سابق آئے ہواور موزون میں جس حرف پر جوحرکت یا سکون ہووزن میں بھی ای طرح ہوجیے شکر ڈیفٹ بروزن فیعید کا ورشکر ایفٹ بروزن فیعانی میں بھی ای طرح ہوجیے شکر ڈیفٹ بروزن فیعید کا ایفٹ بروزن فیعانی میں بھی ای طرح ہوجیے شکر دیون فیعید کا میں ایک طرح ہوجیے شکر دیون فیعید کا میں ایک میں ایک میں ایک میں ایک میں بھی ایک میں ایک میں ایک میں ایک میں ایک میں میں ایک
نمبر ۱ - وزن صوری - وه ہوتا ہے، جسمیں موزون کلمہ کے حروف اصلی اور زائد کا اعتبار نہ کیا گیا ہو، بلکہ صرف حرکات و
سکنات کا کھا ظرکھا گیا ہوجیے شر ایف بروزن من فاعن میا آف عن کہ یہاں حروف اصلی وزائد کا اعتبار نہیں کیا گیا ورنہ
حروف اصلی شین ، راء ، فاء ، ہیں ۔ اس اعتبار ہے وزن ف عند این ہے ، بلکہ یہاں صرف موزون کی حرکات وسکنات کا اعتبار کیا
سیا ہے کہ شر ایف میں پہلے دونوں حرف مفتوح تیسرا ساکن چوتھا کمسور اور پانچواں مضموم ہے تو مَفاعِل پیا آفاعِل وزن

میں بھی اسی طرح ہے

علم الصرف میں عام طور پروزن صرفی ہی کا اعتبار ہوتا ہے سوائے آنے والے قانون کے کہ اسمیں وزن صوری کا اعتبار ہوتا ہے اور وزن عروضی کا اعتبار علم عروض کے اندر ہوتا ہے۔

فائده نمبرا: الف مفاعل اس جمع اتصى والے الف كو كہتے ہيں جسكے بعد دوحرف ہوں جيسے مستسسارِ ب ، مسساجِدُ، اور شَرَ انِفُ وغيره ۔

قانون: برحرف علت كه واقع شد بعد از الف مفاعل _آن رابه بهمزه بدل كنند وجوبا _زائده را مطلقا واصليه رابشرط تقدم حرف علت برالف مفاعل

قانون نمبر٢٢: _ منتسرَ اينف والا قانون

جب الف مَفَاعِل ك بعد حرف علت واقع موتواس كوبمزه سے تبدیل كرناواجب بـ اگرح ف علت ذاكد مو، تو بغيركى شرط ك بمزه سے بدل ديا جائيگا خواه الف مفاعل سے پہلے حرف علت ہویا ندہو، اور اگر حرف علت اصلی موتو چرشرط بيہ كه الف مَفَاعِل سے پہلے بھى حرف علت مو۔

حرف علت زائد كى مثال جيے شَرَ ايف جواصل ميں مَسَو ايف تا-

حرف علت اصلى كى مثال جيت قَوَانِلُ اور بَوَانِعُ جواصل مِن قَوَاوِلُ اوربَوَانِعُ تَع

احر ازی مثالیں، اند مَوَاعِد اس میں جرف علت الف مَفَاعِل کے بعد نہیں ہے، ۱۲ دمقاول اور مَبایع ان میں حرف علت اصلی کیائے شرط بیہ کالف مفاعل سے پہلے بھی حرف علت ہواور یہاں ایسانہیں ہے

باقی مَصَدانِب جواصل میں مَصاوِ ب تھا آئیں جو واو کرف علت ،اصلی ہونے کے باوجود ہمزہ سے تبدیل ہوا ہے حالانکہ الف مفاعل ہے قبل حرف علت نہیں ہے توبیشاذ ہے

﴿ فتم شدابواب ثلاثى مجر دصيح بفضل الله تعالى ﴾

(آغاز ابواب ثلاثی مزید فیه تیج (بناء، قوانین، وگردان)

فاكده: ١ اسم آله ،اوراسم تفضيل ثلاثي مجرد كيساته خاص بين غيرثلاثي مجرد ينهيس آتــــ

اگرغیر ثلاثی مجردے اسم آلدے معنی اداکرنے کا ارادہ ہوتو اس کاطریقہ یہ ہے کہ مطلوبہ باب کے معرف باللام مصدرے پہلے لفظ ما به نگادیا جائے ، اسم آلدوالامعنی ادا ہوجائے گا جیسے صّابِهِ الّا کُرَمْ (اکرام کرنے کا آلہ) مَا پِیهِ الإ جُنتِنا بُ (بچنے کا آلہ)

اوراً گرغیر ثلاثی مجرد سے اسم تفضیل کامعنی ادا کرنامقصود ہوتو اسکاطریقہ یہ ہے کہ لفظاً شکھیا آگڈو کے بعد مطلوبہ باب کامصدر منصوب ذکر کیا جائے جیسے آگڈو اگر اصاً (بہت اکرام کرنے والا) اور اَشکد اُ اِجْتِنَا بِالْ بہت زیادہ نیخے والا) فعل المتعجب بھی ثلاثی مجرد کیساتھ خاص ہے مزید سے نہیں آتا۔

باب اول صرف صغير ثلاثى مزيد في صحيح ازباب افعال چون ألاكرام معنى (عزت وينا، اكرام كرنا) اكرم، يُكرم، اكراماً، فهو مُكرم، واكرم، يكرم، الكراماً، فذاك مُكرم، المُوكرم، لمَه يُكرم، لمَه يُكرم، لا يُكرم، الله يُكرم، الامر منه اكرم، التُكرم، اليُكرم، اليُكرم، والنهى عنه لا تُكرم، لا يُكرم، لا يُكرم، لا يُكرم، الطرف منه مُكرم، مُكرمان، مُكرمان، مُكرمات،

تنبید: فیر اللّ مجرد کے ابواب میں صرف ماضی کے پہلے صیغہ کی بناء لکھنے پراکتفا کیا جائیگا کہ اسکی بناء ثلاثی مجرد سے مختلف ہے باقی تصاریف کی بناء ثلاثی مجرد کی طرح ہیں معمولی فرق کے ساتھ۔ جہاں زیادہ فرق ہو، وہاں وضاحت کردی جائیگی جیسے کہ باب افعال کے مضارع معلوم اور امر حاضر معلوم کی بناء کی یہاں وضاحت کردی گئی ہے۔

اس باب کی ماضی کے پہلے صیغہ کی بناءاس طرح ہے کہ آکٹر م آگر م آکٹر م آگر احسا مصدر سے بنایا۔ ہمزہ کے سرہ کو فتہ سے تبدیل کر کے الف اور تنوین علامت مصدر کو حذف کر کے آخر کو مبنی برفتہ بنادیا سوال ۔ آگر من صیفہ جمع مونث غائبات فعل ماضی جو آگر مَدت سے بنا ہے آخر میں نون مفتو حہ علامت جمع مؤنث اور فغیر فاعل لگا کر ۔ پہلے قانون فغیر فاعل لگا کر ۔ پسلے آگر مَدت کی بہلے قانون فغیر فاعل لگا کر ۔ پسل آگر مَدت کی بہلے قانون و سے صدف ہوئی ہے اس کے بعد آگر مَدَ بن گیا یہاں ماقبل آخر کس قانون کی روسے ساکن ہوا؟ ضکر ہُن کا دوسرا قانون تو اسلے جاری نہیں ہوسکتا کہ یہاں چار حرکات مسلسل نہیں ہیں بلکہ تین ہیں۔

جواب: اکثر من اوراس جیسے دوسر مے سینوں میں جو ماقبل آخر ساکن کر دیا جاتا ہے بیٹل جمع مؤنث غائب فعل ماضی کے ان صینوں کے ساتھ مناسب کی خاطر کیا جاتا ہے جن میں ماقبل آخر ساکن کیا جاتا ہے جارح کات مسلسل جمع ہونے کیوجہ سے جیسے حسّر بنن ، فکتہ میں اگر منی وغیرہ کہ (اصل میں حسّر بنن فکتہ میں اباکٹر منی وغیرہ میں اگر چہ چارح کات مسلسل جمع نہیں ہیں لیکن چونکہ حسّر بنن وغیرہ صینوں میں نون جمع مؤنث کا ماقبل ساکن ہوتا ہے تو ان سے مناسبت کی غرض سے بہاں آکٹر مشن میں بھی مقبل آخر ساکن کیا کیونکہ علم صرف میں مناسبت باب کو بڑی اہمیت حاصل ہے اگر یہاں ماقبل آخر کو ساکن نہ کیا جاتا تو جمع مؤنث غائب فعل ماضی کے صینوں میں مناسبت نہ ہوتی بعض صینوں میں ماقبل آخر ساکن ہوتا اور بعض میں مترک کے۔

باب افعال کے مضارع معلوم کی بناء

میکرم می ایکرم می اکرم اور میکرم کو اکرم سے اس طرح بنایا کہ شروع میں حرف اتین صفومہ لگا کرمیں کلمہ کو کسرہ دیا

اور آخر میں ضمه اعرابی لے آئے تو آگر م اگر م اور نسا گرم میں گئے ، اب واحد میں کلم کے صیغہ (یعن میں در آگر م میں شمہ اعرابی لیے اسلام ہوز کے قانون الگرم م) میں دو محرک ہمز در کا ایک ساتھ جمع ہونا قبل ہے اب مہموز کے قانون الکوم کی میں دو محرک ہمز در سے ہمزہ کو واؤ سے بدل دیا جائے لیکن تخفیف کی غرض سے خلاف قیاس دو سرے ہمزہ کو حاف کی خاص سے خلاف قیاس دو سرے ہمزہ کو حذف کیا تو اکسر م قیاس دو ہمزہ جمع نہیں تھے۔

فائدہ :۔باب افعال کا امر حاضر معلوم اصل مضارع سے بنتا ہے (یعنی ہمزہ کے حذف ہونے سے پہلے جومضارع ہے) اس باب کے امر حاضر کے شروع میں جو ہمزہ مفتو حہوتا ہے وہ ہمزہ قطعی ہوتا ہے ہمزہ وصلی نہیں ہوتا کیونکہ امر کا ہمزہ وصلی مکسوریامضموم ہوتا ہے مفتوح نہیں ہوتا۔ باب افعال کے امر حاضر کی بناء۔ اکٹر فہ کو ایک کُرم سے اسطر ح بنایا کہ حف اتین کو صدف کیا اور اس کا مابعد متحرک ہے ق آخر میں وقف کیا جس کی وجہ سے حرکت گئے۔

اکٹیر ما کو قیا کُٹر مان سے اسطرح بنایا کہ حرف اتین کو حذف کیا، اس کا مابعد متحرک ہے تو آخر میں وقف کیا جس کی وجہ سے نون اعرابی حذف ہوا، ای طرح آخر تک۔

قانون سے پہلے ایک فائدہ : بہزہ کی تین قسمیں ہیں(۱) ہمزہ وسلی۔(۲) ہمزہ اصلی۔(۳) ہمزہ قطعی:۔

(۱) ہمزہ اصلی :وہ ہوتا ہے: - جوفاء عین اور لام میں سے کا کے مقابلے میں ہوجیے اَمَرَ ، سَداُل ، قَرا اُ،

(٢) جمزه وصلى وه بوتا ہے ۔ جوابتداء میں واقع بوزائد بواد کھی بھی حذف بوتا ہوجیے النحمد

(۳) ہمز قطعی وہ ہوتا ہے: ۔ جوزا کد ہو، ابتداء میں واقع ہو، اور مذف نہ ہوتا ہو

ہمز قطعی کی آٹھ شمیں ہیں

(۱) باب افعال كابمزه جي أكْرَم ، أكْرِم ، (٢) مضارع كواحد تنكلم كابمزه جي أضرب (٣) اسم تفضل كابمزه جي أضرب (٣) اسم تفضل كابمزه جي أضرب (٣) فعل المتعجب كابمزه جي أضرب (٣) فعل المتعجب كابمزه جي منا أضربه (٤) بن كابمزه جي أنت ، أناً ، (٨) استفهام كابمز ، جي أصفت الْيَوْمُ؟

بعض حضرات نے ہمز وقطعی کی اور بھی قسمیں بیان کی ہیں مثلانا م کاہمز ہ جیسے اِدر یہ فقی است آئر کی صفت مشہ کاہمز وجیسے اُحد مرفع اُکا اُللّٰہ میں اور بھی اسلام کے علاوہ باتی ہمز ووصلی ہوتا کے مرفع اللّٰہ کاہمزہ جب اس پر یاء حرف نداداخل ہوجیسے یکا اُللّٰہ میں انسام کے علاوہ باتی ہمز وصلی ہوتا ہے (سوائے ہمز واصلی کے)

قانون به هر بهمزه زائده که واقع شود دراول کلمه وصلی باشد یاقطعی ،هم وصلی این که در درج کلام و بمتحرک اشعمان مابعد بیفتد و هم قطعی عکس این است

قانون نمبر٣٠٠ ـ بهمزه وصلى اوربهمز قطعى والا قانون

اس کی دوصورتیں ہیں۔

(۱) پہلی صورت سے ہے: ۔ کہ جب ہمزہ وصلی درمیان میں واقع ہویا اس کا مابعد متحرک ہوجائے تو اسکوحذ ف کرنا واجب

-

درمیان میں واقع ہونے کی مثال جیسے فسافسر ب جواصل میں راضر ب تھا، اسکے ابعد کے تحرک ہونے کی مثال جیسے سند جواصل میں اسٹ فسل میں اسٹ متحرک ہونے کی وجہ سے گرگیا ہی سسل بن گیا

(۲) و مری صورت میں واقع ہوجائے یااں کا البعد متحرک ہوجائے میں برقر اررکھنا واجب ہے خواہ درمیان میں واقع ہوجائے یااں کا البعد متحرک ہوجائے جیسے آگر تم سے فَاکْرَم ، یہاں درمیان میں واقع ہونے کے باوجود ہمز ہ حذف نہ ہوا ،اسلئے کے قطعی ہے ،اور آئے دی بہاں مابعد کے متحرک ہونے کے باوجود ہمز ہ موجود ہے

قانون به برباب که ماضی او چهارحرفی باشد در مضارع معلوم اوحرف اتین راحر کت ضمه می د هند وجو با

قانون نمبر۲۴: مضارع معلوم كايبهلا قانون

ہروہ باب جسکی ماضی کا پہلاصیغہ جارح فی ہوتو اسکے مضارع معلوم میں حرف اتین کوضمہ دینا واجب ہے۔ اوراگر ماضی جارحر فی نہ ہوتو پھرمضارع معلوم میں حرف اتین کوفتہ دینا واجب ہے۔

ماضى جارحرفى كى مثال وجيد آكرة اكامفارع معلوم يُكوم ، يكومان والخرب.

ایے ابواب جنگی ماضی کا پہلاصیغہ چارحرفی ہوکل چار ہیں(۱) باب افعال (۲) باب تفعیل (۳) باب مفاعلہ (۳) باب فعللة ماضی چارحرفی ندہونے کی مثال جیے ضرّ بار کا مضارع معلوم یَضُیر بُ ، یَضُیر بَانِ المنح ہے۔ اس طرح فَتَحَ ، اِکْتَسَن ، اِحْمَدُ ہیں ان سب میں حرف اتین مفتوح ہے فَتَحَ ، اِکْتَسَن ، اِحْمَدُ ہیں ان سب میں حرف اتین مفتوح ہے

قانون - ہر باب که دراول ماضی اوتائے زائدہ ماردہ باشد درمضارع معلوم او ماقبل آخررابر حال خودی دارند وجو با، واگر تائے زائدہ مطردہ نباشد کسرہ می دہند سوائے ابواب ثلاثی مجرد۔

قانون۲۵: مضارع معلوم كادوسرا قانون

اس کی دوصور تیں ہیں

(۱) ہم صورت ہے۔ کہ جس باب کی ماضی کی ابتداء میں تاءزائدہ ہو، اس کے مضارع معلوم میں ما قبل آخر کو مفتوح پڑھناوا جب ہے، اتفاقی مثال جیے تَصَدَّرُ فَ سے یَتَصَدَّ فُ اورتَضَارَ بَسے یَتَضَارَ بُ تَدَخَرَجَ سے یَتَدَخْرَجُ

احر ازی مثال جیے یکٹوب، اسکی ماضی کی ابتداء میں تاءز اکدہ نہیں ہے

(۲) <u>دوسری صورت</u> یہ ہے: ۔ کہ ثلاثی مجرد کے علاوہ ہروہ باب جس کی ماضی کی ابتداء میں تاءزائدہ نہ ہو، اسکے مضارع معلوم میں ماقبل آخر کوئسرہ دیناواجب ہے۔

اتفاقی مثال بھے اکرم سے میگر ماور اکتسب یکتسب

احر ازى مثال جي يَنْصُور يثلاثى مجرد إدر يَتَصَوَّ فُاس كى ماضى كى ابتداء مِن تاءزائده إد

اس قانون میں تاءزائدہ مطردہ سے مرادوہ تاء ہے جوحروف اصلیہ میں سے نہ ہواور باب کے ہرصیغہ میں موجود ہواور یہ پہلے گزراہے کہ تائے زائدہ والے ابواب کل تین ہیں (۱) تَفَعَّلُ (۲) تَفَاعُلُ (۳) تَفَعَّلُوْ (۳) تَفَعَّلُوْ ۔

اس قانون کے متن میں جو یہ کہا ہے کہ مضارع معلوم میں ماقبل آخر کواپنے حال پر چھوڑ نا واجب ہے تو یہاں اپنے حال سے مراد مفتوح ہوتا ہے کیونکہ فعل مضارع ماضی سے بنتا ہے اور تائے زائدہ والے ابواب کے فعل ماضی میں ماقبل آخر مفتوح ہوتا

قانون: - ہرتائے مضارع کہ داخل شود برتائے تَفَعَّلُ ، یا تَفَعُلُل یا تَفَعَلُل ، درمضارع معلوم او حذف کیے جائز است

قانون نمبر٢٦: _مضارع معلوم كاتيسرا قانون

جب باب تَسَفَعُنَكُ ، تَفَاعُلُ اور تَفَعُلُلُ يَ كِمضارع معلوم مين دوتاء جمع موجا كين توان مين سايك كاحذف كرناجائز

______ القاتى مثال يه تَصَدَّوف جواصل من تَتَصَدُّف قااورتَ ضَارَب جواصل من تَتَضَارَ بُقااور تَدَخُرَج مِو اصل من تَتَدَخْرُجُ قاد

احر ازى مثالين (۱) تنفر وك يتاءزا كده والاباب بين إ (۲) قتصر تف يه مفارع معلوم بين إ (۳) يَتَصَرَّفُ

التميس دوتاء ہيں ہیں،

مصنف ؓ نے یہاں ماضی مجہول کے بھی دوقانون ذکر کئے ہیں لیکن ہم نے اختصار کی غرض سے ان دونوں کو ماضی مجہول کے پہلے قانون کے ساتھ ملاکر کتاب کی ابتداء میں ذکر کئے ہیں اور وہاں اس پر تنبیہ بھی کی ہے

باب دوم صرف صغير ثلاثى مزيد في صحح ازباب تفعيل جون المتصريف بمعنى يهيرنا

صَرَّفَ يُصَرِّفُ تَصُرِيُفاً فهو مُصَرِّفٌ وصُرِّفَ يُصَرَّف يُصَرَّف تَصُرِيفاً فذاك مُصَرَّف لُمُ يُصَرِّف لَمْ يُصَرَّف لا يُصَرِّف لا يُصَرِّف لا يُصَرَّف لَن يُصَرِّف لَن يُصَرِّف الامر منه صَرِّف لا يُصَرَّف لا يَصَرَّف لا يَصَرَّف لا يُصَرَّف لا يَصُرَّف لا يَصَرَّف لا يَصَدَّف لا يُصَدِّف لا يَصَدُّف لا يَصَدُون مِن الله يَصَدِّف لا يَصَدُّف لا يَصَدِّف لا يَصَدِّف لا يَصَدِّف لا يَصَدُّف
صَدَّ فَ ۚ كُو تَـصُرِيُفُ مصدرے اس طرح بنایا كه یاءاور تاءعلامت مصدر كوحذف كركے فاء كلمه كوفته دیا عین كلمه كومشدوه مفتوحه بنادیا اور آخرے تنوین علامت اسم كوحذف كركے اسكو مَدْبَنِي برفته بنادیا

ﷺ ضَارَبَ کو مُصَارَبَةً مُصدرے اس طرح بنایا کہ شروع ہے میم ورآخرے تا متحرکہ اور تنوین تمکن علامت اسم کو صف کر کے آخرکو بنی برفتے بنادیا آخرتک تمام گردان اور انکی بناء، دہرانامت بھولیئے گا۔

باب چهارم صرف مغير ثلاثى مزيد في حيح ازباب تفعيل : چون اَلتَّصَرُّفُ (كَى كَام مِن بالهُ وَالنا) تَصَرَّفَ يَتَصَرَّفُ يَتَصَرُّفُ تَصَرُّفاً فهو مُتَصَرِّفٌ وتُصُرِّفَ يُتَصَرَّفُ تَصَرُّفَ تَصَرُّفاً فذاك مُتَصَرَّفَ لَا يَتَصَرَّفُ لَن يَّتَصَرَّفَ لَن يَّتَصَرَّف لَن يَّتَصَرَّف لَن يَّتَصَرَّف لَن يَتَصَرَّف لَا يَتَصَرَّف لِلْ اللهُ يَعْمَلُون اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ لا يَتَصَرَّفُ لا يُتَصَرَّفُ الطرف منه مُتَصَرَّفَ مُتَصَرَّفَ مُتَصَرَّفَانِ مُتَصَرَّفَاتُ

باب بنجم مرف مغر ثلاثى مزيد في مح ازباب تفاعل: چون التَّضَارُ بُ بمعن ايك دوسركومارنا تَضَارَبَ يَتَضَارَبُ تَضَارُبُ قَضَارُبُ فَهُو مُتَضَارِبُ و تُضُورِبَ يُتَضَارَبُ لَن يَّتَضَارُبُ فَذَك مُتَضَارَبُ لَمُ يَتَضَارَبُ لَن يَتَضَارَبُ لَا يَتَضَارَبُ لا يُتَضَارَبُ لا يُتَضَارَبُ لَن يَتَضَارَبُ لَن يُتَضَارَبُ الامر منه تَضارَبُ لِتُتَضَارَبُ لِيتَضَارَبُ لليتَضَارَبُ ليئتضارَبُ والنهى عنه لاتَتَضَارَبُ لاتُتَضَارَبُ لاتُتَضَارَبُ لايتَضارَبُ الطرف منه مُتَضَارَبُ والنهى عنه مُتَضَارَبُاتَ .

تَضّارَ بَ كُو تَضَارُ بِأَ مصدرے اس طرح بنایا كه مین كلمه كوفته ديكر آخرے توین علامت اسم كوحذف كر كے اس كو من برفته بنادیا۔ گردان اور بناء دہراتے جائے اور قوانین جاری كرتے جائے اس باب كے مضارع معلوم میں بھی مضارع كے تین قوانین میں سے كوئی لاڑمی جارى ہوتا ہے۔

اسم فاعل واسم مفعول كى گردان ميں النظيقوانين جارى ہوتے ہيں، لَيَنَ حَسَارَ بَشْنَاتِ جَيَّے مِينَ مِينَ الله فاصله والا قانون جارى ہوتا ہے تَضَمَّارَ بَ تَضَمَّارِ بَا المنح امر حاضر معلوم ميں امر حاضر والا قانون كى تيسرى صورت جارى ہوتى ہے لَمْ يَتَخَمَّارَ بَا لَمْ يَتَضَمَّارَ بُوا المنح فعل جحد ميں نون اعرابي والا قانون جارى ہوتا ہے، وعلى هذ القياس

باب افتعال كقوانين

قانون: - ہرداؤ دیائے غیر بدل از ہمزہ کہ واقع شود مقابلہ فاع کلمہ باب إِفَّتِعَالَ یا تَفَاعُلَ ما تَفَاعُلَ، آنرا تاء کردہ در تاءاد غام می کنند وجو بابر اکثر لغت اہل حجاز در افتعال، و بربعض لغت اہل حجاز در تفعل و تفاعل، مگر اِتَّنَجَذَ يَتَنْجِذُ شاذ است

قانون مبر ١٤ - إتَّقَدَاور إتَّسَرَ والاقانون

جب باب اِفْتِعَال کے فاع کلمہ کی جگہ واواور آیاء میں ہے کوئی واقع ہواور ہمزہ سے تبدیل شدہ نہ ہوتو اکثر اہل حجاز کے نزد یک اس واواور یا عکوتا ءے تبدیل کر تا عکوتائے افتعال میں مغم کرنا واجب ہے۔

ا تفاقی مثال سے اِنتَّقدَاور اِنَّسَرَ جواصل میں او تقداور اِینتسر سے بافتعال کے فاع کمد کے مقابلہ میں او تقد ک اندرواواور اِینتسر میں یاءواقع ہے اور ہمزہ سے تبدیل شدہ ہیں ہیں تو اس قانون سے واواور یا عکوتاء سے تبدیل کیا پھراس تا عکوتائے افتعال میں مغم کیا۔

احر ازی مثالیں جیے او تھی اور اینتمر: من میں وادادر آء ہمزہ ہے مبدل ہیں کیونکہ اُو تھی اصل میں اُنتیمر تھا ادہ ' اَمَر ''ے مہوزے قانون (اَمنَ اِیْمَاناً) ہے ہمزہ ساکندواؤ سے بدل گیا اور اِینتَمَرَ اصل میں اِنْتَمَرَ تھا مہموزے المن اینتا نا والا قانون کے مطابق ہمزہ ساکنہ آءے بدل گیا۔

اعتراض: _ اِلتَّخَذَ، جواصل میں اِنْتَخَذَها اوه اَخَذَ ہے مہموزے اَمنی ایشانا وَالا قانون ہمزه ساکہ یاء سے تبدیل ہوا تو ایت کے نکہ یہ آئی ہمزہ ہے جبکہ تبدیل ہوا تو این ہے کہ مزہ سے تبدیل شدہ ہے جبکہ قانون میں یہ شرط ہے کہ ہمزہ سے تبدیل شدہ نہ ہولیکن اسمیں تو قانون جاری کیا گیا کہ یاء کو تاء سے تبدیل کرتاء کو تاء میں مرم کیا اور اِلتَّخَذَ بن گیا، یہ کیوں؟

جواب نے بیٹاذ ہے خلاف قیاس یہاں یا ءتاء سے تبدیل ہوکر مغم ہوگئ ہے۔

اس پر بیاعتراض ہوتا ہے کہ اِتّن خذ ماضی میں و جھ آگیا کہ اصل اِنْتَ خَذَم ااولام موز کا اُمن اِیْمانا والا قانون سے ہمزہ کوتاء سے تبدیل کیا پھر بیات قد اِتّس والا قانون جاری ہوا، لیکن یک تیجد مضارع جواصل میں یک تیجد مُقاا کیس ہمزہ کو نے

قانون كے تحت تاء سے تبديل ہوا؟ يهال تو المتن ايشكان والا قانون جارى نبيس ہوسكا اسلے كده ه دوہمزول ميں جارى ہوتا ہاى طرح مهموز كاكوكى اور قانون بھى جارى نبيس ہوتا اور جب تك ہمزه تاء سے تبديل نبيس ہوتا تو تائے افتعال ميں ادغام مكن ى نبيس پھركيے ادغام ہوا؟

جواب ۔ یَتَیْخِدُ اِتَّخِدُ اِتَّخِدُ (ماضی) سے بنا ہے (جیسے کہ بناء کاطریقہ ہے) شروع ش حرف اتین مفتوح لگا کر ماقبل آخرکو کسرہ دیا اور آخریس ضماعر الی لے آئے تویہ اِتَّخیدُ بن گیا ہمزہ وسلی درمیان میں واقع ہونے کی وجہ سے حذف ہوا۔ تو یَتَخِدُ میں اِتَّقَدُ وَالا قانون کا جاری ہونا اس کی ماضی کے اعتبار سے ہے ،خود اس کے اعتبار سے نہیں۔

صاحب علم العیف نے اپنے استاد کے حوالہ سے فہ کورہ بالا اعتراض کا جواب یددیا ہے کہ یہ شاذ نہیں بلکہ اِنتَّ خَذَ اِنتَّبِعَ کی طرح ہے کہ جسطر ح اِنتَّ بنع اصل میں اِنتَّ بنع تھا اس کا فاکلہ تاء ہے مجرد تبع یُنتُبعُ (انستیع) ہے متجانسین کے قاعدہ سے ایک تاء دوسری میں مغم موگی تو اس طرح اِنتَّ خَذَ اصل میں اِنتَ خَذَ تھا (اِنْتَ خَذَ نہیں) اس کا فاء کمہ بھی تاء ہے ہمزہ نہیں ، اس کا مادہ تَنجُذَ ہے (اَخَذَ نہیں) یہ طابق مجرد میں ایک مضاعف کے قاعدہ کے مطابق اِنتَ خَذَ میں ایک مضاعف کے مطابق اِنتَ خَذَ میں ایک تاء کا دوسری میں ادعام کیا اِنتَ خَذَ ، بن گیا ، آسیں اِنتَقد والا قانون سرے سے جاری بی نہیں ہوا جکی بناء پراس کوشاذ کہا جائے۔

تنبید ۔ اصلاتوبیقانون مثال کے قوانین میں سے ہے لیکن جاری باب افتعال میں ہوتا ہے اسلے اس کو یہاں باب افتعال کے قوانین کے ساتھ ذکر کیا

بعض الل حجاز كہتے ہيں كہ جب باب تفعل اور تفاعل كے فاء كلمه كى جگه وآؤيا آء واقع ہواور ہمزہ سے تبديل شدہ نه ہوتو باب التعالى كى طرح يہاں بھى واواور آياء كوتاء سے تبديل كرباب تفعل و تفاعل كى تاء كواس تاء ميں مدغم كرناواجب ہے تفعل كى مثال جيسے اِنتَّا لَّذَ وَ اور اِنتَّ مَعْرَجُواصل مِيں تَو تَعَدّاُور تَدَيدَ مَتَرَتِے

تفاعل كمثال مصال عصر إتَّاعد الله التُّاسر جواصل من تَوَاعَدَاور تَيَاسَرَ تَ

ان چاروں مثالوں میں واو ،اور بآء ، باب تفعل و تفاعل کے فاع کلمہ میں واقع ہیں تو اس قانون سے واو اور یا یہ کوتاء سے تبدیل کیا پھر تا یو تاء میں مرغم کیا ،اور ایتذاء بالساکن محال ہے اسلئے شروع میں ہمز ہ وصلی مکسور لگادیا۔

قانون ۔ اگر یکے ازسین وشین کہ واقع شود مقابلہ قاءکلمہ افتعال، تائے و بے راجنس فاءکلمہ کردہ جوازا، وجنس رادرجنس ادغام می کنندوجو با

قانون تمبر ٢٨: _ إلسَّمَعَ أور إلشَّبَة والاقانون

جب باب افنیعال کے فاع کم می جگسین یاشین ہو، تو باب افتعال کی تا عوفا عکم می جس سے تبدیل کرنا جائز ہے اور جس کو جس میں مرغم کرنا واجب ہے، یعنی اگر فاع کم می جگسین ہوتو تائے افتعال کوسین سے تبدیل کرنا جائز ہے اور سین میں مرغم کرنا واجب ہے اور اگر فاع کم می جگشین ہوتو تائے افت عال کو شین سے تبدیل کرنا جائز ہے اور شین کوشین میں مرغم کرنا واجب ہے

ا تفاقی مثال: _ اِستَ مَعَ اور اِشَّبَهَ جواصل میں اِسْتَ مَعَ اور اِشْتَبَهَ تَصِی ان میں تا عافتعال کوسین اورشین سے بدلنا جائز ہے پھر ابدال کے بعد ادغام واجب ہے۔

<u> احتر ازی مثالیں</u> (۱)سَمِعَ یہ بابانتعالٰ ہیں ہے(۲)اِکْتَسنَتِ آئیں سیّن فاعِلمہ کی جگہٰ ہیں ہے۔

قانون: اگر یکے از صاد، ضاد، طاء، ظاء، واقع شود در مقابله فا عکمه افتعال، تائے و بے را طاء کنند وجوباً پس اگر مقابله فاع کمه طاء است ادغام واجب است، واگر ظآء است، اظهار یک طرفه وادغام دوطرفه، یعنی طآء را ظاء کردن وعکس او جائز است، واگر صآد، ضاد، با شد اظهار وادغام یک طرفه، یعنی طآء را صاد، ضاد، کردن جائز است و نعکس او ب

قانون مبر٢٩ - إظَّلَمَ اور اطَّلَمَ والا قانون

اس قانون کا خلاصہ یہ ہے کہ جب باب افتعال کے فاع کلمہ کی جگہ صآد ، ضآد ، طآء ، اور ظآء ، میں سے کوئی ایک حرف واقع ہو، تو باب افتعال کی تا ءکو طآء سے تبدیل کرنا واجب ہے۔

صادى مثال : جي إضطبر جواصل من اصتبرها

ضادى مثال - جيه إضطرب جواصل مي إضنترب ها

طاءكى مثال : يه إطُطَلَبَ جواصل من إطْتَلَبَ قا

ظاء كم مثال عصد إطْطَلَم جواصل من اظنتلم تما

پرتائے افتعال کوطاءے بدلنے کے بعد تین صورتیں ہیں

(۱) بہلی صورت ۔ اگر فاع کلمہ کی جگہ طآء ہو، تواد عام واجب ہے (یعنی فاع کلمہ کی طآء کوتا تے افتعال سے تبدیل شدہ طآء میں مرغم کرنا واجب ہے) جیسے اطبیکت جواصل میں اِطبط کم کہتا ہے۔

(۲) دوسری صورت : اگرفاء کلمه کی جگه فاء بوتواظهار بھی جائز ہے بعن تا ءافتعال کو طآء سے بدلنے کے بعدا پنے حال پر چھوڑ نااوراد غام نہ کرنا جیسے الظّ طَلَمَ جواصل میں اظْ نَدَلَمَ تھا اوراد غام دوطرفہ بھی جائز ہے بعنی طآء کو فاآء سے تبدیل کر ظاء کو فاآء میں مذم کرنا جیسے الظّ لَمَ اور فاآء کو طآء سے تبدیل کر طآء کو طآء میں مذم کرنا جیسے الطّ لَمَ کان دونوں کی اصل الظّ طَلَمَ

(٣) تیسری صورت : اگر فاع کمدی جگر صادیا ضاد ہو، تو اظہار ہمی جائز ہے جیسے اصلطبَرَ ، اور اِحْد طَرَب ، اور ایک طرفداد عام بھی جائز ہے یعنی طاء کوصا دیا ضاد ہے تبدیل کرصا دکوصا داور ضاد میں مذم کرنا ، جیسے اِحْد بنت جواصل میں اِحْد طَرَب تھا۔ اِحْد طَبَر میں طاء کو میں احت اور اِحْد طَرَب میں طاء کو میں اِحْد طَبَر میں اور خاص میں اِحْد طَرَب میں طاء کو صاد میں اور خاوصا دمیں اور خاوصا دمیں اور خاوصا دمیں اور خاص میں میں میں میں کہ ، چرصا دکوصا دمیں اور ضاد میں مذم کیا ، یہاں ادعام دوطرفہ جائز نہیں لہذا اِحْد طَبَر میں صاد کو طاء سے تبدیل کرطاء ، کو طاء میں مذم کر کے احک برج صنا جائز نہیں۔

ای طرح الضبط رب ، میں ضاد کوطاء سے بدل کرطآء کا طآء میں ادغام کرکے اطب رہنے پڑھنا جا رَنہیں متن میں "ونہ

عکس او" کا یہی مطلب ہے

قانون: _اگریکے از دال ، ذال ، زاء واقع شود مقابله فاع کمه باب افتعال _ تائے و سے را دال کر دہ وجو با در دال ادعام می کنند وجو با ، و ذال مثل ظاء ، و زاء ش صاد و ضاداست

قانون مُبر ١٠٠٠ إِذْ كُرَاور إِذْ كُرُوالا قانون _

جبباب افتعال كوتاء كله كى جكد دال، ذال اورزاء من كوئى ايكرف واقع مو، توباب انتعال كى تاء كودال سے

تبدیل کرناواجب ہے

وال كامثال - جيم إدد عُمَ جواصل من إدتعُمَ قا

<u> ذَالَ كَي مثالَ : ح</u>يه إذْ ذَكَرَ جواصل مِن إذْ تُكَرَّمُوا

زاء كي مثال مي إزْدَجر جواصل من إزْتَجرها

تائے افتعال کودال سے بدلنے کے بعد پھراس کی تین صورتیں ہیں۔

(۱) بيلي صورت : الرقاء كله كي جدوال بوتو وال كودال مين مرغم كرناواجب بي التعقيم المنظم من إدد عَمَا

(۳) تیسری صورت : اگر قاع کمدی جگه زآء ہوتو اظہار بھی جائز ہے جیسے از د جَسَر اور ایک طرف ادعام بھی جائز ہے بعنی دال کوز آء سے تبدیل کرز آء کوز آء میں مغم کرنا جیسے از جَبَر ، جواصل میں از د جَر تھالیکن زآء کودال سے بدل کردال کودال میں مغم کر کے اِلدّ جَریر حنا جائز نہیں۔

متن میں "وذال مثل ظاء، کامطلب یہ ہے کہ جسطرح قاءافتعال کے مقابلہ میں جب ظاءواقع ہوتو وہاں اِظَّلَمَ اِطَّلَمَ والا قانون سے اظہار بھی جائز ہے اور دوطر فداد غام بھی ، تو اسطرح جب فائے افتعال کی جگہ ذاآل واقع ہوتو یہاں بھی ظاء کی طرح اظہار بھی جائز ہے اور دوطر فداد غام بھی ۔ اور "وزآء مثل صادو ضاد است "اس عبارت کا مطلب سے ہے کہ جس طرح فائے افتعال کی جگہ صاد یا ضادو اقع ہونے کی صورت میں اظہار بھی جائز ہوتا ہے اور کی طرفداد غام بھی ، تو اس طرح فائے افتعال کی جگہ ذاآء واقع ہونے کی صورت میں اس قانون کی روسے اظہار بھی جائز ہے اور کی طرفداد غام بھی ۔ افتعال کی جگہ ذاآء واقع ہونے کی صورت میں اس قانون کی روسے اظہار بھی جائز ہے اور کی طرفداد غام بھی ۔

قانون _اگر تآءوا قع شود بمقابله فا عکمه افت عال اظهار یکطرفه وادغام دوطرفه جائز است مگر تآء را تاء کردن اولی است

قانون نمبراس وأثبت اور إتبت والاقانون

تنبید: - قانون نمبر ۲۷ سے اس قانون نمبر اس تک یہ پانچ قوانین باب افقی تعال کے فاع کمد سے متعلق تھے، اگا قانون باب افقیعال کے میں کلمداور باب تَفَقَّلُ و تَفَاعُلُ کے فاع کمد سے متعلق ہے۔

قانون: اگریکے از دہ حروف مذکورہ بالا واقع شود مقابلہ عین کلمہ باب افتعال تائے و بے راجنس عین کلمہ کردہ جوازا۔ ادغام می کنندو جو با۔ واگر تاءواقع شودادغام جائز است۔ واگر یکے از حروف مذکورہ واقع شود مقابلہ فاءکلمہ باب تفعل یا تفاعل، تائے آنہاراجنس فاءکلمہ کردہ جوازا، ادغام می کنندو جو با۔ واگر تاء باشداد غام جائز است۔

قانون مُبر٣٣: خَصَّم كَظَّمَ بِإِنَّاقِلَ إِطَّهَّرُ والاقانون

اس کی کل تین صورتیں ہیں۔

(۱) بہلی صورت سے ہے۔ کہ جب اِفقیہ عسّان کے عین کلمہ کی جگہ مسّ، مسّ، حسّ، حسّ، طّ، ظّ، آ، آ، ور نسب آراور نسب آراور نسب میں میں ہے کوئی ایک واقع ہو، تو باب افتعال کی تا یکوئین کلمہ کی جنس سے تبدیل کرنا جائز ہے اور بین کوجنس میں مرغم کرنا واجب میں مرغم کرنا واجب میں مرغم کرنا واجب میں مرغم کرنا واجب وعلی هذا القیاس۔

اتفاقی مثال جیسے خصّم ، اور کظّم جواصل میں اِخْتَصَم ، اور اِکْتَظَمَّت اِخْتَصَم میں میں افتعال کی جگد فرکورہ دی حرف میں سے صاداور اِکْتَظَمَ میں فاءواقع ہوتو تا آئے افتعال کومین کلد کی جنس (یعنی اِخْتَصَم میں صاداور اِکْتَظَمَ میں فاءور اِکْتَتَظَمَ میں فاءور اِکْتَتَظَمَ میں فاءور اُلاء کو فاء

تنبیہ: ۔ فدکورہ امثلہ میں فاع کلم مفتوح ہے جیسے بستہ میں باءاور ننشہ میں نون النے بیاسلئے کہ تائے افتعال کی حرکت فاء
کلمہ کی طرف نتقل ہوئی ہے اور تاءافتعال مفتوح ہوتی ہے اسلئے فاء کلمہ بھی مفتوح ہے لین یہاں ان تمام مثالوں میں فاء کلمہ کو کسرہ دینا بھی جائز ہے جیسے بنشکہ میں نیستہ میں ہوئی ہے تبدیل کسرہ دینا بھی جائز ہے جیسے بنشکہ میں میں میں ادعام کیا جائے تو یہاں کرنے کے بعد اس کی حرکت ما قبل کو نہ دیجائے بلکہ حذف کر دی جائے اور پھر جنس کا جنس میں ادعام کیا جائے تو یہاں التقائے ساکنین ہوگا فاءافتعال اور حرف مرغم کے درمیان ہیں التقائے ساکنین سے نیخے کیلئے ساکن اول یعنی فاء کلمہ کو کسرہ کی حرکت دی جائے گئے کہ السکسا کے فی اِذَا حسیر ہے گئے ہے اللہ کا میں ایک اور یہ جائے گئے کہ اس کی کہ قاعدہ ہے السکسا کے فی اِذَا حسیر ہے گئے ہے اللہ کسنسیر ای طریقہ کے مطابق قرآن میں تی جیسے ہوگا کی اور یہ ہوگئے دی تھا۔

احتر ازى مثال: بيے استقمع المستمعين كلمكى جكدس حروف ميں سے كوئى حرف نہيں ہے۔

اصل مين تَصَتَّوْ فَ تَفااور إِضَّمارَ بَ جواصل مِن تَضَمارَ بَ مَار

سور خ عَبَسَ مِن يَذَكُو اور يَرَو كُل اى قانون كِمطابق وارد مِن جنگى اصل يَدَذَكُو اور يَدَزَكَى إن مِن ادعام ك بعدابتدابالها كن لازم نبين آتى اسك بهزه وصلى كي ضرورت نبين ہے۔

تنبید: منشعب نامی کتاب کے مصنف ؒ نے ثلاثی مزید فید کے ابواب میں باب اِفْتُکُن اور اِفْاعُلُ کا اضافہ کر کے کل چودہ باب بنائے ہیں باب اِفْتُکُل ویک اِفاقہ کر کے کل چودہ باب بنائے ہیں باب اِفْتُکُل ویک وقت یہ باب بنائے ہیں باب اِفْتُکُل ویک وقت یہ ہے کہ ان دونوں کو مستقل باب شار کرنا درست نہیں ہے بلکہ باب اِفْتُکُلُ دراصل باب تَفَتُّلُ ہے، اور باب اِفْتَکُلُ اصل میں باب تَفاعُلُ ہے جوای قانون سے اِفْتُکُلُ اور اِفْاعُلُ سے ہیں گھذا ثلاثی مزید فیہ کے ابواب بارہ ہی ہیں چودہ نہیں میں باب تَفاعُلُ ہے جوای قانون سے اِفْتُکُلُ اور اِفْاعُلُ سے ہیں گھذا ثلاثی مزید فیہ کے ابواب بارہ ہی ہیں چودہ نہیں ہیں۔

احرر ازى مثال : بي تَعْلُم عريهان فاءكمه كى جگه فدكوره دس حروف ميں سے كوئى حرف نبيس ہے۔

(٢) تيسرى صورت بير بي المحالية المحالي

باب افتعال کیمثال جیسے قتی جواصل میں اِقتیک بروزن اِفیکی اوا قیک ہمین اِفییعال آ آء ہے ہواں قانون سے تا وافی تعالی کی حرکت قاف کودیکرتا وکوتا و میں مرخم کیا توافیکی بن گیا ہمز ہ وسلی مابعدے متحرک ہونے کیوجہ سے حذف ہوا

باب تفعن اور تفاعل كى مثال بيم إتّرتك، اور إتّارَك جواصل من تَنتَرّ ك، اور تَتَارَك تصاب تفعن اور تفاعل كرمثال بيم إتّرتك به ور إتّارك جواصل من تنتوك و تفاعل كوتائ من مرغم كيا، اورابتداء بناعُل كرفاء كلم كرفاء والعرب كرفك به وتائد تفعن و تفاعل كوتائ من مرفع كيا، اورابتداء بالساكن محال مون كي وجد من مروع من بمزه وصلى لي آيا۔

فائدہ (۱): - لام تعریف وہ لام ہے جو کسی شکی کے تعین کرنے کیلئے آتا ہوجیسے اَلْتِ مجن (معین آدی) میں لام، اور لام غیر تعریف وہ لام ہے جو کسی شکی کی تعین کیلئے نہ ہو بلکہ کلمہ کا بنیادی حرف ہوجیسے بنل اور هَلْ کالام۔

فاكده (۲): _حردف تبحى كى دوشميں ہيں (۱)حروف شمسيَّة _ (۲)حروف قمريّة

نمبرا: حروف شمسية وه حروف ہوتے ہیں جن میں لام تعریف مدغم ہوجا تا ہے

مبراز حروف قريه واحروف موت مين جن مين لام تعريف مرغم نهيل موتا

حروف شمسيد كل چوده بين: ـ ت، د، د، د، ر، ز س، ش، ص، ض، ط، ظ، ل،ن ـ

ان كيملاده، باقى حروف قمريدين وه بهى چوده بين ب، ج، ح، خ، ع، غ، ف، ق، ك، م،و، ،، ه، ى

اعتر اض حروف هجاءتو كل انتيس بير _ اوران دونو ل قسمول مين كل الثما كيس حروف بين توانتيبوان حرف كهال كميا؟

جواب: ۔انتیوال حرف الف ہے اور الف ندح ف مشی ہے اور ندقمری کیونکہ یقتیم لام تعریف کے بعد واقع ہونے کے اعتبار سے ہے اور لام تعریف بھی ساکن ہوتا ہے تو اعتبار سے ہے اور لام تعریف بھی ساکن ہوتا ہے تو الف بھی ساکن ہوتا ہے تو الف آنے سے التقائے ساکنین ہوگا جودرست نہیں ہے۔

سوال: مصنف نے حروف شمسیہ تیرہ بتلائے میں جبکہ پیکل چودہ ہیں سیکیوں؟

جواب : مصنف ؓ نے لآم کوذ کرنہیں کیا کیونکہ لام تعریف کے بعد لام آنے کی صورت میں ابدال نہیں ہوتا (کیونکہ لام کولام سے بدلنا کوئی معنی نہیں رکھتا) یہاں صرف ادغام ہوتا ہے (ایک جنس کے دوحرف جمع ہونے کیوجہ سے) جبکہ مصنف ؓ صرف ان حروف کو بیان کرنا چاہتے ہیں جنکے آنے کی صورت میں لام تعریف کا ابدال اور ادغام دونوں ہوتا ہو

دوسری بات سیہ ہے کہ لام تعریف کے بعد ایک اور لام آنے کی صورت میں بقانون متجانسین (مضاعف) ادغام کا ہونا بالکل واضح اور متعین ہے اسلئے اسکوبیان کرنے کی ضرورت محسوں نہیں گی۔

وجه تسمید حروف شمسید کی وجه تسمید یه کش سورج کوکتے بیں پس جس طرح سورج کے نکانے سے سارے چھپ جاتا ہے۔ ستارے چھپ جاتے ہیں توای طرح حرف شمی کے آنے سے لام تعریف آئمیں مذم ہوکر چھپ جاتا ہے۔

حروف قمرید کی وجہ تسمید ہیہ ہے:۔ کہ قمر چاند کو کہتے ہیں ہیں جس طرح چاند کی موجود گی میں ستار ہے بھی موجود رہتے ہیں ای طرح حرف قمری کی موجود گی بھی لام تعریف اپنے حال پر برقر ارر ہتا ہے مذم نہیں ہوتا۔ قانون: اگریکے از یاز دہ حروف ندکورہ ورآء ونو ت بعد از لام تعریف واقع شود، لام راجنس ایشاں کروہ وجو با، ادغام می کنند وجو با۔ واگر یکے از ایشاں بعد از لام ساکن غیر تعریف واقع شود۔ لام را جنس ایشاں کر دہ جواز ا، ادغام می کنند وجو با، سوائے راء چرا کہ دریں جاوا جنب است

قانون نمبر ٣٣ : حروف شهمسيه اورحروف قمريه والاقانون

اس کی تین صورتیں ہیں

(۱) بیکی صورت میرے کہ جب لام تعریف کے بعد حروف شمسید میں سے کوئی حرف واقع ہو، تو لام تعریف کوئر نف میں کوئر نف کو حرف مشی کی جنس سے تبدیل کرنا بھی واجب اور جنس کوجنس میں مدغم کرنا بھی واجب ہے۔

اتفاقی مثال: جیے السَّمْسُ جواصل میں الْسَمْسُ تھا، لام تعریف کے بعد شین حرف میں واقع ہوتو لام تعریف کوشین سے تبدیل کیا اَشْسَمْسُ مِن کیا ۔ لام تعریف یہاں کھے میں تو آتا ہے لیکن سے تبدیل کیا اَشْسَمْسُ مِن کیا ۔ لام تعریف یہاں کھے میں تو آتا ہے لیکن برخ سے میں نہیں آتا۔

حروف شميه كى مزيدا مثله جيسے المنتانيس ، المتابت ، المدليس ، الذّاكر ، الرّحيد ، فغره جنكى اصل بالرتيب المتانية ، المدّاكية ، المدّاكية ، المدّاكية ، المدّاكية ، المدّاكية ، المدّاكية ، المرّحية من المرّحية من المرّحية من المراكية من

احر ازى مثال جيے الْعليم ميں لام تعريف كے بعد حرف من بيس ہے۔

(۲) دوسری صورت ہیہے: کہ جب الم ساکن غیرتعریف کے بعد کوئی حرف شمی واقع ہوتو اس لام کوحرف شمی کی جنس سے تبدیل کرنا جائز اور جنس کوجنس میں مذم کرنا واجب ہے سوائے رآء کے کہ آئیس ایدال اور ادغام دونوں واجب ہیں انتقاقی مثال میں بیٹ ہوتی کے بعد سین حرف انتقاقی مثال میں بیٹ جواصل میں بیٹ سوٹ گئٹ تھا بیٹ سوٹ گئٹ میں لام ساکن غیرتعریف کے بعد سین حرف سفسی واقع ہے تولام کومین کی جنس سے تبدیل کیا جواز ا۔ پس بسٹس سکٹ گئٹ بن گیا اسکے بعد سین کاسین میں ادغام واجب

راءى مثال جي قل رَّبِ جواصل مِن قُلُ رَبِّ حا-

كَلاَّبِـَلْ رَانَ والى راءاس عَم ہے متنی ہے آئیں نہ ابدال ہوگا اور نہ ادغام كيونكه بسُل پرسکتہ ہے جوقراء كے زو يك فرض

ہادرقانون وجو لی ہادرفرض واجب پرمقدم موتاہے

فائدہ:۔ سکتہ کے لغوی معنی ہیں۔ خاموش ہونا ،اورا صطلاحی تعریف ہے:۔ سانس توڑے بغیر کلمہ کے آخری حرف پرصرف آواز کو بند کرنا اور پھرای سانس میں آگے بڑھ جانا۔ وقف اور سکنہ میں قرق یہ ہے کہ وقف میں آواز اور سانس ونوں بند کر دیتے ہیں جبکہ سکتہ میں صرف آواز کو بند کردیتے ہیں سانس جاری رکھتے ہیں۔

(۳) تیسری صورت بیہے ۔ کہ جب لام تعریف کے بعد جوف قسمرید میں سے کوئی حرف واقع ہوتو لام تعریف کو اسے حال پر برقر ارر کھنا واجب ہے۔

اتفاقى مثال مي المُقدَرم، المُعَلِيمُ ان من لامتعريف اين حال برباقى بـ

احر ازی مثال صحالتاً فید اس الم تعریف کے بعد رف قری ہیں اے۔

باب ششم صرف صغیر ثلاثی مزید فیه می از باب افت عال چون آلاکتساب بمعنی کسی چیز کے حاصل کرنے میں کوشش کرنا

اكتسب يَكْتَسِبُ إِكْتِسَاباً فهو مُكْتَسِبُ و أَكْتُسِبَ يُكْتَسَبُ اكْتِسَاباً فذاك مُكْتَسَبُ لَمُ يَكْتَسِبُ لَمُ يُكُتَسَبُ لَا يَكُتَسِبُ لَا يُكُتَسِبُ لَا يُكُتَسَبُ لَى يَّكُنَسِبَ لَى يُكَتَسَبَ الامر منه اكتَسِبُ لِتُكُتَسِبُ ، لِيَكْتَسِبُ ، لِيُكْتَسَبُ والنهى عنه لَا تَكْتَسِبُ ، لَا تُكْتَسَبُ ،

لا يَكْتَسِبُ لا يُكْتَسَبُ الظرف منه مُكْتَسَبُ، مُكْتَسَبَانِ، مُكْتَسَبَانِ، مُكْتَسَبَاتُ ﴿

اسم فاعل مُكْتَسِبُ مُكْتَسِبَان مُكُتَسِبُونَ ، مُكْتَسِبَةٌ ، مُكْتَسِبَتَانِ مُكَتَسِبَاتُ . امر حاضرمعروف ، إكْتَسِبُ اكْتَسِبَا إكْتَسِبُو اكْتَسِبُو الكَتَسِبِيّ ، اكْتَسِبَا اكْتَسِبْنَ ، اى طرح بالل كردانين كل جائين -

بناء: - اِکْتَسَبَ کو اکْتَسِتَابِ مصدرے اسطرح بنایا کہ تائے افت عال کوفتے دیکر الف مصدر کوحذف کیا اور آخرے توین مکن علامت اسم کوحذف کر کے اسکو مبنی برفتے بنادیا فعل ماضی کے باتی صیغوں کی بناء ثاری کے اسکو مبنی برفتے بنادیا فعل مضارع معلوم کی بناء ۔ یک تَسِبُ ، تَکْتَسِبُ مضارع معلوم کی بناء ۔ یک تَسِبُ ، تَکْتَسِبُ ، نَکْتَسِبُ کو اِکْتَسَب سے اس طرح بنایا کہ

شروع میں حف مضارع مفتوح لگا کر ما قبل آخر کو کر و دیا اور آخر می ضمدا عرابی لے آئے تویا گنسید بن تا گنسید بن ا ااگنتسید ، کا گنتسید بن گئے۔ ہمز وصلی در میان میں داقع ہونے کی وجہ سے مذف ہوا باتی بناء بحر دی طرح ہے۔ غیر الما فی مجر دمیں اسم مفعول اور اسم ظرف کے در میان لفظ کے اعتبار سے کوئی فرق نہیں ہوتا۔ ان میں قرق آلک تو معنی کے اعتبار سے ہوتا، اور ایک بناء کے اعتبار سے ، کہ اسم مفعول مضارع مجبول سے بنا ہے اور اسم ظرف مضارع معلوم سے
قوانمین کا اجراء : ۔ ایک تسمیدی ماضی معلوم میں منسر بن کا پہلا قانون جاری ہوا کہ اصل میں ایک تسمیدی تھا ایک علامت تا نہد (یعنی تاء) صدف ہوئی تو ایک تسمیدی بن کیا منسسر بن کے دوسرے قانون سے ماقبل آخری حرکت صدف ہوئی تا کہ
چار حرکا سے کا اجتماع لازم نہ آئے ، ای طرح ایک تسمید سے ، ایک تسمید سے ، ایک تسمید سے ، میں بھی بھی قانون جاری ہوا کہ اصل ایک تسمید تے ، ایک تسمید تے ہے۔

ا كُتَسَبْتُم مِن ضَرَبْتُم أور النَّتُم والاقانون جارى مواب كاصل من إكتسبتموا قا-

ماضی مجبول کے تمام صیغوں میں ماضی مجبول والا قانون کی تیسری صورت جاری ہوئی ہے کہ بیہ ہمزہ وصلی والا باب ہے اسلئ بوقت بناء پہلے اور تیسرے حرف کوضمہ اور ماقبل آخر کو کسرہ دیا گیا ہے جیسے امکت سیب اکت سیب المخ.

مضارع معلوم کے تمام صیفوں میں مضارع کا پہلا قانون جاری ہوتا ہے کہ ماضی کا پہلاصیغہ چارحرفی نہیں ہے اسلئے حرف اتین مفقرح ہے اور مضارع معلوم کے دوسرے قانون کی دوسری صورت بھی جاری ہوتی ہے، کہ اسکی ماضی کی ابتداء میں تاک زائدہ نہیں ہے اس لئے ماقبی آخر یعنی سین یہاں کمور ہے، اور فقل مضارع کے واحد مشکلم کے صیغہ میں ہمز قطعی والا قانون جاری ہوتا ہے اور یا ء کے علاوہ باقی حروف اتین والے صیفوں میں مضارع معلوم کے اندر ایجہ تھے گھے والا قانون بھی جاری ہوسکتا ہے کیونکہ یہ ہمزہ وصلی والا باب ہے اس کے علاوہ مضارع معلوم میں علیم شکیم والا قانون کی دوسری صورت جاری ہوسکتا ہے کیونکہ یہ ہمزہ وصلی والا باب ہے اس کے علاوہ مضارع معلوم میں علیم شکیم خاتی ہوئی ہوسکتا ہے لیمذا ہمی جاری ہوسکتا ہے لیمنا ہو تھی ہوسکتا ہے مطاری ہوسکتا ہے میان ہوسکتا ہوتو و ہاں یہ قانون جاری ہوگا۔ اس باب کے ہرا یک جائز ہے اس کے علاوہ ایک انون کی پہلی صورت جاری ہوسکتا ہے کیونکہ ہرا یک صیفہ میں باب افتعال کے عین کلمہ کی جگد صیفہ میں خاتی کردا نوں کی پہلی صورت جاری ہوسکتا ہے کیونکہ ہرا یک صیفہ میں باب افتعال کے عین کلمہ کی جگد میں جاری جوت تا کے افتعال کوسین بنانا جائز ہے اور پھرسین کوسین میں مرغم کرنا واجب ہے جیسے دی حرب حدف میں ہے سین واقع واقع ہے تو تا کے افتعال کوسین بنانا جائز ہے اور پھرسین کوسین میں مرغم کرنا واجب ہے جیسے دی حدوف میں ہے سین واقع واقع ہے تو تا کے افتعال کوسین بنانا جائز ہے اور پھرسین کوسین میں مرغم کرنا واجب ہے جیسے دی حدوف میں ہے سین واقع واقع ہے تو تا کے افتعال کوسین بنانا جائز ہے اور پھرسین کوسین میں مرغم کرنا واجب ہے جیسے دی حدوف میں سے سین واقع واقع ہے تو تا کے افتعال کوسین بنانا جائز ہے اور پھرسین کوسین میں مرغم کرنا واجب ہے جیسے دیں جو سے سے سین واقع واقع ہے تو تا کے افتعال کوسین بنانا جائز ہے اور پھرسین کوسین میں مرغم کرنا واجب ہے جیسے دو سے حدول کے سے مرکب

ا كُتستب كوكستب ، يَكتسب ويكسيب اور اكتسب كوكسيب وكسيب وكسيب وكسيب والماران عن المكم يعن كاف كور المستبدي المر كره ديمر كستب ، يَكسيب، اوركسيب يرهنا بهي جائز بي جيدا كدرا.

ای ترتیب سے آپ باتی ابواب کے تمام میغوں پر نظر ڈالیئے کہ س میغہ میں کونسا قانون جاری ہوتا ہے؟

باب مقتم صرف صغر ثلاثى مزيد في حيح ازباب انفعال : چون الإنتصراف لوثا، بازر منا انتصرف يتنصرف انصرافاً فهو مُنصرف كم يتنصرف لاينصرف كن يتنصرف لن يتنصرف الامر منه انتصرف ليتنصرف والنهى عنه لا تنصرف ، لا يتنصرف الظرف منه مُنصرف مُنصَرفان مُنصَرفات .

یہ باب ہمیشدلا زم استعال ہوتا ہے اسلئے اس سے اسم مفعول اور مجہول کی گردان نہیں آتی

بدناء: _ اِنْصَدَوفَ كو اِنْسَصِدَ اهَا مَسَاسِ طرح بنايا كه عين كلمه كوفته ويكرالف مصدر كوحذف كيااورآخرست توين تمكن علامت اسم كوحذف كراسكو مبنى برفته بناديا _

اس باب کے ہرایک صیغہ میں اخسف ءوالا قانون جاری ہوتا ہے کیونکہ یہاں نون ساکن کے بعد حروف اخفاء میں سے صاد واقع ہے، ہاقی قوانین بھی جاری کردیجئے

باب مشم صرف صغير ثلاثى مزيد في يح ازباب استفعال : چون الإست يخر اج بمعنى تكاوانا، استنباط كرنا،،

السَتَخُرَجُ يَسْتَخُرِجُ إِسْتِخُرَاجاً فهو مُسْتَخُرِجُ والسَّتُخُرِجُ يَسْتَخُرَجُ إِسْتِخُرَاجاً فذاك مُسْتَخْرَجُ لَمُ يَسْتَخُرِجُ لَمُ يُسْتَخُرِجُ لا يُسْتَخُرِجُ لا يُسْتَخُرَجُ لَن يُسْتَخُرِجُ لَن يُسْتَخُر الامرمنه استَخُرِجُ لِتُسْتَخُرَجُ لِيَسْتَخُرِجُ لِيسُتَخُرَجُ والنهى عنه لا تَسْتَخُرِجُ لا تُسْتَخُرَجُ لا يَسُتَخُرِجُ لا يُسْتَخُرَجُ الطرف منه مُسْتَخُرَجُ مُسْتَخُرَجُ الطرف منه مُسْتَخُرَجُ مُسْتَخُرَجُ المُسْتَخُرَجُ السُلْونَ مِنْ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ ال

۔ انستَخْرَج کو انشیخر اجا گے سے اس طرح بنایا کہناء استفعال کوفتہ دیکر الف مصدر کوگرادیا اور آخر سے تنوین علامت اسم کوحذف کر کے اسکوئی برفتہ بنادیا۔ تصاریف، بناء، اورتوانین کے اجراء پرتوجہ دیجئے تا کہ ابواب کا جواصل مقصد ہو و حاصل ہوجائے

باب مم صرف مغير ثلاثي مزيد في مح ازباب افعلال : چون ألَّا حُمِرَ الم يمعن سرخ مونا

اِحْمَرَّ يَحْمَرُ اِحْمِرَ اللَّهُ فِهُو مُحْمَرُ لَمْ يَحْمَرُّ لَمْ يَحْمَرُ لَمْ يَحْمَرُ لَا يَحْمَرُ لَن يَتَحْمَرُ الامر منه اِحْمَرً لا يَحْمَرُ الْحَمَرِ لِيَحْمَرُ لِيَحْمَرُ لِيَحْمَرُ لِيَحْمَرُ لِيَحْمَرُ لا يَحْمَرُ لا تَحْمَر لا يَحْمَرُ لا يَحْمَرُ لا يَحْمَرِ وُ الطرف منه مُحْمَرُ مُحْمَرًان مُحْمَرًاتُ

یہ باب ہمیشہ لازم استعال ہوتا ہے متعدی استعال نہیں ہوتا اور یہ بار بارگذر چکا کہ فعل لازم سے اسم مفعول اور جمہول کی گردان نہیں آتی ،بعض صرفی حفرات جوفعل لازم ہے بھی اسم مفعول اور جمہول کی گردان ذکر کر دیتے ہیں یہ محض مثق و تمرین کی خاطر ، تا کہ مختلف گردا نیں زبان پر جاری ہوجا کیں قطع نظراس سے کہ وہ کلام عرب میں مستعمل ہوں یا نہ ہوں اس باب کا لام کلمہ کر رہوتا ہے جسمیں سے ایک لام اصلی اور ایک زائد ہوتا ہے یہاں لام کلمہ کر رہوتا ہے جسمیں سے ایک لام اصلی اور ایک زائد ہوتا ہے یہاں لام کلمہ تراء ہے جو کہ کر رہوتا ہے۔ ایک راء اصلی ہورا یک راء اور ایک راء زائد ہے ، مادہ حصر ہے۔

ا ختر الف مصدر کو الحیمر او آمصدر سے اس طرح بنایا کو عین کلمه (یعنی میم) کوفته دیکرالف مصدر کوگرادیا اور آخر سے تنوین علامت اسم کوحذف کر کے اسکو بنی برفته بنادیا تواہد متر رسن گیا ایک جنس کے دوحرف (یعنی دوراء) ایک ساتھ جمع ہو گئے تو مضاعف کے قانون سے دائے اول کی حرکت حذف کر کے اسکارائے ثانی میں ادغام کیا تو ایک متر تن گیا و علم سے هذا القیادی ۔

فعل ماضى معروف الحمرة ، الحمرة المحمرة والمحمرة والمحمدة
قعل مضارع معلوم : يَحْسَرُ يَحْسَرُ إِن مَنْ مَرَوْن ، يَحْسَرُون ، تَحْسَرُ ، تَحْسَرُ أَن الْحُسَرُ أَن الْحُسَرُ أَن الْحُسَرُ الْعَالِم اللَّهُ اللَّالِمُ اللَّا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّا اللَّهُ اللَّا اللَّهُ اللَّهُ ال

اعتراض: مضارع معلوم کے دوسرے قانون کے مطابق بیگردان درست نہیں ہے کیونکہ مضارع کے دوسرے قانون کی دوسری صورت بیہ کہ جس باب کی ماضی کی ابتداء میں تائے زائدہ نہ ہو، اس کے مضارع معلوم میں ماقبل آخر کو کسرہ دینا واجب ہے، تواس باب کی ماضی کی ابتداء میں تائے زائدہ نہیں ہے (بلکہ ہمزہ وصلی ہے) لطذا قانون کا تقاضہ تو یہ ہے کہ ماقبل

آخر یعنی آخرے پہلی را بیکسور ہولیکن یک ترق میں تو پہلی را اساکن ہے، اور اگر ماقبل آخرے میں کلمہ مراد ہے تو یہاں میں کلمہ میم ہے اور وہ بھی کمسونیس بلکہ مفتوح ہے ہیکوں؟

جواب: ۔ ماقبل آخر سے مرادیبال پہلی راء ہے اور پہلی راءاصل میں کمسور ہی ہے کیونکہ یکٹ میٹر اصل میں یکٹ تسر رقعا بقانون مضاعف ادغام کرنے کے بعد پہلی راء ساکن ہوگئ ہے تو سکون عارضی ہے اصلا بیر آء کمسور ہے ۔لہذا مضارع کی گردان بالکل قانون کے مطابق ہے۔

اسم فاعلى كردان مُحَمَّرٌ مُحَمَّرًان مُحَمَرًان مُحَمَرً وَن مُحَمَرًة مُحَمَّرًان مُحَمَرًات مُ

اسم فاعل اوراسم ظرف دونوں مُسخسَمَّ ہاصل کے اعتبارے فرق ہے کہ اسم فاعل کی اصل مُسخسَمَر و اوراسم ظرف کی اصل مُخمَرَد ؟ ہے۔ اصل مُخمَرَد ؟ ہے۔

فَعْلَ مَسْتَقْبَلَ مَعُلُوم مَوَكَد بِلام تَاكِيدونون تَاكِيدُ فَقَيلَه كَلَّرُوان : لَيَحْمَرُّنَ ، لَيَحْمَرُّنَ ، لَيَحْمَرُّنَ ، لَيَحْمَرُّنَ ، لَيَحْمَرُّنَ لَتَحْمَرُّنَ لَتَحْمَرُّانِ ، لَتَحْمَرُّانِ ، لَتَحْمَرُّانِ ، لَتَحْمَرُّانِ ، لَتَحْمَرُّنَ لَتَحْمَرُّانِ ، لَتَحْمَرُّنَ لَتَحْمَرُّنَ لَتَحْمَرُ فَانَ لَتَحْمَرُ فَانِ ، لَتَحْمَرُ فَانَ لَتَحْمَرُ فَانَ لَيَحْمَرُ فَانَ اللهُ فَعَرُّنَ فَا لَيْ فَعَمْرُ فَانَ اللهُ فَعَمْرُ فَا فَاللهُ فَاللّهُ فَا لَا لَمُعْمَرُ فَاللّهُ لَا لَلْمُ فَاللّهُ فَالل

فعل بحدمعلوم: لمَهْ يَحْمَرُ لَمْ يَحْمَرُ لَمْ يَحْمَرُ لَمْ يَحْمَرُا، لَمْ يَحْمَرُوُا ،لَمْ تَحْمَرُ لَمْ تَحْمَرُا ، لَمْ تَحْمَرُوا ،لَمْ تَحْمَرُا ، لَمْ تَحْمَرُوا ،لَمْ تَحْمَرُون لَمْ اللهُ الل

فعل جحد كالعليل (بناء) لَمْ يَحْمَرُ لَمْ يَحْمَرُ لَمْ يَحْمَرُ وَ يَحْمَرُ مَن بنايا ور لَمْ تَحْمَرُ لَمْ تَحْمَرُ لَمْ تَحْمَرُ لَمْ الْحَمَرُ وَ الْحَمَرُ مَن بنايا ور لَمْ نَحْمَرُ لَمْ الْحَمَرُ لَمْ الْحَمَرُ وَ الْحَمَرُ مَن بنايا ور لَمْ نَحْمَرُ لَمْ الْحَمَرُ لَمْ الْحَمَرُ وَ الْحَمَرُ مَن بنايا ور لَمْ نَحْمَرُ لَمْ فَحْمَرُ لَمْ الْحَمَرُ وَ الْحَمَرُ وَ الْحَمَرُ مَن بنايا ور لَمْ نَحْمَرُ لَمْ فَحْمَرُ وَعَ مِن لَم جازم للناف في وجب حركت آخر سار كى والقائر ما كنين موا دوراؤل كودرميان كردائ اول ويهل ساكن في اوردومرى داءاب ماكن موكى ، والتقائر ماكنين سن يخ كيك بعض صرفى كت بي كدومر عماكن فق دياجائر كونك فقد المحركات بالعذا لَمْ يَحْمَرُ لَمْ تَحْمَرُ اللهُ الْحَمَدُ مَن وَلَمْ اللهُ ا

> ہاتی شنیادرجع کے سیغوں کی بناء ثلاثی مجرد کی طرح ہے۔ ای طریقہ سے امرادر نہی اور مضارع مجز وم کے سیغوں کی بناء ہوگی۔

امرحاضرمعروف كي كردان - اخمر ، اخمر ، اخمر ، اخمرا ، اخمرا ، اخمرا ا ، اخمرا ، اخم

یہاں بھی الحسمر ، الحسر ، الحسر و ، کی بنا فعل جمد کی طرح ہے کہ امر حاضر بناتے وقت تعظم کو سے حرف اتین کو حذف کر کے اسکی جگہ ہمزہ وصلی کمسور لگا دیا اور آخری حرف پر وقف کرنے کی وجہ سے اسکی حرکت حذف ہوگئ تو دوساکن راء جح ہوگئیں اب بعض صرفی دوسر سے ساکن کو فتح دیکر الحسمر تی حضرات ساکن ٹانی کو کسرہ دیکر الحسر پر جعتے ہیں اس قاعدہ کی بناء پر کہ آلست اکر جی اذا محیر الک محیر سے ہیں اس قاعدہ کی بناء پر کہ آلست اکر جی اذا محیر سے بیان کی جہ ہولت کی مناء بل کے مستقل قانون مرس سے مناوں کی بناء مل اس کو ایک مستقل قانون میں ہے ، باقی صیفوں کی بناء مل آل کو سرت مستقل قانون کی دیا ہیں سے بان کی اگر اسکو ایک مستقل قانون کی دیا ہیں ہے ، مالے کی سہولت کی خاطراس کو ایک مستقل قانون کی دیا ہیں ہے ، مالے کے سروی کی کا میں ہے ، باقی سے بیان کیا گیا۔

قانون غبر٣٣: لمَّم يَحْمَرُ أور لَمْ يَمُدُ والاقانون: اسكى دوصورتين بين

(۱) پہلی صورت بیہ ہے: ۔ کہ ہروہ مضارع جس کا آخر مشدد ہواور مضموم العین ندہ وجب اس پرکوئی عامل جازم داخل ہو جائے یا امر حاضر معلوم بنانا ہو، تواس کے پانچ صینوں (واحد مذکر عائب، واحد مذکر حاضر، واحد مسؤ نث عائب، واحد مشکلم، جمع مشکلم) کوتین طریقوں سے پڑھناجا کر ہے تھے ، کسرہ اور فک ادعام (یعنی ادعام نہ کرنا اور اصل پر پڑھنا)۔ اتفاقی مثال: ۔ جیسے یکٹ میں سے لئم یکٹ میں ، لئم یکٹ میں ، لئم یکٹ میں در سے عامل جازم واضل ہونے کی مثال ہے۔

امرحاضر کی مثال : جیسے تنعمر شے احتر ، احتر ، احتر ، احتر ادی مثالی (۱) کے تنعیر اس کا آخرمشد ذہیں ہے(٢)كم يك مرا ، يدكوره بانج صيغوں ميں سے نبيں ہے(٣)كم يمديم مارع مضموم العين ہے (۲) روسری صورت میرے کے جب مضارع کا آخر مشدد ہوا در مضموم العین ہوتو عامل جازم داخل ہونے کے وقت یا امرحاضرمعلوم بناتے وقت ندکورہ یا نج صیغوں کو چارطریقوں سے پڑھنا جائز ہے(۱) فتحہ (۲) کسرہ (۳) ضمہ (۴) فک ادغام کےساتھ

اتفاقى مثال: بي يَمُدُّ عَلَمُ يَمُدُّ ، لَمْ يَمُدُّ ، لَمْ يَمُدُّ ، لَمْ يَمُدُّ ، لَمْ يَمُدُّ دُه بيعال جازم داخل مون كامثال ب امرحاضر كي مثال : بي تَدُدُّ ، بي مُدَّ ، مُدِّ ، مُدُّ ، أمُدُدُ ، احرازي مثال جيد لَمْ يَحْمَعُ بيمضارع مضموم العین نہیں ہے،

تعبیہ:۔ ندکورہ یا نچ صیغوں میں ہے کوئی بھی صیغہ جب اس باب اف عیلال کے فعل جحد ، یاامر ، ونہی میں واقع ہوتو اس قانون کی پہلی صورت کے مطابق اسکوتین طریقوں سے پڑھنا جائز ہے مثلا ،امر غائب معلوم کی گردان یوں ہوگی: لیسٹ مشتر ، لِيَحْمَرٌ ، لِيَحْمَرُ ، لِيَحْمَرًا ، لِيَحْمَرُّوا ، لِتَحْمَرٌ ، لِتَحْمَرٌ ، لِتَحْمَرُ ، لِتَحْمَرُ ا اليَحْمَرُ ا اليَحْمَرُ وَا لِٱحْمَرَّ، لِٱحْمَرِّ، لِٱحْمَرِهُ ، لِنَحْمَرَّ ، لِنَحْمَرًّ ، لِنَحْمَرٌ ، لِنَحْمَرِهُ ،

اور قعل نهى حاضر معلوم كى كردان يول موكى: لا تَحْمَرُ ، لا تَحْمَرِ ، لا تَحْمَرِ ، لا تَحْمَرُ ا ، لا تَحْمَرُ وا ، لَاتَحْمَرَّى ، لَاتَحْمَرًا، لَاتَحْمَرِ دُنَ-اى طرح باقى مجهلين-

باب وهم صرف صغير ثلاثي مزيد في سيح ازباب افعية للال حون الإخمية را ويمعنى زياده سرخ مونا یہ باب بھی باب افعلال کی طرح ہمیشدلا زم استعال ہوتا ہے،اس سے اسم مفعول اور فعل مجبول نہیں آتا اوراس کا بھی لام کلمہ مکرر ہوتا ہے جسمیں سے ایک لام اصلی اور ایک زائد ہوتا ہے۔ اسکامادہ بھی حسر ہے۔

اِحْمَارَ يَحْمَارُ اِحْمِيْرَاراً فهو مُحْمَارُ كُمْ يَحْمَارُ لَمْ يَحْمَارُ لَمْ يَحْمَارُ لَا يَحْمَارُ لَن الامرمىنه إخْمَارٌ إِحْمَارِ إِخْمَارِ لِيُحْمَارُ لِيَحْمَارُ لِيَحْمَارُ لِيَحْمَارِ والنهى عنه لَاتَحْمَارٌ لَاتَحْمَارٌ لَاتَحْمَارِ ژِلَايَحْمَارً لَايَحْمَارً لَايَحْمَارِهُ الطرف منه مُحْمَارٌ مُحْمَارًان مُحْمَارًاتُ

اخييرارا مصدراصل من إختارار أبروزن إفعالاً لا تعاكيونكاس بابى علامت عين كلمد عدالف كاموناب

پر عین کلمہ کو کسرہ دیا کہ اس باب کے معدد میں عین کلم کسورہ وتا ہے توالف اقبل کسورہ ونے کی و جسست سے بقانون مت متن ارتباء ہے۔ متن ارتب و مندور بت - بیالف یاء سے بدل گیاا خیر اُٹر اُلا بن گیا ۔

فعل ماضی کا پہلاصیفہ مصدر کی اصل بعنی احسمار اوا سے اس طرح بنتا ہے کہ الف مصدر اور آخر سے توین کو حذف کر کے اسکو بنی برفتہ کر دیا جاتا ہے تو احسمار زبنتا ہے ایک جنس کے دو حرف ساتھ بھے ہونے کیوجہ سے ایک کا دوسر سے میں ادعام ہوجا تا ہے تو احسمار میں جاتا ہے

فعل ماضى معروف كى كروان - احتسارً، احتسارًا ، احتسارًا ، احتسارًو ا ، احتماريَّتُ ، احتماريَّنا ، احتمار رُن ، احتمار رُت ، احتمار رُتُما ، احتمار رُتُهُ الخ

اس باب كفل جحد بعل امر بعل نبى ميں پائج صينوں كو لَدَمْ يَدُحَدُرُ لَمْ يَمُدُّ والاقانون كى پہلى صورت كے مطابق تين طريقوں سے پڑھنا جائز ہے جیسے لَدُمْ يَدُسَمَارٌ ، لَدُمْ يَدُسَمَارٌ ، لَمْ يَحْمَارِ رُ ، لَمْ تَحْمَارٌ ، لَمْ تَحْمَارِ رُ الْنِ

باب يازوبهم صرف صغير ثلاثى مزيد في صح ازباب الفيعة ال: چون الإجلة الخبعثى دورُنا الجلة قد يتجلود المجلود المحمد المعلى ومن المحلود المحمد المعلود المعلود المعلود المعلود الامر منه الجلود المعلود المعلمة المحلود المحمد
اس باب کے ہرایک صیغہ میں عین کلمہ کے بعد وادمشددہ زائدہ ہوتا ہے جیسے اِجْلَوَّذَ بروزن اِفْعَوْلَ مادہ جَلَد کے الم عین کلمہ ہے جسکے بعد وادمشددہ زائد ہے۔

یہ باب اوراس کے بعد آنے والا باب اف یعید علی اللہ دونوں اکثر لازم استعال ہوتے ہیں اور بھی متعدی بھی استعال

ہوتے ہیں

فعل مضارع معروف :- يَجُلَوّذُ ، يَجُلَوّذُ إِن ، يَجْلَوّذُونَ ، تَجْلَوّدُ ، تَجْلَوّذُ الن ، يَجْلَوّدُ النح بناء: - يَجْلَوّدُ ، وَإِجْلَوّدُ بِي الطرح بنايا كر روع من حرف مضارع مفتوح لگاكر ما قبل آخر كوكر وديا اور آخر من ضمه اعرابی لے آئے توکیا جُلوّدُ بن گیا، ہمزہ وصلی درمیان میں آنے كيوب سے حذف ہوا توبية جُلوّدُ بن گیا، ای طریقہ سے تَجْلَوْدُ ، اَجْلَوْدُ ، نَجْلَوْدُ مِحْدِيں ۔

باب دوازدهم صرف صغير ثلاثى مزيد فيرضيح ازباب الفعين عال: چون اَلْا حَدِيْدَاب، بمعنى كبر ابونا الحَدَوْدَب، يَتَحْدَوُدِبُ ، اِحْدِيْدَا باً فهو مُحْدَوْدِب لَمْ يَحْدَوُدِب ، لاَ يَحْدَوُدِب لَن يَّحْدَوُدِب الامر منه اِحْدَوُدِب لِيَتَحْدَوُدِب والسنهى عنه لاَ تَحْدَوُدِب لاَ يَحْدَوُدِب الظرف منه مُحَدَوْدَب مُحْدَوُدَبان مُحْدَوُدَبات .

الحديثداب مصدراصل من إحدوداب تقاواوما بل مكورموني كيوبس بقانون ميتعاد (جوآكة رباب) ياءك ماتح تبديل بوكيا-

علامات ابواب میں آپ نے پڑھا ہے کہ اس باب کاعین کلم کرر ہوتا ہے اور درمیان میں وآوز اکدہ ہوتا ہے جیسے اِحدُو دُب بروزن اِفْ عَسَوْعَ لَنْ مَاس كروف اصلية حكدك ميں دال عين كلمه ہے جو كه كرر ہے، ايك اصلى ہے اور ايك ذائد، اور درمیان میں وآوز اکد ہے۔

بناء : اِحدَوَدَبَكو اِحدُدِوْدَاباً ماس طرح بنايا كهين اول كوفته ويكر الف مصدراور تنوين تمكن كوحذف كرك آخركو منى برفته بناديا تو الحدّدُودَب بن كيا _

قعل ماضى معروف كى گروان: _ احدودن ، احدودنسا ، الحدود بكوا ، احدود بكوا ، احدود بكت ، احدود بكتا ، المحدود بكتا ، المحدود بكتا ،

يَحْدُوْدِبُ كَاناء يُجْلَوِّدُ ، كَالمرح بـ

ہر باب کی تمام گردانیں انکی بناہ اور ان میں قوانین کا اجراء نہ بھو لیئے

﴿ الواب الله في مزيد في صحيح ختم شد بعون الله وفضله تعالى ﴾

آغاز ابواب رباعي

باباول صرف صغرربا على مجروضي ازباب فَعُلَلَة " چون اَلدَّ حُرَجَة ، معنى ، پُرُلُوهانا ، دَحْرَجَ يُدَحْرِجُ دَحْرَجَة فَهو مُدَحْرِجٌ و دُحْرِجَ يُدَحْرَجُ دَحْرَجَة فذاك مُدَحْرَجٌ لَمُ يُدَحْرِجُ لَمْ يُدَحْرَجُ لَا يُدَحْرِجُ لَا يُدَحْرَجُ لَن يُدَحْرِجُ لَن يُدَحْرَجَ الامر منه دَخْرِجُ لِتُدَحْرَجُ لِيُدَحْرِجُ لِيُدَحْرَجُ والسنهى عسنه لَا تُدَحْرِجُ لَا تُدَحْرَجُ لَا يُدَحْرِجُ لَا يُدَحْرَجُ الطرف منه مُدُحْرَجُ لا يُدَحْرَجُ الطرف منه مُدُحْرَجُ لا يُدَحْرَجُ الطرف منه مُدُحْرَجُ المُدَحْرَجُ المَارِي مُدَحَرَجُ المَارِي اللهِ مَدَحْرَجُ المَارِي اللهِ مَا اللهُ مُدَحْرَجُ المَارِي المُدَحْرَجُ المَارِي المُدَحْرَجُ المَارِي اللهِ مَدَحْرَجُ المَارِي المُدَحْرَجُ المَارِي المُدَحْرَجُ المَارِي اللهِ مَدْحُرَجُ المَارِي المُدَحْرَجُ المَارِي المَارِي المَارِي المَارِي المُوالِي المُدَوْرِجُ المُدَوْرِجُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ ا

سوال: كل كتف ابواب كمضارع معلوم مين حرف اتين مضموم بوتاب

جواب : ابواب میں سے صرف جارابواب کے مضارع معلوم میں حرف اتین مضموم ہوتا ہے، تین باب علاقی مزید فید کے (۱) باب اِفْعَال (۲) تَفْعِیْل (۳) مُفَاعَلَهُ ،اورایک رباعی مجرد کاباب فَعَلَلَهُ دان کے علاوہ باتی تمام ابواب کے مضارع معلوم میں حرف اتین مفتوح ہوتا ہے۔

سوال کل کتے ابواب کے مضارع معلوم میں ماقبل آخرمفتوح ہوتا ہے

جَوَابَ : ا إِنْ ابِهِ ابِي مِن (١) فَتَحَ يَفُتَحُ (٢) عَلِمَ يَعُلَمُ (٣) باب تَفَعَّلُ (٣) باب تَفَاعُل (۵) باب تَفَعُلُن ـ سوال - کتنے ابواب کے مضارع معلوم میں ماقبل آخرمضموم ہوتا ہے اور کتنے میں کمور ہوتا ہے

جواب: صرف دوباب ایسے ہیں جنکے مضارع معلوم میں ماقبل آخر مضموم ہوتا ہے(۱) نسصتر یا نصر (۲) شکر ف یشسر ف ، اورجن ابواب کے مضارع معلوم میں ماقبل آخر کمور ہوتا ہے وہ کل پندرہ ہیں دو ثلاثی مجرد کے(۱) ضکر ب یک شیر ب (۲) حسب یہ تحسیب اوردی ثلاثی مزید فیہ کے (یعنی فعل اور تفاعل کے سواباتی سب) اور ایک رباعی مجرد کا، اور دور باعی مزید فیہ کے۔

ابوب رباعي مزيد فيه

باب اول صرف مغير، ربائ مزيد في حيح ازباب تفعُلُل : چون اَلتَّدَ حُرَجُ بمعَىٰ پَقُر كَالرُّ هَكَا تَدَحُرَجَ يَتَدَحُرَجُ تَدَحُرُجاً فهو مُتَدَحُرِجٌ لَمُ يَتَدَحُرَجُ لَا يَتَدَحُرَجُ لَن يَّتَدَحُرَجُ الامر منه تَدَحَرَجَ لِيَتَدَحُرَجُ والنهى عنه لَا تَتَدَحَرَجُ لَا يَتَدَحُرَجُ الظرف منه مُتَدَحُرَجٌ مُتَدَحُرَجُانِ مُتَدَحُرَجَاتُ .

فائدہ ۔ یہ باب صرف لازم استعال ہوتا ہے بلکہ رباعی مزید فیہ کے تینوں ابواب لازم ہی استعال ہوتے ہیں متعدی استعال نہیں ہوتے اسلئے یہاں اسم مفعول اورفعل مجبول کی گروان نہ کو زہیں ہے

بناء نَدَخَرَ بَهُ كَو نَدَخُرُ مِجالَّ سے اس طرح بنایا كه ماقبل آخر كوفته ديكر آخر سے تنوين كوحذف كر كے اسكو بنى برفته بناديا اجراء قوانين ساس باب كے مضارع معلوم ميں مضارع معلوم والے قوانين كے ساتھ ساتھ رائے كم يَعْلَمُ والا قانون بھى جارى ہوتا ہے، باتى تصاريف ميں بھى جا بجا قوانين جارى ہوتے ہيں ثلاثى مجرد كى ترتيب سے يہاں تلاش كيجئے۔

باب دوم صرف صغير رباى مزيد في صحح ازباب إفع نكل . چون الأحر ننجام معن اونون كاپانى پرت مونا المحر ننجام معن اونون كاپانى پرت مونا المحر المحر ننجم كن يحر ننجم الأمر المحر ننجم كن يحر ننجم الامر مسنه إحر ننجم ليكتر ننجم والسنهى عنه لاتكر ننجم لا يكر ننجم المطرف منه مكر ننجم ممكر ننجم محر ننجمان محر ننجمات .

بناء : _ إخر نُجّ مَ كو إخر نُج اماً عاس طرح بنايا كمين كلمه (يعنى راء) كوفته ديا الف مصدراور تنوين تمكن كوحذف كر

کے آخر کو مبنی برفتہ کردیا۔

يَحْرَنْجِمْ، تَحْرَنْجِمْ ، أَحْرَنْجِمْ ، نَحْرَنْجِمْ كو إِحْرَنْجَمْ كالطرح بنايا كرشروع مين حرف الين مفتوح لكا كرماقبل آخركوكسره ديا اورآخر مين ضمداعر الى لے آئے اور ہمزہ وصلی درمیان میں آنے كی وجہ سے حذف ہوا

اجراء قوانین: ۔ اس باب کے ہرایک صیغہ میں اخفاء والا قانون جاری ہوتا ہے کہ نون ساکن کے بعد جَیم حرف اخفاء واقع ہے، اس کے علاوہ اِحْرَنْجَتْنَ ماضی معلوم میں ضَعرَبْنَ کا پہلا قانون جاری ہوتا ہے کہ اصل میں اِحْرَنْجَمَتُنَ ۔ اَحْرَنْجَمْتُمْ مِی ضَعرَ بُنْدُمْ اور اَدَنْنُهُمْ والا قانون جاری ہوتا ہے کہ اصل میں اِحْرَنْجَمْتُمُمُونُ تھا۔

ماضی مجہول کی گردان میں ماضی مجہول والا قانون جاری ہوتا ہے مضارع معلوم کی گردان میں مضارع معلوم والے قوانین جاری ہوتے ہیں اور بعض صیغوں میں ایھ کمٹے نیٹ کمٹے والا قانون جاری ہوتا ہے اس طرح آخر تک تلاش کیجئے۔

باب ومصرف صغيررباى مزيد في يحيح ازباب الفيالاً تق : چون الله قنيسفر ارم بمعنى رو مكنه كر بهونا،

خوف یاسردی کی وجہ سے کا نینا۔

بناء : _اقتشَعَتَ کاصل اقتشَعُرَ ہے جروف اصلیہ آمیں چار بین قاف شین ،مین ،راء کیونکہ بیر باعی ہے اور حروف اصلیہ رباعی میں چار بین قاف فاء کلہ ہے شین میں کلمہ ہے ، مین لام اول ہے ، اور راء لام ثانی ہے ، اس باب کا لام دوم مشدد ہوتا ہے جسمیں سے ایک اصلی اور ایک زائد ہوتا ہے جسے کہ اِقْتُشَعَرُ میں راء لام دوم ہوکہ مشدد ہوتا ہے جسمیں ہوتے ہیں اور ایک زائد

اعتراض ۔ پھرتویہ باب خماس ہونا چاہیئے کیونکہ تین لام تو خماس میں ہوتے ہیں۔

 حذف کرے آخرکو منی برفتح کردیا توافی شخر ر بن گیا ایک جنس کے دو ترف (بینی راء) ایک ساتھ جمع ہو گئے تو رائے اول کح کت ماقبل (عین) کودیکر اسکارائے ثانی میں ادغام کیا توافی شَعَر بن گیا۔

نعل ماضى معروف كى كردان: _ إقشَعَرَّ ، إقتَّ عَرَّا ، إقتَ عَعَرُّا ، إقتَّ عَرَّتُ ، إقتَّ عَرَّتُا ، إقتَ عَ التَّ شَعْرَرْتَ ، إقْشَعْرَرُ تُمَا النح

قَعَلِ مِضَارَعَ مَعَرُوف : يَدَقَشَعِرٌّ ، يَقَشَعِرُّ ان ، يَقُشَعِرُّونَ ، نَسَفَشَ مِرُّ ، تَقَشَعِرَان ، يَقُشَعُرِ رُنَ ، تَقَشَعِرُّ ، تَقَشَعِرُّ انِ ، تَقَشَعِرُّونَ ، تَقَشَعِرِّيْنَ ، تَقَشَعِرَّ انِ تَقْشَعْرِ رُنَ ، اَقَشَعِرُ ، نَقَشَعِرُّ -

اسم فاعل: - مَقْشَعِرٌ ، مُقْشَعِرًانِ ، مُقَشَعِرُونَ ، مُقَشَعِرَةً ، مُقَشَعِرَّتَانِ ، مُقَشَعِرَّاتُ ،

فعل متنقبل معلوم مؤكد بلام تاكيرونون تاكير تقليد ليك قشك عيرَّنَّ ، لَيكَ قَشَعِرَّانٍ ، لَيكَ قُشَعِرَّنَ ، لَتَقَشَعِرَّنَّ ، لَتَقَشَعِرَّانِّ ، لَيقَشَعُرِرْ فَانِّ ، لَتَقَشَعِرَّنَ الخ

امرحاضرمعروف : اِقْشَعِرَّ اِقْشَعِرَ ، اِقْشَعُرِرْ ، اِقْشَعِرَّا ، اِقْشَعِرُّوْا ، اِقْشَعِرِّى ، اِقْشَعِراً ، اِقْشَعِرَّا ، اِقْشَعِرَّا ، اِقْشَعِرَّا ، اِقْشَعِرْ ، اِقْشَعِرَا ، اِقْشَعِرْ نَ ، اَى طرح تمام گردان د برائين -

قوانین کا اجراء: ۔ یک قشیع و ، تک قشیع و فیره میں ایک تو همزه وصلی والا قانون جاری ہوا ہے کہ انکی اصل یک اقتشیر و ایک تقشیع و تی ایک تو همزه وصلی درمیان میں آنے کیوجہ سے حذف ہوا۔ اسکے علاوہ مضارع معلوم کے ہرصیفہ میں مضارع معلوم کا پہلا اور دوسرا قانون جاری ہوتا ہے البتہ مضارع معلوم کا تیسرا قانون یہاں جاری نہیں ہوتا کہ وہ تا کے زائدہ والے ابواب کے مضارع معلوم میں جاری ہوتا ہے۔

اعتراض ۔ یہ قشع و ، یقشع و ان الخ مضارع معلوم میں ماقبل آخر (بعنی رائے اول) تو کمور نہیں ہے بلکہ ساکن ہے طائلہ مضارع معلوم کے دوسرے قانون کی دوسری صورت کے مطابق یہاں ماقبل آخر کمور ہونا چاہیئے کیونکہ تائے زائدہ والے ابواب کے علاوہ میں مضارع معلوم کا ماقبل آخر کمسور ہوتا ہے (سوائے ملاثی مجرد کے)

جواب ۔ یک قُشَعِیُّ المخ میں ماقبل آخراصلا کمور ہی ہے سکون عارض ہے کیونکہ بیاصل میں یک قُشَعُور وی قُشَعُور ان ، یک قُشک عُیر رُوُن المنح تھا ایک جنس کے دو حرف ایک ساتھ آنے کی وجہ سے بقانون متجانسین رائے اول کی حرکت ماقبل کودیکر

اسكورائے انى ميں مغم كيا۔

فعل جحد، امر بھی، میں لَم يَدُحمَّرُ لَم يَمدُّ و الاقانون كى يُهلى صورت كے مطابق پانچ صيغوں كوتين طريقوں سے پر صنا جائز ہے

اسم ظرف کی گردان میں اسم ظرف والا قانون کی تیسری صورت جاری ہوتی ہے اور بیصرف اس باب کے ساتھ فاص نہیں بلکہ غیر شلاقی مجرد کے تمام ابواب کے اسم ظرف میں یہی تیسری صورت چلتی ہے۔ ہرایک صیفہ میں تلاش کیا جائے کہ کونسا قانون جاری ہواہ ہا کونسا جاری ہوسکتا ہے؟ مثلا لَسم یہ قشیعت آ ، یہاں نون اعرائی والا قانون جاری ہوا ہے اس طرح لیے قشیعت آ نے تقشیعت آ نے کہ نون اعرائی مذف ہوا ہے نون تاکید آ نے کیوجہ سے لئے جی تقشیعت المنح میں یک مشکون والا قانون جاری ہوا ہے گئ افتشیعت میں اظہار والا قانون جاری ہوا ہے کہ نون ساکن کے بعد حرف طبی (ہمزہ) ہے اس طرح آ سمیں حمزہ قطبی والا قانون بھی جاری ہوا ہے کہ درمیان میں آنے کے باوجود ہمزہ صدف نہیں ہوا۔ و تعلی ھذا آلے تیا ہیں۔

آغازقوا نين مثال

فاكده: مثال، اجوف، ناقص الفيف انسب كامشترك نام معتل بـ

تعلیل کی تعریف: معتل کے توانین کے ساتھ حرف علت میں کی بھی قتم کی تبدیلی کو تعلیل یا اعلال کہتے ہیں یعنی مثال،
اجوف، ناقص، ولفیف کے قوانین کی رو سے جب کسی حرف علت کو دوسرے حرف سے تبدیل کیا جائے یا حذف کیا جائے تو
اس ردوبدل کو تعلیل کہتے ہیں اور بھی مطلق ردوبدل ہفیرو تبدل پر بھی تعلیل کا اطلاق ہوتا ہے خواہ پڑفییرو تبدیلی حرف علت میں
ہویا کی اور حرف مثلا ہمزہ یا متج نسین وغیرہ میں ہو۔

تغلیل: _عِدَة جو وَعَدَ يَعِدُكا مصدر به ياصل من و عُدَّة قاداؤ بركسر القال قااس كو مابعد (يعن عين) كيطرف معلى كرد يا درآخر من اس داؤكون تاع مخركه ما قبل ك فته كيماته لكادى ادر كلمه ك آخر من داقع بون كى وجه سه اس تاء براعراب جارى كرديا كيونكه كل اعراب كلمه كا آخرى حرف بوتا بالهذا عِدَّة بن كيا-

تنبید ۔عِدَّة میں تین طرح کی تبدیلیاں ہوئی ہیں(۱)واؤ کی حرکت مابعد کودینا(۲)اسکو صدف کرنا(۳) آخر میں واؤ کے عوض تائے متحرکہ لانا۔ پہلی دونوں قتم کی تبدیلی ایک قانون ہے ہوئی ہے دونوں قانون بالتر تیب مابعد میں متحصلاً مذکور ہیں۔ یددونوں قانون بالتر تیب مابعد میں متحصلاً مذکور ہیں۔

قانون به ہرواوے کہ واقع شودمقابلہ فاء کلمہ مصدرے کہ بروزن فیسے سے اشد بشرطیکہ مضارع معلومش نیز منگل باشد کسرہ اش رانقل کردہ بما بعد دادہ آں را حذف کردہ عوضش تائے متحر کہ درا خرش در آور دند وجو گابا بکلیہ ماقا کہ بھی

قانون نمبره ١٠٠٠ عدة أور زِنَة والاقانون

ہروہ مصدر جُوفِ عُسن کے وزن پر ہواور اس کے فاع کلمہ کی جگہ واؤ ہواور مضارع معلوم میں بیدواؤ حذف ہوچکا ہوتو اس واؤ کی حرکت مابعد کودیکر اس کوحذف کرنا واجب ہے۔

اتفاقى مثاليل جيد عسدة مجواصل مين وعد تقااور زنة جواصل من وزن تقا وعد أوزن مدونون مصدر بين اور

فِعُونَ کِوزن پر ہیں اور ان میں فاع کمری جگہ واؤوا قع ہے اور ایکے مضارع معلوم (بینی پیعِد اُور یَزِن) میں واؤ حذف ہو چکا ہے (کہ انکی اصل یکو تعید ہُ اور یکو زِن ہے) تو اِس قانون کے مطابق و عُد تھیں واؤکا کسرہ عین کواور و دُن میں زاء کودیکر واؤکو حذف کیا بھر بقانون اِقسَاحَة ﴿ جُوآ گے آرہا ہے) واؤمحذوف کے وض آخر میں تاء تحرکہ ماقبل کے فتح کے ساتھ لاکراس پراع اب جاری کردیا۔

احر ازی مثالیں: -(۱) و زُرُ اور و تُنوَ یہ مصدر نہیں ہیں بلکہ ان دونوں نے اب اسم جامد کی حیثیت اختیار کر لی ہاور معنی مصدری پر بیکم بی دلالت کرتے ہیں و زُرِ گیز کا مصدر زِرَة اور و زُرُ ہیں اور وَ تَسَرَ یَنتِو کا مصدر تِسرُة اور کو تُرفین مصدری پر بیکم بی دلالت کرتے ہیں و زُرِ گیز کا مصدر زِرَة اور کو تُرفین اور و تَسَلِی بید کی اس کے مضارع (۲) و تحسل نید فی تحل کے وزن پنیس ہے (۳) یعلم اس کے مضارع معلوم یو جن میں واؤ محدوف نہیں ہے۔

فائده: _ دوساکن جب جمع ہوجا کیں تواس کوالتقائے ساکنین کہتے ہیں۔التقائے ساکنین کی دوشمیں ہیں

(۱) التقائے ساکنین تنوینی (۲) التقائے ساکنین غیرتنویں۔

نمبرا: التقائي ساكنين تنوينى يهوتا ہے كه دوساكنوں ميں سے كوئى ايك ساكنون تنوين موجيع هدي جواصل ميں عمران التقائي ساوران ميں دوسراساكن عمران على دوسراساكن عمران على دوسراساكن نون تنوين ہے قاقال باع والاقانون سے يا والف سے تبديل موگئ تو هذائ بن گيا يہاں دوساكن جمع بيں اوران ميں دوسراساكن نون تنوين ہے

نمبرا: التقائي ساكنين غيرتنو في يه موتا كددونول ساكنول ميل كونى ساكن نون تنوين نه موجي إقسامة أور الشينقامة عجواصل ميل القوام اور إستنيقوام تح يعقال مي يباع والاقانون دواو كى حركت ماقبل كود مكرواو كوالف سي بدل ديا تودوساكن جمع مو يح يعنى دوالف اوران ميل سي كوئى ساكن نون تنوين نيس ب

قانون درمصدر ہر حرفیکہ بجز التقائے تنوین بیفتد ، عوضش تائے متحر کہ در آخرش در آرند وجو ًا۔ مگر العَهَ اللهِ عَالَمَهُ شاذاند

قانون نمبر ٣٦ - يعدَة كادوسرا قانون يا إقامَة أور إستنقامة والاقانون جمد المستنقامة والاقانون جمد المستنقامة والاقانون جميركم المستمرك المسترك المستر

لاناواجب ہے۔

ا تفاقی مثال جیسے عِدَة اور زِئَة جواصل میں وِ عُدُّ اور وِ زُنَّ تصید دونوں مصدر ہیں ان میں داؤ حذف ہوا بغیر التقائے ساکنین تنوینی کے تواس قانون سے داو کے بدلے آخر میں تائے متحر کہلے آئے۔

احتر ازی مثالیں ۔(۱) یَعِدُ اصل میں یَوْعِدُ تھا واؤ حذف ہوالیکن تاء تحرکہ آخر میں نہیں آئی اسلئے کہ یہ مصدر نہیں ہے۔ (۲) ایسے دی جواصل میں میسیدی تھا الف سے تبدیل ہوکر التقائے ساکنین کی وجہ سے حذف ہوگئی لیکن آخر میں تائے متحرک نہیں آئی اسلئے کہ اس مصدر میں التقائے ساکنین تنوین کی وجہ سے حرف حذف ہوا ہے۔

اعتراض ۔ أَعَدُّ أور مِنَهُ حُواصل مِن أَعَوُ أورمِناً يُ تَصِيقانون قَالَ بَاعَ واوَاورياءالف سے تبدیل ہوئے تو اُعَانُ اورمِناً نُی تَصِیقانُ نون تنوین کے اورمِنان میں تنوین کیوجہ اورمِنان میں تنوین کیوجہ سے الف حذف ہوا پھر بھی اس کے وض آخر میں تا متحرکہ آئی ہے یہ کیوں؟

جواب ـ يدونون مثالين شاذين يهان آخرين تائيمتحر كه خلاف قانون آئى ہے

تعلیل: مِینعاد جومصدرمیمی اوراسم آله کاصیغه ب،اصل میں مِوْعَادُ قاواوُساکن مُظْهُور ماقبل کمسور موکرواقع ہے اسکویاء سے بدل دیا تومید تعادین گیا۔

قانون: هرواؤسا كنم مُطَّعُرُ غيروا قع مقابله فاء كلمه باب إِنْتِغَالَ، ما تبلش مكسور، آن واورابيابدل كنند وجُوَّ ابشرطيكه باعث تحريكش موجود نباشد

` قانون نمبر ٢٣: مِينعاً دُاور مِيْزَانُ والأقانون

اس قانون کاخلاصہ پیہے کے جب واوَ ساکن ہو مسطلھ رہو (مدخم نہ ہو) ماقبل کمسور ہو، باب افتعال کے فاع کلمہ کی جگہ نہ ہو اوراس پرحرکت آنے کا کوئی سبب موجود نہ ہولیتن اس واو کے متحرک ہونے کا کوئی چانس نہ ہو۔ تو اس واؤ کو یاء سے تبدیل کرنا واجب ہے۔ اتفاقی مثال جیسے نمینکا داور مینزان جواصل میں موعاد اور موزان تصمام شرائط موجود مونے کی بناء پرواؤیاء سے بدل گیا۔

احتر ازی مثالیں (۱) یعوض اسمیں واؤساکن نہیں ہے (۲) اِنجلیو اُلا اُسی واؤمٹ کھڑ نہیں ہے مرخم ہے (۳) محتوج بنے ہاں واؤ اُلا کا محتوج بناں واؤما کی جائے ہے اور اُلا کی جائے ہیں اور اُلا کی محتود ہود ہے وہ اس طرح کہ جب مضاعف کے قانون سے زاء اول کا زاء تانی میں اور خام ہوگا تو زاء اول کی حرکت اس واؤکی طرف نعقل ہوگا۔

منبيد مِيْرَاث، مِيْلَاد،مِيْتَاق مِي يَهِ مِيْعَادُ والاقانون جاري مواجر

تعلیل ۔ وَعَدْتُ (فعل ماضى معلوم واحد فركر حاضر) كى اصل وَعَدْتَ ہے وال ساكن كے بعد تائے متحركہ واقع ہے تو قريب المخرج ہونے كى وجہ سے وال كوتاء سے تبديل كرتاء كوتاء ميں مغم كيا تو وَعَدْتُ بن كيا۔

قانون: - ہردال ساکن کہ مابعدش تائے متحر کہ غیر تائے افتِ تعال باشد ۔ آں را تا کردہ در تا ادغام می کنندو جُوَّیا

قانون نمبر ٨ وعَدْتُ والاقانون

جب دال ساکن ئے بعد تائے متحرکہ واقع ہوتائے افت عسال کے علاوہ تو اس دال کوتاء سے تبدیل کرتا ہ کوتاء میں مذم کرنا واجب ہے۔

اتفاقى مثال: جيه وعَدْتَ جواصل مين وعَدُت تها-

احر ازى مثال: (١) وعدت الميس دال ساكن بيس ب (٢) إدتعم الميس دال ك بعدتائ افتعال ب-

قانون هرواومضموم یا مکسور که دا قع شود دراول کلمه د ما بعدش دیگر دادمتحر که نباشد ، یامضموم که مقابله مر عین کلمه باشد ، همزه میشود (جواز أ)

قانون نمبر ٣٩- أعداور إشاح والاقانون

قانون کا خلاصہ پیہے کہ دوصورتوں میں واؤ کوهمز ہے تبدیل کرنا جائز ہے۔

(۱) پہلی صورت میہ ہے کہ جب واؤ کلمہ کی ابتداء میں مضموم یا کمسور ہو کر واقع ہوا دراس کے بعد کوئی اور متحرک واؤنہ ہو

الفاقى مثال بيد أُعِد جواصل من وُعِد تقااور إشاحٌ جوال من وشَاحٌ قار

احتر ازى مثال (١) وَعَدَاتِمِين واوَمفتوح ٢٥) و وَيَعِدُ الْمِين واوَك بعدايك اورمتحرك واوُموجود ٢٠

(۲) دوسری صنورت بید بے کدواؤ عین کلمه کی جگه ضموم بوکروا قع بو مشددنه بو، اور مضارع میں نه بو۔

القاتى مثال جيد قَوُل جواصل مين قَوْل تقال يَعُون مع فعل تعب كاصيفه)

احتر ازی مثالیں(۱) دَلْہِ کیہاں واؤ عین کلمہ میں نہیں (۲) قُیوِن آسیں واؤمضموم نہیں (۳) تَسَقُون آسیں واؤمشد دے (۴) یَقُون میرمضارع ہے۔

تنبید: آخد جواصل میں و حد تھا آمیں واؤ کا ہمزہ سے بدل جانا شاذ ہے کیونکہ یہاں واؤ ابتداء کلمہ میں واقع ہے اور ابتداء میں واقع ہونے کی صورت میں واؤ کا ہمزہ سے تبدیل ہونے کیلئے مضموم یا کمسور ہونا شرط ہے جبکہ یہاں واؤ مفتوح ہے۔ تعلیل ۔ یکھیڈاصل میں یک و عیدتھا واؤ حرف اتین مفتوحہ اور کسرہ کے درمیان واقع ہوا تھیل ہونے کیوجہ سے اسکوحذف کیا تو یعدین گیا۔

قانون برباب مثال واوی بروزن مَسنَعَ يَسمُنعُ يا كه ماضى اونيافة شده باشد، يامضارع معلومش بروزن يَسفِع الله علوم اوفاء كلمه راحذف كنندوجو باواز باب فَعصل كَيْفَعُ فَي وَلِم اللهُ عَلَيْهِ مَا يَعْمُ وَلِمُ لِمُنْ يَطَيْهُ مِيْرً -

قانون نمبرهم ينعيد والاقانون

اللہ مجردے مثال واوی کے مضارع معلوم میں فاع کلمہ کو حذف کرنا واجب ہے جبکہ تین صورتوں میں سے کوئی ایک صورت ہو مشارع معلوم فتی یفتح کے باب سے ہوجیے یہ مشارع معلوم فتی یفتح کے باب سے ہوجیے یہ مشاور کے ہوتا ور

يوهَبُ عَ

(۲)دوسری صورت بیہ کداس باب کی ماضی استعال نہ ہویا کم استعال ہوجیے یکڈر اور یک ع جواصل میں یک و ذراور یک و دراور کا
(٣) تيسرى صورت يه كرمضارع كمورالعين موجع يعيد أوريكيد جواصل من يوعيد أوريكيد تحد

احتر ازی مثالیں (۱) یو جنب یہ ثلاثی مجرونیں ہے(۲) یکیسو یہ مثال دادی نہیں ہے(۳) یک و عد یہ مضارع معلوم نہیں ہے(۳) یکو سے میں سے نہیں ہے۔

تنميد: -سَمِعَ يَسَمَعُ كَ دوباب وَسِعَ يَسَعُ اوروَطِئَى يَطَى مُجواصل مِن وَسِعَ يَوْ سَعُ اوروَطِيَّى يُوطَئ تصان مِن فاء كلم خلاف قانون حذف ہوا ہے كونكه يہاں اس قانون كى فدكوره بالا تين صورتوں مِن سے كوئى صورت نہيں پائى جاتى -

لتعلیل: آو آعید جوجع مؤنث کمراسم فاعل کاصیغہ ہے صنوار ب کی طرح بیاصل میں و واعید تھا کلمہ کی ابتداء میں دو متحرک داؤا کیک ساتھ جمع ہوئے تو داواول کوہمز وسے تبدیل کیا۔

قانون دوواومتحرك كهجمع شوند دراول كلمه، واواولى رابه بمزه بدل كنندوجوً با

قانون نمبرام- أواعداور أويعيد والاقانون

جب كلمه كى ابتداء ميں دومتحرك واؤاكك ساتھ جمع ہوجائيں تو پہلے واؤ كوہمز ہے تبديل كرنا واجب ہے۔

الفاقي مثال جي أواعداور أويعد تواصل من وواعداور وويعد تحد

احتر ازى مثاليس (۱) قورى آئيس دونول واؤمتحركنيس بيل (۲) قورة يهال دونول واؤابتداء مين بيس بيل (٣) و شقوس آئيس دونول واؤايك ساتھ نبيس بيل (٣) و شقوس آئيس دونول واؤايك ساتھ نبيس بيل

قانون برباب مثال واوى ازباب عَـلِمَ يَعُلَمُ كَ غِير مُحذوف الفاء باشد، درمضارع معلوم او سوائ الله مثل الله عَلَمُ مَعْلَمُ الله عَلَمُ اللهُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ اللهُ عَلَمُ اللهُ عَلَمُ عَلَمُ اللهُ عَلَمُ اللهُ عَلَمُ اللهُ عَلَمُ اللهُ عَلَمُ اللهُ عَلَمُ عَل عَلَمُ عَلَم

قانون تمبر ٢٣، يُاجَلُ والاقانون

ستیم یستمع سیمثال وادی کے مضارع معلوم کواصل کے علاوہ تین طریقوں سے پڑھنا جائز ہے جبکہ محدوف الفاء باب ند ہو (یعنی وَسیع یستع اور وَطیع یسط عی ند ہو) وہ تین طریقے یہ ہیں (ا) واوکوالف سے تبدیل کرنا (۲) واوکو یا ء تبدیل کرنا (۳) واوکو یا ء سے تبدیل کرنا اور ماقبل کو کسرہ دینا۔

ج يَوْجَلُ مَي يَاجَلُ يَيْجَلُ اور بِينْجُلُ مِرْهَ عَاجَارَ بِـ

احر ازی مثالیں (۱) یُوسم بیسئم یسسم کاباب بین ہے(۲) یو جن بیمضارع معلوم بین ہے(۳) یسم م اور یَطکی میری دوف الفاءباب بیں۔

فاكده: ـ جو اسم أفعل كوزن يربواسكى تين سميس بير ـ

(١) أَفْعَلُ الْمَى (٢) أَفْعَلُ تَفْضِلُ (٣) أَفْعَلُ وصفتى _

(١) أَفْعَلُ أَكُى وواسم موتا بجو أَفْعَلُ كوزن ير مواوركى كانام موجي أَحْمَدُ ، أَنْوَرُ

(۲) افعی تفضیل وہ اسم ہوتا ہے جو افعی فرے وزن پر اور اسم تفضیل کا صیغہ ہویعنی اسمیں معنی مصدری زیادتی کے ساتھ پایا جاتا ہوجیے اَضْرَ بِ (زیادہ مارنے والا)

(٣) أفْعَل صفتى وه اسم بوتا ہے جو اَفْعَل كوزن پر بواور صرف الى ذات پردلالت كريں جوكى صفت كى ساتھ متصف بواميس اسم تفضيل والامعنى يعنى زيادت كا اعتبار نہيں بوتا جيسے اَبْدين ش سفيدش) اُحْمَر (سرخ چيز)

اس طرح جواسم فعللی کےوزن پر ہواسکی بھی یہی تین قسمیں ہیں۔

(١) فَعُللي آم جي طُوبلي (ورخت كانام) (٢) فَعُللي تَعْضِلُ جِيهِ صُرْبلي (زياده ارفوال)

(٣) فعلَى صفتى جيب حيثكلي (نازونخ يس چلني والي عورت)

جواسم فَعْلا أ كوزن پر مواكل دوسميل بين (١) فَعْلا أ أي جي صَنْحر ا اور بيابان)

(٢) فَعُلَا الصفتى صِي حَمْرًا أو (مرخ عورت)

تغليل في منتوسفارع مجهول اصل من فينسو تعاماء ساكن مظهر باور ماقبل اسكامضموم بيتو اسكوواؤس تبديل كيا

قانون بريائي ساكن مظهر غيرواقع مقابله فاعكمه باب افت عال مقبلش مضموم -آلرابواو بدل كنندوجو بابشرطيكه درجع آف عَلَى وَ فَعَلَا عِصفتى ، وَفَ عَلَى صفتى نباشدودراسم مفعول ثلاثى مجرداجوف يائى نباشدا گرباشد ضمه ماقبلش را بكسره بدل كنندوجو با

قانون نمبر ١٨٠ _ يمو مندم والاقانون

اس قانون کی دوصور تیں ہیں

(۱) بہلی صورت بیہ ہے کہ یا اکوواؤ سے تبدیل کرناواجب ہے جبکہ بیسات شرطیں موجود ہوں۔

(۱) یاءساکن ہو۔ احر ازی مثال جیسے جیسے اسمیں یاءساکن نہیں ہے

(٢) مظهر مورغم نه مو-احر ازى مثال جيئے عمييز أسميس ياء مغم ب

(٣) ماقبل مضموم ہو،احر ازى مثال جيے ميدسيد يهال ماقبل مضموم نہيں ہے

(٣)باب افتعال كفاء كلمدى جكدنه و احر ازى مثال جي أيتيسر بروزن أفتع كم الميس ياءفاء إفتعال ك جكه

ہے و

(۵) فَعُللي صفتى مين نه بوجي حيد كلي

(٢) اَفْعَن صفى اور فَعْلاَ عُضى كَ بَعْ مِن نه بوجي بُيْضَ يه اَبْيضَ اور بَيْضَاء كَل بَعْ إور ابْيْضَ أَفْلُ صفى عاور ابْيْضَ أَفْلُ صفى عاور ابْيْضَ أَفْلُ صفى عاور ابْيْضَ أَفْلُ صفى عادر بَيْضَاء فَعُلاَ عُصفى ع

(2) یہ یا عظائی مجردا جوف یائی کے اسم مفعول میں نہ ہوجیے مَجَیْتَع جُواصل میں مَبْیُوع عُقا(اسکی پوری تعلیم آن گے آری ہے) اتفاتی مثال جیسے فیو سکوجواصل میں فیڈسکو تھا تمام شرا لط موجود ہونے کی وجہ سے یاءواوسے تبدیل ہوگئ

(٢) دوسرى صورت سيم كمتن حالتول ميل ياء يهاضمه كوكسره سے تبديل كرناواجب ب

(١)وه يافعنلى صفى من بوصيحيكى جواصل من كيكى تفاجو فعلى صفى ب

(٢) وه ياءاًفْعَلُ مُعْمَى اورفَعَلاَ مِعْمَى كى جَعْمِي موصى بِين السين مُين مُين مَن مَا يه البين مروزن اَفْعَلُ اور كَا اللهُ ال

مثال کےابواب

باب اول صرف صغير ثلاثى مجرد، مثال واوى ازباب ضَدَبَ يَضْرِبُ چول اللَوَعَدُ ، وَالْعِدَةُ ، وَالْعِدَةُ ،

وَعَدَيَعِدُ وَعُداً وعِدَةً و مِيْعَاداً فهو وَاعِدُّ ووُعِدَ يُوْعَدُّ وعُداً وعِدَةً و مِيْعَاداً فذاك مَوْعُودً لَمْ يَعِدُ لَمْ يَوْعَدُ لاَ يَعِدُ لاَيُوعَدُ لَنَ يَّعِدَ لَنَ يُّعِدَ لَنَ يُّوعَدُ الامر منه عِدُ لِبُوعَدُ لِيَعِدُ لِيُوعَدُ والسنهى عنه لاَتَعِدُ لاَتُوعَدُ لاَيُوعَدُ لاَيُوعَدُ الظرف منه مَوْعِدٌ و الآلة منه مِيْعَدُ و مِيْعَدَةً وَ مِيْعَادُ وافعل التفضيل منه أَوْعَدُ و المؤنث منه وُعُدى و فعل التعجب منه مَا أَوْعَدُهُ واَوْعِدُ بِهِ و وَعُدَ

فعل ماضى معلوم - وَعَدَ ، وَعَدَا ، وَعَدُوْا ، وَعَدُتُ ، وَعَدَتَ ، وَعَدَتَ ، وَعَدُتَ ، وَعَدُتُ ، وَعَدُتُ مَا وَعَدُتُمُ وَعَدُتِ الخ

تعلیلات: (بعنی اجراء توانین) ماضی معلوم کی اس گردان میں واحد فد کر مخاطب کے صیغہ سے لیکر واحد متعلم کے صیغہ تک ان سات صیغوں میں قر عَدْتُ والا قانون جاری ہواہے اسی طرح ماضی مجبول میں بھی۔

نعل ماضی جہول کے تمام صیغوں میں گریمداور ایشان کے الاقانون کی پہلی صورت کے مطابق واوکو ہمزہ سے تبدیل کرنا جائز ہے لھذاو قیحد کم و عیدا ، و تیعید و النح کو اُتعید کہ اُتعیداً النح پڑ ھناجائز ہے۔اسم تفضیل مؤنث کے تمام میغوں میں بھی یہی قانون جاری ہوسکتا ہے۔ قعل مضارع معلوم ـ يَعِدُ ، يَعِدُ إِن ، يَعِدُونَ ، تَعِدُ ، تَعِدُ إِن ، يَعِدُن ، تَعِدُ ، تَعِدُ وَ تَعِدُون ، تَعِدُ وَنَ ، تَعِدُ إِن تَعِدُ وَنَ ، تَعِدُ إِن ، تَعِدُ وَنَ ، تَعِدُ وَا قَانُون عِدَ وَمَذَف مِواجِ تَعِدِيْنَ ، تَعِدُ إِن ، تَعِدُ وَ ، نَعِدُ ، ان تَمَام عِنُول مِن يَعِدُ والا قانُون عدوا ومذف مواج

اسم فاعل: وَاعِدٌ ، وَاعِدَانِ ، وَاعِدُونَ ، وَعَدَةً ، وَعَادٌ ، وُعَدَ ، وُعَدٌ ، وُعَدَاء ، وُعَدَانَ ، وِعَادٌ ، وُعُودٌ ، أَوْعَدُ ، أَوْعَدُ ، أُوعِدُ ، أُوعِدَةً . أُوعِدَةً .

تعلیلات اس گردان کے پہلے چارصیغول میں صرف اسم فاعل والا قانون جاری ہوا ہے اس کے بعد و تھا دھے و عود و گا۔ تعلی تک ان سات صیغوں میں بقانون ۳۹ یعنی آعید اور اِنشاح والا قانون سے واوکوہمزہ سے تبدیل کر کے یوں پڑھنا جائز ہے۔ اُنگاد ، اُعَد ، اُعَد اللہٰ

اوراسم فاعل والاقانون تو ہرا یک صیغہ میں جاری ہوتا ہے

آواعِد المعلام المعلى من بهى آتا ہاوراسم تفضيل مذكر من بهى ، اگرياسم فاعل كاصيغه بوتو اسكامفرد واعيد قهم منطق منطق المعلم والمعلم وال

اوراگر اَواعِدُاسَ تفضیل کاصیغہ ہوتو اسکامفرد اَو عَدُ ہے جمع اقصی بنانے کے طریقہ کے مطابق اَو اَعِدُ بناہے اَضارِ ب کی طرح اسمیں کوئی تعلیل نہیں ہوئی ۔

اُویٹید جودا صدنہ کرمصغر کا صیغہ ہے و اعد سے بنا ہے ضبو ارب والا قانون کے مطابق و اعد میں الف مدہ زائدہ کوداو مفتوحہ سے تبدیل کر کے تفغیر کے قاعدہ کے مطابق حرف اول کو ضمد دیا تیسری جگد پر یائے ساکن علامت تضغیراگادی تو و ویسعید بن گیا۔ پھراً و اُعیدُ والا قانون سے داداول کو ہمزہ سے تبدیل کیا۔

اسم مفعول. مَوْعُودٌ ، مَوْعُودَانِ ، مَوْعُودُونَ ، مَوْعُودَة ، مَوْعُودَتَانِ ، مَوْعُودَاتُ، مَوَاعِيْدُ ، مُويَعِيْدٌ ، مُويْعِيْدَة ؟ تعلیلات: ابتدائی چوصیفے اپنی اصلی حالت پر ہیں ان میں کوئی تعلیل نہیں ہوئی سوائے اس کے کدان میں اسم مفعول والا قانون جاری ہوا ہے اور مَنوعُودُ اَنْ مِی صَدرَ بُن کا پہلاقانون بھی جاری ہوا ہے کہ اسکی اصل مَنوعُ وُدُتا اللہ ہے ایک تاء مذف ہوئی۔

مَوَاعِيْدٌ: يواصل ميں مَوَاعِودُ فَهاده اسطر حَديد مَوْعُودٌ عنائه جَع اقصى بنانے كطريقة كے مطابق دو سرح رف وفته ديا (كرف اول پہلے مفتوح ہے) تيسرى جگه پرالف علامت جمع اقصى لے آئے اس كے بعد مفرد مكمر ميں تين حرف باقى تھے پہلے كوكره ديا تومَوَاعِودُ بن گيابقانون مِيْسَعَادٌ واوياء سے تبديل موااور تنوين غير منصرف مونے كوجہ سے حذف موئى تو مَوَاعِيْد مِن گيا۔

مُويَعِيدٌ ، مُويْعِيدُة كَ اصل مِن مُويْعِودٌ ، مُويْعِودُ فَي عَمِيعَادُ والاقانون جارى موا

قَعْلَ مُسْتَقَبِلَ مَعُلُوم مؤكد بلام تاكيرونون تاكير تقيله - لَيَعِدَنَ ، لَيَعِدَانِ ، لَيَعِدُنَ ، لَتَعِدَانِ ، لَتَعِدَانِ ، لَتَعِدَانِ ، لَتَعِدَانِ ، لَتَعِدَنَ ، لَتَعِدَانِ ، لَتَعِدَنَ ، لَتَعِدَنَ ، لَتَعِدَنَ .
مجهول : ليُوْعَدَنَّ ، لَيُوْعَدَانِ الخ

معروف کی ہرگردان میں یک عید فتح والا قانون جاری ہوتا ہے خواہ فعل جحد معروف ہویافعل نفی معروف،امرغائب معروف ہویا تھی معروف۔

امر حاضر معروف . عد ، عدا ، عدوا ، عدى ، عدا ، عدن .

عد تَعِدُ سے بنا ہے عدا تعدان سے ،ای طرح باقی صغے جھ لیں ان میں امر حاضر والا قانون جاری ہوا ہے (تیری صورت)

اسم آله صغری : مِدْ عَدْ ، مِدْ عَدْن ، مَوَاعِدْ، مُويْعِدْ ، اسم آله وسطی مِدْ عَدْ ، مَدْعَدْ تَان ، مَوَاعِدُ مُويْعِدْ ، اسم آله وسطی مِدْعَد هُ ، مِدْعَدُ تَانِ ، مَوَاعِدُ مُويْعِدُ مُواسِعِ مِدْعَادُ والاقانون جاری ہوا ہو وہ مُواعِدُ مُورِعِدُ مُورِعِدُ مُورِعِدُ مُورِعِدُ مُورِعِيدًا مُحْمَ مِن عَلى الله الله مِن مِدونوں صغے مِدونوں صغے مِدونوں حونوں
حرف تھے (عین ،الف، دال) ان میں سے پہلے حرف کو کسرہ دیا تو الف ما قبل کمسور ہونے کیوجہ سے یاء کے ساتھ تبدیل ہوا اور تنوین غیر منصرف ہونے کی وجہ سے حذف ہوگئی

اور مر وی بید از کوم و عاد کے اسلاح بنایا کہ حسب قاعدہ تعفیر حرف اول کوخمہ دوس کو فتحہ دیکر تیسری جگہ پریائے ساکنه علامت تعفیر لگادی اس کے بعدمفرد مکبر میں تین حرف باقی تصان میں سے پہلے کو کسرہ دیا تو الف ماقبل کمسور ہونے کی بناء بریاسے بدل گیا

اسم تفضیل مؤنث کے تثنیه اورجع مؤنث سالم کے صینوں (وعدیکان ، وعدیکات) میں الف مقصور ووالا قانون جاری ہوا ہے

باب دوم صرف صغير ثلاثى مجرد مثال واوى ازباب سَمِعَ يَسْمَعُ حُول الوَجُلُ (بَمَعَى وُرنا) وَجُلَ يَوْجَلُ وَجُلُ اللهِ مَوْجُولُ كُمْ يَوْجَلُ لَمْ يُوْجَلُ لَا مَر منه اِيُجَلُ لِلتُوْجَلُ لِيَوْجَلُ لِيهُ جُلُ لَا يَوْجَلُ الامر منه اِيُجَلُ لِتُوْجَلُ لِيهُ جُلُ لِيهُ جُلُ وَالسنهى عنه لَا تَوْجَلُ اللهُ منه مَوْجِلُ وَالله منه مِنْ عَلَى وَالله منه مِنْ مَوْجِلُ وَالله منه مِنْ مَوْجِلُ وَالله منه منه وَجُلُل وَ فعل التعجب منه مَا وُجَلُ وَالْحَوْنِ مِنْ وَجُلْل وَ فعل التعجب منه مَا وُجَلَ فِي وَحُل لِهِ وَوَجُل لِهِ وَوَجُل -

تصاريفَ :وَجِلَ يَوْجَلُ

فعل ماضى معروف وَجِل، وَجِلاً، وَجِلُوا، وَجِلَتُ ، وَجِلَتْ ، وَجِلَتَا، وَجِلْنَ ، وَجِلْتَ المخ اس گردان ك پهلے پانچ صيغول ميں عُلِمَ اور شَيهدَوالاقانون كى دوسرى صورت جارى ہو كتى ہے كه فَعِل كاوزن ہے اور طفى العين نہيں لحذاان كويوں پڑھنا جائز فَجْ وَجُهل، وَجُلاً، وَجُلُوا، وَجُلَتْ ، وَجُلَتُ ،

سوال: فَعِلْ كاوزن تواس ردان كر باقى صينول يس بحى موجود بمثلا وَجِلْنَ ، وكِلْتَ المن يهال عَلِمَ شَهدَ والا قانون كيول جارئ نبيل موتار

جواب: اگر چەوزن موجود بے کیکن ان میں لام کلمہ پہلے سے ساکن ہے اگر اس قانون سے بین کلمہ کو بھی ساکن کر دیا چا گئے تو التقاء ساکنین لازم آئے گاجودرست نہیں ہے اسلئے باقی صیغوں میں بیقانون جاری نہیں ہوتا۔ ماضی ججول کے تمام صینوں میں آعد آور انشاح والا قانون کی پہلی صورت کے مطابق واوکو ہمزہ سے تبدیل کرنا جائز ہے اس باب کے مضارع معلوم میں فاع کمہ (یعنی واو) یعید والا قانون سے مذف نہیں ہوتا کیونکہ یعید والا قانون فتح یفت حقی میں جبکہ یہاں ان تین صورتوں میں سے کوئی میں جاری ہوتا ہے یا قبل الاستعال ماضی والا باب میں یا مضارع مکسور العین میں جبکہ یہاں ان تین صورتوں میں سے کوئی صورت نہیں البتہ مضارع معلوم کو یا جو آ والا قانون کی بناء پرتین طریقوں سے پڑھنا جائز ہے(ا) یا جو گون ، یا جگرن ، یا جگرن ، تا جگر المنح المنح (۲) یک جو گون ، یک جگرن ، یک جگرن ، المنح (۳) یک جگرن ، المنح الله المنح (۳) یک جگرن ، المنح (۳) یک بران المنح (۳) یک جگرن ، المنح (۳) یک بران الم

اسم فاعل کی گردان اورتعلیلات و اعد قر می ایست السخه اسم فاعل کی طرح ہیں، اسم ظرف، اسم آله، اسم تفضیل کی گردانیں ہی و عَدَ یَعِد کی گردانوں کی طرح ہیں۔

امر حاضر معروف : _ إيْجَلْ ، إيْجَلَّ ، إيْجَلُّوا ، إيْجَلِي ، إيْجَلِي ، إيْجَلَّ ، آيْمِن امر حاضر والاقانون ك علاوه مِيتُعاد والاقانون جارى مواج اصل كردان يول في إوجَلْ إوْجَلا ، اوْجَلْ الدخ .

باب ومصرف صغير ثلاثى مجرد مثال واوى ازباب فَتَحَ يَفْتُحُ جِون اَلْوَضْمَعُ (ركهنا)

وَضَعَ يَضَعُ وَضَعاً فَهُو وَاضِعٌ وَوُضِعٌ يُوضَعُ وَضَعاً فذاك مَوْضُوعٌ لَمْ يَضَعُ لَمْ يُوضَعُ لَا يَرْضَعُ لَا يَرْضَعُ الله وَمِنهُ صَلَّعُ الله يَرْضَعُ الله وَمِنهُ عَلَيْ الله وَصَعَ الله وَمِنهُ عَلَيْ الله وَالله عَنهُ الله وَصَعَ الله وَصَعَ الله وَالله عَنه الله وَصَعَ الله وَالله عَنه وَالله عَنه وَالله عَنه وَالله عَنه وَالله عَنه وَالله عَنه وَصَعَى الله وَصَعَ الله وَصَعَى الله وَصَعَ الله وَصَعَ الله وَالله والله وَالله وَاله

تصريفات وتعليلات ماضى مجهول من أتعد وإشاع والاقانون جارى موتا بواوممزه سيتبديل موكام

فعل مضارع معروف: يَضَعَ ، يَضَعَان يَضَعُونَ تَضَعُ ، تَضَعَانِ ، يَضَعْنَ ، تَضَعُ ، تَضَعُ ، تَضَعَانِ ، تَضَعُونَ ، تَضَعِيْنَ الخ

ان تمام صیغوں میں یعد والا قانون سے واوحذف ہوا ہے ای طرح ہرمعروف کی گر دان میں ہوا ہے

اسم فاعل: وَاضِعٌ ، وَاضِعَانِ ، وَاضِعُونَ ، وَضَعَة ، وضَاعٌ ، وضَعَ ، وضع ، وضع ، وضعاء ،

وضعًان ، وضباع ، وضبوع ، أوضاع ، واضعة ، واضعتان ، واضعات ، أواضع ، وضع ، أويضع ، وضع ، وضع ، أويضع ، أوي

اسم مفعول : مَسُوصُ وعُ مَسُوصُ وعَانِ ، مَ وضُوعُونُ ، مَ وضُوعَةُ ، مَ وضُوعَةً ، مَ وضُوعَتَانِ ، مَوضُوعَاتُ ، مَواضِيعً ، مَواضِيعً ، مُويَضِيعً ، مُويَضِيعً ، مُويَضِيعً ، مُويَضِيعً ،

آخرى تين صيغول كالعليلات، مَوَاعِيد، مُويْعِيْدٌ، مُويْعِيْدُ مُويْعِيْدُ فَيُكَامِر مِينِ

امر حاضر معروف : حَسْعٌ ، حَسْعًا ، حَسْعُوا ، حَسْعَى ، حَسْعًا، حَسْعَى ، المين امر حاضر والاقانون كي تيسرى صورت جارى بو كي بير ع

تمام گردانیں اوران میں جاری ہونے والے قوانین کی نشاند ہی ضروری ہے۔

باب چهارم صغر ثلاثى مجرد مثال واوى ازباب حسيب يَحْسِب چول اَلُورُمُ (سوجنا) وَرِمَ يَسِرِمُ وَرُما فَهُو وَارِمُ وَوُرِمَ يُورُمُ وَرُما فَذَاكِ مَوْرُومُ لَمَ يَرِمْ لَمْ يُورُمُ لَا يَرِمْ ، لَا يُورَمُ لَتَي يَسْرِمَ ، لَـنَ يَبُورُمَ الامر منه رِمْ ، لِتُورَمْ ، لِيرِمْ ، لِيُؤرَمُ والنهى عنه لاَتَرِمْ ، لاتُورَمْ ، لايرِمْ ، لايمُورَمُ الطرف منه مَورِمُ والآلة منه مِيرَمَ و مِيرَمَة و مِيرَامُ وافعل التفضيل منه اَوْرَمُ والمؤنث منه وُرُملى و فعل التعجب منه مَا أَوْرَمَهُ و اَوْرِمْ بِهِ وَوَرُمْ .

تعلیلات وتصریفات فعل ماضی معروف کے پہلے پانچ صیغوں میں عَلیمَ اور سَنیهِ کَهِ والا قانون کی دوسری صورت جاری موسکتی ہے اور ماضی مجبول کے تمام صیغوں میں آعید اور اِنشاح والا قانون جاری ہوگا۔مضارع معلوم میں بیعید والا قانون حاری ہوگا۔

امرحاضرمعروف تدرم ، رما ، رمتوا ، ومين ، رما ، رمن ،

مَوَكَدِبُون تَاكَيِرُ فَعَيْدَ رَمَنَّ، رِمَانِ ؓ ، رِمُن ؓ ، رِمِن ۖ ، رِمَانِ ؓ ، رِمُنَانِّ۔

اس آ خری صیغه میں ما تصبر بینان والا قانون جاری ہوا ہے۔

اسم ظرف : مُورِم ، مُورِمًانِ مُوارِم مُويْرِم -

اسم آلم منرى : مدير م ميرمان ، موارم ، مويرم -

وَسُمَ يَوَسُمْ وَسَامَةً فَهُووَ سِيْمَ لَمْ يُوسُمْ لَا يَوْسُمْ لَنَ يَوْسُمْ الامر منه أُوسُمْ ، لِيَوْسُمْ والسنهى عنه لَا تَوْسُمْ لَا يَوْسُمْ أَوْسُمْ والسنهى عنه لَا تَوْسُمُ لَا يَوْسُمْ والسنهى عنه لَا تَوْسُمُ لَا يَوْسُمْ والطرف منه مُوسِمُ والالة منه مِيْسَمُ ومِيْسَمَة ومِيْسَامُ وافعل التعجب منه مَا أُوسَمَه وَالْمؤنث منه وُسُمَى وفعل التعجب منه مَا أُوسَمَه وَالْمؤنث منه وُسُمَى وفعل التعجب منه مَا أُوسَمَه وَالْمؤنث منه وُسْمَى وفعل التعجب منه مَا أُوسَمَه وَالْوسِمْ بِهُ وَوسُمْ ،

یہ باب لازم استعال ہوتا ہے اسلئے اس سے مجبول اور اسم مفعول کی گردان نہیں آتی اور اسم فاعل کی جگہ اس سے صفت مشہ آتی ہے اس کے فعل مضارع معلوم میں بیت میں ہے یہاں کوئی ہے۔ اس کے فعل مضارع معلوم میں بیت میں ہے یہاں کوئی صورت نہیں یائی جاتی ، صورت نہیں یائی جاتی ،

امرحاضرمعروف : والسم ، الوسما ، الوسموا ، الوسمين ، الوسما ، الوسما ،

اسمیں امر حاضر والا قانون جاری ہوا ہے۔ آخر تک تمام گردانیں کر لیجئے۔ نکھنٹر یک فصور سے مثال واوی کا استعال قبل ہے اسلئے مصنف ؒ نے یا نجے ابواب ذکر کئے ہیں۔

ابواب مثال واوى ازغير ثلاثى مجرد

باب اول صرف مغير ثلاثى مزيد فيه شال واوى ازباب اِفْعَالَ چول اَلْايْتِجَابِمُ (لازم كرنا) اُوْجَبَ يُوْجَبُ أَيْجَاباً فذاك مُوْجَبُ لَمْ يُوْجِبُ لَمْ

يُوْجَبُ ، لَايُوْجِبُ لَايُوْجَبُ لَكَ يَّوْجِبَ لَنْ يَّوْجَبَ الامرمنه اَوُجِبُ لِتُوْجَبُ لِيُوْجِبُ لِيُوْجَبُ والسنهى عسنه لَا تُرْجِبُ لَاتُوْجَبُ لَايُوْجِبُ لَايُوْجِبُ لَايُوْجَبُ الظرف منه مُوْجَبُ مُوْجَبَان مُوْجَبَاتً

آلا ینجاب اس میں آلا و جا ب حامی عاد گوالا قانون کی روے واؤیاء سے بدل گیا۔ باتی گردانیں صحیح کی طرح ہیں ان میں مثال کا کوئی قانون جاری نہیں ہوتا۔

باب دوم صرف صغر ثلاثى مزيد في مثال واوى ازباب تَفَعِيد آچول اَلْتُوْجِيدُ (يَكَا جَانَا) وَحَدَدَيُوجَدُ تُوْجِيْداً فَهُو مُوجِّد وَوَجِّد يُوجَدُ تُوجِيداً فَذَاك مُوجَّدُ لَمْ يُوجِّدُ لَمْ يُوجَّدُ لاَ يُوجِّدُ لَا يُوجِّدُ لَا يُوجَّدُ لَا يُوجَّدُ لَا يُوجَّدُ لَا يُوجَّدُ لاَ يُوجَدُّدُ لاَ يُوجَدِّدُ لاَ يُوجَدُّدُ لاَ يُوجَدُّدُ لاَ يُوجَدُّدُ لاَ يُوجَدِّدُ لاَ يُوجَدِّدُ لاَ يُوجَدُّدُ لاَ يَعْمِعُونَ مِنْ مُوجَدُّدُ اللهُ لاَ يُوجَدُّدُ لاَ يَوْمَدُّدُ لاَ يُوجِدُ لاَ يُوجِدُ لاَ يُوجَدِّدُ لاَ يُوجَدُّدُ لاَ يُوجَدِّدُ لاَ يُوجَدِّدُ لاَ يُوجَدِّدُ لاَ يُوجَدِّدُ لاَ يُوجِدُ لاَ يَاللَّهُ عَلَى لاَ لَا عَمِيْدُ لَا يُوجِدُ لاَ يُوجِدُ لاَ يُوجَدُّدُ لاَ يُوجِدُ لاَ يُوجِدُ لاَ يُوجِدُ لاَ يُوجِدُ لاَ يُوجَدُدُ لاَ يُوجِدُ لا يُوجِدُ لاَ يُوجِدُ لاَ يُوجِدُ لاَ يُوجِدُدُ لاَ يُوجِدُدُ لاَ يُوجِدُ لاَ يُوجِدُ لاَ يُوجِدُ لاَ يُوجِدُ لاَ يُوجِدُولُونُ مُوجِدُولُونُ مُوجِدُولُ مُوجِدُ لاَ يُوجِدُ لاَ يُوجِدُ لاَ يُوجَدُّهُ لاَ يُوجِدُونُ مُوجِدُ لاَ يُوجِدُ لاَ يُوجِدُ لاَ يُوجِدُونُ عَلَى اللْعُرِفُ مِنْ مِنْ اللْعُرِفُ مِنْ مُوجِدُونُ مُوجِدُونُ مُوجِدُ لاَ يُوجِدُونُ مُوجِدُ لاَ يُوجُودُ لاَ يُعْرِقُونُ مُوجِدُ لاَ يُوجُودُ لاَ يُوجُودُ لاَ يُوجُودُ لاَ يُوجُودُ لا يُعْرِقُونُ لاَ يُوجُودُ لاَ يُعْمِونُونُ لاَ يُوجُونُونُ لاَ يُوجُودُ لاَ يُوجُودُ لاَ يُعْمُونُونُ لاَ يُعْمِلُونُ لاَ يُعْمُونُ لاَ يُوكُونُ لاَ يُعْمُ لاَ يُعْمُونُ لاَ يُولُونُ لاَ يُولُولُونُ لاَ يُوكُولُونُ لاَ يُوجُودُ لاَ يُعْمُونُون

اسكى بھى تمام كردانيں صحيح كى طرح بين صرف ماضى مجبول مين أيحد و إنشاف والا قانون جارى موسكتا ہے۔

باب سوم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه مثال واوى ازباب مُمَفَا عَلَهُ چوں ٱلْـُمُوَ اطَـبَةُ مُ

(ہیشگی کرنا،مداومت کرنا)

واظب يُواظِب مُواظب مُواظبة فهو مُواظِب وَ وُوظِب يُو اظب مُواظب مُواظبة فذاك مُواظب لَمُ يُواظب لَمُ يُواظب لم يُواظِب لَمْ يُواظب لايواظب لايواظب لايواظب لكوراظب لكن يُواظب لكن يُواظب لايواظب لايواظب لايواظب لايواظب النواظب النواظب الميواظب الميواظب الميواظب الميواظب الميواظب الميواظبات.

اس باب میں بھی مثال کا کوئی قانون جاری نہیں ہوتا سوائے ماضی مجبول کے کہ آسمیں آئے کہ اِنتَمَاح والا قانون جاری ہوسکتا سر

باب چهارم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه مثال واوى ازباب تفعل چول اَلتَّوَحُّدُ (يَكَامُونا) تَوَحَّدُ يَتَوَحَّدُ تَوَحَّداً فَهُو مُتَوَجِّدٌ وَتُوجِّدُ يُتَوَحَّدُ ثَوَحَّدُ اَ فذاك مُتَوَحَّدُ لَكُم يَتَوَحَّدُ لَمُ يُتَوَحَّدُ لَا يَتَوَحَّدُ لِا يُتَوَحَّدُ لَنَ يَّتَوَحَّدُ لَنَ يَّتُوحَدُ الامر منه تَوَحَّدُ لِلْتَتَوَحَّدُ لِيَتَوَكَّدُ لِلْيَتَوَحَّدُ لِلْيَتَوَحَّدُ والنهى

فعل ماضى مجهول: مانتيجيدًا التيجيدُو اللخ

فعل مضارع معروف - يَتَحَدُّدُ ، يَتَحَدُّانِ يَتَحَدُّونَ النح

امرحاضرمعروف بالتُّحَّدُ ، التَّحَدُّا ، التَّحَدُوا.

ماضی کی گردان میں واحد مذکر حاضر کے صیغہ سے کیکر واحد متکلم تک کے صیغوں میں وَ عَدُتُ والا قانون جاری ہوتا ہے

ما قبل کی طرح اس باب میں بھی اِتَّ قَدَ اِتَّسَدَ والا قانون جاری ہوسکتا ہے ہرا کی صیغہ میں ، قانون جاری کرنے کے بعد گردانیں یوں ہوگئی ب

فعل ماض معلوم: _ إِنَّارَتَ ، إِنَّارِتَا ، إِنَّارِثُوا ، إِنَّارَثُونَ النَّح ماض مجول: _ التَّوْرِيثَ ، التَّوْرِثَا ، التَّوْرِثُوا ، وأَنْ وأَ النَّارِثُونَ النَّهِ مِنْ النَّوْرِيثَ النَّوْرِثُوا ، التَّوْرِثُوا ، التَّوْرِثُوا ، التَّوْرِثُوا ، التَّوْرِثُوا ، النَّوْرِثُوا ، النَّوْرِثُوا ، النَّوْرِثُوا ، النَّوْرِثُوا ، النَّوْرِثُوا ، النَّوْرِثُوا ، النَّالُ مِنْ النَّالُ اللَّهُ النَّالُ اللَّهُ اللّ

فعل مضارع معلوم : يتار رق ، يتار ثان ، يتار ثون الخ-

اس كردان ميس مضارع معلوم والقوانين بعي جاري بوت بين توجفر ماكين إ

باب ششم صرف صغر ثلاثى مزيد فيه مثال واوى ازباب إفَ تِعَالَ چول اَلْإِنَّقَا كُـ (روْن بونا، آكبن) اِتَّقَدَ يَتَقِدُ اِتِّقَاداً فهو مُتَّقِدٌ كُاتَّقِدَ يَتَّقَدُ اِتِّقَاداً فذاك مُتَّقَدُكُمْ يَتَّقِدُ لَمُ يُتَّقَدُ لَا يَتَّقِدُ لَا يُتَّقِدُ لَا يَتَّقِدُ لَا يَتَقِدُ لَا يَتَّقِدُ لَا يَتَقَدُ لَا يَتَقِدُ لَا يَتَقَدُ لَا يَتَقِدُ لَا يَتَقِدُ لَا يَتَقِدُ لَا يَتَقِدُ لَا يَتَقَدُ لَا يَتَقِدُ لَا يَتَقِدُ لَا يَتَقِدُ لَا يَتَقِدُ لَا يَتَقِدُ لَا يَتَقَدُ لَا يَتَقِدُ لَا يَتَقَدُ لَا يَتَقِدُ لَا يَتَقِدُ لَا يَتَقَدُ لَا يَتَقِدُ لَا يَتَقِدُ لَا يَتَقِدُ لَا يَتَقِدُ لَا يَتَقَدُ لَا يَتَقِدُ لَا يَتَقِدُ لَا يَتَقِدُ لَا يَتَقِدُ لَا يَتَقِدُ لَا يَتَقَدُ لَا يَتَقَدُ لَا يَتَقَدُ لَا يَتَقَدُ لَا يَتَقِدُ لَا يَتَقِدُ لَا يَتَقِدُ لَا يَتَقِدُ لَا يَتَقِدُ لَا يَتَعَدُّلُونَ مِنْ لَقَالَعُلُونَ مِنْ مَنْ اللّهُ عَلَّذُ يَ اللّهُ لَقِلُونُ مِنْ فَيَقِدُ لَا يَقَعَدُ لَا يَتَقِدُ لَا يَا لَا لَا يَعَدُّلُونَ مِنْ لَا يَتَقَدُّ لَا يُعَلِّقُولُونَ عَلَى اللّهُ وَلَا يَعْلَى اللّهُ عَلَى لَا يَعْلَقُولُونَ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ لَا يَعْلَقُونُ لَا يَعْلَقُونُ لَا يُعْلَى اللّهُ وَلِي لَا يَعْلَى اللّهُ لَا يُعْلَى اللّهُ لَا يَعْلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ لَا يَعْلَى اللّهُ لِلْ لَا يَعْلَى اللّهُ لَا يَعْلَى اللّهُ لَا يَعْلَى اللّهُ لَا يَعْلَى اللّهُ لَا لَا يُعْلَى اللّهُ لَا يُعْلَى اللّهُ لَا لَا لَا يَعْلَى لَا يَعْلَى اللّهُ لَا لَا يَعْلَى اللّهُ لَا يَعْلَى لَا يَعْلَى لَا يَعْلَى اللّهُ لَا يُعْلِقُونُونُ لَا يُعْلَى لَا يَعْلَى اللّهُ لَا يَعْلَى اللّهُ لَا يُعْلَ

فعل ماضى معلوم : واتَّقَدَ ، واتَّقَدَا ، واتَّقَدَوُ ا، واتَّقَدَتْ واتَّقَدَتَا واتَّقَدُنَ ، واتَّقَدْتَ الخ

سوال باوتقد من بقانون مِيْعًا دُواديًاء سے كيون بيس برلتے؟

جواب: أُن قانون ميں بيشرط ہے كدواوفاءالتعال ميں ندہوجبكد يهاں واوفائ التعال ميں ہے

فعل ماضى مجهول: - اتقد ، اتقد أ، اتقد وا، اتقدت ، الخاصل يون في أو تقد ، أو تقد أو تقد واللخ إتقد ألقة المخاصة والله التقد المنافقة المنافقة والمنافقة والم

اسم فاعل مستقدة ، متقدان ، متقدون ، متقدة الخاصل يول في موتقد ، موتقدان ، موتقدون النح إتقد والاقانون جارى موتقدون النح اتقد والاقانون جارى مواج، اس كعلاده مُتَقَدِّهُ وغيره من عليم شهد والاقانون كادوسرى صورت كمطابق متقدة ، مثقد والاقانون جارى موتا ب

باب مفتم صرف مغير ثلاثى مزيد في مثال واوى ازباب إستنفعال چول الاِسْتِجَاب (مستحق بوزا)
السّتَوْجَب يَسْتَوْجِب استِيه جَاباً فهو مُسْتَوْجِب و استَوْجَب يُسْتَوْجَب استِيب استِيب ابا فذاك
مُسْتَوْجَب كُمْ يَسْتَوْجِب لَمْ يُسْتَوْجِب لا يَسْتَوْجِب لايسْتَوْجَب لايسْتَوْجَب لكَ يَسْتَوْجِب لليستَوْجِب ليستَوْجِب ليستَوْجِب ليستَوْجِب ليستَوْجِب ليستَوْجِب ليستَوْجِب ليستَوْجِب ليستَوْجَب والنهى عنه لا تَستَوْجِب لا يَستَوْجِب لا يُستَوْجِب لا يُستَوْجَب الظرف منه مُستَوْجَب مُسْتَوْجَب أن

مُستَوجَبَاتُ.

باب مشتم صرف صغیر ثلاثی مزید فیه مثال واوی از باب اِنفو قال چول اللانو قاد الله نوقاد دروثن مونا) یه باب لازم استعال موتا ہے

انْوَقَدَ يَنْوَقِدُ اِنْهِ قَاداً فهو مُنْوَقِدُ لَمْ يَنُوَقِدُ لاَ يَنُوقِدُ لَحْ يَّنُوقِدُ الامر منه اِنُوقِدُ لِيَنُوقِدُ والنهى عنه لاتَنُوقِدُ لا يَنُوقِدُ الظرف منه مُنْوَقَدُ مُنُوقَدُ أَنْ مُنُوقَدًانٍ مُنُوقَدَاتً .

اسی گردانیں بھی صحیح کی طرح ہیں ہر صیفہ میں اخفاء ہوگا کیونکہ نون ساکن کے بعد واوحرف اخفاء واقع ہے، اور جہاں ف عیل کا وزن بنتا ہو وہاں عُلمِمَّ ، شکیھِد والا قانون کی دوسری صورت جاری ہوگی جیسے یکٹو قید ممنو کھی ہے وغیر میں۔ باقی ابواب سے مثال واوی کا استعال نہایت قلیل ہے، (مثال واوی کے ابوا بختم ہوگئے)

مثال یائی کےابواب

باب اول صرف عير ثلاثى مجردمثال يائى ازباب ضَسرَبَ يضُوب حِول ٱلْيكسُو (جواكليا) اى سے اب اول صرف عير ثلاثى مجردمثال يائى ازباب ضَسرَ بستعمل ہے بمعنى -جوا

يَسَرَ يَيُسِوُ يَسَراً فهو يَاسِرُ وَيُسِرَ يُوسَرُ يَسَراً فذاك مَيْسُورُ لَمْ يَيْسِرُ لَمْ يُوسَرُ لاَيَيْسِرُ لاَيُوسَرُ لَنَ يَيْسِرَ لَنَ يَبُوسَرَ الامر منه اِيْسِرُ لِتُوسَرُ لِيَيْسِرُ لِيُوسَرُ والنهَّيُّ لاَتَيْسِرُ لاَتُوسَرُ لايَيْسِرُ لاَيُوسَرُ الظرف منه مَيْسِرُ والآلة منه مِيْسَرُ ومِيْسَرَةٌ و مِيْسَارُ وافعل التفضيل منه اَيْسَرُ والمؤنث منه يُسَرِي وفعل التعجب منه مَا اَيْسَرَهُ و اَيْسِرْبِمُ وَيُسُرَ

اسم فاعل: يكاسِس ، يكاسِران ، يكاسِرُون ، يَسَرَة يُسَكَّر ، يُسَرَّ ، يُسَرَّ ، يُسَرَّ ، يُسَرَاء ، يُسَرَان ، يسار ، يُسَرُّ ، يُسَرَّ ، يُسَرَّ ، يُسَرِّ ، يَسَرِ ، يَسَرِّ ، يَسَرِّ ، يَسَرِّ ، يَسَرِّ ، يَسَرِّ ، يَسْرَ ، يَسْرُ ، يَسْرً ، يَسْرَ ، يَسْرَ ، يَسْرَ ، يَسْرَ ، يَسْرُ ، يَسْرُ ، يَسْرُ ، يَسْرُ ، يَسْرَ ، يَسْرَ ، يَسْرَ ، يَسْرَ ، يَسْرَ ، يَسْرَاء ، يَسْرَ ، يَسْرَاء ، يَسْرَ ، يَسْرَاء ، يَسْرَاء ، يَسْرَاء ، يَسْرَ ، يَسْرَ ، يَسْرَ ، يَسْرَاء ، يَسْرَاء ، يَسْرَ

باب دوم صرف مغير ثلاثى مجرد مثال يائى الرباب فَتَحَ يَفْتَحُ يُونَا لَيْنَعُ (يُهل كا پخته مونا) يَنعَ يَيننَعُ يَنعًا فهو يَانِعٌ وَيُنعَ يُونعُ يَنعًا فذاك مَيننُوعٌ لَمْ يَيننَعُ لَمْ يُونعُ لَا يَيْنعُ لَا يُونعُ لَيَ يُنعًا فذاك مَيننَعُ لَمْ يَيننَعُ لَمْ يُونعُ لَا يَيننَعُ لَا يَونعُ لَي يَنعًا فذاك مَيننَعُ لَا يَيننَعُ لِي يَنعًا فَه وَيَانِعُ لَا يَيننَعُ لِي يَنعُ أَلِي يَنعُ والنهى عنه لاَ تَينعُ لاَ تُونعُ لاَ يَيننَعُ لِي يَينعُ والنهى عنه لاَ تَينعُ لاَ يَونعُ لاَ يَينعُ لاَ يُعنعُ لاَ يَنعُ والالله منه مَينعُ والالله منه مَينعُ والالله منه مَا يَنعُ وَمِيناعُ والفعل المتفضيل منه اَينعُ والمؤنث منه يُنعَى وفعل المتعجب منه مَا اَينعُهُ وَ اَينعُ بِهُ وَ يَنعُ

تصريفات و تعليلات : الحريم في زياده تركر دانين هي كاندين يَسَرَ يَيْسِرُ كَ طرح يهال بي مضارع مجهول اوراسك بعد برمجهول كردان من يُسُوسَد موالا قانون كى پلى صورت كم طابق ياءواو سة تبديل بو كي جيسه مضارع مجهول المخ لَمْ يُونَعُ لَمْ يُونَعُ المنح جواصل من ها ميننع أييننع أن المنح لَمْ مُيننعًا المنح واصل من ها ميننع أييننع أن المنح لَمْ مُيننعًا المنح واصل من ها ميننع أييننع أن المنح لم ميننع المنح ا

اسم ظرف - مَینع مَینع ان ، مَیانع ، مَیکنی می کاسم طرف دالا قانون جاری ہوا کہ ثلاثی مجرد سے مثال کا اسم ظرف بیشہ مُفعل کے وزن پر آتا ہے - میکانیٹ میں میں نیسے کے دونوں صینے اسم مفعول کے وزن پر آتا ہے - میکانیٹ میں میں اور اسم مفعول کے صینے ہوں تو پھران میں مدے سے ایکوالا قانون جاری ہوا ہے کہ اسم اسم آلہ کری گردان میں بھی ۔ اگر یہ اسم مفعول کے صینے ہوں تو پھران میں مدے ہوں تو اس وقت ان میں مضارین میں ۔

باب سوم صرف صغير ثلاثى مجروم ثال يائى ازباب سَمِعَ يسَمَعَ جون الْيَّلَةُ (يتيم بونا) (يدلازم استعال بوتا باسلخ مفعول اورمجهول كردان آيين نيس آتى اوراسم فاعل ك جدم شدر آتى به) يَتِمَ يَيْتَمُ يُتَسَما فَهِ و يَتِيْمُ كُمُ يَيْتُمُ لاَ يَيْتَمُ لَنَ يَنْيَتُمُ الامر منه ايتُمْ لِيَيْتُمُ والمنهى عنه لا تَيْتَمُ لاَ يَيْتَمُ الطرف منه مَيْتِمُ والالة منه ويُتَمَ و مِيْتَمَ و مِيْتَامُ وافعل التفضيل منه أيتُم و المؤنث منه يُتمى وفعل التعجب منه مَا أَيْتُمَة وَ أَيْثِمْ بِهِ وَ يُتُّمَ

تصریفات و تعلیلات : فعل ماض معلوم می علیم شهدوالا قانون کی دوسری صورت جاری ہو کتی ہے۔ صفتِ مشبّه : یَتِیدُمُ ، یَتِیدُمُ اِن ، یَتِیدُمُونَ ، یُتَمَاءُ، یُتَمَانُ ، یِتُمَانُ یِتَامُ ، یَتُومُ ، یُتُمُ ، اَیْتَمَاءُ ، اَنْتَمَاءُ اَنْمُ الْمُنْمُ الْمُ الْمُعْمِاءُ الْمُعْمَاءُ الْمُعْمَاءُ الْمُعْمَاءُ الْمُنْمُ الْمُ الْمُعْمَاءُ الْمُعْمَاءُ الْمُعْمَاءُ الْمُعْمَاعُمُ الْمُعْمَاعُمُ الْمُعْمَاعُومُ الْمُعْمَاعُ الْمُعْمَاعُمُ الْمُعْمَاعُومُ الْمُعْمَاعُمُ الْمُعْمِاعُومُ الْمُعْمُ الْمُعْمِ الْمُعْمَاعُمُ الْمُعْمَاعُمُ الْمُعْمَاعُمُ ا

اس گردان کے اندر یکھ میں علم شید والاقانون کی تیری صورت کے مطابق میتم پڑھنا جائز ہے کونکہ یہ فعل کے وزن پر ہے جسمیں فع کو کھ سے مطابق میں علمت (یاء) کوہمزو وزن پر ہے جسمیں فع کو کر ھنا جائز ہے۔ یکٹانیم سیاصل میں یکٹا یہ متحال میں ایک کوہمزو سے تبدیل کیا۔ فیکیٹ می میٹریٹ کی مشریف ، شریف کی مطرح ہیں۔

امرحاض معروف : دايْتَم ، إيتماً ، إيتموا ، إيتمين ، إيتما ، إيتما ، إيتمن .

یہاں امر حاضر والا قانون جاری ہوا ہے ای طرح تمام گردانیں اوران میں جاری ہونے والے واعدی نثاندہی کرلی جائے باب چہارم صرف مغیر ثلاثی مجر دمثال یائی ازباب حسید یک سیدے چوں الکیکیس معنی (خشک ہوتا)۔ (یہ سیع ہے بھی مستعمل ہے)

يَدِسَ يَدَبِسُ يَنْبِسُ لَمْ يَدِيسِ لَنَ يَدِسَ لَوْبَسَ يُوبَسُ يُبُسَا فذاك مَيْبُوسٌ لَمْ يَدِيسَ لَمْ يُوبَسُ لَمْ يُوبَسُ لَا يَدِيسِ لَمْ يُوبَسُ والنهى لَا يَدِيبِسُ لَنَ يَدِيسَ لَا يَدِيبِسُ لِللهِ لِللهِ لَا يَدِيبِسُ لَا يَدِيبِسُ لَا يَدِيبُسُ والنهى عدنه لاَ يَدِيبُسُ لاَ يَدُبُسُ لاَ يُدَبِسُ لاَ يُدَبِسُ النظرف منه مَيْبِسُ والالة منه مِيْبَسُ والالة منه مِيْبَسُ والالة منه مِيْبَسُ والله منه أيْبَسُ والمؤنث منه يُبُسلى و فعل المتعجب منه مِيبَسَة و مِيبَسَ وافعل المتعجب منه ما ايّبسَهُ و مَيبَسَ يه و يَبسَ (يهاده بَي لازم يُحَسَّر ين كي فرض عدام مفعول اورجهول كرواني و ركي يُن وركي كي منه يُبسَدَ و المؤنث منه يُبسَل و فعل المتعجب منه ما ايّبسَهُ و أييسَ يه و يَبسَ (يهاده بَي لازم يه مُحَسِّر ين كي فرض عدام مفعول اورجهول كرواني و ركي كي وركي كي وراني و ركي كي وراني و و يس در)

 آم فَاكَلَ :يَابِسُ ، يَابِسَانِ، يَابِسُونَ ، يَبَسَةٌ، يُبَّاسُ ، يُبَّسُ ، يُبَسُ، يُبَسَاءُ، يُبَسَانُ ،يِبَاسُ يُبُوسُ، اَيْبَاسُ، يَابِسَةُ ، يَابِسَتَانِ، يَابِسَاتُ ، يَوَابِسُ ، يُبَسُّ ، يُويُبِسُ، يُو يُبِسَةُ

امرحاضرمعروف : راييس ، إيبسا، إيبسوا ، ايبسي ، ايبسا ، ايبسن - ايبسن ، ايبسا ، ايبسن - آخرتك تمام قريفات وتعليلات كريج -

باب پنجم صرف صغیر ثلاثی مجرد مثال یائی از باب منگر ف یکشر ف چون الدیستر معنی (آسان بونا) (لازم بونے کیوب سے مجبول اور اسم مفعول کی گردان اس نے میں آتی اور بجائے اسم فاعل صفت مشبر آتی ہے)

يَسْرَ يَيْسُرُ يَسْراً فهو يَسِيْرُ كُمْ يَيْسُرُ لَا يَيْسُرُ لَنَ يَيْسُرُ الامر منه أُوسُرُ لِيَيْسُرُ والنهى عنه لاتيسُرُ ويَسْرَ فهو يَسِيْرُ لَمْ يَيْسُرُ والالة منه مِيْسَرُ و مِيْسَرَةٌ و مِيْسَارُ وافعل التفضيل منه ايشرُ والمؤنث منه يُسْرِى و فعل التعجب منه مَا يُسَرَّهُ و ايسرُبِهُ ويُسُرَ صيفت مشبه : يسييرُ و المؤنث منه يُسْرِي و فعل التعجب منه مَا يُسَرَهُ و ايسرُبِهُ ويُسُرَ صيفت مشبه : يسييرُ و المؤنث منه يُسِيرُ و ن ، يُسَرَانَ ، يَسَرَانَ ، يَسَرَانَ ، يَسَرَانَ ، يَسَرَانَ ، يَسَرَانَ ، يَسَيْرُ و يُسَرِّرُ ، يُسَرِّرُ ، يُسَرِّرُ ، يُسَرِّرُ ، يُسَرِّرُ ، يُسَيِّرُ ، يُسَيِّرُ ، يُسِيْرُ و يُسَيِّرُ ، يُسِيْرُ اللهُ يَسْرَانَ ، يَسِيرُ ، يُسِيْرُ اللهُ يُسُورُ ، يُسَيِّرُ ، يُسَارُ ، يَسَيِّرُ ، يُسَيِّرُ ، يُسَيِّرُ ، يُسَلِّمُ ، يَسَيْرُ ، يُسَيِّرُ ، يُسَيِّرُ ، يُسَيِّرُ ، يُسَيِّرُ ، يُسَيِّرُ ، يُسَيِّرُ ، يُسَلِّمُ ، يَسَلِيرُ ، يُسَيِّرُ ، يُسَلِيرً ، يُسَلِيرً ، يُسَلِيرً ، يُسَلِيرً ، يُسَلِيرً ، يُسْرَانَ ، يَسَلِيرً ، يُسَلِيرً ، يُسَلِيرً ، يُسَلِيرً ، يُسَلِيرً ، يُسَلِيرً ، يُسَلِيرً ، يُسْرَانَ ، يَسِلِيرً ، يَسْلِيرً ، يَسْلِيرً ، يُسْلِيرً ، يُسْلِيرً ، يَسْلِيرً ، يُسْلِيرً ، يَسْلِيرً ، يَسْلِيرً ، يَسْلِيرً ، يَسْلِيرً ، يُسْلِيرً ، يُسْلِيرً ، يُسْلِيرً ، يَسْلِيرً ، يُسْلِيرً ، يَسْلِيرً ، يَسْلِيرً ، يَسْلِيرً ، يُسْلِيرً ، يُسْلِيرً ، يَسْلِيرً ، يَسْلِيرً ، يَسْلِيرً ، يُسْلِيرً ، يُسْلِيرً ، يَسْلِيرً ، يُسْلِيرً ، يُ

اجراء قوانین : مسروس علم شیهد والاقانون جاری بوسکتا ہے، یسیدر آت می صنر بن کاپہلاقانون جاری ہوا ہے کہ اصل میں یسیدر قان میں ایف والاقانون جاری ہوا ہے کہ اصل میں یسیدر قاند تھا یسکانیو میں شر ایف والاقانون جاری ہوا ہے اسکی اصل یسیانیو ہے۔

امرحاضرمعروف : أوسر ، أوسرا ، أوسروا ، أوسروا ، أوسرى ، أوسرا ، أوسرن مماميغول من امرحاضروالا قانون كما تحد مي المرحاضر والا قانون جارى مواب كماصل يون في أيسر ، أيسرك ، أيسرك أيسرو الله ياءواو بدل عنى

(تمت ابواب المثال الياني من الثلاثي المجرد)

غیر ثلاثی مجرد سے مثال یائی کے ابواب

باب اول صرف صغير ثلاثى مزيد فيه مثال يا كا زباب إلفَّعَالَ چون اَلَّا يُسَسَارُ (مال واربونا) اَيْسَتَرَيُ وَسِوْ إِيْسَسَار أَ فَهِ و مُتَوْسِرٌ وَأُوسِرَ يُتُوسَرُ إِيْسَارًا فَذَاكَ مُوسَرٌ لَمْ يُوسَرُ لَايُتُوسِوْ لَايُوسَرُ لَنَ يُتُوسِرُ لَنَ يُتُوسَرَ الامر منه أَيْسِيْرُ لِيتُوسَرُ لِيُوسِرُ لِيُوسَرُ والنهى عنه لَاتُوسِرُ لَاتُوسِرُ لَايُوسِرُ لَايُوسَرُ الطرف منه مُوسَرُ مُوسَرًانٍ مُوسَرًاتٍ مُوسَرًاتٍ .

ماضى معلوم أورامر حاضر معروف كسواتقريباً تمام گردانو ل مين يكوست والاقانون كمطابق ياءواوس بدل چى بيست و المنتور أوسير أ

باب دوم صرف صغير ثلاثى مزيد في مثال يائى ازباب تَنفَعِيل چون اَلتَّيْسِينُ وَبَمَعَىٰ (آسان کرنا) يَشَّرَ يُيسَيِّرُ تَيْسِيْراً فِهِ و مُيسَّرٌ وَيُسِّرَ يُيسَثُّرُ تَيْسِيْراً فِذاك مُيسَّرُ لُمْ يُيسَّرُ لَمْ يُيسَّرُ لَمْ يُيسَّرُ لَا يُيسَّرُ لَهُ يُيسَّرُ لَمْ يُيسَّرُ لَا يُيسَرِّرُ لَلْهُ يَسَرُّرُ لِلْهُ يَسَرِّرُ لِلْهُ يَسَرِّرُ لِلْهُ يَسَرُّرُ لِللَّهِ عِنهُ لَا يَسَرِّرُ لَا يُيسَرِّرُ لَا يُيسَرِّرُ لَا يُيسَرِّرُ لَا يُيسَرِّرُ لَا يُيسَرِّرُ لَا يُيسَرِّرُ لَا يُسَرِّرُ لَا يُسَرِّرُ لَا يُسَرِّرُ لَا يُسَرِّرُ لَا يُعَلَّمُ الطرف منه مُيسَّرُ مُيسَرَّانٍ مُيسَّرَاتُ مُيسَرَاتُ مُ اللَّهُ عَلَى اللهِ مِن مِنْ لَى كَانُ فَا فِن جارى نَيسَ مُوتا -

باب سوم صرف صغیر ثلاثی مزید فیه مثال یائی از باب مفاعَلَة چول اَلْمُیاسَرَةٌ (باهم آسانی اورزی کامعالمه کرنا)

يَاسَرَ يُيَاسِرُ مَيَاسَرَةً فَهو مُيَاسِرٌ وَيُوسِرَ يُيَاسَرُ مُيَاسَرَةٌ فذاك مُيَاسَرُ لَمْ يَيَاسِرُ لَمْ يَيَاسَرُ لا يُيَاسِرُ لا يُيَاسَرُ لَنَ يُيَاسِرَ لَنَ يُيَاسَرَ الامر منه يَاسِرُ لِتُياسَرُ لِيُيَاسِرُ لِيُيَاسَرُ والنهى عنه لا تَيَاسِرُ لَا تُيَاسَرُ لَا يُيَاسِرُ لَا يُيَاسَرُ الظرف منه مَيَاسَرُ مُيَاسَرُانِ مُيَاسَرَاتُ.

اس باب كى تمام كردانين بحى ضارب يُضارب صحح كى طرح بين كه جسطر حضورب صدوربا صور بوا النح مين مَضَارِيْبُ اورضُورِ بوالا قانون كم طابق الف واوس تبديل بواجة اى طرح يوسير يوسيرا يوسوروا

· المخ میں واؤالف سے تبدیل شدہ ہے۔

اسباب كتمام صغول من إنشقد إتنسر والاقانون هي جارى بوسكتا علفذاتيستر تيسرا النح كواتسكر إنسراً النح كواتسكر إنسرا المنع پر هناجائز بهاى طرح مي ميران مي مجول كواتس ، يتيستر نعل مضارع كويتسكر پر هناجائز بو تعلى هذا

باب پنجم صرف صغیر ثلاثی مزید فیه مثال یائی از باب تَفَاعَلَ چوں اَلتَّیامُ مِنجمعنی (واکیس طرف سے شروع کرنا)

تَيَامَنَ يَتَيَامَنُ تَيَامُناً فَهُو مُتَيَامِنُ وَتَيُومِنَ يُتَيَامَنُ تَيَامُناً فَذَاك مُتَيَامَنُ لَمَ يَتَيَامَنُ لَكَيْتَيَامَنُ لَكَيْتَيَامَنُ لَكَيْتَيَامَنُ لَكَيْتَيَامَنُ لِلْكَيْتَيَامَنُ لِيَتَيَامَنُ لِيَتَيَامَنُ لِيَتَيَامَنُ لِيَتَيَامَنُ لِيَتَيَامَنُ لِلْيُتَيَامَنُ لِلْيُتَيَامَنُ لِلْيُتَيَامَنُ لِلْيُتَيَامَنُ لَا يُتَيَامَنُ لَا يُعَلِيمَ لَا يُعَلِيمَ لَا يُعَلِيمُ لَا يُعَلِيمُ لَا يُعَلِيمُ لَا يُعَلِيمُ لَا يُعَلِيمَ لَا يُعَلِيمُ لَا يُعْلَى لَكُنْ لِلْكُولُ لِلْكُلُولُ لِلْكُلُولُ لِلْكُلُولُ لِلْكُلُولُ لِلْكُلُولُ لِلْكُلُولُ لِلْكُلُولُ لِلْكُلُولُ لِلْكُلُولُ لِلْكُلِكُ لِلْكُلِكُ لِلْكُلُولُ لِلْكُلِكُ لِلْكُلِكُلُولُ لِلْكُلِكُلُولُ لِلْكُلُولُ لِلْكُلِكُ لِلْكُلُولُ لِلْكُلِكُ لِللْكُلِكُلُولُ لِلْكُلِكُلِكُ لِلْكُلِكُ لِلْكُلُولُ لِلْكُلِكُ لِلْكُولُ لِلْكُلُولُ لِلْكُلُولُ لِللْكُلُولُ لِللْكُلُولُ لِلْكُلُولُ لِلْكُلُولُ لِلْكُلُولُ لِلْكُلُولُ لِللْكُلُولُ لِلْكُلِكُ لِلْكُلُولُ لِلْكُلُولُ لِلْكُلُولُ لِلْكُلِكُمُ لِلْكُلُولُ لِلْكُلِكُ لِلْكُلِكُ لِلْكُلِكُلِكُ لِلْكُلِكِلِكُ لِلْكُلِكُلِكُ لِلْكُلِكُ لِلْكُلِكُ لِلْكُلِكُ لِلْكُلِكُ لِلْكُلِكُ لِلْكُلِكُلِكُ لِلْكُلِكُ لِلْكُلِكُ لِلْكُلِكُ لِلْكُلِكُ لِلْكُلِكُ لِلْكُلِكُلُكُ لِلْكُلِكُلِكُ لِلْكُلِكُ لِلْكُلِكُلِكُ لِلْكُلِكُ لِلْكُلِكُ لِلْكُلِكُ لِلْكُلِكُ لِلْكُلِكُ لِلْكُلِكُلِكُ لِلْكُلِكُ لِلْكُلِكُ لِلْكُلِكُ لِلْكُلِكُ لِلْكُلِكُ لِلْكُلِكُ لِلْكُلِلْكُ لِلْكُلِكُ لِلْكُلِكُ لِلْكُلِكُ لِلْكُلِكُ لِلْكُلِكُ لِ

تَتَيَامَن اوراس جيے دوسرے صغے جن میں دوتاء جمع بیں ان میں سے ایک تاءکومضارع معلوم کے تیسرے قانون کے

مطابق حذف کرنا جائز ہے۔مضارع کے واحد متکلم کے صیغہ میں ہمزہ قطعی اور ہمزہ وصلی والا قانون جاری ہوتا ہے کہ آنگیا میں مابعد کے متحرک ہونے کے باوجود ہمزہ حذف نہیں ہوتا اسلئے کہ یہ ہمزہ قطعی ہے اور ہمزہ قطعی حذف نہیں ہوتا اس طرح مضارع معلوم میں انحکہ تیعکہ والا قانون بھی جاری ہوسکتا ہے۔

باب شم صرف مغير ثلاثى مزيد في مثال يائى ازباب إفْتَعالْ چون اَلْاتِسَارُ (جواكميلنا، آسان بونا) إِنَّسَرَ يَنَّسِرُ إِنَّسِنَا اَ فَهُو مُتَّسِرٌ وُ اَتُسِرَ يُتَّسَرُ إِنَّيْسَاراً فَذَاك مُتَّسَرُ لَمُ يَتَّسِرُ لَمُ يُتَّسَرَ لَا يَتَّسِرُ لَا يُتَّسَرُ لَلَ يَتَّسِرُ لَكَ يُتَّسَرُ الامر منه وتَّسَرُ لِيُتَّسَرُ لِيَتَّسِرُ لِيُتَّسَرُ والنهى عنه لا تَتَّسِرُ لَا يُتَسَرُ لا يَتَسِرُ لَا يُتَسِرُ لَا يُتَسَرُ الظرف منه مُتَّسَرُ مُتَّسَران مُتَسَرَات الله عنه لا تَتَسَرُ

تمام ترصيفه جات من راتَّقَدَ اِتَّسَرَ والاقانون جارى مواج راتَّسَرَ كى اصل اِيْتَسَرَ بَ أَتَّسِرَ اصل من أَيْتُسِرُ مَا يَتَسِرُ اللهِ عَلَىٰ هَذُا ٱلْقِيَاسُ .

طلبه کرام کوچاہیئے کہ ہرصیغہ کی اصل نکالیں اور واضح کریں کہ آسمیں مانقد والا قانون کس طرح جاری ہوا؟

باب مفتم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه مثال يائى ازباب إستيفعال چون الإستيتيسار

(آسان ہونا، تیار ہونا، میسر ہونا)

راشتَيْسَرَ يَسْتَيْسِرُ اِسْتِيْسَاراً فهو مُسْتَيْسِرُ وَاُسْتُوسِرَ يُسْتَيْسَرُ اِسْتِيْسَاراً فذاك مُسْتَيْسَرُّ لَمُ يَسْتَيْسِرْ لَمُ يُسْتَيْسَرُ لَايَسْتَيْسِرُ لَايُسْتَيْسَرُ لَنَ يَسْتَيْسِرَ لَنَ يَّسْتَيْسَرَ الامر منه اِسْتَيْسِرُ لِتُسْتَيْسَرُ لِيَسْتَيْسِرُ لِيُسْتَيْسَرُ والىنهى عنه لَاتَسْتَيْسِرْ، لَاتُسْتَيْسَرُ لَايَسْتَيْسِرُ لَايُسْتَيْسَرُ الطرف منه مُسْتَيْسَرُ مُسْتَيْسَرُانٍ مُسْتَيْسَرُاتُ

تمام گردانیں بطرز اِستَنَحْرَجَ یستَخُرِجَ بِسالبت ماضی جہول اُستُوسِرَ اُستُوسِرَا النح کامل اُستُوسِرَ

علاقی مزید فیدے باقی ابواب اور ربامی مجرد ومزید فید کے ابواب سے مثال کا استعال قلیل ہے اسلئے مصنف ؓ نے باقی ابواب ذکر نہیں کیئے۔

﴿ ختم شدقوا نين وابواب مثال ﴾

تنوبرالصرف

اجو ف کے قوانین

تعلیل نقال اصل میں قول تعاواؤمتحرک ہے اقبل اس کامفتوح ہے تواس واؤ کوالف سے تبدیل کیا۔ قانون قَالَ باَعَ میں عین ناقص حکمی کا مطلب

جب ناقص کالام کلمہ کرر ہوتو لام اول (یعنی آخری حرف علت سے پہلے والے حرف علت) کوعین ناقص تھی کہتے ہیں جیبے راد عولی جواصل میں ادعو تی بروزن اللہ علی آخری حرف علت سے پہلے والے حرف علت کی کھیں گلمہ کے تھم میں ہے اردعو ای جواصل میں ادعو تی بروزن اللہ علی تھا آئیں اوا والے ایس ان اور الام (یعنی واؤٹانی) کے موجود ہونے کیوجہ اگر چہ بیدواؤ اول بھی حقیقت میں لام کلمہ ہے نہ کہ میں کلمہ کی کہتے ہیں کام کام کی مرح درمیان میں واقع ہے اسلنے اسکوناقص کاعین کلم تھی کہتے ہیں

قانون: بهرواد ویاء متحرک بحرکت لازی که ماقبلش مفتوح باشداز آن یک کلمه بالف مبدّل شود وجوگار بشرطیکه آن واو ویاء مقابله فاءکلمه وعین کلمه ناقص و در تھم عین کلمه ناقص نباشد – ومابعدش مده زائده که لازم بود تصفیح تحقق وسکون او به وحرف تثنیه والف جمع همونث سالم و یائے نسبت ، ونون تاکید نباشد وآن کلمه بروزن فَعَلَا حِجَّ ، وَفَعَلَیٰ ، وَبمعیٰ آن کلمه که درآن تعلیل نیست نباشد و مقابله عین کلمه در فعل تعبّ نه باشد

قانون نمبر ١٨٨ : _ قَالَ باع والا قانون

اس قانون کی کل اٹھارہ شرائط ہیں پہلی جارشرطیں وجودی ہیں باتی چودہ عدی ہیں۔

اس قانون كاخلاصمه يهيك كرجب الحاره شرطيس موجود مول توواؤاورياء كوالف سے تبديل كرنا واجب ب

(۱)واؤاوریا مِتحرک ہوں۔احر ازی مثال جیسے مور کا ور کینے کا سیس متحرک نہیں ہیں

(٢)واؤاورياءكاماقبل مفتوح بول احر ازى مثال جيسے فيول اور جيع يہال ماقبل مفتوح نہيں ہے

(٣)واؤاورياء کي حركت لازمي موعار ضي ند بو-احر ازي مثال جيسے دعه مواالله جواصل ميں دعه وا مقالميس واؤكى

حرکت عارضی ہے جوالتائے ساکنین سے بیخے کی غرض سے آئی ہے

(٣)وآو اورياءكا الله ال كيماته ايك كلمين مواحر ازى مثال جيه سيقول ميسين الك كلمه إوريقول الك

(٥) واو اورياء فا والمدى جكدند بول جيد تو عد اور تيسكر

(٢) يدواوُ ياءاور حقيقة ناقص كاعين كلمهنه بول جيسے قَوى اور كيي (ناقص سے مراديها لفيف ب)

() واو اور یا عناقص کاعین کلم میمی نه مول جیسے ارتحوای جواصل میں ارتحو و تھابقانون مدتعلی (جوآ کے ناقص میں آرہا ہے) واو ٹانی کو یاء سے تبدیل کیا پھر قال بہا عوالا قانون سے یاء کوالف سے تبدیل کیا تو ارتیحوای بن گیا۔ آئمیس واواول ناقص کے عین کلمہ کے تھم میں ہے۔ لہذااس قانون سے بیواؤالف سے تبدیل نہیں ہوگا

(٨) واؤاور ماء كے بعدايما مده زائده نه وجس كا ثبوت اور سكون لا زمى موجيسے كلوين أور عَيابَة وَ اِ

(٩) واوُاورياء كے بعد حرف تثنيه نه وجيد دَعُوا إور رَمَياً اور عَصَوان ، عَصَوَيْن

(١٠) واوُاورياءك بعدجع مؤنث سالم كاالف نه بوجيد عَصَدوَاتُ

(۱۱) واؤاور ياء كے بعدنون تاكير تقيله نه ہوجيسے الحنسكين

(١٢) واو اورياء كے بعدنون تاكيد خفيفه نه بوجيسے الخشكين د

(١٣) واواورياء كے بعديائے نبت نه موجعے عَلَوى

(۱۴) واؤاورياء جس كلمه من مووه كلمه فعكل وكاك وزن يرنه موجيع حَيوان ورجو لأن

(١٥) وهممه فَعَلْي كوزن برنه بوجيسے حَيدلى (متكبرانه عال)

(١٦) وه کلمدرنگ کے معنی میں ندہوجیسے سیو د (کالا ہونا)

لے جوت اور سکون کے لازمی ہونے کا مطلب یہ ہے کہ اُس مدہ زائدہ کا ای جگہ برقر ارد بنا ، اور اسکوسا کن پڑھنالازمی ہوا گرواواوریاء کے بعداییا مدہ زائدہ ہوجہ کا برقر ارد بنا اور اسکوسا کن پڑھنالازمی نہ ہو بلکہ اس پر ترکت بھی آسکتی ہوتو اس صورت بیس قانون جاری ہوگا جیسے کہ محوالاللّٰہ جواصل بیس کے تعدیدہ زائدہ تو ہے لیک اس پر ترکت آسکتی ہے اور حرکت کہ تعدیدہ باتی ہو کہ اندہ تو ہے کہ بعد مدہ باتی نہیں ہے بلکہ اس پر ترکت آسکتی ہوا ورحرکت آسے کے بعد مدہ باتی نہیں رہتا کہ وکہ مدہ تو ساکن حرف علت کا نام ہے معذا بہاں قانون جاری ہوا ہے کہ واواول الف سے تبدیل ہوکر التقائے ساکنین کیوجہ سے التقائے ساکنین ہواواواور لام کے درمیان لیس ساکن اول (واو) کوخمہ کی حرکت دی تو کہ تھوا اللّٰہ ہوا۔

(١٤) وه كلم عيب كمعنى مين نه بوجعيد عيورٌ (كانا بونا) إ

(١٨) يدياءاورواؤنعل تعبب كين كلمدكي جگدند مول جيسے قول اور بيع

اتفاقی مثالیں: قال جواصل میں قَولَ تھااور بَاعَ جواصل میں بَیعَ تھااور بَابِ جواصل میں بَوبِ تھااور نَابُجو اصل میں نَیدِ بِنَا تَقَالَ

فاكرہ: -اكك شرط يہ كى جكرواواور ياءا يے باب اِفْتِعَال مِن نہوں جوباب تَفَاعُلُ كَمَعَى مِن ہو بِي اِجْتُور اور راغتُورَ باب اِفْتِعَال مَ كَلَّم بِين يدونوں تَجَاوَرَ اور تَعَاوَرَ باب تفاعل كَمْعَى مِن بِين كونك تَجَاوُر بمعن "اكك دوسرے كروس ميں رہنا"اور تَعَاوَر بمعنى كى چيزكوبارى بارى لينا"اور اِجْتُورَ ' اِعْتُورَ كَمْعَى بعينها يين بين -

تعلیل ۔ فیکن اصل میں فیکو کئی تھا واؤمتحرک ماقبل مفتوح ہاں کو الف سے تبدیل کیا توقی آئی بن گیا اب دوساکن جمع موسے یعنی الف اور لام اور پہلاساکن مدہ ہاں کو حذف کیا توقی کے سندن میں قاع کلمہ کو ضمہ دیا تا کہ واؤ کے حذف ہونے پر دلالت کریں توقی کئی بن گیا۔

فاكده التقائي التناك في دوسمين بين (١) التقائي ساكنين على حدّه (٢) التقائي ساكنين على غير حدّه

(۱) التقائے ساکنین علی حقیہ: اس کو کہتے ہیں جسمیں بیک توت یہ تین شرائط موجود ہوں (۱) پہلاساکن مدہ ہویایائے تفظیر ہور ۲) دوسراساکن مذم ہو۔ (۳) دونوں ساکن ایک ہی کلمہ میں ہوں۔ (بعض حضرات کے نزدیک علی حدہ میں دونوں ساکنوں کا ایک کلمہ میں ہونے کی شرطنہیں ہے کیکن بیتول مرجوح ہے) جیسے ایٹ مار اور خسو یہ تھے کہ ایک میں پہلا

لے تنظیمید: تشرط۱۱، ۱۷ کومصنف نے ان الفاظ میں بیان کیا ہے کہ واداوریاء جس کلہ میں ہوں دوا بے کلہ کے ہم متی نہ ہو جسمیں تعلیل نہ ہوتی ہو بینی قال کے والا قانون جاری نہ ہوتا ہو۔ جسے عور اور تسود کے بعراغو گاور الشود کے متی میں ہیں اور اغور گالستو گئیں وادکا انہل ساکن ہونے کی وجہ سے بیقانون جاری نہیں ہوتا کو بحکہ اس قانون میں ماقتل منتوح ہونا شرط ہواور جب اغور کئی الشوکا میں قانون جاری نہیں ہوتا تو عمور اور تسود میں بھی جاری نہیں ہوتا کو بحد المحدد میں اور الشوک میں نہ ہورونوں جاری نہیں ہوگا کیونکہ یہ المحق میں متی ہیں ہم نے اختصاری غرض سے تعمیر یوں کی ہے کہ ندکورہ کلمدر مگ یا عیب کے متی میں نہ ہورونوں میں مطلب ایک ہے ۔

ساکن (بعنی الف) مدہ ہے دوسراساکن (بعنی رائے اول) مغم ہے اور کلم بھی ایک ہی ہے۔ اسی طرح محبور ملاق میں ساکن اول یائے تصغیر ہے ساکن ٹانی (بعنی صاد) مرغم ہے اور کلمہ ایک ہے

(۲) التقائے ساکنین علی غیر حقیرہ: اس کو کہتے ہیں جس کے ان اندر اِن تین شرائط میں سے کوئی ایک شرط نہ ہویا دو شرطیں نہ ہوں اِنتیاں شرطیں نہ ہوں ، تو اس اعتبار سے التقائے ساکنین علی غیر حدہ کی کل سات صور تیں بنتی ہیں۔ تین صور تیں تو اسطر ح کہ صرف ایک شرط نہ ہو، اور تین صور تیں شرط نہ ہو، اور تین صور تیں اسطر ح کہ دود و شرطیں نہ ہوں یعنی مہلی اور دوسری شرط نہ ہوں یا دوسری اور تیسری شرط نہ ہوں اور اسطر ح کہ دود و شرطیں نہ ہوں یعنی مہلی اور دوسری شرط نہ ہوں یا دوسری اور تیسری شرط نہ ہوں اور ایک صور ت اسطر ح کہ تینوں شرطیں موجود نہ ہوں ، سات صور تیں یہ ہیں۔

(۱) صرف بہلی شرط ندہو یعنی پہلاساکن مدہ نہ ہوجیے یہ خصیصوت اصل میں یہ ختص و دن تھا خصی م والا قانون سے تائے افقاع ساکنین ہوا خداء سے تائے افقاع ساکنین ہوا خداء اورصاد کے درمیان، یہاں پہلاساکن (یعنی خاء) مرہ نہیں ہے۔

(٢) صرف دوسرى شرط ند بوسيعنى دوسراساكن مغم ند بوجيع قالْنَ أسيس ساكن ثانى يعنى الف مغم نبيس ب

(۳) صرف تیسری نثرط نه دو سیعنی دونوں ساکن ایک کلمه میں نه دون جیسے احتسبر بشون مج بہاں دونوں ساکن (مینی واواور نون) ایک کلمه میں نہیں ہیں کیونکہ اخسر قبولا الگ کلمه ہےاورنون تاکیدالگ کلمہ ہے۔

(م) بہلی اور دوسری شرط ندہو ۔ یعنی بہلاساکن مدہ نہ ہواور دوسرام غم ندہوجیے کم یک جواصل میں یکو تھا۔ یہاں دال اول تو بہلے سے ساکن تھا اور عامل جازم داخل ہونے کیوجہ سے دال ٹانی سے بھی حرکت گر تی تو دوساکن دال جمع ہوئے جن میں سے پہلا مدہ نہیں اور دوسرام غم نہیں باقی وحدۃ کلمہ ہے۔

(۵) دوسری اورتیسری شرطنه ہویعنی دوسراساکن رغم نه ہواور کلمه ایک نه ہوجیے ایٹ بر بُسوّا الْلَقَوْمُ اَسمیں دوساکن واواور لام بیں دوسراساکن (یعنی لام) مرغم نہیں ہے اور کلمہ بھی ایک نہیں ہے

(۲) بہلی اور تیسری شرط نہ ہولیعنی پہلاسا کن مدہ نہ ہواور کلمہ ایک نہ ہوجیسے کیف دعے و ت سمیں دوسا کن واواورنون مقم ہیں یہاں پہلاسا کن (یعنی واو) مدہ نہیں اور کلمہ ایک نہیں باقی دوسراسا کن مذخم ہے۔

(2) تینون شرطین موجود نه بهوں کینی پہلامہ ه نه بود دوسرامنم نه بودور کلمہ ایک نه بوجیسے قب ل السیحی جواصل میں قبل آ اَلْحَقَ عَمَا اَسِمِی دوساکن دونوں لام بیں اور تین شرائط میں سے کوئی بھی شرط موجود نہیں۔

التقائيس على حدة اورعلى غيرحده كاحكم

علی حدہ کا تھم: یہ ہے کہ آئیں دونوں ساکنوں کو باقی رکھنا درست ہے اور علی غیر حدہ کا تھم یہ ہے کہ آئیں دونوں ساکنوں کو باقی رکھنا جائز نہیں ہے۔

قانون: -التقائي سأم، ووحدت كلمه باشد، وماسوائ اوكلى غير حدة وعلى حدة آل كه ساكن اول مده يا يائ تضغير وساكن ثانى منم ، ووحدت كلمه باشد، وماسوائ اوكلى غير حده است - وتخم على حدّ ه خواندن ساكنين است مطلقًا وتخم على غير حده خواندن ساكنين است در حالت وقف ، و نه خواندن ساكنين در حالت غير وقف پس در حالت غير وقف بس در حالت غير وقف باشد - حذف كرده ميشودا تفاقًا سوائي اول تده يا نون خفيفه باشد - حذف كرده ميشودا تفاقًا سوائي اول تده يا نون خفيفه باشد - حذف كرده ميشودا تفاقًا سوائي اولى راحذف ميكند وبعض الف تحال كوالي راحذف ميكند وبعض ثانى را - واگر ساكن اول مده يا نون خفيفه نباشد حركت داده شود ساكن در آخر كلمه است واگر در آخر نباشداول را مكن را در تر نباشداول را مكن را در تر خرنباشداول را مكن را در تركم كن در تركم كنده و ترد و ترباشداول را مكن در تركم كنده و ترد يا مناف است وغيرا و بسبب عارض -

قانون نمبرهم: _التقائے ساکنین والا قانون

اس قانون کی کل پانچ صورتیں ہیں۔ ایک صورت التقائے سائنین علی حدّہ کے لئے اور باقی جارالتقائے سائنین علیٰ غیر حدّہ کے لئے ہیں۔

- (۱) پہلی صورت یہ ہے کہ التقائے ساکنین کواپنے حال پر برقر ارر کھنا داجب ہے جبکہ التقائے ساکنین علی حدہ ہو، حالت وقف ہویا غیر وقف ہوجیسے الحمار اور خوکیت ہے۔
- (۲) دوسری صورت بیہ کے التقائے ساکنین کواپنے حال پر برقر ارد کھنا واجب ہے جبکہ التقائے ساکنین علی غیر حدہ ہو اور دوسراساکن وقف کیوجہ ہے آیا ہوجیسے منستعید بی اس نون وقف کیوجہ سے ساکن ہواہے
- لس) تیسری صورت بیہ ہے کہ دونوں ساکنوں میں سے پہلے ساکن کوحذف کرنا واجب ہے جبکہ التقائے ساکنین علیٰ غیر صدہ ہو، دوسر اساکن وقف کیوجہ سے نہ ہواور پہلاساکن مدہ یا نون خفیفہ ہو۔
- مره كي مثال جي قُلْنَ جواصل مِن قَالْنَ تَعَانُون خفيف كي مثال جيد لا تُجِيدُنَ الْمُفَقِيْرُ جواصل مِن لا تُجِيدُ مَنْ

کُلُفَقِیْر مناسمیں دوساکن نون خفیف اور لام ہیں تو نون خفیفہ کو صدف کیا۔ اس تیسری صورت میں پہلے ساکن کے صدف کرنے پر علائے صرف کا اتفاق ہے سوائے تین جگہوں کے کہ ان میں اختلاف ہے کہ ان میں بعض صرفی پہلے ساکن کو حذف کرتے ہیں اور بعض صرفی دوسرے ساکن کو، وہ تین جگہیں سے ہیں

(۱) اجوف سے باب افعال کامصدر جیسے اقامَّ جواصل میں اِقْوَامُ تھا۔ بقانون یُسقَالُ یبناعُ (جوآگآرہاہے) واو کی حرکت ماقبل کودیکر واوکوالف سے تبدیل کیا تو دوساکن الف جمع ہوگئے پہلاساکن مدہ ہے اب یہاں عند البعض ساکن اول حذف ہوگا اور عند البعض ساکن ٹانی کی وحذف کرنے کے بعد بقانون اِقسامَۃُ و عِدد ہُ آخر میں جرف محذوف کے عوض تائے متحرکد آگئی۔

(٢) اجوف سے باب استفعال كامصدر جيسے اشتِقَامَة جواصل ميں استِقُوام تھا۔ آميں بھی اِقَامَة كَى طرح تعليل ہوئى ہے۔

(٣) اجوف سے اسم صفعول جیسے مُقُول عجواصل میں مُقُولُ عَصابِ بقانون یَقُولُ یَبِیدُ مُع واوکی حرکت ماقبل کودی تو مَقُولُول عَجُوادوساکن واوج عہوئے پہلامدہ ہے تو یہاں بعض صرفی حضرات واواول کوحذف کرتے ہیں اور بعض واو ثانی کو

(۲) چوتھی صورت یہ ہے کہ دوسا کنوں میں سے اس ساکن کو مطلق حرکت دینا واجب ہے جوکلمہ کے آخر میں ہوجبکہ التقائے ساکنین علیٰ غیر حدہ ہو دوسرا ساکن وقف کیجہ سے نہ ہواور پہلاساکن مدہ یا نون خفیفہ نہ ہواور دونوں ساکنوں میں سے کوئی ایک ساکن کلمہ کے آخر میں ہو

جیسے قبل الْسَحَقُی جواصل میں قُلِ الْسَحَقِی تھا۔ یہاں التقائے ساکنین ہوا، دونوں لام کے درمیان اور ساکن اول مدہ یا نون خفیفہ نبیں ہے اور کلمہ کے آخر میں ہے اسلئے اسکور کت دی۔

ای طرح کمتہ یک تحقیق اور کم میک تحقیق میں بھی میصورت جاری ہوئی ہے کہ عامل جازم داخل ہونے کی بناء پر دوسراساکن مینی راء ٹانی ، کلمہ کے آخر میں واقع ہونے کی وجہ سے اسکورکت دی۔

(۵) پانچویں صورت ہیے کہ پہلے ساکن کو کسرہ دینا واجب ہے جبکہ التقائے ساکنین علیٰ غیر حدہ ہو حالت وقف نہ ہو پہلا ساکن مدہ یانون خفیفہ نہ ہواورکوئی ساکن کلمہ کے آخر میں نہ ہو

جیے یخصیت و ت جواصل میں یخ تصد مون تھا تاء کوصادے تبدیل کیا پھرصاداول کی حرکت گرا کراسکوصاد ٹانی میں مغم

کیا تو التقائے ساکنین ہوا خاءاورصاد کے درمیان پس پہلے ساکن کوکسرہ دیا۔

(اسمیں خاءکو کسرہ وینا واجب تب ہے جب تاءکوصاد سے بدلنے کے بعد اسکی حرکت گرادی جائے ورندا گرتاء کی حرکت ماقبل کی طرف منتقل کیجائے تو پھر خاء یر فتحہ آئیگا کیونکہ تاء کی حرکت فتحہ ہے)

مجھی کی عارض کی وجہ سے پہلے ساکن کو کسرہ کے علاوہ کوئی اور حرکت دی جاتی ہے جیسے یہ مکہ جواصل میں یک در قادال اول کودال خانی میں مذخم کیا تو التقائے ساکنین ہوامیم اور دال کے درمیان یہاں پہلے ساکن کو ضمہ دیا مضارع کے مضموم العین ہونے کے درمیان یہاں پہلے ساکن کو ضمہ دیا مضارع کے مضموم العین ہونے کہ جد سے۔

ای طرح یک میں میں ساکن اول کوفتے دیا گیامضارع کے مفتوح العین ہونے کیوجہ سے ورنہ قانون کے مطابق ان دونوں میں ساکن اول کو کسرہ دیکر کیمیڈ اور کیعیض پڑھنا چاہئے۔

اعتراض ۔۔ تثنیہ اور جمع مؤنث کے صیفوں میں نون تاکید تقیلہ لگنے کے بعد التقائے ساکنین علی غیرہ حدہ ہو جاتا ہے جیسے لکہ خسر بہان ، کہ تضور بہنای ، کہ تضور بہنای ، کہ تضور بہنای ، کہ تضور بہنای ۔ ان سب میں تودوسا کن جمع ہیں الف اور نون ۔ اور سہ التقائے ساکنین علی غیر حدہ ہے کیوں کہ علی حدہ کی تغیری شرط موجود نہیں ہے بعنی وحدت کلمہ اسلئے کہ نون تاکیدالگ کلمہ ہے اور ماقبل کا الف الگ کلمہ میں ہے لہذا ، اس قانون کی تغیری صورت کے مطابق ساکن اول یعنی الف حذف ہونا چاہیئے تھا لیکس نہیں ہوا ہے کہ دوسراساکن مرغم نہیں ہے لیکن اس کے باوجود ساکن اول حذف نہیں ہوا۔

جواب : ۔ ندکورہ مثالیں اس قانون سے مشنی ہیں۔ کی مانع کی وجہ سے ان میں قانون جاری نہیں ہوتا۔ شنیہ کے صیفوں میں تو مانع التباس ہے کہ الف کوا گردیا جائے تو شنیہ کا صیغہ اپنے مفرد کی طرح ہو جائے گا پہنیں بلے گا کہ بیہ مفرد ہے یا شنیہ قواس التباس سے بہتے کیلئے یہاں ساکن اول کو حذف نہیں کیا جاتا ، اور جمع مدؤ نث میں حذف سے مانع تیں نونات کا ایک ساتھ جمع ہونالازم اجتماع ہے۔ یہاں الف لا یا ہی اسلئے ہے کہ تیں نونات کا اجتماع نہ ہوا گرحذف کرین گوتو تیں نونات کا ایک ساتھ جمع ہونالازم آئے جو باعث قبل ہے اور الدن جیسی مثالوں میں مانع ہے کہ یہ استیقہ ہملہ ہے جسکی اصل آگر نون ہے (ہمزہ وصلی مفتوح الف سے تبدیل ہوا ہے) اگر ساکن اول حذف کر دیا جائے تو جملہ استیقہ ہما ہے کہ مشتب ایسه ہوگا جملہ غیر استیقہ المیں کو اپنے عال پر چھوڑ استین ہوتا بلکہ دونوں ساکنین کو اپنے عال پر چھوڑ دیا جاتا ہے۔

تعلیل ۔ خِفْنَ اصل میں خَوِفُنَ تعاواو محرک اور ما قبل اسکامفتوح ہے تو بقانون قبال بَاعُ بیواوالف سے تبدیل ہوکر خَافْنَ ہوا۔ التقائے ساکنین کی بناء پر پہلاساکن (یعنی الف) مدہ ہونے کیوجہ سے صذف ہوا تو خَفْنَ بن کیا فا وکلہ کو کسر ودیا تا کہ ماضی کے کمورالعین ہونے پردلالت کریں۔

قانون: مرواوغیر مکسور که در ماضی معلوم ثلاثی مجرداجوف الف شده بیفتد فا عکمه اوراحر کت ضمه میدهند دجوباً

قانون تمبر ٢٨ - قُلْنُ والاقانون

اس قانون کا خلاصہ بیہ ہے کہ جب ثلاثی مجردا جوف واوی کے ماضی معلوم میں واوغیر کمسور (بیعنی مفتوح یامضموم) واقع ہو پھر الف سے تبدیل ہوکرالتقائے ساکنین کیوجہ ہے گر جائے تو فاء کلمہ کوضمہ دیناوا جب ہے۔

ا تفاقی مثال جیسے قُلْنَ جواصل میں قُولُن تھا اور طلن جواصل میں طُولُن تھا بیٹلاٹی مجردا جوف واوی سے ماضی معلوم ک مثالیں ہیں مثال اول میں واومفتوح ہے۔ اور مثال ٹانی میں واؤمضموم ہے بقانون قال بّاع واوالف سے تبدیل ہونے کے بعد التقائے ساکنین کیوجہ سے حذف ہوا توقیلن اور طَلْنَ ہوا۔ پھر فاء کلمہ یعنی قاف اور طا ایوسمہ دیا اس قانون سے۔

احر ازى مثال : جي خفي جواصل مي خوفي قائماسمين واؤغير كموزيين ب بلكه كمورب

قانون: برواومکسور ویائے مطلقاً که در ماضی معلوم ثلاثی مجردا جوف الف شده باشد بیفتد فا عکمه و اور کت کسره می د مندو جوباً

قانون نمبر ٢٨ . حفَّن اور بِعُنَ والا قانون

جب ثلاثی مجردا جوف کے ماضی معلوم میں واو کمسور واقع ہو، یا یاء مطلقاً متحرک واقع ہوخوا ہ کوئی بھی حرکت ہو، اورالف سے تبدیل ہوکرالتقائے ساکنین کیوجہ سے گر جائے تو فاءکلمہ کو کسرہ دینا واجب ہے۔

واول مثال : جي خِفْنَ جواصل مي خَوِفْنَ قااور ياء كي مثال جي بعن جواصل مي بَيَعْنَ قااور شِنْنَ جواصل مي شَينْنَ قاد شَنْنَ جواصل مي سَينْنَ قاد

احتر ازى مثال - جيے افيمن جواصل ميں اُقومن تھا يہ الله مجر دنييں ہاور ماضى معلوم بھى نہيں ہے۔

تعلیل نے قیل اصل میں قیوں تھاواؤ پر کسر اٹھیل تھا ہیں ماقبل کی حرکت حذف کرنے کے بعد کسر واس کو نتقل کیا گیا۔ تو قول بن گیا۔ اب واؤ ساکن مظہر ماقبل اس کا کمسور ہے تو میڈیعاد والا قانون سے واؤ کو یاء سے تبدیل کیا قیدُل بن گیا۔

قانون در فيعِلَ ازاجوف نقل حركت، وحذف، واشام، ودر تَفَعَلِينَ از ناقص نقل حركت، واثبات و عام زاست

قا نون نمبر ١٨٨ ـ قِيل أوربيد ع والاقانون

اس قانون کی دوصور ٹیس ہیں

(۱) پہلی صورت یہ ہے کہ ہروہ کلمہ جواجوف ہواور فی عیل حقیق یا حکمی کے وزن پر ہوماضی معلوم میں تعلیل ہو چکی ہولینی عین کلمہ میں کوئی قانون جاری ہو چکا ہو۔

تواليے كلمه ميں تين طريقے جائز ہيں

(۱) عین کلمہ کی حرکت ماقبل کودینا بھی جائز ہے۔ فُعِل حقیق کی مثال جیسے قیدُل اوربیدُعَ حواصل میں قُول اور قبیع تصاور فَعِلَ حَمَى کی مثال جیسے اُنقیدُداور اُخَیتِیْر بواصل میں اُنَقُوراور اُخَتید کی سے (اُنقید کا اور قیدُل میں اس قانون کے بعد میڈیعاد اوالا قانون جاری ہواہے)

(۲) عین کلمدی حرکت حذف کرنا بھی جائز ہے جیسے فیٹون اور بکوع بُواصل میں فیٹون اور بہیسے تصاور انتقاق داور انتقاق داور المختور بھواس میں انتقاق داور المختور بھی سے مورت کے بعد بیٹو سکروالا قانون کی پہلی صورت کے مطابق یاءواؤے تبدیل ہوئی ہے۔

(۳) اشام بھی جائزہ۔

اشام کی تعریف : _ آواز کے بغیر صرف ہونٹوں سے حرکت کی طرف اشارہ کرنا لیعنی حرکت پڑھنے ہے وقت ہونٹ

حت فَعِلَ عَتِقَ كَامِطْلَب يہ كد پوراكلمہ ابتدائى سے فَعِل كوزن پر ہوچسے قُولَ ، جَبِيعَ اور بُخل حكى كامطلب يہ بہد پوراكلہ ہو فَعِل ك وزن پر نہ ہوليكن اس كے چند حروف خارج كرنے كے بعد وہاں فَعِلَ كاوزن بنا ہو چسے اُنْ قُودَ ، اُخْدُتْيِ مِن شروع كروح وف الگ كرنے كے بعد قُودَ اور تَشِيرَ رہ جاتے ہیں جو فَعِلَ كوزن پر ہیں جطرح بن جاتے ہیں ای طرح ہونوں کو بنادیا جائے اور حرکت نہ پڑھی جائے۔ یہاں اشام کا مطلب بیہ میکہ فاکلمہ کا کسرہ ضمہ کی طرف ماکل کر کے پڑھا جائے۔

ین کسره کوضمه کی بودیکر پڑھا جائے اس طریقه پر که کسره ادا کرتے وقت نجلا ہونٹ تھوڑ اسااو پر کی طرف اٹھا دیا جائے جس سے کسره ماکل بضمه ہوجائیگا۔اسکو انشمام الْحَرَّ کَت بِالْحَرَّ کَة بِا إِنشْمَامِ حَرَّ کِنْتِی کہتے ہیں

ادائیگی کاضحیح طریقہ کسی ماہرفن ہے ہی سیکھا جاسکتا ہے۔

احر ازی مثالیں ۔(!) صبوب بیاجون نہیں ہے(۲) قول یہ فیعن کوزن پڑیں ہے(۳) اُعتور اس کی ماضی معلوم (اِعتور) میں تعلیل نہیں ہوئی

(۲)دوسری صورت بیدے کہ ہروہ کلمہ جوناقص ہواور تفعیلیٹ کے وزن پر ہو اسکودوطریقوں سے پڑھنا جائز ہے

(١)لام كلمكى حركت النيخ حال يرجهور ناجيع تدعوين

(۲) لام کلمہ کی حرکت ماقبل کودینا جیسے تدیعی تی جواصل میں تدیعویی تفاواو کی حرکت ماقبل کودی تو میشعاد والاقانون سے واؤیاء سے تبدیل ہوا اور التقائے ساکنین کیوجہ سے یاء حذف ہوگئ۔

احر ازى مثال جير يَقْمُ لِيدُنَ جواصل مِن نَقُولِينَ هَامِيناتُصْ نِين بِ

لعليل: يَعْدُولُ مَعُولُ ، اَهُولُ الرَّوْلُ اللهُ ال

قانون _ ہرواو و یا عضموم یا مکسور، متوسط یا در حکم متوسط که دراصل سلامت نمانده شد، و درناقص ثلاثی مجرد مطلقاً ، در فعل متصرف باشد ، یا در متعلقات و ے ، بجر قسیعی یا حکمی از اجوف و تفعیلیت از ناقص حرکت آس واؤ و یا نقل کرده بماقبل می د مند د جوباً بشرطیکه آس واو و یا ء بدل از همزه ، وضمته و کسره آنها منقول از بهمزه و ماقبل آنها مفتوح والف نباشد _

قانون نمبر ۴۹ ۔ یکھو کے اور کیدیگے والا قانون اسکی دس شرطیں ہیں پہلی چار شرطیں دجودی ہیں اور باقی چیشرطیں عدی ہیں اس قانون کا خلاصہ یہ ہے کہ داؤاوریاء کی حرکت نقل کرے ماقبل کودینا داجب ہے جبکہ دس شرائط یائی جائیں

(١) واؤاور يامضموم مول يا مسور احترازي مثال قول اور بكيع يهال مفتوح بير.

(٢) واؤاور ياء عين كلمه من جول ياعين كلمه كے حكم ميں جول

عین کلمہ کے علم میں ہونے کا مطلب یہ ہے کہ ہوں تو لام کلمہ میں لیکن ان کے بعد خمیر یا علامت جمع وغیرہ واقع ہو جیسے دافی نے بعد ایک داعت جمع وغیرہ واقع ہو جیسے داواول ہے توامل میں داعی و و ن تھا ہمیں واواول عین کلمہ کے علم میں ہے یواواول ہو تا ہمیں واقع ہونے کیوبہ سے بیان کلمہ کے علم میں ہے ای طرح یہ دعی و و ن آئیس واؤ اول عین کلمہ کے علم میں ہے کوئلہ اس کے بعد ضمیر واقع ہے۔

احتر ازى مثال كدعو اورير مينى بهال داؤادرياء عين كلمه كى جكنبيل بير

(۳) واؤاور یا بعل متصرف یا اس کے متعلقات میں واقع ہوں، (نعل متصرف و وقعل کہلاتا ہے جس مے مختلف گردان اور صغے مستعمل ہوں جیسے نصر ، فَدَّحَ وغیر وافعال) اور فعل غیر متصرف و وقعل کہلاتا ہے جس سے تمام گردانیں اور صیغے استعال نہ ہوں جیسے نعل تعجب، افعال مدح و ذم، ای طرح لکیسس عسلی ، وغیرہ ۔ یہاں فعل غیر متصرف سے عام طور پر فعل تعجب مرادلیا جاتا ہے۔ فعل متصرف کے متعلقات سے مرادا سائے مشتقہ ہیں یعنی اسم فاعل ، اسم مفعول وغیرہ)

احر ازى مثال أقول بهاور أبيع به يعل غير تصرف ب

(۵) واو اور یا ، جس کلمه یس مول وه اجوف سے فعیل تقی یا حکمی کے وزن پرند مول جیسے فیون اور کبینے اور انتقبو کہ و دو اختیر ک (١) ووكلمه اقص سے تفعلين كون پرنه وجي تدعوين

(2) دا دَاور یا یکی جوازی قانون کیماتھ ہمزہ سے تبدیل شدہ نہوں جیسے سُول اور مستھ فریون جواصل میں سُنیل اور مستھ فریون جواصل میں سُنیل اور مستھوز ہون تھے۔

(٨) واوَاورياء كى حركت بهمزه سي منتقل نه بوئى هوجيسے يكسواوريكج مع جواصل ميں يكسوء أوريكج يمين تص

(٩) واو اورياء كاما قبل مفتوح نه بوجيس قَول اور بكيم .

(١٠) واوُاور ياء كاماقبل الف نه بوجيك مَقاً و أور مَبايع.

اتفاقى مثال جيه يَقُول أور يَبِيكُ جواصل مير، يَقُول أور يَبْيع تقر

تعلیل بیقان می تقال، افقال اور مقال اصل میں میقول ، تقول ، افقول اور مقول می واوم تقوار متحرک ہاوراس کا ماتھی ا ماقبل حرف صحے ساکن مظہروا قع ہے تو واؤکی حرکت ماقبل کودیکرواؤکوالف سے تبدیل کیا۔

قانون: - هرواؤویاء، توسط مفتوح که دراصل سلامت نه مانده باشد، در فیستحسن متصرّف یا متعلقات و سوا کلمه اسم که بروزن اَفْ تحسی ، مقبلش حرف صحح ساکن مظهر باشدخش رافل کرده بماقبل داده آل رابالف بدل کنندوجو بأشرطیکه آل کلمه محق وجمعنی لون وعیب، وصیغه آله نباشد

قانون نمبر٥٠: _يُقَالُ يُبَاعُ والاقانون

اس قانون کی دس شرطیں ہیں ، پانچ شرطیں وجودی ہیں اور پانچ شرطیں عدمی ہیں۔

اسکا خلاصہ: بیہ ہے کہ داؤادریاء کی حرکت ماقبل کو دیکراس داؤادریاء کوالف سے تبدیل کرنا داجب ہے جبکہ بیدن شرطیں یائی جائیں۔

- (۱)واؤاورياء مفتوح مول احتر ازى مثال يقودل موريبيديع الميس مفتوح نهيس بين -
- (٢) واوُاورياء عين كلمه كي جكه بول احتر ازى مثال دَعُوة ، رَمُية اسميس عين كلمه كي جنبيل .
 - (٣) ماضى معلوم ميں تعليل ہو چکی ہو، احترازی مثال فيعثور ماور ميڪ ميگر د
- (٣) نعل متصرف یاس کے متعلقات میں واقع ہوں ،احتر ازی مثال صا اُقولَة اور صااً بینعک یفول غیر متصرف ہے۔
- (۵)واؤاور یاء کاماقبل حرف صحیح ساکن مظهر مو،احتر ازی مثال قیاون اور با ایم یبان واؤاور یاء کاماقبل حرف صحیح نبیس ہے

حرف علت باور قُولَ بيدع يهال واوءاورياء كاماتبل ساكن بيس متحرك باور قُول اور بينع يهال ماتبل مظرنيس

ے

- (٢) واو اورياء افعل كورن برائم من نهول جيس افعول اور أبيع
- (2) وہ ای کھی تھی خیفور اور شکر یک یہ دکھر کے کیاتھ ای بیں اصل میں جھ کو اور شکر ف سے دکھر کے کہاتھ الحاق کی عرض سے مثال اول میں واؤ اور ٹانی میں یاء کا اضافہ کردیا۔
 - (٨) وه كلمة عيب كمعنى من نه موجيد إغور كانامونا) اور إصبيد ألم ميرهي كردن كامونا)
 - (٩) وه کلمدرنگ کے معنی میں نہ ہوجیے استو در کالا ہونا) اور اِبیض (سفید ہونا)
 - (١٠) وه اسم آلد كاصيغه نه بوجي مِقُولُ أور مِلْدَيْعُ

اتفاقی مثال: میقال اوریباغ جواصل میں یقول اوریبیع تھے۔

اعتراض زاستَ حُود من سيقانون كيون جاري نبين موا

----جواب بیشاذہے ۔

اعتراض: اَقْوَالْ جَعْمَ مُرَكِمُسر مِنْ بِيقانون كيون جاري نبين ہوتا جبكه تمام شرائط موجود ہيں۔

جواب : اس قانون کیلئے ایک شرط یہ جھی ہیکہ واواوریاء کے مدہ زائدہ نہ ہوجبکہ اُقد کو اُل کیس واؤ کے بعد الف مدہ زائدہ ہے، پیشر طمصنف کے نیس کے لیکن مصنف علم الصیغہ نے پیشر طبیان فرمائی ہاور نیس کو کو کیس مصنف علم الصیغہ نے بیشر طبیان فرمائی ہے اور نیس کی تعدمہ درائدہ ہے۔ اس قانون کے جاری نہ ہونے کی وجہ یہی بتلائی ہے کہ ان میں واؤاوریاء کے بعدمہ درائدہ ہے۔

بعض علاء صرف فرما التي بين كم أقسوال وغيره مين قانون جارى نه دونے كى وجه يہ كه يهاں واودوسا كنول كے درميان واقع به جبكه اس قانون كيلئے ايك شرط بيره يكه واؤ اور ياء بين الساكنين واقع نه دوں جيسا كه صاحب ورسّادى نے بيشرط ذكر فرمائى بيكن بيشرط كي نظر ہے۔

تعلیل نه قَانِلُ اصل میں قَاوِلُ قَاواوَ فَاعِلْ کالف کے بعدواقع ہے،اور ماضی معلوم یعنی قال میں تعلیل ہو چکل ہے ہے(یعنی واو پرقانون جاری ہو چکا ہے) تو اس کوہمز و سے تبدیل کیا۔

قانون برداد، وياء كه داقع شود بعداز الف في العل ودراصل سلامت نمانده باشد يااصل اونباشد، آل داد، وياءرا به بمزه بدل كنند وجوباً

قانون نمبرا ٥: - قَائِل أور بَائِع والا قانون

ہروہ واواور یاء جو فیاعی و گئے الف کے بعد واقع ہوں اور ماضی معلوم میں تعلیل ہو پیکی ہو، یا اس کی ماضی ہی نہ ہو، تو اس واو اور یاءکو ہمزہ سے تبدیل کرنا واجب ہے۔

اتفاقی مثال ۔ جیسے قانیل گوربانی گھرواصل میں قابول اور بابیع سے۔ماضی تہ ہونے کی مثال جیسے عَانِطٌ جواصل میں غَاوِطٌ تَفاور سَانِفُ جواصل میں سَابِفُ تَفاائی ماضی لیل الاستعال ہونے کی وجہ سے نہ ہونے کے برابر ہے لاکن الْقَلِیْل کَالْمَعْدُوم ۔ الْقَلِیْل کَالْمَعْدُوم ۔

احترازی مثال : جیے مُقاوِل و مُبایع یوفاعل کاوزن نبیں ہے۔ عاوِر و صاید کا ان کی ماضی معلوم میں تعلیل نبیں ہوئی۔

تعلیل نوقیال اصل میں قِوَ ال تھاواد جمع کے میں کلم میں کسرہ کے بعد واقع ہےاوراس کے مفرو (قاین کا) میں تعلیل موچی ہےاس واوکویاء سے تبدیل کیا۔

قانون - ہرواد کہ واقع شود درمقابلہ عین کلمہ مصدریا جمع ، ودر فیعنی ، وواحد سلامت نماندہ باشد، یا در واحد ساکن و درجمع قبل الف باشد ماقبلش کسور ، آس واور ابیابدل کر دند وجوباً بشر طیکہ لام کلمہ وے مُعَدِّلُ نباشد

قانون نمبر٥٢ ـ قِيالُ اور رياض والاقانون

اسكاخلاصه بيہ كم تين صورتوں ميں واوكوياء سے تبديل كرنا واجب ہے

(۱) يبلى صورت يه بكرواوجع كيين كله من كره كر بعدوا قع بواوراس كمفرد من تعليل بو يكى بو اتفاقى مثال بيد قيدال جواصل من قيوال قا اسكمفرد قانيل من تعليل بوئى بكراصل من قاول من اتفاقى مثال بيد قيدال جواصل من قيوال قا اسكمفرد قانيل من المناسب بوئى و هنكذا طوال جمع طويل.

(۲) دوسری صورت بیہ ہے کہ داد جمع کے عین کلمہ میں الف سے پہلے داقع ہو ماقبل کمسور ہوا درمفر دمیں بید داوسا کن ہوا در لام کلمہ میں تعلیل نہ ہوئی ہو۔

اتفاقی مثال بھے ریاض جواصل میں رواض تھااس کامفرد روضة ہادرجیاض جواصل میں جو واض تھااس کا مفرد خوض کے ۔ مفرد خوض کے ۔

احر ازی مثال بھے رو آجھ یاصل میں رو ای تھااس کامفرداصلار و کیا گئے ہور تیا گئے ستعمل ہوتا ہے اس کلام کلمہ میں تعلیل ہوئی ہے بعنی یاء ہمزہ سے تبدیل ہوئی ہے لہذا اب اس قانون کے ذریعے میں کلمہ کا واویاء سے تبدیل نہیں ہوگا بلکہ مرقرار دہیگا۔

(۳) تیسری صورت: بیه به که دادمصدر کے عین کلمه میں ماقبل مکسور بوکر داقع ہوادراس کی ماضی معلوم میں تعلیل ہو چکی

77

اتفاقی مثال جیے قیام جواصل میں قوام تھا یہ صدر ہاس کی ماض قام ہے جسمیں تعلیل ہو چی ہے۔ احترازی مثال بیے قوام جوقاوم باب مفاعله کامصدر ہاوراس کی ماضی معلوم میں تعلیل نہیں ہوئی۔

تعلیل ۔ قُویِّل اور قُویِّلَة جوواحدمصغراسم فاعل کے صغیب سیاصل میں قُویُوِل اور قُویُولَة کے جواواوریاء دونوں ایک ساتھ ایک کلم میں جمع ہوئے اوران میں سے پہلاساکن ہے لازی سکون کیساتھ اور کسی سے تبدیل شدہ نہیں ہے تو واوکویاء سے تبدیل کریاء کویاء میں مغم کیا تو قُویِک وار قُویِک جو گئے۔

قانون برواوویاء که جمع شود در یک کلمه یا حکم و بسوائے کلمه اسم بروزن اَفْ عَدِن ،اول ایشال ساکن لازم غیر مبدل باشد،آل واورایاء کرده دریاء ادغام می کنندوجوباً ،سوائے واوعین کلمه بعد از یائے تصغیر که دریا شخیر که دریا شد جرا که آل واوییا بدل کرده شود جوازاً۔

قانون نمبر ١٥٠ ـ فُويِّن أور فُويِّلَهُ والاياسَيِّدُ والاقانون

اس قانون کا خلاصہ: بیہ کہ داد کو یاء سے تبدیل کریاء کو یاء میں مذم کرنا داجب ہے جبکہ یہ چھٹر الطاپائی جائیں (۱) دادادریاء ایک ہی کلمہ میں ہوں خواہ کلم حقیق ہویا حکمی (یہاں کلمه محکمی سے مرادوہ جمع ند کرسالم ہے جویا ہشکلم کی طرف مضاف ہوجیہے مسلم ہے ؟

احر ازی مثال: اُبو یعقوب بیایک کرنبیں ہے۔

(۲) واواوریاء میں سے پہلاساکن ہو احر ازی مثال قویلی اسمیں پہلاساکن نہیں ہے

(۳) اس کاسکون لازمی ہوعارضی نہ ہو، احر ازی مثال جیسے قئے و تی جواصل میں قئے و ی تھا آئمیں واو کا سکون عارضی ہے کہ عَلِمَ اور مُنکبِهِدَ والا جوازی قانون ہے حرکت گر گئی ہے۔

(٣) واوادریاء میں سے جومقدم ہووہ کسی اور حرف سے تبدیل شدہ نہ ہوجیے ہو بیسے آسمیں واوالف سے تبدیل شدہ ہے کہ اسل میں بسائیع تھاماضی مجبول بناتے وقت حرف اول کو ضمہ دیا توالف ماقبل مضموم ہونے کیوجہ سے بقانون مکضاریک و صفور ہے واوسے تبدیل ہوا (بعض حضرات واواوریاء دونوں کیلئے مبدل نہ ہونے کی شرط لگاتے ہیں)

(۵) كلمه أفَّعَل كوزن برنه موجع أيوم

(۲) واویا ئے تصغیر کے بعد ایسے مصغر کے عین کلمہ کی جگہ نہ ہوجس کے مفرد مکبر میں بیدواو متحرک ہو (یعنی اس پر قانون جاری نہ ہوا ہو) واللہ علیہ معنی محتول کے ہوا ہو اس کے مقابلے مصفر کے بعد عین کلمہ کی جگہ واقع ہے اور اسکے مفرد مکبر مصفہ کے دان پر ہے اسمیں واویا کے تصغیر کے بعد عین کلمہ کی جگہ واقع ہے اور اسکے مفرد مکبر مصفہ کے دان پر ہے اسمیں واویا کے تصغیر کے بعد عین کلمہ کی جگہ واقع ہے اور اسکے مفرد مکبر مصفہ کے دان پر ہے اسمیں واویا کے تصغیر کے بعد عین کلمہ کی جگہ واقع ہے اور اسکے مفرد مکبر مصفہ کے دان پر ہے اسمیں واویا کے تصغیر کے بعد عین کلمہ کی جگہ واقع ہے اور اسکے مفرد مکبر مصفہ کے دان پر سے اسمیں واویا کے تصفیر کے بعد عین کلمہ کی جگہ واقع ہے اور اسکے مفرد مکبر مصفہ کے تصفیر کے بعد عین کلمہ کی جگہ واقع ہے اور اسکے مفرد مکبر مصفہ کے تصفیر کے بعد عین کلمہ کی جگہ واقع ہے اور اسکے مفرد مکبر مصفول کے تعدید کے تعدید کی جگہ کے تعدید کی جگہ کے تعدید کی جگہ کے تعدید کی تعدید کی جگہ کے تعدید کی تعدید کی تعدید کے تعدید کی تعدید کی تعدید کی تعدید کے تعدید کی تعدید کی تعدید کو تعدید کے تعدید کی تعدید کے تعدید کی تعدید کی تعدید کی تعدید کے تعدید کی تعدید ک

ا تفاقی مثال جیے قُوییل اور قُوییلَهٔ جواصل میں قُوریول اور قُوییوِ لَهٔ جادر سَیید جواصل میں سَیوِدُتُها یکا حقیق کی مثالیں ہیں۔

کلم میکی کی مثال جیسے مسلمین جواصل میں مسلمون تھا، یائے متکلم کی طرف مضاف ہونے کیوجہ نے نون جمع حذف ہوا۔ مسلمین براس قانون سے داوکویاء سے تبدیل کریاءکویاء میں مرغم کیا اور ماقبل کا ضمہ کسرہ سے تبدیل کیا ۔ المُناسَبَةِ الْبَاءِ۔

اگروادیا نے تصغیر کے بعدا سے مصغر کے عین کلمہ کی جگہوا قع ہوجس کے مفرومکبر میں بیوادمتحرک ہوتو اس صورت میں واوکویاء سے تبدیل کر کے ادغام جائز ہے جیسے مُقَیدٌ وعجواصل میں مُمَقَیّو فی تھا اس کامفر درمقی و کہ ہو مُقیدُوں کو مُقیدٌ فی پڑھنا بھی جائز ہے ای طرح مُسقدُ ہو گئة اسم آلدوسطی کو اپنے حال پر برقر اردکھنا بھی جائز ہے ای طرح مُسقدُ ہو گئة اسم آلدوسطی کو اپنے حال پر برقر اردکھنا بھی جائز ہے ای طرح مُسقدُ ہوگئة اسم آلدوسطی کو اپنے حال پر برقر اردکھنا بھی جائز ہے اورواوکویاءے تبدیل کریاءکویاء میں مغم کرکے مقیلاً بھی جائز ہے۔

تعلیل : مَقُولُ مَعُولُ اصلی مِلْ مَقُولُ فَقَاداد پرضم ُقَیل قااس کو ما قبل کی طرف نقل کیا توالتا کے ساکنین ہوادو
واد کے درمیان ، بعض علاء صرف دوسرے ساکن کو حذف کرتے ہیں کیونکہ بیزا کد ہے اور اَلْسَوَّ اِیْدُ اُوُلْلَی بِالْحَدُفِ کہ
زاکد محذوف ہونے کا زیادہ حقدار ہے بنسبت اصلی کے ،اور بعض حضرات پہلے ساکن کو حذف کرتے ہیں کیونکہ دوسراساکن
علامت اسم مفعول ہے وَالْسَعَ الْاَمَةُ لَا تَسْحُدُفُ ہِ کہ علامت حذف نہیں ہوتی اگر پہلاساکن حذف کردیا جائے تو گھراس کاوزن مَفْعُونُ وَجُهُوگا۔
مَقُولُ مِعْکاموجودہ وزن مَفْولُ مُورُوجُوگا اوراگر دوسراحذف کردیا جائے تو گھراس کاوزن مَفْعُونُ وَجُهُوگا۔
مَدُولُ مِعْکاموجودہ وزن مَفْولُ مِعْمُ وَالْ مَدْسَرَة عَدِيْنَ مِنْ مَدْسَدَ مِنْ مَانِ مِنْ مَانَ مِنْ مِنْ مَانَ مِنْ مَانَ مِنْ مَانَ مِنْ مَانَ مِنْ مَانَ مِنْ مَانَ مِنْ مِنْ مِنْ مَانَ مِنْ مَانِ مِنْ مَانِ مَانَ مِنْ مَانَ مِنْ مَانِ مِنْ مَانَ مَانِ مَانَ مُنْ مَانِ مِنْ مَانِ مُنْ مُونُ مِنْ مَانِ مِنْ مَانَ مِنْ مَانِ مَانَ مَانِ مِنْ مَانَ مِنْ مَانَ مَانَ مِنْ مَانَ مِنْ مَانِ مَانَ مَانَ مَانَ مَانَ مَانَ مَانَ مَانَ مَانَّ مِنْ مَانَ مَانَ مِنْ مَانِ مِنْ مَانِ مِنْ مَانَ مَانِ مِنْ مَانَا مِنْ مَانَ مَانَ مَانِ مَانَ مَانِ مَانَ مَانِ مِنْ مَانَ مَانِ مَانِ مَانَا مِانَا مِنْ مَانِ مِنْ مَانِ مِنْ مَانَ مَانِ مَانَا مِنْ مَانَا مِانِ مَانِ مِنْ مُنْ مِنْ مَانِ مِنْ مَانَا مِنْ مَانِ مِنْ مَانِ مَانِ مَانِ مَانَا مِنْ مَانِ مَانِ مَانِ مَانِ مَانِ مِنْ مَانِ مِنْ مَانِ مِنْ مَانِ مَانِ مَانِ مَانَا مِنْ مَانَا مِنْ مَانَا مَانِ مَانَا مَانِ مَانِ مَانِ مَانِ مَانِ مَانِ مَانِ مَانَا مِنْ مَانِ مَانِ مَانِ مَانِ مَانَا مِنْ مَانِ مَانِ مَانَا مِنْ مَانِ مَانَا مِنْ مُانِعُولُ مِنْ مَانِ مَانَا مِنْ مَانَا مِ

تعلیل د قُولِی اصل میں فیل تھا آخر میں نون تاکید تقیلہ لگا کراس کے ماقبل کو مبنی برفتہ بنادیا تو جوواوالتقائے ساکنین کیوجہ سے حذف ہوا تھاوہ دوبارہ لوٹ کر آیا۔ کیونکہ اب حذف کا سبب باتی ندر ہائیں فُولِکُنَّ بنا۔

قانون - ہرحرف علت که بباعث بیفتد بونت دورشدن آل باز آید وجوباً

قانون نمبر ١٥٠ قولَ فَي والاقانون

ہروہ حرف علت جو کسی سبب سے حذف ہوا ہواور پھراس کے حذف ہونے کاوہ سبب باقی ندر ہے تو اس کو دوبارہ لوٹا ناواجب

ا تفاقی مثال: جیسے فیولی جواصل میں فیل تھا۔ واو جوالتھائے ساکنین کیوجہ سے حذف ہوا تھاوہ فیولی میں دوبارہ لوٹ کرآیا۔ کیونکہ لام کوفتہ دینے کے بعداب حذف کا سبب یعنی التھائے ساکنین باتی نہیں رہا۔

احر ازى مثال قلنان يا قلن ان مين واو كونف بون كاسب يعن (لام كاساكن بونا) باقى ب-ائن مفرد سے بنانے كى صورت مين ان صينوں مين بھى ية قانون جارى بوا بے كم يَقُولُو ، لَمْ يَقُولُو ، قُولا ، قُولُو ا ، لا تقولا ، لا تقولو اوغيره

﴿ خُمْ شِدْتُوانْيْنِ اجْوِفْ ﴾

ابواب اجو ف

تعليلات وتصريفات : ـ

قعل ماضى معلوم كى گردان -قال، قالا، قالا، قالدة، قالت، قالقا، قلن، قلت، قلتما، قلتم، قلتم

ماضى مجهول: قِيلَ، قِيلًا، قِيلُوا، قِيلَتُ، قِيلَتَا، قُلْنَ، قُلْتَ، قُلْتَ، قُلْتُما الخ.

واوكوياء سے تبديل كياتو قديد أن قيد ألت بن مك التقاع ساكنين والا قانون كى تيسرى صورت كے مطابق بہلاساكن مدہ ہونے كيوجہ سے حذف ہوا، پھرفاء كلمه كوشمه دياتا كه واوك حذف ہونے پر دلالت كريں يعنى يه معلوم ہوكہ اجوف واوى باب ہے۔

تعلیل کا دوسراطر بقہ بیہ ہے: واو کی حرکت حذف کردی جائے پھر واوالتقائے ساکنین کیوجہ سے حذف ہو جائے گا اس صورت میں فاع کلم کو ضمد دینے کی ضرورت نہیں رہیکی کیونکہ وہ پہلے سے مضموم ہے۔

حاصل یه که ماضی مجهول کی اس گردان میں قدیش بیشع والا قانون کی پہلی صورت کے مطابق تین طریقے جائز ہیں (۱) نقل حرکت بماقبل (۲) اشام (۳) حذف حرکت۔

مضارع معلوم - يَدُولُون يَقُولُون يَقُولُونَ تَقُولُ نَ تَقُولُ تَقُولُانِ يَقُلْنَ تَقُولُ نَ تَقُولُونَ تَقُولُ لِينَ مُ مَارِع معلوم - يَدُولُون تَقُولُونَ تَقُولُ لِينَ مُ مُعَارِع معلوم - يَدُولُون تَقُولُ لِينَ مَعْدِل مَعْدِل مَعْدُلُ مَعْدُلُ مُ اللَّهُ مُعْدُلُ مُعْدُلِكُ مُعْدُلُ مُعْدُلِكُ مُعْدُلُ مُعُلِمُ مُعْدُلُ مُعْدُلُ مُعْدُلُ مُعْدُلُ مُعْدُلُ مُعْدُلُ مُعُمُ مُعْدُلُ مُعْمُ مُعُمُ مُعُمُ مُعُمُ مُعُلُمُ مُعْدُلُ مُعْمُ مُعُمُ مُعُمُ مُعُمُ مُعُمُ مُعُمُ مُعُمُ مُعُ

اس گردان کے ہرصیفہ میں یہ میں گوگ کیدیئے والا قانون کے مطابق واو کی حرکت ماقبل کودی گئی ہے اصل ہوں تھی یہ تقوق م کی قولان ، کی قولون المنے کی قلک اور تقلک جواصل میں کی قولک تقولی تقویل تقیم بقانون کی قواو کی حرکت ماقبل کودی پھرالتقائے ساکنین والا قانون کی تیسری صورت کے مطابق پہلاساکن (لیعنی واو) مدہ ہونے کیوجہ سے حذف ہوا۔

مضارع مجهول: يُعَالَم، يُعَالَان، يُعَالَون، يُعَالَون، تُقَالُ، تَقَالَن، يُقَلَنَ، تُقَالَ، تُقَالَان، تُقَالَان، تُقَالَان، تُقَالَان، تُقَالَان، تُقَالَان، تُقَالَان، تُقَالَان، تُقَالَ مُقَالِهِ، تُقَالَان، تُقَالَ مُقَالِم.

اسم فاعل : قَانِكُ قَانِكَ قَانِكُون قَانِكُون قَالَ فَ قُولً قُولً قُولٌ قُولً مُ قُولًا مُ قُولًا قُولُ قُولُ اللهُ عَوْلَ اللهُ قُولُ اللهُ قَولُ اللهُ قَولُ اللهُ قَولُ اللهُ قَولُ اللهُ قَولُ اللهُ قَانِكَ قَوائِلُ قُولًا قُولًا قُولًا اللهُ قُولًا اللهُ قُولًا اللهُ قُولًا اللهُ قُولًا اللهُ قُولًا اللهُ اللهُ قُولًا اللهُ
تعليلات ـ پہلے تمن صغول ميں قدانيل كان عوالا قانون جارى مواہ كدواو بمز و يتريل مواہ اصلاً يول تھ

قَاوِلُ قَاوِلَانِ قَاوِلُونَ ،اور سي كَوانين من عام فاعل والاقانون برايك صيغه من جارى بواسم-قَالَةَ اصل من قَولَة تَصَاقَالَ بَاعَ والاقانون جارى بوا- فَقَوالَ ايْ اصل برب الميس كونَ تعليل نبيس بوئى-

سوال الميس يقال والاقانون كيول جاري نهيس بوتا؟

جواب واو کا ما قبل حرف میچے ساکن مظھر نہیں ہے بلکہ حرف علت ہے اور مذتم ہے ۔ فقوق و جمی اپنی اصل پر ہے۔ فقوق جمی اپنی اصل پر ہے۔ فقوق جمی اپنی اصل پر ہے۔ مقوق تنہیں اپنی اصل پر ہے اسمیں فقال بَاعَ والا قانون تو اسلئے جاری نہیں ہوتا کہ واو معموم یا کمسور نہیں (جبکہ اسمیں پیشرط ہے) اور یہ فقال گیباع والا اس کے جاری نہیں ہوتا کہ واو معموم یا کمسور نہیں (جبکہ اسمیں پیشرط ہے) اور یہ فقال گیباع والا اس کے جاری نہیں ہوتا کہ واو کا ماقبل ساکن نہیں۔

قانِلَة قانِلَتانِ قانِلات میں قانِلات میں قانِل بانع والا قانون جاری ہوا ہاس میں قاولة قاولتان قانولات میں اسلامت تا نیث میں۔ اسلامی قانِلات میں خار بی اسلامی اسلامی اسلامی قانِلات ہوا ہے ماری ہوا ہے کہ اسلامی اسلامی قانِلات ہوا ہے ماری ہوا ہے کہ اسلامی قانِلات ہوا ہے ایک علامت تا نیث حذف ہوئی۔ قوانِل قانون بھی جاری ہوا ہے کہ قسانِلة مفردم میں جوالف مدہ ذا کدہ دوسری جگہوا تع تعافی اسلامی خانوں ہی جاری ہوا ہے کہ قسانِلة مفردم میں جوالف مدہ ذا کدہ دوسری جگہوا تع تعافی قوانِل میں جوالف مدہ ذا کہ دوسری جگہوا تع تعافی ان میں میں ہوا ہوا ہوا تا تو اسلامی میں ہوا ہوا ہوا ہوا تا تو اسلامی ہوا ہوا ہوا تا تو اسلامی ہوا ہوا ہوا تا تو اسلامی تعلیل گذر بھی ہے کہ بقانون قویین و سینو وادکویا ہے تدیل میں میں ہوا ہوا ہوا تا تو تو تا کہ دوالا قانون بھی اسلامی جاری ہوا ہے کہ داوم فتو حہ قانون کو کیا الف مدہ ذا کہ دہ تدیل شدہ سے بھی تعلیل قورین کے الف مدہ ذا کدہ سے تبدیل شدہ ہے بھی تعلیل قورین کے الف مدہ ذا کدہ سے تبدیل شدہ ہے بھی تعلیل قورین کے الف مدہ ذا کدہ سے تبدیل شدہ ہے بھی تعلیل قورین کے الف مدہ ذا کدہ دوالا قانون بھی اسلامی میں جاری ہوا ہے کہ داوم فتو حہ قانون کو کیا ہے۔ تبدیل شدہ ہے بھی تعلیل قورین کے اللہ موالا قانون بھی اسلامی ہوا ہے کہ داوم فتو حہ قانون کو کیا ہے۔

اسم مفعول مَقُولُ مُقُولُانِ، مَقُولُونَ، مَقُولُونَ، مَقُولُةً، مَقُولُتَانِ، مَقُولُاتُ ،مَقَاوِيُلُ ،مُقَيِّيلُة. مُقَيِّيلُة. مَقُولُونَ مَقَولُونَ مَقَيِّيلُة. مَقُولُونَ مَقُولُونَ مَقَولُونَ مَقَولُونَ مَقُولُونَ مَقُولُ وَالا ،الْقَاعَ سَاكَنِن والا ،اوراسم مفعول والا

قانون جاری ہوا ہاں کے بعد باتی پانچ صینوں کی تعلیل بھی ای طرح ہے مثلاً مُسَقَّوْلاً ن کی اصل مَسقَّوْوُلاَنِ ہے بقانون یَقُورُ کو ایک میں اور دواو کے درمیان یعض صرفی حضرات پہلے ساکن حذف کرتے بیں اور بعض دوسرے کو ۔ بہر حال کوئی ایک واوحذف کیا تو مَقُولانِ بن گیا۔ ای پر باتی صیغے قیاس کرلیں ۔
مَقَاوَیْنُ اصل میں مَقَاوِ وَلَ تَقامِیْ یَعَادُ وَالا قانون کے ساتھ واویا ء سے تبدیل کیا۔

مُ قَيِّدُكُ اصل مِن مُ قَيْرِ يُكُ قَال قانون سے واولویا ، سے تبدیل کیا پھریا ، یا ، میں مرغم ہوگئ ۔ بعید یمی تعلیل مُ قَیِّدُنْ کُنْ اللّٰ اللّ مُقَدِّدُولُ اللّٰ اللّ

فعل متنقبل معلوم مؤكد بلام تاكيد دنون تاكيد تقيله

تعلیلات: اس گردان کے تمام صینوں میں یکھوک یبید والاقانون جاری مواے کداصل گردان یون تھی لَیک تُوکُن تَّ لَیکُوکُن اللّنے واوک حرکت ماقبل (قاف) کودیگئی۔

فعل متنقبل مجهول مؤكد بلام تاكيدونون تاكيد ثقيله

تعلیلات - برایک صیغه میں میقال میباع والاقانون جاری ہوا ہے کواصل ہوں تھی کیف وکئ کیفوکون کیفوکون کیفوکن کیفوکن کا المنے وادی حرکت ما قبل کودیکر وادکوالف ہے تبدیل کیااور کیف الن کو کی المنا کا نون کی تیسری صورت کے مطابق واوجع مدہ ہونے کیوجہ سے حذف ہوا ہے اور نون اعرابی والاقانون بھی جاری ہوا ہے ۔ کون تاکید کی وجہ سے نون اعرابی حذف ہوا ۔ کیفن تاکید کی وجہ سے نون اعرابی حذف ہوا۔ کیف کیوجہ سے مذف ہوا ہے ورنون اعرابی حذف ہوا۔ کیف کیوجہ سے مذف ہوا ہے ورنون اعرابی والاقانون بھی واوالف سے بدلنے کے بعد التقائے ساکنین کیوجہ سے مذف ہوا ہے۔ ان دونوں صیغوں میں الف فاصلہ والاقانون بھی جاری ہوا ہے۔

فعل مستقبل معروف مؤكد بلام تاكيرونون تاكيد خفيف - لَيَ قُولَنْ لَيَقُولُنْ لَتَقُولُنْ لَتَقُولُنْ لَتَقُولُنُ لَتَقُولُنْ لَا قُولَنْ لَنَقُولُنْ -

تمام سیغوں میں بقانون کیے قول کیدیکٹ وادک حرکت ماقبل کودیگئ ہےاصل یوں تھی کمیٹے قوکٹ کمیٹھ وکٹٹ المنے صحیح کے دیگر قوانین بھی جاری ہوتے ہیں جسکی نشاند ہی صحیح کی گر دانوں میں کی جاچک ہے۔معمولی توجہ کی ضرورت ہے

فعل مستقبل مجهول مؤكد بالام تاكيرونون تاكيرخفيف - لَيُقالَنْ لَيُقالَنْ لَدُقالَنْ ، لَتَقَالَنْ ، لَتَقَالَنْ ، لَتَقَالُنْ ، لَتَقَالُنْ ، لَتَقَالُنْ ، لَتَقَالُنْ ، لَتَقَالُنْ ، لَتَقَالُنْ ، لَتُقَالُنْ ، لَـ مُقَالُ فِي بَاعُ والاقانون عواوى حركت ما قبل كوديكرواوكوالف ع تبديل كيا كيا عد -

برایک صیغه میں بقانون یَقُول یَبِیدُع واوکی حرکت قاف کودی گئے ہے پھر کم یَقُل کم تَقُل ، لَمْ اَقُل ، لَمْ مُقَل اور کَمْ یَقُل ، لَمْ تَقُل اور کَمْ یَقُل مِن اون یَقَل مِن اور القانون جاری ہوا ہے کہ مَا لِ جازم کی وجہ سے نون اعراب حذف ہوا ہے۔

تنبيه نمبرا: ان گردانوں میں عموماً صحیح کے قوانین کی نشاندہی نہیں کیا گیگی تا کہ طوالت نہ ہو میچ کے ابواب مین نشاندہی کیگئی

ےان پرغیر سیح کوقیا*ن کر*لیں۔

تنبي نبراً: بناء کاجو آسان اور عام طریقه کار باس کے مطابق تولّم یقولاً لَمْ یقولُوا لَمْ تَقُولاً لَمْ تَقُولُوا بِیكُ تَشْید نبراً: بناء کاجو آسان اور عام طریقه کار باس کے مطابق تولُون کے بنا باور لَمْ یَقُولُون کے بنا باور لَمْ تقولُون کے ایک کم بازم واض ہونے کی وجہ سے نون اعرائی حذف ہوگا اس صورت میں توقُولُوک کی بیل بوگا۔

لیکن بناء کا دومراطریقہ بیمی ہے کفعل جحد کے شنیداورجی نذکر کے بیند کورہ صینے اپ مفرد سے بنادیے جائیں یعنی لے م مورد کے مقال اور کے مقال سے اس صورت میں فیو کئی والا قانون ان میں جاری ہوگا کہ کئے یکو اور کہ تقال میں جو واوالتھائے ساکنین کیوجہ سے حذف ہوا ہے وہ کہ میقو لا کئے یقولوا کئے تقولوا کئے تقولوا میں دوبارہ لوٹ کرآیا کہ سبب حذف باتی نہیں رہا۔ کیونکہ کئے یقل ، کم تقل کے آخر میں الف شنیدلگاتے وقت لام پرفتح آیکا اور واوجیع کے وقت لام پرضم آیکا بہر حال لام ساکن نہیں رہتا تو سبب حذف یعنی التھائے ساکنین نہیں ہے

فعل جحد مجهول: - لَمْ يَقَلُ لَمْ يُقَالاً لَمْ يُقَالاً لَمْ يَقَالُوا لَمْ تَقَالاً لَمْ تَقَالاً لَمْ تَقَالُوا لَمْ يَقَالُوا لَمْ تَقَالُوا لَمْ تَقَالَوا لَمْ تَقَالَمُ لَمْ تَقَالُوا لَمْ تَقَالُوا لَمْ تَقَالُوا لَمْ تَقَالُوا لَمْ تَقَالُوا لَمْ تَقَالُوا لَمْ تَقَالَوا لَمْ تَقَالُوا لَمْ تَقَالَوا لَمْ تَقَالَوا لَمْ تَقَالَوا لَمْ تَقَالَوا لَمْ تَقَالَوا لَمْ مُعْتَقِلُوا لَمْ تَقَالُوا لَمْ تَقَالُوا لَمْ تَقَالُوا لَمْ تَقَالُوا لَمْ تَقَالُوا لَمْ تَقَالِمُ لَمْ تَقَالِمُ لَمْ تَعْلِقُوا لَمْ تَقَالِمُ لَمْ تَعْلِقُوا لَمْ تَعْلِقُوا لَمْ لَا مُعْلَمُ لَعْلُوا لَمْ تُعْلِقُوا لَمْ تَعْلَقُوا لَمُ لَا لَهُ مُعْلَقِهُ لَاللَّهُ لَا مُعْلَمُ لَعْلُولُوا لَمْ لَا عَلَالْمُ لَا لَمْ تُعْلِقُوا لَمْ لَا مُعْلِمُ لَا لَمْ تُعْلِقُوا لَمْ لِمُعْلِمُ لَالِمُ لَمْ تُعْلِقُوا لَمْ لَا مُعْلِمُ لَمْ لَا لَمْ لَمُعْلِمُ لَا مُعْلِمُ لَمْ لَمْ لَا لَمْ لَمُعْلِمُ لَمْ لَمْ لَا لَمْ لَعْلَمُ لَمْ لَمُعْلِمُ لَمْ لَمُعْلِمُ لَمْ لَمْ لَا لَمُ لَمْ

تمام صيغول مين بقانون فيقار يباع واوى حركت قاف كوديكرواوكوالف سے تبديل كيا كيا بهاور پرمندرجدذيل صيغول مين ووالف التقائ ساكنين كيوجه سے حذف ہوا ہے۔ كم يقل كم تقل كم أفكن كم نقل كم يقلن كم يقلن كم تقلن

قَعَلَ فَي مَعَلُوم مَوَ كَرَبِكِن نَاصِهِ: -لَـنَ يَدَّقُولَ، لَنَ يَتَقُولًا، لَنَ يَقُولُوا، لَنْ تَقُولًا، لَنَ يَقُلُنَ، لَنُ تَقُولَ، لَنَ تَقُولًا، لَنَ تَقُولُوا، لَنَ تَقُولِي، لَنْ تَقُولًا، لَنَ تَقُلُنَ، لَنَ أَقُولَ، لَنَ يَقُولُ

جُمُول : لَنَ يَتُقَالَ ، لَن يُعَلَا ، لَن يُعَلَا الله اللهُ لِي اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُلِمُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُل

معلوم کے ہرصیغہ میں کیے موق کی کیا ہے والا اور مجہول میں قید قیار فی گیائے والا قانون جاری ہواہے معلوم کی تعلیلات مضارع معلوم کی تعلیلات مضارع معلوم کی تعلیلات مضارع مجبول کی طرح۔

امر حاضر معروف قبل، قولو، قولو، قولي، قولا، قلن -اسى تعليل دوطرح بوسمق مرا) تعليل سي بهل

(۲) تعلیل کا دوسراطر بقہ: یہ بیکہ مضارع میں یقول کر بیدیم والا قانون جاری کرنے کے بعد تعلیل شدہ مضارع سے امر حاضر بنایا جائے یعن تقول تقول تقول ی تقول النے ہے،اس صورت میں حرف اتین حذف کرنے کے بعد شروع میں ہمزہ وسلی لانے کی ضرورت نہیں کیونکہ حرف اتین کا مابعد متحرک ہے لبذ امر حاضر والا قانون کے مطابق صرف آخر میں وقف ہمزہ وسلی لانے کی ضرورت نہیں واوحسب سابق التقائے ساکنین کیوجہ سے حذف ہوجائے گا تو امری گردان بن جائے گا۔ تعلیل کے مذکورہ دونوں طریقے ثلاثی مجردا جوف کے ہرامر حاضر معلوم میں جاری ہوتے ہیں اس بات کوخوب ذہن نشین کرلیں ۔ ہرگردان میں دہرانے کی ضرورت نہیں۔

سوال مودي ووفو اليس فوركن والاقاءن جاري مواب يانبين؟

جواب: بناء کا جوعمو می طریقہ ہے اس کے مطابق تو یعل مضارع ہے بنے ہیں (کُمَا مَتَ)لہذا قُولُنَ والا قانون ان میں جاری نہیں ہوا ہے لیکن قُول سے بنانے کی صورت میں بیقانون جاری ہوگا کہ آخر میں الف شنیہ ما قبل مفتوح (قُولًا بناتے وقت) یا واوسا کن ماقبل مضموم (قُولُو ا بناتے وقت) لگانے کے بعد جو واوالتقائے ساکنین کیوجہ سے صذف ہوا ہے وہ دوبارہ لوٹ کر آئے گا کیونکہ لام پر حرکت آنے کی وجہ سے اب سبب حذف یعنی التقائے ساکنین باقی نہیں رہا۔

امر حاضر معلوم مو كد بنون المحريد تقيل - قولن ، قولان ، قولن ، قولن ، قولن ، قولن ، قولان ، قولان ، قلنان قول ققد في المحدد
مور و رو رو رود و مدرور مدرور مدرور مدرور مدرور و رود و کرکت ماقبل کودی اور آخری صیغه میں واوالتا کے میں افسان اللہ میں افسان کے اللہ میں میں اوالتا کے ساتھ کی میں میں کئین کیوجہ سے ماقط ہوا۔

امر حاضر معلوم موكد بنون تاكيد خفيفه: قولن قولن قولن قولن قولن فولن ، قل سے بنا به اسمیں قول قولن والا قانون جارئ موائد الله قانون جارئ موائد القولن الله قولن مائة كي صورت ميل ديقول كيدية حاور بمز ، وسلى والا قانون جارئ موائد القولن مائة كي صورت ميل ديقول كيدية حاور بمز ، وسلى والا قانون جارئ موائد

امرحاضر جمول بلاتا كيد إِلْتُقَلُّ لِتُقَالًا لِتُقَالُوا لِتُقَالِي لِتُقَالَا لِتُقَلُّنَ.

لِمُتَقَلِّ اصل میں لِمِنْقُولُ تھا یُقالُ یُبَاعُ والا قانون کے مطابق وا کی حرکت ماقبل منتقل ہوکر واوالف سے تبدیل ہوااور التقائے ساکنین کیوجہ سے حذف ہوا

امرحاضر مجہول مؤکد بنون تاکید خفیفہ ۔ لِتَقَالَنُ، لِتَقَالُنُ، لِتَقَالُنُ، تِنوں صغوں میں یَقَالُ یَبَاعُ والا فانون جاری ہوا ہے، اس کے علاوہ لِتُقَالَنُ میں قُولُنَ والا قانون بھی جاری ہوا ہے وہ اس طرح کہ یہ لِتَقَالُنُ سے بنا ہے آخر میں نون تاکید خفیفہ لگا کراس کے ماقبل کوئی برفتے بنادیا تو جوالف التقائے ساکنین کیوجہ سے حذف ہوا تھاوہ دوبارہ لوٹ کر آیا۔ وقالُنْ، لِتقَالَنْ میں التقائے ساکنین والا قانون کی تیسری صورت کے مطابق پہلاساکن مدہ ہونے کیوجہ سے حذف ہوا ہے (کیونکہ لِتقالُنْ لِیتقالُنْ کے بنا ہے)

امرغائب معروف بلاتا كيد : _ إيقار ، إيقولا ، إيقولوا ، إيتقل ، إيتقولا ، إيقان ، ولاقل ، إلنقل

امرغائب معروف مؤكد بنون تاكيد تقيله للي عُولَيَّ ،لِيقُولَنَّ ،لِيقُولُنِّ ،لِيقُولُنَّ ،لِتَقُولُنَّ ،لِيَقُولُنَّ ،لِيقَلْنَانِّ اليقَلْنَانِّ اليقَلْنَانِ اللَّهُ وَلَنَّ ،لِيقُولُنَّ ،لِيقُولُنَّ ،لِيقُولُنَّ ،لِيقُولُنَّ ،لِيقُولُنَّ ،لِيقُولُنَّ ، لِيقُولُنَّ ،لِيقُولُنَّ ،لِيقُولُنَّ ،لِيقُولُنَّ ،لِيقُولُنَّ ،لِيقُولُنَّ ،لِيقُولُنَّ ،لِيقُولُنَّ ،لِيقُولُنَّ ،لِيقُولُنّ ،لِيقُولُنَّ ،لِيقُولُنَّ ،لِيقُولُنَّ ،لِيقُولُنَّ ،لِيقُولُنّ ،لِيقُولُنَّ ،لِيقُولُنَّ ،لِيقُولُنَّ ،لِيقُولُنَّ ،لِيقُولُنّ ،لِيقُولُنَّ ،لِيقُولُنَّ ،لِيقُولُنْ ،لِيقُولُ لَنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُولُنْ اللّهُ لِيقُولُ لَنْ اللّهُ لِيقُولُ لَهُ لَلْ اللّهُ لِي لِيقُولُ لَنْ اللّهُ لِي لِيقُولُ لَنْ اللّهُ لِي لِيلْلْ لَهُ لِلْلْلِهُ لِلْ لِيلْ اللْهُ لِلْلْمُ لِلْلْمُ لِلْلْمُ لِلْ لِلْلِيلُولُ لَهُ لْلِيلْ لِلْلْمُ لِلْلْمُ لِلْلْمُ لِلْلْمُ لِلْلِهُ لِلْلِهُ لِلْ

امرغائب معروف مؤكد بنون تاكيد خفيفه ليلقولن ، لِيقُولُن ، لِتَقُولُن ، لِأَقُولُن ، لِأَقُولُن ، لِنَقُولُنَ

امرغائب جمهول بلاتا كيد : لِيُقَلُ لِيثَنَالَا ، لِيثَقَالُوا ، لِتُقَالُا ، لِيثَقَلُ ، لِلْقَلُ ، لِلْقَلُ ، لِنَقَلُ . المرغائب جمهول بلاتا كيد : لِيثَقَالُ ، لِيثَقَالُونَ ، لِيثَقَالُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّالَ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَا

ام عائب مجهول مؤكد بنون تاكيد خفيف : لِيقاكن الميتاكن الميتاكن التقالن المقاكن النقاكن النقاكن النقاكن المنقاكن المنقاكن المنقول المن المعلوم بلاتاكيد : لا تَقُولُوا الاَ تَقُولُوا اللهُ الله

نبي حاضرمعروف مو كدبنون خفيف - لا تقولن ، لا تقولن الا تقولن

نهي حاضر مجهول بلاتا كيدا. لا تقلُّ، لانقالاً. لانقالواً ، لا تقالِي ، لاتقالاً، لانقلَلَ.

مؤكد بنون تاكيد تُقلِمه ـ لا تُقَالَنَّ، لا تُقَالَانِّ، لا تُقَالَنَّ، لا تُقَالِنَّ، لا تُقَالَانِّ، لا تُقَالَنَّ لا تُقَالُنَّ ، لا تُقَالَانَّ ، لا تُقَالَانَّ ، لا تُقَالَانَّ ، لا تُقَالَنَانَ .

مؤكد بنون تاكيد خفيفه - لا تُقَالَنْ ، لَا تُقَالُنْ ، لا تُقَالُنْ ، لا تُقَالِنْ -

نهى غائب معلوم بلاتا كيد: لَا يَقُلُ، لَا يَقُولًا ،لَا يَقُولُا ،لَا يَقُلُ اللَّهُ وَلَا اللَّهُ اللَّا اللَّهُ اللَّهُ اللَّاللَّاللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّا اللَّهُ الل

نَى عَائِ معلوم مَوَ كَدِبنون مَ كَيِرْتَقِيلِهِ - لَا يَقُولَنَّ ، لَا يَقُولُانِّ ، لَا يَقُولُنَّ ، لَا تَقُولُانِ ، لَا اَقُولُنَ ، لَا نَقُولُنَ . لَا يَقُولُانِ ، لَا يَقُولُنَ ، لَا تَقُولُانِ ، لَا يَقُولُنَ ، لَا تَقُولُانِ ، لَا يَقُولُنَ ، لَا يَقُولُانِ ، لَا يَقُولُونَ ، لَا يَقُولُنَ ، لَا يَقُولُونَ ، لَا يَعْلَى اللّهُ لَا يَعْلَى اللّهُ يَلِي اللّهُ يَقُولُونَ ، لَا يَعْلَى اللّهُ يَعْلِي اللّهُ يَعْلَى اللّهُ يَعْلِي لَا يَعْلَى اللّهُ يَعْلَى اللّهُ يَعْلَى اللّهُ يَعْلِ

نى غائب معلوم مؤكد بنون تاكيد خففه: للا يَقُولَنُ ، لاَ يَقُولُنُ ، لاَ تَقُولُنُ ، لاَ اَقُولُنُ ، لاَ اللهُ قَلْ ، لاَ اللهُ ِلْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُل

مَوَ كَدِينُون تَا كِيدُقْيلِهِ: - لَا يُقَالُنَّ ، لا يُقَالَنَّ ، لَا يُقَالُنَّ ، لَا تُقَالَنَّ ،

مؤكد بنون تاكيد خفيفه: للايقالن ، لايقالن ، لاتقالن ، لا أقالن ، لا نقالن .

اسم ظرف . مَقَالِ مَقَالًانٍ ، مَقَاوِلُ ، مُقَيِّلُ عَ

سوال: أميس يقول يبيد عيايقال يباع والاقانون يول جاري نبيس بوا؟

جواب: _يقول يبيع والاقانون كى ايك شرط بيرهيك واواوريا ، كاماقبل الف ندبو، يهال ماقبل الف باور يقال يبناع ومباع ومسلم واواوريا ، كاماقبل الف ندبو، يهال ماقبل الف باوريقال يبناع ومين واواوريا ، كامفتوح بونا شرط بي جبكه يهال واوكمسور ب

تنعبید: مشکر ایف والا قانون اسلئے جاری نہیں ہوتا کہ یہ واوحرف اصلی ہے (مین کلمہ ہے) اور حرف علت اصلی ہونے کی صورت میں الف مفاعل سے پہلے بھی حرف علت کا ہونا اس قانون کیلئے شرط ہے جبکہ یہاں ایسانہیں ہے۔ مُسَقَیّق واصل میں مقید ولئے تحافظ ویر میں بھو اور اور میں بھو اور م

اسم آله مغرى - مِنْوَلَ مِنْوَلَان ، مَنْاوِل مُمَنَّيُول ، يتنام صيغا بن اصل پريس البته مُقَيُول و مُنْيِل پرهنا جائل بيت البته مُقَيُول و مُنْيِل پرهنا جائل بيت البته مُقَيُول و مِنْيِل پرهنا جائل جائز ہے جنگ تفصل قور بین میں گذر چی ہے۔ مِنْوَل مِنْوَل مِنْوَل مِن مِنْ الله والا قانون جاری میں میں موجود او کامفتوح ہونا ہے جبکہ اس کیلئے مضموم یا مکسور ہونا شرط ہاور مینال میں ہوتا۔

عداری نہیں ہوتا۔

سوال: مَعَدَيو لَ مِن يقول يبيع والاقانون كيون جاري نبيس بوتا؟

جواب :۔ایک مانع کیوجہ سے وہ بیکہ یبال واو کا ماقبل یائے تصغیر ہےاور یائے تصغیر ہمیشہ ساکن ہوتی ہےتو واو کی حرکت اسکو نہیں دیجاسکتی۔

دوسری وجہ بیصیکہ یقول میں بیٹے والاقانون کی روسے واواور یا ، کی حرکت حرف اصلی کونتقل کیجاتی ہے جبکہ مقدول میں واوکا

ماقبل حرف اصلی نہیں ہے زائد ہے۔

اسم آله وسطى: مِعْقُولَة مُعْقُولَة أَن مَقَاوِل مُعَيْدُولَة سباپى اصلى بي مُقَدْوِلَة وَعَلَيْكَ بُرُ عن بحى جائز

اسم آله كبرى: مِقْوَالَ مِقْوَالاً نِ، مَقَاوِيك مُقَدّويك مُتَعَدّويك مُسانى اصل برين ـ

مَقَاوِينَ مِن مَضَارِيكِ اورضُورِ بَوالاقانون جارى ہوا ہے المين ياء مِقُوال حكے الف سے تبديل شدہ ہے اى طرح مُقَدِو يُل مُقارِين كُو مُقَدِّد الله على الله على مُقَدِّد الله على الله

القاولة من كوئى قانون جارى نه مونے كيوجه مقاول كى تعليل كونيل ميں كزر چى بـ

عَ<u>مَيْنِ وَهُ</u>مِينَ سَدِيدٌ وَالا قانون تووجو في طور پر جارى نہيں ہوتا كيونكها سقانون كى چھٹی شرط وجودنييں البته اقليد كئي پڑھنا جائز ہے جبيها كه متعدد بارگز رچكا۔

السم تفضيل مؤنث: - قُوللي، قُولكيان، قُولكيات، قُول، قُوك، قُوكُ، قُوكُللي، تمام صيغاتي اصل پر بين -

قعل تعجب: - مَا أَقْهُ وَ أَقْهُ وَ أَقْهُ وَ أَقْهُ وَ أَوْلَ بِهِ وَقُولُ ، يَكُلُ ا فِي اصل بِينَ عَلَى غير متّصرف بونے يكوب يك يَعْوَلُ يَدِيكُمُ اور مِينَا فَ وَمِنْ عَلَى عَمْر متصرف بوئ يكوب يكم الله اور يقال يباع والحقانون أن ومرى صورت كمطابق قَوْلُ كوقَنُو لُ يُرْهَا جَانُونَ كَ دومرى صورت كمطابق قَوْلُ كوقَنُو لُ يُرْهَا جَائِزَ ہے۔

باب دوم صرف صغير ثلاثى مجردا جوف وادى ازباب خَسرَبَ يَضُوب وَوَى الباب دوم صرف صغير ثلاثى مجردا جوف وادى ازباب خَسرَب يَضُوب فَيَ

نوٹ: اس باب کے متعلق صرفیوں میں اختلاف ہے کہ آیا بیا جوف واوی ہے یا اجوف یائی اور کون سے باب سے ہے؟ کیونکہ طکائے یکٹو مجھی مستعمل ہے اور طکائے بکطیدہے بھی۔

اس اختلاف کا عاصل یہ ہے کہ یہ باب اجوف واوی اور اجوف یائی دونوں طرح مستعمل ہے کوئکہ یہ باب تفعیل سے طَلَقَ عَ یُطَوِّح مِنْ ہِی آتا ہے جس سے اجوف واوی ہونا معلوم ہوتا ہے اور طَلَقَ عَیْطَیّنے وَبھی مستعمل ہے جس سے اس کا اجوف یائی ہونا معلوم ہوتا ہے پھر طَاح یَطُو ح کی صورت میں تو یہ اجوف واوی ہے اور نکصتر یکنصر سے ہے قال کی مورت میں اجوف واوی اور اجوف یائی دونوں کا امکان ہے ،اگر یقول کی طرح ۔مصدر طَوْح ہے اور طَاح یکھیے کے کی صورت میں اجوف واوی اور اجوف یائی دونوں کا امکان ہے ،اگر اسکواجوف یائی مان لیا جائے تو بلاتر دواس صورت میں یہ صکر ب یکٹورٹ سے ہے باع بیکیٹ می کی رحمدر طَدِح ہے اصل طَدِح ہے۔

اجوف وادی ہونے کی صورت میں صَسرَبَ بیضیر بے سے اسلے نہیں ہوسکتا کفعل ماضی معلوم جب مفق العین ہو اور اجوف وادی ہونے و مصرَبَ بین بین آتا بلکہ نصرَ ہے آتا ہے معلوم ہوایہ صَسرَبَ بین ہیں آتا بلکہ نصرَ ہے آتا ہے معلوم ہوایہ صَسرَبَ بین ہیں ہے (۲) علامة طیل اورامام سیبویہ کے علاوہ دیگر علاء صرف کا کہنا یہ ہے کہ طیاح یک طیلے گے اجوف وادی مانے کی صورت میں بھی صَسرَبَ بین معلوم ہوا ہون وادی ہونے کے باوجود صَسرَبَ بین سَسرَبُ ہے ہون وادی ہونے کے باوجود صَسرَبَ بین ماجون وادی ہونے کے باوجود صَسرَبَ بین ماجب بین عاشیہ جن مراصنی نمبرا ۱۵،۸۱۱۔۱۲۵)

مصنف نے جواس باب کواجوف واوی کے ابواب میں ذکر کیا ہے یہ نصر سے تونیس ہے کیونکہ مصر سے قال یقول م خاور ہے لہذا یہ یا تو حکس ب سے ہے جیسا کہ امام سبویہ کا قدول ہے یاضر بست ہے (کسما ہو قدول م غیر سِیْبَوَیُه) ہم یہاں صَرَبَ یَضُوبِ کے مطابق اکی گردانیں ذکرکردیے ہیں کسِبکوان پرقیاس کر لیجے، تنبیه: ۔جواختلاف اور تفصیل طکاح یکویٹے میں ہے بعید وہی تفصیل اور اختلاف تکا ہ یکتیدہ میں ہے (کمکا ورکد فی الْقُورُانِ یکتِیْهُوْنَ فِی الْاَرْضِ)

صرف صغراز ضَرَبَ: - طَاحَ يَطِيحُ طَوُحاً فَهُوَ طَائِحٌ وَطِيْحَ يُطَاحُ طَوُحاً فذاك مَطُوحٌ لَمُ يَطِعُ لَمُ يَطِعُ لَمُ يَطِعُ لَا يَطِعُ لِيَطِعُ لِيُطِعُ لِيُطَعُ لِيُطَعُ لِيُطِعُ لِيُطَعُ لِيُطِعُ لِيُطَعُ لِيُطِعُ لِيُطَعُ لِيَطِعُ لِيُطَعُ المَدر منه طِحْ لِتُطَعُ لِيَطِعُ لِيُطَعُ وَالله منه مِطُوحٌ والمنه عنه مَطِيْحٌ والالة منه مِطُوحٌ والمنه عنه مَطِيْحٌ والالة منه مِطُوحٌ ومِطْوَحٌ ومِطْوَحٌ ومِطْوَحٌ والمؤنث منه طُوح فعل التعجب منه مَا أَطُوحَ فِهُ وَالمُونِ فِهُ وَطَوْحَ.

تنبیہ: طوالت سے بیخے کی خاطر بقیہ ابواب کی تمام گردا نیں ذکر نہیں کیجا ئینگی صرف مشکل گردانوں کا ذکر ہوگا آپ قسال گئے۔ یہ کے طرز پر ممل گردا نیں کر لیجئے۔

فعل ماضى معلوم: حَلَاحَ، طَاحَا، طَاحُوا، طَاحَتُ، طَاحَتُ، طَاحَتَا، طُحْنَ، طُحُتَ، طُحُتُمَا، طُحُتُمُ، طُحُنِتِ، الخ

تمام سيغول مين قَالَ بَاعَ والاقانون جارى بواج اصل طَوَحَ طَوَحَا طَوَحُوا طَوَحَتُ النح باور طُعُنَ كَام سيغول مين قال باع والاقانون ك بعدالقائين والاقانون جارى بواج اس ك بعد قُلْنَ والاقانون - والاقانون - والاقانون -

ماضى مجهول: طِيدُحَ، طِيدُحَا، طِيدُحُوا، طِيدُحَتُ، طِيحَتَا، طُحُنَ، طُحُنَ، طُحُنَ، طُحُنَ، طُحُنَم، المخ تمام صينوں ين اولاً قِيدُلَ بِينَعَ والا قانون جارى ہوا ہے اور پھر مِيدُعَا ذُوالا ،اصل يوں ہے طُروحَ، طُروحَا، طُوحُوا، طُوحَنْتُ، المنح يهاں واوكى حركت حذف كركے طُوْحَا طُوْحَا طُوْحُوا لَنْ پِرْهَا بھى جائز ہے اورا ثام بھى جائز ہے (ويكھے قِيدُلَ بِينَعَ والا قانون)

مضارع معلوم: يَطِينُحُ، يَطِينُحَانِ، يَطِينُحُونَ، تَطِينُحُونَ، تَطِينُحَانِ، يَطِحُنَ، تَطِينُحُ، تَطِينُحَانِ، تَطِينُحُانِ، تَطِينُحُ، تَطِينُحُانِ، تَطِينُحُ، تَطِينُحُ، نَطِينُحُ، نَطِينُحُ، نَطِينُحُ، نَطِينُحُ،

تمام صغول میں اقلایک تُحدُل کیبینے والا اور پھر مین مک انگوالا قانون جاری ہوا ہے اصل ہوں تھی کی طُورے کی طُورے اِن کیطُورے وُن النج اور کیطِ حُن تَطِ حُن میں مِی مَن عَالُہُ والا قانون جاری ہونے کے بعد التقائے ساکنین والا قانون کی تیسری صورت کے مطابق یاء حذف ہو چکی ہے۔

مضارع مجهول: يُطَاحُ، يُطَاحَانِ، يُطَاحُونَ، تُطَاحُ، تُطَاحُ، تُطَاحَانِ، يُطَحُنَ، الخ ،يُقَالُ، يُقَالَانِ اللح كاطرت.

تمام سيغول ميں يُقَالُ يُبَاعُ والاقانون جارى ہواہ اصل تقى يُطُوّعُ يُطُوّ كَانِ النب اور جَعَموْنث كے صيغول ميں التقائے ساكنين والاقانون كى تيسرى صورت بھى جارى ہوئى ہے۔

اسم فاعل: حَلَانِحُ، طَانِحَانِ، طَانِحُونَ، طَاحَةُ، طُوّاحُ، طُوَّحُ، طُوْحُ، طُوْحَاءُ، طُوْحَانُ طِلِيَاحُ، طُوُحُ، اَطُواحُ، طَانِحَةُ، طَانِحَتَانِ، طَانِحَاتُ ،طَوَانِحُ، طُوَّحُ، طُوَيِّحُ، طُوَيِّحَةُ قَانِلُ قَانِلَانِ الْحَ كَاطِرِ مَا كَيْ تَعْلِيلاتَ كَرِيجِيدٍ.

اسم مفعول : مطُوْحٌ، مَطُوحَانِ، مَطُوحُونَ، مَطُوحَةً، مَطُوحَةً، مَطُوحَتَان، مَطُوحَاتُ، مَطَاوِيْحُ، مُطَيِّينَحُ، مُطَيِّينُحَةً،

اكل تعليلات مَقُولٌ مَقُولًانِ الْحَ كَيْمِر حَ بِي اصل مَطْوُونَ مُ مَطُووُ حَانِ الْحَبِ-

امرحاضر معلوم : طِخ ،طِيْحًا، طِيْحُوا، طِيْحِي، طِيْحَا، طِحْنَ.

مِطْحُ اصل میں اِطْبُوحُ تھابقانون کی تُوٹی کیدیئے واوی حرکت ماقبل کودیکر مِینُعَا ذُوالا قانون سے واوکو یاء سے تبدیل کیا اور التقائے ساکنین کیوجہ سے یاء حذف ہوگئ اور شروع کا ہمزہ وصلی ما بعد کے متحرک ہونے کیوجہ سے حذف ہوا ای طرح باقی صیغے سمجھ لیں ،اور قُل کیطر ح یہاں بھی وہی دوطرح کی تعلیل ہوسکتی ہے۔

امرحاضرمعلوم مؤكد بنون تاكيد تقيله : وطيحن وطينحان، طينعن وطينعن طينعان، طِيعان، طِعْدَان، طِعْدَان،

اسم ظرف : مَطِيع مَطِيع مَطِيع مَطَاوح مُطَيع مُطَيع مُطَيّع مُطَيّع أَمُل مِن مَطُوحٌ بروزن مَفْعِلُ هَا يُونكه اجوف مَصورالعين كاسم ظرف مَفْعِلُ حَان برآتا جي يَقُولُ يَبِينهُ والاقانون كم طابق واوك حركت ما قبل كى طرف

نتقل کی اور مِیْدَعَا دُوالا قانون کے ساتھ واویا ، سے تبدیل کیا اور یہی تعلیل مَطِیْحَانِ کی ہے مَطَاوِحُ اپن اصل پر ہے مُطَیّنِ خُواصل میں مُطَیّبُوحُ تھا سَیِیْدُوالا قانون جاری ہوا ہے۔

اسم آله مغرى : مطوّع مطوّع مطوّع ان مطاوح مطيوح

تمام صینے اپنی اصل پر بیں مسطیر و مح میں سَدیہ کوالا قانون وجو بی طور پر اسلئے جاری نہیں ہوتا کہ اس کی چھٹی شرط موجود نہیں

اسمآله وسطى : مِطوَحَة مِعلُوحَتَان، مَطَاوِح ، مُطَيْوِحَة

اسم آله كبرى : مِصْوَاحٌ ، مِطْوَاحَانِ ، مَطَاوِيحٌ ، مُطَيُويحٌ ،

اسمَ نَفْسِل مَدَكر: لَطُوحُ، اَطُوحَانِ، اَطُوحُونَ ،اطَاوِحُ ،اطَيُوحُ

اسم تفضيل مؤنث: مطوحي، طوحيان، طوحيات ،طوح، طويحلي.

فعل العجب: مَا أَطُوحَهُ، وأَطُوحُ بِهِ، و طَوْحَ.

باب وم صرف صغير ثلاثى مجردا جوف واوى ازباب سَمِعَ يَسَمَعُ جول النَّحُوفُ بَمَعَى وُرنا خَافَ يَحَافُ خَوْفاً فذاك مَحُوفٌ المَ يَخَفُ لَمُ يُخَفُ لَمُ يُخَفُ لَمَ يَخَفُ لَمُ يُخَفُ لَمَ يَخَفُ لَمَ يَخَفُ لَمَ يَخَفُ والنهى لاَيَحَافُ لَرَيْحَافُ لَرَيْحَافُ الامر منه خَفُ لِتَحَفُ لِيحَفُ لِيحَفُ والنهى عنه لاَ تَحَفُ لاَ يَحَفُ لاَ يَحَفُ لاَ يَحَفُ لاَ يَحَفُ لاَ يَحَفُ الطرف منه مَخَاف والالة منه مِحْوَف ومِحْوقة ومَحْوقة والمؤنث منه خُوقى و فعل التعجب منه مَا أَخُوفَ والمؤنث منه خُوقى و فعل التعجب منه مَا أَخُوفَ والحَوْنَ والمؤنث منه خُوقى و فعل التعجب منه مَا أَخُوفَ و الْمؤنث منه خُوقى و فعل التعجب

فعل ماضى معلوم: خَافَ ،خَافَ ،خَافَا ،خَافُوا ،خَافَتُ ،خَافَتَا ،خِفْنَ ،خِفْتَ ،خِفْتُما ،خِفْتُم ،خِفْتِ ، خَفْتِ ، خَفْتِ ، خَفْتُ ،خِفْتُ ، خِفْتُ ، خِفْتَ ، خُفْتَ ، خِفْتَ ، خِفْتَ ، خَفْتَ ، خُفْتَ ، خُ

مراكك صيغه من قَالَ بَاعَ والاقانون جارى موائها صلى يون فى خُوفًا خُوفًا خُوفُوا المن اور خِفْنَ كيكن آخر تك كتام صيغول من قَالَ بَاعَ والاقانون كربعدالف التقائي ساكنين كيوبر عدف مواجاور خِفْنَ بِعَن والا

قانون ہے فاء کلمہ یعنی خاء کو کسرہ دیا گیا ہے۔

ماضى مجهول: خِيْفَ، خِيْفَا ،خِيْفُواْ ،خِيْفَتُ، خِيْفَتَا ،خِفُنَ، الخسب كَتَعَلَيْات قِيلَ قِيلًا اللح كَ طرح بين اصل خُوِفَ، خُوِفَا، اللخ ب-

مضارع معلوم : يُحِجَافَ، يَحَافَانِ، يَنَحَافُونَ ،تَحَافَ، تَحَافَانِ يَخَفُنَ. تَحَافَ ،تَحَافَانِ، تَحَافَانِ، تَحَافَلِ ، تَحَافَلِ ، تَحَافَلِ ، تَحَافُونَ تَحَافُلُ ، تَحَافُلُ ، نَخَافُ .

مضارع مجبول: منحاف يحافان يحافون الخمعلوم اورمجبول كتمام سنول من يقال يباع والاقانون جارى بوابد

اسم فاعل: خَانِف، خَانِفَانِ، خَانِفُونَ، خَافَةً، خُوَافَ، خُوفَ، خُوفَ، خُوفَ، خُوفَا، خُوفَان، خُوفَان، خِوفَان، خِينَات، خُونَاف، خُوفَان، خُونَاف، خُوفَان، خُونَاف، خُونَان، خُون

اسم مفعول مرمخوف ، محوفان ، محوفون ، الخ

مجہول بھی ای طرح ہے بس حرف اتین آسمیں مضموم ہے اور یہاں مفتوح ہے۔معلوم اور مجہول دونوں کے ہرا یک صیغہ میں مریکا م میکاع والا قانون جاری ہواہے اور بعض صیغوں میں التقائے سائنین والا قانون بھی جاری ہواہے۔

امرحاض معلوم بلاتاكيد: ـ خَفْ، خَافَا ، خَافُواْ ، خَافِيْ ، خَافَا، خَفْنُ ـ

يگردان اصل مين يون تقى الخيو ف ، الخيو في المخوفوا والخوفوى ، المنع بيقال يبداع والا قانون كے مطابق واوكى الحرك حركت ماقبل كوديكر اسكوالف سے تبديل كيا ہے پہلے اور آخرى صيغه مين الف التقائے ساكنين كيوبہ سے حذف ہواتو الحف ، الحافظ ، الحافو المنع بنا پھر ہمزہ وصلى مابعد كم تحرك ہونے كى وجہ سے حذف ہوا تعليل كادوسرا طريقة بھى ہے جمكی تفصيل في سے ذيل ميں گزر چى ہے۔

امرحاض معلوم مؤكد بنون تاكيدُ تقيله: خَافَنَ، خَافَانٌ، خَافُنٌ ، خَافِنٌ، خَافَنٌ، خَافَانٌ، خَفْنَانٍ ،

خَلْفَ عَنْ سے بنا ہے قول فی والا قانون سے الف محذ وفد دوبار ہلوٹ کرآیا ہے سبب حذف یعنی التقائے ساکنین باقی نہ ریخی وجہ ہے۔

اسم ظرف ۔ مَسَخَافَ، مَخَافَان ، مَخَاوِف، مُخَيِّف مَنَخَافَ اصل مِن مَخُوفَ تَعَا كَوْلَا مَعِيَّ مُعْمُون، اجون سے مضارع مفتوح العین اور مضموم العین كاسم ظرف مَسْفَعَلُ كوزن پِرَ تا ہاور خَسافَ يَحَافُ مِن مضارع اجون مفتوح العین ہے ہُم المیں مِنْ اَوْمِیکا عُوالا قانون جاری ہوا ہے، ای طرح مَخَافَانِ مِن بھی۔

اسم آله صغرى : مدخو ف محوفان مخاوف محديوف، اى طرح اسم آله وسطى اوركبرى اوراسم تفسيل كى گردان بمع تعليات كرايجي-

باب چہارم صرف صغیر ثلاثی مجرداجوف واوی از باب شرف یکشر ف چون الکطیو کی معنی (لمباہو) ،
(ازم ہونے کیوجہ اسم معول اور مجبول کی گردان نہیں آتی)

طَالَ يَطُولُ طُولًا فَهِو طَوِيلًا لَمُ يَطُلُ لَا يَطُولُ لَنَ يَطُولُ الامر منه طُلُ لِيَطُلُ والنهى عنه لا تَطُلُلُ لا يَطُولُ النهي عنه لا تَطُلُلُ لا يَطُلُ النظرف منه مَطَالٌ والألة منه مِطُولٌ ومِطُولٌ ومِطُولٌ وافعل التنفضيل منه اَطُولٌ والسمؤنث منه طُولُ لى وفعل التعجب منه مَا اَطُولُهُ وَاطُولُ بِمَ اللهُ مُن كَاللهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهُ مِن مَا اَطُولُهُ وَاطُولُ بِمَ اللهُ وَلَا اللهُ مِن مَا اللهُ وَلَا اللهُ مِنْ مَا اللهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهُ مِن مِنْ مَا اللهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهُ اللهُ مَا اللهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهُ اللهُ مِنْ اللهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهُ مِنْ اللهُ وَلَا اللهُ مِنْ اللهُ وَلَا اللهُ اللهُ مِنْ اللهُ وَلَا اللهُ وَلَوْلُ اللهُ وَلُولُ اللهُ وَلَا اللهُ اللهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهُ وَلِي اللهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهُ وَلِهُ وَلَا اللهُ وَلَّا اللهُ وَلَا اللهُ وَلِمُ اللهُ وَلِمُ اللّهُ وَلِهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهُ وَاللهُ وَاللّهُ وَلَا اللهُ وَلِمُ اللّهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهُ وَلّهُ وَلّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلِمُ اللّهُ وَلِمُ اللّهُ وَلّهُ وَلِمُ اللّهُ وَلِمُ اللّهُ وَلِمُ اللّهُ وَلِمُ لِلْمُولِ اللّهُ وَلِمُ اللّهُ وَلِمُ اللّهُ اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلِمُ اللّهُ وَلِمُ الللّهُ وَلِمُ اللّهُ وَلِمُ اللّهُ وَلِمُ اللّهُ

فعل ماضى معلوم . طَالَ طَالَا طَالَوا طَالَتُ طَالَتَا طُلُنَ الخ.

م ایک میند میں قال ماع والا قانون جاری ہوا ہے کہ اصل یوں ہے طول طول طول واللخ ماور طلک سے آخر علیہ میند میں قال ماع والا قانون جاری ہوا ہے کہ بعد التقائے ساکنین والا اور پھر قلک والا قانون جاری ہوا ہے اس باب کی تمام تصریفات اور تعلیلات میں میں اور تعلیلات کیلر ح بیں ان پراسکی گروانیں اور تعلیلات قیاس کرلیں ،البت اسم فاعل کی جگہ اس سے صفت مصبہ کی گردان آتی ہے جودرج ذیل ہے۔

صنت مشبه . طَوِيُلُ طَوِيُلُ الْمُويُلُانِ طَوِيُلُونَ طُولَاءُ طُولًا وَالْمُولَانَ طِيلَانَ طِوَالُ طُولُ طُولُ الْمُولُ الْمُولُ الْمُولُ الْمُولُ الْمُولُ الْمُولُ الْمُولُولُ الْمُولُ اللَّهُ الْمُولُدُ اللَّهُ الْمُؤلِّلُةَ مُلْوِيلًا اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّالِمُ الللَّهُ اللَّالِمُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّا اللَّهُ اللَّاللَّا اللَّهُ اللَّهُو

تعليلات : يبك بائ صيغ ائي اصل بريس ان مين كوئي تعليل نبيس موئي مطويد وكلون كويلون طويد وكالون طويد وكالون مي

قُالَ بَاعُ والاقانون تواسلئے جاری نہیں ہوا کہ واو کے بعد مدہ زائدہ ہے اور یکھوم میکیٹیٹے والا اسلئے جاری نہیں ہوا کہ اس کی شرط نمبر ۹ موجو زنبیں اور مینگال میبکا عجوالا اسلئے جاری نہیں ہوا کہ اسکی پہلی اور پانچویں شرط موجو دنہیں۔

م مرحم میں قبال کیا تع والا قانون اسک جاری نہیں : وہ کہ واو ماقبل مفتوح نہیں اور یکھوں کیلیدم والا اسلئے جاری نہیں ہوتا -کہ واو ضموم یا مکسور نہیں ہے اور مینیا آج ہے اور الا اسکئے جاری نہیں ہوتا کہ واو کا ماقبل ساکن نہیں ہے۔

اَطْ الْ الْحَبِي اصل پر بواو کے بعد مدہ زائد و آنے کی وجہ ہے گئا اُل یُبناع والاقانون جاری نہیں ہوا۔ بعض علاء صرف کے زود یک یکندہ نے اور کا میں اور کا میں ان حطرات کے زود یک یکندہ نے آئے والاقانون کیے بھی پیشرط ہے کہ واواور یا ، کے بعد مدہ زائدہ نہ ہولہذا طو و کو کلیں ان حطرات کے زود یک یکھوٹ کے بینے والاقانون جاری نہیں ہوگا بلکہ یہ اپنی اصل پر برقر ارز حیاگا کیونکہ آئیس واو کے بعد مدہ زائدہ ہے۔ اولا کے نواز کا اور کی میں مواد کے بعد مدہ زائدہ ہے۔ اولا یک میں واد کے بعد مدہ زائدہ ہے۔ اولا یک میں مواد کے بعد مدہ زائدہ ہے۔ اولا یک میں مواد کے بعد مدہ زائدہ نے اولا اور پھر میں کے اللہ قانون جاری ہوا ہے اس کے بعد تین صبخ اپنی اصل پر بین میں مواد کے بعد میں مواد کے بعد میں صبخ اپنی اصل پر بین میں مواد کے بعد تین صبخ اپنی اصل پر بین میں مواد کے بعد تین صبخ اپنی اصل پر بین میں مواد کے بعد تین صبخ اپنی اصل پر بین میں مواد کے بعد تین صبخ اپنی اصل پر بین میں مواد کے بعد تین صبخ اپنی اصل پر بین میں مواد کے بعد تین صبخ اپنی اصل پر بین میں مواد کے بعد تین صبخ اپنی اصل پر بین میں مواد کے بعد تین صبخ اپنی اصل پر بین مواد کے بعد تین صبخ اپنی اصل پر بین میں مواد کے بعد تین صبخ اپنی اصل پر بین میں مواد کے بعد تین صبخ اپنی اصل پر بین مواد کے بعد تین صبخ اپنی اصل کے بعد تین صبح
طَوَانِنَ أصل مِن طَوَانِنَ عَاسَدَ الله والتا فون جارى اواب مطويل طوييل كال مورديل طويلي طويلية الم

اسم ظرف: مَطَالٌ مَطَالًانِ مَطَاهِ لُ مُطَيِّلُهُ

تعليلات مُقَالَ مُنَاكِن المنحى طرح بين اى طرت بأق ردانين مجه ليجيًر

﴿ عُلَاثْ مِحرِد كَ بِاتِّي الوابِ كا جوف داوى عيآ نانبايت قليل ب

ابواب اجوف واوی ثلاثی مزید فیه

باب اول صرف صغير ثلاثى مزيد فيه اجوف واوى ازباب إِفْعَالَ چون اَلْاِ قَامَة مَّ بمعنى قائم كرنا ، كفر اكرنا

اَقَامَ، يُقِيمُ اِقَامَةً ،فهو مُقِيمٌ وَأُقِيمَ، يُقَامُ اِقَامَةً ، فذاك مُقَامٌ المُ يُقِمْ المُ يُقَمْ الأيقِيمُ الآيُقِيمُ الآيُقِيمُ اللهُ عَنه لَاتُقِمْ الأَيْقِمُ اللهُ اللهُ عَنه لَاتُقِمْ الأَيْقِمُ اللهُ اللهُ عَنه لَاتُقِمْ الأَيْقِمْ اللهُ اللهُ اللهُ عَنه لَاتُقِمْ اللهُ
القامة ومسدرگاصل افتوام به يسقال يباع والاقانون بواوك حركت ماقبل كود يكر واوكوالف سے تبديل كياتو بم القائے ساكنين ہوا (بَيتُنَ الْأَلِفَيْنِ) القائے ساكنين والاقانون كي تيسري صورت عے مطابق كسى ايك ساكن كوحذف كيا (عند البحض ساكن اول كواور عند البعض ساكن ثانى كو) پھر بقانون إقسامة وايستنقامة حمض حدوف عرض مصدر كے قرض مصدر كة خريس تائے محرك ماقبل كے فتح كے ساتھ لگادى۔

فعل ماضى معلوم: اقام، اقاما، اقاموا، اقامت، اقامت، اقامت، اقمت، اقمت، اقمت اقمتما، اقمتما، اقمتم، اقمت، اقدم النخ برايك صيغه مل يقال مباع والاقانون جارى بواج اصل يول به اقدوم اقدوما اقدوموا النخاورج مؤنث عائب كصيغه مة خرتك تمام صيغول ميل التقاع ساكنين والاقانون بهى جارى بواج مثلًا اقدم من القافومة من تقانون يقانون يقانون يقال مبياع وادى حركت قاف كود كرواوكوالف سة بديل كياتواقكامت بواالتقائي ساكنين بواالف اورميم كرميان - ببلاساكن مده بون كي وجه صحدف بوا يي تعليل اس كي بعدوال تمام صيغول كي بهد

فعل مضارع معلوم - يقيدم يقيد مان يقيدمون تقيدم تقيدم تقيدمان يقمن تقيدم تقيدم تقيدم تقيدم تقيدمون، تقيدم والااور بهر

مِنْ عَمَادُ والاقانون جاری ہواہے اور جمع مؤنث کے دونوں میں التقائے ساکنین والاقانون کی تیسری صورت بھی جاری ہوئی ہے۔ جاری ہوئی ہے۔

مضارع مجهول: _يُحقَام، يَحقَامَان ، يُقَامُونَ ، تُقام، تُقامَان ، يُقَمَنَ ، المخ برصيغه مِن يُقَالُ يُبَاعُ والا قانون جارى ہوا ہے اور جمع مؤنث مِن التقائے ساكنين والاجمى _

اسم فاعل: مُقِيدُم، مُقِيدُمان، مُقِيدُمُونَ، مُقِيدَمَة ،مُقِيدَمَتَان، مُقِيدَمَاتُ، اصل مُقُومُ مُقُومَانِ الخ عادلا يَقُولُ يَبِيعُ پُرمِيعَادُوالا قانون جارى مواعد

اسم مفعول المُعَقَامَ، مُقَامَان، مُقَامَون، مُقَامَة، النج اصل مُقُومَ، مُقُومَان، مُقُومُون، النج بُيقَال م يُبَاعُ والا قانون جارى بوايد

فعل جحد معلوم : - لَهُ يَتَقِمُ لَمُ يُقِيمَا لَمُ يُقِيمُوا لَمُ تُقِمَ لَمُ تُقِيمًا لَمُ يُقِمَنَ النحاصل لَمُ يَقُومُ لَمُ يُعَلِيمُوا لَمُ يُقَومُ لَمُ اللهَ يَعْدُومُ لَمُ اللهَ عَلَيْ مَا لَمُ يُقُومُ لَمُ اللهَ عَلَى اللهَ عَلَى اللهَ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهَ عَلَى اللهَ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُولِ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُو

ساكنين والاقانون بمى جارى مواجم الله مُ يُقِمْ لَمُ تُقِمْ لَمُ أُقِمْ لَمُ الْقِمْ لَمْ يُقِمِّنَ لَمَ تُقَمِّنَ مِن

فعل جحد مجهول: - لَـمْ يُسقَـمُ لَـمْ يُسقَامَا لَمْ يُقَامُوا لَمْ تُقَمَّ لَمُ تُقَامَا لَمْ يُقَمَّنَ النح برا يك صيغه مِن يُقَالِم يُبَاعُ والا قانون جارى بوا،اوربعض مِن التقائ ساكنين والا قانون بهى جارى بواس_

امر حاضر معلوم: اقیم اقید ما اقید موا اقید موا اقید می اقید ما اقیم اقید ما اقیوم اقیوم اقیوم اقیوم النج به است النیس معلوم النجم می النیس والا قانون کی تیسری به اور آخری صینه میں القائے ساکنین والا قانون کی تیسری صورت بھی جاری ہوئی ہے مثلا اقیدم فنا قیوم فنا مورت بھی جاری ہوئی ہے مثلا اقیدم فنا قیوم فنا مضارع سے بنا ہے حرف اتین حذف کیا اس کا مابعد متحرک ہونے کی وجہ سے صرف آخر میں وقف کیا شروع میں ہمزہ وسلی لانے کی ضرورت نہیں پڑی اور جو ہمزہ یہاں موجود ہے یہ ہمزہ قطعی ہے باب افعال کا ہمزہ ہے اس طرح باتی صیفے سمجھ کیس ۔

امرحاضرمعلوم موكر بنون تاكير تقيله: أقيدُ مَنَّ، أقيدُ مَانَّ، أقيدُ مُنَّ، أقيدُ مِنَّ أقيدُ مَانِّ، أقيمُ نَاسِّ،

آقیہ میں آقیم سے بنا آخر میں نون تاکید تقیلہ ما قبل کے فتہ کے ماتھ لگادیا اور جویا والتقائے ساکنین کیوجہ سے حذف ہوئی تھی وہ قبہ میں آقیہ میں اور آقیہ ہوئی تھی والا قانون سے دوبارہ اوٹ کرآئی ہے کہ اب سبب حذف (یعنی التقائے ساکنین) باتی نہیں رہا۔ اَقیہ میں قبہ میں میں اور اَقیہ میں میں اُتقائے ساکنین والا قانون کی تیسری صورت جاری ہوئی ہے کہ پہلے میں واواور دوسرے میں یا عصدف ہوئی ہے کہ پہلے میں واواور دوسرے میں یا عصدف ہوئی ہے تم مگر دانمیں اور ان میں قوانین کا جراء نام جو لیئے۔

باب دوم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه اجوف واوى ازباب تَفَعِيل جون اَلْتُحُويل مِن الله الله عنى (بليك دينا)

حَوَّلَ يُحَوِّلُ التَّحَوِيُدَ فيو مُحَوِّلُ وَحَوِّلُ يُحَوِّلُ يَحَوِّلُ فذاك مُحَوَّلُ لَمُ يُحَوَّلُ لَمُ يُحَوَّلُ كَمُ يُحَوَّلُ المَّهُ عَدِيلًا فذاك مُحَوَّلُ لَمُ يُحَوَّلُ لَمُ يُحَوَّلُ النهى لَايُحَوِّلُ لِينَحَوِّلُ لِينَحَوِّلُ والنهى عنه لَا يُحَوِّلُ لَا يُحَوِّلُ الفلى عنه لَمُحَوَّلُ لِينَحَوِّلُ لَا يُحَوَّلُ الظرف منه مُحَوَّلُ مُحَوَّلًا مِنْ مُحَوَّلًا النهى عنه لا تُحَوِّلُ لا يُحَوِّلُ لا يُحَوَّلُ الظرف منه مُحَوَّلُ مُحَوَّلًا مِنْ مُحَوَّلًا اللهِ عنه لا تُحَوِّلُ اللهِ عنه اللهِ عنه اللهِ عنه اللهُ عنه اللهُ ال

اسکی تمام گردانیں صحیح کی طرح بیں ان میں اجوف کا کوئی قانون جاری نہیں ہوتام اُلگ کو گئی اضی میں قدال بنائج والاقانون اسلئے جاری نہیں ہوتا کہ واوثانی ما تبل مفتوح نہیں ہے بلکہ ما قبل ساکن ہواد یکھیے گو کے یک بیٹ جاری نہیں ہوتا کہ واوثانی ما تبل مفتوح ہور یکھیا گئی اور منہیں ہوتا کہ واوثانی میں ہوتا کہ واواول ،اس طرح باقی سینے بھو لیجئے۔

باب موم ضغير ثلاثى مزيد فيه اجوف واوى ازباب مفاعله چول اَلْمُخَاوَمَ مُعَيْمِ عَنْ (كَالْفَت كَرَا) قَاوَمَ يُقَاوِمُ مُقَاوِمٌ مُقَاوِمٌ اَلْهُ يَقَاوِمُ اَلْمُ يَقَاوِمُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ مَقَاوَمٌ لَا يُقَاوِمُ اللهُ يَقَاوِمُ اللهُ يَقَاوِمُ اللهُ يَقَاوِمُ اللهُ يَقَاوِمُ اللهُ عَنْهُ لَا يُقَاوِمُ اللهُ يَقَاوِمُ اللهُ عَنْهُ لَا يُقَاوِمُ اللهُ يَقَاوِمُ اللهُ عَنْهُ لَا يَقَاوِمُ لَا يُقَاوِمُ اللهُ يَقَاوِمُ اللهُ عَنْهُ مَقَاوَمٌ مَا يَعْدُومُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ مَا عَنْهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ عَنْهُ عَنْهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ عَنْهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ عَنْهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ عَنْهُ عَنْهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ
باب چہارم صرف مغیر ثلاثی مزید فیہ اجوف واوی از باب تفعل چوں اَلتَّحَوُّل مِعنی (پھر جانا) تَحَوَّل مَتَحَوَّل مُتَحَوِّل مُتَحَوَّل مُتَحَوِّل مُتَعَوِّل مُتَحَوِّل مُتَعَوِّل مُتَحَوِّل مُتَحَوِّل مُتَحَوِّل مُتَحَوِّل مُتَعَلِّم مُتَعَالِم مُتَعَلِّم مُتَعَلِّم مُتَعَمِّل مُتَعَلِّم مُتَعَمِّل مُتَعَلِم مُتَعَمِّل مُتَعَلِّم مُتَعَمِّل مُتَعَلِّم مُتَعَمِّل مُتَعَم مُتَعَمِّل مُتَعَمِّل مُتَعَمِّل مُتَعَمِّل مُتَعَمِّل مُتَعَم مُتَعَمِّل مُتَعَمِّل مُتَعَمِّل مُتَعَمِّل مُتَعَمِّل مُتَعَمِيل مُتَعَمِّل مُتَعَمِّل مُتَعَمِّل مُتَعَمِّل مُتَعَم مُتَعَمِّل مُتَعَمِّل مُتَعَمِّل مُتَعَمِّل مُتَعَلِق مُتَعِيل مُتَعَلِق مُتَعَمِّل مُتَعِمِّل مُتَعِمِّل مُتَعِمِّل مُتَعِمِّل مُتَعِمِل مُتَعِمِّل مُتَعِمِل مُتَعِمِل مُتَعِمِل مُتَعِمِل مُتَعِم مُتَعِمِل مُتَعِيل مُتَعِم مُتَعِمِّل مُتَعِمِل مُتَعِم مُتَعِم مُتَعِم مُتَعِم مُتَعِم مُتَعِم مُتَعِم مِن مُتَعِمِ مُتَعِم مُتَعِم مُتَعِم مُتَعِم مُتَعِمِ مُتَعِم م

لَمُ يُتَحَوَّلُ لَا يَتَحَوَّلُ لَا يُتَحَوَّلُ لَنَ يَّتَحَوَّلُ لَنَ يَتَحَوَّلُ الآمر منه تَحَوَّلُ لِتَتَحَوَّلُ لِيَتَحَوَّلُ الآمر منه تَحَوَّلُ لِلتَتَحَوَّلُ لِيَتَحَوَّلُ لَا يُتَحَوَّلُ لَا يُتَحَوِّلُ لَا يُتَحَوِّلُ لَا يَتَحَوَّلُ لَا يُتَحَوِّلُ لَا يُتَحَوِّلُ لَا يَتَحَوَّلُ لَا يُتَحَوِّلُ الظرف منه مُتَحَوَّلُ لَا يَتَحَوِّلُ لَا يَتَحَوِّلُ لَا يَتَحَوِّلُ لَا يَتَحَوِّلُ الظرف منه مُتَحَوَّلُ لَا يَتَحَوِّلُ إِن مُتَحَوِّلُ الطرف منه مُتَحَوِّلُ لَا يَتَحَوِّلُ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ ا

باب پنجم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه اجوف واوى ازباب تنفاعك چون اَلتَنا وَلَى بمعن (لينا، كهانا شروع كرنا)

تَنَاوَلَ يَتَنَاوَلُ تَنَاوُلُا فَهِ مُتَنَاوِلٌ وَتُنُووِلَ يَتَنَاوَلُ تَنَاوُلٌ فَذَكَ مُتَنَاوَلُ لَمُ يَتَنَاوَلُ لَحَ يُتَنَاوَلُ لَتَ يُتَنَاوَلُ لَكُ يُتَنَاوَلُ لِيَتَنَاوَلُ لِيَتَنَاوَلُ لِيَتَنَاوَلُ لِيَتَنَاوَلُ لِيَتَنَاوَلُ لِيَتَنَاوَلُ لَكُ يُتَنَاوَلُ الامر منه تَعَاوُلُ لِيتَنَاوَلُ لِيَتَنَاوَلُ لَيَتَنَاوَلُ لِيتَنَاوَلُ لِيتَنَاوَلُ لِيتَنَاوَلُ لَا يَتَنَاوَلُ لَا يَتَنَاوَلُ لَا يَتَنَاوَلُ لَا يَتَنَاوَلُ لَا يُتَنَاوَلُ لَا يُتَنَاوَلُ لَا يَتَنَاوَلُ لَا يُتَنَاوَلُ لَا يُتَنَاوَلُ لَا يُتَنَاوَلُ لَا يُمَا لَا يَعْمَلُولُ لَا يَعْلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْكُولُ وَلَا يَعْمُ لَا لَكُولُ لَا يَعْلَى لَا يَعْمُ لَا يَعْمُ لَا يَعْلَى اللّهُ عَلَى لَا يَتَنَاوَلُ لَا يَتَنَاوَلُ لَا يَعْمُ لَا يَعْمُ لَا يَعْلَى لَا يَعْلَى لَا لَكُولُ لَا يَعْلَى لَا لَكُولُكُ لِلْكُولُ مِنْ اللّهُ لِللْكُنْ لِلْكُولُ لِللْكُولُ لِلْكُولُ لَا يَعْلَى لَا لَكُولُكُ لِللّهُ عَلَى لَا يَعْلَى لَكُولُكُ لِي اللّهُ لِي لَكُولُكُ لِللْكُولُ لِلللّهُ لِي لَا يَكُولُكُ لِي لَا يَكُولُكُ لِي لَا يَعْلَى لَا يَكُولُ لِي لِي لَكُولُكُ لِي لِي لِي لِي لِي لَا يَعْلَى لَا يَعْلَى لَا لَكُولُكُ لِللْكُولِ لَا يَعْلَى لَا يَعْلَى لِللْكُولُ لِلللّهُ لِلْكُولُكُ لِلْكُولُ لِلللّهُ لِلْكُولُ لِللللّهُ لِلْكُولُ لِلْكُولُ لِللْكُولُكُ لِلْكُولُ لِلْكُولُ لِلْكُولُ لِللْكُولُ لِلْكُولُ لِلْكُولُ لِلْكُلِكُ لِللْكُولُ لَا لَكُ

اں کی بھی تمام تر تصاریف سیح کی طرح ہیں۔

باب شم صرف صغير ثلاثي مزيد فيه اجوف واوى ازباب إفْتعَال - چول الله حتيباب بمعنى (جنگل طئرنا)

ِ الْجَتَابَ يَجْتَابُ الْجَتِيَاباً فَهُو مُجْتَابُ وَأُجْتِيْبَ يُجْتَابُ اِجَتِيَاباً فذاك مُجْتَابُ الْمُ لَمْ يَجْتَبُ لَمْ يُجْتَبُ لَا يَجْتَابُ لَا يُجْتَابُ لَا يُجَتَابُ لَنَ يَجْتَابَ لَنَ يُجْتَابَ الامر منه الْجَتَبُ لِتُجْتَبُ لِيَجْتَبُ لِيُجْتَبُ والنهى عِنه لَا تَجْتَبُ لَا يُجْتَبُ لَا يَجْتَبُ لَا يُجْتَبُ لَا يُجْتَبُ الظرف منه مُجَتَابٌ مُجْتَابَان مُجْتَابَاتُ مُجْتَابَانَ مُجْتَابَاتُ

تعلیلات نواختیات معدراصلی اختیوات تهافیدال اور یاض والا قانون و تیری صورت کے مطابق واؤکویاء سے تبدیل کیا۔

فعل ماضى معروف: راجُتَابَ، اجْتَاباً، اجْتَاباً، اجْتَابُوا، اجْتَابنَتْ ، اجْتَابَتَا، اجْتَبْنَ، إِجْتَبنَتَ ، اجْتَبْتُما، اجْتَبْتُنَ ، اجْتَبْتُ ، اجْتُنْ ، اجْتَبْتُ ، الْجُتَبْتُ ، الْجُتَبْتُ ، اجْتَبْتُ ، الْجُنْ ، الْجُتَبْتُ ، الْجُنْ ، الْجُتَبْتُ ، الْجُتَبْتُ ، الْجُنْ ، الْجُنْبُ ، الْجُتَبْتُ ، الْجُنْبُ ، الْجُ

برايك صيغه مين قَالَ بَاعَ والاقانون عهواوالف كساته تبديل مواب- اصل يون هي اجْتَوب اجْتَوبا إجْتَوبُوا

ا جَنَدُ وَبَثَ المن اور إَجَنَبَ عَ تَرْتَكَ كَتَام صِنول مِن واوالف تَبديل مون ك بعدالقائ ماكنين والا قانون كي تيسري صورت كمطابق الف حذف مواب-

فعل مضارع معروف: يَجْتَابُ يَجْتَابُ يَجْتَابَانِ يَبْخَتَابُونَ تَجْتَابُ تَجْتَابُ وَيُحَتَابُ تَجْتَابُ تَجُتَابُ تَجْتَابُ مَعْرَابُ مَجْتَابُ وَيَحْتَابُنَ اَجْتَابُ مَجْتَابُ مَخْتَابُ مَخْتَابُ مَحْتَابُ مَخْتَابُ مَعْتَابُ مَعْتَابُ مَعْتَابُ مَ

اس گردان كى سار مصيغوں ميں قال كر بساع والا قانون جارى ہوا ہا صل يوں ہے يَسجُنبُو بُ يَبجُنبُو بُسانِ يَسجُنبُو بُسانِ كَردان كى سار عالى ماكنين كيوبہ سے حذف ہوا كي جُنبُو بُون المنح جمع مؤنث كے دونوں صيغوں ميں وادالف سے بدل جانے كے بعدالتقائے ساكنين كيوبہ سے حذف ہوا ہے۔مضارع جمهول كي كردان بھى اس طرح ہے بس اتنافرق ہے كہ جمول ميں حرف مضارع معموم ہے اور معروف ميں مفتوح ۔ مضارع جمول كے برصينہ ميں بھى قال باع والا قانون جارى ہوتا ہے مضارع معلوم كى طرح ۔

فعل جدمعلوم: لَمْ يَجْتَبُ، لَمْ يَجْتَابًا، لَمْ يَجْتَابُوا، لَمْ تَجْتَابًا، لَمْ تَجْتَابًا، لَمْ يَجْتَبُنَ، لَمْ اَجْتَبُنَ، لَمْ اَجْتَبُنَ، لَمْ اَجْتَبُنَ، لَمْ اَجْتَبُنَ، لَمْ اَجْتَبُنَ، لَمْ اَجْتَبُن، لَمْ اَجْتَبُ، لَمْ نَجْتَابًا، لَمْ تَجْتَابًا، لَمْ تَجْتَبُن، لَمْ اَجْتَبُ، لَمْ اَجْتَبُ، لَمْ نَجْتَبُ. لَمْ نَجْتَبُ.

امر حاضر معروف بلاتا كيد الجنت الجنت الجنت البحث البحر الجنت البي الجنت البي الجنت المراس من الجنت الله من الم الجنوب تا قال باع والاقانون عواوالف عتبديل بمواجدًا بنااتقا عاكنين كيوبه سالف مذف بمواباتي صيفول من قال والاقانون كم مطابق واوالف عتبديل بمواجد البند الجنتين من بهى واوالف سي تبديل بموجان كي بعد التقاع ماكنين كيوبه عدف بواجد

امر حاضر معلوم مو كد بنون تاكيد ثقيله: الجتاب إن اجتاب إن اجتاب إن اجتاب إن اجتاب إن اجتاب إن اجتباب المرحاض معلوم موكد بنون تاكيد ثقيله المبل ك فقد كساته لكاديا تو الجتباب بناجوالف التقاع ساكنين كيوجه عند ف بواتفاده دوباره لوث كرآياد (قُدُوكُ من والاقانون سه) كيونكه باء يرفحه آن كي بعد سبب حذف يعن القاع ماكنين باقى نهي رباد

امرحاضرمعلوم مؤكد بنون تاكيد خفيفه الجتابة إجتابن إجتابن

امرحاضر جمهول بلاتا كيد: لِلتَّجْتَبُ لِتَبْجَتَابَا لِتَجْتَابُوا لِتَجْتَابِي لِتَجْتَابَا لِتَجْتَابَا لِتَجَتَبَنَ ـاصل يون فَى لِلتَّجْتَبُ لِلتَّجْتَبُ لِلتَّجْتَبُ لِلتَّجْتَبُ لِلتَّجْتَبُ لِلتَّجْتَبُ اللهُ اللهُ اللهُ عَالَ بَاعَ والاقانون كِمطابق واوالف سے تبدیل ہوا پھر لِلتَّجُتَبُ اور لِیتُجْتَبُن مِن بِالف النائن کیجہ سے مذف ہوا۔

امر حاضر مجهول مؤكد بنون تاكير تقيله: لِتُحَدَّابَ قَ لِيَّ جُدَّابَانِ لِتُحَدَّابُ فَ لِيَّ جَدَّابُ فَ لِيَ لِلْتَجْدَّبُنَانِ . لِلْتَجْدَابُنَ لِيُتَجَدَّابُ فَ لِيَعْدِل عَانُون جَارى بوااس كعلاوه قَالَ بَاع وَالا قانون بهى جارى بوائ كواصل لِلْتُجْدَوبَنَ مَعِد يُرصيغون كَ تعليلات آسان بين معمولي توجكي ضرورت ہے۔

امرغائب معلوم بلاتا كيد: لِيهَ جُتَبُ لِيهَ جُتَابَ الِيهِ جَتَابُ وَالِتَهُ تَبُ لِلْجُتَابُ الِيهِ تَبُنَ لِاجْتَبُ الْمُحَتَّابُ اللَّهِ عَلَى اللَّهِ اللَّهُ الللْمُواللَّهُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللَل

امراوزهی کی باقی تصریفات وتعلیلات ان پر قیاس کرلیں۔

باب مفتم صرف غيرثلاثى مزيد فيراجوف واوى ازباب اِنفِحَال حِون اللهِ نَقِيا مُعَنى تابعدار مونا، رانقاد يَنقاد اِنقِيَاداً فهو مُنقاد لَمْ يَنقد لاينقاد كَن يَنقادا لامر منه اِنقد ، لِيَنقد والنهى عنه لا تَنقد لاينقد الظرف منه مُنقاد مُنقادان مُنقادات

مضارع معلوم: يَنْقَادُ يَنْقَادُ إِنْ يَنْقَادُونَ تَنْقَادُ تَنْقَادُ أَنْ يَنْقَدُنَ الْحُ اصل يَنْقَوِدُ يَنْقَودَ الله اصل يَنْقَودُ يَنْقَودَ الله الله مضارع معلوم: يَنْقَادُ مِنْ الله عَلَى ال

باب مشتم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه اجوف واوى ازباب إستنفِّعال حون الإستيقامة

تجمعنى قائم رهنا ،سيدها بيونا

استَقَامَ يَسْتَقِيمُ اسْتِقَامَةً فهو مُسْتَقِيمٌ وَاسْتَقِيمَ يُسْتَقَامُ السِّيقَامَةُ فذاك مُسْتَقَامُ لُمُ

فعل ماضى معلوم: إستقام إستقاماً إستقاماً إستقاموا إستقامت إستقامتاً إستقامناً إستقمن إستقمت الغيم اكسينديس عيقال يبناع والاقانون جارى بوا باصل يون ب الستقوم استقوماً إستقوماً الشتقوماً الخاور استقام سي حراك كتمام مينون من بقانون يقال يباع واوالف ب بدل جان ك بعدالقاع ماكنين كوجه سي مذف بواع -

فعل ماضى مجهول: أَستَقِيمَ السَّقِيمَ السَّقِيمَ السَّقِيمَ السَّقِيمَ السَّقِيمَةَ السَّقِيمَةَ النَّعَ النَّ اصل يون كل السَّتَ قَيْومَ السَّتَ قُومَا النَّ بقانون يَتَقُولَ يَبِيعُ واوك حركت قاف كودى اور مِيهُ عَادُ والا قانون كَ مطابق واوكوياء سے تبديل كيا اور استَّةُ قِيمَ فَي سَلِيمَ آخِرَتَ كَمَام صِنون مِن الْقاعَ سَاكنين كيوجه سے ياء مذف موكل .

فعل مضارع مجهول: عَسْتَقَامُ يُسْتَقَامُ يُسْتَقَامُونَ مُسْتَقَامُ تُسْتَقَامُ تُسْتَقَامُ لَسُتَقَامُ الخ

برايك صيغه بل يُقال يباع والاقانون جارى بواجاورجع مؤثث كصيخول بل القائد ماكنين والاقانون بمى جارى بوابه والكي صيغه بل القائد مقارع مجهول كيطرح بها وربر مجهول كاتعليات مفارع مجهول كيطرح والمائي بهول كيطرح والمائي المرح المراسم فعلى المرح المراسم فعلى المرح المراسم فعلى المرح المراسم فعلى المحدمعلوم المحمد معلوم المراسم فعلى المحدمعلوم المراسمة في المحدمعلوم المراسمة في المراس

اسم مفعول: مُستَقَامٌ مُستَقَامً مُستَقَامًا لِن مُستَقَامُونَ مُستَقَامَةُ الخ

امرحاض معروف السَّتَقِم السَّتَقِيمَا اسْتَقِيمُوا اسْتَقِيمِي اسْتَقِيمَا اسْتَقِمْنَ .

امر حاضر معروف مو كدبنون تاكيد تقيله إلستَهِ قيدَمَنَّ إلسَّتَ قِيمَانِّ إلسَّتَقِيمَنَّ النِّ آخرَ تك كمل تفريفات ادراكي تعليلات كرليج ً-

باب نهم صرف صغير ثلاثى مزيد فيها جوف واوى ازباب إفْعِيلان حيون ٱلْإنسودَادْ مِعن "كالامونا".

یہ باب اور باب افعیلال دونوں ہمیشہ لازم استعال ہوتے ہیں۔متعدی استعال نہیں ہوتے

فعل ماضى معروف: رايشوَدّ، إِنشوَدّاً، إِنشوَدُوا، اِنشوَدُّتْ، اِنشوَدْتَا، اِنسَوَدُدْنَ، اِنسَوَدَدْتَّ، اِنسَوَدُدْتُّماً، إِنسَوَدَدُتُكُمْ، اِنسَوَدَدْتِتْ، اِنشَوَدُدُتُنَّماً، اِنشَودُدْتُنَّ، اِنسَودَدُتَتُّ، اِنسَودَدُنناً.

السُوَدُ اصل میں اِسُودَدُقا۔ایک جنس کے دور ف جمع ہو گئتو مضاعف کے قانون سے پہلے کوساکن کر کے دوسرے میں مغم کردیااِسْوَدُ آصل میں اِسُودُدُوا قا (وَ عَلَیٰ مِنْمُ کردیااِسْوَدُ آصل میں اِسُودُدُوا قا (وَ عَلَیٰ مِنْمُ کردیااِسْوَدُ آصل میں اِسُودُدُوا قا (وَ عَلَیٰ مَا اَسْمَ وَ اَلَّهُ اللّهِ مَا اِسْمَ مَنْ اِسْدَا اِللّهُ اللّهِ مَا اِسْمَ مَنْ اِسْمَ اِللّهُ اللّهِ مَا اِسْمَ اِللّهُ اللّهِ مَا اللّهُ اللّهِ اللّهُ الللّهُ اللّهُلْمُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّ

کیونکہ متجانسین میں سے جب پہلاحرف متحرک اور دوسراساکن ہوبتو وہاں ادغام نہیں ہوتا اوران سب صیغوں میں ایبا ہی

سوال : ما السود كيس مقال يباع والاقانون كيون جاري نبيس موتا؟

- المسلم
فعل مفارع معروف: يشو ولا أيستولان يستولان من ولان المسولان المسلم المس

يَشَوَدُ اصل مِن يَسْوَدِدُ (بروزن يَفْعَلِن مَ) تَعَا إِنْسُودٌ كَل طرح يهال بهى ادعام بواب جمع مؤنث كعلاوه باقى تمام يغول مِن مَدُوره طريقة برادعام بواب-

اس باب کی تمام گردانیں صحیح کی طرح ہیں۔ (یعنی الحسمة يكشمون كردان كی طرح) حسب سابق يہاں بھی امرنہی اور فعل حجد كے پانچ صيغوں ميں كم يكشمون والا قانون كے مطابق تين صورتيں جائز ہيں۔ يعنی فقہ ، كسر ہ، فك ادغام۔

نوٹ ۔ پانچ صیغوں سے مرادیہ صیغے ہیں(۱) واحد ند کرغائب(۲) واحد مؤنث غائب (۳) واحد ند کر حاضر (۴) واحد متکلم(۵) جمع متکلم ۔

باب دہم صرف صغیر ثلاثی مزید فیه اجوف واوی ازباب اِفَعِید کن نے چوں اَلْا سٹوید اُدیم عن (زیادہ کالا ہونا)۔

راسُوادٌ، يَسُوَادُّ، اِسْوِيْدَاداً، فهو مُسُوادُّ، لَمْ يَسُوَادٌ، لَمْ يَسُوَادٌ ، لَمْ يَسُوَادِدُ، لَا يَسُوادُّ، لَا يَسُوادُّ، لَمْ يَسُوادٌ ، لِيَسُوادُّ، لِيَسُوادُّ، لِيَسُوادُّ، لِيَسُوادُّ، لِيَسُوادُّ، لِيَسُوادُّ، لِيَسُوادُّ، لِيَسُوادُّ، لَا يَسُوادُّ، لَا يَسُوادُ ، لَالْكُولُ ، لَا يَسُولُ ، مُسُوادُ ، الْمُسُوادُ ، مُسُوادُ ، مُسُولُ ، مُسُول

فعل ماضی معروف: واسوَادَّ، اِسْوَادَّا، اِسْوَادَّوْا، اِسْوَادَّتْ واسْوَادَّتْ اِسْوَادَّتْ واسْوَادَدْنَ واسْوَادَدْتْ ،المخ اس باب کی تمام گردان اور تعلیلات بھی اِنحسَسار یک یک مرح ہیں۔مثلًا اِسْوَادُّ اصل میں اِسْوَادَدَ تعا ایک جنس کے دو حرف جمع ہونے کی وجہ سے پہلے حرف کا دوسرے میں ادغام ہوا، ای طرح باتی صیغے بچھ لیں۔ اور جمع مؤنث غائب کے صیغہ سے آخر تک تمام صیغے اپنی اصل پر برقر اربیں۔اور اس باب کے جن جن صیغوں میں ادغام ہوا ہان سب میں التقائے ساکنین علی حدہ ہونے کی وجہ سے دونوں ساکن برقر اربیں (جیسے الشسکو الدیمیں الف اور دال اول) کہ التقائے ساکنین علی حدہ کی تینوں شرائط موجود ہیں۔ پہلا ساکن مدہ ہے دوسرا مدخم سے اور ایک کلمہ میں ہیں۔

فعل مضارع معروف: يستواله يستوالاً يستوالاً إن يستوالون تستواله تستواله تستوالاً تست

باقی ابواب سے اجوف واوی زیادہ مستعمل نہیں ہیں۔

ثلاثی مجرداجوف یائی کے ابواب

باب اول صرف صغير ثلاثى مجردا جوف يائى ازباب ضَمرَبَ يَضْرِبُ چون اللَّبَيْعُ (جمعنى خريد وفروخت كرنا ـ)

بَاعَ يَبِيئُ بَيْعاً فَهو بَائِعٌ وَرِيْعَ يُبَاعُ بَيْعاً فذاك مَبِيْعٌ لَمْ يَبِعْ لَمُ يَبَعْ لَا يَبِيْعُ لَايُبِعُ لَايُبَاعُ لَنَ يَبِيْعَ لَنَ يُبَاعَ الامرمنه بِعُ لِتُبَعْ لِيَبِعُ لِيُبِعُ والنهى عنه لَا تَبِعْ لَاتَبُعُ لَايَبِعُ لَايبع النظر ف منه مَبِيُعٌ والألة منه مِبْيَعٌ وَمِبْيَعَ وَمِبْيَاعٌ وَافعل التفضيل المذكر منه أَبْيَعُ والمؤنث منه بَوْعلى وفعل التعجب منه مَاأَبْيَعَةٌ وَأَبْيِعْ بِهِ وَ بَيْعٌ.

تصريفات و تعليلات :.

فعل ماضى معروف: - بَاعَ، بَاعَا، بَاعُوا، بَاعَتْ ،بَاعَتَا، بِغَنَ، بِعْتَ، بِعْتَمَا، بِعْتُمُ، الخ. تمام صغول من بقانون قَالَ بَاعَ ياء الف كماته تبديل مولى اصل يون ب بَيْعَ بَيْعَابَيَعُوا بيَعَتُ المخاورجَع مؤنث غائب (یعنی بِعُنَ) کے کیرا خرتک کے تمام صیغوں میں قال کاغ والا قانون کے مطابق یا والف سے بدل جانے کے بعد کے بعد التقائے ساکنین کیوجہ سے الف حذف ہوا اور بقانون خے فن بِعن فاع کلمہ (یعنی باء) کو کسرہ دیا گیا۔

ماضی مجہول: بیڈے، بیڈے، بیڈے اور بیٹے اور بیٹے تا، بیٹے تا، بیٹی، بیٹ ایٹے ما، بیٹ ما، بیٹ ما، بیٹ ما، بیٹ ماری صینہ میل مقدل بیٹ والا قانون کے مطابق یاء کی حرکت باء کودی اصل یوں تھی جیئے جیئے جیئے ابیٹے والم جیئے النے اور بیٹی سے آخر تک کے سب صینوں میں یاء کی حرکت ما قبل کودیئے کے بعد یا التقائے ساکنین کیوجہ سے صذف ہوئی۔ ماضی کی گردان میں جی موث ما تا ہے سے معلوم اور مجبول میں صورة ایک جیے ہوتے ہیں۔ جیسے بیٹ نے بیٹ یعد کے النے معلوم میں بھی ہوتے ہیں۔ جیسے بیٹ نے بیٹ ماصل النے معلوم میں بھی ہے اور مجبول میں بھی۔ البتہ اصل کے اعتبار سے ان میں فرق ہوتا ہے۔ کہ ماضی معلوم کی صورت میں اصل بیٹ تن بیٹ تن بیٹ تن بیٹ تن النے اور ماضی مجبول کی صورت میں اصل جیٹے تی جیٹ کے النے ہے۔

ماضی مجہول کی گرادن میں قید ل بین والا قانون کی دوسری صورت کے مطابق یاء کی حرکت حذف کر کے فید و سووالا قانون کے مطابق یاء کو واوے تبدیل کرنے کے بعد یوں پڑھنا بھی جائز ہے جو تحق ، جو تحسا، مجبوع و ، جو تحسن المنے اس صورت میں جمع مؤنث غائب کے صیغہ ہے آخر تک کے سب صیغوں میں واؤالتقائے ساکنین کی وجہ سے حذف ہونے کے بعد فاء کلمہ (یعنی باء) کوکسر و دیا گیا تا کہ اجوف یائی ہونے پر دلالت کرے۔

قعل مضارع معلوم: ـ يَبِيدُمُ ،يَبِيدُ عَسَانِ ، يَبِيدُمُ وَنَ تَبِيدُمُ ،تَبِيدُ عَسَانِ ، يَبِعْنَ ، تَبِيدُمُ ، تَبِيعَانِ ، تَبِيدُمُونَ ، تَبِيْعِيْنَ ، تَبِيدُعَانِ ، تَبِعْنَ ، اَبِيْهُ ، نَبِيهُ مُ

اصل گردان يون فى يَدْيِع يَدِيعَان يَدْيِعُونَ المخ بقانون يَقُولُ يَبِيعُ ياء كركت باء كودى ـ اوريبِعُن تَبِعْنَ مِن اءالتقائ ساكنين كيود سے حذف ہوگی۔

مضارع بجهول: يباع، يباعان، يباعون، تباعرن، تباع، تباعان، يبَعَن، تباع، تباع، تباعون، تباعون، تباعون، تباعون،

ہرا یک صیغہ میں میسی الف الم عنوالا قانون کے مطابق یاء کی حرکت باء کودیے کے بعد یاء الف سے تبدیل ہوئی ہے اور جمع مؤنث کے صیغوں میں سیالف التقائے ساکنین کیوجہ سے حذف ہوا ہے۔

المَ فاعل: ـ بَانِعَ بَانِعَانِ، بَانِعُونَ، بَاعَةً، بَيَاعَ، بَيْعَ أَبُوعَ ،بِيعَا، بوعَان، بِيَاع، بيوع،

ٱبْيَاعٌ، بَانِعَةً، بَانِعَتَانِ، بَانِعَاتُ ، بَوَانِع، بَيْعٌ، بُويِّع، بُويِّع، بُويِّعةً.

سوال مرموعين يقول يبيغ والااور أبياع سيقال يباع والاقانون كول جارى بين موا؟

جواب ۔ان دونوں میں یاءمدہ زائدہ سے پہلے واقع ہے جود یک میں یاء، واویدہ زائدہ سے پہلے ہے اور اَبْیسَاع میں الف مدہ زائدہ سے پہلے ہے۔ جبکہ علاء صرف کے نزدیک قسّال بَاع والا قانون کی طرح ان دونوں میں سے ہرایک قانون کیلئے بھی ایک شرط یہ ہے کہ واواوریاء، مدہ زائدہ سے پہلے واقع نہوں۔

صاحب ارشاد الصرف نے اگر چہ بیشرط ذکر نہیں کی لیکن دیگر علاء صرف اس شرط کی تصریح فرماتے ہیں جیسا کہ صاحب علم الصیغہ نے اسکی وضاحت فرمائی ہے اور احتر ازی مثالوں کے طور پر نَسْمَیدید یک یقید الفاظ ذکر کیئے ہیں جن میں بید دونوں قانون جاری نہیں ہوئے۔

جَوَانِعَ اصل من بَوَايِعَ خَاشَرَافِفَ والاقانون جارى بواب اس كعلاوه ضَوَارِب (مده زائده) والاقانون بمى جارى بوا ادرضَو ارب (مده زائده) والاقانون بمي جارى بواب كدان دونوں من جوداو بيالف مده زائده است بران مده الله عنه من الله عنه الله الله عنه الله ع

مَبِينَة اصل من مَبَيْوع تَمَابِقانون يَقُولُ يَبِينَة ياء كَ رَبَت باء كودى بُم يَبُولُوالا قانون كى دوسرى صورت كے مطابق ياء كے ماتنى ہواياء اور واو كے درميان مطابق ياء كے ماتنى ہواياء اور واو كے درميان التقائے ساكنين والا قانون ميں گذراہے كہ تين صورتوں ميں علاء صرف كا انتلاف ہے كہ پہلے ساكن كو حذف كيا جائے يا دوسرے كو؟

ان میں سے ایک صورت یہی ہے کہ اجوف کا اسم مفعول ہو لہذا اس اختلاف کی بناء پر اگریہاں پہلے ساکن کو حذف کیا جائے تو مَلِد وقع ہے گا پھر بقانون مِلِیہ تعلی اور اور اور اور اور اور اور اس کن حذف کیا جائے تو براہ راست مَلِیدُ تع بن جائے گا۔ یہی تعلیل باقی صیغوں کی ہے۔

مَبَالِيدَة اصل ميس مَبَايِدُم عَ تَعامِيهَ عَادُوالا قانون جارى موا بهاى طرح تفغير كصيغول ميس بهى مِيهُ عَادُ والا قانون جارى موا بهاى طرح تفغير كصيغول ميس بهى مِيهُ عَادُ والا قانون جارى موا بها-

فعل مستقبل معلوم مؤكد بلام تاكيرونون تاكير تقيل: - اَ يَبِيتُ عَنَّ، لَيَبِيتُ عَانِّ، لَيَبِيتُ عُنَّ، لَتَبِيتُ تَنَ، لَتَبِيتُ عَنَّ، لَتَبِيتُ عَنَ

مجهول: لَيُبَاعَنَّ، لَيُبَاعَانِّ، لَيُبَاعُنَّ، لَتُبَاعُنَّ، لَتُبَاعَنَّ، لَتُبَاعَانِّ، لَيْبَعَنَانِّ، لَتُبَاعَنَّ، لَتُبَاعَانِّ، لَلْبَاعَنَّ، لَتُبَاعَنَّ، لَلْبُاعَنَّ، لَلْبُاعَنَّ.

فعل مستقبل معلوم موَ كد بلام تاكيدونون تاكيد خفيف لَيَبِين عَسَى الْيَبِين عُسَى الْتَبِينَ عَنَى الْتَبِينَ عَنَ اللهَ اللهُ
مجهول: لَيْبَاعَنْ، لَيْبَاعُنْ، لَتْبَاعَنْ، لَتْبَاعَنْ، لَتْبَاعُنْ، لَتُبَاعُنْ، لَتَبَاعِنْ، لَأَبَاعَنْ، لَنْبَاعُنْ.

وغيره وغيره ـ

فعل جحدمعلوم: لَمْ يَكِيعُ، لَمْ يَبِينُعَا، لَمْ يَبِينُعُوا، لَمْ تَبِيعُ، لَمْ تَبِينُعَا، لَمْ يَبِعُنَ، لَمْ تَبِيعُ، لَمْ تَبِيْعَا، لَمْ تَبِينُعُوْا، لَمْ تَبِيْعِيْ ،لَمْ تَبِينُعَا، لَمْ تَبِعْنَ، لَمْ اَبِعْ، لَمْ نَبِعْ .

ہر ہرصینہ میں بقانون یَقُول ویکِینے ہے گیا ہی حرکت باءکودیگئ ہے اصل گردان یوں تھی کُٹم یکٹینے کُٹم یکٹینے کا المنے پھر کُٹم یکِینے ، کُٹم تَکِیغ ، کُٹم اَکِیغ ، کُٹم نَکِیغ ، میں التقائے ساکٹین کی وجہ سے یا ءحذف ہوئی اور جمع مؤنث کے سیغوں میں تو لم داخل ہونے سے قبل یا ءحذف ہوئی تھی۔

فعل جحدمجهول: رَمْ يَبْعَ، لَمْ يُبَاعَا، لَمْ يُبَاعُوا، لَمْ تُبَعُمُ تَبَعُهُمْ تَبَعُنَ، لَمْ تُبَعْ، لَمْ تُبَاعَا، لَمْ تُبَاعَا، لَمْ تُبَعُنَ، لَمْ أَبَعُ، لَمْ تُبَعُدُ، لَمْ تُبَعُدُ، لَمْ تُبَعُدُ،

مضارع بمبول کی طرح یہاں بھی ہرایک صیغہ میں بقانون کیقال کیبکاغ میں کلمہ (یعنی یاء) کی حرکت ماقبل کودیکر یاءالف سے تبدیل ہوئی اور پھر کئے گئے گئے گئے گئے گئے گئے گئے گئے میں سالف التقائے ساکنین کی وجہ سے حذف ہوا۔ اور گیکٹن قبکٹن میں قوالف پہلے سے حذف ہوا ہے (یعنی لم، جازم کے دخول سے قبل)

امرحاضرمعروف : يبغ ،بينعا، بينعوا، بينعي ،بينعا، بعن

یکے اصل میں ادبیع تھا یقول کیدیے والا قانون کے مطابق یاء کی حرکت باء کودی توابیدے ہوا، التقائے ساکنین کی وجہ سے یاء حذف ہوا مدف ہوا کے ہوا پھر ہمزہ وصلی والا قانون کے مطابق ہمزہ وصلی اپنے مابعد کے محرک ہونے کی وجہ سے حذف ہوا ، باتی صیغوں کی تعلیل بھی ای طرح ہے البتہ یعنی کے سواء باتی صیغوں میں صرف یاء کی حرکت ماقبل کی طرف نتقل ہوئی ہے ، باتی صیغوں کی تعلیل بھی ہو کی ساتی موثن ہوئی ہے ، موخون ہیں ہوئی۔ کیونکہ ان میں حذف کا سبب (یعنی القائے ساکنین) موجوز ہیں ۔ اس گردان کی تعلیل بول بھی ہو کتی ہے۔ کہ بعثی کی اصل قبیل تعلی ہوئی وجہ سے آخر میں وقف کیا تو بیٹ تھی ہوئی اسی طرح بیٹ تھی اور اسکا مابعد متحرک ہونے کی وجہ سے آخر میں وقف کیا تو بیٹ تھی ان سے اور بیٹ تھی واکو تیب ہوئی اسی طرح بیٹ تھی کی اسی میں وقف کیا تو بیٹ تھی ان سے اور بیٹ تھی واکو تیب ہوئی۔ میں وقف کیا تو بیٹ تھی ان سے اور بیٹ تھی واکو تیب ہوئی سے الخ

امرحاض معلوم مؤكر بنون تاكير تقيله . ينعن ، ينعل ، ينعن ، ينعن ، ينعن ، يعال ، يعنال .

بيت عن كوبع عاسطر تبنايا كمآخر من نون تاكيد تقيله لكاكراس كم ماقبل كو منى برفقه بناديا اورجوياء القائيان

کیوجہ سے حذف ہوئی تھی وہ دوبارہ لوٹ کرآئی۔ (قولن والا قانون کے مطابق) کیونکہ اب سبب جذف (یعنی القائے ساکنین) باتی نہیں رہا۔اسلے کہ بستے میں عین کلم بھی ساکن تھا اور یا بھی تواس بناء پر یاء حذف ہوئی تھی۔ کیکن نون تاکید تقیلہ لگنے کے بعد عین پر حرکت آگن ۔ لہذا سبب حذف یعنی التقائے ساکنین باقی نہیں رہا تو یاء دوبارہ لوٹ کرآئی۔ باقی صیفوں کی تعلیلات واضح میں

امرحاضر معلوم مؤكد بنون تاكيد خفيفه نه بيئعي ، بينغي ، بينعين ، بينعين .

بيعن كقليل بدعي كاطرح اى طرح باقى صغيمه لير

امر حاضر مجهول بلاتاكيد : لِتُبعُ ، لِتُباعَا، لِتُباعُوا، لِتُبَاعِي، لِتُباعَا، لِتُبعُنَ.

لَتُبَعْ اصل من لِتَبْنِيعُ تَصَابَون يُعَالُ يَبَاعُ ياء كَرَّت باء كودين كابعدياء كوالف يتبديل كيار اورالقائ ساكنين كيوبه سالف حذف بواو عللي هذا القياس إللي الخيرم

امرحاضر مجهول مؤكد بنون تاكيد تقيله زيلتُسكاعَتْ، لِتُسكاعَلْ، لِتُسكاعَتْ، لِتُسكاعَتْ، لِتُسكاعِتْ، لِتُسكاعَاتِ، لِتُبعُناَنِ

لِتُنَّبُاعَنَّ كولِلْتُبَعِ سے بنایا آخر میں نون تاكید تقیلہ لگاكراس كے ماقبل كومى برفتح بنادیا اور قُولَ فَيُ والا قانون كے مطابق الف محذوف لوٹ كرآیا كيونكه اب سبب حذف يعني التقائے ساكنين باتى نہيں رہا۔

أمرحاضر مجهول مؤكد بنون تاكيد خفيفه: يلتباعن المتباعر ، يلتباع في التباعث .

امرغائب معروف بلاتا كيد: لِليَبِغَ، لِليَبِيْعَا، لِليَبِيْعُواْ التَبِغَ، لِلتَبِيْعَا، لِليَبِعْنَ الآبِغَ، لِلنَبِعُ-امرغائب معروف موكر بنون تاكيد فقيله: وليكيشعن اليكيشعان، لِيكِيشعان، لِيكِيشعن التَبِيْعَن، لِتَبِيْعَان، لِتَبِيْعَان، لِليَبِيْعَان، لِليَبِيْعَنَ، لِتَبِيْعَان، لِليَبِيْعَان، لِلَيْبِيْعَنَ، لِلتَبِيْعَان، لِلَيْبِيْعَنَ، لِلتَبِيْعَان، لِلْكِيعْنَان، لِأَبِيْعَنَ، لِلنَبِيْعَن، لِللَيْبِيْعَن، لِللَيْبِيْدِيْدُ لَعَن، لِللَيْبِيْدِيْدَ اللهِ اللهُ اللهِ الل

مؤكد بنون تاكيد خفيفه: _ لِيَبِيْعَنْ ،لِيبِيْعُنْ ، لِتَبِيْعَنْ ، لِأَبِيْعَنْ ، لِلْبِيْعَنْ .

لِيَكِينَعَنَّ لِتَبِيْعَنَ اور لِآبِيهُ عَنَّ لِينَبِيعُنَ مِن قَدُلَنَّ والاقانون چلا ہے۔ای طرح لِيكِيهُ عَن لِتَبِيهُ عَنْ لِتَبِيهُ عَنْ لِلَّائِيهُ عَنْ لِلَّائِيهُ عَنْ لِلَّائِيهُ عَنْ لِلَّائِيهُ عَنْ لِلَّائِيةِ عَنْ لِلْكِينَةِ عَنْ لِلْكِينَةِ عَنْ لِلْكِينَةِ عَنْ لِلْكِينَةِ عَنْ لِللَّائِيةِ لَهُ عَنْ لِللَّائِيةِ عَنْ لِللَّائِيةِ لَهُ عَنْ لِللَّائِيةِ لِيَعْمَلُ لِللَّائِيةِ لَهُ عَنْ لِللَّائِيةِ لَهُ عَلَى اللَّائِيةِ لَهُ عَنْ لِللَّائِيةِ لِللَّائِيةِ لِللْلِينَ لِللَّائِيةِ لِللَّائِيةِ لِللْلِينَةِ لِللْلِينَةِ لِللْلِينَ لِللَّائِيةِ لِللْلِينَائِيةِ لَهُ عَلَيْكِينَ لِللْلِينَائِيةِ لِللْلِينَائِيةِ لِللْلِينَائِيةِ لِللْلِينَائِيةِ لَهُ عَلَى لِللْلِينَةُ لِللْلِينَةُ لِللْلِينَائِينَ لِللْلِينَائِيةُ لِللْلِينَائِينَ فِي اللَّلْلِينَائِينَ لِللْلِينَائِينَ لِللْلِينَةِ لِلْلِينَائِينَ فِي لَلْلَائِينَائِينَ فِيلَائِيلِينَ لِينَائِينَ لِينَائِينَ لِينَائِينَ لِينَائِينَ فِي لِينَائِينَ لِينَائِينَ لِينَائِينَ فِي لِلْلِينَائِينَ فِي لِللْلِينَ لِينَائِينَ فِي لِينَائِينَ لِينَائِينَ فِي لِلْلِينَائِينَ فِي لِلْلِينَائِينَ فِي لِللْلِينَائِينَ فِي لِللْلِينَائِينَ فِي لِللْلِينَائِينَ لِللْلِينَائِينَ فِي لِلْلِينَ لِللْلِينَائِينَ فِي لِلْلِينَالِينَ فِي لِللْلِينَ لِللْلِينَائِينَ فِي لِللْلِينَالِينَائِينَ لِللْلِينَائِينَ لِلْلِينَائِينَائِينَائِينَائِينَ لِللْلِينَائِينَائِينَ لِلْلِينَائِينَ لِلْلِينَائِينَ لِينَائِينَائِينَ لِينَائِينَالِينَائِينَ لِلْلِينَائِينَ لِلْلِينَائِينَائِينَ لِلْلِينَائِينَ لِلْلِينَائِينَ لِينَائِينَائِينَ لِلْلِينَائِينَ لِينَائِينَ لِلْلِينَائِينَ لِلْلِينَائِينَائِلِينَائِينَائِينَ لِينَائِينَائِلِينَائِلِينَائِلِينَائِينَ لِلْلِينَائِلِينَ لِلْلِينَائِينَ لِلْلِينَائِينَ لِلْلِينَائِينَ لِلْلِينَائِينَ لِلْلِينَائِينَ لِلْلِينَائِينَ لِلْلِينَائِينَائِينَ لِلْلِينَائِينَ لِلْلِينَائِينَ لِلْلِينَائِينَ لِلْلِينَائِلِينَائِينَ لِلْلِينَ

امرغائب مجهول بلاتا كيد: _لِيُبَعِّ، لِيمُناعًا ،لِيُبَاعُوْا، لِتُبَعِّ، لِتُبَاعًا، لِيُبَعُنَ، لِأَبَعْ ،لِنُبَعُ نهى حاضر معلوم بلاتا كيد: _ لاتَبِعْ، لاتَبِيْعًا ،لاتَبِيْعُوّا، لاتَبِيْعِيْ ،لاتَبِيْعًا، لاتَبِعْنَ. نهى غائب معروف بلاتا كيد: _ لا يَبِعْ، لا يَبِيْعًا ،لايَبِيْعُوْا، لاتَبِعْ، لا تَبِيْعَا لا يَبِعْنَ لا أَبِعْ لانَبِعْ فعل نهى مُبول اوموَ كدبؤن تاكيد ثقيله وخفيفه كي روان امركي روانوں پرقاس كرليں _

اسم ظرف: ـ مَدِيْع، مَدِيْعان ،مَبَايِع، مُبَيِّع.

مَبِينَةً اصل مين مَبْيِعُ هَا يَقُولُ يَبِيعُ والا قانون جارى موا-اسم معول بهى مَبِيعُ عَلَيْنَ اسكى اصل مَبْيُوعُ عَ جَالَ تعليل لذريكى بهدا . حَلَى تعليل لذريكى بهدا .

اسم آله صغرى: مِهْ يَعَ مُهُ يَعَان، مَهَايِعُ ، مُبَيِّعُ اسم آله وَ طَى مِبْيَعَةٌ مِنْ يَعَتَانِ مَبَايِعُ مُبَيِّعَةً اسم آله كبرى: مِبْيَاعُ، مِبْيَاعَانِ، مَبَايِيعُ، مُبَيِّيعُ

اسم تفضيل مذكر: - أبْيَعُ ، أبْيَعَان ، أبْيَعُونَ ، أبايع ، أبيّع .

اسم تفضيل مؤنث: ـ بموعلى بوعيان بوعيات بيع بييعلى ـ

بہلے تین صیغوں میں مرد سرموالا قانون کی بہلی صورت کے مطابق یاءواوے تبدیل ہوئی اصل مجدمی بیعنی است

مصنف ناس باب ك بعد باب دوم كاجو الدُّعُيَّطُ معدر ذكر كيا به يهى اى ضَعرب يعضوب سب بهاع يَبِينَع كَ طرح المنذا، اكَى تمام رَّر دانيس بَاعَ يَبِينَع كَ طرح بير عِي عَاطَ، يَغِيْطُ ، غَيْطاً، فهو غَائط، و غِيْط، يُغَاط، غَيْطً، فذاك مَغِيْط، لَمْ يَغِط، لَمْ يُغَطْ، لَا يَغِيْط، لَا يُغِيْط، لَا يُغَاط، لَنْ يَّغِيْط، النَّ يُغَاط، الله و الامر منه غِط، لِيَغِطْ، لِيغُط، النخ.

بعض حفزات اسكو نَصَعرَ يَنْصَعُوكُا بِ بَجَهَرَ قَالَ يَقُولُ مَ عَطرز پِ اكَلَّروان كريلتے بين جيے غَاطَ يَغُوطُ النح (ثاير معن كاخيال بى بى بوور نداجوف يائى ضَدَرَبَ يَدَضُورَ بُ سے قباع يَبِينُعُ وَكركيا ہے قو پُراى باب سے ايك اور اجوف يائى غَاطَ يَغِينُطُ كوذ كركرنے كى كياضرورت قى) لین حققت بہ کہ اَلْغیط صَرَب ہے نصر ہے بیں ہے کوئدا جون یائی نصر ینصور ہے بیں آنا۔ جیا کہ صاحب شافیہ نے اسکی تصری فرمائی ہے، باقی کلام عرب میں نصر ینصر سے بھی عَاطَ یَغُوطُ آیا ہے لین وہ اجوف واوی ہے اجوف یائی نہیں اسکام صدر عَوط ہے غیر اُنسی سادہ الگ ہے شاید ہی سے فلط نہی ہوئی کہ غاط یعوط کا مادہ بھی عَدِظ مجھ لیا گیا ہے اور کہا گیا کہ اَلْغیط نصر سے ہے مالانکہ عَاطَ یَغُوط جو نصر ینصر و سے ہاسکام صدر النّفوط ہے اور النّفیط صَرَب یَضرب ہے ہے جے عَاطَ یَغِیطُ عَیْطاً النے۔

اس باب کے بعد باب سوم کے تحت جو اَلْسِطِیْدہ مصدر مذکورہے یہ بھی اجوف یائی ضسر ب یک سے براع کے ہے جباع کے میں کا میں میں میں کا میں میں کا میں کے تو اس کے کا میں کا میں کا میں کا میں کو اس کی کا میں کا می

صرف صغير يول ہے۔

طَابَ، يَطِيبُ ،طِيبًا ،فهو طَيِبٌ ،كُم يَطِبُ ، لَا يَطِيبُ ، لَنَ يَطِيبُ ، لَنَ يَطِيبُ ،الامر منه طِبُ لِيطبَ ، والمنهى عنه ، لا تَطبب ، لا يَطبب ، الظرف منه ، مَطِيب ، والله منه مِطُيب الخ،مثل بَاعَ يَبِيعُ مِ

بعض حفرات کاخیال یہ ہے کہ اَلطِیْن سَمِع یستمع مے ہے کی حقیقت یہ ہے کہ اَلطِیْن ضَرب یَضُرِب یَضُرِب یَضُرب ک سے ہے کیونکداس کامضار عیکطیٹ استعال ہوتا ہے اگر سَمِع سے ہوتا تومضار عیکط اب ہوتا۔اسکاضسر بَ یَضْہر بِ سے ہونے کی تقریح کتب لغت میں موجود ہے۔

اعتراض : جبطاب يطييب ضرب يضرب يضرب عندي المراس علم من المراس علام الله علم الله علم الله علم الله علم الله الم

جواب - ضَسَرَبَ يَضْرِبُ عَصْرِبُ عَصْفَ مَهِ كَا آناكُونَ مَنوعَ وَنَهِ مَهِ اوربات عِكَ آپ عَلَم مِن نه وه و يَصَ حَلِيلِ مَن مَن الْحَدَالِ عَلَم مِن نه وه و يَصَ حَلِيلِ مَن مَن مَن الْحَدَالِ حَدَدٌ مِن مَن مَن مَن مَن الْحَدَالِ حَدَدٌ مِن الْحَدَةِ اللّهَ الْحَدَدُةِ الْحَدَدُةِ الْحَدَدُةِ الْحَدَدُةُ الْحَدُدُةُ الْحَدُدُةُ الْحَدُدُةُ الْحَدُدُةُ الْحَدُدُةُ الْحَدُدُةُ الْحَدَدُةُ الْحَدَدُةُ الْحَدَدُةُ الْحَدُةُ الْحَدَدُةُ الْحَدَدُةُ الْحَدَدُةُ الْحَدَدُةُ الْحَدَدُةُ الْحَدُدُةُ الْحَدَدُةُ الْحَدَدُةُ الْحَدُدُةُ الْحَدُدُةُ الْحَدُدُةُ الْحَدُدُةُ الْحَدْدُةُ الْحَدْدُةُ الْحَدَدُةُ الْحَدُودُ الْحَدُدُةُ الْحَدُودُ الْحَدُدُةُ الْحَدُدُةُ الْحَدُدُةُ الْحَدُودُ الْحَادُ الْحَدُودُ الْحَدُودُ الْحَدُودُ الْحَدُودُ الْحَدُودُ الْحَادُ الْحَدُودُ
اى طرح بسلير، حطم ، عفور ، يسب مفت مد ك صيغ بين اور صدرت يك يضرب سع بين البتاتي بات

ضرور ہے کہ صفت مشہ زیادہ ترباب کرمم سے اور اسکے بعد باب تسمِع ینصنو سیے آتی ہے صَدَ ب سے صفت مشبہ قلیل الاستعال ہے۔

تنبیہ نے ثلاثی مجرداجوف مائی کے دیگر ابواب

(۱) اجوف يأن انسمِع يَسُمَعُ جِي اَلنَّيُلُ (عاصل مَ) نَالَ، يَنَالُ، نَيُلًا ، فهو نَافِلْ، وَنِيُلَ، يُنَالُ، نَيُلًا ، فهو نَافِلْ، وَنِيُلَ، يُنَالُ، لَنَ يَّنَالَ، لَنَ يَّنَالَ ، الامر منه نَلْ، لَتُنَدَّرُ ، فذاك مَنِيْلُ ، لَمُ يَنَلُ ، لَمَ يَنَلُ ، لَا يَنَالُ ، لَنَ يَنَالَ ، المَر منه نَلْ، لِتُنَلَ ، لِيَنَلُ ، لِينَلُ ، المطرف منه مَنَالُ وَلَتُنَلَ ، لِينَدُن المطرف منه مَنَالُ وَلَتُنَلَ ، لِينَدُن المطرف منه مَنَالُ وَلَتُنَل ، لِينَدُن المطرف منه مَنَالُ وَالله منه مِنْيَلُ المطرف منه مَنَالُ والله منه مِنيَلُ المخر (۲) اجوف يأن ازفَتَح جِي شَاء يَشَاءُ مَشِيئَةً فهو شَاءِ المخيم ورَالا م جي عَدِن يَعْيَنُ والله منه مِنْ يَكُون يأن المخر (۳) اجوف يأن ازضَر بَجِي زَادَ يَرِيدُ ويَكُون يَكُون يأن ويُراز سَمِع جِي عَيِنَ يَعْيَنُ وَيُكَنَّ المَخ عَيْنَ يَعْيَنُ وَيُكُون يَكُون يأن وَنَالَ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى المُنْ المُن مَنْ يَعْيَن يَعْيَنُ وَيُكُون يأن المُن مِنْ عَنِي وَيَدَنَ اللهُ عَلَى المُن المُن مَنْ يَعْيَن يَعْيَنُ وَيُكُونُ المُن مِنْ المُن مِنْ مِنْ يَعْيَن يَعْيَن مِنْ اللهُ عَلَى المُنْ المُن مَنْ يَعْيَن يَعْيَن مُنْ المُنْ مِنْ المُنْ مِنْ المُنْ مَنْ مُنْ يُنْ وَلَالِهُ عَلَى المُنْ المُنْ مَنْ مِنْ يَعْيَن مِنْ اللهُ عَلَى المُنْ مَنْ مَنْ يُلُ المُنْ المُنْ مَنْ يَعْيَنَ المُنْ الْمُنْ مِنْ يَعْيَنُ المُنْ المُنْ مُنْ المُنْ المُنْ المُنْ المُنْ المُنْ المُنْ مُنْ المُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ المُنْ المُن المُن المُنْ المُن المُنْ
اجوف یائی ثلاثی مزید فیہ کے ابواب

باب اول صرف صغر ثلاثى مزيد في اجوف يائى ازباب إِفْعَالَ چون اَلْاطَارَةُ بَعَى (ارُانا-) اَطَّارَ، يُطِينُو، اِطَارَةً، فهو مُطِينَرٌ، وَ اُطِينَ، يُطَارُ واطَارَةً، فذاك مُطَارَّ، لَمُ يُطِرُ، لَمُ يُطَرُ، كَيْطِينَ ، لَا يُطَارُ، لَنَ يُّطِينُ ، لَنَ يُّطَارَ ، الامر منه اَطِرْ، لِتُطُرْ، لِيُطِرْ، لِيُطَرْ، والنهى عنه لَا تُطِرْ، لَا تُطَرِّ، لَا يُطِرْ، لَا يُطُرُ، الظرف منه مُطَارً، مُطَارَانِ ، مُطَارَاتُ .

اَشَارَة مصدراصل میں اِطْبِیَارُضا۔ بینکال بیباع واالاقانون کے مطابق یاء کی حرکت طاء کودیکر یاء کوالف سے تبدیل کیا تو التقائے مصدراصل میں اِطْبِیَنَ الْاکِفیَیْنَ ۔ پہلے یا دوسرے الف کوحذف کیا (عَلَی اِخْتِلاَفِ الْتَقُولْلَیْنِ) اور اِقَامَة والا قانون کے مطابق الف محذوف کے وض آخر میں تائے متحرکہ لے آئے۔

قانون کے مطابق الف محذوف کے وض آخر میں تائے متحرکہ لے آئے۔

فعل ماننی معروف: -اَطَارَ، اَطَاراً، اَطَاراً، اَطَاراً، اَطَاراً، اَطَارَتَ، اَطَارَتَ، اَطَارَتَ، اَطَارَتَ، اَطَرَتَ، اَطَرَتَ، اَطَرَتَ، اَطَرَتَ، اَطَرَتَ، اَطَرَتَ، اَطَرَتَ، اَطَرَتَ اَطَرَتَ، اَطَرَتَ، اَطَرَتَ مَامِعِوں مِن يَقَانُون جَارى مواجَ اَطَارَ بن مَيا - آخرتك تمام صيغوں مِن يَقَانُون جَارى مواجِ اور اَطَرَتَ اَعْلَى اَطَرَقَا عَالَيْن والا قانُون كَمِطَابِق الفَ حذف مواد

فعل ماضى مجهول: أكليدًر ، أطيدًرا ، أطيدُول ، أطيدَرَت ، أطيدَرَت ، أطيدَرَتا ، أطيرَن ، الن اصل أطير ، أطيراً ، المن عيدة ول يَبِيدُعُ والا قانون جارى موا-

فعل مضارع معلوم: _يطيدو يطير أن يطير أن يطير و تطير و تطير الم يطرون يطون تطير تطير ان تطير و تا الله على الله الله على الله الله الله تعليم و
فعل مضارع مجول: يَطِيَارُ، يُطِيَارُانِ، يَطِيَارُونِ، يَطَارُونَ، تُطَارُ تَطَارُانِ، يُطِيرُنَ، تُطَارُ، تَطَارَانِ، تُطَارُ، تُطَارُ، ثَطَارُ -تُطَارُونَ ، تُطَارِيْنَ، تُطَارَانِ ، تُطَرِّنُ، اُطَارُ، ثُطَارُ -

یے الح بیاع والا قانون کے مطابق تمام صیغوں میں یاء کی حرکت ماقبل کودیکر یاء کوالف سے تبدیل کیا گیا اور جمع مؤنث کے صیغوں میں سے الف القائے ساکنین کیوجہ سے حذف ہوا۔

اسم فاعل: مُطِيرٌ مُطِيرَانِ مُطِيرُونَ مُطِيرةً، مُطِيرَتَانِ ،مُطِيرَاتَ.

اسم مفعول: مطارع مطاران، مطارون إلخ

امرحاضرمعلوم: أطِوْ، أطِيْرا، أطِيرُوْ، أطِيرِي، أَطِيرًا، أطِيرًا، أطِيرًا.

امرحاضرمعلوم مو كدبنون تاكيد تقيله - أطِيْرَنَّ، أطِيْرَانِّ، أطِيْرُنَّ، أطِيْرِنَّ ، أطِيْرَانِّ، اطْرُنَانِّ الطِيْرَانِّ ، أطِيْرُنَانِ الطِيْرَانِ ، أطِيْرُنَانِ الطِيْرَانِ ، أطِيْرُنَانِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ هُ اللهُ ا

باب دوم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه اجوف يائى ازباب تَفْعِينَلَ چون اَلتَّطْيديَتُ بمعنى (خوشبولگانا)

طَيَّبَ، يُطَيِّبُ، تَطْيِيباً، فهو مُطَيِّبُ، وَطَيِّبَ ، يُطَيَّبُ ، تَطْيِيباً، فذاك مُطَيَّبُ،

لَمْ يُطَيِّبُ، لَمْ يُطَيِّبُ، الْأَيُطَيِّبُ، الْآيُطَيِّبُ، اللهُ يُطَيِّبُ، لَنْ يُطَيِّبُ، الرَّيْطَيِّبَ، الأمر منه طَيِّبُ لِتُطَيِّبُ، المُطَيِّبُ، لِيُطَيِّبُ، والنهى عنه لا تُطَيِّبُ، الا تُطَيِّبُ، الا يُطَيِّبُ، الا يُطَيِّبُ، الا يُطَيِّبُ، اللهُ الطرف منه مُطَيِّبُ، مُطَيِّبًان، مُطَيِّبًاتُهُ

اسکی تمام گردان سیح کے طرز پر ہیں۔ اجوف کا کوئی قانون ان میں جاری نہیں ہوتا۔

سوال : تطبيب مصدرين يقول يبيد والاقانون كول جارى بيس بوتا؟

جواب اس كفعل ماضى طَينب معلل نهيں يعنى آئميں ياء پركوئى قانون جارى نهيں ہوا، جبكه يعقول يكيد مع والا قانون ميں ية شرط ہے كفعل ماضى ميں تعليل مو چى ہو۔

باب سوم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه اجوف يائى ازباب مكفا عكلة چون اَلْمُعبَايَعَة معنى (باجم خريدو فروخت كرنايا آپس ميس عهدو پيان كرنا)

سَايَعَ، يُبَايِعُ، مُبَايَعَة، فَهِ مُبَايِعُ، وَ بُويِعَ، يُبَايَعُ، مُبَايَعَةً ، فَذَاك مُبَايَعٌ، لَمُ يُبَايِعُ، لَمْ يُبَايِعُ، لَمْ يُبَايِعُ، لَا يُبَايِعُ، لَا يَبَايِعُ، لَا يَبَايِعُ، لِلْيُبَايِعُ، لَلْيُبَايِعُ، والنهى الأيبايعُ، لَا يُبَايِعُ، لَا يُبَايِعُ، لَا يُبَايِعُ، الظرف منه ، مُبَايَعُ، مُبَايِعُ، لَا يُبَايِعُ، لَا يُبَايِعُ، الظرف منه ، مُبَايَعُ، مُبَايِعُ اللهُ عَاتُ لَا يَبَايِعُ اللهُ ا

سوال: _ بَايعَ ميس قَالَ بَاع والاقانون كيون جاري نبين موا_

جواب نه بہاں یاء کا ماقبل مفوح نہیں ہے جبکہ قانون میں واواور یاء کا ماقبل مفتوح ہونا شرط ہے۔

سوال فيكايع مين يقول يبيغ والاقانون جاري كيون بين موا

جواب ۔اس کافعل ماضی ملل نہیں ہے بلک تعلیل سے سالم ہے۔

باب چهارم صرف صغير ثلاثي مزيد فيه اجوف يا كار باب تفعل چون التَّحَيُّرُ

جمعنی (حیرت ز ده ہونا)

تَحَيَّرَ، بَذَ حَبَّرَ، تَحَيَّرً فهو مُتَحَيِّرٌ، وَتَحَيِّرٌ، وَتَحَيِّرُ، يَتَحَيَّرُ، تَحَيَّرُ أَهٰذاك مُتَحَيَّرُ لَمُ يَتَحَيَّرُ لَمُ يَتَحَيَّرُ، لَتَ يَتَحَيَّرُ، لَا مَر منه، تَحَيَّرُ، لِلْتَعَيَّرُ، الامر منه، تَحَيَّرُ، لِلْتَعَيَّرُ، الامر منه، تَحَيَّرُ، لِلْتَعَيَّرُ، الامر منه، لَعَيَّرُ، الظرف منه، لِيَتَحَيَّرُ، الاَ يَتَحَيَّرُ ، الْاَ يَتَحَيَّرُ ، الْاَ يَتَحَيَّرُ ، الظرف منه، مُتَحَيِّرُ ، الظرف منه، مُتَحَيِّرُ ، الطرف منه، مُتَحَيِّرُ ، الطرف منه، مُتَحَيِّرُ ، الطرف منه، مُتَحَيِّرُ اللهُ عَلَى الصَّعِيْحِ ايَضاً.

باب پنجم صرف صغر ثلاثى مزيد فيه اجوف يائى ازباب تَفاعُلُ جون اَلمَّتَزَايدُ

مجمعنی (ایک دوسرے سے بڑھ کر بولی دینا)

اس کی بھی تمام گردانیں قضارت یقضارت کی طرح ہیں چونکہ فاع کمدزاء ہے البذا ہرایک صیغہ میں خصّم کظّم والا قانون کی دوسری صورت جاری ہو کتی ہے پس تَزَاید کسی اِزَّاید ، تُزُوید میں اُزُوید اور یَتَزَاید میں یَزَاید پر صنا جائز ہے۔

ای طریقه پردوسرے صیغے قیاس کرلیں۔

باب ششم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه اجوف يائى ازباب اِلْمَتِعَالَ چون اَلْإِلْمُتِيكَا وَبَمِعَى (پندكرنامنت باب المُتَعِمَّ عَلَى اللهُ
إِخْتَار، يَخْتَار، إِخْتِياراً، فِهِ و مُخْتَار، وَأُخْتِير، يُخْتَارُ إِخْتِيَاراً، فذاك مُخْتَار، لَمْ يَخْتَر، لَحَ يُخْتَر، لَا مُ مَخْتَار، لَا يَخْتَر، لِا يَخْتَر، لِيَخْتَر، لِيَخْتَر، لِيَخْتَر، لِيَخْتَر، والمنهى عنه، لا تَخْتَر، لا تُخْتَر، لا يَخْتَر، لا يُخْتَر، الظرف منه، مُخْتَار مُخْتَار، والمنهى عنه، لا تَخْتَر، لا يُخْتَر، لا يَخْتَر، الظرف منه، مُخْتَار مُخْتَاران ، مُخْتَاران ، مُخْتَارات ، مُنْتَارات ، مُخْتَارات ، مُخْت

فعل ماضى معلوم: - اخْتَارَ، إِخْتَارَاءِ اخْتَارُوا، إِخْتَارَتَ، اِخْتَارَتَا، اِخْتَرْنَ، اِخْتَرْتَ، اِخْتَرتَما، النخ

اصل الخنكير ، الخنكير أ، الخنكير وأ ، المنع ، ب بقانون قال باع ياء الف سة تبديل بوكل اور پھر الخنكر ن ساتر خر تك كتمام صيغول ميں بيالف التقائے ساكنين كيوجہ سے حذف ہوا۔

فعل ماضى مجهول: أختِير، اختِيرا، اختِيروا، اختِيرت ، اختِيرتا، اختِرن ، الخ.

فعل مضارع معلوم: يَنْخَتَارُ، يَخْتَارَانِ ،يَخْتَارُونَ، تَخْتَارُ، تَخْتَارُ، تَخْتَارُ وَنَ، تَخْتَارُ، تَخْتَارُنَ ،تَخْتَارُ، تَخْتَارُنَ ،تَخْتَارُنَ ،تَخْتَارُنَ ،تَخْتَارُنَ ،تَخْتَارُ، نَخْتَارُ.

برایک صیفی قال باع والاقانون کے مطابق یاءالف سے تبدیل ہوئی اصل یوں ہے یک خَتَدِ وَ یک خَتَدِ رَانِ یَخْتَدِرُونَ الْمَحْ اور یَخْتَرُنَ تَحْتَرُنَ مِی الف التقائے ساکنین کیوجہ سے حذف ہوا۔

فعل جحد معلوم: لَمْ يَخْتَرُ، لَمْ يَخْتَارًا، لَمْ يَخْتَارُوا، لَمْ تَخْتَرُ ، لَمْ تَخْتَارًا ، لَمْ يَخْتَرُ أَلَا الله لَمْ يَخْتَرُ اصل مِن لَمْ يَخْتَيِرْ هَا قَالَ بِأَعَ والاقانون كِمطابق ياءالف سے تبديل ہو لَى تولَمْ يَخْتَارُ ہوا پھرالف القاعُ سائنین كيوبہ سے حذف ہوا، بعید يہى تعلیل لَمْ تَخْتَرُ ، لَمْ أَخْتَرُ ، لَمْ نَخْتَرُ ، كَى ہے۔

امرحاضرمعلوم: - إختر ، إختارا ، إختار وا اختارى ، إختارا ، إخترن .

الْحُتُرُ اصل مِن اِخْتَيِرْ تَعَالَمْ يَخْتُرُ كَاطِرَ تَعَلَيل مِولَى إِد

امرحاضر معلوم مو كد بنون تاكيد فقيله الختاريّ ، اختاريّ ، اختاريّ ، اختاريّ ، اختاريّ ، اختارايّ ، اختارايّ ، اختاريّ اختاريّ اخترنايّ . اختاريّ اختريايّ اختريايّ اختري اختري الختريّ بنا ، جوالف اختر مين القائ ماكنين يوجه عن مذف بالمقاف الفي المقاف الفي الماليّ والماليّ والماليّ وواره لوث كرآيا يونكه اب سبب حذف بالى نبي مرا الماليّ والماليّ و

باب بفتم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه اجوف يائى ازباب اِتَفِعَالُ چون اَلْإِنْقِيَا اَسْ بَعْنَ (اندازه بونا) اِنسَقَاسَ، يَنْقَاسَ، لَنْ يَنْقَاسَ، الامر منه إِنْقَسَ لِلسَفَاسَ، يَنْقَاسَ، لَنْ يَنْقَاسَ، الامر منه إِنْقَسَ وَلِينُقَسَ، والنهى عنه ، لا تَنْقَسَ، لا يَنْقَسَ، الظرف منه، مُنْقَاسَ ، مُنْقَاسَانِ ، مُنْقَاسَاتَ ولينُقَسَ، والنهى عنه ، لا تَنْقَسَ، لا يَنْقَسَ، الظرف منه، مُنْقَاسَتَ، مُنْقَاسَانِ ، مُنْقَاسَانِ ، مُنْقَاسَانَ الخ . فعل ماضى معلوم - إِنْقَاسَ ، إِنْقَاسَ النَّقَاسَ وَالنَّقَاسَ وَالنَّمَ وَالنَّالَ وَلَا مِلْ مَا عَلَى النَّقَاسَ وَالنَّقَاسَ وَالنَّقَاسُ وَالنَّعَالَ وَالنَّالَ وَالنَّقَاسُ وَالنَّقَاسُ وَالنَّقَاسُ وَالنَّالَ وَالنَّقَاسُ وَالنَّهُ وَالنَّالَ وَالنَّقَاسُ وَالنَّالَ وَالنَّقَاسُ وَالنَّهُ وَالنَّالُ وَالنَّالُ وَالنَّالَ وَالنَّالَ وَالنَّالُ وَالنَّالَ وَالنَّهُ وَالنَّالُ وَالنَّالُ وَالنَّالَ وَالنَّالَ وَالنَّالَ وَالنَّالَ وَالنَّالَ وَالنَّالَ وَالنَّالَ وَالنَّالُ وَالنَّالُ وَالنَّالُ وَالنَّالُ وَالْمُعَالَى الْقَاسَلَ وَالنَّالَ وَالنَّالُولُ وَالنَّالِ وَالنَّالُولُ وَالنَّالِ وَالنَّالَ وَالنَّالُولُ وَالنَّالُولُ وَالنَّالَ وَالنَّالِ وَالنَّالُولُ وَالنَّالِ وَالنَّالِ وَالنَّالِ وَالنَّالِ وَالنَّالُولُ وَالنَّالِ وَالنَّالُولُ وَالنَّالِ وَالنَّالُ وَالنَّالُولُ وَالنَّالِ وَالنَّالُولُ وَالنَّالُولُ وَالنَّالَ وَالنَّالَ وَالنَّالُولُ وَالنَّالَ وَالنَّالَ وَالنَّالَ وَالنَّالَ وَالنَّالَ وَالْمُعَالَ ُ وَالْمُعَالِمُ وَالْ

مضارع معلوم: - يَـنـُـقَـاسُ، يـَنـُـقَـاسَـانِ، يَنقَاسُوْنَ، تَنقَاسُ، تَنقَاسَ، تَنقَاسَانِ، يَنقَسُنَ، تَنقَاسُ، تَنقَاسُ

اصل یک نیقید میں یک نیفیکسکان المنے ہے،ای طرح ہر گردان کے ہرایک صیغہ میں قَالَ بَاعَ والا قانون کے مطابق یاءالف سے تبدیل ہوگئ ہے اور بعض جگہوں میں پھراکتا کے ساکنین کیوجہ سے بیالف حذف ہوا ہے۔

فعل جحد معلوم: - لَمْ يَنْقَسُ ، لَمْ يَنْقَاسَا ، لَمْ يَنْقَاسُوا ، لَمْ تَنْقَسُ ، لَمْ تَنْقَاسَا ، لَمْ يَنْقَسُنَ ، الخ اسم فاعل : - مُنْقَاسُ ، مُنْقَاسَانِ ، مُنْقَاسُونَ ، الخ

ماضرمعلوم: _ إنْقَسُ إنْقَاسَا إنْقَاسُوْا إنْقَاسِي الخ

جمعنی (فائدہ حاصل کرنا)

السَّتَفَاد، يَسْتَفِيدُ أَ السَّتِفَادَة، فهو مُسْتَفِيْد، وُاسْتَفِيْد، يُسْتَفَاد، السَّتِفَادة، فذاك مُسْتَفَاد، لَ سُتَفَاد، لَ سُتَفَاد، الأمر منه، السَّتَفِدُ لَمَ يَسْتَفَد، لَنَ يُسْتَفَد، لَا يَسْتَفِدُ السَّتَفِدُ اللَّهُ يَسْتَفِدُ، لَا يَسْتَفَد، لَا يَسْتَفِدُ، لَا يُسْتَفِدُ، لَا يُسْتَفِدُ، لَا يُسْتَفِدُ، لَا يَسْتَفِدُ، لَا يَسْتَفِدُ، لَا يَسْتَفِدُ، لَا يُسْتَفِدُ، لَا يُسْتَفَدُ، لَا يُسْتَفِدُ، لَا يُسْتَفِدُ، لَا يُسْتَفَدُهُ، لَا يُسْتَفِدُ، لَا يُسْتَفِدُ، لَا يُسْتَفِدُ، لَا يُسْتَفِدُ، لَا يُسْتَفِدُ، لَا يُسْتَفَدُهُ مُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّالِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّالِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللّلْكُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ ال

استفادة الم من استفياد قااك تعليل استفامة كالمرح -

قعل ماضى معلوم: _ الشَّدَ فَادَ، الشَّدَ فَادَا، الشَّدَ فَادُوْا، الشَّدَفَادَتْ، الشَّدَفَادَتَا، السَّدَفَدُتَ، السَّدَفَدُتَ، السَّدَفَدُتَ، السَّدَفَدُتَ، السَّدَفَدُتَ، السَّدَفَدُتَ، السَّدَفَدُتَ، السَّدَفَدَتَ، السَّدَفَدَتَ، السَّدَفَدَتَ، السَّدَفَدَتَ، السَّدَفَدَتَ، السَّدَفَدَتَ، السَّدَفَدَتَ، السَّدَفَدُتَ، السَّدَفَدَتَ، السَّدَفَدَتَ، السَّدَفَدَتَ، السَّدَفَدَتَ، السَّدَفَدَتَ، السَّدَفَدَ السَّدَفَدَدَ السَّدَفَدَدَ السَّدَفَدَ السَّدَفَدَ السَّدَفَدَتَ، السَّدَفَدُتَ، السَّدَفَدَتَ، السَّدَفَدَتَ السَّدَفَدَةُ السَّدَانِ السَّدَفَدَةُ السَّدَفَدَةُ السَّدَفَةُ السَّدَانَةُ السَّدَةُ السَّدَانَةُ السَّدَانَةُ السَّدَانِ السَّدَانَةُ السَّدَةُ السَّدَانَةُ السَّدَانَةُ السَّدَانِ السَّدَانِ السَّدَانِ اللَّهُ السَّدَانِ السَّالَةُ السَّدَانِ السَّلْمَانِ السَّلْمَ السَّلْمَانِ السَّلْمَانِ السَّلْمَانِ السَّلْمَانِ السَّلْمَانِ السَّلْمَ السَّلْمَ السَّلْمَانِ السَّلْمَانِ السَّلْمَ السَّلْمَانِ السّ

فعل ماضى مجهول - أُسُتَّتُ فِيدَة ، أُسُتَّفِيدَة ا أُسَتَّفِيدُوا ، أُسَتَّفِيدَت ، أُسُتَّفِيدَة ا أُسُتَّفِدُن ، المخ ، مرايك صيغه من يَقُولُ يَبِينُعُ والا قانون جارى مواج ، اصل يون في أُسُتَّفِيدَ ، أُسُتَّفْيدَا ، المخ ،

فعل مضارع معلوم: يَسْتَفِيْدُ يَسْتَفِيْدُ اللهُ يَسْتَفِيْدَانِ يَسْتَفِيْدُونَ، تَسْتَفِيْدُ، تَسْتَفِيْدَان، يَسْتَفِدُنَ، المخ، المخ، الصل يولُّ يَسْتَفَيْدُ يَسُتَفِيْدَانِ المَخ يَقُولُ مَيِّعُ والاقانون جارى موا-

مضارع مجهول: يُستَقفَادُ، يُستَفادَان ،يُستَفادُونَ، تُستَفادُ، تُستَفادَ، تُستَفادَان، يُستَفَدُن . الخ برايك صيغه مِن يُقالُ يُباعُ والا قانون جارى مواجد

اسم فاعل: مستَفِيدٌ مستَفِيدًان مُستَفِيدُونَ مُستَفِيدُونَ مُستَفِيدة الخ

اسم مفعول: قسستفادً، مُستنفادان، مُستنفادُون ،مُستفادة مالخ.

فعل جحدمعلوم: - لَـمَّ يَسْتَغِيدُ، لَـمُّ يَسْتَغِيدَا، لَـمُّ يَسْتَغِيدُوُا ،لَـمُ تَسْتَغِيدُ، لَـمُّ تَسْتَغِيدُا، لَمُّ يَسْتَغِدُنَ، النح ـ

فعل جحد مجهول: - لَمْ يُستَفَدُّ، لَمْ يُستَفادًا ، لَمْ يُستَفادُوا، لَمْ تُستَفَدُ، الخ.

امر حاضر معلوم: واسْتَفِدْ، اِسْتَفِيدًا ، اِسْتَفِيدُوْا، اِسْتَفِيْدِي، اِسْتَفِيْدا واسْتَفِدْن.

امرحاضر معلوم مو كد بنون تاكير تقيله: _ الستقفيد تن الستقفيدات، المخ مامردان اورائي تعليلات كر ليجة _

باب نم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه اجوف يائى ازباب إفَي الآل چون الله بيضاض بمعنى (سفيد جونا)

رابيض، يَبيض البيضاضا، فهو مُبيض ، لَمْ يَبيض ، لَمْ يَبيض المْ يَبيض المْ يَبيض المَ يَبيض المَ يَبيض ، لِيَبيض ، لِيَبيض ، لِيَبيض الأَيبيض الإيبيض المار منه ، إبيض البيض البيض البيض المار منه ، إبيض البيض المار منه ، إبيض المار منه المار المار منه المار منه المار
لِيَبْيَضِضْ، والنهى عنه ، لَاتَبْيَضَّ، لَاتَبْيَضِّ، لَاتَبْيَضِّ، لَاتَبْيَضِّ، لَا يَبْيُضَّ لَا يَبْيَضَّ لَا يَبْيْضِضْ الظرف منه، مُبْيَضُّ، مُبْيَضَّان ،مُبْيَضَّاتُ

سوال: مرابيض من يقال يباع والاقانون كيول جاري نبيل بوا؟

جواب: _ قیمقال میداع والاقانون میں ایک شرط میہ کردہ کلمدرنگ یاعیب کے معنی پردلالت نہ کرتا ہو جبکہ (آبیک شکی رنگ کے معنی پردلالت کرتا ہے۔

فعل مضارع معلوم: - يَبْيَضُ، يَبْيَضَانِ، يَبْيَضُّانِ، تَبْيَضُّونَ، تَبْيَضُّ، تَبْيَضَّانِ، يَبْيَضِنَ، تَبْيَضَّنَ، تَبْيَضَّانِ، تَبْيَضَّنَ، اَبْيَضُّ، نَبْيَضُّ. تَبْيَضَّنَ، اَبْيَضُّ، نَبْيَضُّ.

اسم فاعل: مُبيَضٌ، مُبيضًان، مُبيضًان، مُبيضًة، مُبيضَة، مُبيضًة مُبيضًاتًان، مُبيضًاتً.

فعل مستقبل معلوم مؤكد بلام تاكيرونون تاكير تقيله - لَيَبْيَضَيَّ، لَيَبْيَضَانَ، لَيَبْيَضَنَّ، لَتَبْيَضَنَّ، لَتَبْيَضَنَّ، لَتَبْيَضَنَّ، لَتَبْيَضَنَّ، لَتَبْيَضَنَّ، لَتَبْيَضَنَّ، لَتَبْيَضَنَّ، لَتَبْيَضَنَانَ، الخ .

فعل جحد معلوم: - لَمْ يَبْيَضَ، لَمْ يَبْيَضِ، لَمْ يَبْيَضِ، لَمْ يَبْيَضِف، لَمْ يَبْيَضَا، لَمْ يَبْيَضُوا، النح لَمْ يَحْمَرُ لَمْ يَبْيَضَا، لَمْ يَبْيَضُوا، النح مَرَّ اللهُ
امرها ضرم علوم : وابْيَضَ ، ابْيَضَ ، ابْيَضَ ، ابْيَضَ ، ابْيَضَ ، ابْيَضَ ا ، ابْيَضَى ، ابْيَضَ ا ، الْبَيْضَ ، الله ، اله ، الله ، ال

باب دہم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه اجوف مائى ازباب اِفْعِيدالال چون أَلْابيدين ماض معنى (زياده مفيد به مان)

رابياض ، يَبْيَاض ، اِبْيِيْضَاضاً ، فهو مُبْيَاض ، لَمْ يَبْيَاض ، لَا يَبْيَاض ، لَا يَبْيَاض ، لِيَبْيَاض ، لَا يَبْيَاض ، مُبْيَاض ، مُبْيَ

فعل ماضى معلوم: - اِبْيَ اضَّ ، اِبْيَ اضَّ ا اِبْيَ اضَّ وَا اِبْيَ اضَّ تُ ، اِبْيَ اضَّ تَ ا ، اِبْيَ اضَفَنَ ، اِبْيَ اضَفَنَ ، الخ. اِبْيَا ضَضَتَ ، اِبْيَا ضَضَتُ مَا ءِابْيَا ضَصَّتُمُ ، الخ.

اَبْنِياَضَ اصل ميں اِبْنِياضَصَ تها،ايك بى جنس كے دوحرف (يعنى ضاد) ساتھ جمع ہوئے تو مضاعف كے قانون كے مطابق حرف اول ثانى ميں مرغم ہوا۔اى طريقہ سے مابعد كے چارصيغوں ميں ادغام ہوا ہے اور اِبْنِيَا اَضَد ضَدنَ سے ليكر اخرتک كے صيغ اين اصل پر بيں بلاا دغام۔

اس باب کے جس جس صیغہ میں بھی ادغام ہوا ہے وہاں التفائے ساکنین والا قانون کی پیلی صورت جاری ہوئی ہے۔ کہ دو ساکنوں (یعنی الف وضاد) کے درمیان اجتماع ہوا،اور بیالتقائے ساکنین علی حدہ ہے کہ پبلاساکن مدہ ہے دوسرا مٹم ہے اور دونوں ساکن ایک کلمہ میں ہیں،لہذا دونوں کواینے حال پر برقر اررکھا گیا۔

مضارع معلوم: يَبْيَاضُ، يَبْيَاضَّان، يَبْيَاضُّون، تَبْيَاضُّون، تَبْيَاضُّ، تَبْيَاضَّان، يَبْيَاضِ نَبْيَاضُ تَبْيَاضُّ، تَبْيَاضَّان، تَبْيَاضُّون، تَبْيَاضِّيْن، تَبْيَاضَّان، تَبْيَاضِضْنَ، اَبْيَاضُّ، نَبْيَاضُ لَ اسباب کی ساری گردانیں اِبْیَضَ یَبْیَضُ کے طرز پر ہیں۔ بس اتنافرق ہیں کہ اسمیں کلہ (یعنی یاء) کے بعدالف ہے جبکہ اِبْیَضَ یَبْیَضُ مِس میں کے بعدالف نہیں ہے۔

تنبیہ - ثلاثی مزید فید کے دیگر ابوا ب اور رہائی کے ابواب سے اجوف کا استعال کم ہے ۔ ثلاثی مزید فید کے دیگر ابوا ب اور دیا ہے ۔ ثم شدقوا نین وابواب اجوف

قوانين ناقص

فائدہ ۔ طرف کلمہ سے مراد کلمہ کا آخر ہوتا ہے۔ پھرطرف کی دوسمیں ہیں۔

(۱)طرف حقیق (۱)طرف حکمی

(۱) طرف حقیقی د طرف حقیق اس حرف کو کہتے ہیں جو بالکل کلمہ کے آخر میں واقع ہو۔ اس کے بعد کوئی حرف نہ ہو، جیسے و و عَاوُ اور مِيدُ عَاوَ کي واوطرف حقیق ہے۔

(۲) ظرف حکمی: طرف حکمی اس حرف کو کہتے ہیں جو بالکل کلمہ کے آخر میں تو نہ ہو۔ اس کے بعد بھی کچھ حروف ہوں کین وہ حروف کلمہ کے ساتھ لازم نہ ہوں جدا ہو سکتے ہوجیے میڈ تھا و اُن میں واو، اور میے دہ سکتا آیان میں یا عطرف حکمی ہیں کیونکہ ان کے بعد جوالف اورنون ہیں وہ لازم نہیں ہیں بلکہ واحد اور جمع کے وقت بیا لگ ہوجاتے ہیں۔

تعلیل: <u>- دُعَاء عِیم</u>اصل میں دُعَا و تقاواوالف زائدہ کے بعد طرف کلمہ میں واقع ہے تواس کوہمزہ سے تبدیل کیا دُعَاء ک

بنا

قانون به برواد، ویاء، که واقع شود بعد از الف زائده برطرف یا در حکم طرف بـ آن را به بهمزه بدل کنندو جوباً

قانون نمبر ١٥٠- دُعَاءً وريندَاءُوالا قانون

اس قانون کا خلافئے دیہ ہے کہ ہروہ واو،اور یاء، جوالف زائدہ کے بعد طرف کلمہ (یعنی کلمہ کے آخر) میں واقع ہو،تو اس واواور یاءکوہمز ہے تبدیل کرناواجب ہےخواہ طرف حقیقی میں ہوں یا حکمی میں۔

طرف حقيق كي مثال جيس دُعَاء جواصل مِن دُعَاوُ تفااور يندَاه جواصل مِن يندَاي تفار

طرف حكى كى مثال جيسے مِدْعَاءَ إن اور مِرْمَاءُ ان جواصل مِن مِدْعَاوَان اور مِرْمَايَان تھے۔

احر ازی مثالیں ۔ (۱) رائ ای آمیں الف زائدہ نہیں ہے اصلی ہے۔

(٢) عَدَاوَةً ،هِدَايَة أورج كَايَة أن من واواورياء طرف من واقع نهين من كيونكمان كے بعد جوتاء بو والازي بان

کلمات ہے الگنہیں ہوتی۔

(نوٹ) اس قانون کے مطابق تومید کے او ان اور میسٹر میسائیسان میں واواور یا اوہ مزہ سے تبدیل کرنالازم ہے الیکن الف محدودہ والا قانون میں یہ گذرا ہے کہ الف محدودہ اگر واویا یا اسے مبدل ہوتو تشنیہ اور جمع مؤنث سالم بناتے وقت دوطر یقے جائزیں (۱) الف محدودہ کو اپ حال پر برقر ارر کھنا (۲) واو سے بدلنا۔ اور میسڈ عکسا جمفر دمیں الف محدودہ (ہمزہ) واو سے مبدل ہے وجرز ما جمیں یا اس سے البذا بوقت تشنیہ اس قانون کے مطابق مید تھا وان اور میر ما وان پڑھنا بھی جائز ہے۔ مبدل ہے وجرز ما جمیں یا تو دعیو کھا واولام کلمہ میں ما قبل مکسور ہوکر واقع ہے۔ اس کو یا اسے تبدیل کیا تو دعی کہنا۔

قانون به ہرواو که داقع شود مقابله لام کلمه و ماقبل او کمسور باشد _ آں واور ابیاء بدل کنند و جوباً

قانون نمبر ۵۵ _ دعيي رئيسي والاقانون

اس کا خلاصہ یہ ہے کہ جب واؤلام کلمہ میں واقع ہواور ماقبل اسکامکسور ہو، تواس واؤ کو یاء سے تبدیل کرناوا جب ہے۔

اتفاقى مثال: بي كي وي الماس من دعيو تهااور وضيى جواصل مين وضيو تها-

احر ازی مثال : بیے یدعوا، امیں واو ماقبل کمسور نہیں ہے۔

قانون بریاء که واقع شود در آخر فعل وفتح غیراعرانی و ماقبلش مکسور باشد، کسره ماقبلش را بفتح بدل کرده جوازاً، پس یاء، را بدالف بدل کنند و جوباً برلغت بنی طے۔

قانون مبر ٥٦ ـ دعيم كادوسرا قانون يا دعني اور بقلي والاقانون

جب فعل کے آخر میں یا مفتوح ماقبل مکسور ہوکروا قع ہو،اوراس یا ءکافتھ اعرابی نہ ہو(یعنی عامل کیوجہ سے نہ آیا ہو) تو بنو مطے کی لغت کے مطابق ماقبل والے کسر ہ کوفتھ سے تبدیل کرنا جائز اور یا ءکوالف سے تبدیل کرنا واجب ہے۔

اتفاقی مثال: ـ دُعلی جواصل میں دُعبِی تقااور بَقلی جو اصل میں بَقبِی تھا۔

احترازی مثالیں:۔(۱) آاعِیًا، یغلنہیں ہے(۲) یَر تمیع اس میں یا مفتوح نہیں ہے۔

(۳) کمن تیز میری اسمیں یاء کافتحہ اعرابی ہے جولن ناصبہ کیوجہ ہے آیا ہے۔ (۴) رکھنے ، یہاں یاء ماقبل کمسوز نہیں ہے۔ ** ور بر ہور چروز شیخ صندار پر '' محقد تا سر روانتہ ہون فعل سر برتہ زائد موجود سر کر ہو تھے ۔ رہے کا

مندید ۔شارح شافیہ شخ رضی الدین کی تحقیق کے مطابق یہ قانون فعل کے ساتھ خاص نہیں ہے بلکہ اسم میں بھی جاری ہوسکتا

عص ناصية من ناصاة برعناجاز عراثرة ثافية اس١٢٥)

لعليل: - يَدْعُو اصل مِن يَدْعُومُ وَاواو رِضْ تُقِل هَا، اس كوحذف كيايد عوين كيا-

قانون: برواو، ویاء، مضموم یا مکسور که واقع شود بمقابله لام کلمه بعد از ضمه و کسره حرکت آل را حذف می کنند وجوباً بشرطیکه درمیان کسره و واو، وضمه و یاء نباشد _ آل واو، و یاء، بدل از جمزه بابدال جوازی وحرکتش منقول از جمزه نباشد _

قانون نمبر: ۵۷: - يَدْعُواور يَرْمِنْ والأقانون

اس قانون کی چیشرطیس ہیں تین شرطیس وجودی اور تین عدمی ہیں۔

اس كا خلاصه يه ہے كه واو ،اورياء ،كى حركت كوحذف كرنا واجب ہے جبكه يه چھشرا كط پائى جائيں ۔

(۱) واواورياء مضموم مول يا مكسور احتر ازى مثال : _ يَدْعُو أن اور يَدِر ميكان يهال واواورياء مفتوح بين _

(٢)واو،اورياء، كا اقبل بهي مضموم بويا مكور - احر ازى مثال : يد تحده اوريثر مَرج يهال اقبل مفتوح ہے۔

(س) واواور یا علام کلمہ کے مقابلے میں ہوں احر ازی مثال : قبو کی اور بیغے یہاں واو،اور یاء،عین کلمہ کے مقابلے میں ہیں۔

(۴) واوضمه اور یاء کے درمیان نہ ہو چیسے تَک محمود بنی ۔ اور یا کسرہ ، اور واو کے درمیان نہ ہو چیسے یک و مسون جواصل میں مدر معدون تھا۔ نیر میلیون تھا۔

(۵) واو، اور یا یکی جوازی قانون کیماتھ ہمزہ سے تبدیل شدہ نہ ہول جیسے قارِی اور مستقیری جواصل میں قارِی اور مدید کی تھے۔ مستقیری تھے۔

(۱) واواوریاء کی حرکت ہمزہ سے منقول نہ ہو، جیسے یک مواور یہ جی مجواصل میں یک سوء اور یہ جی می تھے۔ یکسک والا قانون (جومہموز کے قوانین میں آگے آرہا ہے) کے مطابق ہمزہ کی حرکت ماقبل کودیکر ہمزہ حذف کیا گیا۔

اتفاقی مثال جیسے ید عواور یکر می جواصل میں یک عواور یکرم م تھے۔

تعلیل: مید علی اصل میں مید عوم واو اصل میں (یعنی ماضی معلوم میں) تیسری جگه پرتھااوراب تیسری جگه سے ذا کد پر سے۔ اور ماقبل مضموم نہیں ہے تو واوکو یاء سے تبدیل کیا شد تھے جی بن گیا چر قسال بساع کوالا قانون کے مطابق یا الف سے

تبديل ہوئی تو ميد على بن گيا۔

قانون بهرواو که واقع شودسیوم جاچوں صلع میشود آس را بیابدل کنندوجوباً ، بشرطیکه ماقبلش مضموم ، وواوسا کن نباشد۔

قانون نمبر . ٥٨ - يدعني والا قانون

ہروہ واوجو ملا ٹی مجرد کے ماضی میں تیسری جگہ پر ہولینی لام کلمہ ہواور پھر کسی کلمہ میں تیسری جگہ سے زائد پر واقع ہوجائے اوراس سے پہلے ضمہ یا واوساکن نہ ہو، تو اس واوکو یاء سے تبدیل کرنا واجب ہے

القاقى مثال: بيك يد تعلى جواصل مين يُدد عوم تهااس قانون سے يدد عمى بن كيا ـ پهر قدال باع والاقانون ارى بوا ـ

احتر ازی مثالیں: ۔ (۱) اِنستو فی ۔ یہاں واواصل میں تیسری جگہ پڑئیں ہے بلکہ پہلی جگہ پر ہے بینی فاءکلہ ہے (۲) دَعَدُونَ، آسمیں واوتیسری جگہ سے زائد پڑئیں ہے۔ (۳) یَدِی وَ میہاں واو ماقبل مضموم ہے (۴) مَدِی وَ وَ اسمیں آخری واو سے پہلے واوساکن موجود ہے۔

تعلیل - دعیاة اصل میں دَعیوة تفاقیال بَاع والاقانون سے واوالف سے تبدیل ہونے کے بعد دُعیاۃ بن گیا۔ فاکلمہ وضمہ دیاتا کہ بیز کو ق اور صَلو و جسے مفردات کے مشابہ نہ ہو۔

قانون برجمع ناقص كه بروزن فَعَلَة عباشد چوں لام كلمه اوالف شود فا عِلمه راضمه د مندوجو بأ

قانون مبر ٥٩ . دعاة أورر ماة والاقانون

ناقص کی ہروہ جمع جو فَعَلَة کے وزن پر ہو،اوراس کالام کلمه الف سے بدل جائے ،تو فا عِلمه کوضمه دیناواجب ہے۔ اتفاقی مثال: بیسے مُرعَاق اور و مَاۃ، جواصل میں دَعَوۃ ،اور رَمَیّۃ تھے

احتر ازی مثال: (۱) قا کَه جواصل میں قَولَه تھا یہ نافس نہیں ہے اجون ہے (۲)دِ عَامَّ یہ فَعَلَهٔ گاوزن نہیں ہے تعلیل: دِعِسِی اصل میں دُعُسُوو تھاواوا ہم میمکن کے آخر میں واقع ہے اور اسکاما قبل ایک اور واور ہ وزا کہ ہے تواس آخری واوکویاء سے تبدیل کیا دُعِسُوی بن گیا، اب واواوریاء دونوں ایک ساتھ جمع ہیں۔ اور ان میں سے پہلاساکن ہے، کسی سے مبدل نہیں ہے۔ تو می واقع ہے اور ما قبل مضموم ہے تو ضمہ کو کسرہ سے تبدیل ہوا، اور یاء، یاء میں مذنم ہوگئ ۔ تو دعی بن گیا۔ اب یاء اسم مشمکن کے آخر میں واقع ہے اور ما قبل مضموم ہے تو ضمہ کو کسرہ سے تبدیل کیا پھر عین کلمہ سے مناسبت کی خاطر جرف اول کو بھی کسرہ ویا تو دیے میں کیا۔

قانون: هرواولازم غير بدل از همزه كه واقع شود در آخراسم شمكن، ما قبلش مضموم باشديا واو مده زائده باشد درجع آل را بيابدل كنند وجوباً ، و درمفر د ما نع از وجوب اعلال ست آل واو مده زائده ، مگروفتيكه ما قبلش ديگرواومتحرك باشد

قانون نمبر ٢٠ : _ دِعِي كا يبلا قانون يا أدرٍ اور تَبَيّ والا قانون

اس کی دوصور تیں ہیں پہلی صورت جمع کیلئے اور دوسری صورت مفرد کیلئے۔

(۱) پہلی صورت: یہ ہے کہ جمع میں واوکو یاء سے تبدیل کرنا واجب ہے جبکہ وہ واواسم شمکن کے آخر میں واقع ہو، لاز می ہو، عارضی نہ ہوہمز ہ سے مبدل نہ ہو، ماقبل اس کامضموم ہو یا واویدہ زائدہ ہو۔

واومدہ زائدہ کی مثال: بیے بیعی جواصل میں دُعُوو تھااس قانون سے دُعُوی بن گیااور فَدو پیل والا قانون سے دُعی بن گیااوردعی کے دوسرے قانون سے دِعی بن گیا۔

ماقبل مضموم ہونے کی مثال بھیے آدیں جواصل میں اُدگو تھااس قانون سے اَدلُہ ی بن گیااور دِعِی کے دوسرے قانون سے اَدلی بن گیا اور دِعِی کے دوسرے قانون سے اَدلی بن گیا پھر یَدُعُو اور یکر مِی والا قانون سے یاء کی حرکت حذف ہوگئ تو الاقانون سے یاء کی حرکت حذف ہوگئ تو اُدل بنا۔ تنوین کے درمیان ، یاء مدہ ہونے کی جہ سے حذف ہوگئ تو اُدل بنا۔

احر ازی مثالیں: (۱) اُنتَسَوْ یاسم ممکن نہیں ہے۔ (۲) ضَمارِ بُوا، آئیں واولازی نہیں ہے توین سے بناہے اصل میں ضمار بن تھا۔ (۳) کفو آ۔ جواصل میں کُفؤ اتھا آئیں واوہ مزہ سے مبدل ہے (۴) اُدْ عَالَ میں نہ واو ما قبل مضموم ہے اور نہ اس سے پہلے واوید وزائدہ ہے۔

(۲) دوسری صورت: بیر به کدمفرد میں داد کو یاء سے تبدیل کرنا داجب ہے جبکہ دہ دادا سم متمکن کے آخر میں داقع ہو ۔لازمی ہوعارضی نہ ہو،ہمزہ سے مبدل نہ ہو،ماقبل مضموم ہو، یااس کا ماقبل دادید ہ زائدہ ہولیکن اس سے پہلے ایک ادر دادمتحرک

ہو، یعنی کل تین واد جمع ہوں

۔ اتفاقی مثال: بیسے تَبَیِّ جواصل میں تَبَنُو مُحَمااس قانون سے تَبَیِّنی میں یہ دوسرے قانون سے تَبَیِّنی میں ا بن گیا پھر یَدی عُو اور یر میری والا قانون سے یاء کی حرکت حذف ہوگئ تو التقائے ساکنین ہوایا ، اورنون کے درمیان، یاء مدہ ہونے کیوجہ سے حذف ہوگئی، یہ ماقبل مضموم ہونے کی مثال تھی۔

اور ما قبل واورد ہزائدہ ہواس کی مثال جیسے مُقُوی جواصل میں مُقُورُو گھا۔ اس قانون سے مُقُورُو کی بن گیا پھر قُویِّل کا والدہ زائدہ ہواس کی مثال جیسے مُقُورِی بن گیا پھر قورِی کے دوسرے قانون سے ماقبل کاضمہ کسرہ سے تبدیل ہواتو مُقُورِی بن گیا۔

اگرمفرویس ماقبل واور و زائده مواوراس سے پہلے کوئی اور متحرک واوند ہوتواس صورت میں آخری واوکو یاء سے تبدیل کرنا جائز ہے جیسے مَدُعُو وُکُو مَدُعِی پُر صناجائز ہے اور مَرْصُنْ وُکُو مَرْضِینی پُر صناجائز ہے۔ کَما فی الْقُر انِ: وَ کَانَ عِنْدَ رَبِّهِ مَرْضِیناً م

احتر ازی مثال (۱) هو، بیاسم ممکن نبیں ہے (۲) رکھو گئی مفرز نبیں ہے (۳) مدعود کی بہاں واومدہ زائدہ سے پہلے ایک اور متحرک واونبیں ہے۔

قانون به بریاء مشدد یا مخفف که واقع شود در آخراسم شمکن به ماقبلش اگریک حرف مضموم باشد، ضمه آن را بکسسره بدل کنندو جوباً ، واگر دو باشند چون که تقریح ضمته تنصل راوجوباً وغیر متصل را جوازاً

قانون نمبر: ٢١ ـ يديعي كادوسرا قانون

اس کا خلاصہ یہ ہے کہ جب اسم میمکن کے آخر میں یاء واقع ، ہومشد دہو یا مخفف ، اور اسکا ماقبل ایک حرف مضموم ہو، تواسکے ضمہ کو کسرہ سے تبدیل کرنا واجب ہے۔ اور اگر ماقبل دوحرف مضموم ہوں تومتصل ضمہ کو کسرہ سے تبدیل کرنا واجب اورغیر متصل ضمہ کو کسرے سے تبدیل کرنا جائز ہے۔

ا يك حرف مضموم مونى كى مثال جيد مَقّوي جواصل مِن مَقوي الله

دوحرف مضموم ہونے کی مثال: بھے دِعِی جواصل میں دُعی قاائمیں کوعِی اور دِعِی دونوں جائز ہیں۔ احتر ازی مثال: <u>ھی ب</u>یاسم میمکن نہیں ہے اور یاء ماقبل مضموم بھی نہیں ہے۔ تعلیل: - كَوَاعِ اصل می دُواعِ عَقَا، واولام كلمه می كره كے بعدواقع بوتو دُعِي والاقانون كے مطابق واوياء سے تبدیل ہواد واعِی تندیل ہواد واعی تبدیل ہواد واعی تبدیل ہوا کے میں میں استعاد میں ہوا کے درمیان، یا مدہ ہونے كيوب سے مذف ہوگئ تو دُواع بن گیا۔

اعتراض: ۔ دَوَاجِ تو جَع منتبی الجموع ہونے کیوبہ سے غیر منصرف ہے ضَہوارِ بھی طرح ،اور غیر منصرف پرتنوین نہیں آتی ، پھراس کی اصل دَوَاجِ وَتنوین کے ساتھ کس طرح ہے؟

قانون: ہرحرف عِلّت كه واقع شود درآخرنعل مضارع وقت دخول جوازم و بنا كردن امر حاضر معلوم حذف كرده شود و جوباً

قَانُون مُبر: ٢٢: _ لَهُ يَدُعُ أور أُدُعُ والا قانون

جب ناتھ کے مضارع پر عامل جازم داخل ہوجائے یا امر حاضر معلوم بنانا ہو، تو پانچ صیغوں کے آخر سے حرف علت کوحذ ف کرناواجب ہے۔

الفاقى مثال جيسى يَدْعُوْ سے لَمْ يَدْعُ، اور تَدْعُو سے أُدعُ احر ازى مثال (١) لَمْ يَضْرِبْ بيناتص نبيس ب

(٢)كُمْ يَدْعُوا ، يد كوره بالخصيفون من سنبين ب

تعليل: كَتَدَعُونَ اصل من كَتُدُعُونَها آخر من نون تاكيد تقيله لكاديا توكيدُ عُونً بن كيا النقاع ساكنين موا واوادر نون كردميان يبلاساكن واوجع غيرمه ه باس كوضمه ويا توكية دُعُونَ بن كيا.

تعلیل: يكتد عَيِنَ اصل من كمتُدع مقاآخر من نون تاكيد تقليد كاديا توكمتدعين بن كيا-التقاع ساكنين مواياءاور نون كدرميان، يهلاساكن يائ واحدمونث غيرمده باسكوكسره ديا توكمتُدعين بن كيا-

قانون: درالتقائے ساکنین علی غیر حدم اگر ساکن اول غیر مدہ واوجع باشد آل راحر کت ضمدی دہند وجوباً، واگر ساکن اول غیر مدہ یائے واحدہ باشد، آل راحر کت کسر ہی دہندو جوباً

قانون نمبر ۲۳ نه لَتُدُعُونَ، كَنَدْعَدِينَ والاقانون ياالتقائے ساكنين كادوسرا قانون اس قانون كى دوصورتيں ہيں۔

احر ازی مثال : جیے لمتضر بون امیں پہلاساکن واوجمع غیرمدہ نہیں ہے۔

(۲) دوسری صورت: یہ ہے کہ التقائے ساکنین علی غیر حدہ میں جب پہلا ساکن یائے واحدمؤنث حاضر غیر مدہ ہو، تو اس کو کسر ہ دیناوا جب ہے۔

القاقى مثال - جي لَتُدْعَيِنَ ،جواصل مِن كَتُدُعَينَ تما-

احتر ازی مثال : بیے کی تصور بین اسمیں پہلاساکن یائے واحد مؤنث غیر مدہ ہیں ہے بلکسدہ ہے۔

فائدہ:۔جواسم فعلی کے وزن پر ہو،اس کی دوشمیں ہیں۔

(۱)فَعْلَى الرحقق (۲)فُعْلَى الرحكي

ف علی اسمی حقیقی ۔ وہ اسم ہوتا ہے جو ف علی محصے وزن پر ہواوراس میں معنی صفتی اور معنی تفضیل فی الحال معتبر نہ ہو، بلکہ محض اسم اور کسی شی کے نام کے طور پر مستعمل ہو۔ اگر چہ اصل کے اعتبار سے اس میں معنی صفتی یا معنی تفضیلی موجود ہیں جیسے

ِنْیا ۔ نیا ۔

فع کمی :۔ وہ اسم ہوتا ہے جو فع کملی سکھ وزن پر ہواور اسمیں معنی تفضیلی معتبر ولموظ ہوں ، یعنی اسم تفضیل کا صیغہ ہو، بالفاظ دیگر فع کملی تفضیلی فع کملی اس کے عظم میں ہوتا ہے اگر چہ اسم تفضیل اصلاتو صفت ہے لیکن عربی تر اکیب میں سیاسم (جامہ) کیطرح استعمال ہوتا ہے۔ اس لئے یہ اسم کا حکم رکھتا ہے۔

تعلیل دعی اصل میں دعوای تفاواو فعللی ای حکمی کے لام کلم میں واقع ہے اس کویاء سے تبدیل کیا۔

قانون: واولام كلمه فَعُمْلي إستمِني ياءميشود وجوباً وياءلام كلمه فَعُمْلي إستمرِي واوميشود وجوباً ـ

قانون نمبر ٢٠ : و كُفيل اور تَقُولي والا قانون

اس کی دوصورتیں ہیں

(۱) بہلی صورت: بیہ کہ جب ف علی اس حقیقی یاف علی اس حکمی کے لام کلمہ کی جگدداد داقع ہو، تواس داولو یاء سے تبدیل کرنا داجب ہے۔

فُعُلِلَى التم حقيقى كي مثال: -جيه دُنُيا جواصل مِن دُنُواي ها-

فُعِلَى المَى حَكَى كَى مثال جيسے : دُعُيَا جواصل مِن دُعُولى تھا۔ احترازى مثال جيسے غُرُولى يوفُعُللى الى نہيں ہے فتی ہے۔

(۲) دوسری صورت بیرے کہ فَعُللی آئ کے لام کلمہ کی جگہ جب یاءواقع ہوتواس کوواوسے تبدیل کرناواجب ہے۔ اتفاقی مثال بیسے تَقُولی جواصل میں تَقَیلی تھااور فَلتُولی جواصل میں فَلتَیلی تھا۔

احر ازى مثال: جيے صَدَىٰ يه فَعْللي اي اَسْ اِللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَّى اللّهُ عَلَى اللّ

لعلیل: - رَخَایاً کو رَخِیّهٔ سے بنایا جواصل میں رَخِیْوَ قَ قاحرف اول کواپ حال پرچھوڑ کے دوسر کوفتہ دیرتیسری حگد پرالف علامت جع اقصی لگا دیا، اور آخر سے تائے واحدہ کو حذف کیا۔ اب الف کے بعد مفردمکم میں دوحرف باقی تھ (
یاء، اور واو) پہلے کوکسرہ دیا اور تنوین غیر منصرف ہونے کیوجہ سے حذف ہوگئ تو رَخَایِو ہن گیا شکر اینف والا قانون سے یاء کوہمزہ سے تبدیل کیا تو رَخَایِو مِن گیا۔ اب ہمزہ الف کوہمزہ کے اینو من گیا۔ اب ہمزہ الف

مفاعل کے بعداوریاء سے پہلے واقع ہےاورمفروی یاء سے پہلے ہمز وہیں ہے پس (بقانون رَخَایا) ہمز وکویاء مفتوحہ سے تبدیل کیا تورَخَایکا بن گیا۔ تبدیل کیا تورَخَایکا بن گیا۔

قانون: هر بهمزه كدوا قع شود بعداز الف مفاعل قبل ازياء و درمفر قبل ازياء نبود آن رابيا مفتوحه بدل ميكنند وجوباً ،گرآن بهمزه كه واووا قع شده بود درمفر د بعداز الف چهارم جار چرا كه آن بهمزه را در جمع بوادمفتوحه بدل كنند و جوباً _

قانون نمبر ٢٥. ـرَ خَاياً والأقانون

اس قانون کا خلاصہ بیہ ہے کہ ہراس ہمزہ کو یائے مفتوحہ سے تبدیل کرنا واجب ہے جوہمزہ الف مفاعل کے بعد اور یاء سے پہلے واقع ہو،اورمفرد میں یاء سے پہلے ہمزہ نہ ہو،اوراس جمع کے مفرد میں الف کے بعد چوتھی جگہ پرواونہ ہو۔

ا تفاقی مثال جیسے رخیایا جواصل میں رکھیانے تھااس قانون سے رکھیائی مثال جیسے رکھیائیر قیال بَاعَ والاقانون سے رکھایا ہو کھیائی جو کھیلیک تھی جاصل کھیانے ہے)

احر ازى مثال: جي جَوَانِهِ اس كِمفردين جَانِية من ياء بي پهلېمزه بداور آدَانِهِ اس كِمفرد إدَاوَة مُحَّ مين الف كے بعد چوشي جگه پرواووا قع بـ

تنبیہ:۔جوہمزہ الف مفاعل کے بعداور یاء ہے قبل واقع ہو،اورمفرد میں یاء ہے پہلے ہمزہ نہ ہو،اگراس جمع کے مفرد میں الف کے بعد چوتھی جگہ پرواوواقع ہو،تو پھراس ہمزہ کوواومفقو حہ ہے تبدیل کرناواجب ہے (یائے مفقو حہ ہے نہیں)
جیسے آداولی جواصل میں اَدَا فیوتھ ابقانون فیصے تادائی جا اور پھر ہمزہ واومفقو حہ ہے تبدیل ہواتو اَداو تھی بنا۔اور بقانون قالَ بَاعَ اَداَولی بنا۔ چونکہ اس کے مفرد اِداور اِداور جونکہ اس کے مفرد اِداور اِداور جونکہ اس کے مفرد اِداور اُداور جونکہ اس کے مفرد اِداور اُداور اُدور اُداور
اعتراض نه بية قانون تو بمزه مے متعلق ہے لہذا اسکومبوز كے قوانين ميں ذكر كرنا چاہيئے تھا يہاں ناقص كے قوانين ميں كيوں ذكر كيا؟ جواب : _قانون کاتعلق تو ہمزہ کے ساتھ بلیکن اکثر و بیشتر یہ جاری ناقص میں ہوتا ہے جیسے کہ رخسایا اور اَداَولی سے واضح ہا سلئے اس قانون کو تاقص کے قوانین میں ذکر کیا گیا۔

تعلیل: - و خیر اور خیر اصل میں و خیروا ور و کی و اور و کی و اور الاقانون سے واوکویاء سے تبدیل کیا تو و خیروی اور و خیریة و بن گئے -اب ایک کلمه میں تین یاءاس طرح جمع ہوئیں کہ پہلی یاء دوسری میں مدغم ہے اور تیسری یاءلام کلمه میں ہے تو اس تیسری یاءکونسنیا آ منٹسیتیا صذف کیا۔ پس و خیرو اور و خیری بن گئے۔

تنبید - نسیا میکنسیا میکنسید کامطلب بیا کرف محدوف ایبا حذف موامو، گویا که و همای نبیل یعن نیت میل مرادند موجیها که محدوف منوی مرادموتا ہے۔

قانون ہر جائے کہ سہ یاء در یک کلمہ جمع شوند بایں طور کہ اول مدغم در ثانی ، و ثالث مقابلہ لام کلمہ آں ثالث راحذف کنند مَسْسَیّا مَّنْسِیّا بشر طے کہ در فعل وجاری مجرائے فعل نباشد۔ ہم چنین اگر دویاء جمع شوند ، حذف کیے جائز است ، چوں سَیّنِید کہ اور اسکید خواندن جائز است۔

قانون نمبر٢٦ : ـ رُخَتِيُّ اور رُخَيَّةُ وَالا قانون

جب تین یاءایک کلمه میں اس طرح جمع ہوجائیں کہ پہلی یاءدوسری میں مدغم ہو۔اور تیسری یاءلام کلمه کی جگه ہو۔فعل اور جاری مجری فعل نہ ہو۔تو تیسری یاءکو منسسیداً صنسیدیاً حذف کرناواجب ہے(جاری مجری فعل سے مراداسم فاعل اوراسم مفعول ہے) اتفاقی مثال جیسے رہنے کی اور دیکھیا جواصل میں رہنے پیری اور رکھیا کی اور سے میں است

قانون: ہرواو ویاء کہ واقع شور قبل تائے تانیٹ یازیادتی فکے کلانِ ماقبلش واو صموم باشد ضمہ ماقبلش را مجسر ہبدل کنند وجو باً ، واگر غیر وا دباشد آل یاءرا بوا دبدل کنند و وادبر حال خود باشد

قانون نمبر ٧٤ ـ قَوِيَةً أور رَخُوتُ والاقانون

اسکی دوصورتیں ہیں۔

(۱) جب دادادریاءتائے تانیٹ سے پہلے داقع ہوں یافع گلن کے دزن میں الف نون زائدتان سے پہلے ہوں اور ان سے پہلے ہوں پہلے داو صفحوم ہو، تو ماقبل کے ضمہ کو کسرہ سے تبدیل کرنا واجب ہے۔

واوكى مثال جيے قَوِيَة جواصل ميں قَوْوَة تَها أيس واوتائ تا نيف سے پہلے ہاوراسكا ما قبل واوضموم ہواس قانون سے واوكا مثال جيد يل ہوكر قووة كي بن كيا۔ پر ديميكى والاقانون سے قويدة بنا۔ اور قويدان جواصل ميں قووان مقاس قود ان بن كيا۔ اور ديميكى والاقانون سے قوديان بن كيا۔

ياء كى مثال بي طَوِية أور طَوِيَانِ جواصل مِن طَوية أورطَويَانِ تقد

احتر ازی مثال: میسے نہیئے اور کے وقت ان میں واواور یاء کا ماقبل واو مضموم ہیں ہے۔

(۲) دوسری صورت: یہ ہے کہ جب واواور یاءتائے تانیٹ سے پہلے واقع ہوں یاف عید کرن کے وزن میں الف نون زاکدتان سے پہلے واقع ہوں یافی وردن میں الف نون زاکدتان سے پہلے واقع ہوں،اوران کا ماقبل واو کے علاوہ کوئی اور حرف مضموم ہو،تو یا یکوواو سے بدلنا واجب ہے اور واوکواپی حالت پر برقر اررکھنا واجب ہے۔

ياء كى مثال جيد منهو تشهو كن مواصل من منهيك اور منهيان تهد

واوکی مثال بھیے رکھوئے ہیانی اصل پرہے۔

احتر ازی مثال: مَطُويَة ،آئيس ياءے پہلے واومضموم ہے

تعلیل: _ رَجْمَتِ ،اصل میں رَجْمَی تھا، یا نعل کے آخر میں داقع ہے ادرا س کا ماتبل مضموم ہے اس کو داو سے تبدیل کیا۔ قانون: ہریاء کہ واقع شود در آخر نعل و ماقبل او مضموم باشد واوشود

قانون نمبر ٧٨: _ رَهُوُ اور نَهُوُ والاقانون

جب فعل کے آخریس یا و ہواوراس کا ماقبل مضموم ہوتو اس کو واوسے تبدیل کرنا واجب ہے۔ اتفاقی مثال: بیسے رکھو کور منھو جواصل میں رکھتی اور منھی تھے۔

احر ازی مثال: (۱) تَسَنَّى مَع يَعْلَ نبيل ہے۔ (۲) يُرميني يهال ياء كاما قبل مضموم نبيل (٣) بْيَع يهال ياء آخر من نبيل

ے۔

﴿ تمت قوانين الناقص ﴾ ابواب الناقص

ناقص واوی از ثلاثی مجرد

باب اول صرف صغير ثلاثى مجردناقص واوى ازباب منصَسَر يَنْصُرُ چول اَلدَّعَوَّةُ والدُّعَاءَ صعى باب اول صرف صغير ثلاثى مجردناقص واوى ازباب منصَسَر يَنْصُرُ چول اَلدَّعَوَّةُ والدُّعَاءَ صعى

اعتراض <u>۔ دَعَتَا</u> جواصل میں دَعَوَتَا تھاواوالف سے بدل جانے کے بعد دَعَاتًا بنایہاں توالتھائے ساکنین موجود نہیں ہے پھرالف کیوں حذف ہوا؟ جواب: ۔التقائے ساکنین موجود ہے(الف اور تاء) اور تاءاگر چہ فی الحال متحرکہ ہے لیکن اسکی حرکت عارض ہے جوالف شنیہ کیوجہ ہے آئی ہے در نہاصلاً بیتاءو ہی دعت کی تائے تانیث ہے جو کہ ساکن ہے لہذا عارضی حرکت سکون کے تھم میں ہے۔ <u>دَعَوْنَ</u> ہے آخرتک تمام صینے اپنی اصل کے مطابق ہیں۔ان میں کوئی تعلیل نہیں ہوئی۔

فعل ماضی جہول، دُعِی، دُعِی، دُعِی، دُعِی، دُعِی، دُعِیت، دُعِی، دال قانون کے مطابق واویا است تبدیل ہوا، دُعِی و دُعلی پڑھنا بھی جائز ہے، (دُعلی اور بَقلی والا قانون کے مطابق) دُعُورا میں دُعِی والا قانون جاری ہونے کے بعد بقانون یَد قُور و یہ بیٹ می یا می حرکت ماقبل کودی پھریہ والا قانون کی پہلی صورت کے مطابق یا عکوراو سے تبدیل کیا۔ اورالقائے ساکنین کیوجہ سے واوحد ف ہوا۔ دُعِیہ سن کے تام صنوں میں دُعِی والا قانون کی جگہ میڈھا دُوالا قانون بھی جاری کیا جاسکتا ہے۔

فعل مضارع معلوم: ـ يَدْعُون يَدْعُون يَدْعُون ، يَدْعُونَ ، تَدْعُو، تَدْعُوان ، يَدْعُون ، تَدْعُو، تَدْعُوان ، تَدْعُون ، تُدْعُون ، تُدُعُون ، تُدْعُون ، تُدُعُون ، تُدْعُون ، تُدُعُون ، تُدْعُون ، تُدُون ، تُدُعُون ، تُدُعُون ، تُدُعُون ، تُدُعُون ، تُدُعُون

يَدْعَوْ، نَدْعُوْ ،ادْعُوْ، نَدْعُوْ ، مِين بقانون يُرْتُوْرُي واوكركت حذف موكى يشنيه كے صنوں ميں كوئى تعليل نہيں موئی۔

يَدُ عُونَنَّ دوصِيغ بين _(١) جمع مذكر عائب (٢) جمع مؤنث عائب _

دونول میں فرق: بہب بیج مذکر خائب کا صیغہ ہوتو اس صورت میں اسکی اصل یک دعث و و ک ہے (پیک نیک موروک کی طرح) بقانون یک محرف کے دوروک کے ساتھ کا درائقائے ساکنین کیوجہ سے واوحذف ہوا۔

اورجب يدجع مؤنث غائب كاصيغه موتوالميس كوئى تعليل نهيس موئى بلكه كينتصيرن كى طرح اپني اصل پر ہے۔

ای طرح تنسند ع<u>صمی ک</u>ھی دوصینے ہیں۔(۱) جمع نہ کر حاضر (۲) جمع مؤنث حاضرا دران دنوں میں بھی یہی فرق ہے جو کہ دعون کے دونوں صیغوں میں ہے۔ یک عنون کے دونوں صیغوں میں ہے۔

تَدَعِيْنَ اصل مين تَدَعُودِن تما قيل بيع والاقانون كى دوسرى صورت كمطابق تَدْعِيْن بنا ـ اوراسكو تَدْعُومِينَ پرهنائجى جائز ب فعل مضارع مجهول: يد على ، يدعيان ، يدعون ، تدعى ، تدعيان ، يدعين ، تُدعين ، تُدعيان ، تدعيان ، تدعيان ، تدعيان ، تدعيان ، تدعيان ، تدعيان ، تدعين ، ت

ت على الانت : اس كردان كرسار مسغول مين يُددعلى والاقانون كرمطابق واوياء ستبديل مواسبا السل كردان بول في يدعو يدعو آن يدعوون المنع چر يدعى تدعلى أدعلى نُدعلى مين بقانون يدعلى واوياء سبدل جانے كے بعد بقانون قالَ بَاع يَاءالف سة تبديل مولى۔

مَدْعَيَانِ تَدْعَيَانِ اصل مِن يُدْعَوَانِ تَدْعَوَانِ تَصْيِدُعلَى والاقانون جارى موا-

عَدْعُونَ آصل میں قید عُووْنَ تھابقانون ید علی واویاء سے تبدیل موا مید عَیوُن بناقال بَاعَ والا قانون کے مطابق یاءالف سے بدل گئ ۔ مید عَاوْنَ بن گیا پھر بقانون التقائے ساکنین الف (مدہ ہونے کی بناپر) حذف ہوا۔

تَدْعَوْنَ اصل میں تدعوون قاا کی تعلیل بھی قدر و کا کا طرح ہے۔

سوال: يَدْعَوْنَ اورتَّدْعُونَ مِن ابِيَدْعلى والاقانون كِمطابق واوياء سے تبديل كيون نيس ہوتا كريْد عَيْن اور قَدْعَلَيْنَ بن جائيں؟

جواب: مید علی والا قانون کیلئے بیشرط ہے کہ داداصلی ہو یعنی لام کلمہ ہو جبکہ ید عون کور قد عون میں واواصلی بیس بلکہ واد جع ہے، داداصلی تو محذ دف ہے۔

يَدُعَيْنَ : (جَعَ مُونث عَائب)اصل من يدْعُون تَهَا يَدْعَلَى والا قانون جارى موا-

قد عيران دوسيغ بين (١) واحده خاطبه (٢) اورجع مؤثث خاطبات

دونوں میں فرق: جب بدواحدموَ نت مخاطبہ کا صیغہ ہوتو اس صورت میں اس کی اصل قد حکویت ہے بقانون یک تحلی اور در علی قد عکیلیٹن بنا پھر قدال بَاعُوالا قانون کے مطابق یا ءالف سے تبدیل ہوئی۔ تددُعَایْن ہوا ،الف التقائے ساکنین کیوجہ سے حذف ہوا تدک عکین بنا۔

اورجب يرجع مؤنث مخاطبات كاصيغه مو، تواس وقت اكل اصل تُدعون بصرف يدعلى والاقانون جارى مواسم-اسم فاعل: - دَاعِ، دَاعِيمَانِ، دَاعَوْنَ، دُعَا ةُ ، دُعَاءُ ، دُعَوْ، دُعُوا، دُعُوان، دُعُوان، دِعَاء، دِعِي اَدْعَاء، دَاعِيَةُ، دَاعِيمَانِ، دَاعِيمَاتُ ، دَوَاعِ ، دُعَيَّ، دُويْعِ، دُويْعِيَةُ تعلیلات : - دَاع اصل می داع و قاد عی والاقانون کے مطابق واویاء سے تبدیل ہواداع می بناید عُو یُرْمِی دالاقانون کی دوسے یاء کی حرکت حذف ہوئی داعیت بنا (کیوں کہ توین دراصل نون ساکن ہے) اورالتقائے ساکنین کیوجہ سے یاء عذف ہوگی۔

دِعَاءَ الله مِن دِعَاوَ تَهَا دُعَاءُ والا قانون جارى اوا۔ دِعِين اصل مِن دُعُوو تَهَا اَكَ تَعْلَيل بِيجِ كُذَر بِكَى ہے۔ اَدْعَاءً كَى اصل اَدْعَاوَ ہے دُعَاءُ والا قانون جارى اوا۔

دَاعِيَةٌ دَاعِيدَانِ دَاعِيَاتُ: اصل مِن دَاعِوَةٌ دَاعِوَتَانِ دَاعِوَاتُ تَصِدُدُعِي والاقانون كَمطابِق واوياء تربل بوار دَوَاع اس كَ تعليل ما قبل مِن گذر چى ہے۔ دُعتی آکی تعلیل بھی گذر چی ہے۔ دُویْتِ آصل مِن دُویْعِوْ تھا بقانون دُعِی دُویْعِی ہوا پھر یَدُعُو یَرُمِی والاقانون كی روسے دُویْعِیْن ہوایا مالتقائے سائنین كيجہ سے مذف ہوگئ تودُویْعِ بنا۔ دُویْعِیْنَة آصل مِن دُویْعِوَةٌ تقابقانون دُعِی دُویْعِیدَةٌ بنا۔

سوال: اسمين يد عو يرهم في والا قانون كيون جاري نبيس موا؟

جواب: _ يهان ياءمفتوح ہے جبکہ يَدْ عُنْ يُرْمِيْ والا قانون مِن مضموم يا مَسور ہونا شرط ہے۔

اسم مفعول: مَدْعُو مَدْعُوْ ان مَدْعُوْ وَنَ مَدْعُوْهُ مَدْعُوْ اللّهِ مَدْعُوْ اللّهِ مَدَاعِي مُدَيْعِيّة مُدَيْعِيّة مَدْعُووْنَ مَدْعُووْنَ مَدْعُووْ اللّهِ مَا اللّهِ مَعْ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ مَعْ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ

فعل مستقبل مجهول موكر بلام تاكيرونون تاكير تقيله: ليد دُعَيت نَّ لَيدُ عَيَانِ لَيدُ عَوْنَ لَتَدُعَيَنَ لَتُدُعَيَانِ لَيدُعَيْنَانِ لَتُدُعَيَنَ لَتُدُعَيَنَ لَتُدُعَيَانِ لَتُدُعُونَ لَتُدُعَيِنَ لَتُدُعَيَانِ لَتُدُعَيْنَ لَادُعَيْنَ لَادُعَيْنَ لَلَهُ عَيْنَ لَتُدُعَيَانِ لَتُدُعَيْنَ لَادُعَيْنَ لَلَهُ لَعَيْنَ لَلْهُ لَعَلَيْنَ لَلْهُ لَعَلَيْنَ لَلْهُ لَعَلَيْنَ لَلْهُ لَا لَهُ لَكُنْ لَكُونَا لَا لَهُ لَكُنْ لَكُونَا لَا لَهُ لَكُنْ لَكُونَا لَا لَكُونَا لَكُونَا لَكُونَا لَا لَكُونَا لَكُونَا لَكُونَا لَكُونَا لَا لَكُونَا لَا لَكُونَا لَكُونَا لَكُونَا لَكُونَا لَكُونَا لِللَّهُ لَا لَهُ لَكُونَا لِللَّهُ لَا لَهُ لَكُونَا لِللَّهُ لَكُونَا لِللَّهُ لَلْكُونَا لِللَّهُ لَا لَكُونَا لِللَّهُ لَلْكُونَا لِلللَّهُ لَلْكُونَا لِللَّهُ لَعَلَى لَلْكُونَا لِلللَّهُ لَكُونُ لَلْكُونَا لِللَّهُ لَكُونَا لَكُونَا لَكُلُونَا لِللَّهُ لَلْكُونَا لَكُونَا لِللَّهُ لَعَلَيْنَ لَلْكُونَا لِلللَّهُ لَلْكُونَا لِللَّهُ لَلْكُونَا لَلْكُونَا لَا لَكُونَا لِللّ لَنْكُونَا لِلللَّهُ لَا لَكُونَا لِلللَّهُ لَلْكُونَا لِلللَّهُ لَلْكُونَا لَا لَعْلَالِكُونَا لِلللَّهُ لَك

كَيْدُ حَيْنَ اللّهِ اللهِ الدَّرِ عَلَى اللهِ اللهُ
میں نون تاکید تقیلہ لانے اور نون اعرائی کوحذف کرنے کے بعد کمتید تکیدی بنا۔ اجتماع ساکنین ہوایا اور نون کے ورمیان۔
پہلاساکن یائے واحدہ مخاطبہ غیرمہ ہے تو کمتید تکوی والا قانون کی دوسری صورت کے مطابق یا ، کو کسرہ دیا۔
فعل مستقبل معلوم مو کد بلام تاکید ونون تاکید خفیفہ: ۔ کمید عون کم

مِمُولِ . لَيدْعَيْنَ لَيدْعُونَ لَتُدْعَيْنُ لَتَدْعَيْنُ لَتَدْعَوْنَ لَتَدْعَيْنَ لَأَدْعَيْنَ لَلْدُعَيْنَ

فعل حَدُّ لَكُمُ يَدُعُ، لَمْ يَدْعُوا المَّمَ يَدُعُوا المَّمَ تَدُعُ المُ تَدُعُوا المَّ يَدْعُونَ المَّ تَدُعُ المُ تَدُعُوا المَّ تَدُعُوا المَّ تَدُعُونَ المَّ تَدُعُونَ المَّ الْدُعُ المُ الْدُعُ المُ الْدُعُ المُ الْدُعُ المُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللْمُ الللْمُ اللْمُ اللْمُلْمُ اللْمُ اللْمُ اللَّهُ اللْمُ اللْمُلْمُ اللْمُ اللْمُ اللْمُ اللْمُ اللَّهُ اللْمُ اللْ

لَمْ يَدُعُ والاقانون كمطابق مواب المَمْ عَادُمُ أَدُعُ لَمْ الدُعْ لَمْ الدُعْ المَمْ الدُعْ الدَعْ الدُعْ المُ الدُعْ الدُعْ المَمْ الدُعْ
كَمْ يَدُدُعَ اصل مِن يَدْ عَى قاابرداء مِن لَم جازم آنے كى دجه آخر سے رف علت يعنى الف مذف ہوا يكي تعليل أَمْ تُدُعُ كُمْ أَدُعُ كُمْ نَدُعُ كَى بِ- لَمْ يَدْعُيا آصل مِن يَدْعَيانِ قااور كُمْ يُدْعُوا آصل مِن يَدُعُونَ قَالُمُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَي

 کی فیده اس میں مدعی تھا شروع میں ان ناصبہ آنے کی دجہ ہے آخر منصوب ہوا اہلین آخر میں الف ہونے کیوجہ سے النظام نہیں ہوا۔ لن کا نصب ظام نہیں ہوا۔

ادع اصل میں ادع و تفاوتف کی بناء پر آخر کا حرف علت حذف ہوا۔ ادع و اصل میں ادع و و اتفاقانون یک دعو و الحکم الدع و تفاوتف کی بناء پر آخر کا حرف علت حذف ہوا۔ ادع و اصل میں ادع و و اتفاقانون یک دعو یک کی میں ہمزہ و او مذف ہوا۔ آدی میں تک میں ہمزہ و صلی مضموم دلگا دیا (کیونکہ اصلاً مضارع مضموم العین ہے) اور اتخریس و تف کرنے کے بعد شروع میں ہمزہ و صلی مضموم دلگا دیا (کیونکہ اصلاً مضارع مضموم العین ہے) اور آخر میں و تف کرنے کے بعد شروع میں ہمزہ و صلی مضموم دلگا دیا (کیونکہ اصلاً مضارع مضموم العین ہے) اور آخر میں و تف کرنے کی جد سے نون اعرائی حذف ہوا۔

امر حاضر معلوم مؤكر بنون تاكير تقيله: - أدعون، أدعون، أدعن، أدعون، أدعونات، أدعونات، أدعونات. مؤكر بنون تاكير خفيفه: - أدعون، أدعن، أدعونات.

عدو و بن الله اصل میں قدع تھانون تقیلہ لگاتے وقت اس واو محذ وفہ کو واپس لا کرفتھ دیا جو وقف کیوجہ سے حذف ہوا تھا۔ کیونکہ اب وقف نہیں رہا۔اسلئے کمکل وقف آخری حرف ہوتا ہے اونون تاکید لگنے کے بعدیہ آخرنہیں رہا بلکہ وسط بن گیا۔

مرح میں ادعے واقعانون تاکید لگانے کے بعد وادجع التقائے ساکنین کیوجہ سے صذف ہوا۔ای طریقہ سے باقی تعلیاں سیجھ لیں۔ تعلیاں سیجھ لیں۔

امر ماضر مجهول: لِنَدْعَ، لِنَدْعَيا ، لِنَدْعُوا ، لِنَدْعَى ، لِنَدْعَيا، لِنَدْعُين.

مورة المرين تدعى تقالام امرجازمه آنى كا وجهة محرف علت يعنى الف حذف موار

امر حاضر مجهول مؤكد بنون تاكيد تقيله: لِيَسْدُعَيْسَنَ، لِيَسْدُعَيْسَانِّ، لِيَسْدُعُونَ ،لِسُدْعَيْسَنَّ ،لِيَسْدُعَيْسَنَّ ،لِيَسْدُعَيْنَ ،لِيَسْدُعُنْ ،لِيسْدُعُنْ بُعُنْ الْمُعُنْ الْمُعُنْ الْمُعُنْ الْعُنْ الْمُعُنْ الْمُعُنْ الْمُعُنْ الْمُعُنْ الْ

مؤكر بنون تاكير خفيفه: ، لِتُدْعَين المُدْعُون المُدْعَدِن

لِتُدْعَينَ كَى تعليل لُيُدْعَينَ كَاطِرة بجوماتِل سِ كَرْرِ عِلى بم

امرعًا بمعروف بلاتا كيد: _لِيدُعُ لِيدُعُوا، لِيدُعُوا، لِتَدُعُوا، لِتَدُعُوا، لِيدُعُون، لِأَدْعُ لِندع،

امرغائب معلوم مؤكد بنون تاكير خفيف ليد عون ، ليد عون ، ليد عون ، لا دُعُون ، لا دُعُون ، لا دُعُون . لا دُعُون . المرغائب مجهول بلا تاكيد ليد ع ، ليد عيا بليد عيا بليد عيا بليد عيا بليد عيا بليد عيا بليد عيا المرغائب في المد عيان ، ليد كان ميان ، ليد عيان ، ليد كيان ، ليد ك

امرغائب مجهول مؤكد بنون تاكيد خفيف في إيد عَيَن وليد عَوْن وليَّد عَيَن ولا دُعَيَن ولِهُ دُعَيَن ولا دُعَين ولا المُدَعَد وَالله اللهُ وَهُون ولا اللهُ وَهُون اللهُ وَلَا اللهُ وَهُون اللهُ وَهُون اللهُ وَهُون اللهُ وَاللهُ وَاللهُ اللهُ وَاللهُ وَاللّهُ واللّهُ وَاللّهُ ولِلللللّهُ وَاللّهُ وَ

اسم ظرف: مدعي ،مدعيكن ،مداع ،مديع.

مَدْعِی اصل میں مَدْعُوتُها آمیں اولاً تو اسم ظرف کا قانون جاری ہواہے کہ ثلاثی مجرد سے ناقص کا اسم ظرف مَفْعَل کے وزن پر آتا ہے۔ اس کے بعد ید علی والا قانون سے مَدْ عَمْ بنا پھر بقانون قال باع کیا والف سے تبدیل ہوئی اور الف التقائے ساکنین کیوجہ سے حذف ہوا۔

مَدْعَيَانِ اصل مِين مَدْعُوانِ تِهَا يُدْعَى والاقانون جاري مواـ

مَدَاع كَ تَعْلَيل دُوَاعِ كَ طرح مِ مُدَيِعَ اصل مِن مُدَيعُون تَفابقانون دُعِي مُدَيعُ في بنا پريد عُو يُرمِي والا قانون سے ياء كى حركت حذف مولى اور القائے ساكنين كيوجہ سے ياء حذف مولى ۔

> اسم آله صغرىٰ: مِدْعَى مِدْعَدَانِ مَدَاعِ مُدَدِيعِ مَ مِدْعَى اصل مِن مِدْعَوُقا مَدْعَى الم ظرف كَاتَلِل كَاطر حَيَال تَعْلَيل مِولَ ـ اسم آله وَسطىٰ: مِدْعَاةً. مِدْعَاتَانِ مَدَاعِ مُدَيْعِيَةً :

مِدْعَاةً اصل من مِدْعَوَةً ما بقانون يُدُعلى مِدْعَية بنا مجرقال باع والاقانون على مِدْعَاة بنا مِدْعَاتان المسلمان مِدْعَاتان المسلمان مِدْعَاتُه بنا مِدْعَاتُه كالمرح بـ

اسم آل كبرى: مِدْعَاء مُدْعَاء أن مَدَاعِي مُدَيْعِيَّ

مدعاع المسلم من مدعا و الما و الما الما الله الما الله الله الما الله المسلم ا

مُديعي اصل ميں مديعيو قااس ميں بھي يهي تعليل بوئى ہے۔

سوال : مداعدواورمديعيو من سيدوالاقانون كيول جاري بيس كيا كيا؟

جواب ۔ان دونوں صیغوں میں واو سے پہلے جویاء ہے وہ مید تھا ، مفرد کے الف سے تبدیل شدہ ہے ، مکسف اریک اور معمور بت والا قانون سے ، جبکیہ سکید والا قانون میں مبدل نہ ہونا شرط ہے۔

اسم تفضيل مذكر: ادعى ادعيان ادعون أداع أديع -

آدُعلی اصل میں اَدُع و تقااولا یہ دُعلی والا قانون پھر قُسال بَاع والا قانون جاری ہوا۔ آدُع یکن اصل میں اَدُع والا تقانون جاری ہوا۔ آدُع یکن اصل میں اَدُع وَن تقااولا ید علی والا پھر قَسال بَاع اور پھر اَدُع وَن تقااولا ید علی والا پھر قَسال بَاع اور پھر التقائد ماکنین والا قانون جاری ہوا۔ آدیا جاصل میں اَدای و تقااکی تعلیل دو کاع کی طرح ہے آدی ہے اصل میں اُدی یع و تقام دی ماری میں اُدی یع و تعلیل ہوئی۔ تقام مُدی ماری طرح تعلیل ہوئی۔

استفضيل مؤنث: ـ دُعَيلي دُعييان دُعيياتُ دُعي دُعيي

دُعَيلَ اصل من دُعُولى تما دُعُدِلى والاقانون كى بهل صورت كے مطابق واوكو ياء سے تبديل كيا۔

دُّعَدَيْكَ إِن دُعُيْكَ أَتُّ مِن الف مُقصوره والاقانون جارى موا ـ دُعَيَّ اصل مِن دُعُو قا ـ اولا قَالَ بَاعَ والا پير التقائي ساكنين والاقانون جارى موا ـ

دُعَيِينَ اصل مِن دُعَيولي تعاسَيِيدُ والاقانون كمطابق واوياء سے تبديل بوكرياء ياء مِن مرغم بوئي۔

قعل تعجب - مَا اَدْعَاهُ - اصل مي مَا اَدُعَوَهُ قار اولايدُعلى فير قالَ باع والاقانون جارى موا- واَدْعَى بِهِ اصل مين اَدُيع وبه تعادُ عَيِّى يامِينِعَادُ والاقانون كِمطابق واوياء تبديل موا- دَعْوَ اپن اصل پر بـ

باب دوم صرف صغیر ثلاثی مجردناقص واوی از خَسَر بَ يَضْبِر بُ ، چول اَلْحُ ثُومِ عَلَى بِاللَّهِ مَا)

جَثَا يَجْثِي كُبُتُواً فَهُو جَائِ وَجُثِى يَجْثَى كُبُتُواً فذاك مَجْثُو لَمْ يَجْثِ لَمْ يَجْثَ لَمْ يَجْثَ لا يَجْثِى لا يُجْثَى لا يُجْثَى لَنَ يَجْثِى لَنَ يُجْثَى الامر منه إلجَثِ لِتُجْثَى لِيَجْثِ لِيُجْثَ والنهى عنه لا تَجْثِ لا تُجَثِ لا يُجَثَ لا يَجِثِ لا يُجْثَ الظرف منه مَجْثَى و الالة منه مِجْثَى و مِجْثَاةً ومِجْثَاءُ وافعل التفضيل المذكر منه أَجْثَى والمؤنث منه جُثَى وفعل التعجب منه مَا اَجْثَاءٌ وَاَجْثِيْ بِهِ وَجَثُورُ

فعل ماضي معلوم: حَدَثًا ، جَثُوا ، جَثُواْ، جَثَنتُ ، جَثَناً، جَثُونَ ، جَثُوتَ ، الخ.

تعليلات: - بَحَثَا آصل مِن جَدُوتُها قَالَ بِنَاعَ والاقانون جارى بوا، اس كردان كى تمام ترتعليلات دَعَا دَعَوا دَعُوا المنح كي طرح بين ـ

فعل ماضى مجهول مجتبى جَثِيا جَثُوا جَثِيبَ جَثِيبَ أَجَثُوا جَثِيبَ أَجَثِيبَ أَجَثِيبَ جَثِيبَ النَّح بطرز دُعِي دُعِيا دُعُوا النَّح اللَّه بطرز دُعِي دُعِيا دُعُوا اللَّه اللَّاللَّه اللَّه اللَّاللَّه اللَّه اللّه اللَّه اللَّه اللَّه اللَّه اللَّا اللَّه اللَّا اللَّه اللَّه اللَّالَّةُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّالَّ اللَّالَّةُ اللَّا

مضارع معلوم . يَنْجُثِنَى ، يَنْجُثِينَان ، يَنْجُثُونَ ، تَنْجُثِنَى، تَجْثِينَانِ ، يَجُثِينَ، تَجْثِنَى ، تَجْثِينَانِ، تَجْثِينَانِ، تَجْثِينَانِ، تَجْثِينَ، تَجْثِينَ، اَجْثِينَ، اَجْثِينَ، اَجْثِينَ، اَجْثِينَ، اَجْثِينَ، اَجْثِينَ، اَجْثِينَ، اَجْثِينَ، اَجْثِينَ، اَجْتِينَ، الْجَنْتِينَ، الْجَنْتِينَ، الْجَنْتِينَ، الْجَنْتِينَ، الْجَنْتِينَ، الْجَنْتِينَ، الْجَنْتِينَ، الْجُنْتِينَ، الْجَنْتِينَ، الْبَعْتِينَ، الْجَنْتِينَ، الْجَنْتِينَ، الْجَنْتِينَ، الْبُعْتِينَ، الْجَنْتِينَ، الْجَنْتِينَ، الْجَنْتِينَ، الْجَنْتِينَ، الْجَنْتِينَ، الْجَنْتِينَ، الْجَنْتِينَ، الْجَنْتِينَ، الْجَنْتِينَ، الْبُعْتِينَ، الْجَنْتِينَ، الْجَنْتَيْنَ، الْجَنْتِينَ، الْجَنْتِينَ، الْجَنْتِينَ، الْجَنْتَيْنَ، الْجَنْتِينَ، الْجَنْتَيْنَ، الْجَاتِينَ الْبُعْتِينَ، الْبُعْتِينَ، الْبُعْتِينَ، الْبُعْتِينَ، الْعَالَى الْعَالِينَ الْبُعْتِينَ، الْعَالَى الْعَالَى الْعَالَى الْعَالِينَ الْعَلَى الْعَالَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَالِينَ الْعَالِينَ الْعَالِينَ الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَالِينَ الْعَالِينَ الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلْ

يَجُونِي الله المراك المرك المجود المرك المحتود المرك
اصل من تَجْدُونَ تَهاتضُر بْنَ كَى طرح بقانون دُعِي يا مِيْعَادُواوياء يتبديل موافقا

مضارع مجهول: يُجْتَلَى يُجْتَلَى أَجْتَلَى أَيْجَتُونَ تُجْتَلَى تُجَتَلَىٰ يَجُتَلَوْنَ تُجَتَلَىٰ تُجُتَوُنَ تُجَتَلَىٰ يَجُتَلُونَ يَجَتَلَوْنَ تُجَتَلُونَ يَجْتَلُونَ يَجْتُلُونَ يَعْجَدُونَ يَعْجَدُونَ يَحْتَلُونَ يَجْتَلُونَ يَجْتَلُونَ يَجْتَلُونَ يَعْجَدُونَ يَعْجَدُونَ يَجْتَلُونَ يَجْتُلُونَ يَجْتُلُونَ يَعْجَدُونَ يَعْدُونَ يَعْجَدُونَ يَعْدُونَ يَعْدُونَ يَعْجَدُونَ يَعْجَدُونَ يَعْدُونَ يَعْدُونَ يَعْمُونَ يَعْدُونَ يَعْدُونَ يَعْدُونَ يَعْدُونَ يَعْمِعُونَ يَعْمُ يَعْمُونَ يَعْمُونَ يَعْمُونُ يَعْمُونُ عَلَيْ يَعْمُونُ يَعْمُونُ يُعْتُمُ يَعْمُ يَعْمُ يَعْمُ يَعْمُ يَعْمُ يُعْمُونُ يَعْمُ يَعْمُ يُعْمُونُ يَعْمُ يَ

تمام تعليلات يدُعلى يُدْعَيَانِ يُدْعَوْنَ اللَّحِ كَاطِرَ مِينٍ.

اسم فاعل : جَانٍ جَانِيكِانِ جَاثُونَ مُحَنَاةً جُنَّاءً جُنَيُّ جُثُو جُنُواءً جُثُوانٌ جِنَاءً جِنِيُّ اَجُنَاءً جَانِيَةً جَانِيَتَانِ جَانِيكاتٌ جَوَاثٍ جُنَيِّ جُويْثٍ جُويُثِينَ جُويُثِينَةً دَاعٍ دَاعِيَانِ الْحَ كَاعليلات رِاكَى تعليلات قياس رئيس ـ

اسم مفعول: مَجْدُونًا مُحَدُّونًانِ مَجْدُونُ مَجْدُونًا مَجْدُونًا وَكُمْجُدُونَانِ مَجْدُونًا مُجَاثِيً مُجَدِيْنًا وَمُحَدُّنَانِ مَجْدُونًا مُحَدِّينًا مُحَدِّينًا مُحَدِينًا مُحَدِينًا مُحَدِينًا مُحَدِينًا مُدَّعُونًا نَاكُ كَامِرِج -

فعل مستقبل معلوم مؤكد بلام تاكيرونون تاكير فقيله: - لَيَهَ جُدِيدَ قَالَمَ اللّهِ اللّهُ عَلَى ال

لَيَجْنِيَنَ أصل مين يَجْنِينُ هاشروع مين لام تاكيد مفتوحه اورآخر مين نون تاكيد تقيله ماقبل كفته كيساته لكاديا-

مجهول: لَيُجْتَينَ لَيْجَتَيَانِ لَيُجُنُونَ الخ لَيدُعَينَ لَيدُعَيانِ لَيدُعُونَ الخ كاطرة.

امرحاض معلوم بلاتا كيد: إلجث إجْثِيا اجْتُوا اجْثِي إجْثِيا اجْتِينَا اجْتِينَ

اَجْتُ اصل میں اِجْنِی تقابقانون اُدُع آخرے یاء مذف ہوگی ۔ اِجْنِیا آصل میں اِجْنِوا تھا دُعِی والاقانون جاری اجنون اصل میں اِجْنِوا تھا دُعِی والاقانون جاری اِجْنِیُوا بنااس کے بعداولایک فُول یَبیعُ پھریگوسکواور پھر اِحْقِیُوا بنااس کے بعداولایک فُول یَبیعُ پھریگوسکواور پھر اِحْقاب اِلْقالَت ساکنین والاقانون جاری ہوا۔ وعلی هُذَا الْقِیاسِ .

امرحاضرمعلوم مؤكد بنون تاكيد تقيله: - إجْدِينَ إجْدِيدانِ اجْدَبُنَ اجْدَبُنَ اجْدَيْنَ اجْدِيدانِ اجْدَيْدَان اِجْدِيدَنَ اصل مِن اِجْدِ فِي تَعَانُون تَقيلُه لِكَاتِهِ وقت وه يائه محذوف واپس آئى جودقف كي وجه سے حذف ہوئي تقي كيونكه اب یا محل وقف (بعنی آخر) مین ہیں رہی۔ اور یا عوفقہ اسلے دیا کہ یہ میغدان پانچ میغوں میں سے ہے جن میں نون تا کید کا ماقبل مفتوح ہوتا ہے۔ آخر تک تمام گردان اور اکی تعلیلات کر ایجا کیں۔

باب وم صرف صغير ثلاثى مجردناقص واوى ازباب سَمِعَ يستَمَعُ جون اَلرِّ صَا وَالرِّ صَنوانُ بَمعَىٰ البِسوم صرف صغير ثلاثى مجردناقص واوى ازباب سَمِعَ يستَمَعُ جون اَلرِّ صَالَى اللهِ عَلَى اللهِ صَالَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى الل

رَضِى يَرْضَلَى رِضَاً وَرِضُواناً فَهُو رَاضٍ وَرُضِى يُرُضَلَى رِضَاً وِضُواناً فذاك مَرْضُو لَ لَمْ يَرْضَلَى لَنَ يَرْضَى لَنَ يَرْضَى لَنَ يَرْضَى الامر منه إرْضَ لِلتُرْضَ لِنَهُ يَرْضَى لَنَ يَرْضَى لَا يُرْضَى الامر منه إرْضَ لِلتُرْضَ لِيرْضَ لِايرُضَ لايرُضَ الظرف منه مَرْضَى لييرُضَ لايرُضَ لايرُضَ الظرف منه مَرْضَى والالة منه مِرْضَمَى ومِرْضَاء ومرضاء وافعل التفضيل المذكر منه ارْضَلى والمؤنث منه رُضُلى وفعل التعجب منه مَا ارْضَاء وافعل التفضيل المذكر منه ارْضَلى والمؤنث منه رُضُل وفعل التعجب منه مَا ارْضَاء وارْضَى بِهِ وَرَضُو .

فعل ماضى معلوم: - رَضِينَ رَضِينَا رَضُوْا رَضِيَتْ رَضِيَتَا رَضِيْنَ رَضِيْتَ رَضِيْتَ رَضِيْتُكُمُا رَضِينَتُهُ رَضِيْتِ المخ.

تعلیلات: -رَضِی اصل میں رَضِیو تھادیمی والاقانون جاری ہوا۔ ای طرح رَضِیکا اصل میں رَضِیوًا تھا رَضِیوًا تھا رَضِیوًا تھا رَضِیوًا تھا دیمی والاقانون سے یاء کاضمہ رَضِیوً اصل میں رَضِیوُ اتھا دیمی والاقانون سے یاء کاضمہ ماقبل (ضاد) کودیا اور بقانون کیو سرمیاء واوسے تبدیل ہوئی اور التقائے ساکنین کیوجہ سے واوحذف ہوا۔ اخر تک تمام صینوں میں گذیعتی والاقانون کے مطابق واویاء سے تبدیل ہواہے۔

فعل ماضی مجهول: - رئے سی رفضیت رفض و ارضیت و صنیت رفضیت النے ماضی مجهول کی تعلیات یعید ماضی معلوم کا تعلیات کی طرح پین

مفارع معلوم: ـ يَـرُ صَلَى يَـرُ صَلَيَـانِ يَـرُ صَنُونَ تَرْصَلَى تَرْضَيَانِ يَرْضَيْنَ تَرْصَلَى تَرْضَيَانِ تَرْضَوَنَ تَرْضَيْنَ تَرْضَيَانِ تَرْضَيُنَ أَرْضَلَى نَرْضَلَى ـ

يَرْضلي اصل مين يَرْضُون الله على والاقانون سے يَرْضُعي بنااور قَال بَاعَ والاقانون سے يَرْضلي بنا۔ مضارع معلوم اور مضارع مجبول كتمام صيغول كي تعليلات يَدْعلي فيدْعَيْانِ المنخ مضارع مجبول كي تعليلات كيطرح میں بلکہ برجہول کی گردان اور تعلیلات دعا یدعود کی جہول گردان اور تعلیلات کے طرز پریں۔

مثلًا مضارع مجبول - ميرضلى يرضيان يرضون المخاصل من يرضو يرضون يرضون المخاص المن من المرضور المرضون المخاص المن المرضون المخاص المال المردان المرضون المال المردان المراكم المردان المراكم المردان المردان وتعليلات كالمرح بن

مُثَّالَيْرُضَيَنَّ لَيَرُضَيَانِّ لَيُرُضُونَّ الح لَيُدُعَيَنَّ لَيُدُعَيَانِّ لَيُدُعُونَّ الخ كَيْرِح بِيل اسمِ فاعل ـ رَاضٍ رَاضِيَانِ زَاصُونَ رُضَاةً رُضَّاءً رُضَنَّ رُضُو وَ رُضُواُ وُضَوَاءُ الخ دَاعِ دَاعِيَانِ الخ كيطرح-

امرعاضرمعلوم: ورض إرتضيا إرضوا إرضى إرضيا إرضينا

ارمض اصل میں ارد ضبی تھاوقف کی وجہ سے (ادع والا قانون کے مطابق) حرف علت یعنی الف حذف ہوا۔

امرحاضرمعروف مؤكد بنون تاكيرتقيله : _ إرْضَيَقَ إِرْضَيَانِ إِرْضَوْنَ الخ

اسم مفعول: مَنْ صَنوع مَرْضَتُوانِ مَرْضُون النح مَدْعُو النح كَاطِرَ - اور مَرْضَتُوكُو مَرْضِيع برُ سنا بھی جائز ہے جینا کہ دوانیں دَعَا يَدْعُوكَ كَارُدان كَى جائز ہے جینا کہ دِعِی کے پہلے قانون كے ذیل میں گذرا۔ اسم ظرف سے آخر تک تمام گردانیں دَعَا يَدْعُوكَ كَارُدان كَى طرح بین اور تعلیات بھی بالکل ایک جینی ہیں۔

باب چہارم صرف صغیر ثلاثی مجردناقص واوی ازباب فَتَحَ يَفْتَحَ رُون الْمَحُومِ معنى ،مثانا (ينصَرَ عَ بَيْنَ اللهُ مَا يَشَاءُ)

مَحَا يَمْحَىٰ مَحُواً فهو مَاحٍ وَمُحِى يُمُحلى مَحُواً فذاك مَمْحُوَّ لَمْ يَمْحُ لَمْ يُمْحَ والنهى عنه لا لا يَمْحلى لا يُمْحلى لَنْ يَمْحلى لَنْ يَمْحلى الامر منه المُحَ لِتُمْحَ لِيمْحَ لِيمْحَ والنهى عنه لا تَمْحَ لاَتُمْحَ لاَيْمُحَ لاَيْمُحَ الظرف منه مَمْحَى والالة منه مِمْحَى ومِمْحَاةً ومِمْحَاءٌ وافعل التفضيل المذكر منه أمْحلى والمؤنث منه مُحيلى وفعل التعجب منه مَامَحَاةً وَامْحِى بِهِ وَمَحُون تُعل ماضى معلوم: مَسَحَاً مَسَحَواً مَسَحَوا مَحَتُ مَحَتًا مَحَوْنِ مَحَوَّتَ الْخ اصل گرادن يون حَى مَجَوَ مَحَوَا مَحَوُوْا مَحَوَتُ الْخ اس گردان مِس دَعَا دَعَوا دَعَوْا الْخ کی طرح تعلیلات بوئیں ہیں۔

ماضى مجهول . مُعِي مُحِيّا مُحُوّا، مُحِينتُ الْحُ دُعِيَ دُعيًا دُعُوا دُعِينتُ الْحَلَارَ

مضارع معلوم - يَسْحلى يَمْحَيَانِ يَمْحُونَ تَمْحلى تَمْحَيْانِ يَمْحَيْنَ تَمْحلى تَمْحَوْنَ تَمْحَيْنَ تَمْحَيَانِ تَمْحَيْنَ اَمْحلى نَمْعلى.

مضارع مجهول - يستحلى يمتحكيان المخ مضارع معلوم كى طرح بات فرق كساته كديهال حرف اتين مضموم بجهول المين مفتوح -

اسم فاعل . مَاحِ مَاحِيَانِ مَاحُونَ مُحَاةً مُحَّاةً مُحَّى مُحُوَّ مُحَوَّاءً مُحُوَانً مِحَاءً مِحِيًّ اَمْحَاءً مَا عَلَيْ مَا عَلَيْ مَا مُحَاءً مَحِيًّ اَمْحَاءً مَا عَيْنِ اللهِ كَامِرَ مَحَيًّ مُويَدِع مُويَحِيدةً ، دَاعِ دَاعِيَانِ اللهِ كَامِرَ

اسم مفعول: مَسَحُو مَسَحُو ان مَسَحُون مَرَحُون مَرَحُونَ مَرَحُونَ مَرَحُونَا مَرَحُوناتُ مَمَاحِي مُمَدِعِيً مَرَدِينَا عَرِدُونِ مَدَعُون الْخ كَاطِرة. مُمَدِعِيّة مَدْعُو مَدْعُوانِ الْخ كَاطِرة.

فعل متقبل معلوم مؤكد بلام تاكيرونون تاكير تقيله: - لَيَهُ حَيَنَ لَيَهُ حَيَاتِ لَيَهُ حَوْنَ لَتَهُ حَينًا لَ لَيَهُ حَينًا لِللهِ اللهِ اللهِ اللهُ عَلَى اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ

امرحاض معلوم بلاتاكيد : وامْحَ إمْحَيَا إمْحَوْا وامْحَى إمْحَيَا إمْحَيْنَ .

مؤكد بنون تاكير تقيله: _ إمْ حَين المْحَيّانِ الْمُحَوّن الْمُحَيِّينَ الْمُح

اسم ظرف . مَمْحيًا مَمْحيًان مَمَاح مُمَيْح، مَدْعيًى مَدْعَيانِ الخ كاطرة.

باب پنجم صرف صغير ثلاثى مجردناقص واوى ازباب كَرْمَ يَكُرُومُ چون اَلْرِ خُورَةُ مِعنى ـ زم ہونا،آسان

ہونا۔

رَجُو يَرْخُو رِخُو ةً فهو رَخِي كَا لَمْ يَرْخُ لَا يَرْخُو لَنَ يَرْخُو الامرمنه أُرْخُ لِيرُخُ والنهى عنه

مضارع معلوم: يَتَرَجُّو، يَتَرَجُّوانِ، يَتَرَجُّونَ ،تَتَرَجُّونَ ،تَتَرَجُّونَ ،تَرَجُّونَ ،تَرَجُّو ،تَرَجُوانِ، تَرَجُّونَ ، تَرَخِيْنَ ، تَرَجُّوانِ ، تَرَجُّونَ ، اَرْجُو، نَرْجُوْ.

اس تمام تعلیلات یک عُو یک عُوان النح کی تعلیلات کی طرح ہیں۔ اس باب کی تمام گردان اور تعلیلات کے ایک عُو کی گردان اور تعلیلات کی طرح ہیں۔ اس نامل کی گردان اس نے نہیں آتی لازم ہونے کیوجہ سے اور اسم فاعل کی گردان اس نے نہیں آتی لازم ہونے کیوجہ سے اور اسم فاعل کی جگہ صفت مشتباہ کی گردان آتی ہے۔

صفت مشبه -رَخِيَّ ،رَخِيسَان ، رَخِيتَوْن ، رَخَوان ، رَخُوان ، رِخُوان ، رِخُوان ، رِخُوان ، رِخِي ، رِخ ، ارْخَاء ، ارْخَاء ، ارْخَاء ، ارْخَاء ، ارْخَاء ، رُخَاء ، ارْخَاء ، رُخَاء ، رَخَاء ، رَخَاء ، رَخِاء ، رَخَاء ، رَخَا

> رخيعی اصل میں رخبو و تقامیس دیا میں کی طرح تعلیل ہوئی۔ رخیجی اصل میں رخبو و تقامیس دیا میں

رِخِ اصل میں رُخُو تھا دِعِی والا قانون کی پہلی صورت کے مطابق واوکویا ، سے تبدیل کیا رُخُسی بنا پھر دِعِی کے دوسرے قانون کے مطابق را واور خا و کو سرود یا تو رِخِی بنا اسکہ بعد کید دعو کی کرمی والا قانون جاری ہوا اور پھر التقائے مانئین کیوب سے یا وحذف ہوگئ ۔ آر تُخَاء اصل میں اُر خَاوُتھا دُعَاء والا قانون جاری ہوا۔ آر خِیاء آر خِیاء آر خِیاء آر خیاء آراء آر خیاء
اپنے اپنے قوانین کے ذیل میں گذر چکی ہیں۔

ابواب ثلاثی مزید فیه ناقص واوی

باب اول صرف مغير ثلاثى مزيد فيه ناقص واوى ازباب إفْعَالَ چُون اَلْاعُكُامُ" بمعنى بلندكرنا" اَعُلَى يُعُلِي اِعُلَاءً فهو مُعُلِ وَاُعُلِى يُعْلَى اِعْكَاءً فذاك مُعْلَى لَمُ يُعُلِ لَمْ يُعُلُ لَا يُعُلِى لَا يُعْلَى لَنَ يُعْلِى كَنَ يُتُعْلَى الامر منه اَعْلِ لِتُعْلَى لِيُعْلِ لِيُعْلَ و النهى عنه لَا تُعُلِ لَاتُعُلَ لَا يُعْلَى لَا يُعْلَى الظرف منه مُعْلَى مُعْلَمَانِ مُعْلَمَانَ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى ال

الإعلاء اصل مين الإعلام فقا دُعَاء والاقانون جاري موار

فعل ماضى معلوم: - اَعْلَى اَعْلَيَا اَعْلَوْا اَعْلَتْ اَعْلَتْا اَعْلَيْنَ اَعْلَيْتَ الخ

آغلی اصل میں اعداد تا اولا ید دعلی والا اور پھر قدال باع والا قانون جاری ہوا۔ اس گردان کے تمام صیفوں میں ید دعلی والا قانون جاری ہوا۔ اس گردان کے تمام صیفوں میں یہ دعلی والا قانون جاری ہوا۔ اعداد اس کے اس میں اعداد قانون جاری ہوا پھر قال باع والا قانون جاری ہوا پھر قال باع والا قانون جاری بولا قانون جاری ہوا ہواتی والا قانون جاری ہوا۔ اعداد اس کے بعدالتقائے ساکنین والا قانون کے مطابق الف حذف ہوا۔ آغداد کی آصل میں اعداد وی تا خرتک ہوا۔ ہوا ای موالی طرح آخرتک ہوا۔

ماضى مجهول: - أَعْلِي أَعْلِيا أَعْلُوا أَعْلِيكَ أَعْلِيكَ أَعْلِينًا أَعْلِيْنَ أَعْلِيْتَ النح.

المعلى المسلم المعلى ا

فعل مضارع معلوم: ـ يعلي يعليكان يعلن يعلن و تعلي تعليد و تعليد و تعليد
<u> هُعُلِينَ</u> اصل مِن يعلِو تهااولادُ عِي والاقانون جارى ہوا ثانياً يَكَدْ عُوْ يَرْمِيْ والاقانون جارى ہوا۔ تَـ عُلِي ٱعُلِيٰ

مُعَلِينَ مِن مِن مِن مِن مُعَلِيل مِونَى بِ مِعَلِيبانِ اصل مِن مُعَلِوانِ هَا دُعِيَ والاقانون جارى مو مُعَلُونَ اصل مِن مُعَلِووانِ هَا دُعِي والاقانون جارى موايعُلُونَ اصل مِن مُعَلِوونَ هَا اولا دُعِي والا بَعر يَقولُ يَدِينُ والا بَعر والا اوراسك بعدالتقائه ساكنين والاقانون جارى موادور مِن عَليل مَعَ عَلَوْنَ مِن مونى باقى دُعِي والاقانون اس كردان كم بربرصيغه من جارى مواجد مَن عَلين والاقانون جارى عن مؤلف في الله بعر يَدْعُو يَرْمِي والاقانون اوراسك بعدالتقائم ساكنين والاقانون جارى عواجه مؤلف في مؤلف في الله بعر يَدْعُو يَرْمِي والاقانون اوراسك بعدالتقائم ساكنين والاقانون جارى مواجد من مؤلف في الله بعر يَدْعُو يَرْمِي والاقانون اوراسك بعدالتقائم ساكنين والاقانون جارى مواجد من مؤلف في مؤ

مضارع مجهول: مِنْعُلَلَى يَعْلَوْنَ تَعْلَى تَعْلَيْنَ يَعْلُونَ تَعْلَى تَعْلَيْنَ يَعْلَيْنَ تَعْلَى تَعْلَيَنَ تُعْلَيْنَ تَعْلَيْنَ مَعْلُوقَ صَالَولا دُعْنَى الله عَلَيْنَ مَعْلِيْنَ مَعْلِيْنَ مَعْلِيْنَ مَعْلِينَ مَعْلَيْنَ مَعْلَيْنَ مَعْلَيْنَ مَعْلَيْنَ مَعْلِينَ مَالِينَ مَعْلِينَ مُعْلِينَ مَعْلِينَ مُعْلِينَ مَعْلِينَ مُعْلِينَ مُ

اسم مفعول: مُعلَى مُعلَيان مُعلَونَ مُعلاةً مُعلاتان مُعلَيات.

فعل مستقبل معروف مؤكد بلام تاكيرونون تاكير تقيله: - كَيْعَلِيَنَّ كَيْعَلِيَانِّ لَيْعُلُنَّ كَتَعْلِيَنَّ الخ مجول: - كَيْعُلِيَنَّ لَيْعَلِيَانَّ كَيْعَلُونَ الخ

فعل جهدمعلوم . لَمْ يُعَلِّى لَمْ يُعَلِّيا لَمْ يُعَلِّيا لَمْ يُعَلُّوا لَمْ تَعْلِ الْح

امرحاض معروف بلاتاكيد: أعُل أعُلِيّا أعُلُوا أعُلِيْ أعْلَى أعْلِيّا أعْلِيْنَ.

مؤكد بنون تاكيدُ فيلد: - أَعْلِينَ أَعْلِينَ أَعْلِينًا نِ أَعْلُنَ أَعْلِنَ أَعْلِينًا نِ أَعْلِينًا نِ

مؤكر بنون تاكيد خفيفه . أعْلِينَ أعْلُنَ أعْلِنْ - آخرتك ردان اورتعليلات كريج

باب دوم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه ناقص واوى از باب تَفْعِيدَل چون اَلمَتَّنْج بَيْهُ بمعنى "نجات دلانا، ربائى دلانا"

نَجِّي يُنَجِّي تَنْجِيَةً فهو مُنَجِّ وَنَجِّي يَنَجَّى تَنْجِيَةً فذاك مُنَجَّى لَمْ يُنَجَّ لَمْ يَنَجّ

لَايُنَجِّىٰ لَايُنَجِّىٰ لَنَ يُّنَجِّى لَنَ يُّنَجِّى لَنَ يُّنَجِّى الامر منه نَجِّ لِتُنَجِّ لِيُنَجِّ لِيُنَجِّ والنهى عنه لَاتُنجِّ لَاتُنَجَّ لَايُنَجَّ لَايُنَجَّ لايُنجَّ الطرف منه مُنَجَّى مُنجَّيَانِ مُنجَّيَاتُ .

المستنجية مصدراصل من المتنتجوة تماماده نَجَوَ عدي والاقانون كمطابق واوياء ساتديل موا-

فعل ماض معلوم: - نَجِّي نَجِّيانَجُّوا نَجَّتُ نَجَّتًا نَجَّيْنَ نَجَّيْتَ نَجَّيْتُما النح

ماضى مجهول: ينتيجي نيجياً نجو النيجيئة نيجيداً نيجيداً نيجيداً المنع ببله دونون صغول من دعي والاقانون جارى

مضارع معلوم: -يَسنَجِّنَى يُسنَجِّنَانِ يُنجُّونَ تُنجِّنَى سُنَجِّيَانِ يُنَجِّيْنَ تُنجِّى تَنجِّيَانِ تَنَجُّونَ مَنَجِيْنَ تُنجِيَانِ تُنجِيْنَ انجِّنَى لِنَجِّى تَنجِيْنَ تُنجِيَانِ تُنجِيْنَ انجِيْحَ نَنجِتَى

كَيْنَجِسَى اصل مِن يُنَجِّوها يَصَرِّفُ كَاطِرَ - اولادُعِي والااور پُريَدُ عُو يُرْمِي والاقانون جارى موا-مضارع مجهول: - يُسْنَجِن يُسْنَجَّيَان يُنَجَّونَ مُنَجِنَّ تَنَجَيَّانِ يُنَجَّيَانِ مُنَجَّيَانِ مُنَجَّيَانِ مُنَجَّدِونَ

تَنَجِينَ تَنَجِيانِ تَنَجَينَ أُنَجَى نَنَجَى

اسم فاعل . - مُنَج مُنَجِّيَانِ مُنَجُّونَ مُنَجِّيَةً مُنَجِّيَتَانِ مُنَجِّيَاتًا

اسم مفعول؛ مُمنَجيًّ مُنجيًان مُنجُون مُنجَّاةً مُنجَّاتًان مُنجَّاتًا ومُنجَّاتًا

امرحاض معلوم: لَيْجٌ نَجِيكًا نَجُوا نَجِنى نَجِيكًا نَجِيدُنَ

مؤكد بنون تاكير تقيله: نَجْدَنْ نَجْدَانْ نَجْنَانِ نَجْنَ نَجْدَانْ نَجْدَانْ نَجْدَانْ نَجْدَانْ

باب سوم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه ناقص واوى ازباب منفاعَلَة چون المدنا حَاة

تجمعنی"با ہم راز و نیاز کرنا" (سر گوثی کرنا) •

نَاجِي يْنَاجِيُ مُنَاجَاةً فهو مُنَاجِ وَ نُوْجِي يُنَاجِي مُنَاجَاةً فذاك مُنَاجَّى لَمْ يُنَاجِ لَمُ يُنَاج لَا يُنَاجِيُ لَا يُنَاجِي لَكِيُّنَاجِي لَنَ يُنَاجِي لَنَ يُنَاجِى الامر منه نَاجِ لِتُنَاجَ لِيْنَاجَ والنهى عنه لَا تُنَاجِ لَاتُنَاجَ لَايُنَاجِ لَايُنَاجَ الظرف منه مُنَاجَى مُنَاجَيَانِ مُنَاجَيَاتُ .

المُعَنَّاجَاة مصدراصل مين المُعَنَاجَوَة قا (المُعضَارَبَة ميطرح) اولا يُدعلى والاقانون اور اليَّاقَالَ بَاعُ والا قانون جارى موا-

فعل ماضى معلوم: - نَاجِي نَاجَيا نَاجَوا نَاجَتُ نَاجَتًا نَاجَيُنَ نَاجَيْتَ الخ

مضارع معلوم: يَنَاجِئُ يُنَاجِيَانِ يُنَاجِيَانِ يُنَاجِئُونَ تُنَاجِيُ تُنَاجِيَانِ يُنَاجِيُنَ تُنَاجِيُنَ تُنَاجِيَانِ مُنَاجِيَانِ تُنَاجِيَانِ تُنَاجِيَانِ تُنَاجِيَانِ تُنَاجِيُنَ أُنَاجِيُ تُنَاجِيُنَ أُنَاجِيُ تُنَاجِيُنَ أُنَاجِيُ تُنَاجِيُنَ أُنَاجِيُ تُنَاجِيُنَ أُنَاجِيُ لَنَاجِيُنَ أُنَاجِيُ لَنَاجِيُنَ أُنَاجِيُ لَنَاجِيُنَ أُنَاجِيُ لَنَاجِيُنَ أُنَاجِيُ لَنَاجِيُ لَنَاجِيُنَ أُنَاجِيُنَ أُنَاجِيُنَ أُنَاجِيُنَ أُنَاجِيُنَ أُنَاجِيُ لَنَا أَنْ إِلَى اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهُ اللّهِ اللّهُ عَلَى اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللللّهُ اللللللللّهُ اللللللللللّهُ الللللللللللللللللللللللل

مینا جرحی اصل میں مینا جو تھا دعیے والا قانون جاری ہوا۔ بینا جرم بنا پھر یَدْ عُو یُرْمِیْ والا قانون جاری ہوا۔ دیگر صیغوں میں جاری ہونے والے قوانین تلاش کیجئے۔

مضارع مجهول: ـ يَكْ اَجِلَى يُكَ اَجَدَانِ يُكَاجَوْنَ تَكَاجَى تَكَاجَى تَكَاجَدَانِ يُكَاجَدُنَ تَنَاجَلَان تَكَاجَوْنَ تُنَاجَدِنَ تُنَاجَدَنِ تَنَاجَدِنَ أَنَاجَلِيَ أَنَاجَى نَنَاجَى ـ تعليلات يُدَعلى يُدْعَيانِ الخ اسم فاعل: ـ مُنَاجِ مُنَاجِيانِ مُنَاجُونَ مُنَاجِيةً مُنَاجِيةً مُنَاجِيَانٍ مُنَاجِيَاتً ـ اسم مفعول: مُنَاجَى مُنَاجَيَان مُنَاجَونَ مُنَاجَاةً مُنَاجَاتُانِ مُنَاجَيَاتً.

امرحاض معلوم: - نَاجِ نَاجِيَا نَاجُوُ انَاجِيْ نَاجِيَا نَاجِيْنَ

مَوَ كَدِبُون تَا كَيِرْتُقيلِهِ: - نَاجِيَنَ نَاجِيَاتِ نَاجُنَّ نَاجِنَّ نَاجِيَانِ نَاجِينَانِ .

مؤكد بنون تاكيد خفيفه: كاجِين نَاجَن نَاجِن.

امر حاضر مجهول بلاتا كيد: _ لِتَناجَ لِتُناجَيا لِتَناجُوا لِتُناجَى لِتُناجَيا لِتُناجَيْن

مؤكر بنون تاكير تقيله _ لِتناجينَ لِتناجيانِ لِتناجيانِ لِتناجُونَ المح _آخرتك ممل تصريفات وتعليلات كريج

<u>ٱلتَّبَنَّتِی</u> مصدراصل میں اَلنَّبَتُ و تھا دِعِی کے پہلے قانون کی دوسری صورت کے مطابق واوکویاء سے تبدیل کیا گھر دِعِی کے وسرے قانون کے مطابق یاء کے ماقبل والے ضمہ کو کسرہ سے تبدیل کیا۔ اَلتَّبَنِی بنا پھر بقانون یَدْعُو یَرْمِی باء ساکن ہوگئی۔

فعل ماضى معلوم: - تَبَنَّى تَبَنَّى تَبَنَّوا تَبَنَّتُ تَبَنَّتُ تَبَنَّتُ تَبَنَّتُ تَبَنَّيْنَ تَبَنَّيتَ الخ

تَبَنَّىٰ اصل میں تَبَنَّو تَقایدُ علی والا قانون کے مطابق تَبَنَّی بنا پھر قَالَ بَاعَ والا قانون جاری ہوا۔اس گردان کے مماسخوں میں یہدُ علی والا قانون کے بعد قدال بَاعَ اور پھر التقان میں یہدُ علی والا قانون کے بعد قدال بَاعَ اور پھر التقائے ساکنین والا قانون بھی جاری ہوا ہے۔

مض مجهول: تبني تبنيا تبنوا تبنيت تبنيتاً تبنين تبنيت الخ ماض مجهول: تبنياً تبنياً تبنوا تبنيت تبنيتاً تبنين تبنيت الخ

تَبَنِّیَ اصل مِیں تُبَیِّوْهَا(تَصْرِیْفَ کی طرح)دُّعِی والاقانون جاری ہواء آگے صینے ای پرقیاس کریں۔ فعل مضارع معلوم: ۔ یَتَبَنِیْنَ یَتَبَنِیْکَانِ یَتَبَنِیْکَانِ تَتَبَنِیْکَانِ تَتَبَنِیْکَ تَتَبَنِیْکَانِ تَتَبَنُّونَ تَتَبَنَّيْنَ تَتَبَنِّيانِ تَتَبَنَّيْنَ اَتَبَنِّي نَتَبَنَىٰ لَـ

كَتَبَنِينَ اصل مِن يَتَبَنِّوْهِ مَا (يَتَصَرُّونَ فَي كَاطِرِح) اولايد على والا اور پُرقَالَ بَاعُوالا قانون جاري موارد

مفارع مجهول کا گردان بھی معلوم کی طرح ہے صرف اتنافرق ہے کہ مجهول میں حرف اتین مضموم ہوتا ہے جیسے گیدکہ سنسی عَدَ بَدِّیَا نِی عَدَ بَدِیْنَ اللّٰحِ پیدَ بَدِیّا اِن پیدَ بَدِیْنَوْنَ اللّٰحِ

اسم فاعلَ: - مُتَبَنِينَ مُتَبَنِّيانِ مُتَبَنِّدُنَ مُتَبَنِيةً مُتَبَنِّيةً مُتَبَنِّيَانِ مُتَبَنِّياتُ

مُمَنَّبَنِينَ اصل مِن مُمَنَّبَنِوْ تَهَا (مُتَّمَرِّفُ كَلِطرح) اولا دُعِي والا اور پھر بَدُعُو بُرسمين والا قانون جاري ہوا۔ اسكے بعد التقائے ساكنين كيوجہ سے ياء حذف ہوگئ۔

اسم مفعول: مُتَبَنيَ مُتَبَنيًان مُتَبَنَّونَ مُتَبَنَّاة مُتَبَنَّاتَان مُتَبَنَّاتُ

امرحاض معلوم: - تَبَنَّ تَبَنَّياً تَبَنُّواْ تَبَنَّى تَبَنَّدُ تَبَنَّياً تَبَنَّدُن.

امرحاض معلوم موكد بنون تاكير تقيله: - تَبَنَّينَ كَبَنَيْانِ كَبَنَكُونَ تَبَنَّينَ تَبَنَّينَ تَبَنَّيانِ تَبَ - بقيرت ريفات وتعليلات كمل يجيءً -

باب بنجم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه ناقص واوى ازباب تَفَاعُلُ چول اَلتَّر اَضِمى اِب بنجم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه ناقص واوى ازباب مراضى بونا)

المتراضي مصدراصل من المترافيوقا۔ دِعِین کے پہلے قانون کی دوسری صورت کے مطابق واوکو یاء سے تبدیل کیا پھر دِعِین کے دوسرے قانون کے مطابق ما قبل یاء کاضمہ کسرہ سے تبدیل کیا اور کید عور کے دوسرے قانون کے مطابق ما کی مطابق یاء کا صورت کے مطابق ما کی ہوگئی، اور الف لام کے بغیر جو تسسر اضدیت اصدر ہے اسکی اصل بھی قسر اضدی کے سامی تعلیل بھی وہی ہے جو المقتر اضدی کی ہے صرف اتنافرق ہے کہ قسر اضدیا میں یہ دی ہے تو ایک میں بوا کیونکہ آئمیں یاء

مفتوح ہے جبکہ کید عبو بیر مے دوالا قانون میں واواور یا عکامضموم یا مکسور ہونا شرط ہے۔

فعل ماضى معلوم: ـ تَرَاضلي، تَرَاضَيا، تَرَاضَوا ، تَرَاضَوا ، تَرَاضَتُ، تَرَاضَتَا، تَرَاضَيْنَ، تَرَاضَيْتَ الخ تَرَاضَلَى اصل مِين تَرَاضَوَ هااولايدُ على والااور پهرقال بَاعُوالا قانون جارى بوار

فعل ماضى مجهول: قروضيى، تروضيكا، تروضوا، تروضيكت، تروضيكتا، تروضيكا، تروضيك الخرو موسي اصل من تروضيوها دعى والاقانون جارى بوا

فعل مضارع معلوم: ـ يَتَرَاضلَى يَتَرَاضَيَ إِن يَتَرَاضَينَ نِيَتَرَاضَوْنَ تَتَرَاضَى تَتَرَاضَيَانِ يَتَرَاضَيْنَ تَتَرَاضَيْنَ تَتَرَاضَيْنَ تَتَرَاضَيْنَ تَتَرَاضَيْنَ تَتَرَاضَيْنَ تَتَرَاضَيْنَ تَتَرَاضَيْنَ تَتَرَاضَى نَتَرَاضَى نَتَرَاضَى نَتَرَاضَى تَتَرَاضَى تَتَرَاضَى تَتَرَاضَى تَتَرَاضَى اللهِ عَدْمَى والا تَاوَن جَارى موالهُ عَدْمَى والا تَعْرَاضَلَى اصْلَ مِن يَتَرَاضَى والم عَدْمَى والا تَعْرَاضَلَى اصْلَ مِن يَتَرَاضَى والمَا عَدْمَى والا تَعْرَاضَلَى اصْلَ مِن يَتَرَاضَلَى اللهُ المِن اللهُ عَدْمَى واللهُ عَدْمَى واللهُ عَدْمَى واللهُ عَدْمَى واللهُ اللهُ عَدْمَى واللهُ عَدْمُ اللهُ عَدْمَى واللهُ عَدْمُ عَدْمُ عَدُمُ واللهُ عَدْمُ واللّهُ عَدْمُ واللهُ عَدْمُ واللّهُ عَدْمُ واللّهُ عَدْمُ عَدْمُ واللّه

مضارع مجہول کی گردان بھی مضارع معلوم کی طرح ہاں فرق کے ساتھ کہ یباں حرف اتین مضموم ہے۔

اسم فاعل: مُتَرَاضٍ مُتَرَاضِيَانِ مُتَرَاضُونَ مُتَرَاضِيَةُ مُتَرَاضِيَتَانِ مُتَرَاضِيَاتً.

اسم مفعول: - مُتَرَاضِعًى أُمُتَرَاضَيَانِ مُتَرَاضَونَ مُتَرَاضَاةً مُتَرَاضَاتَانِ مُتَرَاضَيَاتُ .

امرحاض معلوم بلاتا كيدند تَرَاضَ ،تَرَاضَيَا ،تَرَاضَوْا، تَرَاضَى ،تَرَاضَيَا ،تَرَاضَيَن.

مؤكد بنون تاكيد تَقيله: - أَتَرَاضَيَنَ ، تَرَاضَيَانِ ، تَرَاضُونَ ، تَرَاضَيِنَ ، تَرَاضَيَانِ ، تَرَاضَينانِ .

مؤكد بنون تاكيد خفيفه : - تَرَاضَينَ تَرَاضُونَ تَراضُونَ تَراضَين

امرحاض مجهول بلاتاكيد: _لِتُتَرَاضَ لِتُتَرَاضَيَا لِتُتَرَاضَوا، لِتُتَرَاضَى الخ ـ

باب ششم صرِف صغير ثلاثى مزيد فيه ناقص واوى از باب إِفَّة يَعَالَ چون اَلْاعْتِدَاءُ بمعنى " تجاوز كرنا ظلم كرنا"

ِ اعْتَدَىٰ يَعْتَدِىٰ اِءْ تِدَاءً فهو مُعْتَدِ وَأُعْتُدِى يُعْتَدَىٰ اِعْتِدَاءً فذاك مُعْتَدَى لَمْ يَعْتَدِ لَـمْ يُعْتَـدَ لَا يَعْتَدِيْ ، لَا يُعْتَدَىٰ لَنْ يَعْتَدِىٰ لَنْ يُعْتَدَى الامر منه اِعْتَدِ لِيتُعْتَدَ لِيعْتَدَ فعل ماضى معلوم: مِاعْتَدَى إعْتَدَيا اعْتَدَوْ اعْتَدَوْ اعْتَدَنَ اعْتَدَينَ اعْتَدَينَ اعْتَدَينَ الخ اعْتَدَى اصل مِن اعْتَدَوْ تَعَايْدُ عَلَى والاقانون سے اعْتَدَى بنا اور بقانون قَالَ بَاعَ اعْتَدَى بنا۔ ماضى مجهول: اعْتُدِى أُعْتُدِيا أُعْتَدُوا أُعْتَدِيدَ أُعَتَّدِيدَ أُعَتَّدِيدَا ، أُعَتَّدِيْنَ أُعْتُدِيدَ الخ اعْتَدِي اصل مِن اعْتَدُورَ قا دُعِي والاقانون جارى بوا۔

مضارع معلوم: - يَعْتَدِي يَعْتَدِيَانِ يَعْتَدُونَ تَعْتَدِيَانِ يَعْتَدِيَانِ يَعْتَدِيَانِ يَعْتَدِيَنَ تَعْتَدِيَانِ تَعْتَدُونَ تَعْتَدِيْنَ تَعْتَدِيَان تَعْتَدِيُنَ أَعْتَدِي نَعْتَدِي .

يَعْتَدِى اصل مِن يَعْتَدِو تَقَاولا دُعِي والا پَريَدُعُ وَيَرُمِنَ والا بَريَدَ وَالا قانون جارى مواري مواري اصل مِن يَعْتَدِو ان تقادْعِي والا قانون جارى مواري بيا يَعْتَدِو أَن تقابقانون دُعِي يَعْتَدِدُونَ بنا يَعْتَدِو ان تقادْعِي والا قانون جارى مواري مواري مواري اصل مِن يَعْتَدِو أَن تقابقانون دُعِي يَعْتَدِدُونَ بنا يَعْتَدُونَ بنا يَعْتَدُونَ مَن عَلَى وَمِي عَلَى الله وَيَعْمُ الله وَلَيْ الله وَلَيْ الله وَلَيْ الله وَلَيْ الله وَيَعْمُ الله وَلَيْ الله وَلِي الله وَلَيْ الله وَلِي الله وَلَيْ الله وَلَا الله وَلِي الله وَلَا الله وَلِي الله وَلَيْ الله وَلَيْ الله وَلَيْ الله وَلَيْ الله وَلَيْ الله وَلِي الله وَلَيْ الله وَلَيْ الله وَلِي الله وَلِي الله وَلِي الله وَلِي الله وَلِي الله وَلِي الله وَلَا الله وَلَيْ الله وَلِي الله وَلِي الله وَلَيْ الله وَلَا الله وَلِي الله وَلِي الله وَلِي الله وَلَيْ الله وَلِي الله وَلْ الله وَلِي
مضارع مجول: يعتك في يعتك يَانِ يعتكون تُعتك في تعتديانِ يعتكينَ تُعتديانِ يَعتدينَ تُعتديانِ تُعتديانِ تُعتدونَ تعتدينَ تُعتديان تُعتدينَ اعتدلي نُعتدي نُعتدي .

وَيُعْتَدَى اصل مِين يَعْتَدُون مَا (مِحْكَتَسَتُ كَاطِرة) اولايدُعلى والا ادر پھر قَالَ بَاعُوالا قانون جاري موا۔

اسم فاعل: مُعْتَدِ مُعْتَدِيانِ مُعْتَدُونَ مُعْتَدِيةٌ مُعْتَدِيَّةً مُعْتَدِيَّانِ مُعْتَدِيّاتُ

مُعَتَّدٍ اصل میں مُعَتَدِوً تھا اولا دُعِی والا پھر یُرُورِی والا قانون جاری ہوا، اس کے بعد القائے ساکنین کیوجہ سے یاء حذف ہوگئ۔

اسم مفعول مُسعَدَدي معتديكان معتدون معتداة معتداتان معتديكات معتد

فعل متقبل معلوم مؤكد بلام تاكيدونون تاكيد هيلد: - لَيَ عَتَدِيَنَ لَيَعْتَدِيَ انْ لَيَعْتَدُنَ لَتَعْتَدِينَ لَتَعْتَدِيَانِ لَيَعْتَدِيْنَانَ لَتَعْتَدِينَ الخ.

مجهول: ليعتدين ليعتديان ليعتدون الخ

فعل جحد معلوم: _ لَمْ يَعْتَدِ لَمْ يَعْتَدِيَا لَمْ يَعْتَدُوا لَمْ تَعْتَدِ الخ

مجهول: لمُ يُعْتَدُ لَمُ يُعْتَدَيّا لَمْ يُعْتَدُوا لَمْ تَعْتَدُ الخ.

امر حاضر معلوم بلاتا كيد: وإعتد إعتديا اعتدو اعتدى اعتديا اعتدين.

مَوَ كَدِبُونِ تَاكِيرُ تَقْيِلِهِ: - إِعْتَدِيكَ قَاعَتَدِيكَانِ إِعْتَدُنَ إِعْتَدِنَ اعْتَدِيكَانِ اعْتَدِيكانِ وعلى هٰذَا الْقِيَاسِ .

باب مفتم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه ناقص واوى ازباب اِلْفِعَالُ چون اَلْانْ حِلاً مَعْن "روثن مونا" واضح مونا (يه باب بميشد لازم استعال مونا ہے۔)

ِ انْجَلْلَى يَدْ خَلِي إِنْجِ لَاءً فَهُ وَمُنْجِلِ لَمْ يَنْجَلِ لَا يَنْجَلِى لَنَ يَخْلِى كَنْ يَنْجَلِى الامر منه الْجَلِ لِيَنْجَلِ والنهى عنه لَا تَنْجَلِ لَا يَنْجَلِ الظرف منه مُنْجَلَى مُنْجَلَيَانِ مُنْجَلَيَاتُ . اَلْاَنْجِلَاءُ اصل مِن الْاِنْجِلاَوْ قَادُعَاءُ والاقانون جارى ہوا۔

> فعل ماضى معلوم: إِنْجَلَى انْجَلَيا اِنْجَلَوْ النِّجَلَوْ النِّجَلَتْ النَّجَلَتْ النَّجَلَيْنَ اِنْجَلَيْتَ الخ اِنْجَلَى اصلى مِن اِنْجَلُو تَهااولا يُدْعلى والا پُر قَالَ بَاعَوالا قانون جارى موا-

فعل مفارع معلوم: يَنْجَلِي يَنْجَلِيكِانِ يَنْجَلِّينَ تَنْجَلِيكَانِ يَنْجَلِينَ تَنْجَلِينَ تَنْجَلِينَ تَنْجَلِي تَنْجَلِيكِانِ تَنْجَلُّوْنَ تَنْجَلِيثَنَ تَنْجَلِيكِانِ تَنْجَلِينَ انْجَلِينَ نَنْجَلِينَ

يَنْجَلِي اصل من يَنْجَلِو تها اولادعي والا اور پريدعو يُدمي والا قانون جاري موا-

اسم فاعل : مُنْجَلٍ مُنْجَلِيكانٍ مُنْجَلُونَ مُنْجَلِيّة مُنْجَلِيّة مُنْجَلِيتَانِ مُنْجَلِيكاتُ.

تعل امرحا ضرمعلوم: ما أنجل النّجليك النّجلُوّ النّجلِيْ النّجلِيك النّجلِيْ النّجلِيْنَ النّ باب مشتم صرف صغير ثلاثى مزيد فيهنا ص كليكا زباب السّتِقُعَالَ چون الْاسْتِتْدُعَاء م "جمعنى درخواست كرنا طلب كرنا"

إِسْتَدْعَلَى يَسْتَدْعِى اِسْتِدْعَاءٌ فَهُو مُسْتَدْعِ وَأُسُتَدْعِى يَسْتَدُعَى اِسْتِدْعَاءٌ فذاك مُسْتَدُع كَمْ يَسْتَدُعِ كَمُ يُسْتَدُعَ لَا يَسْتَدُعِى لَا يُسْتَدُعَى لَى يَسْتَدُعِى لَى يُسْتَدُعَى الامر منه اِسْتَدْع لِتُسْتَدْعَ لِيَسْتَدْع لِيُسْتَدُع والنهى عنه لا تَسْتَدُع لاتُسْتَدُع لايَسْتَدُع لايُسْتَدُع الم الظرف منه مُسْتَدْعَى مُسْتَدْعَيان مُسْتَدُعَياتْ.

<u>ٱلإستيدَ عَامُ المل من الإستيدُ عَاوُ تعادُ عَاءُ والا قانون جارى بوار</u>

فعل ماضى معلوم: - اِسْتَدُعلى اِسْتَدُعَيّا اِسْتَدُعُوا اِسْتَدُعَتْ اِسْتَدُعْتَا اِسْتَدُعْتِنَا اِسْتَدُعْتِنَ اِسْتَدُعْیْتَ الخ

ماض مجهول: - استدعى استدعيا استدعوا استدعيت استدعيتا استدعين استدعين استدعيت استدعيت السندعين استدعيت النخ

مضارع معلوم : مستدعی یستدعی یستدعی ان یستدعین تستدعین تستدعی تستدعی ان یستدعی تستدعی اصلیم استدعی اصلیم استدعی اصلیم استدعی والا اور پر قال باع والا تانون جاری بوا۔

استشدی اصلیم آستدی تا دیمی والا تانون جاری بوا۔ یستدی والا اور پر قال باع والا تانون جاری بوا۔

استشدی اصلیم آستدی تا دیمی والا تانون جاری بوا۔ یستدی تانون جاری بوار پر قال باع والا دیمی والا اور پر قال باع والا دیمی والا اور پر قال باع والا دیمی والا وار پر قال باع والا دیمی والا وار پر قال باع والا والا ید کیمی والا واری بوا۔

اسم فاعل . - مستوع مستدعيان مستدعون مستدعية مستدعينة مستدعينان مستدعيات . اسم فعول : - مستدعى مستدعيان مستدعيان مستدعيات اسم فعول : - مستدعى مستدعيان مستدعيان مستدعيات اسم فعول : - مستدعى مستدعيان مستدعيان مستدعيات المراضوم : - استدع استدعيا استدعيا استدعيا استدعين المستدعيا المستدعيا المستدعيا المستدعيا المستدعين . المستدعين . المستدعين .

نى ماضر مجهول: لا تُستَدْعَ لا تُستَدْعَ لا تُستَدْعَيا لا تُستَدْعَوا لا تُستَدْعَى لاتستَدْعَى لاتستَدْعَيا لا تُستَدْعَوا لا تُستَدْعَى لاتستَدْعَيا لا تُستَدْعَين آخرتك تمام تصريفات وتعليلات كمل يجئ -

باب نم صرف مغير ثلاثى مزيد فيه ناقص واوى ازباب اِلْهِ عِلاَلَ چون اَلْارْ عِوَاءُ عَلَى اللهِ وَعَلَمُ اللهِ وَالْمَ مِعْنَ بازر مِنار كنا (يه باب بميشد لازم استعال موتائه -)

ِ ارْعَولى يَرْعَوِي ارْعِواءً فهو مُرْعَوِ لَمْ يَرْعُو لَا يَرْعُونَ لَنَّ يَرْعُونَ الامر منه ارْعَو لِيَرْعُو والنهى عنه لاَ تَرْعُو لا يَرْعُو الطرف منه مُرْعُومً مُرْعُوبًانِ مُرْعَويَاتُ

فعل ماضى معلوم : اِرْعُولَى اِرْعُولَى اِرْعُولَى اِرْعُولَا اِرْعُولَا اِرْعُولَا اِرْعُولَا اِرْعُولَا اِلْع تعليلات: اَلْارْعِوَا عِمَامِ معدراصل مِن الْارْعِوَ اوْقا دُعَاءُ والاقانون جارى موا ـ ماده رَعُو ہے۔ لام کلمواو ہے جو كمرس ہے كونكداس باب كى علامت لام كلمه كامر رمونا ہے ـ

اعتر اض ۔ اڑعو ایک مصدر کے اندرواوعین کلمہ میں کسرہ کے بعدواقع ہے تو آسمیں قیدال اور پیکا ض والا قانون کیوں حاری نہیں ہوا، واویاء سے کیوں تبدیل نہیں ہوا۔

جواب نے قیت ال والا قانون میں شرط یہ ہے کہ ماضی معلوم میں تعلیل ہو چکی ہولیعنی یہ واو ماضی معلوم میں سالم نہ ہوجبکہ اردیحو ایک مصدر کاواو آردیجوای ماضی میں سالم ہے اسمیں کوئی تعلیل نہیں ہوئی ہے

ار عَوى اصل من إر عَوَوَ تَعَايد على والاقانون في إر عَوَى بنا پر قَالَ بَاعَ والاقانون جارى موالم اضى معلوم ك برايك صيغه من فيد على والاقانون جارى مواجداور إر عَدو الرحكوة الرعكوت إر عَوَتَا مِن في دُعلى والاقانون كي بعد قَالَ بَاعَ والا اور پھر التقائے ساکنین والا قانون جاری ہواہے۔

سوال نے اد عیسے کی میں قال باغ والا قانون کیوں جاری نہیں ہوتا یعنی پیرچوموجودہ واو ہے بیالف سے کیوں تبدیل نہیں ہوتا؟

جواب ۔ قَالَ بَاعَ والا قانون كيلئے ايك شرط يہ ہے كہ واو اور ياء ناقص كے اندر لام اول كے مقابلہ ميں نہ ہوں جبكہ ماد حكولى ميں واوناقص كے لام اول كے بالقابل ہے

سوال نا دخوی میں جوداد موجود ہے اسمیں مدعلی والا قانون کیوں جاری نہیں ہوتا؟

جواب نے بیدواولام اول کے بالمقابل ہے جبکہ لام ٹانی میں تعلیل ہو چکی ہے یعنی بدعی والا قانون کے مطابق واوٹانی یاء سے تبدیل ہو چک ہے اب اگر لام اول میں بھی تعلیل کردی تبدیل ہو چک ہے اب اگر لام اول میں بھی تعلیل کردی جائے یعنی میڈیل والا قانون سے واواول کو یاء سے تبدیل کر دیا جائے تو ایک ہی کلمہ میں بے در پے تعلیلات کا ہونالازم آئے گا جو کے درست نہیں ہے۔

مضارع معلوم ۔ يَدْ عَوِى يَرْعَوِيَانِ يَرْعُونَ تَرْعُونَ تَرْعُونَ تَرْعُوكِانِ يَرْعُويُنَ تَرْعُونَ تَرْعُويَانِ تَرْعُوْوَنَ تَرْعُويِنَ تَرْعُوِيَانِ تَرْعُويَانَ تَرْعُويَنَ أَرْعُوى نَرْعُوى ـ

كَوْتَعُوكَى اسْلَ مِن كَدِرْعُوو فَادْعِي وَالاقانون كِمطابق واوثانى ياء تبديل ہوا پر كيدعو كرميد والاقانون عياء ماكن ہوگئ ۔ اى طرح آگ مرصيغ ميں دُعيت والاقانون جارى ہوا ہے ۔ اور يكثر عَسوون جواصل ميں كير عُموون تقاد عِي والاقانون جارى ہوا ہے ۔ اور يكثر عَسوون جواصل ميں كير عُموون تقاد عِي والاقانون سے ير عُمون وَن تقاد عِي والاقانون سے ير عُمون وَن تقاد عِي والاقانون سے ياء كركت ما قبل متقل ہوئى اور بقانون مي بول اور التقائي ساكنين كيوج سے واوحذف ہوا۔ تَسَرُعُوونَ كَل تعليل بھى بالكل اى طرح ہے۔

تنبيد: مضارع مين داواول كاندر يَقُولُ مِينَ والا قانون الله ليّ جارى نبين بوتا كه الله قانون مين يشرط بكه ماضى معلوم مين تعليل بويكى بويعى واوياياء سالم نه بوجبدواواول ماضى معلوم مين سالم معلل نبين بهد موقع وياياء سالم نه بوجبدواواول ماضى معلوم مين سالم معلل نبين بهد موقع ويكان و موقع و كان و ك

امرحاضرمعلوم بلاتا كيد: _ الدُّعَو ، إدْ عَبِويًا ، إدْ عَوْلًا ، الرَّعُونَ ، إدْ عَوِينَ ، ادْ عَوِينَ . باقى گردانين انى پرقياس كين -

باب دہم صرف صغیر ملاقی مزید فیدناقص واوی از باب اِلْعَقِیْعَال چون الله عُرِیْراء م

اغرور ليتعروري اعريداء فهو معرور كم يعرور لا يعروري كن يعروري كن يعروري الامر منه اعروري الامر منه اعروري المنهمي عنه لا تعرور لا يتعرور المطرف منه معروري معروريان معروريان معروريان المعروريات ألاغيروريات ألاغيروريات المعروريات المعروريات المعروريات المعروريات المعروريات المعروريات المعروريات المعروريات المعروريات المعرورية المعروبية
فعل ماضى معلوم: _ إعْسَرَوْد لى ، إعْسَرُورَياً ، إعْرَوْدَوْا ، إعْرَوْدَتْ ، إعْرَوْدَتَا ، إعْرَوْديَنْ وَاعْرَوْديَتَ ، المنع .

اَعْرَوْدَى اصل ميس اِعْرُورُ وَ تَعَا اِحْدُودَبَ كَا طِرح بِقَانُون فِيدُ عَلَى وَاوَعَانَى مِاء معتبديل بوا پير قَالَ بَاعَ والا قانون جارى بوا۔

سوال: _الحَرَورلى مين واواول عديم والاقانون ك مطابق ياء ي كون تبديل نبيس موتا؟

جواب: عدد على والاقانون من يشرط كدواواصل من تيسري جكد بربويعن لام كلمد بوجبكه بيواوز الكدي-

ماضی معلوم کے ہرصیفہ میں ہیں تھے گی والا قانون کے مطابق واوٹانی یاء سے تبدیل ہوا ہے۔ اور اِنْحَسَرُ وَرَوْمَ، اِنْحَسَرُ وَرَوْمَ اِنْحَسَرُ وَرَوْمَ اِنْحَسَدُ مِنْ مِنْ وَالا قانون کے بعد قَالَ بَاعَ والا اور پھر التقائے ساکنین والا قانون جاری ہوا ہے۔

مضارع معلوم : - يَعْرُورِيْ يَعْرُورِيَانِ يَعْرُورُونَ تَعْرُورِيْ تَعْرُورِيَانِ يَعْرُورِيْنَ تَعْرُورِيْ تَعْرُورِيَانِ تَعْرُورُونَ تَعْرُورِيْنَ تَعْرُورِيَانِ تَعْرُورِيْنَ أَعْرُورِيْنَ أَعْرُورِي نَعْرُورِيْنَ

تیغروری اصل میں یعرور وقا (یعدوری کی طرح) دعی والاقانون کے مطابق واوٹانی یا مستبدیل ہوااور پھر یک عشو یسد میسٹی والاقانون سے یا ماکن ہوگئ۔اس گردان کے ہرصیف میں دھیسی والاقانون جاری ہواہے۔ پھر مدر دهدر مردرود میں مورون کر دو الااس کے بعد یو سروالا اور پھر التقائے ساکنیں والا قانون جاری ہوا ہے۔ یعرورون تعرورون میں یقول یکی عوالا اس کے بعد یو سروالا اور پھر التقائے ساکنیں والا قانون جاری ہوا ہے۔ اصل یعرور وون تعرورون کے۔

تَعَرُّوْرِيْنَ (واصرموَن عُخاطبه) اصل میں تَعْرَوْرِوِیْنَ تھااولا دیمِی والا اور پھرید عُوْ یَرْمِی والا قانون جاری ہوا اس کے بعد التھائے ساکنین کیوجہ سے یاء حذف ہوگئی۔ اور کَنْ عَسَرُورِیْنَ (جَعْ مَوَنْ عَاصْر) اصل میں تَنْ عُسَرُورِوْنَ تھا دیمی یامِیْنِعَادُ والا قانون جاری ہوافقا۔

اسم فاعل: معرور معروريان معرورون معرورية معرورية معرورية المعرورية المعرورية ويكات ويرابواب المعرورية الم

ابواب ناقص يائي

باب اول صرف صغیر ثلاثی مجرد ناقص یائی از باب مضور ب یک چون اکر می می ایک از باب مضور ب یک چون اکر می می مینکنا، تیراندازی کرنا۔

فعل ماضى معلوم - رَملي ، رَمَيًا ، رَمَوْا ، رَمَتْ، رَمَتًا ، رَمَيْنَ، رَمَيْنَ ، رَمَيْتَ ، المخ

رَملَى اصل مِن رَمَى هَا قَالَ بَاعَ والاقانون جارى ہوا۔ رَمَيّا آئي اصل پرے رَمُوا اصل مِن رَمَيْوُ القااولاقالَ بَاعَ والا بِعَالَ مِن رَمَيْدَ اللهِ اللهُ اللهِ المَا اللهِ اللهِ اله

ماضى مجهول: - رميى رمينا رموا رمينت رميناً رمين الخ

مرود اصل من مربيوا تعااولايسقول يبيغ والاقانون كماته ماءك حركت ميم كودى پريو سروالااوراسك بعد

سر من المرسى المرسى المرسى الما المولاد المرسى الما الما الما الما المرسى المر

مضارع مجهول: قيرملي تُرَمَيكان برُمَوْنَ قُرَملي تُرميكِن يَهُ مَيْنَ تُرَمِّينَ وَمَرَيلَ وَمُرَمِّينَ تُرمينَ وَمُرمينَ تُرمينَ تُرمينَ وَمُرمينَ تُرمينَ وَمُرمينَ ومُرمينَ ومُرم

اسم فاعل: - رَامٍ رَامِيكَانِ رَامُ وَنَ رَمَ قَ رَمَاءُ رَمِينًا وَمُعِنَّ رُمُنِي رُمَينًا وُمُيَانَ رِمَاءُ رِمِي اَرْمَاءُ رَامِيةً رَامِيَتَانِ رَامِيَاكُ رَوَامٍ رَمِّي وَيَهِ رَوَيْمِ رَوْيُومِيةً .

 مِجُول: لَيُرْمَيَنَّ لَيُرْمَيَانِّ لَيُرْمَوَّنَ لَتُرْمَيَنَّ لَتُرْمَيَنَّ لَتُرْمَيَانِ لَيُرْمَيْنَانِّ لَتُرْمَيَنَّ لَتُرْمَيَنَّ لَتُرْمَيَنَّ لَتُرْمَيَنَّ لَكُرْمَيَنَّ الْنُرْمَيْنَ كَتُرْمَوُنَّ لِنَّرْمَيِنَّ لَتُرْمَيَانِّ لَتُرْمَيْنَانَّ لَأُرْمَيْنَ الْنُرْمَيْنَ

فعل جحد معلوم - لَمْ يَرْمِ لَمْ يَرْمِيا لَمْ يَرْمُوا لَمْ تَرْمِ لَمْ تَرْمِيا لَمْ يَرْمِيْن الخ

مجهول - كم فرم كم يرميا كم فرمواكم ترم كم ترمياكم فرمين كم ترم الخ-

امرحاضرمعلوم بلاتا كيد: - رادم إدميكا إدموا إدمين ادميكا إدمينا.

مؤكد بنون تاكير تقليد - ارهية ق إرهميتان إردمن إرهمن المخ امراور نهى كى ديكر كردانيس ان برقياس كرلس -

اسم ظرف إنه مُرْمِي مَرْمَيَانِ مَرَامٍ مُرَيْدٍ.

اسم آله مغرى - مِرْمَّى مِرْمَيَانِ مَرَامٍ مُرَيْمٍ - اسم آله وطَّى: مِرْمَاةُ مِرْمَاتَانِ مَرَامٍ مُرَيْمِيةً - اسم آله وطَّى: مِرْمَاةُ مِرْمَاتَانِ مَرَامٍ مُرَيْمِيةً .

اسم فضیل مذکر : - ارتملی ارتمیان ارتمون آرام ارتیم - اسم تفضیل مؤنث : - رتمیلی ر میکان و میکنان و میکنان و میکنان و میکنان ارتمان اورامین بونے والی تعلیل کا پیتا چل سکتا ہے۔

باب دوم صرف صغير ثلاثى مجرد ناقص يائى ازباب سَمِعَ يَسْمَعُ جِون اللَّحَسْيَةُ معنى "وُرنا"

خَشِى يَخْشَى خَشْيَة فَهُو خَاشٍ وَكُشِى يُخُشَى خَشْيَة فَذَاكَ مَخْشِى كُمْ يَخُسُ لَمْ يُخُسُ لَمْ يُخُسُ لَا يَخْشَى لَا يَخْشَى لَا يَخْشَى لَا يَخْشَى لِيَخْشَى لِيَخْشَى لِيَخْشَى لِلمر منه إِخْشَ لِيتَخْشَى لِيَخْشَى لِيكَ شَخْشَى لِيكَ شَكِمُ الطرف منه مَخْشَى والالة منه مِخْشَى والدة منه مِخْشَى والدة منه مِخْشَى ومِخْشَا أَهُ ومِخْشَاء وافعل التفضيل المذكر منه أَخْشَى والمؤنث منه خُشَلى وفعل التعجب منه مَا أَخْشَاه وَ أَخْشِي بِم وَخَشُور.

فعل ماضى معلوم ـخشِي خَشِيَا خَشُوا خَشِيَتُ خَشِيَتَ خَشِيْنَ خَشِيْنَ خَشِيْنَ خَشِيْتَ خَشِيْتُما خَشِيْتُمْ خَشِيْتُمْ خَشِيْتُمْ خَشِيْتُمْ خَشِيْتُ خَشِيْنَا خَشِيْتُ خَشِيْنَا

ماضى مجهول: خُشِي خُشِيا خُشُوا خُشِيَت خُشِيَتَ خُشِيَتَ خُشِينَ الخ

ماضى معلوم كے پہلے دونوں صینے اپنی اصل پر ہیں۔ تختشو آصل میں خَشِید و اتھا یَدُول یَبِیدی والا قانون كے مطابق یاء کی حرکت ماقبل کودی پھر یک و سک و والا اور اسكے بعد التقائے ساکنین والا قانون جاری ہوا۔ اسكے بعد تمام صینے اپنی اصل پر ہیں۔

اعتراض : تَعَشَّوا مِن يَدِيكُ وَلَا قانون كول جارى بواجبكداس قانون كيك يشرط ب كدماض معلوم مي تعليل موجى بواور خسيرى ماض معلوم مي تعليل بوئى ؟

جواب: ۔ اس قانون میں بیعبارت بھی موجود ہے کہ "درناقص علاقی مجرد مطلقا" یعنی علاقی مجرد ناقص کیلئے بیشرطنمیں بلکہ اسمیں مطلقاً بیقانون جاری ہوتا ہے۔ خواہ ماضی معلوم مستعلقاً کی ہو یا نہ ہو۔ اور خیشو اعلاقی مجرد ناقص ہے۔ خیشو آ ماضی معلوم مستعلق کی ہوئی۔ اس صیغہ کے ملاوہ ماضی مجبول کے باتی تمام سینے اپنی مجبول ہوئی۔ اس صیغہ کے ملاوہ ماضی مجبول کے باتی تمام سینے اپنی مصلیت پر برقر ارمیں۔

مضارع معلوم ـ يَحْشلي يَخْشَيَ نِ يَخْشَوْنَ تَخْشلي تَخْشَوانِ يَخْشَينَ تَخْشلي تَخْشَيانِ تَخْشَيانِ تَخْشَيانِ تَخْشَيانِ تَخْشَيانِ تَخْشَيانِ تَخْشَيانِ تَخْشَينَ اَخْشلي نَخْشلي .

مضارع مجہول ۔ نیکنشسی محمد شیان محمد شون تنجشلی المخ مضارع معلوم کا طرح اس فرق کے ساتھ کہ . یہاں حرف اتین مضموم ہے اور وہاں مفتوح ہے

يَعْ شَلَى اصل مِن يَحْشَرُ هَاقَالَ بَاعَ والاقانون جارى موا - يَنْحَشُونَ اصل مِن يَحْشَدُونَ هَا يَسَمَعُونَ كَ طرح اولاقَالَ بَاعَ اور پر التقائي ساكنين والاقانون جارى موااور يك تعليل تَنْخَشَوْنَ مِن مونى ـ

اسم فاعل: - خَاشٍ خَاشِكِ خَاشُونَ خُشَاةً خُشَاءً خَشَى خُشَى خُشَى الْخَرَامِ رَامِيَانِ الْخَوَطِرِيْ-

اسم مفعول: - مَخْشِينًا مَخْشِينًانِ مَخْشِينًانِ مَخْشِيونَ الخ مَرْمِينًا مَرْمِينًانِ الْحَ كَاطرت

امرحاض معلوم: - اخش اخشيا اخشوا اخشى اخشيا اخشين.

مؤكد بنون تاكير تقيلم - إخشيك إخشيان إخشون الخ

اسم ظرف: - مَحْسَى مَحْسَيانِ المع خَشُوَ فعل تجب اصل مين خَشَى تَعَارَ مُوَ والا قانون جارى موا-

بابسوم صرف مغير ثلاثى مجرد ناقص يائى ازباب منصسر يَسْتُصُور چون الْكِينَايَةُ مِ

كُننى يَكُنُو كِنَايَةً فهو كَانِ وَكُنِى يُكُنى كِنَايَةً فذاك مَكَنِيُّ لَمُ يَكُنُ لَمُ يُكُنَ لَا يَكُنُو لا يُكُننى لَنْ يَتَكُنُو لَنَ يُكُنِى الامرمنة أَكُنْ لِتَكُنَ لِيَكُنُ لِيُكُنَ والنهى عنه لاَتَكُنُ لاَتُكُنَ لاَيكُنُ لاَيكُنُ لاَيكُنَ النظرف منه مَكُنى والالة منه مِكُنى ومِكْنَاةً و مِكْنَاءً وافعل التفضيل المذكر منه أَكْنى والمؤنث منه كُننى وفعل التعجب منه مَاكُناةً وَاكْنِي بِهِ وَكُنُو.

يماده زياده ترباب ضَرب عصتعل موتاب نصَر يَنصر عاركااستعال م

فعل ماضى معلوم: كَني كَنيا كَنوا كَنت كَنتا كَنتا كَنين الخ. تعليلات رَملى رَميا رَمَو االلخ كَ طرح مِن-

ماضى مجهول: كنيرى كنيداك تواكنيدت كنيدة النع رميدار مورد النع كرم كردان بهي اور تعليلات معلى المعرف النع كردان بهي اور تعليلات مجي درميد النع كليلات معن المعربي المع

مضارع معلوم: ـ يَكُنُو يَكُنُوانِ يَكُنُونَ تَكُنُو تَكُنُو تَكُنُوانِ يَكُنُونَ تَكُنُونَ تَكُنُوانِ تَكُنُونَ تَكُنِيْنَ تَكُنُّواَ نِ تَكُنُونَ اَكُنُو نَكُنُو

يَكُنُو اصلى مِن يَكُنُى مَهَارُهُو والاقانون عَيكُنُو بنا پريدكُو يَرَمِي والاقانون عَيكُنُو بنا بعيد يها تعليل تَكُنُو الله الون عارى موايئ مل تَكُنُو الله الله والاقانون جارى موايئ مل تَكُنُو الله الله والله قانون جارى موايئ مل تَكُنُوانِ مِن مِن مواد يَكُنُونُ ووصيغ مِن والله
مضارع مجهول: ميكني يكنيان ميكنون النج يُرمني يُرمنيان النح كاطرة -

اسم فاعل - كَانٍ كَانِيَانِ كَانُونَ كُنَا ۚ وَكَنَّا وَكُنَّا كُنَّى كُنُو كُنَا ۗ كُنْيَا ۗ كُنْيَا ۗ كُنْا ۚ كَانِيَةٌ كَانِيَتَانِ كَانِيَاتُ كَوَانٍ كُنَى كُويَنٍ كُويَنِيَةٌ ثَمَامٌ عَلَيْلاَتَ رَامٍ وَمِيَانِ الْتَحْكِمُ عَيْ

اسم مفعول ـ مَكْنِي مُكْنِيّانِ الْحَ مَرْمِيَّ كَاطِرَ م

فعل مستقبل معلوم مؤكد بلام تاكيرونون تاكير ثقيله: - لَيَكُنُونَ لَيهُ خُونَ اليَّكُنُونَ اليَكُنُونَ لَتَكُنُونَ لَتَكُنُونَ لَتَكُنُونَ لَتَكُنُونَ لَتَكُنُونَ لَيَدُعُونَ لَيَدُعُونَ الخ كَطرح

امرحاضر معلوم: ما كن اكنوا أكنوا اكنوا اكنوا ، اكنوا ، اكنون ، آئتام تساريف دَعَا يَدُعُو كَ طرح بين اسم ظرف م مكننًى مَكنتًى والنف المخ مرمنًى مَرْمَيَانِ الله ليطرح يبال ع آئك كردان اور تعليلات مستحق يرمي كردان اور تعليلات كي طرح بين -

باب چهارم صرف صغير ثلاثى مجردناقص يائى ازباب فَتَحَ يَفْتَحُ چون اَلسَّعَى مَعْن اَكُوشُرَنا"
سَعلى يَسْعلى سَعَياً فَهُو سَاع وَسُعِى يُسْعلى سَعْياً فذاك مَسْعِي لَمْ يَسْعَ لَمُ يُسْعَ لَا يَسْعلى لَا يَسْعلى الأمر منه اِسْعَ لِتُسْعَ لِيَسْعَ لِيُسْعَ والنهى عنه لا تَسْعَ لا يَسْعَ النظرف منه مَسْعَى والالة منه مِسْعَى ومِسْعَاة ومِسْعَاء وافعل التفضيل المذكر منه اسعى والمؤنث منه سُعَى وفعل التعجب منه مَااسَعَاه والسُعِي بِم

فعل ماضى معلوم: - سَعلى سَعَيَا سَعَوَا سَعَتَ سَعَنَا سَعَنَا سَعَيَنَ النَّعَلَيْات رَمَى رَمَيَا النَّى طرح بِن ماضى مجهول: - شَعِيَ شَعِيَا شُعُوا سُعِيَتُ النَّ ومِي وَمِيا مُعُوا النَّحَى طرح -

مضارع معلوم : يَسْعَلَى يَسْعَيَانِ يَسْعَوْنَ تَسْعَلَى تَسْعَيَانِ يَسْعَيْنَ تَسْعَلَى تَسْعَلَى تَسْعَلَانِ يَسْعَلَى تَسْعَلَانِ يَسْعَلَى تَسْعَلَى الله عَلَى
مفارع مجهول : يسعلي يسعيان يسعون تسعى تسعيان يسعين النج مفارع معلوم كاطرح

صرف اس فرق کے ساتھ کہ یہاں حرف اتین مضموم ہے۔

اتم فاعل : ساع ساعيكان سَاعَوْن سعَاة سعاء سعَى سعَى سعَياء سعَيان سِعاء سِعِيَّ اَسعَاء سَاعِيَة اللهُ

اسم مفعول : مَسْعِي مَسْعِيًّانِ الخ

امرحاض معلوم : راسع إسعيا إسعو ايسعى إسعيا إسعين .

امرعاضر جَهول : ملِيَّسَعَ لِيَّسَعَيَا لِتُسَعُوا لِتُسَعَى لِتُسَعَيَا لِتُسَعَيْنَ، وعَلَى هٰذَا الْقِيَاسُ اللي الخِرم -

باب ينجم صرف صغير ثلاثى مجروناقص يائى ازباب شَدُوفَ يَشْدُوفَ جِون اَلْتُنهَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ
نَهُوَ يَنْهُو نَهُما فهو نَهِي لَمْ يَنْهُ لا يَنْهُو لَنْ يَنْهُو الامر منه انْهُ لِينُهُ والنهى عنه لاتَنْهُ لا يَنْهُ الظرف منه مَنْهِي والالة منه مِنْهِي ومِنْهَاةً ومِنْهَاءً وافعل التفضيل المذكر منه انهل والمؤنث منه نَهْل وفعل التعجب منه ماانها ، وَانْهِي بِهِ وَنَهُو .

فعل ماضى معلوم: _ نَهْوَ، نَهْوَا، نَهْوَا، نَهْوَا، نَهْوَتُ ،نَهْوَتَا، نَهُونَ، نَهُوتَ ،المنح ،اصل كردان اس طرح تقى نَهْوَتَا ،نَهْوَ تَا ،نَهُونَ ، نَهُونَ ، نَهُونَ ،المنح ،اصل كردان اس طرح تقى نَهْدَى الله عَلَى الله ع

مضارع معلوم كينه و ينه وان ينهون تنهو تنهوان ينهون تنهو تنهوان تنهون تنهون تنهون تنهين روم رود رمدود مدود تنهوان تنهون انهوننهو

اصل ميں يرگردان يَنهي يكنهيكن المختى تمام صغول مين رهو والا قانون جارى موا، باقى تعليلات يدعو يدعو أن يَدُعُونَ المخ كَ تعليلات كى طرح بين -

َصَفْتُ مَشْهِ: - نَهِي نَهِيَّانِ نَهِيُّونَ نَهِيَاءُ نَهِيَانَ نِهِيَانَ نِهَاءُ نِهِي نِهِ اَنهَاءُ انْهِيَاءُ الْهِيَاءُ الْهِيَاءُ الْهِيَاءُ الْهِيَاءُ الْهِيَاءُ الْهِيَاءُ الْهِيَةُ وَهُمَّ فَهُيَّةً وَ لَهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللَّهُ ال

ته می اصل میں کنید کی تحالی اون متجاسین (یعنی مضاعف کے قانون سے جو کرآ گے آرہا ہے) یا عیاء میں مدخم ہوگئ ۔ اس کے بعد دونوں صینوں میں بھی بہی تعلیل ہوئی۔ آنیکا اصل میں بنہا کی تعادی الاقانون جاری ہوا۔ بنہی آصل میں مردوی تفاولا قانون جاری ہوا۔ پھر دعی کا دوسرا قانون جاری ہوا ، اور بنج اصل میں تنہی تھا دعی کے دوسر سے قانون سے بنہ کی بنا پھر یہ کہ تھو گئے گئے والا قانون جاری ہوا اسکے بعد یا ، التقائے ساکنین کیوجہ سے حذف ہوئی۔

مرد سے قانون سے بنہ کی بنا پھر یہ کہ تھو گئے گئے والا قانون جاری ہوا سے بعد یا ، التقائے ساکنین کیوجہ سے حذف ہوئی۔

مرد سے قانون سے بنہ کی تعاد کے اور میں ہوا۔ آنہا آسل میں کنھ ایسی تھا بقانون میں ہی بہی تعلیل ہوئی۔ آسل میں کنھ ایسی تھا بقانون میں ہی بہی تعلیل ہوئی۔ آسل میں کنھ ایسی تھا بقانون میں ہی بہی تعلیل ہوئی۔ کنھ آیا آسل میں کنھا یہ تھا بقانون میں ہوئی۔ میں ہوئی۔ کنھ آیا آسل میں کنھ ایسی تھا بقانون میں ہوئی۔ کنھ آیا آسل میں کنھ ایسی تعالی ہوئی۔ کنھ آپی ہوئانون جاری ہوا۔

ر خایا ہمز ویا یہ مفتوحہ سے تبدیل ہوا۔ کنھ آیک ہنا تھر قال آبا عوالا قانون جاری ہوا۔

نهی نهیه کی اصل نوری مرکی ایکی کی دری و رای کا الاقانون سے تیری یا ، مذف ہوگئ۔ مرد و درور درور ورور ورور امر حاضر معلوم: انه ، انهوا، انهوا، انهو، انهون

امرعًا سَمعلوم بلاتا كيد: لِيَنْهُ وَلِيَنْهُ وَالِيَنْهُ وَالِيَنَهُ وَاللَّهُ لِلنَّهُ وَاللَّهُ لِنَنْهُ وَ مؤكد بنون تاكير تُقيله: لِيَنْهُ وَنَّ لِيَنْهُ وَانِّ لِيَنَهُ وَانِّ لِيَنَهُ وَنَّ لِيَنَهُ وَنَا لِكُنْهُ وَنَّ لِنَنْهُ وَنَّ اى طرح آخرتك وبراليج -

ناقص يائی از ثلاثی مزيد فيه

باب اول صرف صغير ثلاثي مزيد فيه ناقص يائي ازباب إفَّعَالٌ چون اللَّهُدَاءُ حَ

جمعنی"هد بید یناتحفه بھیجنا"

الكِيْفَدُالْ اصل مِن الْإِهْدَايُ تَن مُعَالَمُ الله قانون جارى موا (ماده هُدَى ب)

فعل ماضى معلوم: _ أَهَدَى أَهَدَيا أَهُدُوا أَهَدَتَ أَهَدَتا أَهُدَينَ أَهَدَينَ أَهَدَيتَ الخ إِر

ماضى مجهول: - أهدِيَ أهدِياً أهدو الهديكة الهديديّة أهديدَا الهديديّ الح.

م و المرابع المدينة المحاولا يقور حريبيع والاقانون بياء كى حركت دال كودى پر بقانون يكو سور ماءواو سيم المحديق الموادك المودى بر بقانون يكو سور ماءواو سيم المودى المربعة المودى بير ماكنين كيوجه سيدواو حذف موا

مضارع معلوم: - يَهَدِيَا نِ يُهْدِيَا نِ يُهْدُونَ تَهْدِيَ تَهْدِيَانِ يَهَدِينَ تَهْدِي تَهْدِيَانِ تَهْدُونَ تَهْدِينَ مَهْدِيَانِ تَهْدِينَ مُودِي يُهْدِي . تَهْدِيَانِ تَهْدِينَ مُودِي نَهْدِي .

يهدي اصل من يهدي ها يدعويرمي والاقانون جارى بوا فيهدون تهدون اصل من يهديون تهديون تهديون تهديون تهديون الله يهديون تهديون تهديون الله يهدون تهديون تهديون الله يهدون
ال كروان كى تعليات يرملي كوميان يرمون المخ يطرزيرين-

اسم فاعل: مُهَدِيدًانِ مُهَدُونَ مُهَدِيدًانِ مُهَدِيدًاتُ مُهَدِيدًانِ مُهَدِيدًاتُ

اسم مفعول : مَهْدَى مُهْدَيَانِ مَهْدَوْنَ مُهَدَاة مُهَدَاتَانِ مُهَدَيَاتُ

فعل امرحاضر معلوم له أغير أهديا أعدوا أعدي أهديا أهدين .

امرحات معلوم مو كد بنون تاكير تُقيله: - أهْدِينَ آهُدِيانِ آهَدُنَ آهُدِنَ آهَدِينَ آهَدِيانِ أَهْدِينَانِ

مُو كد بنون تاكيد خفيفه أ القديد العُدُن العَدن .

امرحاضر مجهول: ليتهدّ لِلتهديا ليتهدّوا ليتهدى الخ.

باب دوم صرف صغير ثار في مزيد فيه ناقص يائى ازباب تَفْعِين چون اَلْتَلْقِيدَة بَمعَى " پَهِيكُنا" (مصنف نے يہاں اَلتَّسْمِيَة مصدر ذكركيا م كين اَلتَسْمِيَة عُنْص يائى نيں م بلكه ناقص واوى م كونكه ماده سَمَوَ م

فعل ماضى معلوم . لَقَي لَقَيا لَقُوا القَّتَ لَقَتَا لَقَتَا لَقَيْنَ لَقَيْتَ النَّ

لَقْلَى اصل ميں لَقَنَّىَ تَهَا (صَدَّوفَ كَ طَرِح)قَالَ بَاعَ والاقانون جارى بواللَّقُو آصل ميں لَقَيوا تهااولا قالَ بَاعَ والا اور پُر التقائي ماكنين والاقانون جارى بواو عللى هذا الْقِيبَاسِ.

ماضى مجول - لُقِيَّ لَقِيًّا لَقُوا لَقِيَّاتَ لَقُيْتَ الْقِيَّاتَ الْقِيِّنَ لُقِيَّتَ الْخ

مضارع معلوم : عَيلَ قِيْ دِيكَقِيّانِ بِلَقُونَ تَلَقِّى تِلَقِّيَانِ بِلَقِّينَ تَلَقِّينَ تَلَقِيّنَ مَا لَقِيّنَ مَا لَقِيّنَ مِنْ اللّهِ مَ

اسم فاعل - مُلَقِي مُلَقِيانِ مُلَقُّونَ مُلَقِّيةً مُلَقِّيدَ مُلَقِّيدًانِ مُلَقِّياتُ .

الم مفعول : مُلَقِيًّ مُلَقِيًان مُلَقُونَ مُلَقَّاةً مُلَقَّاتًانِ مُلَقِيَّاتًا.

امرحاض معلوم - لَقَّ لَقِّياً لَقُوا لَقِّي لَقِّيا لَقِّينَ

مُو كربون تاكير تقيل - لَقِينَ لَقِياتِ لَقَى لَقِينَ لَقِينَ لَقِينَاتِ اللَّهِ لَقِينَاتِ ، لَقِينَاتِ -

امر حاضر مجبول : لِهُ تَلَقَّ لِيثَلَقَوا لِيتُلَقَّوا لِيتُلَقَّ لِيثَلَقَيَّ لِيثَلَقَيَّ الْمُتَلِقَ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ ا

رَاملي يُسْرَامِنَ مُسَرَامَا ةُ فِهِ و مُسَرَامٍ وَرُومِنَ يُسْرَاملَى مُرَامَاةً فذاك مُرَامِي لَهُ يُرَامُ لايُسَرَامِي لا يُسَرَاملَى لَسَنَ يُشْرَامِي لَنِ يُسُرَامِي الامر منه رَامٍ لِتُرَامَ لِيُسَرَامَ والنهي عنه لاتُركِم لا تُرَامَ لا يُرَامِ لا يُرَامَ الطرفِ مِنه مُرَامي مُرَاميَانِ مُرَامَيَاتِ .

المُمرَّامَاةُ أصل مِن المُمرَامَيَةُ عَا (مُصَارَبَةُ كَلِم حَ)قَالَ بَاعُوالا قانون جاري بوا_

تعل ماضى معلوم: -رَاملى رَامَيارَامَوارَامَتُ رَامَيارَامَوارَامَتُ رَامَيَنَ رَامَيْتَ النح - رَاملَ أَصَل مِي رَامَيَ وَامَى وَامَيَ وَامَى مَعلوم: -رَاملَ أَصَل مِينَ رَامَيَ وَامَي وَالْمَارِيةِ وَالْوَالْوَلُ جَارِي مِوا - مَا الْمُعَارِبُ وَالْمُعَالِقُولُ جَارِي مِوا - مَا اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ وَالْوَالْوَلُ جَارِي مِوا - مَا اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ وَاللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهِ اللَّهُ عَلَيْ ُ اللَّهُ عَلَيْكُ اللَّهُ عَلَيْكُ اللَّهُ عَلَيْكُ اللّ

مضارع معلوم: - بیرامی پیرامیکان نوامون ترامی تیکمیکان پرامیکن ترامیکن ترامیک تُرَامِی تُرَامِیکَ تُرَامِیکَ تُرامِیکَ تُرَامِیکَ تُرامِیکَ تُرامِیکَ تُرامِیکَ تُرامِیکَ تُرامِیکُ تُرامِ

مضارع مجهول: -يراملي يراميان يرامون تراملي تراميان يرامين ترامين ترامين تراميان تراميان ترامرن ترامرن ترامرن ترامرن ترامرن ترامرن ترامين ترامي تراملي
اسم فاعل في مرام مراميكان مرامون الخر

اسم مفعول: مُرَامي مُرَاميان مُرَاميان مُرامُونَ مُرَامَاةٌ مُرَامَاتانِ مُرَامَياتُ.

امرحاض معلوم: - رَامِ رَامِيَا رَامُوْا رَامِيْ رَامِيَا رَامِيْنَ .

امرغا مُب مَعلوم: - لِيُرَامِ لِيسْرَامِيَا لِيرُامُوالِلتُرامِ لِيتُرامِيَا لِيرُامِيْنَ لِاْرَامِ لِينُوامِ الكرنَ آخرَبَ

لممل شيخة.

باب چهارم صرف صغر الله عمر مع في مناقص يا في از باب تَفَعُّلُ چون اَلْتُمَنِي بَمَعَى "تمناكرا" تَمَنَى يَتَمَنَى تَمَنِّياً فهو مُتَمَنِّ وَتُمُنِّى يُتَمَنَى تَمَنِّياً فذاك مُتَمَنَّ لَمُ يَتَمَنَّ لَمُ يُتَمَنَّ لَمُ يُتَمَنَّ لَا مَر منه تَمَنَّ لِيَّتَمَنَّ لِيُتَمَنَّ والنهى لا يَتَمَنَّ لِيَتَمَنَّ لِيُتَمَنَّ والنهى عنه لا تَتَمَنَّ لا يَتَمَنَّ لا يَتَمَنَّ لِيَتَمَنَّ لِيكُتُمَنَّ والنهى عنه لا تَتَمَنَّ لا يُتَمَنَّ لا يَتَمَنَّ لا يُتَمَنَّ لا يَتَمَنَّ لا يُتَمَنَّ لا يَتَمَنَّ لا يَتَمَنَّ لا يَتَمَنَّ لا يَتَمَنَّ لا يَتَمَنَّ لا يُتَمَنَّ لا يُتَمَنَّ لا يَتَمَنَّ لا يَهِمُ الله يُعْلَى الله عنه مُتَمَنَّ عَالَى الله عنه مُتَمَنَّ الله عنه مُتَمَنَّ الله عنه مُتَمَنَّ الله يُتَمَنَّ لا يُقَامِنَ لا يُتَمَنَّ لا يُتَمَنَّ لا يُتَمَنَّ لا يُتَمَنَّ لا يَتَمَنَّ لا يَتَمَنَّ لا يَتَمَنَّ لا يَتَمَنَّ لا يُتَمَنَّ لا يُتَمَنَّ لا يُتَمَنَّ لا يُتَمَنَّ لا يُتَمَنَّ لا يُتَعَمِّنَ لا يُتَمَنَّ لا يَتَمَنَّ لا يَتَمَنَّ لا يُتَمَنَّ لا يُتَعَمِّ لا يَتَمَنَّ لا يُعْتَمَنَّ لا يَتَمَنَّ لا يَقَالَ يَعْمَى المُ الله المُعْلَى المُعْلَى المُعْلَى المُعْلِي الله المُعْلَى المُعْلَى الله المُعْلَى ال

التَّمَنِيُّ مصدراصل مِن التَّمَنِّي مَقَا التَّصَرُّفُ كَلَمَ مَعَ اللَّهُ مَعَاد اللَّهُ مَعْد اللَّهُ مَعْمُ اللَّهُ مَعْدُولُولُ مَعْدُ اللَّهُ مُعْمَاد اللَّهُ مَعْدُمُ مُعْمَاد اللَّهُ مُعْمَاد اللَّهُ مَعْد اللَّهُ مَعْمُ مُعْمَاد اللَّهُ مَعْمُ مُعْمَاد اللَّهُ مُعْمَاد اللَّهُ مَعْمُ مُعْمَاد اللَّهُ مُعْمَالْمُ مُعْمَاد اللَّهُ مُعْمِعُمُ مُعْمَاد اللَّهُ مُعْمَاد اللَّهُ مُعْمَاد اللَّهُ مُعْمَعُمُ مُعْمَاد اللَّهُ مُعْمَادُ مُعْمَاد اللَّهُ مُعْمَاد اللَّهُ مُعْمَادُ مُعْمَاد اللَّهُ مُعْمَادُ مُعْمَادُ اللَّهُ مُعْمَادُ مُعْمَادُ اللَّهُ مُعْمَا مُعْمَادُ مُعْمَادُ مُعْمَادُ مُعْمَادُ اللَّهُ مُعْمَادُ اللْمُعْمُ مُعْمَادُ مُعْمِعُمُ مُعْمَادُ مُ

فعل ماضى معلوم: - تَمَنَّى أَمَنَّهَا تَمَنُّوا تَمَنَّتُ تَمَنَّا تَمَنَّدُ تَمَنَّدُ تَمَنَّدُ تَمَنَّد

ماضى مجهول: - تمني مرتبياً مرقع موسر د موسرياً تمنيناً تمنين الخ

مضارع معلوم: - يَتَمَنَّى يَتَمَنَّيَانِ يَتَمَنَّونَ تَتَمَنَّى تَتَمَنَّيَانِ يَتَمَنَّيُنَ تَتَمَنَّى تَتَمَنَّيَانِ عَتَمَنَّيَانِ تَتَمَنَّيُنَ تَتَمَنَّيُنَ اَتَمَنَّى تَتَمَنَّى . كَتَمَنَّونَ تَتَمَنَيْنَ تَتَمَنَّى تَتَمَنَّى .

مضارع مجبول - ميتَمَن في مُتَمَنيًان المخمعلوم كي طرح بصرف اتنافرق ہے كه يهال حرف اتين مضموم ب جبكه معلوم ميں حرف اتين منتوت ب

اسم فاعل - مُتَمَيِّي مُتَمَيِّيانِ مُتَمَيِّونَ مُتَمَيِّيةَ أَلَخ

اسم مفعول ـ مُتَمنيً مُتَمنيًان مُتَمنيون متَمناة مُتَمناً تان متَمنيكات

فعلمستقبل معلوم مؤكد بلام تاكيدونون تاكيد تقيله: ﴿ لَيَتَمَنَّيْنَ لَيَتَمَنَّيَانَ لَيَتَمَنُّونَ الخر

امرحاضر معلوم : تَمَنَّياً تَمَنَّياً تَمَنَّي تَمَنَّي تَمَنَّياً تَمَنَّينَ ، وعلى هٰذا الْقِياسِ اللي الخروب

باب پنجم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه ناقص يائى ازباب تَفاعُلَ چون اَلتَّرَامِى

بمعنی"باجم تیراندازی کرنا"

تراملي يَتَراملي تَرامِياً فهو مُتَرامٍ وَتُرُومِي لِيَتَراملي تَرامِياً فذاك مُتَرَامي لَمَ يَتَرام لَم يُنتُرام

لَا يَتَرَامَى لَا يُتَرَامَى لَنَ يُتَرَامَى لَنَ يُتَرَامَى الامر منه تَرَامَ لِتُتَرَامَ لِيَتَرَامَ لِيُتَرَامَ والنهى عنه لا يَتَرَامَ لا يُتَرَامَ لا يُتَرَامَ الظرف منه مُتَرَامَى مُتَرَامَيانِ مُتَرَامَ النَّدَاءَ الظرف منه مُتَرَامَى مُتَرَامَ الْيَانِ مُتَرَامَ النَّامَةِ وَاللهِ اللهُ اللّهُ اللهُ ا

فعل ماضى معلوم: - تَرَّاملي تَرَامَيا تَرَامَوا تَرَامَتُ تَرَامَتُ تَرَامَتا تَرَامَينَ الخ

ماض مجهول: - ترومي تروميا تروموا تروميت الخ

مضار تَّ معلوم - يَتَرَامَى يَتَرَامَيَانِ يَتَرَامَوْنَ تَتَرَامَى تَتَرَامَيَانِ يَتَرَامَيْنَ - تَتَرَامَى تَتَرَامَيَانِ تَتَرَامَيْنَ اتَرَامَيْنَ اتَرَامَى نَتَرَامَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَ

مجہول کا گردان بھی ای طرح ہے فقط اتنافرق ہے کہ مجبول میں حروف مضارع مضموم ہوتا ہے جبکہ معلوم میں مفتوح ہوتا ہے ام حاضر معلوم ۔ تَدَامَ تَرُامَيّا تَرَامَوْا تَرَامَوْا تَرَامَيْ تَرَامَيّا تَرَامَيْنَ .

امرحاضر مجبول: ليتترام ليتتراميا ليتتراموا ليتترامر الخ

باب ششم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه ناقص يائى ازباب اِلْمَةِ عَالُ چون ٱلْآخَةِ فَا الْمُ

رِ الْحَتَفَى يَخْتَفِى الْحَتِفَاءُ فَهُو مُخْتَفِ وَالْحُتَفِى يُخْتَفَى الْحُتِفَاءُ فذاك مُخْتَفَى لَمْ يَخْتَفِ لَلَّهُ يَخْتَفَى لَمْ يُخْتَفَى لَمْ يُخْتَفَى لَامرمنه الْحُتَفِ لِتَخْتَفَى لَنْ يُخْتَفَى الامرمنه الْحُتَفِ لِيَخْتَفَى المَرْمِنه الْحُتَفِ لِيَخْتَفَى الامرمنه الْحُتَفَ الطرف منه لِيَخْتَفِ لِيَخْتَفَ لِا يَخْتَفُ لاَ يَخْتَفُ لاَ يَخْتَفُ لاَ يَخْتَفُ لاَ يَخْتَفُ الطرف منه مُخْتَفَى مُخْتَفَيانَ مُخَتَفَياتَ الطرف منه مُخْتَفَى مُخْتَفَيانَ مُخَتَفَياتَ

فعل امرحاض معلوم: - إخْتَفِ إخْتَفِيَا إِخْتَنُواً اِخْتَنِيَ اِخْتَنِيَ اِخْتَنِيَا اِخْتَفِينَ ـ

الله خَينَفًا مُ الله مَل الله خَينَا عَيْ تَعَادُ عَاءُوا الله أون جارى موار

فعل ماضى معلوم : الخُتفَى إخُتفَياً إخْتَفَوْا واخْتَفَتُ اخْتَفَتَا اخْتَفَيْنَ اِخْتَفَيْنَ الْحَتَفَيْتَ الخ

معل ماضى مجهول - اُخْتَفِى اَخْتَفِيا اَخْتَفُوا اَخْتَفِيتَ اَخْتَفِيتَا اَخْتَفِينَ الْخَ اِخْنَفَى اصل میں اِخْتَفَیَ عَا(اِکْتَسَبَ بَطِرَ)قَالَ بَاعَ والاقانون جاری ہوا۔ اُخْتَفِی ماضی مجهول اپنی اصل پر عَدْ وَكُنْفِي اَسْ اِکْتَفَعْ عَا (اِکْتَسَبَ بَطِرَ)قَالَ بَاعَ والاقانون جاری ہوا۔ اُخْتَفِی ماضی مجهول اپنی اصل پر عہد اُکْتُسِبَ کَلِطِ نَ

مضارع معلوم: _يَخْتَفِي يَخْتَفِيَانِ يَخْتَفِيَانِ يَخْتَفُونَ تَخْتَفِيْ تَخْتَفِيانِ يَخْتَفِينَ تَخْتَفِي تَخْتَفُونَ تَخْتَفِينَ تَخْتَفِيان تَخْتَفِيْنَ أَخْتَفِي نَجْتَفِي .

مضارعٌ جُهُولِ: يَخْتَفَى يَخْتَفَى الْ يَخْتَفَى اللهِ عَنْدَةُ وَلَ تَخْتَفَى تَخْتَفَى اللهِ عَنْدَا الْقِيَاشِ وَخُتَفَى الْحُتَفَى الْحُتَفَى الْحُتَفَى الْحُتَفَى الْحُتَفَى الْحُتَفَى الْحُتَفَى اللهِ عَلَى هذا الْقِيَاشِ .

باب مفتم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه ناقص يائى ازباب اِلمَفِعَ الَّ چون اَلَا تُقضَاء، معنى مَن الله عنه منالا

اِنْهَ طَىٰ يَنْقَضِى اِنْقِضَاءً فهو مَنْقَضِ لَمْ يَنَقَضِ لَا يَنْقَضَى لَنَ يَنْقَضِى الإمر منه اِنْقَضِ لِيَنْقَضِ وَالنهى عنه لاَ تَنْقَضِ لاَ يَنْقَضِ الطرف منه مُنْقَضًى مُنْقَضَيَانِ مُنَّقَضَيَانِ مُنَّقَضَيَاتَ . وَالنهى عنه لاَ تَنْقَضَ لَا يَنْقَضِ لاَ يَنْقَضِ الطرف منه مُنْقَضًى مُنْقَضَيَانِ مُنَّقَضَيَاتُ . آلِانْقِضَاءَ اصل مِن اللَّيْقِضَائَ اللهِ دُعَاءُ والاقانون جارى: وا-

فعل ماضى معلوم: والنُقَضَى النَقَضَيَا النَقَضَوُ النَقضَتُ النَقضَتَ النَقضَينَ النَقضَينَ النَقضَينَ الخوص مضارع معلوم: يَنْقضِي يَنْقضِي النَقضِيانِ يَنْقَضُونَ تَنْقضِي تَنْقضِيانِ يَنْقَضِينَ تَنْقَضِينَ تَنْقضِيانِ تَنْقَضُونَ تَنْقَضِيْنَ تَنْقضِيَانِ تَنْقَضِيْنَ اَنْقضِيُ نَنْقَضِيُ .

اسم فاعل: مُنْقَضِي مُنْقَضِي مُنْقَضِيانِ مُنْقَضُونَ مُنْقَضِيةً الخ

نعل امر حاضر معلوم : إِنْ قَضِ إِنْ قَضِيَا إِنْ قَضُوا إِنْقَضِى إِنْ قَضِيَا إِنْقَضِينَ ، إِنَّى ابْنَى پرقاس يَجِعَ باب شمّ صرف صغير ثلاثى مزيد فيه ناقص يائى ازباب إستيفَعَالُ چون الْإِستيغَنَاءُ

جمعنی بے پرواہ ہونا، بے نیاز ہونا۔

اِسْتَغْنَىٰ يَسْتَغْنِيْ اِسْتِغْنَاءً فَهُو مُسْتَغِينِ وَاسْتُغْنِي يَسْتَغُنَىٰ اِسْتِغْنَاءً فَذَاكَ مُسْتَغُنَى

كُمْ يَسْتَغُنِ لَمْ يَسْتَغُنَ لَا يَسْتَغَنِى لَا يُسْتَغَنَى لَحْ يَّسْتَغُنى لَحْ يَّسْتَغُنى لَكَ يَسْتَغُن لَا يَسْتَغُن لَ

<u>ٱلْكِيْسَتِيغَنَاءُ اللَّهِ مِن</u>َ الْإِسْتِيغَنَاكُى مِنَا دِعَاءُ وَالا قَانُون جَارى مِواـ

نعل ماضي معلوم: راتشتنغنى الشِتَغَنياً اسْتَغَنواً السّتَغَنيَاً اسْتَغَنيَاً اسْتَغَنيَنَ السَّتَغَنيَاَ الخر ماض مجهول: استُغيني استُغينيا استغينيا استغينيت استُغينيتاً استُغينيتاً استُغينينَ استُغينيت الخ.

ٞڡڞٳۯ؏ٛڡڡڵۅم:؞ڲۺؾۘۼؖۻؾ ڲۺؾۘۼٛؽؚؽٳڹ۫ڲۺؾۼۧؽۨڔٞؽٙ ؾٞۺؾۼۘؽؽ ؾؘۺؾۼۘؽؽٳڹڲۺؾؘۼٛؽؽؽ ؾۺؾۼؘؽؽٳڹ تؘۺؿؘۼؙؿؙۅؙۜڹٛ تۺۜؾۼؽؽڹ تؘۺؾۼ۫ؽؽٳڹ ٮۜۺؾۼؘؽؽؿ ٱۺؾۼؽؽ ٮؘۺؾۼؽؽ ٮؘۺؾۼؽؽ

مضارع مجهول: بيستَغَنِي يَسْتَغَنِي يَسْتَغَنِيانِ يَسْتَغَنَوْنَ تَسْتَغَنِي تَسْتَغُنيانِ يَسْتَغَنينَ تَسْتَغُني عربَ تَعْنَيانِ نُسْتَغَنُونَ تُسْتَغَنِينَ مُسْتَغَنيانَ تُسْتَغَنينَ السَّتَغَني نُسْتَغَني نُسْتَغَنيا ،

اسم فاعل: مستعَيني مُسْتَغَينيان مُستَعَنون مُستَعَنون مُستَعَنية الخ

اسم مفعول: مُستَغَنَّى مُستَغَنَّيَانِ مُستَغَنَّونَ مُستَغَنَّاةً مُستَغَنَّاتًانِ مُستَغَنَّاتًا.

فعل امر حاضر معلوم : م الشَّتَغُون السَّتَغَنِيكا السَّتَغَنُوا السَّتَغَنِيْ السَّتَغُنِيكَا السَّتَغُنِيثَ .

فعل نهى حاضر معلوم: - لاَ تَسْتَغَيِّن لَا تَسْتَغَيْنِيَا لَا تَسْتَغُنُوا لَا تَسْتَغُنِيَ لَا تَسْتَغُنِيَا لَا تَسْتَغُينِينَ

﴿ خَتَمْ شَدَّا بِوابِ نَاقِصَ وَيَكُرا بِوابِ سِي ناقص كا استعال بهت كم ب- ﴾

لفیف کے ابواب ابواب ٹلاثی مجردلفیف مفروق

باب اول صرف صغير ثلاثى مجر دلفيف مفروق ازباب ضَرَبَ يَضْيرِ بُ جِون ٱلْيُو قَالَيةٌ

بمعنی حفاظت کرنا، بچانا۔

وقلى يَقِي وَقَايَةً فهو وَإِن وَوُقِي يُوقلى وِقَايَةً فذاك مَوْقِي لَمْ يَقِ لَمْ يُوق لَا يَقِي لَا يُوقلى لَنَ سَيِّ لَمَ يَقِ لَمْ يَقِ لَا يَقِي لَا يُوقلى لَنَ سَيِّ لَكُوق وَالنهى عنه لَا تَقِ لَا تُوق لَا يَقِ لَا يُوق لَا يُوق لَا يُوق لَا يُوق لَا يَقِ لَا يُوق لَا يُوق لَا يُوق لَا يُوق لَا يُوق لَا يُوق لَا يَق لَا يُوق لَا يَق لَا يُوق لَا يَق لَا يُوق لَا يَق لَا يُوقى الطرف منه مَوقى والالة منه مِينَة يَ و مِينَا أَهُ و مِينَا أَو العل المنفضيل المذكر منه أوقل والمؤنث منه وقل وفعل التعجب منه مَا أوقاه وأوقي بِم ووقو

قعل ماسى معلوم: ـ وقلى وَقَلَيَا وَقَوْا وَقَلَتُ وَقَلَدَ وَقَلَدَ وَقَلَيْتَ الْمَحْ ـ رَمَى رَمَيَا رَمُوا لَحَ لَكُرِ عَ وَقَلَى اصلى مِن وَقَى صَاقَالَ بَاعَ والاقانون جرى: والـ

ماضى مجهول: وقيى وقيدًا وقوا وقينت وقيدَتًا وقيدَن الخد

ماضی مجبول کے ہرصیغہ میں اعید الشام کے والاقانون جاری دوسکتا ہے۔ یعنی واو وجمز وسے تبدیل کرکے یوں پر صناجا تزہ و در عور اقبی افیکا، اقوا، المخ۔

ال گردان كم معنول مين يعيد والا قانون عواو حذف بوااصل يول تمى ديمة قلى يوقيكان النع ديم يقيى تقيى تقيى القي الني النع ديم يقيى تقيى القي الني النع ديم يقي القي النون عن المحمد القي النون عن المحمد القي النون عن المحمد النون يكتوب الا قانون عن المحمد النون يكتوب النون يكتوب الا قانون عن المحمد ا

مضارع مجهول: يَبُوقيكان يُوقيكان يُوقُونَ تُوقيكان يُوقيكن تُوقيكن تُوقيكن تُوقيكان تُوقيكن تُوقيكن

حَوْقَيَانِ تُوقَيْنَ أُوقَى نُوقَى -اسَّرُوان كَاللات يُرَمَى يُرْمَيَانِ يُرْمُونَ الْمَحْ كَالِمِ مِير اسمِ فاعل - وَاقِ وَاقِيكانِ وَاقْدُونَ وَقَا ةَ وَقَاءُ وَقَى وَقَى وَقَدَى وَقَيْنَاءُ وَقَيْنَانَ وِقَاءُ وقِي أَوْقَاءُ وَاقِيَةً وَاقِينَنَانِ وَاقِيَاتُ أَوَاقِ وَقَى أُويَقِ أُويَقِيَةً *

وَإِقَ أَصَلَ مِن وَاقِيهِ عَمَّا المَاوَن يَدَدُعُ وَيَدْهِمِي إِءِما كَن بُوكُي - اورالقائ ما كَن يُوبِهِ عدف بُوكُي - والْحُونَ المنع برقياس كر المسلم من واقيه والمحون في طرح تعليل بولى - دير مستول من واوقيم في المنع برقياس كر المناسخ والا قانون عمطابق واوكوبم في عبد بل كرنا جائز ب المناسخ والا قانون عمطابق واولوبم في عبد بل كرنا جائز ب المناسخ على وقفاة كو القاقة أوروقة المنافق من من المنطق المناسخ والا قانون على مطابق واواول كو بسيم وقفاة كو القاقة في المنطق المنطق المنطق والقائل من المنطق والمنطق المنطق المنطق

مجهول: لِكُوفَيْنَ لَيُوفَيْنِ لَيُوفَوْنَ لَيُوفَوْنَ لَتُوفَيْنَ لَتُوفَيْنِ لَيُوفَيْنَ لَيُوفَينَانِ النخ

امر حاضر معلوم - في فيسا فكوا في قيل في الله المراس من تنفي تعارف المن حذف يا الكالماهد متحرك بين قاحرف المن حذف كرا الكالماهد متحرك بين آخر من وقف كيابقانون أدع أخر بيا وحذف بوار في المرابي حذف بوار في المرابي حذف بوار في المرابي حدف بوار في المرابي حدف بوار في المرابي حدث المرابي حدث المرابي حدث المرابي حدف بوار في المرابي حدف بوار في المرابي حدث المرابي المراب

امرحاضر معلوم مو كد بنون تاكير تقيله: - فِيكَ قِيبَانِ فَي قِينًا قِيبًا قِيبًا قِيبًا قِيبًا إِنَّ -

مؤكد بنون تاكيد خفيفه ـ قِيدُ قُلْ قِنْ ـ

فَعَل نَهِي حاضر معلوم - لَاتَقِ لَا تَقِيَا لَاتَقُوا لَا تَقِيْ لَا تَقِيَا لَا تَقِيْنَ .

اسم ظرف حموقي موقيان مواق موييق

اسم آله صغرى ميتقى مِيقَيَانِ مَوَاقِ مُويَقِي اسم آله كبرى مِيقَاءُ مِيقَاءَ أَنِ مَوَاقِي مُويَقِي مُويَقِي ا اسم آله وسطى مِيقَاةً مِيتَقاتَانِ مَوَاقِ مُويَقِيّة -

اسم تفضيل المذكر: - أوقلي أوقيان أوقونَ أواقِ أويقِ الم تفضيل المؤنث - وقلى وقيبان وقيباتُ و على المذكر: - أوقلي أوقيبان أوقونَ أواقِ أويقِ الم المؤنث - وقلى وقيبان وقيباتُ

باب دوم صرف مغير ثلاثى مجردلفيف مفروق ازباب سَمِعَ يَسْمَعُ چون اَلُوجَى بَعْن باوَن هُما وَجِى يَوْجَى وَجْياً فَهُو وَاج وَوُجِى يُوْجَى وَجْياً فذاك مَوْجِى لَمْ يَوْجُ لَمْ يُوجُ لَا يَوْجَى لَا يُوْجَى لَنْ يَوْجَى لَنَ يُوجَى الامر منه إيْجَ لِتُوْجَ لِيَوْجَ لِيُوْجُ والمنهى عنه لَا تَوْجَ لَا يُوْجَى لَنَ يَوْجَى لَنَ يُوْجَى الطرف منه مَوْجَى و الألة منه مِيْجَى وَمِيْجَاةً وَمِيْجًا وافعل التفضيل المذكر منه أوجى والمؤنث منه وكملى وفعل التعجب منه مَا أَوْجَاهُ وَأُوجِي بِهِ وَوَجُورٍ.

فعل ماضى معلوم - وَجِي وَجِيًا وَجُوا وَجِيَتْ وَجِيَتًا وَجِيْنَ وَجِيْنَ وَجِيْتَ الخ.

فعل ماضى مجهول - وجي وجيا وجوا وجيك وجيئا وجين الن

مضارع معلوم - يَوْجِلَى يَوْجَدَان يَوْجُونَ تَوْجِل تَوْجَدَانِ يَوْجَدَن تَوْجَدَن تَوْجَدَانِ تَوْجُونَ تَوْجُونَ تَوْجُدَانِ يَوْجُدُن تَوْجُدُن تَوْجُدُن تَوْجُدُن تَوْجُدُن وَجُدُن تَوْجُدُن وَجُدُن تَوْجُدُن وَجُلْ نَوْجِلْي -

تعليلات يَخْشَى يَخْشَيَانِ يَخْشُونَ الخ كَاطِرَينِ.

سوال ـ يوجي من يعدوالا قانون كون جاري بين بوتا؟

جواب ۔ يَعِدُ دالا قانون كيلئ يشرط ك فَتَحَ يَفْتَحُ كاباب بويامضارع مسوراتعين بويامن قليل الاستعال بوجبكه يَ و حاب نوجبك نوجبك ناوراس كانعل يوجبك ناوراس كانعل يوجبك ناوراس كانعل من قبل الاستعال بين بلك كثير الاستعال بين الله كثير الله كثير الاستعال بين الله كثير الاستعال بين الله كثير
مضارع مجهول: يُوجى يُوجَيانِ يُوجَوْنَ تُوجَى الخ يُحْسَلَى يُخْشَيانِ يُخْشَوْنَ الخيطرة اسم فاعل: وَإِج وَاجِيبَانِ وَاجْوَنَ وَجَاءٌ وَجَاءُ وَجَنَّى وَجَى وَجَيَاءُ وَجَيَانَ وِجَاءً وَجِيُّ اَوجَاءً وَالْجِيدَةُ وَالْجَيدَةُ وَالْجَيدَةُ وَالْجَيدَةُ وَالْجَيدَةُ وَالْجَيدَةُ وَالْجِيدَةُ وَالْجِيدَةُ وَالْجَيدَةُ وَالْجَيدَةُ وَالْجَيدَةُ وَالْجَيدَةُ وَالْجَيدَةُ وَالْجَيدَةُ وَالْجِيدَةُ وَالْجَيدَةُ وَالْجَيدَةُ وَالْجَيدَةُ وَالْجَيدَةُ وَالْجَيدَةُ وَالْجَيدَةُ وَالْجَيدَةُ وَالْجَيدَةُ وَالْجَيدَةُ وَالْحَيْدِيدَةُ وَالْجَيدَةُ وَالْجَيدَةُ وَالْحَيْدَةُ وَالْجَيْدَةُ وَالْجَيدَةُ وَالْجَيْدَةُ وَالْحَيْدَةُ وَالْحَيْدَةُ وَالْجَيْدَةُ وَالْحَيْدَةُ وَالْحِيدَةُ وَالْحَيْدَةُ وَالْحَيْدَةُ وَالْحَيْدَةُ وَالْحَيْدَةُ وَالْحَيْدَةُ وَالْحَيْدَةُ وَالْحَيْدَةُ وَالْحِيدَةُ وَالْحَيْدَةُ وَالْحَيْدَةُ وَالْعَالَانَ وَالْحِيدَةُ وَالْحَيْدَةُ وَالْعَلَامِ وَالْحَيْدَةُ وَالْمِنْ وَالْمُوالِمُ وَالْحَيْدَةُ وَالْمُعَالَةُ وَالْمِنْ وَالْمِيدَةُ وَالْمِيدَةُ وَالْمِيدَةُ وَالْمِيدَةُ وَالْمِيدُ وَالْمِيدُ وَالْمِيدَةُ وَالْمِيدَةُ وَالْمِيدَةُ وَلِمُ الْمُعْلِمُ وَالْمِيدُ وَالْمُعِلَالَةُ وَالْمِيدُ وَالْمِيدُ وَالْمِيدُ وَالْمِيدُ وَالْمِيدُ وَالْمُعِلَالَ وَالْمُعِلَالُ وَالْمُعِلَالُولُ وَالْمُعِلَالُولُ وَالْمِيدُولُ وَالْمُعِلَالُ

> اسم مفعول: - مَوْجِيُّ مَوْجِكَانِ مَوْجِيُّونَ الْخ مَرْمِيُّ الْخ كَلَم رَ-فعل جحد معلوم: - كَمْ يَوْجَ كَمْ يَوْجَيَا كَمْ يَوْجُوْا كَمْ تَوْجُوا كَمْ تَوْجَ الْخ -

فعل امر حاضر معلوم - إيج إيجيا إيجوا إيجي إيجيا إيجين-

امرحاض معلوم موكد بنون تاكير تقيله - إيجين ايجيان إيجون إيجون ايجين ايجيان إيجينان

مؤكد بنون تاكيد خفيفه - إيجين إيجون إيجين

ِ اِینِجَ اصل میں او دہنی تھا بقانون مِیعَا کہ واویاء سے تبدیل ہوا اور بقانون اُدع آخر سے الف حذف ہوا۔ اور اِینج کین میں الف محذ وف لوٹ کرآیا۔ پھراسکویاء سے تبدیل کیا۔ کیونکہ اسکی اصل بھی یاء ہی تھی۔ اسی طرح این بجی ہے۔ امر نہی کی دیگر گردان انہیں پر قیاس کر لیجئے۔

اسم ظرف: مَوْجَى مَوْجَيانِ مَوَاجٍ مُوَيْجٍ.

تعلیلات مَرْمنَی مَرْمیّانِ النح کی طرح ہیں۔ اسم آلم مغری مِیْجی مِیْجیکان مَوَاجِ مُویِج ۔
مِیْجی اصل میں مِوْجی قابقانون مِیْعاد واویاء سے تبدیل ہوا۔ مِیْجی بنا پھر قال بَاع والاقانون کے ساتھ آخر کی یا اللہ سے تبدیل ہو کی اور الف التقاع ساکنین کیوجہ سے حذف ہوا۔ مِیْدِ جَسَا الله الله مِیْ مِوْجَیّة تھا بقانون مِیْدِ جَسَا الله الله الله مِیْ الله مِیْ مِوْجَا تُی تا اور مِیْدِ جَا تا ہم آلہ کری اصل میں مِیوْجَا تی تا اور میں اللہ میں مِیوْجَا تی تا اور مِیْدِ جَا تا میں اللہ کی میں میں میں میں می تو جا تی تا اور میں بنا اور دیا تا والاقانون سے میں جا جا بنا۔

اسم تفضيل ، مذكر - أو تجلى أو تجديان أو تجون أو آج أو يج - اسم تفضيل مؤنث - و تجلى و تجديان المخ- باب سوم صرف صغير ثلاثى مجرد لفيف مفروق ازباب حسيب يَحْسِب جون الْيُولاَية معنى قريب بونا ، مقرف بونا .

وَلِي يَسلِي وَلَايَةً فَهُو وَلِي وَوَلِي يُولِل وِلَايَةً فَذَاك مَوْلِي لَمْ يَلِ لَمْ يُول لَا يَلِي لَا يُولى لَن يَكُول لَك يَلِي لَا يُولَ لَا يَلِي لَا يُولَ لَا يَلِ لَا يَلُولُ لَا يَلُولُ لَا يَلُولُ لَا يَلُولُ لَا يَلُولُ لَا يَلْ لَا يُولَى لَا يُولَى اللّه منه مَولَى واللّه منه مِيلًى ومِيلًا أَولًا وَلَا يَعْجَب منه مَا أُولًا وَلِي يَهِ وَولُولَى بِهِ وَولُولَ .

فعل ماضى معلوم: -وَلِينَ ، وَلِينَا ، وَكُورًا ، وَلِينَتَ ، وَلِينَا ، وَلِينَ ، وَلِينَا ، النَّ ماضى مجهول: ولينَا ، ولينا ،

مُولُوا، وليكث ،الخ.

مضارع معلوم: - يَلِي يَلِيَانِ يَكُونَ تَلِي تَلِيَانِ يَلِيْنَ تَلِي تَلِينَ لَلِي تَلِينَ تَلِينَ تَلِينَ اللهِ عَلَى اللّهِ عَلَى اللهِ
يَلِي اصل مِن يُولِي تعابقانون يَعِدُ واوحذف بواءاور بقانون يَدْعُو يُرْمِي ياءماكن بوكن يمام رتعليلات يَقِي يَقِيكِان يَقُونَ اللّخ كَاطر مِن _

مضارع مجهول: ميولنى يوليكان يولكون تولنى تولكان يولكين تولكي تولكان تولكان تولكون تولكين تولكون تولكين مضارع مجهول: ميولكان تولكون تولكين تولكين تولكين أولكى تولكين أولكى نولكى . يوقي يوقيكان النخ كى طرح .

اسم فاعل: ـوَإِلِ، وَالْيَنَانِ، وَالْوَنَ، وَلَاهَ ، وَلَاهَ ، وَلَدَى ، وَلَى ، وَلَى وَلَيَاهِ ، النح وَاقِ، وَاقِيَانِ، النحى طرح اسم فعول: ـ وَالْيِنَانِ مَوْلِيُّونَ النح مَوْقِي مَوْقِيَّانِ النح كَاطرة ـ

فعل جحدمعلوم: ـ لَـحْ يَلِ، لَمْ يَلِيَا، لَمْ يَلُواْ ،لَمْ تَلِ، لَمْ تَلِيَا، لَمْ يَلِينَ ،لَمْ تَلِي، لَمْ تَلْيَا، لَمْ تَلْيَا، لَمْ تَلْوَا، كَمْ تَلِيْ، كَمْ تَلِيَا، لَمْ تَلِيْنَ ،كَمْ اَلِ، لَمْ نَلِ ـ

موجود کا این این کیلی تھاشروع میں لم جازمہ آنے کیجہ سے (بقانون ادع) آخرہ یاء حذف ہوگی۔

فعل جدمجهول: لم يول كم يولياً كم يولوا كم تول الخ.

امرحاض معلوم : رِل وليسًا، كُوا ولين، لِيهَا ولينَ مؤكد بنون تاكيد تقيله رليدَ وليهايّ، كُنّ، لِنَّ وليهَانَ، لِينَ المِيهَانِيّ. وليهَانِيّ. مؤكد بنون تاكيد خفيف رليدَ، كُنّ، لِنَ .

ل اصل میں تکلیے تھاامرحاضروالا قانون کےمطابق حرف مضارع کوحذف کیااوراس کا مابعد متحرک ہے لہذا ابتداء میں ہمزہ وصلی لانے کی ضرورت نہیں پڑی صرف آخر میں وقف کیا توبقانون آدع یاء حذف ہوگئی۔ای طرح دیگر صیغے ہجھ کیجئے۔ آلمین

اصل میں اِس آخر میں نون تا کید تقیلہ لگادیا اور جویاء حذف ہوگئ تھی (بقانون قرکے کے لئے) وہ دوبارہ لوٹ کرآئی کیونکہ یاء حذف ہوئی تھی وقف کی بناء پر اور اب سب حذف باقی نہیں رہا یعنی کل وقف نہیں رہا اسلئے کہ وقف آخر میں ہوتا ہے اور نون تاکید لگنے کے بعدیہ آخر نہیں رہا۔ اور یاء کوفتہ اسلئے دیا گیا کہ یہ صیغدان پانچ صیغوں میں سے ہے جن میں نون تاکید کا اقبل تاکید لگنے کے بعدیہ آخر نہیں رہا۔ اور یاء کوفتہ اسلئے دیا گیا کہ یہ صیغدان پانچ صیغوں میں سے ہے جن میں نون تاکید کا اقبل مفتق ح ہوتا ہے۔ آئی اصل میں گو ا تھا آخر میں نون تاکید تقیلہ مفتق ح ہوتا ہے۔ آئی اصل میں گو ا تھا آخر میں نون تاکید تقیلہ لگنے کے بعدیہ کوئی بنا مجراتھا کے ساکنین کیوجہ سے واوحذف ہوا۔ آئی اصل میں گو ا تھا اسکی تعلیل بھی گئی گی طرح ہے امر نی کی دیگر گر دان ان پر قیاس کرلیں۔

اسم ظرف : - مؤلى مُولَيَانِ مَوَالِ مُويُلِ اسم آلِمِن وَمِيلَى مِيْلِيَانِ مَوَالِ مُويُلِ - اسم آلرم فرف مِيلَى مِيْلِيَانَ مَوَالِ مُويُلِيَةً - اسم الله كبرى مِيْلِاً مِيْلِاً انِ مَوَالِي مُويُلِيَةً - اسم الله كبرى مِيْلِاً مِيْلاً انِ مَوَالِي مُويُلِيَّةً - اسم الله كبرى مِيْلِاً مِيْلاً انِ مَوَالِي مُويُلِي مُويُلِيًّ - اسم الله كبرى مِيْلاً مِيْلاً انِ مَوَالِي مُويُلِي مُويُلِي - اسم الله كبرى مَيْلاً مَا مَوْلَى اوْلَوْنَ اَوَالِ اوْلَيْل - اسم الله كبرى مَيْل مؤنث - ولمَى ولْمُيْل مؤنث - ولمَى ولْمُيْلَانَ ولُكِيدَاتَ وليَّ ولَيْ ولَيْ

تعليلات: مِيْكَةَ اصل مِن مِوْلَدُ فَا مِيْقَى كَاطِرَ تعليل بولَ مِيْكَةً اصل مِن مِوْلَدَةً قام مِيْقَاةً كَ طرح تعليل بولَ مِيْكَةً اصل مِن مِوْلَا فَي تعامِيّقاء كى طرح اسمِن تعليل بولَ - أوالِ اصل مِن أوالِي تعااوات ك طرح تعليل بولَ -

(الله في مجرد كے ديگر ابواب سے لفيف مفروق كا استعال قليل ہے)

لفيف مفروق ثلاثى مزيد فيه

باب اول صرف صغير ثلاثى مزيد فيلفيف مفروق ازباب إلْفَعَالَ چون الله يحسّاء م جمعن وصيت كرنامكى كام كاعهد لينا-

اوصلى يوصبى إيصاءً فهو موص واوصى يوصلى إيصاءً فذاك موصلى لم يوص كم يوصلى لا يوصلى لايوصلى لك يوصلى لك يوصلى الامر منه أوص ليتوص ليوص لم يوص والنهى عنه لا توص لا توص لا يوص لا يوص الظرف منه موصلى موصيان

موصيّات. موصيّات.

آلايضاء اصل مين آلاوصائ تفا (ماده وصنى م) بقانون ميتعاد وادياء تبديل بوا،اور دعاء والاقانون ميتعاد وادياء تبديل بوا،اور دعاء والاقانون ميتعاد وادياء تبديل بوا،اور دعاء والاقانون ميتعاد وادياء بمزه ت تبديل بوئي -

فعل ماضى معلوم: _ أوصلى أوصيدًا أوصدوا أوصدت أوصدًا أوصدَّن الخ أهدى أهدياً النح كل طرح-

ماضى مجهول: أوصيت أوصيك الوصيك أوصيك أوصيكت الوصيكة الوصيكة المخ أهدى أهديا أهدوا كل

مفارئ معلوم: ـ يُوصِين يُوصِيكان يوصون توصِيكان يوصيكان يوصين توصِيكان مودمين توصِيكان مودميكان معلوم: ـ يُوصِيكان موصون توصيكان توصي

مضارع مجهول: يُرَوِّ طلى يُروصَيَ إِن يُروصَونَ تُوصَلَى تُوصَيَانٍ يُوصَيَّيَنَ تُوصَلَيْنَ تُوصَى تُوصَيَانٍ مرد مَونَ وَمِسَيْنَ تُوصَيَانٍ تُوصَيِّنَ أُوصِينَ أُوصِلَى نُوصِلَى.

اسم فاعل : موص موصيكان موصون موصية االخد

اسم مفعول: مُوصِيً مُوصَيَانٍ مُوصَونَ مُوصَاةً مُوصَاتَانِ مُوصَيَاتًا.

امرحاض معلوم - أوحي أوحيديا أوصوا أوحيد أوحيديا أوحيدي -

امر حاضر مجهول. لِتُوصَ لِتُوصَيّا لِتُوصُوا الخ.

نهى ماضرمعلوم: ـ لَا تُوصِي لَا تُوصِيكِ الاَ تُوصِيكِ الاَ تُوصِيكِ لاَ تُوصِيكِ الاَ تُوصِيكِن ـ

باب دوم صرف صغير ثلاثى مزيد في لفيف مفروق ازباب تَفْعِيلْ چون التَّوْفِيةُ

بمعنی بورا کرنا (ماده و فکی ہے)

وَفِي يُوفِيِّ تَوْفِيَةً فِهِو مُوفِّ وَوُفِّى يُوفِيّ تَوْفِيَةً فذاك مُوفِى كُمْ يُوفِّ كُمْ يُوفَّ لَا يُوفِيّ لَا يُوفِي لَحَ يُوفِيّ لَحَ يُوفِى كَنَ يُوفِى الامرمنه وَفِّ لِتُوفَّ لِيُوفِي لِيُوفَّ والمنهى عنه لَا تُوفِّ لَا تُوفَّ لَا يُوفِّ لَا يُوفَّ الظرف منه مُوفِيٌّ مُوفِّيانِ مُوفَيَّانِ مُوفَيَّاتُ.

فعل ماضى معلوم: - وَفَيْ وَقَيَا وَقَدَوْ اوَقَيْتَ وَقَيْنَ وَقَيْنَ وَقَيْتَ وَقَيْتُما الْمَح لَقَى لَقَياً لَقَوْ الْمَح كَلَ طرح -

ماضى مجهول: وقِيّ وقِيّا وقُوا وقِيدَت وقِيدَا وقيدن الخ.

مضارع معلوم - يَـوَفِيدَ يَـوَفِيدَانِ يَـوَفُّونَ تُوفِي تُوفِيانِ يُوفِينَ تُوفِينَ تُوفِينَ تُوفِينَ عَرَفِيانِ تُوفِينَ أُوفِي مُوفِي . تَوفِيانِ تُوفِينَ أُوفِي مُوفِي .

نعل امرحاضر - وَفِيَّ وَقِيداً وَفَيْ وَقِيداً وَقِيداً وَقِيداً وَقِيداً وَقِيداً وَالْكِيدِةِ مِن اللهِ الْمُوالاةُ وَاللهُ اللهُ وَلَا اللهُ وَاللهُ اللهُ الل

جمعنی آپس میں دوئی اور تعلق رکھنا (ماد ہؤ کیے ہے)

وَالَّىٰ يُوالِىٰ هُوَالاَةً فَهُو هُوَالِ وَوُولِىٰ يُوَالَّى هُوَالاَةً فذاك هُوَالىَّ لَمْ يُوالِ لَمْ يُوال لَا يُوالِىٰ لَا يُوالَىٰ لَنَ يُوالِى لَنَ يُوالِى الامر منه وَالِ لِتُوالَ لِيُوالِ لِيُوالَ والمنهى عنه لَا يُوالِ لَا تُوالَ لَا يُوالِ لَا يُوالَ الطرف منه مُوالىً مُوالَيَانِ مُوَالَياتَ .

الموالاة اصل من الموالكية تهابقانون قال باع ياءالف تتديل موكى-

ماضى معلوم: وَاللَّهِ وَاللَّهِ وَاللَّهُ وَاللّلَّا وَاللَّهُ وَاللَّا اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللّلَّا وَاللَّهُ وَالْ واللَّذُا اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّالَّذُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّ

مضارع معلوم - يَوَالِي يُوالِيكانِ يُواكُونَ تُوالِيكَ تَوَالِيكَ تُوالِيكَ مُوَالِينَ مُوَالِينَ مُوالِيكَ تُوالُونَ

مُوَالِيْنَ تُوَالِيَانِ ثُوالِيْنَ أُوالِيْنَ أُوالِيْ عُوالِيْ.

مضارع مجهول: - يُسَوَاللي مَسُوَالَيسَانِ يُسُوَالَـُونَ تُسُوَاللي تَسُواللَيانِ مِيوَالَيْنَ تُوَاللي تُوَالَيانِ تُوَالَوْنَ قُوَالَيْنَ تُوالَيكِنَ تُوالَيْنَ مُوَاللي مُوَاللي مُوَاللي .

فعل امرحاضر معلوم - وَالِ وَالِيمَا وَالْوَا وَالْمِي وَالْمِيا وَالْمِينَ وعلى هٰذَا الْقِيَاسِ اللي آخِرِهِ. باب چهارم صرف صغير ثلاثي مزيد فير لفيف مفروق ازباب تَفَعَّلَ چون اَلمَّتَو قَيْدِي

پرہیز کرنا، بچنا (مادہ و فکی ہے)

تَوَقِيْ يَتَوَقِيْ لَكُونِيَّا فَهُو مُتَوَقِّى وَتُوقِي يَتَوَقَيْ تَوَقِياً فَذَاكُ مُتَوَقِّى لَمُ يَتَوَقَّ لَمُ يَتَوَقَى لَمُ يَتَوَقَّ لِمُ يَتَوَقَّ لِمُ يَتَوَقَّ لِمَيَّتَوَقَّ والنهى لَا يَتَوَقَّ لِا يَتَوَقَّ لَا يَتَوَقِّ لَا يَتَوَقِّ لَا يَتَوَقِّ لَا يَتَوَقِّ لَا يَتَوَقَّ لَا يَتَوَقَّ لَا يَتَوَقَّ لَا يَتَوَقِّ لَا يَتَوَقِّ لَا يَتَوَقَّ لَا يَتَوَقَّ لَا يَتَوَقَّ لَا يَتَوَقَّ لَا يَتَوَقَّ لَا يَتَوَقَّ لَا يَتَوَقِّ لَا يَتَوَقَّ لَا يَتَوَقِّ لَا يَتَوَقَّ لَا يَتَوَقَّ لَا يَتَوَقِّ لَا يَتَوَقَى لَا يَعْمَى اللهُ عَلَى الل

فعل ماضى معلوم: - تَوَقِي تَوَقَي اَ تَوَقَي اَ تَوَقَي اَ تَوَقَّتُ تَوَقَّتَا تَوَقَيْنَ تَوَقَيْنَ تَوَقَيْنَ المخ ماضى مجهول: - تَوقِي م موهد موجه و موجود معنون توقيا توقيا توقيات المخ -

مضارع معلوم : ـ يَتُوقِي يَتَوقَي اَتَوقَي يَتَوقَي يَتَوقَي اَتَوَقَي اَتَوَوَي اَتَوَقَي اَتَوقَي اَتَوقَي اَ اَتَوَقَوْنَ اَتَوَقَيْنَ اَتَوَقَيانِ اَتَوَقَيانِ اَتَوَقَيْنَ اَتَوَقَيْ نَتَوَقَيْ.

مضارع مجبول: عِيتَوَقِي يتوقَيكن يتوقَون المخ مضارع معلوم كاطرح صرف اتنافرق بكرمجول مين حرف مضارع مخبول المن حرف مضارع مضموم بوتا باورمعلوم مين مفتوح -

فعل امر حاضر معلوم : قوق توقياً توقياً توقي توقياً توقير توقياً توقين -

امرحاضرمعلوم مو كدبنون تاكيد تَعَلَيْ تَوَقَيَنَ تَوَقَيَنَ تَوَقَيَنَ تَوَقَّونَ تَوَقَّدِينَ تَوَقَيْدِينَ تَوْقَيْدِينَ تَوْقَدُونَ تَاكِينَ تَوْقَيْدِينَ تَوْقَيْدِينَ تَوَقَيْدِينَ تَوَقَيْدِينَ

باب پنجم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه لفيف مفروق ازباب تَفَاعَلَ چون اَلنَّوالِي، ياپهونايعن لگاتار بونا(مادة ولي ج)

تَوَاللَى يَتَوَاللَى تَوَالِياً فهومُتَوَالِ وَتُووْلِي يَتَوَاللَى تَوَالْيافَذاك مُتَوَاللَى لَمْ يَتَوَالَ لَمْ يَتُوالَ لَمْ يَتُوالَ لَمْ يَتُوالَ لِيَتَوَالَ لِيَتَوَالَ والمنهى لَا يَتَوَاللَ لَا يَتُواللَ لَا يَتُواللَ لِيَتَوَالَ والمنهى عنه لا يَتَوَال لا يَتُوال لا يَتُوال لا يَتُوال الظرف منه مُتَوَاللَّى مُتُواللَي مُتُواللَياتُ مَتُواللَي مَتُواللَي مُتُواللًا اللَّوَاللَياتُ مِن اللَّوَاللَيانِ مُتُواللَي اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللللَّهُ اللللَّهُ اللَّهُ اللَ

فعل ماضى معلوم - تَوَاللَى تَوَالَيا تَوَالَوا تَوَالَتُ تَوَالَتُ تَوَالَيْنَ تَوَالَيْنَ تَوَالَيْتَ الْخ-ماضى مجهول: - تَوُولِي تُوولِيا تُوولُوا تُوولِيكَ تُوولِيكَ تُوولِيكَا تُوولِينَ تُوولِيكَ الْخ.

مضارع معلوم - يَتَوَاللي يَتَوَالَيانِ يَتَوَالَيْنِ يَتَوَاللَوْنَ تَتَوَاللي تَتَوَالَيانِ يَتَوَاللّينَ تَتَوَاللي تَتُواللّيانِ تَتَوَاللّي تَتُواللّي تَتَوَاللّي تَتَوَاللّي تَتَوَاللّي نَتَوَاللّي .

مضارع مجهول: مِيتَوَاللي يتَوَالْيانِ يتَوَالُونَ الْخ -

اسم فاعل: - مُتَوالِ مُتَوالِيكانِ مُتَوالُونَ مُتَوالِيَةُ الخر

اسم مفعول: متوالى متواكيان متواكون متوالاة الخد

امرحاض معلوم: ـ تَوَالَ تَوالَيا تَوالُوا تَوالُو اتَوالُى تَوالَياتُوالَيْنَ ـ

مؤكد بنون تاكير تقله : - تَوَالْدَنَّ تَوَالْدَانَّ النح

باب ششم صرف صغير ثلاثى مزيد فيلفيف مفروق ازباب الحقيقال چون الإقيقالي المستم صرف صغير ثلاثى مزيد كرنا، خوف كرنا (مادة وَ هَي ہے)

ِ اتَّقَىٰ يَتَّقِىٰ اِتِّقَاءً فهو مُتَّقِى وَاتَّقِىٰ يَتَّقَىٰ اِتِّقَاءً فذاك مُتَّقَى لَمْ يَتَّقِ لَمْ يَتَّقَى لَا يَتَّقِىٰ لَا يَتَّقَىٰ لَا يَتَّقَىٰ لَا يَتَّقَىٰ لَا يَتَّقَىٰ لَا يَتَّقَىٰ لَا يَتَّقِى لَكُ يَتَّقِى لَلْ يَتَّقِى لَكُ يَتَّقِى لَا يَتَّقِى لَلْ يَتَّقِى لَا يَتَّقِى لَلْ يَتَّقِى لَالْ يَتَّقِى لَا يَتَّقِى لَا يَتَّقِى لَا يَتَّقِى لَا يَتَقِى لَا يَقِي لَا يُقَالِقُوا لِي يَقِى لَا يَعْنَى لَا يَعْلَقِى لَا يَعْنَالُوا لَمَ لَا يَتَقِى لَا يَتَقِى لَا يُتَقِى لَا يُعَلِّقِى لَا يَعْنَى لَى لَا يَتَقِى لَا يَعْنَقِى لَا يَعْنَى لَا يَعْنَقِى لَى لَكُنْ يَقِى لَا يَعْنَى لَا يَعْنَقِى لَى لَكُولِ لَا يَعْنَقِى لَا يَعْنَقِى لَا يَعْنَقِى لَا يَعْنَ

لَا يَتُقَ الظرف منه مُتَّقَى مَتَّقَيَانِ مَتَّقَيَاتٌ -

و الما قانون كے مطابق آخرى ياء بمزہ تبديل ہوگئ ۔ والا قانون كے مطابق آخرى ياء بمزہ تبديل ہوگئ ۔

فعل ماضى معلوم: وإتَّقَى إِتَّقَيا إِتَّقَوْ إِتَّقَتْ إِتَّقَتَا إِتَّقَيْنَ إِتَّقَيْتَ إِتَّقَيتُما الخ

اس باب کے ہرایک صیغہ میں اِنَّفَدَ اِنْسَرَ والا قانون جاری ہوا ہے۔ مثلا انتقلی اصل میں اِوْتَفَی تھا (اِکْتَسَبُ کی طرح) بقانون اِنْقَدَ واوتاء سے تبدیل ہوکرتائے افتعال میں مغم ہوا پھر بقانون قال بَاع یاءالف سے تبدیل ہوئی۔ اِنْقَدِ اَنْ اَنْفَدَ وَالا قانون سے اِنْفَدُوا بنا وَتَقَدُوا بنا اِنْفَدَ وَالا قانون سے اِنْفَدُوا بنا کی مطابق یاءالف سے تبدیل ہوکر التقائے ساکنین کیوجہ سے مذف ہوئی۔ ای طرح دیگر قسال بی او تعلیلات مجھیے۔

مضارع مجول: ويَتَّقَى يَتَّقَى انِ يَتَّقَونَ تَتَّقَى تَتَقَيانِ يَتَّقَينَ تَتَّقَى تَتَّقَيانِ تَتَقَونَ تَتَقينَ مِنَّارِ وَهَا دِرِمِنَ وَمِنَّا اللهِ مِنَّالِ يَتَقُونَ تَتَقَى تَتَقيانِ يَتَقَينَ تَتَقَى تَتَقيانِ تَتَقي تَتَقيانِ تَتَقين اتقى نَتَقَى - مِنْتُقَلِي اصل مِن مُونَقَدُ في تقاابتداء من إتَّقَدُ والا اورآخر من قَالَ بَاعُ والا قانون جاري موا_

اسم فاعل: مُتَّقِ مُتَّقِيكانِ مُتَّقُونَ مُتَّقِيكةً الخر

مَّتَنَقِقَ اصل مِن مُوتَدَقِي هَابِقانون إِنَّقَدَ وادتاء تتبديل موكرتائ افتعال مِن مَمْ مواتو مَتَقِي مَا كَريد عُو يَرْمِحْ والاقانون كِمطابق ياءماكن موكرالتقائ ماكنين كيوبه تصحذف موكل اى طريقه سدد يكرتعليلات مجمليل مثلا امرحاض معلوم : وإتَّق واتَّقيدًا إِنَّقُولُ إِنَّقِيدًا إِنَّقَوْلُ إِنَّقَوْدُ إِنَّقَادُ مَا اللهُ مِنْ اللهُ مُعْلَمُهُ اللهُ مَنْ اللهُ مُعْلَمُهُ اللهُ مَنْ اللهُ مُعْلَمُ اللهُ مَنْ اللهُ مُعْلَمُ اللهُ مُنْ اللهُ اللهُ مُنْ اللهُ مُنْ اللهُ اللهُ مُنْ اللهُ اللهُ مُنْ اللهُ الله

امر حاضر معلوم مو كد بنون تاكيد تقيله: - اتَّقِيكنَّ اتَّقِيكانِ وَتَقَنَّ اتَّقِنَّ اتَّقِيكَانَّ اتَّقِيكانّ

مؤكد بنون تاكيد خفيفه : إِتَّقِينَ إِتَّقُنْ إِتَّقِنْ ا

امر حاضر مجهول: لِتَتَّقَى لِتَتَّقَيا لِتَتَّقُوا لِتَتَّقَى لِتَتَّقَيا لِتَتَّقَينَ وعلى هُذَا الْقِياسِ-

باب مفتم صرف صغير ثلاثى مزيد فيدلفيف مفروق ازباب استفعال چون اَلْإِسْتِيفَاء م

اِسْتَوْفَى يَسْتَوْفَى اِسْتِيفَاءً فهو مُسْتَوْفِ وَاسْتُوْفِى لَيَسْتَوْفَى اِسْتِيفَاءً فذاك مُسْتَوْفَى الأمر منه لَمْ يَسْتَوْفَى لاَيْسَتُوفَى لَنَ يَسْتَوْفِى لَنَ يَسْتَوْفَى الأمر منه اِسْتَوْفَى لِيَسْتَوْفَى الأمر منه السَّتَوْفَ لِيَسْتَوْفَى الأمر منه السَّتَوْفَ لاَيْسَتُوفَ والنهى عنه لاَ تَسْتَوْفِ لاَ تُسْتَوْفَ لاَ يَسْتَوْفِ لاَيْسَتُوفَ لاَ يَسْتَوْفِ لاَيْسَتُوفَ لاَيْسَتُوفَ لاَيْسَتُوفَى الأَيْسَتُوفَى اللهُ مُسْتَوْفَى اللهُ ا

<u>ٱلْاسْتِيْتَ فَا وَ اَ</u>صَلَ مِنَ الْاِسْتِيْوِ فَايْ تَهَا (ماده وَ فَيَ حَبَّ) مِيْتِعَادُ والا قانون كِمطابق واوياء يته مِل ہوا۔ اور بقانون دَعَاء اُخرى ياء ہمزہ سے تبديل ہوئی۔

فعل ماضى معلوم - استوفى استوفياً استوفوا استوفيت استوفيًا استوفين استوفين استوفيت الغر ع دعو عرود عرود عرود عرود عرود عرف استوفييت استوفييًا عرود در استوفيين الخ ماضى مجهول - استوفي استوفياً استوفياً استوفييت استوفييًا استوفيين الخ

مضارع معلوم : يَسَتَوْفِي يَستُوفِيانِ يَستُوفُونَ تَستَوفِي تَستَوفِي تَستَوفِيانِ يَستَوُفِينَ تَستَوُ فِي ت ورو تَستوفِيانِ تَستَوفُونَ تَستَوفِينَ تَستَوفِينَ تَستَوفِيانِ تَستَوفِينَ ٱستَوفِي نَستَوفِي مَستَوفِي . اسم فاعل: مستوفي مستوفيان مستوفون الخ-

اسم مفعول: مستوفى مستوفى مستوفيان مستوفون مستوفاة مستوفاتان مستوفيات. اى طرح دير ران كريج ديرابواب علفيف مفروق لل الاستعال ب-

ابواب لفيف مقرون

باب اول صرف صغير ثلاثى مجرد لفيف مقرون ازباب ضَدَر بَ يَضْوِ بِعِيلَ الطَّيُّ الطَّيِّ الطَّيِّ المُعَلِينَا (ماده طُوَى بِ)

طُولى يَطُولَى طَيَّا فَهو طَاوِ وَطُوى يَطُولَى طَيَّا فذاك مَطُوقٌ لَمْ يَطُو لَمْ يَطُولَ لَا يَطُولَى لَكَ يَطُولَى لَكَ يَطُولَى لَكَ يَطُولَى لَحَ يَطُولَى لَحَ يَطُولُ لَا يَطُولُ لِيَطُو لِيَطُو لِيَطُو وَالنهى عنه لا تَطُولُ لا يَطُولُ لَا يَطُولُ الله منه مِطُوكًى والالة منه مِطُوكًى ومِطُواةً ومِطُواءً وافعل التفضيل المذكر منه اَطُولَى والمؤنث منه طِي وفعل التعجب منه مَا اَطُواهُ وَاطُولِي بِهِ وَطَلَقَ المَّولَة مَنه عَلَى التعجب منه مَا اَطُواهُ وَاطُولِي بِهِ وَطَلَقَ الله عَلَى المَالِمُ الله عَلَى الله عَلَى الله عَلَى الله عَلَى الله عَلَى المَالِمُ الله عَلَى الله عَلَى الله عَلَى الله عَلَى الله عَلَ

و المطلق مصدراصل مين الطودي تفاقع ين الله وي الله والله الله والله
فعل ماضى معلوم: - طُولى طُوياً طُورًا طُوتُ طُوتًا طُويْنَ طُويَتَ النح-

ماضى مجهول: مطوى طويا طُووا طويك طويك المويدا طُوين طويت الخ.

مضارع معلوم: ـ يَـطُوِى يَـطُـوِيَـانِ يَطُوُونَ تَطُوِى تَطُوِيَانِ يَطُوِيْنَ تَطُوِىُ تَطُوِىُ تَطُووُنَ تَطُولِيْنَ تَطُويَان تَطُوِيْنَ اَطُوِى نَطُوِى .

مضارع مجهول : _ يُطِيُّون يَطُنون يَطُوونَ تَطُولى تَطُوكانٍ يُطُويَانَ تَطُولَى تَطُولَى تَطُولَانِ تَطُوونَ

تعليلات: - طُولى اصل مين طُوك تقابقانون قال باع ياءالف عاتبديل بوكى -

اعتراض ـ طولی عواویس قال باعوالا قانون کیوں جاری ہوا؟

جواب ۔ یہ داوناقص (لفیف) کاعین کلمہ ہے جبکہ اس قانون میں بیشرط ہے کہ عین لفیف ندہو۔ ملکوی ماضی مجہول اپنی اصل پر برقرار ہے

اعتر اض: _اسميس قديل بيدع والاقانون كيون جاري بين موا؟

جواب ۔ اس قانون کیلئے ایک شرط یہ ہے کہ واواور یاء پر ماضی معلوم میں قانون جاری ہوا ہو جبکہ طب وی کی ماضی معلوم طَوْی میں یہ واوسالم ہے معلل نہیں ہے۔

يَطُونَ اصل مِن يَطْوِي هَمَا بِقَانُون يَدْعُو يُرْمِي إِنَا كَن مُوكَى اور يَطُوى مِن واوك اندريَقُول يبِيعُ والاقانون وَمَا واللهُ عَلَى اللهُ عَلَى الل

اسم فاعل: حطّاو، طَاوِيَانِ ،طَاوُونَ، طَوَاةً ،طُواء، طُونَّى، طِيَّ ،طُويَاء، طِيَّانَ ،طِوَاء، طِوِيٌ، اَطْوَاء، طَاوِيَةً، طَاوِيَتَانِ، طَاوِيَاتُ ،طُواءٍ، طُونِّى، طُويُدِ، طُويَدِيَةً.

طَابِ اسم فاعل اصل میں طَابِ وَ فَي هَا بقانون يَدْ عُو يُرُمِي ياء ماكن بُوكُنَّ اور پُر التَّقائ ماكنين كيوجه عدف بوگئ موال ـ طاويس قايل كانوع والا قانون كيول جاري نبيل بوا؟

جواب ۔ طَاوِ کاداوطُولی ماضی معلوم میں سالم ہے یعن تعلیل سے مفوظ ہے جبکداس قانون کے جاری ہونے کیلئے ماضی معلوم میں دواور یا عکامعلل ہونا ضروری ہے۔ مطبورات اصل میں طبوری تھا آئی ہوئی۔ مطبوری معلوم میں دواور یا عکامعلل ہونا ضروری ہے۔ مطبوری اس طبوری تھا اور کا مطبوری تھا دیا تھا تھا تھا تھا ہوں کے مطابق یا عہمزہ سے بدل گئے۔ مطبوری اصل میں مطبوری تھا اولا قانون کے مطابق یا عہمزہ سے بدل گئے۔ مطبوری اصل میں مطبوری تھا دیا تھا تون جاری ہوا۔

م مراج المراج ال

ضمه سره عتديل موار طليكان اصل من طرويان قاصدربان كالمرح اولاسييد والا پر دعي كادوسرا قانون جارى موار قطواء والا تاري موار قانون جارى موار قطواء الله على المراد على المرد على المراد على المرد على المراد على المرد ع

سوال: يطواء مي قيكان رياض والاقانون كون جارئ بين بوتا كرواوياء يدل جائد؟

جواب: _ بيداد طَّ و مفرد ش سالم بي يعنى معلل نهيں بے جبكه اس قانون ش يشرط ب كه دادادريا ، داحش سالم نه مهرا و و و ي كا هر ح و ي كا طرح - بقانون سيند دواديا ، ستبديل موكر پھريا ، من منم موار تو و ي كا هر ح و ي كا طرح - بقانون سيند دواديا ، ستبديل موكر پھريا ، من منظم موارت طوق كا بنا پھر ديا ہي المسوال فا ، اور عين كلمه كا ضمه كر ه ستبديل كيا - المسواء اصل عين المسوائ فا ، دعا ، والا تقانون جارى موا - فلو اي اصل عين طوا و ي تقابقانون شكر الف طوا ي كا بنا پھر يك عود مي والا تانون ساكن موكر التقائ ساكن موكر التقائ ساكن موكر التقائي ساكن موكر التقائ ساكن موكر التقائد سيد مول سوال . ـ مُلوكِي في ماكن موكر التقائد ساكن مو

اسم مفعول: - مَطْبِوقٌ مَطْبِوتَّانِ مَطْبِوتَّوْنَ مَطْبِوتَّةٌ مَطْوِيَّتَانِ مَطُوِيَّاتَ مَطَاوِقٌ مُطَيُويٌ ه م د درد مطيوتَهُ

مَطُوعً المَ مَعُول اصل مِين مَطُووى عَامَدُ مِنْ كَامُورَ المَيْنَ تَعْلَيْل مُونَى ـ اور يَهِ تَعْلَيْل دير مِنْ اللهُ وَلَى اللهُ وَلَى اللهُ عَلَيْل دير مَعْلَيْوِيَّةُ مَطَيْوِيَّةً مَعْلَيْوِيَّةً مَعْلَيْوِيَّةً مَعْلَيْوِيَّةً مَعْلَيْوِيَّةً مَعْلَيْوِيَّةً مَعْلَيْوِيَّةً مَعْلَيْوِيَّةً مَعْلَيْوِيَّةً كَانُون سِايك ياء دوسرى مِن مَعْم مُونَى ـ مَعْلَيْوِيَّةً مَعْلَيْوِيَّةً مَعْلَيْوِيَّةً كَى اصل مُطَيْوِيْهِ وَيَحْ مَعْلَيْوِيْهَ مَعْلَيْوِيَةً مَعْلَيْوِيَةً مَعْلَيْوِيَّةً كَى اصل مُطَيْوِيْهِ وَيَحْ مَعْلَيْوِيْهَ وَمِن مِن مَعْم مُونَى ـ

امرحاض معلوم: _ إطُّو، إطُّويًا وإطُّووًا وإطُّوى وإطُّويًا، إطُّويْنَ.

اسم ظرف: مَطُوكً مَطُوكًانِ مَطَارٍ مُطَايِوٍ .

مَطُوكً آصل مِن مَطُوَى عَامَرُ مِنَّ كَالْمِرَ تَعْلَيلُ بِوَلَى اى طرح ديمُ مينوں كَ تعليلات بير-

اسمآ لهمغرى: مِطْوَىً مِطْوَيَانِ مَطَاوٍ مُطَيْدٍ

اسم آلدوسطى: مِعِلُواةً مِعِلْوَاتَانِ مَطَاوٍ مُعَلَيْوِيَةً

اسمآل کبری: مِطْوَاءُ مِطُواءَ ان مَطَاوِیٌ مُطَيُوِیّ

اسم تفضيل المذكر: - اَطُولى اَطُويَانِ اَطُووُنَ اَطَاوِ اُطَيْدٍ.

اسمَ تفضيل مؤنث: _ طِيَّ طِيَّيَانٍ طِيِّيَاتُ طُوكً طُويًى

طِلَی اصل میں طُوئی تھا۔ بقانون سَیَقِد واویاء سے تبدیل ہوکریاء میں منم ہوا۔ اور دِعِی کے دوسرے قانون سے طاء کا ضمہ کسرہ سے تبدیل ہوا اور بہی تغلیل مابعد کے دونوں میں ہوئی۔ مطوری اصل میں طوری تھا اولا قسال بَاع والا اور پھر التقائین والا قانون جاری ہوا۔ محلوی تا اصل میں طُسوری کی تھا میں منم اور پھر التقائین والا قانون جاری ہوا۔ محلوی تھا بقانون رَمُسوری کے اوا وسے تبدیل ہوئی اب ایک جنس کے دوحرف جح ہوئی۔ مضاعف کے قانون سے متجانسین میں سے ایک دوسرے میں منم ہوا۔

باب دوم صرف صغير ثلاثى مجرد لفيف مقرون ازباب سَمِعَ يَسْمَعُ جون الْفُوَّةُ

طاقت ركھنا ،مضبوط ہونا۔

قَوِى يَقُولَى قُوَّةً فَهِو قَوِى وَقُوى يُقُولى قُوَّةً فذاك مَقُوئٌ لَمْ يَقُولَمُ يُقُولَا يَقُولَى لَا يُقُولى لَا يُقُولَى لَكُنَ يَقُولَ لَمُ يَقُولَمُ يَقُولَا يَقُولُا وَالنَّا عَمِنَهُ مِنْ مَنْ مَا اللَّهُ عَلَى المَذكر منه اللَّهُ وَاللَّهُ عَلَى المَذكر منه اللَّهُ وَاللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَلَى ا

القوية اصل مين المُقُووة تما (ماده قَوو يه) مضاعف كقانون سايك واودوسر يمين مرغم موا-

فعل ماضى معلوم: قَوِى، قَوِيكَا ، قَوُوا، قَوِيكَ، قَوِيكَ، قَوِيكَا، قَوِيُنَ، الخ ماضى مجهول: وقُوِيَا

فرود قووا، قوِيكت، قُوِيتًا، قُوِيْنَ، قُوِيْتَ ،الخ

مضارع معلوم :- يَـقُوى، يَـقُويَانِ ،يَقُووْنَ، تَقُول ،تَقُويَانِ ،يَقُويَانِ ،تَقُول ،تَقُول ،تَقُول ،تَقُود ، تَقُود ، تُقُود ، تُعُود
مضارع مجهول فيقولى يقويان يقوون المنعلوم كاطرح

تعدلیلات ۔ قَوِی اصل میں قَوِو تھا بقانون دعی واویاء سے تبدیل ہوااس گردان کے تمام صینوں میں بقانون دعی واویاء سے تبدیل ہوا۔ دیگر دعیسی واویاء سے تبدیل ہوا۔ دیگر صینوں میں بھر بھر اس میں قیو و تھا بقانون دعیس واویاء سے تبدیل ہوا۔ دیگر صینوں میں مزید تو انین بھی جاری ہوئے ہیں۔ جو خور کرنے سے باسانی معلوم ہو سکتے ہیں۔ کی تعلیل ہوئی اور بعض صینوں میں مزید تو انین بھی جاری ہوا۔ کیقو تھا۔ بقانون جد علی آخری واویاء سے تبدیل ہوا۔ کیقو تھی بنا پھر قال جا عوالا قانون جاری ہوا۔ اس گردان میں اور مضارع مجبول کے تمام صینوں میں بقانون گئے کے واوثانی یاء سے تبدیل ہوا ہے۔ اور بعض صینوں میں پھر یاء الف سے تبدیل ہوئی ہے۔ اور کہیں کہیں التقائے ساکنین کیوجہ سے الف حذف بھی ہوا ہے۔ اس مادہ کے اندر واواول پروی قانون جاری نہیں ہوتا کیونکہ واواول لفیف کا عین کلمہ ہے اور عین لفیف میں کوئی قانون جاری نہیں ہوتا جیسا کہ واواول نون کوئی واواول نفیف کا عین کلمہ ہے اور عین لفیف میں کوئی قانون جاری نہیں ہوتا جیسا کہ آپ نے قال بناع والا قانون کے ذیل میں پڑھا ہے۔

اسم فاعل کی جگداس سے صفت مشبہ آتی ہے۔

صفت مشه : - قَوِي قَوِيَّانِ قَوِيُّونَ قُوَّاءُ قُوَّاءُ قُوَّانَ قِوَاءَ قِوِيٌّ قِوِ اَقُواءَ اَقُوِياءُ اَقَوِيةً قَوِيَّةً قَوِيَّتَانِ قَوِيَّاتً قَوَايَا قُوئَ قُويةً .

قِو اصل مين قُوو ماأدْ لِي كلطرح المين تعليل بوئي - أَقُواءُ اصل مِن اَقُو أَوْتِها دُعَاءُ والا قانون جارى بواأَقْرويَاءُ

اسم مفعول: مَقُوعٌ مَقُوعٌ ان مَقُوعٌ وَ مَقُوعٌ مَقُوعٌ مَقُوعٌ مَقُوعٌ ان مَقُوعٌ ان مَقَاوِى مَقَدُوعٌ مُقَدُوعٌ مَقَدُوعٌ مَقَدُوعٌ مَقَدُوعٌ مَقَدُوعٌ مَقَدُوعٌ مَقَدُوعٌ الله مَقُولٌ عَلَيْل دَيْر بِلْ عَلَيْ مَعْلَى الله وَلَا عَلَيْل مَوْل مَقَدُودُو مُقَدُودُو مُقَدُودُو مُقَدُودُو مُقَدُودُو مُقَدَودُو مُقَدُودُو مُقَدَودُو مُعَلَيْدُودُو مُعَدَودُونُ مُولَى مُعُودُونُ اللّهُ وَمُ اللّهُ وَمُ اللّهُ وَمُعَلِي اللّهُ وَاللّهُ ولَا اللّهُ وَاللّهُ ولَا اللّهُ ولَا

﴿ ثلاثی مجر د کے دیگر ابواب سے لفیف مقرون نہیں آتا ﴾

لفیف مقرون، ثلاثی مزید فیه۔

باب اول صرف مغير ثلاثى مزيد في لفيف مقرون ازباب إفعال چون الإختياء معنى زنده كرنا الحيل يُحتي كُم يُحتي كَم يُحتي المحتياء فَهُ وَمُحيي وَالْحَيْنَ يَحْدَى الْحَيْنَ فَذَاكَ مُحتي كُم يُحتي كُم يُحتي كَم يُحتي كَن يُحتي كَن يُحتي كَن يُحتي الامر منه الحي ليتُحتي ليتُحتي ليتُحتي والمنهى عنه المُحتي لا يُحتي لا يُحتي كَن يُحتي المطرف منه مُحتي مُحتينانِ مُحتينات م

قعل ماضى معلوم: - آخمى آنحيت آخيتوا آخيت آخينا آخيين آخيين آخيينت المن لفي الفين كامين كلمهون كيوبه ارباب كي پيلي يا مين قانون جارئ بين بوتا .

ماسى جُهول: أَحْيِيَ أَحْيِيَا أَحْيُوا أَحْيِيَتْ أَخْيِيَتَا أُحْيِيْنَ أَخْيِيْنَ أَخْيِيْتَ الخ

مضارع مجهول: مِيمُولِي مِيمُولِينَانِ مِيمُونَ مُتَحْلِي تَحْلِيَانِ يُحْلِينَ اللهِ

باب دوم صرف سغير ثلاثى مزيد في لفيف مقرون اذباب تَفْعِ فيل چون اَلْتَسْبُويَةُ بَمَعَىٰ برابر كرنا۔ سُوّى يُسَوِّى تَسْبُويَةً فَهُوَ مُسَوِّ وَصُوْقِى يَسْبُوى نَسْوِيَةً فَذَاكَ مُسَوَّى كَمُ يُسَوِّ لَمْ يُسَوَّ لَا يُسَتَوِّى لَا يُسَتَوَّى لَـنَ يُسْبَوِّى لَنَ يُسَتُّوى الامر منه سَبُو لِيُسَوَّ لِيُسَوِّ لِيهُسَوَّ والنهى عنه لَا تُسَتَوِ لَا تُسَوَّ لَا يُسَتَوَّ لَا يُسَوَّ الظرف منه مُسَوَّى صَمَتَوْيَانٍ مُسَوَّيَاتُ

فعل ماضى معلوم بستوى ستويا ستود استوت ستوتا ستوين ستويث ستويث ستوينتما الخ

ماضى مجهول: مستوى مستويا مُستَودا مُستويت مستويتا مُستوين المخد

مضارع معلوم عصير في يُسَوِيَانِ يُسَوَّون تُسَوِيَانِ يُسَوِيَانِ يُسَوِيَانِ يُسَوِيَن تُسَوِيَانِ تُسَوُّون

تُسَوِّينَ تَسَوِّيَانِ تَسَوِّينَ اَسَوِّي نُسَوِّي

مضارع مجهول: _يُسَوِّى يُسَوَّيان يُسَةَّوْنَ نَسُونَى تُسَوِّى تُسَوَّيان يُسَوَّينَ الخ ـ

امرحاضرمعلوم: ـ سَمِيٍّ سَيُّويَا سَوُّوا سَيِّوى سَيُّويَا سَيِّويْنَ، آخرتك گردان ادرائلى تعليلات كرليجيّـه

باب وم صرف مغير ثلاثى مزيد في لفيف مقرون ازباب مقاعكة يون الممداواة ، معنى علاج كرنا داولى ، يداوى ، مداواة ، فهو مداو ، ودووى ، يداوى ، مداواة ، فذاك مداوى ، كمداواة ، فذاك مداواة ، فيداو ، كم يداو كم يداو كم يداوى ، لا يداوى ، لا يداوى ، لكريداوى ، للامر منه داو ، ليتداو ، ليداو ، ليكاو ، والمنهى عنه لا يداو ، المطرف منه مداوى ، مداويان ، مداويات مداويات مداويات مداويات مداويات مداويات مداوي ، مداوي المداوية بالمداوية و المداوية بالمداوية و المداوية بالمداوية
ماضى معلوم: - دَاولى، دَاوَياً ،دَاوَوْا، دَاوَتْ ،دَاوَتَا، دَاوَيْنَ، دَاوَيْتَ ،الخ -

ماضى مجهول: - دُووِيَ، دُووِيَا، دُووُوا ،دُووِيَت ،دُووِيَتَا ،دُووِيَتَ ،النخ

مضارع معلوم : يُدَاوِي يُدَاوِيكَانِ يُدَاوُونَ تُدَاوِيكَانِ يُدَاوُونَ تُدَاوِينَ تَدَاوِينَ تَدَاوِي تُدَاوِينَ تَدَاوِينَ تَدَالِينَ تَدَاوِينَ تَدَاوِينَ تَدَاوِينَ تَدَاوِينَ تَدَاوِينَ تَدَانِ تَدَانِ تَدَانِ تَدَانِ تَدَانِينَ تَدَاوِينَ تَدَانِينَ تَدَانَ

مضارع مجبول: يَداولى يُداويان يُداويان تُداول تُداول تُداوك يَان يُدَاوكن تُداوكن تُداوكن تُداوكن تُداوكن تُداوكنَ الله المخد

امر حاضر معلوم - دَاوِ، دَاوِيَا، دَاوُوُ، دَاوِيَا، دَاوِيَا، دَاوِيْنَ، اَی طرح دیگرتصریفات کرلیں۔ باب چہار م صرف صغیر ثلاثی مزید فیلفیف مقرون ازباب تَنَفَعُّلَ چون اَلتَّقَوِّیُ بمعنی (مضبوط منا)

تَقَوِّى يَتَقَوَّى تَقَوِّياً فهو مُتَقَوِّ وَتُقُوِّى يَتَقَوَّى تَقَوِّياً فذاك مُتَقَوَّى لَمْ يَتَقَوَّ لَم يَتَقَوَّ لَم يَتَقَوَّ لَم يَتَقَوَّ لَم يَتَقَوَّ لَم يَتَقَوَّ لِيَتَقَوَّ والنهى عنه

لَا تَتَقَوَّ لَا تُتَقَوَّ لَا يَتَقَوَّ لَا يُتَقَوَّ الظرف منه مُتَقَوَّى مُتَقَوَّيَانِ مُتَقَوَّيَاتُ -

المَّتَنَوِّى اصل مِن الْسَفَوُ وَ قَا (ماده قَوِو كَ بَ) دِعِي كَ يَهِ قَانُون كَدُوسِ عَمْ كَمِطابِق آخرى واوكوياء ي تبديل كيا ـ توالمنتَّقُونَى بنادِعِي كَ دوسر _ قانون سے التَّقَوِّى بنا پھر بقانون يَدُعُو يَرْمِي ياء ساكن ہوگئ ـ

فعل ماضى معلوم - تَقَولَى تَقَوَّدَا تَقَوَّدُا تَقَوَّدُ تَقَوَّدَا تَقَوَّدَا تَقَوَّدَا تَقَوَّدَ تَقَوَّدَ الخ

ماضى مجهول - تُقُوِّى تَقُوِّيا تُقُوَّوا تَقُوَّيَتُ تَقَوِّينا تَقَوِّينَ تَقَوِّينَ تَقَوِّيتَ الخ

فعل مضارع معلوم - يَتَفَوَّى يَتَفَوَّي يَتَفَوَّي يَتَفَوَّي يَتَفَوَّى تَتَفَوَّى تَتَفَوَّي يَتَفَوَّينَ تَتَفَوَّينَ تَتَفَوَّيانِ تَتَفَوِّيانِ تَتَفَوِّيانِ تَتَفَوِّيانِ تَتَفَوَّيانِ تَتَفَوَّيانِ تَتَفَوَّيانِ تَتَفَوِّيانِ تَتَفَوَّيانِ تَتَفَوَّيانِ تَتَفَوِّيانِ تَتَفَوِّيانِ تَتَفَوِّيانِ تَتَفَوِّيانِ تَتَفَوَّيانِ تَتَفَوَّيانِ تَتَفَوَّيانِ تَتَفَوِّيانِ تَتَفَوْيانِ تَعْمَامِ عَلَى اللَّهَانِ تَتَفَوْيَانِ تَقَوْيانِ تَتَفَوْيانِ تَتَفَوْيانِ تَتَفَوْيانِ تَتَفَوْيانِ تَتَقَوْيانِ تَتَفَوْيانِ تَتَفَوْيانِ تَتَفَوْيانِ تَتَفَوْيانِ تَتَفَوْيانِ تَتَفَوْيانِ تَتَفَوْيانِ تَتَفَوْيانِ تَتَفَوْيانِ تَعْتَقُولُونَ تَعْتَقُولُونَ تَتَفَوْيانِ تَتَفَوْيانِ تَتَفَوْيانِ تَتَفَوْيانِ تَتَفَوْيانِ تَتَفَوْيانِ تَعْتَقُولُونَ تَلْتَعَلَى تَعْتَفَوْيانِ تَعْتَفَوْيانِ تَعْتَفْعِلْ عَلَيْنِ عَلَى تُعْتَلِي عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّعْلَى اللَّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّ

مضارع مجبول کی گردان بھی اسی طرح ہے سے ف اتنافی ت ہے کہ وہاں حرف اتین مضموم ہے

تعلیلات - تنگویلی اصل میں تنگو و تعابقانون ید علی تنقوی بنا پھر قبال بَاعُ والا قانون جاری ہوا۔ تنقوی اصل میں موسوم موسوم تعلی والا اور پھر قبال بَاعُ والا اور پھر قبال بَاعُ والا اور پھر قبال بَاعُ والا قانون جاری ہوا۔ یکھوٹی اصل میں یک تنقوی تھا اولا یہ دعلی والا اور پھر قبال بَاعُ والا قانون جاری ہوا۔ دیگر تعلیلات وقصر بنات اسی برقیاس کرلیں۔

امرحاص معلوم: - تَقَقَّ تَقَوَّيا ، تَقَوَّوا، تَقَوَّى ، تَقَوَّيا ، تَقَوَّين -

باب بنجم صرف صغير ثلاثى مزيد في لفيف مقرون ازباب تفاعل چون التساوى كمعنى برابر مونا تساوى يَتساوى تساوى الامر منه تساو كم يَتساوك كَنْ يَتساوك كَنْ يَتساوك كَنْ يُتساوك الامر منه تساوك لِمُ يَتساوك لَنْ يَتساوك كَنْ يُتساوك الامر منه تساوك لِمُتساوك لِمُ يَتساوك المرف منه للتنساوك للا يُتساوك للا يُتساوك الظرف منه مُتساوك يُتساوك المنساوك الظرف منه مُتساوك مُتساوك في مُتساوك في مُتساوك المُتساوك مُتساوك المُتساوك المُ

التساوي اصليس التساوي شاديم كالتساوي كالون عانون عوادكا ضمكر وستبريل بوااور بقانون يدعو كالتساوي الدعو كالتساوي المراد المراد بالمراد المراد
فعل ماضى معلوم ـ تَسَاولى تَسَاوَياً تَسَاوَوا تَسَاوَوا تَسَاوَتُ تَسَاوَتَا تَسَاوَيْنَ تَسَاوَيْتَ المخ ـ

ماضى مجهول: - تسووي تسوويا تسوووا تسوويت الخ.

مضارع معلوم: - يَتَسَاولى يَتَسَاوَيَانِ يَتَسَاوَيَانِ تَتَسَاوَوْنَ تَتَسَاولى تَتَسَاوَيَانِ يَتَسَاوَيُنَ تَتَسَاولى تَتَسَاولى تَتَسَاولى تَتَسَاولى عَتَسَاولى عَتَسَاولَى عَتَسَاولَى عَتَسَاولى عَتَسَاولى عَتَسَاولَى عَتَسَاولَى عَتَسَاولَى عَتَسَاولَة عَتَسَاولَى عَتَسَالَى عَتَسَالَى عَلَيْكُ عَتَسَالَ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَتَسَالَى عَلَيْكُ عَل

مضارع مجهول: عيتساوى يتساويان الخ

اسم فاعل: مُتَسَارِو مُتَسَاوِيانِ مُتَسَاوُونَ مُتَسَاوُونَ مُتَسَاوِيةُ الخد

امرحاض معلوم: ـ تَسَاوَ تَسَاوَيَا تَسَاوَوْا تَسَاوَىْ تَسَاوَيْ تَسَاوَياً تَسَاوَيْنَ .

باب شم صرف مغير ثلاثى مزيد في لفيف مقرون ازباب افتعال چول الإستواء بمعى برابر بونا راستواى يَسْتَوى إستواءً فهو مُسْتَو وَاسْتُوى يُسْتَولى اسْتِواءً فذاك مُسْتَوى لَمْ يَسْتُو لَمْ يُسْتَوَلا يَسْتَوى لا يُسْتَولى لَنْ يَسْتَوى لَنْ يُسْتَولى الامر منه اسْتَو لِتُسْتَو لِيَسْتَو لِيُسْتَو والسنهى عنه لا تَسْتَو لا تُسْتَو لا يُسْتَو لا يُسْتَو الظرف منه مُسْتَوى مُسْتَويان مُسْتَوَياتُ

السنتواء المسلمين الاستنواع المحقاد عاء والاقانون جارى مواءاس بابك برصيغه مين إستكم وإشكه والاقانون بهي جارى مواءاس بابك برصيغه مين إستكم وإشكه والاقانون بهي جارى موسكتا ہے۔

فعل ماضى معلوم: واستولى استوياً استور الستور السنوت استوتاً استوين استويت النع. ماضى مجهول: استوى المدوم و دوم و دور استوريت استويتا استورين استوريت النع.

مضارع معلوم: ـ يَسْتَوِى يَسْتَوِيَانِ يَسْتَوُونَ تَسْتَوِى تَسْتَوِيَانِ يَسْتَوِينَ تَسْتَوِيَانِ تَسْتَوُونَ تَسْتَوِيْنَ تَسْتَوِيَانِ تَسْتَوِيْنَ اَسْتَوِيْنَ اَسْتَوِى نَسْتَوِى

مضارع مجهول: يَسْتَوَى يُسْتَوَيْنَ تَسْتَوَيْنَ مِسْتَوَوْنَ تُسْتَوَى تَسْتَوَى تَسْتَوَيْنَ يَسْتَوَيْنَ تَسْتَوَى مُدتَوَيَانِ تُسْتَوَوْنَ تَسْتَوَيْنَ تَسْتَوَيْنَ تُسْتَوَيْنَ أَسْتَوَى أَسْتُولَى نَسْتَولَى باب بفتم صرف مغیر ثلاثی مزید فید لفیف مقرون از باب اِتَّفِعَالَ چون اَلاَنْزِ وَاعْبَهِ مِن كُوشُ شِي بونا رانْسَزُولى يَسْسَرُوى إِنْسُرُواءً فَهِ و مُسْنَزَقٍ لَسَمْ يَسَنُرُو لَا يَنْزُوى لَنَّ يَتَنْرُوى الامر منه إِنْرُو لِيَنْزُو، والسنهى عنه لَا تَنْزُو لَا يَنْزُو الطرف منه مُنْزُوقَى مُنْزُويَانِ مُنْزُويَاتُ . اَلْاَنْزِوَاجُهُ صَلَّى اَلْاِنْزُواى مَا (زُوكى ماده مِ) دُعَاءُ الاقانون جارى بوا۔

جواب ۔ اس کے فعل ماضی معلوم اِلْسُرُولی میں اس واوپر قانون جاری نہیں ہوا جبکہ قیسکا کی والا قانون کیلئے میشرط ہے کہ فعل ماضی معلوم میں اس واوپر قانون جاری ہو چکا ہو۔

فعل ماضى معلوم: _ اِنْزُولى اِنْزُوياً اِنْزُووْ الْنَزُوتُ اِنْزُوتَا اِنْزُويَا اِنْزُويَا الْنَزُويَةَ النح

منعبيد لفيف كاعين كلمهون كيوجه عاس باب مين واو يركونى قانون جارى نبيس موتا

مضارع معلوم : يَكُنْزُوِى يَكُنْزُوِيكَانِ يَكُنْزُوُونَ تَكُنْزُوِى تَكُنْزُوِيكَانِ يَكْزُوِينَ تَكْزُوِيكَانِ تَنْزُوُونَ تَنْزُوِيْنَ تَنْزُوِيْنِ تَنْزُوِيْنَ اَنْزُوِيْنَ اَنْزُوِيْ نَنْزُوِيْ تَكُنْزُوِيْ -

اسم فائل: مُنزُوِى مُنزُوِيانِ مُنزُوونَ مُنزُويَةُ الخ

باب بشتم صرف صغير ثلاثى مزيد في لفيف مقرون ازباب الشيقفعال چون الإستي تحيام م بمعنى شرم كرناحيا كرنا-

اِسْتَحْلَى يَسْتَحْيَى اِسْتِحْيَاءً فهو مُسْتَحْيى وَاسْتُحْيى يُسْتَحْلَى اِسْتِحْيَاءً فذاك مُسْتَحْى اَسْتَحْيى يَسْتَحْيى اِسْتِحْيَاءً فذاك مُسْتَحْى لَا يُسْتَحْيى لَا يُسْتَحْيى لَا يُسْتَحْيى لَا يُسْتَحْيى لَا يُسْتَحْيى لَا يُسْتَحْيى لِلَاسْتَحْيى لِلْ يُسْتَحْيى لِلْ يَسْتَحْيى لَا يَسْتَحْيى لِلْ يَسْتَحْيى لِلْ يَسْتَحْيى لَا يَسْتَحْيى لَا يَسْتَحْيى لِلْ يَسْتَحْيى لَا يَسْتَحْيى لَا يَسْتَحْيى لِلْ يَسْتَحْيى لِلْ لَا يَسْتَحْيى لَا يَسْتَحْيى لِلْ يَسْتَحْيى لِلْ لَا يُسْتَحْيى لِلْ لَا يُسْتَحْيى لِلْ لَا يَسْتَحْيى لِلْ لَا يُسْتَحْيى لِلْ لَا يُسْتَحْدى الْطَرْف مِنْ مِنْ مُسْتَحْدى الْمُلْمِنْ فَالْمُ لَا يُسْتَحْدى الْمُلْمُ فَالْمُ لَا يُسْتَحْدى الْمُلْمُ فَالْمُ لَا يُسْتَحْدى الْلِلْمُ فَالْمُ لَا يُسْتَحْدى الْمُلْمِ فَالْمُ لَا يُسْتَحْدى الْمُلْمُ فَالْمُ لَا يُسْتُلْمُ لِلْكِمْ لِلْلْمُ لَا يُسْتَحْدى الْمُلْمُ لِلْمُ لِلْكُولُولُونِ الْمُلْمُ لِلْمُ لِلْمُ لِلْمُ لِلْمُ لِلْمُ لِلْمُ لِلْمُ لِلْلْمُ لِلْمُ لِلْمُ لِلْمُ لِلْمُ لِلْلْمُ لِلْلْمُ لِلْمُ لِ

الاستيخياء اصل من الاستيخياي ها ماده كييي ب، دعاء والاقانون جاري بواراس ماده من بهلي ياء لفيف كا

عین کلمہ ہےلبذااسمیں کوئی قانون نہیں چلتا۔

فعل ماضى معلوم - اِسْتَحَى اِسْتَحَدِيكَا اِسْتَحَدَوْ اِسْتَحَدَثَ اِسْتَحَدَثَا اِسْتَحَدَدُنَ الخ ماضى مجهول: - اُسْتُحَدِينَ اُسْتَحَدِينَا اُسْتَحَدُوا اُسْتَحَدِينَا اَسْتَحَدِينَا اَسْتَحَدِينَ اَسْتَحَدِينَا الخ

قعل مضارع معلوم ـ يَسْتَحْيِن تَسْتَحْيِن تَسْتَحْيِن تَسْتَحْيِن تَسْتَحْيِنَ تَسْتَحْيِنَ اَسْتَجْيِنَ نَسْتَجْيِنَ اَسْتَجْيِنَ اَسْتَحْيِنَ اَسْتَجْيِنَ اَسْتَجْيِنَ اَسْتَحْيِنَ الْسَتَحْيِنَ الْسَلَاحُ الْسَلَاحُ الْسَلَّدُ الْسَلَاحُ الْسَلَالَ الْسَلَاحُ الْسَلَاحُ الْسَلَاحُ الْسَلَاحُ الْسَلَاحُ الْسَلْمُ الْسَلَاحُ الْسَلَامُ الْسَلَاحُ الْسَلَعْ الْسَلَاحُ الْسَلَاحُ الْسَلَاحُ الْسَلَاحُ الْسَلَاحُ الْسَلَ

اسم مفعول ـ مُستَحى مستحيكان مستحيون مستحياة الخر

امرحاض معلوم: - اِسْتَحْيى اِسْتَحْيِيكا اِسْتَحْيُوا اِسْتَحْيِي اِسْتَحْيِيكا اِسْتَحْيِيكن - وعلى هٰذا الْقِيَاسُ -

﴿ دِيكِرابواب سے لفیف مقرون قلیل الاستعال ہے ﴾

﴿مهموز کے قوانین ﴾

قانون نه برہمزہ ساکٹ منظمّر کہ ماقبلش متحرک باشد ہمزہ در دیگرکلمہ، ماسوائے ہمزہ مطلقاً ، آل ہمزہ ساکن رابوفق حِرکتِ ماقبل بحرفِ عِلَّت بدل کنند جوازاً ، بشرطیکہ باعث تحریکش موجود نباشد۔

قانون مبر ٢٩: _رَ اللَّ بُوسُ أور فِينكِ والايايامَةُ اوريُومِن واالا قانون

اس قانون کا خلاصہ یہ ہے کہ ہمزہ ساکنہ کو ماقبل کی حرکت کے موافق حرف علت سے تبدیل کرنا جائز ہے جبکہ وہ ہمزہ ساکن مظہر ہو۔اس کے متحرک ہونے کا کوئی سب موجود نہ ہو ماقبل اسکامتحرک ہو،اگر ماقبل بھی ہمزہ ہوتو پھرالگ الگ کلمہ میں ہونا شرط ہے۔اوراگر ہمزہ کے ملاوہ کوئی اور حرف ہو،تو پھرالگ الگ کلمہ میں ہونا شرطنہیں ہے۔ لے

الفاقى مثاليل - بيت رَاسُ بُوسُ أور ذِيبُ جواصل مين رَأْسُ بُؤُسَ أور ذِنبُ تصاور يَامَنُ أوريُومِنْ جو اصل مين رَأْسُ بُؤُسَ أور ذِنبُ تصاور يَامَنُ أوريُومِنْ جو اصل مين يَأْمَنُ أوريُغُ مِن تَحد

ماقبل بهي بمزه بواسكي مثال بيد القارئ وتمن جواصل من القارئ نتم نقاد

احتر ازی مثالیں۔(۱) سَدَلَ اتمیں ہمزہ ساکن نہیں ہے(۲) سَدُنَلَ اسمیں ہمزہ ساکنہ مظہر نہیں ہے۔ بلکہ مذم ہے

(۳) کیا مہم اسمیں ہمزہ پر حرکت آنے کا سبب موجود ہے۔ وہ اس طرح کہ جب مضاعف کے قانون سے ایک میم دوسری میں
مذم ہوگی تو میم اول کی حرکت اس ہمزہ کی طرف منتقل ہوگی۔ جس سے یکو میں بن جائے گا (۴) آئے میں یہاں دونوں ہمزہ ایک
کل میں بیں

قانون: برہمزه ساکن منظم که ماقبلش دیگر ہمزه متحرک باشدازاں کلمه،آل ہمزه ساکن رابوفق حرکتِ ماقبل بحرف عَلَی بدل کنند وجوباً بشرطیکه باعث تحریکش موجود نباشد، اگر ہمزه اول وصلی باشد در درج کلام می افتد وہمزه ثانی بصورت خودعودی کنند، مگر کُلْ و مُحرَّ و خُدُ شاذاند۔

قانون بمبر ٤٠ ـ المَنَ أُومِنَ إيْمَاناً والاقانون

ہمزہ ساکنہ کو ماقبل کی حرکت کے موافق حرف علت سے تبدیل کرناواجب ہے جبکہ دو ہمزے، ایک ساتھ ایک کلمہ میں اس طرح جمع ہوں کہ پہلامتحرک ہواور دوسراسا کن مظھر ہو،اس کے متحرک ہونے کا کوئی سبب موجود نہ ہو اتفاقی مثالیں ۔جیے امن او مین ایسکاناً جواصل میں آئے من آئے میں اور انسکاناً تھے۔

احترازی مثالیں: ۔(۱) اَءَ ادِمِ یہاں دوسراہمزہ ساکن نہیں ہے(۲) قداری نتمین یہاں دونوں ہمزہ ایک کلمہ میں نہیں ہیں۔ (۳) می نتمین یہاں دونوں ہمزہ ساکنہ مظہر نہیں ہے مذم ہے(۴) اُء می جواصل میں اُء مسم تھا اسمیں ہمزہ ساکنہ پر حرکت آنے کا سبب موجود ہے یعنی یہاں مضاعف کا قانون جاری ہوتا ہے جسکی وجہ ہے میم اول ثانی میں مذم ہوکر اسکی حرکت ہمزہ کی طرف نتقل ہوگی تو ہمزہ تحرک ہوجائے گا۔

اگردونوں ہمزوں میں سے پہلا ہمزہ وصلی ہواور درمیان کلام میں آنے کیوجہ ہے گرجائے تو حرف علت سے تبدیل شدہ ہمزہ م حدوج مراکنہ کواپنی اصل کی طرف لوٹا نا واجب ہے جیسے او تسمین جو اصل میں اء تسمین تھا۔ آسمیں پہلا ہمزہ وصلی ہے اس قانون سے حوجہ او تسمین بنایعن ہمزہ ساکنہ واوحرف علت سے تبدیل ہوا پھر شروع میں اللّذی آنے کیوجہ سے ہمزہ وصلی گرگیا تو اب اسکو الّذی نتیمن پڑھا جائے گا ہمزہ ساکنہ جو واوسے تبدیل ہوا تھا وہ دوبارہ اپنی اصل کی طرف لوٹ کرآئے گا۔

یمی مطلب ہاں عبارت کا "اگر ہمز ہ اول وصلی باشد در درج کلام می افتد وہمز ہ ٹانی بصورت خود عودی کنند"

اَ مَرَ یَا اُمْرِ اَ اَ اُمْرُ کِنْ اَ اِلْمَ اِلْمُ اللَّهِ اِلْمُ اِلْمُ اللَّهِ اِلْمُ اللَّهِ اِللَّهِ اِللَّهُ اِللَّهُ اِللَّهُ اللَّهُ اللّ اللَّهُ اللَّ

 اصل میں ماء مسر تھااس قانون سے او مسر بنا۔ پہلا ہمزہ وسلی ہے تو در میان کلام میں آنے کیوجہ سے حذف ہوا، لہذا واو حرف علت سے تبدیل شدہ ہمزہ ثانیا بی اصل کی طرف لوث کرآیا جیسا کہ اکدی نتیس کی ہوا۔

قانون: - ہر ہمز ہ مفتوحہ کہ ماقبلش مضموم یا مکسور باشد ، ہمز ہ در دیگر کلمہ ماسوائے ہمز ہ مطلقاً ، ہمز ہ مُفتو حدر ابوفق حِرکتِ ماقبل بحرف علت بدل کنند جوازاً ۔

قانون نمبراك: حبوك اور مكير والاقانون

جب ہمزہ مفتوح ہو ماقبل اس کامضموم یا مکسور ہوتو اس ہمزہ کو ماقبل کی حرکت کے موافق حرف علت سے تبدیل کرنا جائز ہے۔اگر ماقبل میں بھی ہمزہ ہوتو پھرا لگ الگ کلمے میں ہونا شرط ہےاور گرغیر ہمزہ ہوتو پھرییشر طنہیں ہے۔

الفاقى مثال : عيد جُونُ اور ميك و جواصل من مجدك أورم فكر تصياك كلمك مثالين بين الك الك كلم كالله علم كالله علم كالله علم كالله علم كالله علم كالله علم الله علم كالله كاله

ماقبل بھی ہمزہ ہواس کی مثال جیسے یجینی و حمد جواصل میں یجینی احمد تھا۔

احتر ازی مثالیں(۱) همینل انمیں ہمزہ مفتوح نہیں ہے(۲) سکنل آئیں ہمزہ کا ماقبل مضموم یا کمسور نہیں ہے (۳) آء میں میہاں دونوں ہمزہ ایک کلمہ میں ہیں۔

قانون نه بردو بهمزه متحرک اگر جمع شوند دریک کلمه ،اگریکجاز ایثال مکسور باشد ثانی را بیابدل کنند وجوباً سوائے کائے گئے تھے کہ دریں جاجائز است واگر چیج کیکے مکسور نه باشد ثانی را بواو بدل کنند وجوباً مگر محمد ماکر می شاذ است به

قانون نمبر٤٢: جاءِاور أو ادِمُوالا قانون

اسکی دوصورتیں ہیں۔

(۱) پہلی صورت یہ کہ جب دومتحرک ہمزہ ایک ساتھ ایک کلمہ میں اس طرح جمع ہوں کہ ان میں ہے کوئی ایک کمسور ہوتو دوسرے ہمزہ کو یاء ہے تبدیل کرنا واجب ہے۔ جیسے جیایہ جواصل میں جایدے تھا مادہ جینے کے انیل بانے والا قانون دوسرے ہمزہ کو یاء ہے تبدیل کرنا واجب ہے۔ جیسے جیایہ جواصل میں جایدے تھا مادہ جینے کے انیل بانے والا قانون سے جائے ہوگاں کے بعدید کے گو یُرٹھے دولا قانون اور پھر التقائے ساکنین والا قانون سے جائے والا قانون اور پھر التقائے ساکنین والا قانون

جاری ہوا۔

کینے کی بیت انون جوازی طور پر جاری ہوتا ہے۔ کہ اسمیں ایک ہمز ہکسور ہونے کے باوجود دوسرے ہمز ہکویا ، سے تبدیل کرنا واجب نہیں ہے بلکہ جائز ہے الیہ مقاور ایسکن دونوں طرح پڑھنا جائز ہیں۔

احتر ازی مثال:۔ اء میں اسمیں کوئی ہمزہ کموز ہیں ہے۔

(۲) دوسری صورت یہ ہے کہ جب دومتحرک ہمزہ ایک ساتھ ایک کلمہ میں اس طرح جمع ہوں کہ ان میں ہے کوئی ایک مکسور نہ ہو تو دوسرے ہمزہ کو وادے تبدیل کرناواجب ہے۔ سوائے اکسیر م کے جواصل میں گا، کسیر م تھا آئمیں خلاف قیاس دوسرے ہمزہ کو حذف کیا۔

اتفاقي مثالين: يصير (١) أو أدم جواصل مين أء أدم تفا(٢) أوم م جواصل مين أوسم تفا

احترازي مثال جيے شَاءِ يَ أَكْمِين الك بمزه كمور بـ

قانون: ہرہمزہ متحرک کہ ماقبلش ساکن مظہر قابل حرکت باشد، سوائے یائے تصغیر، ونون انفعال وواو، ویائے مدہ زائدہ دریک کلمہ، حرکت آل ہمزہ رانقل کردہ بماقبل دادہ جواز أ، ہمزہ راحذف کنندو جوباً۔

قانون تمبر ٢٥٠ ـ كيسك والاقانون

اس كيلئے چھشرطيس ہيں۔ تين شرطيس وجودي ہيں اور تين عدى ہيں۔

اس قانون کاخلاصہ یہ ہے کہ ہمزہ کی حرکت ماقبل کودینا جائز اور ہمزہ کو صدف کرنا واجب ہے جبکہ بیشرا نظایا کی جائیں۔

- (۱) ہمزہ خرک ہو،احرّ ازی مثال کیا ہمن اسمیں ہمزہ خرک نہیں ہے۔
- (۲) ہمزہ کا ماقبل ساکن مظہر ہو،احترازی مثال سکنل یہاں ماقبل ساکن نہیں ہےاور سکنل آسمیں ہمزہ کا ماقبل ساکن تو ہے لیکن مظہر نہیں ہے۔
- (٣) ہمزہ کا ماقبل حرکت قبول کرنے کی صلاحیت رکھتا ہو،احتر ازی مثال: سبّانین کو میہاں ہمزہ کا ماقبل الف ہے اور الف ہمیشہ ساکن ہوتا ہے اس پرحرکت نہیں آسکتی۔

(٣) ہمزہ سے پہلے باب انفعال کانون نہ ہوجیے انتظر

(۵) ہمزہ سے پہلے یائے تعفیرنہ وجیے افینسِ

(١) ہمزہ سے پہلے واداور یا عدہ زائدہ ای کلمہ میں نہوں جیسے مقروء ، آور خطینة

اتفاقى مثال: هي يكسَلْ مجواصل من يكسَنُل هااورسك جواصل من إستنك تفا

قانون: - ہرہمزہ کہ واقع شود بعدازیائے تصغیر، وواو ویائے مدہ زائدہ دریک کلمہ، آں ہمزہ راجنس ماقبل کردہ جوازً ا،ادغام می کنندو جوباً

قانون نبر ٢٥٤ - أفَيِسُ خَطِيَّة أور مُقروّة والاقانون

اس كا خلاصه بيه ہے كه ہمز ،كو ماقبل والاحرف كى جنس سے تبديل كرنا جائز اورجنس كوجنس ميں مدغم كرنا واجب ہے جبكہ ہمز ہ

سے پہلے یا کے تصغیر ہو، یا واواور یاء مدہ زائدہ ای کلمہ میں واقع ہوں

يائ تَصْغِركَ مثال: جِي أَفْيِسُ جُواصل مِن أَفْيَدِيسَ تَعاد

واومدہ زائدہ کی مثال جیے مقروۃ جواصل میں مقروء ہے تھا۔

يائه مره زائده كى مثال: جِي خَطِيّة جواصل مِن خَطِينة تها-

احتر ازى مثال: يسكن مسكن من مكاماتل نه يائے تفغير باور نه ياءاورواو مده زائده ب

قانون ـ بردو بهمزه كه جمع شوند دركلمه غير موضوع على التضعيف اول ساكن ، ثانى متحرك باشد ، آل را بيا بدل كنندو جوباً

قانون نمبر 24: _ قدر مي والأقانون

جب دوہمز ہاکی ساتھ ایک کلمہ میں اس طرح جمع ہوں کہ پہلاسا کن اور دوسر امتحرک ہو،اور پہلا ہمز ہ دوسرے میں مدخم نہ ہو تو دوسرے ہمز ہ کویاء سے تبدیل کرناواجب ہے۔

الفاقي مثال بي قِرء كي جواصل من قرء علاما

احتر ازی مثالیں(۱) اَ مَنَ اَمیں بِہلاہمزہ ساکن اور دوسرامتحرک نبیں ہے۔(۲) سَنْفُلَ اور تَسَنَّلُ اَن مِن بہلا ہمزہ دوسرے میں مغم ہے(قانون میں موضوع علی الضعیف سے مشدد کلمہ مرادہ)

قانون - ہرہمزہ متحرکہ منفردہ را کہ ماتبلش نیز متحرک باشد باں حرکت، بوفق ِحرکتِ ماقبل بحرف علت بدل کنند جوازً انز دبعض۔

قانون نمبر ٢٧: _ َسالَ والا قانون

ہمزہ مفردہ جب متحرک ہواور اسکا ما قبل بھی وہی حرکت ہو، تواس ہمزہ کو ماقبل کی حرکت کے موافق حرف علت سے تبدیل کرنا جائز ہے عندابعض ۔ اتنف اقسی مشالیں جیسے سیال کے فو سے کفو اور مستھ زنیدن سے مرد کرد مرد برد مستھزیدتین ۔

قانون نه هر همزه منفر ده مکسوره که ماقبلش مضموم باشد ومضمومه بعداز کسره ، بواو ویاء بدل کرده شود جواز انز داخفش _

عرد حرد و و التانون عند من و و التانون عند و و و التانون عند عند التانون و
اس کی دوصورتیں ہیں۔

(۱) بہلی صورت میہ ہے کہ ہمز ہ مفردہ جب خود کمسورا دراسکا ماقبل مضموم ہو، تو اس کوواد سے تبدیل کرنا جائز ہے۔

الفاقى مثال: جيے شيول جواصل ميں شينول تفار

احتر ازی مثال جیے، تسلیم یہاں ہمزہ کا ماقبل مضموم نہیں ہے۔

(۲) دوسری صورت به به که بمزه منفر ده جب خود مضموم اور ماقبل اسکا مکسور بوتواس کو یاء سے تبدیل کرنا جائز ہے۔

اتفاقى مثال جيے مستهزيون جواصل ميں مستهزء ون تعا۔

احر ازی مثال جیے یو میں بہاں ہمزہ کا ماتبل کمورنہیں ہے۔

قانون - ہرہمزہ وصلیہ مفتوحہ کہ داخل شود برآ ں ہمزہ استفہام ،آ ں ہمزہ را بالف بدل کردہ شود وجوباً بمع باقی داشتن التقائے ساکنین ۔

قانون تمبر ٨٨ . المُننَ والاقانون

جب ہمزہ وصلی مفتوح پر ہمزہ استفہام داخل ہو جائے تو اس ہمزہ وصلی کوالف سے تبدیل کرنا واجب ہے التقائے ساکنین کو اپنے حال پر برقر ارر کھنے کے ساتھ ۔

الفاقي مثال: النفر جواصل مين النفر تقار

احتر ازی مثال جیسے ء اُنذر ت اسمیں دوسراہمزہ وسلی نہیں ہے ہمزہ قطعی ہے(۲) اَظْلُع بجواصل میں ، اِطْلُع تھا آسمیں ہمزہ وسلی مفتوح نہیں ہے بلکہ کمسور ہے۔

قانون به برکلمه که درآ س زیاده از دو همزه جمع شوند بخفیف کرده می شوند در دوم و چهارم و باقی برحال باشند

قانون نمبر 2- أوديكي والاقانون

اس قانون کاخلاصہ یہ ہے کہ جب کسی کلمہ میں دو سے زائد ہمزے جمع ہوجائیں تو دوسرے اور چوتے ہمزہ میں مہموز کے توانین

کے مطابق تخفیف کرنا داجب ہے باتی ہمزے اپنے حال پر بینگے ۔ اتفاقی مثال جیسے اُو آئیسے ہوجا میں ہے ہوجا تھا اسٹور کے فیصل میں ہے ہوجا تھا مثال جیسے اُو آئیسے ہوجا میں ہے ہوجا تھا ہور کے ۔ اور کے حواصل میں ہے ہوجا تھا ہور کے ۔ اور کے مسئور کے لئے دونوں ہمزوں کو ایک کلم تصور کر کے ۔ اور دیگر ہمزے اور چوتے ہمزہ کو ایا تانون سے چوتے ہمزہ کو یا ہے تبدیل کیا تیسرے اور چوتے ہمزہ کو ایک کلم تصور کر کے ۔ اور دیگر ہمزے اپنے حال پر رہے ۔

احتر ازی مثال جیسے اء من اسمیں دوسے زائد ہمز نہیں ہیں۔

﴿ تمت قوانين المهموز ﴾

ابواب مهموز

مهموز الفاء

باب اول صرف مغير ثلاثى مجر ومهوز الفاء از باب ضركب يضير ب يضير ب يون الأروب معنى احاط كرنا-از، يأزر ازراً فهو أزر وأزر يؤزر أزراً فذاك مأزور كم يأزر كم يؤزر لا يأزر لا يؤزر كا يؤزر كن يَّأزر كن يَّأزر كن يُوزر الامر منه إيرر ليتؤزر ليتأزر ليتأزر ليتؤزر والمنهى عنه لاتأزر كا تؤزر لا يأزر كا يؤزر كا يؤزر كا يؤزر المنطرف منه مأزر والالة منه مأزر وميازرة ومأزار وافعل التفضيل المذكر منه أزر والمونث منه أزرى وفعل المتعجب منه ما ازرة وازريه واذر.

فعل ماضى معلوم: - أزرَ ، أزرًا ، أزروا ، أزرت ، الخ - صَرَبَ ، صَرَبَ النح كاطرت -

ماضى مجهول: - أُزِرَ، أَزِرَا أَزِرُ أَرْرُوا الخ-

مضارع معلوم: - يَأْزِدُ يَأْزِرُانِ يَأْزِدُونَ تَأْزِدُ تَأْزِرَانِ يَأْزِدُنَازِدُ نَأْزِدُ-

مضارع مجہول: ۔بیٹوزر بیٹوزر این بیٹوزرون نیٹوزر النے ۔واحد متکلم آو در ہے۔ ماضی کی گردان میں مہموز کا کوئی قانون جاری نہیں ہوتا ۔مضارع معلوم کے اندرواحد متکلم کے سواباتی تمام سیغوں میں بقانون کر اس ہمزہ کوالف سے تبدیل کرنا جائز ہے ای طرح مضارع مجہول میں بھی سوائے واحد متکلم کے دیگر تمام سیغوں میں بقانون کر اس جمہول میں بھی سوائے واحد متکلم کے دیگر تمام سیغوں میں بقانون کر اس جمہوں میں جمہوں میں ہوا ہے واحد متکلم مضارع معلوم اصل میں آئے زورتھا المئ والا قانون جاری ہوا۔ اور موز رحمال میں ان اور محتال میں ان کی میں ان کی میں ان کی میں ان کے دیگر گردانوں کے اندر بھی اکثر و بیشتر کر اس میں ان کی ایک میں انہوں کے اندر بھی اکثر و بیشتر کر اس میں انہوں کے اندر بھی اکثر و بیشتر کر اس میں انہوں کے اندر بھی اکثر و بیشتر کر اس میں انہوں کے اندر بھی انہوں جاری ہوسکتا ہے۔ جبکہ بعض مواضع میں انھی آیہ کہا فالا بھی جاری ہوا ہے۔

اسم فاعل: - ازِرِ ازِرَانِ، ازِرُونَ ، اَزَرَ قَ ، اَزَرَ قَ ، اَزَرَ ، اَزَرَ ، اَزَرَ ، اَزَرَ اَنَ اَزَرَ أَ ، ازِرَتَانِ، ازِرَاتُ ، اَوَازِر ، اَذَرِمُ اُويزِرَ ، اُويزِرَةً ، اُويزِرَةً -

ازَ أَرِ اصلَ مِن أَء زَ ارتَها المن إيسكاناً والأقانون جاري موا-

اسم مفعول: مَازُورٌ ، مَازُورانِ ، مَازُورُون ، مَازُورٌ ةَ ، مَازُورُ تَانِ ، مَازُورات ، مَازِير ، مَأْيُرِير،

و م.د مایزیره

قعل امرحا ضرمعلوم - راینورد، اینوردا، اینوردوا، اینوری ، اینورکا، اینورن - اینورن - اینوردا، اینورن - اینورد اینو

اسم ظرف: مَا أَزْرَانِ مَا إِرْ مَا يُرِرُ، اس آخرى صيغه وجُونَ مِيرُوالا قانون عَمُويُزِرُ برُ هناجا رُنهـ

اسمآ ليصغرى مأزر مأزران مازر مأيرد

اسمآله وسطی: مِمَازَرَةُ مِمَازَرَتَانِ مَازِرُ مَايُدِرَةً اسمآله کبری مِمَازَارُ مِأْزَارَانِ مَازِيرُ مَأْيُويْدُو اسمآله کبری مِمَازَارُ مِأْزَارَانِ مَازِيرُ مَأْيُويْدُو

استقضيل مذكرنه ازر ازرأن ازرون أوازر أويزري

استقضیل مؤنث: ۔ اُزری اُزریانِ اُزریاتُ اُزر اُزیری

عَــُوْمَـرُ الـظـرف مـنه مَأْمَرُ والالة منه مِأْمَرُ وَمِأْمَرَةً وَمِأْمَارٌ وافعل التفضيل المذكر منه

فعل ماضى معلوم: - أَمَرَ أَمَرَ أَمَرَ أَمَرَ أَمَرَ أَمَرَ أَمَرَ أَمَرَ أَمِرَ أَمْرَ لَمْ أَمْرَ أَمْرَ أَمْرَا أَمْرَا أَمْرَا أَمْرَا أَمْرَا أَمْرَ أَمْرَا أَمْرِيلُ أَمْرَا لَمْ أَمْرَا لَمْ أَمْرَا لَمْ أَمْرَا مُعْرِعْ أَمْرَا لَمْ أَمْرَا لَمْ مُعْرَاعِي أَمْرَا لَمْ أَمْرَا لَ

المَرُّ والمؤنث منه أمرى وفعل التعجب منه مَا أمَرَ ، وأمِرُبه وأمُرُ.

فعل مضارع معلوم: _ يأمر يأمران يأمرون تأمر الخ

فعل ماضی میں مہموز کا کوئی قانون جاری نہیں ہوتافعل مضارع میں رکامت موری نے دیکے والا قانون جاری ہوسکتا ہے۔واحد منتظم مضارع معلوم کا صیغہ آامیر ہے جواصل میں اُن مصر تھااور مضارع مجبول واحد منتظم کا صیغہ آومیس ہے جواصل میں اُء سمو تھا ان دونوں میں اُمنَ اُومِن والا قانون جاری ہوا۔

امرحاض معلوم: هر مهرا، هرود، هری، مرا، مرن -

محر اصل میں اعظم دھرد تھاخلاف قیاس دونوں ہمزے حذف ہوئے جیسا کہ اُمنی دالا قانون کے ذیل میں گذرا کہ یہ امر خلاف قانون ہے یہی حال دیگر صیغوں کا ہے۔

استقضيل: المر المران المرون أوامِر أويمِر -

پہلے تین صیغوں کی اصل اُدھر کا میران اُدھر ون ہے۔ المن والا قانون جاری ہوا۔ اُو اُھر اور اُو یکھر اُصل میں اُدا کھر اور اُو یکھر اُصل میں اُدھر اور اُو یکھر اُسلامی کا اُدھر اور اُدھر اُدھر اور اُدھر ا

باب وم صرف صغير ثلاثى مجر ومهوز الفاء ازباب سكم يستمع چون الا من بمنى مطمئن مونا .
امِن يَأْمَنُ اَمْناً فهو المِنْ وَامِنَ وَوْمَنُ اَمْنا فذاك مَا مُونَ لَمُ يَأْمَنُ لَمْ يَؤُمَنُ لاَ يَأْمَنُ لاَ يُمَنُ لِيَّوْمَنُ لِيَامُنُ لِيَوْمَنُ لِيَامُنُ لِيكُمُ وَالمِن عنه لا تَأْمَنُ لا يَوْمَنُ لِيكُومَنُ والنهى عنه لا تَأْمَنُ لا يَوْمَنُ لا يَوْمَنُ لا يَأْمَنُ لا يَوْمَنُ لا يَأْمَنُ لا يَأْمَنُ لا يَأْمَنُ لا يَرْمَنُ النظرف منه مَأْمَنُ والالة منه مِأْمَنُ وَمِأْمَنَ وَمِأْمَانُ وافعل التفحيل المدذكر منه المَنْ والمؤنث منه أَمْنى وفعل التعجب منه مَا المَنهُ وَالمِن بِهِ المَنْ يَامِن به

امرحاضر معلوم: _ إيمن و إيمن الميكن اليمن و اليمني و اليمن و اليمن اليمن اليمن و المن المن والا قانون جارى و المن والمن و المن
امرحاضر معلوم: إيكسه، إيكها وايكهوا، إيكه في النخاصل من إلكه إلا كه النخ ها المن والاقانون جارى مواجد (وعلى هذا التقيكس)

باب پنجم صرف صغير ثلاثى مجر دمهموز الفاءاز باب مشرف يكشرف چون الادب معنى اديب اوردانشمند مونا

ادّب يَوْدُبُ ادْباً فَهِ و ادِيكَ لَمْ يَأْدُبُ لَا يَأْدُبُ لَنَ يَأْدُبُ الامر منه أُودُبُ لِيَأْدُبُ والنهى عنه لا تَأْدُبُ لا يَأْدُبُ الطرف منه مَأْدَبُ والالة منه مِأْدَبَ وَمِأْدَبَةً وَمِأْدَبَةً والعل التفحيل السنذكر منه ادّبُ والمؤنث منه أُدَبَى وفعل التعجب منه مَا اُدَبَهُ وَادِبُ يَبُهِ وَادْبُ

صفت مشبه :. أدِيكُ أَدِيْبَانِ أَدِيْبَانِ أَدِيْبَانِ أَدِيْبُونَ أَدْبَانَ إِدْبَانَ إِدَابُ أُدُوبُ أَدُبُ أَدُابُ ادِبَاءُ إِدِبَةُ أَدِيْبَةً أَدِيْبَتَانِ أَدِيْبَاتُ أَدَانِبُ أُدَيِّبُ أَدَيِّبُ أَدْبِيَةً .

ابواب مهموز الفاء ثلاثي مزيد فيه

باب اول صرف صغير ثلاثى مزيد في مهموز الفاء ازباب وافعا آرچون الإيتمان بمعنى ايمان لانا المَنَ يُؤْمِنُ إِيمَاناً فِهو مُؤُمِنٌ وَأُومِنَ يُؤْمَنُ إِيمَاناً فِذاك مُؤْمَنُ كُمْ يُؤْمِنَ لَمْ يُؤْمَن لا يُؤْمِنُ لا يُؤْمَنُ لَنَ يُؤْمِنَ لَنَ تَيُؤُمَنَ الامر منه المِنْ لِيتُؤْمَنَ لِيبُؤُمِنَ لِيبُومَنَ والنهى عنه لا تُؤْمِنَ لا تُؤْمَنُ لا يُؤْمِنَ لا يُؤْمِنَ الظرف منه مُؤْمَنَ مُؤْمَنَ مُؤْمَنَانَ مُؤْمَنَاتَ

المُن الله الله الله المرام ال

فعل ماضى معلوم: - المن المنك المنوا المنت المبنتا المن المنت النحد

ماضى مجهول: - أومِنَ أومِينًا أومِينُوا أومِينَتُ الخ-

ماضى معلوم وجمبول كتمام صيغول مين المين والاقانون جارى ہواہے اصل يوں تقى أَدْ مَنَ اَدْ مَنَا اَدْ مَنْوا المخ اَدْ مِيكَ اَدْ مِينَا المنح واحد شكلم مضارع معلوم كاصيغه او مين ہے جواصل ميں اُدْ مِينَ تفااى طرح مضارع مجبول كاواحد متكلم او مَنْ ہے جواصل ميں اُدْ مَنْ تفاان بھى ميں المين والاقانون جارى ہواہے۔

امر حاضر معلوم - المين، المينا، المينون المينين المينا ، المين المين أو ين أو ين المن المن المن دوسرا المن دو

باب دوم صرف صغير ثلاثى مزيد في مهموز الفاءاز باب تَنفَعِيدُل چون اَلمَنْا لَدِيبَ

اَدَّبَ يُؤَدِّبُ نَا يُدِيباً فَهُو مُؤَدِّبُ وَادِّبُ يؤَدَّبُ نَا دِيباً فذاك مُؤَدَّبُ لَمُ يؤَدِّبُ لَمُ يؤَدَّبُ والنهى كايئؤدِّبُ لايئؤدِّبُ لايئؤدِّبُ لَتَى يُؤَدِّبُ لَنَ يُؤَدِّبُ الامر منه أدِّب لِيتَؤَدِّبَ لِيؤَدِّبَ لِيؤَدَّبُ والنهى عنه لاتؤدِّب لاتؤدِّبُ لا يؤدِّبُ لا يؤدِّبُ لا يؤدِّبُ الظرف منه مُؤَدَّبُ مؤدِّبانِ مؤدِّباتُ.

التَّكُ أُدِينَكِ مِن رَاسِ والا قانون جارى موسكتا ہے۔ گردانين سيح كى طرح بين فعل مضارع معلوم اور جمہول ميں هجوك والا قانون كر مطابق بمزه كوواو سے تبديل كر كے يول پڑھنا جائز ہے يو دِيبُ يو دِيبُانِ الْمَحْ اور يو دَيبُ يُو دُيبُانِ

المسخ سوائے واحد متعلم کے صیغہ کے جومضارع معلوم میں اور جہول میں اور جہول میں اور جہول میں اور جہول میں ایر جہو ورت مورت میں میں اور ایر میں میں میں میں میں ہوا۔ اور ایا دب سے بقانون او ادر عمود مراہم وواوے تبدیل ہوا۔

باب وم صرف صغير ثلاثى مزيد في مهوز الفاء ازباب منفاعَلَهُ چون اَلْمُؤَاخَذَةُ (سزاوينا) اخْذَيْوَاخِذُ مُؤَاخَذُ لَمَ يُؤَاخِذُ وَاُوخِذَ يُؤَاخَذُ مُؤَاخَذَةً فذاك مُؤَاخَذُ لَمَ يُؤَاخِذُ لَمَ يُؤاخَذُ لاَ يُؤَاخِذُ لاَ يُؤَاخَذُ لَحَ يُؤَاخِذَ لَنَ يُؤَاخَذَ الامر منه اخِذَ لِتَؤَاخَذُ لِيُؤَاخِذُ لِيُؤَاخَذُ والنهى عنه لاَ تُؤَاخِذُ لاَ يُؤَاخَذُ لاَيُؤَاخِذُ لاَ يُؤَاخَذُ الظرف منه مُؤَاخَذُ أَنْ مُؤَاخَذَان مُؤَاخَذَان

المُسَوَّ الْحَدَةُ مَ لَو حَجُورَ فَ و الا قانون كِمطابق المُسْمَوَ الْحَدَةُ مِيْرُ هناجائز ہے۔ واحد منظم مضارع معلوم كاصيغه أو الحِدَّ بِهِ والله قانون جارى ہوااى طرح مجبول ميں ہوا۔ مضارع معلوم ومجبول كو يگر صيفوں ميں مُجَوَّ والا قانون جارى ہوتا ہے۔ صيفوں ميں مُجَوَّ والا قانون جارى ہوتا ہے۔

ماضى مجهول ميں بيدائ والا قانون كے مطابق بهمزه كوداو يے تبديل كرنا جائز ہے۔

تَامَر بَن جائِگا۔ یہی حال دیگرصیغوں کا ہے۔

باب ششم صرف صغير ثلاثى مزيد فيمهوز الفاءاز باب اِفْتِعَالَ چول أَلِا يُتِمَانُ مُكى واين بنا، يامن

رايتَمَنَ يَاتَمِنُ إِيتِمَاناً فِهو مُؤَتِمِنٌ وَاُوتَمِنَ يُأْتَمَنُ إِيتِمَاناً فذاك مُؤتَمَنَ لَمُ يَأْتَمِنُ لَمْ يُؤْتَمَنْ لَا يَأْتَمِنُ لَا يُؤْتَمَنُ لَنَ يَأْتَمِنَ لَنَ يُتُؤتَمَنَ الامر منه إِيتَمِنْ لِيَّوْتَمَنُ لِيَأْتَمِنْ لِيُؤْتَمَنُ والنهي عنه

رِ لاَ تَأْتَمِنْ لاَ تُوْتَمَنُ لاَ يَأْتَمِنْ لاَ يُؤْتَمَنُ الظرف منه مُؤْتَمَنَّ مُؤْتَمَنَانِ مُؤتَمَنَاتُ .

التناسكان مصدراصل مين النتيسكان تعاليت مان والا قانون كمطابق دومرا بهمزه ياء تبديل بوا، اى طرح فعل ماضى معلوم ومجهول كتمام صيغول مين المستن أو مين إينهان قاليت الا قانون جارى بواجه واحد يتكلم كسوافعل مضارع معلوم ومجهول كتمام صيغول مين المستن أو مين إينها المائية والا قانون جارى بوسكتا ومجهول كتمام صيغول مين اسى طرح اسم ظرف اسم فاعل ، اسم مفعول ، مين راس بوس في ذييه والا قانون جارى بوسكتا يحدوا حد متكلم فعل مضارع كصيغه مين المتن والا قانون جارى بواجيها تمين (معلوم) اصل مين أنه تنسيق تعااور أو تنسق (مجهول) اسل مين أنه تنسق تعااص على حام حاص معلوم كتمام صيغول مين بين المن إينها القانون جارى بواد

باب مفتم صرف صغير ثلاثي مزيد فيمهموز الفاءاز باب إنفعال چون الله نينطار (مرنا)

اِنْ نَطَّرَ يَنْنَظِرُ اِنْيَطَاراً فهِ مُنْنَظِرٌ لَمَ يَنْنَظِرَ لَا يَنْنَظِرُ لَحَ يُبَنِّنَظِرَ الامر منه اِنْنَظِرُ لِيَنْنَظِرُ والنهى عنه لَآتَنْأَطِرُ لَا يَنْأَطِرُ الظرف منه مُنْنَظِرٌ مُنْنَظَرًانٍ مُنْنَظَرَاتٍ مُنْنَظَرَاتُ .

اسكى تمام ًردانيس اِنصر ف يتصر ف اِنصر اف الخصي كلات بير بمزه سه بيل باب انعال كانون آف يجد عن المانون آف كيد ا كيوجه عند تستل موالا قاعده يبال جارى نبيل بوسكة -

باب بشتم صرف فيرثلاثى مزيد في مهموز الفاء ازباب استفعال چون الاستينجار مردورر هنا-استَنجر يَستَنجر يَستَنجر استينج ارافه و مُستَنجر واستفعال چون الاستينج واستينجاراً فذاك مُستَنجر كم يَستَنجر لم يُستَنجر لا يَستَنجر لا يَستَنجر لا يُستَنجر كن يَستَنجر لَى يُستَنجر الامر منه استَنجر ليستَنجر ليستَنجر ليستَنجر ليستَنجر والنهى عنه لا تستَنجر لا تستَنجر لا تستَنجر لا تستَنجر لا تستَنجر لا يَستَنجر لا يَستَنجر مُستَنجر والنهى عنه لا تستَنجر لا تستَنجر لا يَستَنجر لا يَستَنجر الظرف منه مُستَنجر مُستَنجر النظرف منه مُستَنجر مُستَنجران مُستَنجراتُ برایک صیغه میں رکاسی والا قانون کے مطابق ہمزہ کوالف سے تبدیل کرنا جائز ہے، گردا نیں میچے کی طرح ہیں۔ دیگر ابواب سے مہموز الفاقلیل الاستعال ہے۔

ابواب مهموز العين

قعل ماضی مجہول: ﴿ نبِرِ، ﴿ نبِرُوا ، ﴿ نبِرُوا ، المنح تمام صغول مِن سُبِولَ مُستَهْرِيُونَ والا قانون کی پہلی صورت کے مطابق ہمزہ کوواوے تبدیل کرناجائزے۔

اسم مفعول، اسم ظرف، اسم آلد، اوراسم تفضیل، کا کرصیغول میں بھی بہی کسک والا قانون جاری ہوسکتا ہے۔ اسم فاعل ۔ زائو، زانوران، زانورون، زنرہ، زندار، زند، زندا، زندان، زندان، زندار، زنور، از ار، زَائِرَةً، زَائِرَتَان، زَائِرَاتُ، زَوَائِرُ، زَنْرُ، زُويْئِرُ، رُويْئِرُ، رُويْئِرَ،

زَنُرَة مِن بِقَانُون سَمَالَ ذَارَة بِرُصَاجًا خَبَرَ كُوبُوسُ وَالاقَانُون عَرُورُ بِرُصَاجًا خَبَرَاءً كُوجُونُ والاقانُون والاقانُون عَرُورُ الْمُعْمَاجُ الْمُحَاجُ اللّهُ الْمُون وَالْمَانُون عَرَادُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّ

اسم مفعول: مرنسور، مرز وران مرز ورود مرد ورد مكر دور تأن مرز وراك مرانيد مرنيزير مريد وراك مرانيد مريزير مريد و مرد دري مردان اوران بل قوانين كاجراء كريج

باب دوم صرف صغير ثلاثى مجر ومهموز العين ازباب ستمع يَسْمَعُ چون السَّنَمُ بَعَى (اكَاجانا) سَنِمَ يَسْنَمُ سَنُماً فِهو سَائِمُ وَسُنِمَ يُسْنَمُ سَنْماً فذاك مَسْنُومٌ كُمُ يَسْنَمُ لَمُ يُسْنَمُ لا يَسْنَمُ لَا يُسْنَمُ لَنَ يَسْنَمَ لَنَ يَسُنَمَ الامر منه اِسْنَمَ لِتُسْنَمُ لِيَسْنَمُ لِيُسْنَمُ والنهى عنه لا تَسْنَمُ لا تُسْنَمُ لا يَسْنَمُ لا يُسْنَمُ لا يُسْنَمُ الطرف منه مَسْنَمٌ والالة منه مِسْنَمٌ وَعِسْنَمَ

وَمِيْسَنَامُ وَافْعِل التفضيل المذكر منه اَسْنَمُ والمؤنث منه سُنُمى وفعل التعجب منه مَااسْنَمَهُ وَاسْتَنِم به وَسَنُم .

نعل ماضی معلوم میں مہموز کا کوئی قانون جاری نہیں ہوتا۔ ماضی مجہول میں حسب سابق میٹیوِ ل والا قانون جاری ہوسکتا ہے دیگر گردانوں میں اکثر و بیشتر یکسکل مو الا قانون جاری ہوسکتا ہے۔

امرحاض معلوم - إلسنكم إلسنكما السنكموا السنكيي السنما السنكمن

يسكو والاقانون كمطابق بمزه كى حركت مين كود يكر بمزه حذف كرديا جائ كا پهرشروع كابمزه وصلى مابعد كم تحرك بون كي مراديا جائك كا يمر وصلى مابعد كم تحرك بون كي مراديا و جه سركر جائد كالبس امركى كروان يول بن جائك كي سكم سكسا سلموا المنع المريقة برديكر كروان قياس يجيئه و المرادي المر

بابسوم صرف صغير ثلاثى مجردمهموز العين ازباب فتتَحَ يَفُتَحُ چون اَلْسُوَ الْ مِعْن سوال كرنا ، ما نَكُنا ما مَكنا

سَنَلَ يَسْنَلُ سُؤَالاً وَمَسْنَلَةَ فَهوسَائِل وَسُئِلَ يُسْنَلُ سُؤَالاً وَمُسْنَلَةً فذاك مَسْنُولُ

كُمْ يَسْنَلُ لَمُ يُسْنَلُ لَا يَسْنَلُ لَا يُسْنَلُ لَنَ يَسْنَلُ لَحَ يُسْنَلُ الآمر منه اِسْنَلُ لِتَسْنَلُ لَا يَسْنَلُ لَا يُسْنَلُ الامر منه اِسْنَلُ لِا يَسْنَلُ لَا يُسْنَلُ الظرف منه مَسْنَلُ والْمَا لَا يُسْنَلُ الْمُسْنَلُ الطرف منه مَسْنَلُ والآلة منه مِسْنَلُ والمؤنث منه مُسْنَلُ وفعل التعجب منه مَا اسْنَلُهُ والمؤنث منه مُسْنَلًى وفعل التعجب منه مَا اسْنَلَهُ واسْنِلْ بِهِ وَسُنْلُ.

امرحاضرمعلوم: _ استنكل استنكر استنكر السيكرة النع يكسل والاقانون جارى بون كي بعدر دان يول بوكى سكن سكر سكر المسكوا النع يكركردان قياس كرير ـ

باب چہارم صرف صغیر ثلاثی مجردم موز العین ازباب حسیب یکسی یکسی چول المبول سی باب چہارم صرف صغیر ثلاثی میں مبتلا ہونا ہخت محتاج ہونا۔

تنعبیہ: ۔ چندافعال ایسے ہیں جو سکیعک اور کسیسک دونوں سے ستعمل ہوتے ہیں لیکن سمع سے ستعمل ہونازیا دہ راجح اور موافق قیاس ہے۔ان افعال میں سے کینیس کبھی ہے۔

بَنِسَ يَبْنِسُ بُأْساً فهو بَانِسٌ وَبُنِسَ يَبْنَسُ بُأْسا فذاك مَبْنُوسٌ لَمْ يَبْنِسْ لَمْ يَبْنَسُ لَمْ يَبْنَسُ لِكَانَكُ لَا يَبْنِسُ لِمَا يَبْنَسُ لِيَبْنَسُ لِيَبْنَسُ لِيبْنَسُ لِيبْنَسُ لِيبْنَسُ لِيبْنَسُ لِيبْنَسُ لِيبْنَسُ لِيبْنَسُ لِيبُنَسُ الامر منه ابْنَسِ لِيبُنَسُ لِيبُنَسُ لِيبُنَسُ والمان منه مَبْنِسُ والمان منه بَنْسَى والمان منه بُنَسلى ومِبْنَسُ ومِبْنَسُ والمؤنث منه بُنَسلى وفعل التعجب منه مَا ابْنَسَهُ وابْنَسِ بِهِ وبَنُسُ.

فعل ماضی معلوم بسنیس میں مہموز کا کوئی قانون جاری نہیں ہوتا۔ ماضی مجہول میں مسیول والا قانون جاری ہوتا ہے باقی

گردانوں میں اکثر و بیشتر بیست والاقانون جاری ہوتا ہے۔اسم فاعلی گردان میں مہوز کے مختلف قوانین جاری ہوتے میں۔امرحاضرمعلوم میں یسکل موالا قانون جاری ہونے کے بعد گردان یوں بنتی ہے بس ، بسکا ،بسور ا ،بسیدی ، بسکا بستن استفضیل مذكري كردان يست والاقانون جاري مونے كے بعد يوں موكى اَبسَس، اَبسَسَان، اَبسَوْن، اَبانِسُ، اُبِينِسُ، اَفَيْسُ والاقانون ع اُبينِسُ و اُبيِّسُ يرصاحارَ على هذا الْقِيارِسُ) باب پنجم صرف صغير ثلاثي مجردمهموز العين ازباب شُرف يَشْرُفُ حِون اللَّكُومُ

بمعنى ذليل ہونا، كمدنہونا۔

كُورِ كُرُومِ وَ وَاللَّهُ وَكُرُدُ وَدِلاً كُلُّهُ لا يَكُومُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ وَالنَّهِي عنه للنَّم يَكُنُّم والنَّهِي عنه لاَ تُلَنُّمُ لاَ يُلُّنُمُ الطرف منه مَلْنَمٌ والالة منه مِلْنَمٌ ومِلْنَمَةٌ ومِلْنَامٌ وافعل التفضيل المذكر منه النَّمُ والمؤنث منه لنمى وفعل التعجب منه مَاالَّنُمَةُ والنَّمْ يِهِ ولَنَّمْ. فعل ماضی معلوم میں مہموز کا کوئی قانون جاری نہیں ہوتا ہمجہول کی گر دان تو اس ہے آتی نہیں ۔ دیگر گر دانوں میں حسب سابق اکثر و بیشتر کیسک والا قانون جاری ہوسکتا ہے۔ اور بعض مواضع میں مہموز کے دیگر قوانین بھی جاری ہوتے ہیں۔ یسسک والا قانون جاری ہونے کے بعد امر حاضر کی گردان یوں ہوگی کمی ، کمیا ، کموم ، کمیر ، کمیا ، کمین ۔

صيفت مشبه : لَيْنِيمُ، لَيْنِيمَان، لَيْنِيمُونَ، لَنَمَاء، لَنْمَان، لِنْمَان، لِنَامَ، لَنُومَ، لَنُوم، ٱلْنَامُ، ٱلْنِمَاءُ، ٱلْنِمَةُ، لَنِيْمَةً، لَنِيْمَتَانِ، لَنِيْمَاتُ، لَنَانِمَ، لَنِيْمُ، لَنَيِّمَةً

منكمام من حجوي والاقانون جارى موسكتام كنمائ اور لينمائ كورات والاقانون سي أو مان ليمان ير هناجائز ب لينَامَ كو حُول والاقانون سے ليكام يرهاجا سكتا ہے۔ لَكُومُ لَكُم من سكال والاقانون جارى مو سكتاب ألمنا في اور مابعد كردونون صيغون مين يستن والاقانون جاري موسكتاب-

نَصِدَ مُدِوعِ مِهموزالعين نبيل آيا۔

مهموز العين ثلاثي مزيد فيه

باب اول صرف صغير ثلاثي مزيد فيه مهوز العين ازباب إفْعَالُ چون ٱلْإِسْدَامُ بمعنى اكتادينا-اَسْنَمَ يُسْنِعُ إِسْنَاماً فهو مُسْنِحٌ وَاُسْنِمَ يُسْنَمُ إِسْنَاماً فذاك مُسْنَمُ لَمُ يُسْنِم لَمُ يُسْنَم لاً يُسْنِمُ لا يُسْنَمُ لَنَ يُسْنِمَ لَنَ يُسُنَمَ الامر منه - اَسْتِمْ لِيُسْتَمْ لِيُسْتِمْ لِيُسْتَمْ والنهى عنه لا يُسْنَمُ لا يُسْنِمُ لا يُسْنَمُ الظرف منه مُسْنَمٌ مُسْنَمَان مُسْنَمَاتُ.

رانت کیا تھے مصدرکو یکٹ کے والا قانون سے انتسام پڑھنا جائز ہے۔ اس باب کے تقریباً تمام صیغوں میں یکسک والا قانون جاری ہوسکتا ہے۔ اس قانون کے جاری ہونے کے بعد گردانیں یوں ہونگی

ماضى معلوم: - أسَمَ اسَمَا اسَيْمُوا النح ماضى مجهول: - أسيمَ أسيمًا النح -

مضارع معلوم: يسم يسيمان يسيمون تسيم، تسمان، يسمن الخ مضارع مجهول: يسم يسمان يسمون، تسم، تسمان، يسمن الخ اسم فاعل : مسيم مسمان مسيمون، مسيمة الخ

امرحاض معلوم: أسية أسيمًا أسفر االنح.

باب دوم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه مهموز العين ازباب تَفَعِيلَ چون اَلتَّسَينيُ هُمَعَىٰ سوال كرانا - سَنْدَلَ عُسَيْلُ تَسَيْدُلُ مَسَنَّلُ لَمُ يُسَنَّلُ وَالنهى لَا يُسَنَّلُ لِلَّي سَنَّلُ لَا يُسَنَّلُ وَالنهى عنه لا يُسَنِّلُ لَا يُسَنَّلُ لا يُسَنَّلُ وَالنهى عنه لا يُسَنِّلُ لا يُسَنَّلُ لا يُسَنِّلُ لا يُسَنَّلُ الظرف منه مُسَنَّلُ مُسَنَّلُ مُسَنَّلُ مَسَنَّلُ مَسَنَّلُ الله عنه مُسَنَّلُ مُسَنَّلُ مُسَنَّلُ وَالنها مَسَنَّلُ مَسَنَّلُ الله منه مُسَنَّلُ مُسَنِّدُ لا يُسَنِّلُ لا يُسَنِّلُ لا يُسَنِّلُ الله الله منه مُسَنَّلُ مُسَنَّلُ مُسَنَّلُ مُسَنَّلُ الله الله منه مُسَنَّلُ مُسَنِّدُ وَالنها وَالله والله وَالله والله وَالله
باب سوم صرف صغیر ثلاثی مزید فیمهموز العین از باب ممفاعّلة چون اکسسائله معنی ایک دوسرے سے سوال کرنا۔

سَانَلُ يُسَانِنُ مُسَانِلَةً فَهو مُسَانِلٌ وَسُونِلَ يُسَانَلُ مُسَانِلٌ فَذاك مُسَانَلٌ لَمْ يُسَانِلُ لَمُ يُسَانِلُ لَمُ يُسَانِلُ لَمُ يُسَانِلُ الامر منه سَائِلُ لِتُسَانِلُ لِيُسَانِلُ لِيُسَانِلُ الامر منه سَائِلُ لِتُسَانِلُ لِيُسَانِلُ لِيُسَانِلُ الامر منه سَائِلُ لِتُسَانِلُ لِيُسَانِلُ لَا يُسَانَلُ النظرف منه مُسَانَلُ لَا يُسَانِلُ لَا يُسَانَلُ الظرف منه مُسَانَلُ

مُسَائلُانِ مُسَائلُاتُ.

فعل ماضى معلوم ميس مهموز كاكوئى قانون جارى نهيس موتا_

سوال: يسوءن ماضى مجهول من يكسك والاقانون كيون جاري نبيس موتا؟

جواب: یہاں ہمزہ سے پہلے واومدہ زائدہ ہے جبکہ اس قانون کیلئے بیشرط ہے کہ ہمزہ سے پہلے واواوریاءمدہ زائدہ ای کلمہ میں نہ ہوں، ماضی مجبول کے صیغوں میں خیطیقہ مقروع والا قانون جاری ہوسکتا ہے۔

اس باب کی اکثر گردانوں میں مہوز کا کوئی قانون جاری نہیں ہوتا۔

باب چهارم صرف صغير ثلاثى مزيد فيهموز العين از باب تَفَعَّلُ چون اَلمَتَّر وَّسَّ بمعنى رَبَيتِس مونا مردار

ہونا

تَرَةً سَ يَتَرَةً سُ تَرَقُّساً فهو مَتَرَوِّسَ وَتَرَوِّسَ يَتَرَوَّسَ تَرَوَّساً فذاك مَتَرَوَّسَ لَمَ يَتَرَوَّسَ كُمْ يُتَرَةً سُ لاَ يَتَرَةً سُ لاَ يُتَرَةً سُ لَى تَتَرَةً سَ لَى تَيَرَةً سَ الامر منه تَرَةً سُ لِيَتَرَةً لِيَتَرَةً سُ لِيَتَرَةً سُ لِيَتَرَةً سُ والنهى عنه لاَ تَتَرَةً سُ لاَ تَتَرَةً سُ لاَ يَتَرَةً سُ لاَ يَتَرَةً سُ لاَ يَتَرَةً سُ الظرف منه مُتَرَةً سَ مُتَرَةً سَانٍ مُتَرَةً سَاتَ

اس باب کی تمام گردانیں صحیح کی طرح میں ان میں مہموز کا کوئی قانون جاری نہیں ہوتا

باب بنجم صرف صغير ثلاثى مزيد فيمهوز العين ازباب تَفَاعَتُل چول اَلتَّسَافُلُ

معنی ایک دوسرے سے سوال کرنا۔

تَسَانَلَ يَنَسَانَلُ تَسَانَلُ فَهِو مُتَسَانِلٌ وَتُسُونِ يُتَسَانَلُ تَسَانَلُ فَذَاك مُتَسَانَلُ لَمُ يَتَسَانَلُ لَحَ يُتَسَانَلُ لَحَ يُتَسَانَلُ لَحَ يُتَسَانَلُ المرمنه تَسَانَلُ لَحَ يُتَسَانَلُ لَحَ يُتَسَانَلُ المرمنه تَسَانَلُ لَا يُتَسَانَلُ لَا يُتُسَانَلُ لَا يُتَسَانَلُ لَا يُتَسَانَلُ لَا يُتَسَانَلُ لَا يُتَسَانَلُ لَا يُتُسَانَلُ لَا يُعَمِّلُونُ مُ وَلَا يَسَانَلُ لَا يُتَسَانَلُ لَا يُعَمِّلُونُ مُتَسَانَلُ لَا يُتَسَانَلُ لَا يُعَلِّلُونُ مُتَسَانَلُ لَا يُتَسَانَلُ لَا يُسَانَلُ لَا يُعَلِّلُونَ مُتَسَانَلُ لَا يُعْتَسَانَلُ لَا يُعَلِي اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللّهُ الل

قسوء ت ماضی مجبول کے تمام صغول میں مقروق والاقانون کے مطابق ہمز ہ کو واوے تبدیل کرنا جائز اور پھر واوکو واو میں مرخ کرنا واجب ہے اس قانون کے جاری ہونے کے بعد گردان یوں ہوگی تسبول تسبول کو تسبول کے اسسول کے اسسول کے المن ويكركردانون من مهموز كقوانين جاري نبيس موت_

باب ششم صرف صغير ثلاثى مزيد فيمهموز العين ازباب إفتيعال چون الإلتينا م معنى ملناجر جانا الْتَنَمَ يَلْتَنِمُ الْتِنَامَأْفِهِ مُلْتَنِمْ وَالْتَنِمْ وَلْتَنَمُ الْتِنَامَأْ فذاك مُلْتَنَمُ لَمْ يَلْتَنِحُ لَمْ يُلْتَنَمُ لا يَلْتَنِعُ لا يُلْتَنَعُ لَنْ يَلْتَنِعَ لَنْ يُلْتَنَعَ الامر منه التَّنِعْ ، لِتُلْتَنَعْ، لِيَلْتَنِع، لِيلْتَنَعْ، والنهى عنه لا تَلْتَنِع لا تُلْتَنَمْ، لا يَلْتَنِمْ، لا يُلْتَنَمُ الظرف منه مُلْتَنَمُ مُلْتَنَمُ مُلْتَنَمُ التناج مصدرين مجوئ ميووالا قانون كمطابق بمزهمفوحكوياء ستبديل كرك التيكام يرصناجا زب-فعل ماضی معلوم میں سک ال والا قانون جاری ہوسکتا ہے ماضی مجہول میں شیون والا قانون کے مطابق ہمزہ کوواوے تبدیل كرنا جائز ہے مضارع مجبول میں بھی متسان والا قانون جاری ہوسكتا ہے اس طرح اسم مفعول اوراسم ظرف میں بھی۔ باب مفتم صرف صغير ثلاثي مزيد فيمهموز العين ازباب إنفيعَالَ چون الإنفطِ فَالْ مِعنى لوشا_

انْطَ نَسَ يَنْطُئِسُ اِنْطِئاساً فَهِو مُنْطَئِشُ لَمْ يَنْطُئِسْ لَا يَنْطَئِسُ لَىَ تَنْظَئِسُ الامر منه انطنيس ليتعكنيس والنهى عنه لآتنطيس لآينطنيس الظرف منه منطئس منطئس ه د که کنداری

<u>انطیک آت</u> میں جو کے والا قانون جاری ہوسکتا ہے۔ فعل ماضی معلوم میں سکال والا قانون جاری ہوتا ہے اس طرح اسم ظرف میں بھی۔

باب بشتم صرف صغير ثلاثي مزيد فيهمهوز العين ازباب استيفعال چوں الاستيزء اف معنی رحم اورمہر بانی کی درخواست کرنا۔

ِ اسْتَرَءَ فَ يَسْتَرَءِ فَ اِسْتِرَءَ افالَّهُ و مُسْتَرَءِ فَ وَ اسْتَرَءِ فَ يَسْتَرَءُ فَ اِسْتِرَءَ افاً فذاك مُستَرِنَفُ لَمْ يَسْتَرَء فَ لَمْ يُستَر، فَ لايستَر، فَ لا يُستَر، فَ لَيُ يُستَر، فَ لَيُ يُستَر، الامر منه السَّتَرَّءِ فَ لِتُستَرَّءَ فَ لِيستَرَّءِ فَ لِيستَرَّءَ فَ والنهى عنه لا تَستَرْءِ فَ لاً تُسْتَرْنَفْ لاَ يَسْتَرْءَ فَ لاَ يُسْتَرْءَ فَ الظرف منه مُسْتَرْءَ فَ مُسْتَرْءَ فَإِن مُسْتَرَء فَاكُ اس باب كيتمام صيغول ميں يكسك ووالا قانون جاري ہوسكتا ہے۔ ديگر ابواب ميم موز العين كااستعال قليل ہے

مهروز اللَّام كابواب (اولا الله مجرد)

باب اول صرف صغير ثلاثى مجردمهوز اللام ازباب ضَرَبَ يَضْرِبُ جُول الْهَنْأُ

تمعنی طعام کالذیذ اورخوش گوار ہونا۔

هَنَىٰ يَهْنِىُ هَنَا أَفهو هَانِى وَهُنِى يَهْنَىٰ الامر منه اِهْنِى لِتُهْنَىٰ لِيَهُنِى لِيَهُنَى وَالنهى عنه لا يَهْنِىُ لا يُهْنَىُ لَنَ يَهْنِى لَنَ يُهْنَىٰ الامر منه اِهْنِى لِتُهْنَىٰ لِيَهُنِى لِيُهُنَى والنهى عنه لا تَهْنِىٰ لا تُهَنَىٰ لا يَهْنِى لا يُهْنَى الظرف منه مَهْنِى والألة منه مِهْنَى ومِهْنَاتُهُ وَ مِهْنَاءُ وافعل التفضيل المذكر منه أهْنَى والمؤنث منه هُنَى وفعل التعجب منه مَها اَهْنَاهُ وَاهْنِانِهِ وَهَنَىٰ.

فعل ماضى معلم كبعض سينول مين سكال والا قانون اور بعض مين راس والا قانون جارى موسكتا به ماضى مجهول هنيئة وحدوق مين مير والا قانون سي هيني برها بحل جائز بهاى جائز بهاى طرح هينيا كوهينيا هينيت وهينيت الهينية الوهينية المحينية المح

باب دوم صرف مغرثلاثى مجردم موزاللام ازباب سَمِعَ يَسْمَعُ چِل اَلْبَرَاءَ وَ مَعْن بيزار مونا بَسِرِئ يَبْرَئ بَدَرَاءَ وَ فَذَاك مَبْرُوق كُلُمُ يَبْرَئ لَمْ يَبْرَء لِيبْرَء لِيبْرَء لِيبْرَء لِيبْرَء لِيبْرَء لِيبْرَء لَمْ يَبْرَئ لِيبْرَء لِيبْرَء لِيبْرَء لَمْ وَالمَوْنِ مِنْ مَبْرَئ وَالمَوْنِ مِنْ مَبْرَئ وَمِبْرَء وَ وَمِبْرَاء وَالمُونِ وَالمُونِ مِنْ مِنْ وَالمُونِ وَالمُونِ مِنْ مَنْ المَدْكِر مِنْ الْمَرْدُ وَالمُؤنِث مِنْ مُرْدَى وَفَعَل التَعْجِب مِنْ مَا اَبْرَء وَالمُؤنِث مِنْ مُرْدَى وَفَعَل التَعْجِب مِنْ مَا اَبْرَء وَالْمِوْنِ وَالمُؤنِث مِنْ وَفَعَل التَعْجِب مِنْ مَا الْبُرَء وَالْمِوْنِ وَالمُؤنِدُ وَالْمِوْنِ وَفَعَلَ التَعْجِب مِنْ مَا اَبْرَء وَالْمِوْنِ وَالمُؤنِد وَالمُونِ وَالْمُؤْنِ وَالْمُونِ وَالْمُؤْنِ وَالْمُونِ وَالْمُونِ وَالْمُؤْنِ وَالْمِيبُولُ وَالْمُؤْنِ وَالْمُؤْن

به وبر*ئ*

فعل ماضى معلوم: - بَرِئَ بَرِمَا بَرِثُوما بَرِنَكَ اللهِ اللهِ مَا اللهِ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ الل

<u>بَرِئَ مِن مِّمِيَرٌ والاقانون جاری ہوسکتا ہےای طرح کیر نکا اور بَرِنکُ میں بھی۔ بَرِءٌ وُ اسیں مُسْتَهُرِ فیو</u>نَ والا قانون جاری ہوسکتا ہے۔ای طرح دیگر گردانوں میں دیکھ لیجئے۔

ام فاعلی جگدال سے صفت مشبه آتی ہے۔ بَرِیْنَیْ ،بَرِیْنَان ، بَرِیْنُونَ ، بَرَءَاء ، بَرَءَ اَنَّ ، بِرْ اَنَّ رِبَرَاء ، بَرُوء ، بَرَء ،اَبْرَاء ، اَبْرِنَاء ، اَبْرِیْنَة ،بَرِیْنَدَانِ ، بَرِیْنَاتُ ، بَرَایا ، بَرِیْنَ ، بَرَیْنَه .

دَنَىَ يَدُنُئُ دَنَاءَةً فهو دَانِئَ وَدُنِئَ يَدُنَئُ دَنَانَةً فَذَاكَ مَدُنُوئُ لَمُ يَدُنُئُ لَمَ يُدَنَّ لا يُدَنَئُ لَنَ يَكُنْ لَكَ يَّدُنَّى لَكَ يَّدُنَى الامر منه أَدَنَى لِيُّدُنَى لِيَدَنَّى لِيُدُنَى والنهى عنه لا تَدُنْئُ لا يُدَنَّىُ لا يَدُنْئُ لا يَدُنْئُ لا يُدُنَّى الطرف منه مَدَنَى والالة منه مِدَنَى وَمِدَنَدَ

وَمِلْاَنَاءٌ وافعلَ التفضيل المذكر منه أَدَّنَى مُوالمؤنث منه دُنَّى و فعل التعجب منه مَا اَدْنَنَهُ وَادْنِيَ بِهِ وَكُنْيَ .

فعل ماضى معلوم میں سکال و الا قانون جاری ہوسکتا ہے۔ ماضی مجبول کے بعض صیغوں میں جُون والا اور بعض میں شہول می حمد میں جون والا قانون جبکہ بعض صیغوں میں رکامن والا قانون جاری ہوسکتا ہے۔ بید کنفر میں سکال والا قانون جاری ہوسکتا ہے۔ کید کنفر میں سکال والا قانون جاری ہوسکتا ہے۔ اس طرح ویکر صیغوں میں و کھا یا جائے کہ کہاں کونسا قانون جاری ہوتا ہے۔

باب چهارم صرف صغير ثلاثى مجرومهموز اللام ازباب فَتَحَ يَفْتَحُ چون اَلْقِرَاءَ أَهُ والْقَرْءُ مُ

قَرَءَ يَقْرَءُ قِرَاءَةً وَقَرْءاً وَقُرَاناً فَهو قَارِئُ وَقُرِئَ يَقْرَءُ قِرَاءَةً وَقَرْءاً وَقُراناً فذاك مَقْرُوءً

لَمْ يَقْرَءُ لَمْ يَقْرَءُ لاَ يَقْرَءُ لاَ يَقْرَءُ لَنَ يَقْرَءُ لَنَ يَقْرَءَ الامر منه اِقْرَءُ لِتَقْرَءُ لِيَقْرَءُ لِللهِ عنه لاَ يَقْرَءُ لاَ يَعْمِ لَا يَعْمِ لاَ يَعْمِ لَا يَعْمِ لَا يَعْمِ لَا يَعْمِ لَا يَعْمِ لاَ يَعْمِ لَا يَعْمِ لاَ يَعْمِ لا يَعْمِ لاَ يَعْمُ لَا يَعْمِ لاَ يَعْمِ لاَ يَعْمُ لاَ يَعْمِ لا يُعْمِلُ لا يَعْمِ لا يَعْمُ لا يَعْمِ لا يَعْمِ لا يَعْمِ لا يَعْمِ لا يُعْمِلُ لا يُعْمِلُ لا يُعْمِلْ لا يَعْمِ لا يَعْمِ لا يَعْمِ لا يَعْمِ لا يَعْمِ لا يَعْمِ لا يُعْمِلُ لا يَعْمِ لا يُعْمِلْ لا يَعْمِ لا يُعْمِلْ لا يَعْمِ لا يَعْمُ لا يُعْمِلْ لا يُعْمِلْ لا يُعْمِلْ لا يَعْمِ لا يَعْمِ لا يَعْمِ لا يَعْمِ لا يُعْمِلُ لا يُعْمِلُ لا يَعْمِ لا يُعْمِلْ لا يُعْمِ لا يَعْمِ لا يَعْمُ لا يَعْمُ لا يَعْمِلْ لا يَعْمُ لا يَعْمُ لا يُعْمِلْ لا يَعْمُ لا يُعْمِلْ لا يَعْمِ لا يَعْمِ لا يَعْمُ لا يُعْمِلْ لا يَعْمِ لا يَعْمُ ل

ماقبل والے ابواب کی طرح اس باب میں بھی مہموز کے مختلف قوانین جاری ہوتے ہیں معمولی غوروفکر سے باسانی پیتہ چل سکتا ہے کہ کہاں کونسا قانون جاری ہوا ہے۔بشر طیکہ قوانین متحضر ہوں۔

باب پنجم صرف صغير ثلاثى مجرد مسهموز الملام ازباب شكر فك يَشُرُفُ چول اَلْجُرْءَ وَ

جَرُو يَجَرُو جُرَءَة فهو جَرِينَ لَمْ يَجُرُو لَا يَجُرُو لَنَ يَجُرُو الامر منه أَجُرُو لِيَجْرُو والنهى عنه لا تَجَرُو لايكجرو الطرف منه مَجْرَئُ والالة منه مِجْرَئُ وَمِجْرَاةً وافعل التفضيل المذكر منه أَجْرُو والمؤنث منه جُرَئُ وفعل التعجب منه مَا اَجْرَنَهُ وَاجْرِءُ بِهِ وَجَرُئً

تَجُورُ كُو هُونُ والا قانون عَجُرُو يُرْ هناجا رُبِ - يَجْرُو مِين سَالَ والا قانون جارى موسكتا بـ

صفت مشبه : ـ جَرِيْجٌ جَرِيْنَانِ جَرِيْنَانِ جَرِيْنَانِ جَرِيْنَانِ جَرِيْنَانِ جَرِيْنَانِ جَرِيْنَانِ جَرِيْنَانِ جَرِيْنَانَ جَرَيْنَانَ جَرِيْنَانَ جَرِيْنَانَ جَرِيْنَانَ جَرِيْنَانَ جَرِيْنَانَ جَرِيْنَانَ جَرِيْنَانَ جَرِيْنَا جُرَيْنَ جُرِيْنَا فَيَامِ حَرِيْنَا جُرَيْنَا جُرَيْنَا جُرِيْنَا جُرِيْنَا جُرِيْنَا جُرَيْنَا جُرَيْنَا جُرَيْنَا جُرَيْنَا جُرَيْنَا جُرَيْنَا جُرَيْنَا جُرَيْنَا جُرَيْنَا جُرِيْنَا جُرِيْنَا جُرِيْنَا جُرِيْنَا جُرَيْنَا جُرَيْنَا جُرَيْنَا جُرَيْنَا جُرَيْنَا جُرِيْنَا جُرِيْنَا جُرِيْنَا جُرِيْنَا جُرَيْنَا جُرَيْنَا جُرَيْنَا جُرَيْنَا جُرِيْنَا جُرِيْنَا جُرِيْنَا جُرِيْنَا جُرِيْنَا جُرِيْنَا جُرَيْنَا جُرِيْنَا جُرِيْنَا جُرَيْنَا جُرِيْنَا َ نُ جُرِيْنَانَ جُرِيْنَانَ جُرِيْنَانَ جُرِيْنَانَ جُرِيْنَانَ جُرِيْنَانَ جُرِيْنَانَ جُرِيْنَانَ جُرِيْنَانَانَ جُرِيْنَانَ جُرِيْنَانَ جُرِيْنَانَ جُرِيْنَانَ جُرِيْنَانَ جَانِيْنَا جُرِيْنَانَ نَ جُرِيْنَانَ جُرِيْنَانَ جُونَانَانَ جُرِيْنَانَ عُلَانِ جُرِيْنَانَ جُرِيْنَانِ جُرِيْنَانِ جُرِيْنَانِ جُرِيْنَانَ جُرِيْنَانِ جُرْنَانِ جُونَانِ جُرْنَانِ جُرْنَانِ جُرِيْنَانِ جُرْنَانِ جُرْنَانِ جُونَانِ جُرِيْنَانِ جُرْنَانِ جُرْنَانِ جُرْنَانِ جُرْنَانِ جُونَانِ جُونَانِ جُرَانَانِ جُرِيْنَانِ جُرِيْنَانِ جُرِيْنَانِ جُرِيْنَانِ جُونَانِ جُونَانِ جُرْنَانِ

كَوْرِيْجَ كُو خُطِيْدَةً والاقانون كِمُطَابِل جُرِي يُ پر هناجائز بِديكُر صيغون ميں بھی مہوز كے مختلف قوانين جاری ہو سكتے ہيں غور كرليا جائے۔ حكيب سے مهوز اللامنہيں آتا۔

مهموزاللاً م ثلاثی مزید فیه

باب اول صرف صغر ثلاثى مزيد في مهوز اللام ازباب اِفْعَالْ چول اَلْإِبْرُ اُءَ برى كرنا اَسْرَا يَبْرِي إِسْرَاءً فَهِ وَمَبْرِئُ وَالْبُرِئُ عَبْرَى عِبْرَى إِبْرَاءً فَذَاكَ مُبْرَئُ كُمْ يَبْرِأْ كُمْ يَبْرِئُ لا یبری کو لا یبری کو یبری کری کری کری کا الامر منه آبری لیتبری لیتبری لیبری لیبری لیبری الدیمی عنه لا یبری کا یبری کو النهی عنه لا تبری لا یبری لا یبری الظرف منه مبری مبری مبری از مبرگات الله المان معلوم میں سال والا قانون جاری ہوتا ہے البری ماضی معلوم میں سال والا قانون جاری ہوتا ہے البری ماضی معلوم میں مستنگر یون والا قانون جاری ہوسکتا ہے۔ای طرح مبری آم فاعل میں بھی یہی قانون جاری ہوسکتا ہے آبری اس مستنگر یون والا قانون کے مطابق ابری پر هنا جائز ہے ای طرح کا تنبراً کو جاری ہوسکتا ہے آبری اس ماضر معلوم کو راستی والا قانون کے مطابق ابری پر هنا جائز ہے ای طرح کو تنبراً کو کا تنبراً کو کا تنبری پر هنا جائز ہے ای طرح کو کا تنبراً کو کا تنبری پر هنا جائز ہے ای طرح کو کا تنبراً کو کا تنبری پر هنا جائز ہے ای طرح کو کا تنبراً کو کو گائیں کا کو تنبری پر هنا جائز ہے ای طرح کو کا تنبراً کو کا کو تنبری پر هنا جائز ہے ای طرح کو کا دی کا کا تنبری پر هنا جائز ہے۔

باب دوم صرف مغير ثلاثى مزيد في مهموز اللام ازباب تَفْعِيْل چول اكتَّبُرِ كُنُ بَمِعَىٰ برى كرنا بَسَّرَءَ يُبُسِّرِ عُ تَبْسِرِ كَةً فَهُو مُبَسِرٌ فَى وَبُرِّى يَبُرِّى ثَبُرِءَ وَقَذَاك مُبَرَّى كُمُ يَبُرِى كُمُ يَبُرَّى لَمْ يَبُرَى لَمْ يَبُرَّى لَمْ يَبُرَّى لَمْ يَبُرَّى لَمْ يَبُرَّى لَمْ يَبُرَّى لَمْ يَبُرَّى لَمْ يَبُرَى لَمْ يَبِرَى لَمْ يَبِرَى لَمْ يَبُرِي لَمْ يَبِرِي لَمْ يَبِرِي فَي مِنْ اللهِ مِنْ مِنْ مُبَرِّى فَيْرَى لَمْ يَبِرَى لَمْ يَبِرَى لَمْ يَبِرَى لَكُونُ لِمُ يَبِيرًى لَمْ يَبِرُونَى لَمْ يَبِيرُ عَلَى اللهُ مِنْ مَنْ يَبِيرًى فَيْ يَبِيرُ عَلَى لَمْ يَبِعِي فَيْ مِنْ مِنْ يَعْمُ يَاللهُ مِنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْ يَتُمْ يَعْنَ لِمُ يَعْلَى اللهُ عَبْرِي فَيْ يَبِيرُ عَلَيْ يَعْلَى لَهُ مِنْ يَعْلَى لَمْ يَعْلَى اللهُ عَلَى المَا عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ ع

بَرَء مِن سَالَ والا قانون جاری ہوسکتا ہے۔ جبیری ماضی جبول میں میکو کو الا قانون۔ بیبیریم میں میستی در فیون والا قانون جاری ہوسکتا ہے ای طرح میبیر کی اسم فاعل میں بھی۔ بیریم آمر حاضر کو ذین والا قانون سے بیری پر هناجائز

باب وم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه مهموز اللام ازباب مفاعَلَة جول المفاجأة م

فَاجَئَ يَفَاجِئَ مُفَاجَأَة فَهِو مُفَاجِئَ وَفُوجِئَ يَفَاجَئُ مُفَاجَأَة فَذَاك مُفَاجَأً لَمُ يَفَاجِئُ لَمَ يَفَاجَئُ لَا يُفَاجَئُ لَا يُفَاجِئُ الطرف منه مُفَاجِئُ مُفَاجَنَانِ مُفَاحَنَاتُ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ مُفَاجِئًا إِنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَلَا اللّهُ عَنْ اللّهُ عَلَا اللّهُ عَلْمُ الل

المُعْفَاجَنَةُ مصدركوسال والاقانون سے المُعْفَاجَاةُ پُرْ صناجائز ہاى طرح فَاجَئَ ماضى معلوم مِن بھى يہى قانون جارى موسكتا ہے فَوَجِئَ مِن مُستَجَادُ والاقانون سے منز وكو ياء سے بدلناجائز ہے المُفَاجِعَ مِن مُستَجَادِ بُونَ والا

قانون سے میفاج می پر هناجائز ب و عللی هٰذَا الْقِیابِس-

باب چهارم صرف صغير ثلاثي مزيدفيه مهموز اللام ازباب تفعل چوس التنبريم

جمعنی بیزار ہونا۔

باب پنجم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه مهموز اللامازباب تَفَاعُلَ چول اَلنَّواطُوُ

تَوَاطَأَ يَتُواطَئُ تَوَاطُناً فَهِو مُتَوَاطِئٌ وَتَوُوطِئٌ يُتَوَاطَئُ تَوَاطُئٌ فَذَاك مُتُواطَئٌ لَكُ يَتُواطئُ لَكُ يَتُواطئُ لَكُ يُتَوَاطئُ لَكُ يُتَوَاطئُ لَكُ يُتَوَاطئُ لَكُ يَتَوَاطئَ لَامر منه تَوَاطئُ لَلْ يَتَوَاطئَ لَكُ يَتَوَاطئَ لَامر منه تَوَاطئُ لِيُتَسَوَاطَئُ لَا يَتَسَوَاطَئُ لَا يَتَسَوَاطَئُ لَا يَتَسَوَاطَئُ لَا يَتَسَوَاطَئُ لَا يَتَسَوَاطَئُ لَا يَتَسَوَاطَئُ لَا يَتَوَاطَئُ لَا يَتُواطئُ لَا يَتُواطئُ لَا يَتُواطئً لَا يَتُواطئُ لَا يَعْدَواطئُ لَا يَعْدَواطَئُ لَا يَتُواطئُ لَا يَعْدَواطَئُ لَا يَعْدُواطِئُ لَا يَعْدَواطَعُ لَا يَعْدَواطَئُ لَا يَعْدَواطَعُ لَا يَعْدَواطَعُ لَا يَعْدَواطَعُ لَا يَعْدَواطَعُ لَا يُعْدَواطَعُ لَا يَعْدَواطَعُ لَا يَعْدَواطَعُ لَا يَعْدَواطَعُ لَا يَعْدَواطَعُ لَا يُعْدَواطَعُ لَا يَعْدُواطِعُ لَا يُعْدُوا لَا يَعْدُوالًا لَا يَعْدُوالِ لَا يَعْدُوالْ لَا يَعْدُوالْ لَا يَعْدُوالْكُ لَا يَعْدُوالْكُ لَا يُعْدَوالْكُ لَا يُعْدُوالْكُ لَا يُعْدُوالْكُ لَا يُعْدُوالْكُ لَا يُعْدَوالْكُ لَا يُعْدُوالْكُ لَا يُعْدُوالْكُ لَا يُعْدُوالْكُ لَا يُعْدُوالْكُولُ لَا يُعْدُوالْكُ لَا يُعْدُوالْكُ لَا يُعْدُوالْكُ لَا يُعْدُوالْكُولُ لَا يُعْدُوالْكُولُ لَا يُعْدُوالْكُولُ لَا يُعْدُوالْكُولُ لَا يُعْدُوالْكُولُ لَا يُعْدُولُ لَا يُعْدُولُ لَا يُعْدُولُ لَا يُعْدُولُ لَا يُعْدُولُ لَا لَا يُعْدُولُ لَا لَا يُعْدُولُ لَا يُعْدُولُ لَالْكُولُ لَا يُعْدُولُ لَا لَا لَا يُعْدُولُ لَا لَا يُعْدُولُ لَا لَا يُعْدُولُ لَا لَا يُعْدُولُ لَا لَا لَا لَا يُعْدُولُ لَا لَا يُعْدُولُ لَا لَا يُعْدُولُ لَا لَا يُعْدُولُ لَا لَا لَا لَالْكُولُ لَا يُعْدُولُ لَا لَا يُعْدُولُ لَا لَا لَا لَا لَا لَا يُعْدُولُ لَا لَا يُعْلِقُ لَا لَا يُعْلِقُ لَا لَا يُعْلِقُ لَا

باب مقم صرف مغير ثلاثى مزيد فيه مهموز اللام ازباب اِتَفِعَالَ چول اَلْإِنْطِفَاءُ مَا بَعْنَ آكَ كَا بَجَمَنا۔

رِانُطُفَأَ يَنْطُفِأَ اِنْطِفَاءً فَهِ و مُنْطَفِئَ لَمْ يَنْطُفِئَ لَا يَنْطُفِئَ لَنَ يَنْطُفِئَ الامر منه اِنْطَفِئَ لَا يَنْطُفِئَ الْأَمْ مِنْهُ الْفَلِيِّ لَا يَنْطُفِئَ الْطُرف منه مُنْطَفَئً مُنْطُفَئُانٍ مُنْطَفَئَاتً . لِيَنْطَفِئَ والنهى عنه لَا تَنْطُفِئَ لَا يَنْطَفِئُ الظرف منه مُنْطَفَئً مُنْطَفَئًانٍ مُنْطَفَئَاتً . بابشتم صرف مغيرثلاثي مزيد فيه مهموذ اللامازباب اِسْتِنْفَعَالَ چوس الْإِنستِبْرَاءُ

تمعنی براءت طلب کرنا۔ .

إستبرء يَستَبرئ لَمْ يَستَبرَاء فَهو مُستَبرِئ وَ استَبرِئ يَستَبرَى استِبرَاء فذاك مُستَبرَى لَمَ يَسْتَبرِئ لَمْ يَستَبرَى لا يَستَبرِئ لا يُستَبرَع لا يُستَبرَى لَح يَستَبرِئ لَن يُستَبرَ المَاسِمِه المَام اسْتَبرِه لِتُستَبرة لِيَستَبرَه لِيَستَبرَه والنهي عبنه لا تَستَبرَه لا تَستَبرَه لا يَستَبرُه لا يَستَبرُه لا

ديگرابواب ہےمہوز اللا قليل الاستعال ہے۔

﴿تَمُّتُ مَبُحَثُ الْمَهُمُونِ ﴾

مضّاعف کے قوانین۔

قانون: بهرگاه دوحرف متجانسین اگرجمع شوند در اول کلمه ثلاثی مجرد یار باعی ، ادغام متنع است ودراول کلمه ثلاثی مزید فیه جائز است مطلقاً سوائے مضارع ، چرا که درمضارع وقتے جائز است که حاجت به همزه وصلی نیفتد۔

قانون نمبر ٨٠ _ مُتَحَانِسَيْن كابِهلاقانون _

اسکی د وصور تیں ہیں

(۱) پہلی صورت سے کہ جب ٹلا ٹی مجردیار ہاعی (مجرد ومزید فیہ) کی ابتداء میں ایک جنس کے دوحرف جمع ہوجا کمیں تو ان میں ادغام ناجائز اور منع ہے۔

ثلاثی مجرد کی مثال میے دَدن، ربائ مجرد کی مثال میے فَفْتَحَ ربائ مزید فیدک مثال میے تَتَدُحُرجَ

احتر ازی مثال: (۱) تَنَدَیْکُ کی ثلاثی مجرداورر با عنهیں ہے(۲) مَدَّ جواصل میں مَدَدَها یہاں متجانسین ابتدامین نہیں ایں۔

(۲) دوسری صورت یہ ہے کہ جب ثلاثی مزید فیہ کی ابتداء میں ایک جنس کے دوحرف جمع ہو جائیں تو ان میں ادغام جائز ہے ۔

غیرمضارع میں تومطلقاً ادغام جائز ہےخواہ ادغام کے بعد شروع میں ہمزہ وصلی لانے کی ضرورت پڑے یا نہ پڑے اورمضارع میں تب ادغام جائز ہے جب شروع میں ہمزہ وصلی کی ضرورت نہ پڑے۔

غیرمضارع کی مثال: بیسے اِتسریک جواصل میں تَتَسریک کے بہاں تاکوتاء میں مذم کرنے کے بعدابتداء بالساکن لازم آتی ہے جو کہ محال ہے اسلے شروع میں ہمزہ وصلی لایا گیا۔ اور فَتَسریک جواصل میں فَتَتَسریک تھا۔ یہاں ادغام کے بعد ہمزہ وصلی کی ضرورت نہیں ہے کیونکہ ابتداء بالساکن لازم نہیں آتی فاء تحرکہ ابتداء میں موجود ہے۔

مضارع کی مثال: رجیے فَتَنْزُلُ صِواصل مِن فَتَتَنزُلُ مُقارِ

احر ازی مثالیں (۱) المتلک جواصل میں اِلمتدک تھا یہاں متجانسین ابتداء میں نہیں ہیں۔(۲) تَتَتَرَّکُ یوہ مضارع ہے جہاں ادغام کے بعد ہمزہ وصلی کی ضرورت پڑتی ہے۔

قانون: اگر مردومتجانسين دراول كلمه نباشند، واول ساكن ثانى متحرك باشد، ادغام واجب است بوجود نج شرا لط، اول اينكه آل متجانسين دو بهمزه در كلمه غير موضوع على التضعيف نباشد چنانچه قي كه قت كه شي كه دراصل قير يه يكود، دوم اينكه اول متجانسين باء وقف نباشد چنانچه الحكي هيلال سوم اينكه اول متجانسين مده مبدل بابدال جائز نباشد، چنانچ ديديك كه دراصل و يك بود، چهارم اينكه اول متجانسين مده در آخر كلمه نباشد، چنانچه في حي يكوم ، پنجم اينكه ادغام باعث التباس يك وزن قياس بريگروزن قياسي نباشد چنانچه قيول ، وقول كوم قيول كوم وقول كوم و كوم

قانون نمبرا۸. متجانسین کادوسرا قانون ـ

اس قانون کی کل سات شرا نط ہیں۔ اسکا خلاصہ یہ ہے کہ تجانسین میں سے پہلے حرف کودوسرے میں مذم کرناواجب ہے جبکہ یہ سات شرائط یائی جائیں۔

- (۱) متجانسین میں سے پہلاحرف ساکن اور دوسر امتحرک ہو۔احتر ازی مثال: ۔مَدَد کیہاں دونوں متحرک ہیں۔
 - (٢) متحانسين كلمه كي ابتداء مين نه بون جيس تَتَرَّ ك _
 - (٣) جميم اليه دو بمز عنه بمول جن مين قِعَرَ أي والا قانون جاري بوتا بوجيس قِير أي على الله الله على الله على ال
 - (4) متجانسین میں سے پہلاحرف هائے وقف ندہوجیسے اعرق عِلاَل کے
 - (۵) متجانسین میں سے پہلا حف کسی جوازی قانون سے بناہوامدہ نہو۔جیسے ریسیا بیاصل میں رہ کاتھا
 - (٢) متجانسين ميں سے پہلاحرف ايسامده نه جوجو كلمدكة خرمين بوجيسے فيح يوم
- (2) ادغام کے بعد ایک صیغہ کا دوسرے صیغہ کی اتھ التباس لازم نہ آتا ہوجیے فی وُول ۔جوباب مُنف عَلَمهُ سے ماضی مجهول کا صیغہ ہے ضعورِ ب کی طرح ۔ ادغام کے بعدیہ فیول کمن جائے گا اب پینہیں چلے گا کہ یہ باب مُنفاعَلَهُ ہے یا باب تَنفَعِیْن ای طرح تُنفورِ ب کی طرح ۔ ادغام کے بعد باب تَنفَعِیْن ای طرح تُنفورِ ب کی طرح ۔ ادغام کے بعد

رور المرابع ا

اتفاقى مثال ـ مِنَّا اورعَتْنَا جواصل مين مِنْ نَااورعَنْ نَاتِهـ

قانون ۔اگر ہر دومتجانسین متحرک باشند،اد غام واجب است بوجو دنوشرا کط۔

اول اینکه اول متجانسین مرغم فیه نباشد چنانچه حَبِقب ، دوم اینکه کے از متجانسین زا کد برائے الحاق نباشد چنانچه خباشد چنانچه خباش باشد چنانچه الله باشد چنانچه القتتن ، چهارم اینکه آل متجانسین دوواو در باب افحه و کناشد، چنانچه ارتحوای که دراصل ارتحوی و در شم اینکه آل متجانسین مقتضی اعلال نباشد چنانچه قوی که دراصل قوو و دوه شم اینکه ترکت ثانی عارضی نباشد چول ارد د المد قد و می مقتم اینکه آل متجانسین در دو کلمه نباشد چول ارد د و المد باشد چول این غیر مرغم باشد ادغام جائز ور نبه متنع بشتم اینکه آل متجانسین در اسم بر کیازی اینکه آل متجانسین در اسم بر کیازی اینکه آل متجانسین در اسم بر کیازی بی خواد این نباشد چول و کیست و کیاری شعر می می کند کرد و کلمه نباشد کیل می کند کرد و کلمه باشد کول کیل کرد و کلمه کرد و کیل کرد و کیل کرد و کلمه کرد و کیل کرد و کرد و کیل کرد و کرد و کیل کرد و کیل کرد و کیل کرد و کرد و کیل کرد و کیل کرد و کرد و کیل کرد و کر

قانون نمبر ٨٠٠ ـ متجانسين كاتيسراياً مَذَّاور فَيَّ والاقانون ـ

اسکی کل گیارہ شرا نط ہیں پہلی شرط وجودی اور ہاتی سب عدی ہیں ۔اسکا خلاصہ بیہ ہے کہ متجانسین میں سے پہلے حرف کو دوسرے میں مدغم کرناوا جب ہے جبکہ بیر گیارہ شرا نظیائی جائیں۔

- (۱) دونوں متجانسین متحرک ہوں ، احتر ازی مثال : ۔ مَدّد کی بیاں دونوں متح کنہیں ہیں
 - (٢)متجانسين كلمه كي ابتداء ميں نه ہوں جيسے تَــَـتَـرُك _ َ
 - (m) متجانسین میں سے پہلا مقم فیدنہ ہوجیسے کے بیک اسمیس بائے اول مقم فید ہے
- (4) متجانسین میں ہے کوئی ایک الحاقی نہ ہو یعنی کسی چھوٹے کلمہ کو بڑے کلمہ کے ہم وزن بنانے کے لئے اس کااضافہ نہ کیا گیا

ہوجیے جَلْبِبَاور شَمَلُلَ جواصل میں جَلَبَاور شَمَلَ تصدَحرَجَ کے ہم وزن بنانے کیلئے جَلَبَ میں ایک بَاء اور شَمَلَ میں ایک لام کا اضافہ کیا گیا۔

(۵) متجانسين ميں سے يہلاح فتا كافتعال نه موجي إقتتل ،

(۲) متجانسین میں ہے کوئی ایک مقتضی اعلال نہ ہو یعنی اس میں معتل (مثال ،اجوف ناقص) کا کوئی قانون جاری نہ ہوتا ہو

جیسے قَبوی جواصل میں قَبو و تھا یہاں دوسرے واومیں معتل کا دیمینی والاقانون جاری ہوتا ہے۔

(٤) متجانسين باب إفْعِلاَل كي دوواونه بون جيسے إر تحواى جواصل ميں إر تحوو قام

(۸) متجانسین میں ہے دوسر ہے حرف کی حرکت عارضی نہ ہوجیہ ارکد دِ الْسَفَوْمَ جواصل میں اردد خصادال ثانی کی حرکت عارضی ہے۔

(٩) متجانسین الگ الگ کلمه میں نہ ہوں جیسے مَسْکَنینی یہاں مَسْکَنَ الگ کلمہ ہے اور مینی الگ۔

(١٠) متجانسين دويا ، نه مول جيسے حَرِيتي اور حَمْدَيكان ـ

(۱۱) متجانسین ایسے اسم کے اندر نہ ہوں جوان یانچ اوز ان میں ہے کسی ایک وزن پر ہو

(۱)فَعَلَ حِي سَبَبُ (۲)فُعِلَ جِي سُرُرُ (۳)فِعِلُّ جيسِے . رِدِدُ(۴)فِعَلَّ جِي عِلَلُّ (۵)فَعَلُ جِي عِلَلُّ جِي دُرَا * .

الفاقي مثال وجيه مُذَاور فَرُ عِواصل مِن مَدَدَاور فَرَرتهـ

ا گرمتجانستین الگ الگ کلمه میں ہوں تو دوصورتوں میں ادغام جائز ہے۔

(۱) پہلی صورت، جب متجانسین میں بے حرف اول کا ماقبل متحرک ہوجیے لَا تَنْآمَنَنَا جواصل میں لاَ تَنْآمَنَنَا تھا۔ کہ لاَ تَنْآمَنَنا کہ منظم کا مناقب کے کہ کہ ہے اور نوا اللہ فاللہ منا مَسْکَنْنِی منظم کے مناقب اور نا الگ کلمہ ہے اور نون اول کا ماقبل یعنی میم متحرک ہے اس طرح سورۃ الکہف میں مَا مَسْکُنْنِی ہے تھا۔ اس قاعدہ کے مطابق ادغام کے ساتھ وارد ہے اصل میں مَا مَسْکُنْنِی ہے تھا۔

(۲) دوسری صورت، جب متجانسین میں ہے رف اول کا ماقبل حرف لین غیر مدخم ہوجیسے نکو بنگیر جواصل میں نکو جب کیر تھا۔ قانون: براسم كه بروزن في تحسال موائيموائيم معدر باشد حرف مرغمش رابياء بدل كنندوجوباً چون دِيْكَارِ مُنْ و شِيْدَرَ أَزُّ ، كه دراصل دِتَّارٌ ، وشِيرٌ أَزَّ بودند _

قانون نمبر٨٣ متجانسين كا چوشا قانون يا دِينار اور يشير از والاقانون

اس کا خلاصہ یہ ہے کہ مصدر کے علاوہ بروہ اہم جو فی گانگے وزن پر ہواس میں حرف مرغم کویا ، سے تبدیل کر ناواجب ہے۔ اتفاقی مثال نے چیے دیننار کوریشیٹیر از جواصل میں دیننار کوریشیر از صحبے ۔ احتر ازی مثال نے (۱) کِذَّا اِسْ مصدر ہے(۲) خَفَّار کید فی تعالی کے وزن پڑیں ہے۔ ربحہ مدیا للّٰہ وَ کَرُمِه یہاں تمام صرفی قوانین این این این این کا گئے ۔

أبواب مضاعف

باب اول صرف مغير ثلاثى مجردمضاعف ازباب ضَرَبَ يَضْيرِ بِهِ چول اَلْفَرُ والْفِرَارُ عَلَيْ والْفِرَارُ

فَرَّ يَفِرُّ فَرَّا وَ فِرَاراً فَهُو فَارَّ فَفَرُّ يُفَرُّ فَرَّا فَذَاكَ مَفَرُورُ كُمْ يَفِرُّ لَمْ يَفُرِدُ لَمْ يَفُرِدُ لَمْ يُفَرِّ لَمْ يَفُرُّ لَمْ يَفُرُّ لَمْ يَفُرُّ لَمْ يَفُرُّ لَا مَو منه فِرَّ، فِرِّ، إِفْرِدُ لِتَفَرَّ لِتَفُرُ لِيَفِرُّ لِيَفِرُّ لِيَفِرُّ لِيَفِرُّ لِيَفِرُّ لِيَفِرُّ لِيَفِرُّ لِيَفِرُّ لِيَفِرُ لِا تَفْرِدُ لَا تَفُرُ لَا تَفُرُ لَا تَفُرُ لَا تَفْرَدُ لَا تَفْرَدُ لَا تَفْرَدُ لَا تَفْرَدُ لَا تَفْرَدُ لَا يَفُرُ لِلْ يَفْرُ لَا يَفْرُ لَا يَفْرُلُوا لَا يَعْمِلُ لَا يَفْرِدُ لِلْ يَفْرُ لَا يَفْرَلُوا لَا يَعْمِلُ لَا يَفْرُلُوا لَا يَعْمِلُ لَا يَفْرُ لَا يَفْرُلُوا لَا يَعْمِلُوا لَا يَعْمِلُوا لَا يَعْمِلُوا لَا يَعْمِلُوا لَا يَعْمِلُوا لَا لَعْمُ لَا يَعْرَالُ وَالْعُلَا يُعْرَالُوا فَعِلَ المَعْمِلُ اللّهُ وَاللّهُ مِنْ مُؤْمُولُولُ وَالْمُونُ لِللّهُ مِنْ اللّهُ فَا لَا لَعْمِلُ اللّهُ مِنْ مَا اللّهُ لَا يَعْمُ لِللّهُ مِنْ اللّهُ وَاللّهُ مِنْ اللّهُ وَلِي اللّهُ وَاللّهُ مِنْ اللّهُ وَاللّهُ مِنْ مَا اللّهُ وَاللّهُ مِنْ مَا اللّهُ وَاللّهُ مِنْ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ الللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّ اللهُ الللهُ اللهُ اللهُ اللهُ الللهُ اللّهُ الل

فعل ماضى معلوم . فَرَّ، فَرَّا، فَرُّوا، فَرَّتُ ،فَرَّتَا، فَرَرْنَ ،فَرَرْتَ ،فَرَرْتَمَا، فَرَرْتَمَ، المخ

ماضى مجهول: فرع مُورَّا، فَرُّوا، فَرَّوا، فَرَّتَ ،فَرَّتَا، فُرِرْنَ، فَرِرْتَ، الخ.

مضارع معلوم : ـ يَفِرُّ ، يَفِرُّ إِن ، يَفِرُّونَ ، تَفِرُّ ، تَفِرُّ ان مَفِرِدُنَ ، تَفِرُّ ان ، تَفِرُّونَ ، تَفِرِّينَ ، كَفِرُّ انِ ، تَفِرُّ ان ، تَفِرُّونَ ، تَفِرِّينَ ، كَفَرُّ انِ ، تَفِرُدُنَ ، اَفِرَّ ، نَفِرُ ان ، تَفِرُّ ان ، تَفِرُ ان ، تَفِرُّ ان ، تَفِرُّ ان ، تَفِرُ ان ، تَفِرُّ ان ، تَفِرُ

مضارع مجهول: فيفر يفر أن يفرون تفر تفران يفررن تفر الخ

المستقد مصدراصل میں المستور تھا متجانسین کے دوسر نے قانون سے ایک راء دوسری میں منم ہوئی۔ ماضی معلوم کی اصل کردان یوں تھی فکر رک فکر دو آلفے متجانسین کا تیسرا قانون جاری ہوا۔ اور فکر دن سے لیکرآ خرتک تمام صغاب خال پر ہیں ان میں مضاعف کا کوئی قانون جاری ہیں ہوا۔ ماضی مجھول کی اصل یوں تھی فیر رک فیر دو آلفے ماضی معلوم کی طرح یہاں بھی پہلے پانچ صیغوں میں متجانسین کا تیسرا قانون جاری ہوا۔ اور فیر دن سے لیکرآ خرتکہ بمام نیخ اپنے حال کی طرح یہاں بھی پہلے پانچ صیغوں میں متجانسین کا تیسرا قانون جاری ہوا۔ اور فیر دن سے لیکرآ خرتکہ بمام نیخ اپنے حال پر ہیں کی طرح سے اللہ تھا متجانسین کے دوسرے قانون کے مطابق پہلی راء کی دونوں صیغوں میں یہی قانون جاری ہوا ہے سوائے جمع مؤنث کے دونوں صیغوں میں یہی قانون جاری ہوا ہے سوائے جمع مؤنث کے دونوں صیغوں میں یہی قانون جاری ہوا ہے سوائے جمع مؤنث کے دونوں صیغوں میں یہی قانون جاری ہوا ہے سوائے جمع مؤنث کے دونوں صیغوں میں یہی قانون جاری ہوا ہے سوائے جمع مؤنث کے دونوں صیغوں میں یہی قانون جاری ہوا ہے سوائے جمع مؤنث کے دونوں صیغوں میں یہی قانون جاری ہوا ہے سوائے جمع مؤنث کے دونوں صیغوں میں یہی قانون جاری ہوا ہے سوائے جمع مؤنث کے دونوں صیغوں میں یہی قانون جاری ہوا ہے حال پر برقر ار ہیں مضارع مجھول میں بھی بعیدنہ مضارع معلوم کی طرح عمل ہوا۔

اسم مفعول: مَفَرُورٌ مَفَرُورُانِ مَفُرُورُونَ النَّحَ كَلَ اللَّهِ كَلَ المَرْمَيْنِ مَفَاعَفَ كَاكُولَى قانون يَهَال جَارَى بَيْنِ مَوَا فعل جحد معلوم: لَمَ يَفِرٌ لَمَ يَفِرٌ لَمَ يَفُرِرَ لَمَ يَفِرُا لَمَ يَفِرُّوا لَمَ تَفِرٌ لَمَ تَفِرٌ لَمَ تَفِرُا كَمَ يَفُرِرُنَ كُمْ تَفِرٌ لَمْ تَفَرِّ لَمَ تَفُرِرَ لَمَ تَفِرٌ اللَّمَ تَفِرُّوا لَمْ تَفِرِّ فَيَ لَمْ تَفَرَّ لَمَ اَفِرٌ لَمْ اَفِرٌ لَمْ اَفِرٌ لَمْ اَفِرٌ لَمْ اَفِرٌ لَمْ الْفِرِ لَمْ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ الل فعل جحد مجهول: لم يفر كم يفر كم يفرد كم يفرا لم يفروا الم يفروا الخ

واحد مذكر غائب، واحد مؤنث عائب، واحد مذكر حاضر واحد يتكلم اورجع متكلم ان پانچ صينوں ميں كه يتحمير كم يمكن والا قانون كے مطابق تين تين صورتيں جائز بيں۔ جبكه ان صينوں پر كوئى عامل جازم داخل ہو يا امر حاضر معلوم بنانا، و۔

اسم ظرف : مفر مفران مفار مفيرس

مَفَرُ اصل میں مَفْرَد مِ قَامَجَانسین کا تیسرا قانون جاری ہوا۔ صاحب ارشاد الصرف کے بیان کے مطابق علاقی مجرد مضاعة کا اسم ظرف ہمیشہ مَفْعَکُ مُ کے وزن پر آتا ہے خواہ مضارع کے میں کلمہ پرکوئی بھی حرکت ہو، جبکہ بعض علماء صرف کے زدیک مضارع کمسورالعین مضاعف کا اسم ظرف مسلم خرف مسلم کے وزن پر آتا ہے اورا گرمضارع مضموم العین یا مفتوح العین ہوتو کی مضارع کمسورالعین مضاعف کا اسم ظرف مُنْعَلُ کے وزن پر آتا ہے (صحیح مہوز، اجوف کی طرح) لہذا، ان حضرات کے مسلک کے طابق کی طرح کا لہذا، ان حضرات کے مسلک کے طابق کی فیر سے اسم ظرف کمی ہوئی آئے گا کیونکہ یہاں مضارع کمسورالعین ہے۔

استقضيل مذكر - افر افر افران افرون افار افير

استقضيل مؤنث له فركيان فريات فريات فروفرداي .

فعل العجب . مَا أَفُرَّهُ وَأَفُرِرْ بِهِ وَفُرَّ

فعل ماضى معلوم: - مَدَّ مَدّاً مَدُّوا مَدَّتُ مَدَّتا مَدَدُنَ مَدَدُنَ مَدَدُتُ الخ

فعل ماضى جهول: مدّ مدّا مدّوا مدت مدّتا مُدِدن مدِدت المخر

فعل مضارع معلوم - يَمَدُّ يَمَدُّإِن يَمَدُّونَ تَمَدُّ تَمَدُّإِن يَمَدُّدُنَ تَمَدُّ تَمَدُّإِن تَمَدُّونَ تَمَدِّينَ تَمَدُّانِ - دور / وهروو

فعل مضارع مجهول: مرم مريز عربي در حريج مرمان عمد دن المخ

فَتُ يَفِرِ اللهِ كَالِمُ مِنْ رَوَان مِيل جَهَال جَهَال مضاعف كالوَلَى قانون جارى ہوا ہے اِس مُسَدُ يُمِدُ كَ أَى رَوَان مِيل أَس جَلَه وَ يَفِرُ كَي قَوْ كَي كُورَان كِ طرز پر بين صرف اتنافر ق ہے كہ يہال مضارع مضموم العين ہونے كيوجہ ہے كہ يہ كہ كہ يہ كہ قو والا العين ہواد فَي كَي فِي مِي مضارع مكور العين ہوادم مضارع مضموم العين ہونے كيوجہ ہے كہ قد كہ وقت جا رجا رصور تيل، قانون كے مطابق فدكورہ باتے وقت جا رجا رصور تيل، جائز بيل فتح ،كر ہ ،ضمه ، فك وقت جا رجا رصور تيل، جائز بيل فتح ،كر ہ ،ضمه ، فك وقت الله عند
بمعنى محبوب هونابه

حَبَّ يَحُبُّ حَبَّ وَمَعَبَّهُ فَهُو حَبِيبٌ لَمْ يَحَبُّ لَمْ يَحَبِّ لَمْ يَحَبُّ لَمْ يَحَبُّ لَا يَحَبُّ لَحَ يَحُبُّ الْمَرِمنَةُ حَبَّ حَبُّ احْبِ لِيَحِبُّ لِيَحِبُّ لِيَحَبِّ لِيَحَبِّ لِيَحَبِّ لِيَحَبِّ لِيَحب لَحَ يَنْ حَبِّ الْامْرِمنَةُ حَبُّ حَبِّ حَبُّ احْبِ لِيَحِبُّ لِيَحِبُّ لِيَحْبُ لِيَحْبِ لِيَحَبِ وَالنهى عنه لَاتَحْبُ لَاتَحْبُ لَاتَحْبُ لَاتَحْبُ لَاتَحْبُ لَايَحْبُ لَا لَانْهُ مِنْهُ اَحْبُ وَالْمؤنث منه مَا اَحْبُهُ وَاحْدِبُ بِهُ وَحَبَّد.

مضاعف ثلاثى مزيد فيه

باب اول صرف غير ثلاثى مزيد فيه مضاعف ازباب إفَعَالَ چول الإَمْدَ ادَّبَعَى مرد كرنا۔ اَمَدَّ يُمِدُّ إِمَدَاداً فَهُو مُمِدُّ وَاُمِدَّ يُمَدُّ إِمَدَاداً فذاك مُمَدَّ لَمْ يَمِدُّ لَمْ يَمِدِّ لَمْ يَمَدِّ لَكُمْ يَمَدِّ لَكُمْ يَمَدِّ لَكُمْ يَمَدِّ لَكُمْ يَمَدِّ لَكُمْ يَمَدِّ لَكُمْ يَمَدُّ لَكُمْ يَمَدِّ لَكُمْ يَمَدُّ لَكُمْ يَمَدُّ لَكُمْ يَمَدُّ لَكُمْ يَمَدُّ لَكُمْ يَمَدُّ لَا يَمِدُّ لَكُمْ يَمِدُّ لَكُمْ يَمِدُّ لَكُمْ يَكُمْ لَكُمْ يَكُمْ لَكُمْ يَمَدُّ لَكُمْ يَمِدُ لَكُمْ يَمِدُّ لَكُمْ يَكُمْ لَكُمْ يَكُمُ لَكُمْ يَمَدُّ لَا يُمِدُّ لَكُمْ يَمَدُّ لَكُمْ يَكُمْ لَكُمْ يَكُمُ لَكُمْ يَكُمُ لَكُمْ يَعْمَدُ لَا يَمِدُّ لَكُمْ يَكُمْ لَكُمْ يَكُمْ لَكُمْ يَعْمَدُ لَكُمْ يَكُمْ لَكُمْ يَكُمْ لَكُمْ يَكُمْ لَكُمْ يَكُمُ لَكُمْ يَكُمْ يَكُمْ لَكُمْ يَكُمْ لَكُمْ يَكُمْ يَكُمْ يَكُمْ يَكُمُ لِكُمْ يَكُمْ يَكُمْ يَعْمَا يَعْلِمُ عَلَيْ فِي مُمَدِّ لَكُمْ يَكُمْ لَكُمْ يَكُمْ يَكُمْ يَكُمُ يَا لَهُ عَمْ يَكُمْ وَالْمُ يَمَدُّ لَكُمْ يَكُمْ لَكُمْ يَكُمُ لَكُمْ يَكُمْ يَكُمْ يَكُمْ يَكُمْ لَكُمْ يَكُمْ يَكُمُ يُعْلِكُ لِكُمْ يَكُمُ يُعْلِكُمْ يَكُمْ يَكُمُ يَكُمْ يَكُمُ يُعْلِكُمْ يَكُمْ يَكُمُ يُعْلِكُمْ يَكُمْ يَكُمُ يُعْلِكُمْ يَكُمُ يَكُمُ يُعْمِي يَعْلَى يَعْمُ يَكُمُ يُعْلِكُمْ يَكُمْ يُعْلِكُمْ يَعْ يَكُمُ يُعْلِكُمْ يَكُمْ يُعْلِكُمْ يَعْلِكُمْ يَكُمُ يُعْلِكُمْ يَعْلِكُمْ يَعْلَكُمْ يُعْلِكُمْ يَعْلِكُمْ يَعْلِكُمْ يَعْلِكُمْ يُعْلِكُمْ يَعْلِكُمْ يَعْلِكُمْ يُعْلِكُمْ يَعْلِكُمْ يَعْلِكُمْ يَعْمُ يُعْلِكُمْ يَعْلِكُمْ يَعْلِكُمْ يَعْلِكُمْ يَعْلِكُمْ يُعْلِكُمْ يَعْلِكُمْ يَعْلِكُمْ يَعْلِكُمْ يُعْلِكُمْ يُعْلِكُمْ يَعْلِكُمْ يَكُمُ يُعْلِكُمْ يَعْلِكُمْ يُعْلِكُمْ يَعْلِكُمْ يُعْلِكُمْ يَعْلِكُمْ يُعْلِكُمْ يَعْلِكُمْ يَعْلِكُمْ يَعْلِكُمْ يَعْلِكُمْ يَعْلِكُمْ يَعْلِكُمْ يُعْلِكُمْ يَعْلِكُمْ يُعْ

فعل ماض معلوم. أمَدٌّ، أمَدٌّ، أمَدُّوا، أمَدَّتُ، أمَدُّتُا، أمَدَدُنَ، أمْدَدُتُ، أمْدُدُتُما، الخ

فعل ماض مجبول؛ - أمِنَدُ ، أمِندًا، أمِندُوا، أمِندَتَ، أمِندَتَا، أمدِدَنَ، أمدِدَتَ ، المخ

مضا علوم في ميد يكون يمر والمعان الم

مضارع مجهول: يمنُّ يُمدُّ إِن يُمدُّ ونَ الخ

باب دوم صرف صغير ثلاثى مزيد في مضاعف ازباب تَفَعِيُل چوں اَلْتَقَلِيلُ مَعَىٰ مَ كَرَادِ
عَلَّلُ يُقَلِّلُ تَقَلِيْلًا فَهِ وَمُقَلِّلُ كُو قَلِّلُ يُقَلِّلُ كَوْقَلِّلُ لَا يُقَلِّلُ لَا يُعَلِّلُ لَا يُقَلِّلُ لَا يُعَلِّلُ لَا يُقَلِّلُ لَا مُنْ يَعْقِلْكُ لَا يُعْلِقُونُ إِنَا لَا عَلَى اللّهُ عَلَيْلُ لَا يُعَلِّلُ لَا يُقَلِّلُ لَا يُقَلِّلُ لَا يُعَلِّلُ لَا يُقَلِّلُ لَلْ يُقَلِّلُ لَا يُقَلِّلُ لِي عَلَيْكُ لِللّهُ لَلِنَا لَا عَلَى لَا عَلَيْكُلُولُ لَلْكُلِلُ لَا يُقَلِّلُ لَا يُعْقِلُلُ لَا يُقَلِّلُ لَا يُقَلِّلُ لَا عَلَى لَا عَلَيْكُلِلْ لَا عَلَيْكُ لِللّهُ لِلْكُولُ لِللّهُ لِلللّهُ لِلْكُلُولُ لِلللّهُ لِلللّهُ لِلللّهُ لِلللّهُ لِلللّهُ لِلللّهُ لِلللّهُ لِللللّهُ لِلللّهُ لِلللّهُ لِلللّهُ لِلللّهُ لِللللّهُ لِللللّهُ لِلللّهُ لِلللّهُ لِللللّهُ لِللللّهُ لِلللّهُ لِللللّهُ لَلْكُلُولُ لِللللّهُ لِللللّهُ لِلللللّهُ لِللللّهُ لِلللللّهُ لِللللّهُ لِلللللّهُ لِلللللّهُ لِلللللّهُ لِللللّهُ لِللللّهُ لِلللللّهُ لِلللللّهُ لِلللللّهُ لَلْكُلِلْكُ لِللللّهُ لِللللّهُ لِلللللّهُ لِلللللّهُ لِللللّهُ لِللللللّهُ لَ

لاَ تُقَلَّلُ لاَيُقُلِّلُ لَا يُقَلَّلُ الظرف منه مُقَلَّلُ مُقَلَّلُ مُقَلَّلُ مُقَلَّلًا تُ ـ

اسكى كردان صحيح كى طرح ہے۔ يہال مضاعف كاكوئى قانون جارئ نہيں ہوتا۔

باب وم صرف صغير ثلاثى مزيد في مضاعف اذباب همفاعًلة چول اَلْمُحالِبَة اَ (آپل يس عبدركنا) كاب يحاب مكابة قهو محاب و كوب يعاب مكاب المحابة فذاك مُحاب لم يحاب الأمر كم يحاب لم يحاب لم يحاب لم يحاب لم يحاب لا يحاب لا يحاب لا يحاب لن يحاب لن يحاب الامر منه كاب كاب كاب التحاب ليحاب ليحاب ليحاب ليحاب ليحاب ليحاب ليحاب ليكاب ليكاب ليكاب لايكاب لاتكاب لاتكاب لا يكاب لا يكاب لا يكاب المناب المنطرف منه مكاب مكاب المكاب المكا

کر ایست کری میں الکی میں ایک میں ایک میں ایک میں ایک میں اور استعابے میں کئیں والا قانون کی پہلی صورت بھی ہوا م جاری ہوئی کہ یہاں التقائے ساکنین علی حدّہ ہے۔

فعل ماضى معلوم حكاب حابًا حَابُوا حَابُّتُ حَابِثاً حَابَثِنَ حَابَبُنَ حَابَبُتَ الخ

ماضى مجهول: حُوبَ حُوبًا حُوبُوا حِوبَاتُ حُوبُتَا حُوبِتَا حُوبِبَنَ حُوبِبِنَ حُوبِبِتَ الخ

مضارع معلوم: يَحَابُ يَحَابُ إِن يَحَابُونَ تَحَابُ تُحَابُ إِن يَحَابِبِي تَحَابُ تَحَابُ تَحَابُونَ تَعَابُونَ تَحَابُونَ تَحَابُونَ تَحَابُونَ تَحَابُونَ تَحَابُونَ تَحَابُونَ تَحَابُونَ تَعَابُونَ تَعَابُونَ تَحَابُونَ تَحَابُونَ تَعَابُونَ تَعَالِبُونَ تَعَالِبُونَ تَعَالُمُ مَا مِنْ عَلَيْكُونَ لَا تَعَالَبُونَ تَعَالِبُونَ لَا عَلَيْكُونَ لَعَالِمُ لَعَلَيْكُونَ لَا لَعَلُونَ لَعَالِمُ لَا عَلَيْكُونَ لَا عَلَيْكُونَ لَا عَلَيْكُونَ لَالَعُ لَا عَلَيْكُونَ لَالْعَلُونَ لَا عَلَالُهُ لَا عَلَيْكُ لَالَعُلُونَ لَالْعُلُونَ لَالْعُلُونَ لَالْعُلُونُ لَالْعُلُونُ لَا عَلَيْكُونَ لَالْعُلُونُ لِلْكُونَ لِلْعُلُونُ لِلْعُلُونُ لَالْعُلُونُ لِلْعُلُونُ لِلْكُونُ لِلْعُلُونُ لِلْكُونُ لِلْعُلُونُ لِلْعُلُولُ لِلْعُلُونُ لِلْعُلُونُ لِلْعُلُولُ لِلْعُلُلِلْكُونُ لِلْعُلُونُ لِلْعُلُونُ لِلْعُلُونُ لِلْعُلُونُ لِلْعُل

مضارع مجهول: يتحاب يحاب يحاب ويكابون تحاب تحاب يعابن النج

اسم فاعل: مَحَالِثُ مُحَالِّانِ النج ـ اسم مفعول: مَحَالِّ، مُحَالِّانِ ، مُحَالِونَ ، مُحَالِّة ، مُحَالِبْتانِ مُحَالِبًا يَكِ مُحَالِبًا يَكِ،

اسم فاعل، اسم مفعول، اسم ظرف یہ تینوں طاهراً ایک ہی طرح ہیں ان میں فرق اصل کے اعتبارے ہے کہ اسم فاعل اصل میں حسح ابِدہ بچے ہے اور باقی دنوں معکم ابدہ کئے ہیں۔ امرحاضر معلوم له حَالبٌ حَالِبٌ حَالِبٌ حَالبًا حَالبُواً حَالبِّي حَالبًا حَالِبُنَ لَهُ

کاب ماضی معلوم اصل میں کابب تھا اور کھوٹ اصل میں ہے و بیب تھا متج اسین کا تیسرا قانون جاری ہوائے کھا اسین کا تیسرا قانون جاری ہوائے کہ مضارع معلوم اصل میں ہے کہ مضارع معلوم اصل میں کہ کہ اسک ہیں کہ مضارع معلوم اصل میں کمسور العین ہے اور مضارع معلوم اصل میں کمسور العین ہے در مضارع معلوم اصل میں کمسور العین ہے اور مضارع معلوم اصل میں کمسور العین ہے اور مضارع معلوم اصل میں کمسور العین ہے در اس میں کہول مفتوح العین ہے۔

باب چهارم صرف مغير ثلاثى مزيد فيه مضاعف ازباب تَفَعَّلُ چون اَلْتَحَبَّبُ مَعَى دوى رَكَاد تَحَبَّبُ يَتَحَبَّبُ تَحَبَّبُ اَفَهِ وَمَتَحَبِّبُ وَيُحَبِّبُ مِتَحَبِّبُ تَحَبَّبُ تَحَبَّبُ اَفَذَاكُ مَتَحَبَّبُ لَمْ يَتَحَبَّبُ لَحَ يَتَحَبَّبُ لَلْ مَ مِنه تَحَبَّبُ لَمْ يَتَحَبَّبُ لَلْ مَ مِنه تَحَبَّبُ لِمُتَحَبَّبُ لَلْ مَ مِنه تَحَبَّبُ لِمُتَحَبِّبُ لَلْ مَتَحَبَّبُ الامر مِنه تَحَبَّبُ لِمَتَحَبَّبُ لِمَ مَنه لَا يَتَحَبَّبُ لِمَ يَتَحَبَّبُ لَا يَتَحَبَّبُ الطرف مِنه لَيَتَحَبَّبُ الطرف مِنه مَتَحَبَّبُ لِمَيْتَحَبَّبُ لَا يَتَحَبَّبُ الطرف مِنه مَتَحَبَّبُ الطرف منه مَتَحَبَّبُ الطرف منه مَتَحَبَّبُ الطرف منه مَتَحَبَّبُ المَدِي عَنه لَا يَتَحَبَّبُ لا يَتَحَبَّبُ الْمَرْف مِنه مَتَحَبَّبُ الطرف منه مَتَحَبَّبُ الطرف منه مَتَحَبَّبُ المَدِي مَتَحَبَّبُ الطرف منه مَتَحَبَّبُ اللّهُ مَتَحَبِّبُ اللّهُ
اسكى تمام گردانىي شيح كى مانندىيى يېال مضاعف كاكوئى قانون جارى نېيى بوتا ـ

مضار، عمعلوم: يَتَحَابُ يَتَحَابُ يَتَحَابُونَ يَتَحَابُونَ تَتَحَابُ تَتَحَابُ تَتَحَابُونَ يَتَحَابُونَ الخ مضارع مجهول: يَتَحَابُ يَتَحَابُ يَتَحَابُونَ يَتَحَابُونَ تُتَحَابُ ثَنَحَابُ ثَتَحَابُ الخ اسباب كاتمام ردانوں ميں كاب يُحَابُ كَحَابُ كَلِمْ زيرادغام بوائے۔

بابشتم صرف صغر ثلاثى مزيد في مضاعف ازباب إفَتِعَالَ چول الآمتِدَادُ المَعْن بهانا۔
المُتَدَّيمُتَدُّ الْمُتِدَادًا فهو هُمُتَدُّ وَامُتَدُّ يُمْتَدُّ الْمُتِدَادًا فذاك هُمُتَدُّ لَمُ يَمُتَدُّ لَمُ يَمُتَدِدُ
لَمُ يُمُتَدُّ لَمُ يُمُتَدِّ لَمُ يُمُتَدُّ لَا يَمْتَدُّ لَا يُمُتَدُّ لَا يُمُتَدُّ لَنَ يَسْمَتَدُّ لَالْمَ يَمْتَدُّ لَا يَمْتَدُ لَا يَمْتَدُّ لَا يَمْتَدُّ لَا يَمْتَدُّ لَا يَمْتَدُّ لَا يَمْتَدُ لَا يَمْتَدُ لَا يَمْتَدُّ لَا يَمْتَدُّ لَا يَمْتَدُّ لَا يَمْتَدُّ لَا يَمْتَدُّ لَا يَمْتَدُّ لَا يَمْتَدُ لَا يَعْتَدُ لَا يَمْتَدُ ُ لَا يَمْتَدُ لَا يَمْتَدُ لَا يَمْتَدُ لَا يَمْتَدُلُ لَا يَمْتَدُ لَا يَمْتَدُولُ لَا يَعْرَفُونُ لَا يَمْتَدُولُ لَا يَمْتَدُلُ لَا يَمْتَدُلُ لَا يَمْتَدُلُ لَا يَمْتَدُولُ لَا يَعْدَلُ لَا يَعْمُنَا لَا يَعْمُونُ لَا يَعْدَلُونُ لَا يُعْمُلُكُ لَا يُعْرِقُونُ لَا يُعْمُلُكُ لَا يُعْلِقُونُ لَا يُعْلَقُونُ لَا يُعْمُلُكُ لَا يُعْلَقُونُ لَا يُعْلِقُونُ لَا يُعْلَقُونُ لَا يُعْلَقُونُ لَا يُعْلِقُونُ لَا يُعْلَقُونُ لَا يُعْلِقُونُ لَا يُعْلِقُونُ لَا يُعْلَقُونُ لَا يُعْلِقُونُ لَا يُعْلِقُونُ لَا يُعْلِقُونُ لَا يُعْلِقُونُ لَا يُعْلِقُونُ لَا يُعْلِقُونُ لَا يُعْلِقُ لَا يَعْلَا لَا يَاعِلُونُ لَا يُعْلِقُ لَا يُعْلِقُونُ لَا يُعْلِقُونُ لَا يُعْلِع

فعل ماضى معلوم: رامتد المُتدا، المتدار المتدارة المتدارة المتدارة المتدرية المتدرية المتدرية المتدرية

ماضى مجهول: - أمتدًّ، أمتدُّا، أمتدُّوا، أمتدُّت، أمتدَّتا، أمتدِّتا، أمتدِّدَن، الخ

فعل مضارع معلوم: - يَـمَتَدُّ يَـمَتَدُّانِ يَـمَتَدُّونَ تَمَتَدُّ تَمَدُّ تَمَدُّدُنَ يَمَتَدِدُنَ تَمَتَدُّانِ تَمَتَدُّونَ تَمَتَدُّونَ تَمَتَدُّانِ يَمَتَدُّ تَرَكَدُّانِ تَمَتَدُّونَ تَمَتَدُّانِ اللحَ

مضارع مجهول: عَدِيَةٌ يُمتَدُّانِ يُمتَدُّونَ تَمتَدُّ تَمتَدُّانِ يَمتَدُدُنَ الخ

باب مفتم صرف مغير ثلاثى مزيد في مضاعف ازباب اِتفعال چول الإنسِدَادَ بَعنى بندِ بونا۔ اِنسَدَّ يَنسَدُّ اِنسَدَ اَفْهو مُنسَدُّ لَمُ يَنسَدُّ لَمُ يَنسَدِّ لَمُ يَنسَدِدُ لَا يَنسَدُّ لَنَ يَنسَدُ اِنسَدُ اِنسَدُ اِنسَدِدُ لِيَنسَدُّ لِيَنسَدُّ لِيَنسَدِّ لِيَنسَدِدُ والنهى عنه لَا تَنسَدُّ لَا تَنسَدِدُ لَا

ِ ڊ َ سَ ينسد

لا يَنسَدُ لا يَنسَدِدُ الطرف منه منسَدُ منسَدُ إِن منسَدَّانِ منسَدَّاتِ -

انسَدُّ اصل میں اِنسَدَدَ تھا مَیْنَسَدُ اصل میں یَنسَدِد تھا۔ مُنسَدُ اسم فاعل اصل میں مُنسَدد تھامُنسَدُ اسم ظرف اصل میں مُنسَدَد تھاان سب میں متجانسین کا تیسرا قانون جاری ہوا۔

باب بشتم صرف عير ثلاثى مزيد فيه مضاعف ازباب استفعال چول الإستيمداد بمن مرطب كرناد استنمد يستمد الشيمة المنتمد ال

السَّتَمَدُّ اصل میں اسْتَدَدَدَ تھا استَعِدُ اصل میں استَدِید کتھ ایستَتَمِدُ اصل میں استَدَدِد تھا اور میستَمَدُّ اصل میں استَدَدُد تھا اور میستَمَدُّ اصل میں استَدَد در تھا۔ ان سب میں متجانسین کے تیسرا قانون سے دال اول کی حرکت ماقبل کودیکر دال کودال میں مرغم کیا۔ ای طرح دیگر صیخ سمجھ لیجے۔ ثلاثی مزید فیہ کے دیگر ابواب سے مضاعف قلیل الاستعال ہے۔

مضاعف رباعي

باب اول صرف مخير رباعى مجرد مضاعف ازباب فعلله چول اَلْتُوْلُوز كَهُمِعَى بلاديا۔ زَلْوَلَ يُولُونَ كُوزُكُونَ كُورُكُونَ كُورُكُونَ كُورُكُونَ كُوزُكُونَ كُورُكُونَ فَاكُ مُولُونَ كُمُ يُوكُونَ كُمُ يُوكُونَ لَا مُعْ يَوْلُونَ لِكُورُكُونَ لِيُورُكُونَ لِيَعْرَكُونَ لِيَعْرَكُونَ لِيَعْرَكُونَ لِيَعْرَكُونَ والمنها عَنَهُ وَلَوْنَ لِيَعْرَكُونَ لِيعْرَكُونَ لِيعْرَكُونَ والمنها الله عَنه لَا يُورُكُونَ لَا يَعْرَكُونَ لَا يَعْرَكُونَ لَا الله منه مُورُكُونَ لِيعْرَكُونَ لِيعْرَكُونَ لِيعْرَكُونَ الله عَنه عَنه مُورُكُونَ فَانُونَ جَارِيَ الله وَ مَعْرَكُونَ لا يَعْرَكُونَ لا يَعْرَكُونَ لا الله عَنه عَنه الله عَنه عَنه مُورُكُونَ فَانُونَ جَارِيَ الله عَنه الله عَنه عَنْهُ وَالله الله عَنه عَنه الله عَنه الله عَنه الله عَنه الله عَنه عَنه الله عَنه عَنْ الله عَنه الله عَنه الله عَنه الله عَنه الله عَنه الله عَنْ الله عَنه عَنه الله عَنه عَنه الله عَنه الله عَنه عَنه الله عَنه عَنه عَنه عَنه الله عَنه عَنه الله عَنه عَنْهُ عَنْ الله عَنه عَنْهُ عَامُ عَنْهُ عَنْهُ عَ

باب دوم صرف صغيرر باعى مزيد فيه مضاعف ازباب تَفَعَلُلُ چون اَلتَكسَلُسُلُ وَ اللَّهُ مَلْكُ مِن اللَّهُ مَلْكُ مِن اللَّهُ مَلْكُ مِن اللَّهُ مَلْكُ مِن اللَّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَّى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَّى اللَّهُ عَلَّى اللّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَّى اللَّهُ عَلَّى اللَّهُ عَلَّى اللَّهُ عَلَّى اللَّهُ عَلَّى اللَّهُ عَلَّى اللَّهُ عَلَّا عَلَّ عَلَّى اللَّهُ عَلَّى اللَّهُ عَلَّى اللَّهُ عَلَّى اللَّهُ عَلَّى اللَّه

تَسَلُسَلُ يَتَسَلُسَلُ يَتَسَلُسَلُ تَسَلُسَلُ فَهُو مُتَسَلُسِلُ وَتُسَلُسِلُ يَتَسَلُسَلُ يَتَسَلُسَلُ يَتَسَلُسَلُ كَوَ يَتَسَلُسَلُ لَا يَتَسَلُسُلُ لَا يَتَسَلُسُلُ لَا يَتَسَلُسُلُ لَا يَعْمَلُسُلُ وَاللّهِ عَلَى اللّهُ عَلَيْكُ مِن عَلَيْكُ مَن عَلَيْكُ مِن عَلْكُولُ عَلْكُ مِن عَلَيْكُ مِن عَلْكُ مِن عَلَيْكُ مِن عَلْكُ مِن عَلَيْكُ مِن عَلَيْكُ مِن عَلَيْكُ مِن عَلَيْكُ مِن عَلَيْكُ مِن عَلْكُ مِن عَلَيْكُ مِن عَلْكُ مِن عَلْكُ مِن عَلْكُ مِن عَلَيْكُ مِن عَلْكُ مِن عَلَيْكُ مِن عَلْكُ مِنْكُ مِنْكُ مِنْكُ مِنْكُ مِنْكُ مِنْكُ مِنْكُ مِنْكُ مِنْكُ مِن عَلْكُ مُن عَلْكُ مُن عَلَيْكُ مِن عَلْكُ مِن عَلْكُ مِن عَلْكُ مِن عَلْكُ مُن عَلْكُ مُنْكُ مُن عَلِي مَا عَلْكُ مُن عَلِي مَا عَلْكُ مُن مُن عَلْكُ مُنْكُلُكُ مُن عَلْكُ مُن

﴿ ختم شدصر في قوانين وابواب ﴾

مركبات ابواب

باب اول صرف صغير ثلاثى مجردمهموز الفاء واجوف واوى ازباب نَصَدَر يَدُنُصُّرَ چوں اَلْآوَ بِ بَابِ اول صرف صغير ثلاثى مجردمهموز الفاء واجوف واوى ازباب نَصَدَر يَدُنُصُنَّرَ چوں اَلْآوَ بَ

اَبَ يَنُوبُ اَوباً فَهِو الْبِثُ وَإِيكَ يُنَابُ اَوباً فذاك مَنُوبُ لَمُ يَنُبُ لَمَ يُنَبُ لَا يَنُوبُ لَا يَنُوبُ لَا يَنُوبُ لَا يَنُوبُ لَا يَنُوبُ لَا يَنُبُ لِيَنْابُ لِيَنْابُ لِيَنْبُ لِيَنْبُ لِيَنْبُ لِيَنْبُ والنهى عنه لَا تَنُبُ لَا يَنْابُ لِينَابُ لِينَبُ لِينَبُ والنهى عنه لَا تَنُبُ لَا يَنْبُ لِينَابُ والنهى عنه لَا تَنْبُ لَا يَنْبُ الظرف منه مَنَاكُ و الالة منه مِنْوَبَةً ومِنُوبَةً ومِنُوبَةً وافعل التفحيل المذكر منه أوبَ والمؤنث منه أوبي وفعل التعجب منه مَا اوبَهُ وَاوب بِبُهِ التفعيل المذكر منه أوبَ والمؤنث منه أوبي وفعل التعجب منه مَا اوبَهُ وَاوب بِهُ وَاوبُ بَهُ

فعل ماضى معلوم: اب، ابا، ابوا، ابت ،ابتاً، أبن، أبت الخ فعل ماضى مجهول: رايب إيبا إيبوا إيبت إيبت البنا أبن أبن أبت الخر مفارع معلوم - يَنُوبُ يَنُوبُانِ يَنُوبُونَ تَنُوبُ تَنُوبُ تَنُوبُ ان يَنْوَبُ اللهِ مضارع مجهول: _ ينكاب ينكابان ينكابون تتكاب تنكابان ينكبن الخر

اسم فاعل : انسِبَ ، انبِكانِ انبِسُونَ ابَةُ أُواْبُ أُوبُ أُوبُ أُوبَكَ أُوبَكَ أُوبَكَ أُوبُ الْأَبَ انِبَةً النِبَتَانِ انبِبَاتَ أُوانِبُ أُوبُ أُوبِيَّ أُوبِيْبَ أُوبِيْبَ أُوبِيَةٍ أُوبُ أُوبِيَانِ أَوْبَانَ إِيَابَ

اسم مفعول: منوب منوبان الغر

اسم تفضيل مذكر: - اوك الوباي اوبون أوكنيه أوكيوب.

باب دوم صرف صغير ثلاثى مجر دمهموز الفاء اجوف يائى از باب ضد كَ يَضْدِ بِصُحْوِل ٱلْآيدُ مُّ بمعنى قوى ہونا ، مضبول ، ا۔

ادَيئِيدُ آيَداً فهو ائِدُ وَايِدَ يُنَادُ آيَداً فذاك مَنِيدُ لَمْ يَنِدُ لَمْ يَنَدُ لَا يَنِيدُ لَا يَنَدُدُ لَا يَنَدُ لَا يَنِيدُ لَا يَنِيدُ لَا يَنِدُ لَا يَنِدُ لَا يَنِدُ لَا يَنَدُ لَا يَنِدُ لَا يَنَدُ لَا يَنْدُ لَا يَ منه مَنْدُ لَا يَنْدُلُوا لَا لَهُ مِنْهُ مِنْدِيدًا وَمِنْدَةً وَمِنْدَاكُ وَافْعَلِ الْتَفْضِيلِ الْمَذْكُر منه ايدُ والمؤنث منه أُودُنَى وفعل التعجب منه مَا ايدُ فَا يَدُولُوا لَا يَدْدُوا لِلْهُ لِهِ وَاللَّهُ لَا يَعْمِلُوا لَا يَعْ

اس باب کی تمام تعلیلات وتصریفات بناع کیدیدع کے طرز پر ہیں اس بات کا لحاظ رہے کہ مہوز اور معمل کے قانون میں تعارض

کے وقت ترجیمعتل کے قانون کو ہوگ ۔

باب سوم صرف صغير ثلاثى مجرومهموز الفاءوناقص واوى ازباب نَصَرَ يَنْصُرُ چول اَلْاَلُومُ باب سوم صرف صغير ثلاثى مجرومهموز الفاءوناقص واوى ازباب نَصَرَ يَنْصُرُ چول اَلْاَلُومُ

فعل ماضى معلوم - آلاً ، ألوا ، ألوا ، ألكت ، ألكتا ، الكون ، ألوت ، الخ .

فعل ماضى مجهول: - أليي، أليها، ألوا، أليبَت، أليبَتا، أليينَ، ألييتَ ، النخ

فعل مضارع مجهول: - يُوكِلَى يُوكِلَيَانِ يُوكِكُونَ تَوْلَى يُوكِكَونِ يُوكِكِنِ يُوكِكِنَ الخ يُدَعَى يُدَعَكِانِ كَاطِرة -سوال: ـ الكُوكُونِ اصيغه ہے؟

جواب: واحد متعلم مضارع معلوم ای باب سے واصل میں اُدگو تھا شروع میں المن والا اور آخر میں یک میں والا قانون جاری ہوا ، اور آخر میں بقانون عرفی والا قانون جاری ہوا ، اور آخر میں بقانون عرفی والا قانون جاری ہوا ، اور آخر میں بقانون عرفی والا قانون جاری ہوا ، اور آخر میں بقانون عرفی والا قانون جاری ہوا ، ویکر گردان اور انکی تعلیلات کے عالیہ میں ہوا گھر قال کیا جا جا جاری ہوتے کے طرز پر کھمل کریں ۔ البتداس بات کا خیال رکھا جائے کہ مہوز الفاء ہونے کیوجہ سے مہوز کے قوانین بھی جا بجا جاری ہوتے ہیں ۔ مثلا امر حاضر معلوم آول آصل میں اُد کے قانون الم من آو کھر بہمزہ ساکندواو سے بدل گیا ، اور بقانون اُدع آخرے سے واوخذف ہوا ، و علی ھذا الْقِیکا سِ۔

اسم فاعل: - إِن ، البِيكانِ، المُونَ، الآءَ، الآءَ، التَّي، الْوَ الْوَاءُ، الْوَانَ، الآءَ، الدِيَّ الاَءَ، البِيَةَ ، البِيتَانِ،

الْمِيَاتُ، اَوَالِ، الْمِنَّ ، أُويْلِ ، أُويْلِيَةُ بِطِرزدَاعِ دَاعِيَانِ دَاعُونَ المَّخِ اسم مفعول: مَأْلُوُّ مَأْلُوْلَوْ مَأْلُوْلُونَ مَأْلُوْلَ وَمَأْلُوْلَانِ مَأْلُوْلَاتَ مَالُيْلِيَّةً وَكُون امر حاضر: أُولُ، أُولُوا أُولُولُوا، أُولِيْ ، أُولُولُ أَولُونَ -اسم تفضيل المذكر: واللي الْيَانِ الْكُونَ أُولِلِ أُولِيْلٍ -اسم تفضيل المؤنث: . اللي الْيَيَانِ الْكُونَ أُولِلْ أُولِيْلٍ -

َ باب چہارم صرف صغیر ثلاثی مجردمهموز الفاء و ناقص یا کی از باب ضَرَبَ یَضْرِ بُ چوں اَلاَ دُی اَلاَدُی میں معنی اداکرنا، دود ھے کا گاڑھا ہونا۔

اَدَى يَأْدِى اَدْيَا وَاُدَاءً فَهُو الْإِ وَادِى يُؤْدَى اَدْيا وَادَاءً فَذَاكَ مَأْدِى لَمْ يَأْدِ لَمْ يَؤُدَلا يَأْدِي لَا يَكُولُونَا الله مِنْ الله الله عَنْ الله الله عَنْ الله الله عَنْ الله الله عَنْ الله عَلْمُ عَلَا له عَنْ الله عَنْ الله عَل

باب پنجم صرف صغير ثلاثى مجرد مثال واوى ومهموز العين ازباب صَدرَبَ يَضْدِر بُ چول ٱلْمُولَدُ الله عنى زنده دفن كرنا-

وَنَدَ يَنِدُ وَنَداً فَهُو وَانِكُو لَا يُولَدُ وَنَداً فَذَاكَ مَوْ عُودٌ لَمُ يَنَدُ لَمَ يَنِدُ لَا يَنِدُ لِللَّهِ مِن فَي لَا يَنِدُ لِللَّهِ مِن فَي اللَّهُ مِن مَا يُولِدُ وَالنَّا وَالْعَلْ السّفَضِيلِ المَذَكِرِ مِن الْوَنَدُ وَالمَوْنِ عَلَيْكُ وَاللَّهُ مِن مُ مَا يُولِدُ وَمِي يَنْدُو وَمِي يَنْدُ وَالْمُونِ فَي وَلِي لَا لِمُعْمِيلًا اللَّهُ مِن فَي مُن اللَّهُ مِن مُن اللَّهُ مِن مُن اللَّهُ مِن اللَّهُ مِنْ مُن اللَّهُ مِنْ مُنْ اللَّهُ مِنْ مُن مُن اللَّهُ مِنْ مُن اللَّهُ مِنْ مُن اللَّهُ مُن اللَّهُ مُن اللَّهُ مُنْ مُن اللَّهُ مِنْ مُن اللَّهُ مِنْ مُن اللَّهُ مِنْ مُن اللَّهُ مُن اللَّهُ مُن اللَّهُ مُن اللَّهُ مُن اللَّهُ مُن اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُن اللَّهُ مُن مُن اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُنْ اللّهُ مُن اللَّهُ مُن اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُن اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُن اللَّ

باب شقم صرف مغير ثلاثى مجردمثال يائى ومهوز العين ازباب سيمع يكسم عرف المياس أسياس الميرمونا ...

يَنِسَ يَيْنَسُ يَنْسَا فَهُو يَائِسُ وَيُنِسَ يُونَسُ يَنْساً فذاك مَيْنُوسٌ لَمْ يَيْنَسُ لَمْ يُونَسُ لَا يَنِسَ يَيْنَسُ لَمْ يَوْنَسُ الامر منه إيتسُ لِتُونَسُ لِيَيْنَسُ لِيَيْنَسُ لِيُونَسُ والنهى عنه لا تَيْنَسُ لا تُونَسَ لا يَيْنَسُ الظرف منه مَيْنِسُ والالة منه مِيْنَسُ والمنه مِيْنَسُ والمؤنث منه يُنسلى وفعل ومِيْنَسَ والمؤنث منه يُنسلى وفعل التعجب منه مَا ايْنَسَهُ وَايْنِسُ بِهِ وَيَنْسَ.

باب مفتم صرف صغير ثلاثى مجردمهموز العين وناقص واوى ازباب فَتَحَ يَفْتَحَ حِيوں ٱلْدَّءُ وَ بعنى پيسلانا، دھوكددينا۔

دَنَا يَدُهُ لَى دَنُواً فَهُو دَاءِ وَدُنِي يَكُنَى دَنُواً فَذَاكَ مَدُّنَو لَمْ يَدُهُ لَمْ يَدُهُ لَا يَدُنَى لا يُدُنَى لا يُدُنَى لا يُدُنَى لا يُدُهُ لَا يَدُهُ لَا يَدُهُ لا يَكُولُونُهُ لا يَدُهُ لا يَدُمُ لا يَدُهُ لا يَدُهُ عَلَا يُولِدُهُ إِنْ يُكُولُونُ اللهُ يَا يُدُمُ لا يُعْمُونُ لا يَعْمُ لا يُدْمُ يُكُولُونُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ يَعْمُ لا يُعْمُ لا يُعْمُلُونُ عَلَى اللهُ يَعْمُ لا يُعْمُلُونُ عَلَى اللهُ يَعْمُ لا يُعْمُ لا يُعْمُلُونُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ يَعْمُ لا يُعْمُلُونُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ يَعْمُ لا يُعْمُلُونُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَا عَلَا اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَا يُعْمُلُونُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَا

كَنَا اصل مين دَنُو تَقَاقَ ال بَاعَ والا تانون جارى موا - كُنِي اصل مين كُنِوَ تَقادَّعِي والا قانون جارى موا - يُكَدُنَى اصل مين دُنُو تَقاولا يُدْخَلَى اصل مين يَدْنُو تَقايَدُنُى كَ الله عَلَى الله مِنْ - كُواَ الله عَلَى الله مِنْ - كُواَ الله عَلَى الله مِنْ - كُواَ الله عَلَى الله مِنْ الله عَلَى الله عَلَى الله عَلَى الله مِنْ الله عَلَى الله

اسم فاعل: - دَاءٍ دَانِيكانِ، دَانُـُونَ ، دُنَاةً، دُنَّاءً، دُنَيًّ دُنُوْ، دُنُواهُ، دُنُوانَ، دِنَاءً، دِنِي اَدُنَاءً، دَانِيَةً دَانِيَتَانِ دَانِيَاتُ دَوَاءٍ دُنِيَّ دُويُنِي دُويُنِيَةً .

باب بشتم صرف سغير ثلاثى مجردمهموز العين وناقص يا كى ازباب فَتَحَ يَفْتَحُ جِوں اَلرَّءُ مِي والرَّهُ يَعِيرُ (ديکنا)۔

رَاى يَكُولَى رَءْياً وَرَءْيَةً فَهُ و رَاءَوَرُءِى يُكُولى رَنْياً ورُءُيةً فذاك مَرُنِيٌ لَمُ يَرَ لَمُ يُرَ لَايَرَى لَا يُكُلى لَكَ يُكُولى لَكَ يُكُول لَكَ يُكُول الامر منه رَ لِتُر لِيَرَ لِيُرَ والنهى عنه لَاتَرَ لَاتُر لَايُر لايُر الظرف منه مُكُوني والالة منه مِرْني وَمِرْءَ اهُ وَمِرْءَ اهُ وَافْعِل التّفضيل المَدْكر منه أَرْني والمؤنث منه رُنيل وفعل التعجب منه مَا اَرَاهُ وَارِي بِهِ وَرَثُور

فائدہ:۔۔ویسے تویست کے والا قانون کے اندر ہمزہ کی حرکت ماقبل کودینا جائز اور پھر ہمزہ کر صدف کرنا واجب ہوتا ہے لیکن عرفی کے در کت ماقبل کودینا عرفی کے اندر ہمزہ کی حرکت ماقبل کودینا عرفی کے جوافعال مشتق ہوتے ہیں ان میں کیسک والا قانون وجو بی طور پر جاری ہوتا ہے یعنی ہمزہ کی حرکت ماقبل کودینا بھی واجب ہے۔لہذا کا لی یک لوی کے تمام افعال میں یکسک والا قانون وجو با جاری ہوگا۔

فعل ماضى معلوم -راى، رأياً، رَبِي وَنَيْتُ ، رَنَيْتُ ، رَنَيْتَ ، رَنَيْنَ ، رَأَيْتَ ، الخ-

ماضى مجهول: ومُنيى ، ونييا، ومُولا، ومنيئة ، ونيكتا، ومنيين، ونييت ، النح

قعل مضارع معلوم - يَسرَى يَسرَيَسَانِ يَسرَوُنَ تَسرَى تَسرَيَسَانِ يَريَنَ تَرى تَرَيَانِ تَرَوُنَ تَرَيَنَ تَرَيَانِ تَرَيْنَ أَرْنَى نَرْى .

فعل مضارع مجہول کیرای ٹیریکان ٹیرون ٹنری ٹرکیان ٹیرکی کے النے معلوم کی طرح۔ اتنافرق ہے کہ حدف اتین یہاں مضموم ہے جبکہ معلوم میں مفتوح ہے

مضارع معلوم وججول کے تمام صیغوں میں بیست سے والا قانون جاری ہوا ہے۔مضارع معلوم کی گروان اصل میں یوں تقی میڈنگیان بیرنگی گردان یوں تھی گیرنگیان گیرنگیان المنح اور مضارع مجبول کی گردان یوں تھی گیرنگیان گیرنگیان گیرنگیون المنح بمزه کی حرکت ماقبل کودیکر ہمزہ حذف کیا گیااس کے بعد بعض صیغوں میں قسال بساع والا قانون جاری ہوااور بعض میں

ھَالَ جَاعَ والا قانون کے ساتھ ساتھ التقائے ساکنین والا قانون بھی جاری ہوا۔

مجهول: لَيُركِنَ لَيُركِانِ لَيُركِانِ لَيُرُونَ الخ

امِرحاضرمعلوم بلاتا كيدنه رُ ،رَيَا، رُوْا، رَيْ ،رَيَا، رَيْنَ ـ

مؤكد بنون تاكير تقيله: - رَيْنَ ، رَيَانِ، رَوُنَ، رِيْنَ، رَيْنَ، رَيْنَانِ، رَيْنَانِ.

امرحاضرمعلوم مؤكد ، بنون تاكيدخفيفه : - رَيَن ، رُون ، رَيِن .

ر اصل میں نظری کے مقا، امر عاضر معلوم بناتے وقت حرف اتین کوحذف کیااور آخر میں وقف کرنے کی وجہ سے الف حذف ہوا تو آگری گیا۔ ای طرح آگی آصل میں نظری آو آصل میں نظری کو اس میں نظری کا حرف التین حذف کیا اور وقف کی وجہ سے آخر سے نون اعرابی حذف ہوا اور یوں بھی تعلیل کی جاستی ہے کہ کر اصل میں یا آ گئی تھا یکسک والا قانون کے مطابق ہمزہ کی حرکت راء کود کیر ہمزہ کو حذف کردیا گیا تو یارٹی بنا پھر شروع کا ہمزہ وصلی مابعد کے متحرک ہونے کی وجہ سے گرگیا اور آخر کا حرف علت بھی گئے گئے آدئے والا قانون سے حذف ہوا۔ دیگر صیغوں کی تعلیل بھی ای طرز پر

باب نم صرف صغير ثلاثى مجردا جوف واوى و مهموز اللام ازباب نَصَسَر يَنْصُر جول اللَّهُوء م

اكثر وبيشتر تواس باب كى كردان اور تعليلات قسك كي كي قول فى تعليلات وتصريفات كے طرز پر بين ليكن بير باب چونكه اجوف

واوی ہونے کے ساتھ ساتھ مہوز اللام بھی ہے اسلے اسکے بعض صیغوں میں مہموز کے قوانین بھی جاری ہوتے ہیں۔ مثلاً بسیاء اسم فاعل اصل میں کباو ، تھاف انیل کہانے والاقانون سے کباء ہے بنا پھر کجاءِوالاقانون سے کباء ی بنا، اس کے بعد بقانون کیڈ مجھو کیڑھے دیا ءساکن ہوگی اور التقائے ساکنین کی وجہ سے حذف ہوگئ۔ و عللی ھٰذا الْقِیکاس ۔

باب دہم صرف صغر ثلاثی مجر دمثال واوی ومهموز اللام ازباب فَتَحَ يَفْتَحُ چول اَلُو بَاءَ مَعَى اثاره كرنا۔ وَبَنَى يَبَنَى وَبَاءٌ فَذَاكَ مَوْبُوءٌ كُمْ يَبُنى لَمْ يُوبَنِى لَا يَبَنَى لاَ يَبَنَى لِيَبَنَى لِيبَنَى لِيبَنَى لِيبَنَى لِيبَنَى وَالنهى عنه لاَ تَبَنَى لاَ يَبَنَى الْمُومِ مِنْ مَنْ يَلِيبُنَى لِيبَنِي لِيبَنِي لِيبَنِي لِيبَنِي لِيبَنِي لِيبَنِي لِيبَنِي لاَ يَبَنِي لاَ يَبَنِي لِيبَنِي لِيبَنِي لاَ يَبْنِي لاَ يَبْنَى لاَ يَبَنِي لاَ يَبْنَى لاَيبَنِي لاَ يَبَنِي لاَ يَبَنِي لاَ يَبَنِي لاَ يَبَنِي لاَ يَبَنِي لاَ يَبْنِي لِيبَنِي لاَ يَبْلِي لَا يَبْنَى لاَي وَبِيبَاءً وَالله عَنْ عَلَيْهُ وَمِيبَاءً وَالْعُمِي اللهُ الله وَاللهُ عَنْ مِنْ يَبِيبُونَ وَالله مِنْ مِيبَنِي وَمِيبُونَ وَمِيبُونَ وَاللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ وَاللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَلْمُ عَلَى اللهُ ُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ ال

تصریفات و تعلیلات ای باب کی و صنع یضع کی تعلیلات و تصریفات کے طرز پر ہیں۔البتہ ممهوز اللام ہونے کوجہ سے پہال جگہ مہوز کے قوانین بھی جاری ہو سکتے ہیں توجفر مائے۔

باب يازدجم صرف صغير ثلاثى مجرداجوف يائى ومهموز اللام ازباب سَمِعَ يَسُمَعُ چول اَلشَّيبُعُ عَلَى اللهُ
شَاءَيَشَاءُ شَيناً وَمَشِينَةً فَهُو شَاء وَشِينَى يُشَاءُ شَيْناً وَمَشِينَةً فَذَاك مَشِيئً لَمُ يَشَنَى لَمُ يُسَنَى لَمُ يَشَاء كُنَ يَّشَاء كَنَ يَّشَاء كَلَى يُشَاء الامر منه شَنَى لِيَشَنَى لِيسَنَى لِيشَئَى لِيشَنَى والنهى عنه لا تَشَنَى لاَيشَنَى الظرف منه مَشَاء والالة منه مِشَينَ ومِشيئَة ومِشيئَة ومِشيئاً وافعل التعجب منه مَاشَيئة وافعل التعجب منه مَاشَينَة واشيئ به وَشَيْنَ .

فعل ماضى معلوم: ـ شَاءَ اشَاءً اشَاءً وَ اشَاءً تَ شَاءَ تَا شِنْنَ شِنْتَ الخ فعل ماضى مجهول: ـ شِيتِيَ شِيتَنَا شِيتَوْ شِيتَنَا شِيتَنَتْ شِيتَنَتَ شِيتَنَا شِنْنَ شِنْتَ الخر فعل مضارع معلوم: ـ يَشَاءً يَشَاءً إِن يَشَاءً وَنَ تَشَاءً تَشَاءً انِ يَشَانُ الخ فعل مضارع مجهول: _يُشَاء يشَاء أن يُشَاء وُنَ تُشَاء تَشَاء أَن يُشَنَّنَ المخرِ

مہوزاللا م ہونے کی وجہ سے مہوز کے قوانین بھی یہاں جا بجا جاری ہوسکتے ہیں۔

باب دواز دہم صرف صغیر ثلاثی مجر دمہموز الفاء ولفیف مقرون از باب ضَسَرَ بَ یَضِیر بِّ چوں اَلاَی مِی بمعنی نادلد :

اولى يَاأُونَ اَيَّا فَهُو الْ وَاوِي يُنُولَى اَيَّا فَذَاكَ مَأُونٌ لَمْ يَأُو لَمْ يُنُو لَا يَأُونَ لَا يَأُونَ لَكَ يَأُونَ لَكَ يَأُونَ لَكَ يَأُونَ لَكَ يَأُونَ لَكَ يَأُونَ لَكَ يَأُولُ لَكَ يَأُولُ لَا يَأُولُ لَا يَأُولُ لَا يَأُولُ الظرف منه مَا الله منه مِنُونَ ومِنُواةٌ ومِنْواةٌ وافعل التفضيل المذكر منه الولى والمؤنث ممنه ما الله وفعل التعجب منه ما الراة والوي به وَاقَ.

اں باب کی تعلید لات و تصریفات طکولی یکوئی کطرز پر ہیں البتہ یے مہوز الفاء بھی ہے لہذا ہمزہ میں مہوز کے قال جاع کے قواعد جاری ہوئے ۔ اور طکولی یکوئی کی طرح یہاں بھی واولفیف کا عین کلمہ ہے لہذا آئمیں اجوف کے قال جاع کے مودو مودو کر دے واج میاع اور قانیل کا بانے والے قوانین جاری نہیں ہوئے۔

باب سيز دېم صرف صغير تلاقى مجر دلفيف مفروق ومهموز العين از باب ضرب يضير بعي چول المولمي عني وعده كرنا ـ بمعني وعده كرنا ـ

وَنَى يَنِيْ وَنَيًا فِهُو وَاءِ وَوُنِي يُونَى وَنَياً فذاك مَوْنِي كُمْ يَنِي لَمْ يُوءَ لَا يَنِي لَا يُونَى لَنَ يَنِي لَنَيْ لَنَيْ لَا يُوءَ لَا يَنِي لَكُونَى لَنَ يَنِي لَكُرْ يَنِي لَكُرْ يَنِي لَكُرْ يَنْ وَالْمَوْف منه لَكَرْ يَوْءَ الله منه مِيْنَى وَمِيْنَاءً ومِيْنَاءً وافعل التفضيل المذكر منه أوّ لى والمؤنث منه وني والمؤنث منه وني التعجب منه مَا أَوْنَاهُ وَأَوْنِي بِهِ وَوَنُورَ

فعل ماضى معلوم - وَنلَى وَنَياً وَنَوْا وَنَتُ وَنَتَا وَنَيْنَ وَنَيَا وَنَيْنَ وَنَيْنَ وَنَيْتَ الْخ - فعل ماضى مجهول - وُنِي وُنِينا وتُوا وْنيِئتْ وْنِينَا وْنَيْنَا وْنَوْلِينَا وْنَوْلِينَاتْ وْنِينَا وْنَوْلِينَاتْ وْنِينَا وْنَوْلِينَاتْ وْنِينَا وْنَوْلِينَاتْ الْخ -

مضارع معلوم: - يَئِي كَيْنِيَانِ يَنْوَنَ تَنْيَ تَنِيكِانِ يَنْيِنَ تَنِي تَنْدِي تَنْيِكَانِ تَنُونَ الخ-

مضارع مجهول: يونني يونيكان يونون توني تونيكان يونين المخ

امرحاض معلوم بلاتا كيد - ء، ينيكا، فول، يني، ينيكا، ينين -

امرحاضرمعلوم مؤكد بنوَن تاكيرثقيله: - يندَقَّ بِيُداتِّ فِنَّ بِيْنَ نِيكاتِّ بِيُنَاتِّ بِيُنَاتِّ

باب چهارد جم صرف صغير ثلاثي مجرد مهموز الفاء ومضاعف ازباب نَصَعَر يَنْصَعُر چول الآبِ

تجمعنی اراده کرنایا آماده اور تیار ہونا۔

اَبَ يَأْبُ اَبَا فَهُو اَبُ وَابَ يَأْبُ اَبَا فَذَكَ مَأْبُوبُ لَمْ يَأْبُ لَوْ يَأْبُ لَكُ يَأْبُ لَكُ يَأْبُ لَكُ يَأْبُ لَمْ يَأْبُ لَمْ يَأْبُ لَمْ يَأْبُ لَكُ اللّهَ يَعْلَمُ لَا يَأْبُ والمنهى لِتَنَابُ لِتَأْبُ لِيَأْبُ لِيَأْبُ لِيَأْبُ لِيَأْبُ والمنهى عنه لاتَأْبُ لاتَأْبُ لاتَأْبُ لاَتَأْبُ لاَتَأْبُ لاَتَأْبُ لاَتَأْبُ لاَتَأْبُ لاَتَأْبُ لاَتَأْبُ لاَيَأْبُ لاَيْبُ لاَيَأْبُ لاَيْفُ لاَيَأْبُ لاَيْفُ لاَيَابُ لاَيُكُ لاَيْفُ لاَيْفُولُونُ وَلَا لاَيْفُولُونُ لاَيَالُهُ لاَيْفُولُونُ لاَيْفُولُونُ لاَيْفُولُونُ لاَيْفُولُونُ لاَيْفُولُونُ وَلِيلُالِهُ لِللْمُ لِلْمُ لاَيْفُولُونُ لِكُولُونُ لِللْمُ وَلَالُونُ لَا لَكُولُونُ لاَيْفُولُونُ لاَيْفُولُونُ لاَيْفُولُونُ لاَيْفُولُونُ لاَيْفُولُونُ لاَيْفُولُونُ لِيَاللْمُ لِلْمُ لِلْمُ لِلْمُ لِلْمُ لِلْمُ لِلْمُ لِلْلِلْمُ لِلْمُ لِلْلْمُ لِلْمُ لِمُ لِلْمُ لِلْمُ لِلْمُ لِلْمُ لِلْمُ لِمُ لِلْمُ لِلْكُولُ لِمُ لِلْمُ لِمُلْمُ لِمُلْمُ لِلْمُ لِلْمُ لِلْمُ لِمُ لِلْمُ لِمُ لِلْمُ لِلْمُ لِمُلْمُ لِمُلْلِمُ لِمُ لِلْمُلْمُ لِلْمُلِمُ لِلْمُ لِمُلْمُ لِمُلْمُ لِمُ لِمُ لِلْمُ لِمُ لِمُلْمُ لِمُ

الْاَبُ اصل مين الْاَبْدِ فِي الْمَاسِين كروس قانون سايك باءدوسرى من مغم مولى ـ فعل ماضى معلوم: البَّنَ البَّاء البَّواء البَّتَ ، البَّتَ ، البَتْنَ ، الْبُتَنَ ، البَتْنَ ، البُتْنَ ، البَتْنَ ، البَتْنَ ، البَتْنَ ، البَتْنَ ، البَتْنَ ، الْتَلْمُ البَتْنَ ، البَتْنَ ، البَتْنَ ، البَتْنَ ، البَتْنَانَ ، البَتْنَ ، البَتْنَ ، البَتْنَ ، البَتْنَ ، البَتْنَ ، البَتْنَانَ ، البُتْنَ ، البُتَلْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللّهُ ال

فعل ماضى مجهول: -أَبُّ، أَبَّا، أبو أَ، أبيَّتُ، أبيَّتَا، أبيتَنَ، أبِيتَنَ، أبِيتَتَ، الخ.

فعل مضارع معلوم : _ يَا أَبُّ يَا أُبِيَّانِ يَا أُبِيَّوْنَ تَا أَبُّ تَأْبَلُنَ يَأْبُبُنَ تَأْبُنَ تَأْبُلُنَ مَا أُبِينَ مَا يَا لَهُ مِنْ اللَّهُ مُن اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مُن اللَّهُ مِنْ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ الل

مضارع مجهول: _ يُؤبُّ مِأْبَانِ مِنْأَبُونَ المخـ

آب اصل میں ابب تھااور آب اصل میں ابب تھامتجانسین کا تیسرا قانون جاری ہوا۔ یک بی اصل میں کے ابب اور کیؤ بی اصل میں ابب تھا اور آب اصل میں کے ابب تھامتجانسین کا تیسرا قانون جاری ہوا۔ یک بی امر ف منقل کی اور ہا مو ہا میں مرخم کیا اصل میں ہے۔ اور بی متجانسین کے تیسر سے قانون سے پہلی ہا می حرکت ما قبل کودیکر ۔ اور بیٹ کے مقامتجانسین کے تیسر سے قانون سے پہلی ہا می حرکت ما قبل کودیکر باء کو باء میں مرخم کیا تو اُنگر بی بازی کر اور اور منظم کیا تو اُنگر بی بازی کر اسم تفضیل خدر) باء کو باء میں مرخم کیا تو اُنگر بیٹ کی طرح عمل ہوا۔

اس با بى گردانيں اور اسميں ہونے والاردوبدل مك يك يكم الله كالم الله على الله الله مهوز الفاء ہونے كى وجه المميل مهوز كے قوانب مهمي حارى ہوتے ہيں اس بات كاخيال ركھا جائے۔

با ، بإنزد جم صرف صغير ثلاثى مجرد مثال واوى ومضاعف ازباب عَلِمَ يَعُلَمُ چول الْوَدُّ بمعنى مجت كرنا، يسند كرنا۔

وَدَّيُودُ وَدَّا فِهُو وَالْدُووُدَّ يُودُ وَدَّا فَذَاكَ مَوْدُودُ لَمْ يَودَّ لَمْ يَودَدُ لَمْ يُودَدُ لَمْ يُودَدُ لَمْ يُودَدُ لَمْ يُودَدُ لَمْ يُودُدُ لَمْ يُودَدُ لَمْ يُودَدُ لَمْ يُودُدُ لَا يَعرَدُ لِي يَعرَدُ لِي يَعرَدُ لِي يَعرَدُ لِي يَعرَدُ لِي يَعرَدُ لَا يُعرَدُ لَا يُعرَدُ لَا يُعرَدُ لَا يُودُ لَا يُعرَادُ لَا يُعرَدُ لَا يُعرَدُ لَا يَعرَدُ لَا يَعرَدُ لَا يَعرَدُ لَا يَعرَدُ لَا يُعرَدُ لَا يُعرَدُ لَا يَعرَدُ لَا يَعرَدُ لَا يُعرَدُ لَا يُعرَدُ لَا يُعرَادُ لَا يَعرَدُ لَا يَعرَدُ لَا يُعرَادُ لَا يَعرَدُ لَا يَعرَا لَا لَعْمِع لِ المَعْمَا لِلْمُعْلِقُ الْمَعْمِلُ الْمُعْمِلُ الْمُعْمُلُ الْمُعْمِلُ الْمُعْمُلُولُولُولُكُمْ لِلْمُ الْمُعْمِلُ الْمُعْمِلُ الْمُعْمِلُ الْمُعْمِلُ الْمُعْمِلُ الْمُعْمِلُ الْمُعْمِلُ الْمُعْمُولُ الْمُعْمُ الْمُعْمُلُولُولُولُولُولُكُمْ الْمُعْمُ الْمُعْمُولُ الْمُعْم

یہ باب اپنی تمام تعلیلات و تصریفات کے ماتھ عَضَّ یکعض کی طرح ہے البتداتا فرق ہے کہ بیمضاعف مونے کے ساتھ ساتھ مثال واوی بھی ہے لہذا یہاں واؤیس مثال کے قوانین بھی جاری ہوتے ہیں،۔

مَثْلَ الْمُورِّدُ اللهِ عَلَى الْمُورُدُ وَهُمَا مَعَ السين كادوسرا قانون جاري موار

فعل ماضى معلوم : وَدُّ، وَدُّا، وَدُّوا، وَدَّتْ، وَدَّتَا، وَدِدْنَ ، وَدِدْنَ ، وَدِدْتُ ، الخ

فعل ماضى مجهول: وكُذَّ، وَدَّا، وَدُّوا، وَدُّوا، وَدُّتْ، وَكَّنَّا، وُدِدْنَ، وُدِدْتُ ،المخ

مضارع معلوم : - يَوَدُّ يَوَدُّانِ يَوَدُّونَ تَوَدُّ تُودُّ تَوَدُّانِ يَوْدُذَنَ المخ ـ

مضارع مجهول: يُبودُ يُودُانٍ يُودُّونَ الخ ـ

و کہ اصل میں وَدِدَاور و کہ اصل میں و دِدَ تھا متجانسین کا تیسرا قانون جاری ہوائیو کہ اصل میں یکو دک اور کیو کہ اصل میں میں عرب اور کیو کہ اصل میں اور کیو کہ اور کیو کہ اس مناسل میں میں میم کیا۔ والکہ اسم فاعل اصل میں وادِد کھا اسمیں بھی متجانسین کا تیسرا قانون جاری ہوا۔

امرحاضرمعلوم: ـ وَتُنَّ، وَتِنْ إِيدُ قُودًا ، وَدُّوا ، وَتِينَ ، وَتُذَا ، إِيدُ دُنَ ـ

<u>ِ اَيْدُدُ ا</u>صل ميں او دُدُة تقااور <u>اِيْدُدُنَ</u> اصل ميں او دُدُنَ تھا۔ ِمِدْعِعَادُوالا قانون جاری ہوامُودُ

اسم ظرف اصل میں کمنو کہ دکھامتجانسین کا تیسرا قانون جاری ہوا۔

سوال: ينلاقى مجرد مے مثال كاسم ظرف تو بميشه مَسْفَعِ لَيْ كوزن پرآتا ہواور وَكَدْ كِيُوكُو بَهِي مثال ہواس كاسم ظرف مَوِ يَنْهُ وَمَا عِلْ اِسْدَارِهِ مَوَدُّ؟ مَوِ يَنْهُ وَمَا عِلْ اِسْدَارِهِ مَوَدُّ؟

جواب ۔ یصرف مثال نہیں ہے بلکہ مضاعف ہی ہا ور مضاعف و معتل میں تعارض کے وقت مضاعف کور جی و بجاتی ہے تو یہاں مضاعف کو مثال پر رہے گئے و بیاتی ہے تو یہاں مضاعف کو مثال پر رہے گئے و بیاتی میں کے درمیان تعارض ہوا۔ مِی عَمَادُ والا قانون کا تقاضایہ مِیْوَدُدُ مِی مُودُدُ ہُ سے بدل جائے اور متجانسین کا تیسرا قانون اس بات کا مقضی ہے کہ وال اول کی جرکت واوکود یکر وال کو وال میں مِن کی جائے اور متال و مضاعف کے قواعد میں تعارض کے وقت مضاعف کے قانون کور جی و بیجاتی ہے لیدا یہاں متجانسین کا تیسرا قانون جاری ہوا، و مُحلی ھُذَا مَن اُن وَن جاری ہوا، و مُحلی ھُذَا مَن وَن جاری ہوا، و مُحلی ھُذَا مَن مَن کے دائے تھام جی کے دالا قانون جاری ہوا، و مُحلی ھُذَا مَن مَن کے دائے تھام جی کے دالا قانون جاری ہوا، و مُحلی ھُذَا

باب شانزد جم صرف صغير ثلاثى مجرد مثال ياكى ومضاعف از باب عَلِيمَ يَعْلَمُ چول اَلْيَمَ الْمَيْمَ الْمُعَلِيمَ بمعنى سمندر ميں پھينكنا۔

يَ مَ يَكُمُ لَا يَيُمُ لَا يُبَكُمُ لَكُنَ يَيُمُ يَكُمُ يَكُمُ الْمَاكُ مَيْمُومُ لَمْ يَيُمَّ لَمْ يَيُمْ لَمْ يَيُمُ لَمْ يَيُمُ لَمْ يَيُمُ لَمْ يَيُمُ لَمْ يَيُمُ لَمْ يَيُمُ لَا يَيَكُمُ لِكُنَيَّ لِتُومَمُ لِلْمَارِمِنِهِ بَحَ يَكُمُ لَا يَيَكُمُ لِكُنَيَّ لِتُومَمُ لِلْمَارِمِنِهِ بَحَ يَكُمُ لِيَكُمُ لِكُيكُمْ لِلْيُكُمْ لِلْمَارِمِنِهِ بَحْ يَكُمْ لِلْمَارِمِنِهِ بَحْ يَكُمْ لِلْمُتَكِمِّ لِلْيُكُمْ لِلْمُنْ لِلْمُومَمُ والنهى عنه لا تَيُمَّ لا تَيْمَ لا تَيْمَ لا تَيْمَ لا تَيْمَ لا تَيْمَ لا يَيْمُ لا يُكِمَّ لا يُكُمَّ لا يُكُمْ لا يُكَمَّ لا يُكَمَّ لا يَكُمْ لا يُكَمِّ لا يُكُمْ لا يُكِمَّ لا يُكُمْ لا يُكُمْ لا يُكُمِّ لا يُكُمْ والمؤنث منه يُمَنَّ وفعل التعجب منه مَاليَمُهُ وَالْمؤنث منه يُمنى وفعل التعجب منه مَاليَمُهُ وَالْمُؤنث مِهُ وَيَحْ

ماقبل کی طرح یہ باب بھی تعدلید الت و تصریفات میں عَضَ بِعَضَ کی طرح ہیں۔ صرف اتنافرق ہے کہ یہ مضاعف ہونے کے ساتھ ساتھ مثال یا گی بھی ہے لہذا ابعض مواضع میں یہ ال مثال کے قوانین بھی جاری ہوتے ہیں۔ مثلاً کم و مدر دور و مدر دور و مدر کے مطابق یاءواوے تبدیل ہوگئ۔ کم یو مدر و مدر کے مطابق یاءواوے تبدیل ہوگئ۔ مربع کی مدر کے مشابق یاءواوے تبدیل ہوگئ۔ مربع کی مدر کی کی ابواب میں سے مرکب کا کی رالاستعال باب ایک کی مدر کے کی ابواب میں سے مرکب کا کی رالاستعال باب ایک کی کی دور کے کہ کے ابواب میں سے مرکب کا کی رالاستعال باب ایک کی کی دور کی ہے۔

صرف صغر ثلاثی مزید فیمهموز العین و ناقص پار) از باب افتحال چوں الا راء و بمعی دکھانا ارکی پیری اِراء و شہو مرء و اُری پیری اِراء و شذاک مرنی کم فیر کم پیر کا پیری کا پیری کا پیری کئی پیری کش پیری الامر منه اُر لِتَدَ لِیْرِ لِیْرُ والنهی عنه کا تیر کا تیر کا پیر کا پیر النظرف منه محرنی مردی کیاں محرد کیائے۔

الآراء قو اصل میں الآر، ای تھا (الآكر أم علی طرح) يكسل والا قانون بهمزه كى حركت راء كود يكر بهمزه حذف كيا كيا توالدرائ بناد على والا قانون ب ياء بهمزه بتديل بوئى اور پھر إقامة والا قانون كے مطابق آخر ميں تائے متحركه ما قبل كے فتح كے ساتھ لگادى تو الآراء قو بنا۔

> على ماضى معلوم: - أرى أرياً أروا أرت أرتاً أركن أريت الخد فعل ماضى مجبول: - أرى أريا أروا أريت أريتاً أرين أريت النحد

مضارع معلوم ۔ قیری قیری اُری اُرون تیری تریکان قیرین تیری تیریکان تیریک تیریک تیریک تیریک تیریک تیریک اُرِی نُرِی ۔ اُرِی نُرِی ۔

مضارع مجهول: - يَرَى يُرَيَانِ يُرُونَ تُرَى تُرِيَانِ يُرِينَ تُرَى تُرِيَانِ تَرَى تُرِيَانِ تَرُونَ المخ-

اسم فاعل عدد حديديان مرة ورز حد مرويدة مرزيتان مرزيات .

اسم مفعول: مرد المحرد كيان مرء ون مرء المحموء اتان مرنيات.

امرحاض معلوم: - أرِ ، أرِيَا ، أرقي الرِيْ ، أريا ، أرين -

ان باب كى ويمر تعليلات أهدى يهدي كى تعليلات كاطرح بير

الله تعالیٰ کے بے پایاں فضل وکرم ہے آج بتاریخ اارمضان المبارک ۲<u>۳۳ ا</u>ھ بمطابق ۱۱ءا کتوبر<u>۵۰۰ ب</u>یرسالہ اپنے اختیام کو سندا

يَا إِلَٰهُ الْعَالَمِينَ اسكوتبوليت عطافر ما!

اے مرے لیے، مرے اماتذہ اور والدین اور دوست احباب کیلئے ذریعہ نجات اور ذخیرہ آخرت بنا (امین) رَبِّسَنَا تَنَقَبِّلُ مِثَا عِالنَّکَ اَنْتَ السَّمِ مِلْعُ الْعَلِيْمُ وَتُبُ عَلَيْنَا إِنَّكَ اَنْتَ النَّوَّابُ الرَّحِيْمُ وَصَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَى خَيْرِ خَلْقِهِ مُحَمَّدٍ وَّالِيْم وَصَحْبِهِ اَجْمَعِیْنَ

العربنده رشيدا حرسواتي بيال جايدة

وعورت کی اسلامی زندگی پی

متولف:مفتى عبدالغفور

دورها ضرمین ایک مسلمان عورت کممل شرعی زندگی کیسے گزار

گنتی ہے۔ شرعی پردہ ،عورت کی تعلیم ، مردوعورت کا دائرہ کا

رعورت کے حقوق و فرائض ،عورت کی عظمت اوراس کو حاصل

رعورت کے حقوق و فرائض ،عورت کی عظمت اوراس کو حاصل

شرعی حقوق ،فیشن کی شرعی حدود ، پاکی نا پاکی کے مسائل ،

شری حقوق ،فیشن کی شرعی حدود ، پاکی نا پاکی کے مسائل ،

شری حقوق ،فیشن کی شرعی حدود ،پاکی نا پاکی کے مسائل ،

شری حقوق ،فیشن کی شرعی حدود ،پاکی نا پاکی کے مسائل ،

شری حقوق ،فیشن کی شرعی حدود ،پاکی نا پاکی کے مسائل ،

شری حقوق ،فیشن کی شرعی حدود ،پاکی نا پاکی کے مسائل ،

شری حقوق ،فیشن کی شرعی حدود ،پاکی نا پاکی کے مسائل ،

شری حقوق ،فیشن کی شرعی حدود ،پاکی نا پاکی کے مسائل ،

شری حقوق ،فیشن کی شرعی حدود ،پاکی نا پاکی کے مسائل ،پندرہ ابواب پر کشمیل دستور حیات ۔

ناشر:مكتبه دارالقليم ليبراسكوائرنز دجامعه بنور بيالعالميدسائك كراجي

of White States

مئولف:مفتى عبرالغفور

کے وفاق المدارس میں داخل نصاب زادالطالبین کی شرح کے استھام نہم ، درسی انداز میں ،

ہمایت اختصار کے ساتھ عام نہم ، درسی انداز میں ،

ہما نی اور ایٹ کا ترجمہ ، مختصر توضیح ، مشکل الفاظ کے کے معانی اور افت نہایت آسان انداز میں بیان کیا گیا کے کہاں مفید ہے۔

ہما نی اور بنات دونوں کیلئے کیساں مفید ہے۔

ناش مكتبه دارالقلم ليبراسكوائرنز دجامعه بنوربيالعالميه سائث كراجي



الل علم كيليم ولف كالكاور كرانفذر تحفي علم تحوكى شهره آفاق كتاب شرح جامى كى ايك جديد دلجيب وجامع ،اورايخ انداز کی منفر دشرح ۔۔۔۔ بنام

اَلْجُهُدُ العُلْمِيْ في حل شوح الجامي: عنقريب زيوطع سے آراستہ موكر منظرعام برآرى ہے۔

تاليف: مولا نارشيداحمسواتي - استاد جامعه بنوريه - كراچي

شرح هذاکی خصوصیات:

🕁 متعلقه بحث كااييا آسان اور جامع خلاصه جس سے عبارت خود بخو دحل ہو۔

🖈 اعراض عبارت کی نشاند ہی جتی الا مکان اختصار اور جامعہ کی کوشش طویل اور غیر متعلقه مباحث سے اجتناب ، انداز بیان انتہائی سہل اور عامنہم جس کے بعد نحو کی اس اہم اور مشکل کتاب کے سیجھنے میں کوئی وقت محسوس نہیں ہوگ۔

ناش صكتبه دارالقلم ليبراسكوا ترنز دجامعه بنوريه العالميه سائك كراجي